جله حقوق تحق ناشر محفوظ ہیں چضا (۵) پنجم ب الروار ملامحت تدريا فرمحكسي رطينه مولانا سيرسسن إمدا دمنالاقال حضرت ام الواحس على ابن موسى الرضاع السيسلام معقوط مکسی امام بارگاه مارش رودکرای ۵ معقوط مکسی این این معقوط میکسی این کارسی این معقوط میکسی این معتوبی ۱

بعدار الانوار (جلرهم) درمالات حضرت امام علی ابن موئی الرضا علیات لام

| صغخب | عنوانات | صفخير | عنوانات |
|------|--|-------|---|
| IA | عبرطفلی سی میں نظر انتخاب | | باب اول |
| IA | عراق جانے سے قبل اعلان جالت بن | | ولادت القاب بكنيت بنقش كين اور |
| 19 | آپ کے متعلق تحسیریں کنفس | | آت کی مادر گرامی کے مختصر طالات |
| 47 | مرامام اپنے وقت کا قائم ہوتاہے | | |
| 78 | خوش فسستی کی علامت | 1 | نقشگین |
| 73 | الترتعالي كوستطور تبي كسسلدامام ينقطع بو | j | تاریخ کولادت و وفات |
| 71 | صاحب الانٹر اسی نسل سے ہوں گے | 1 | جائے وُلادت ومقام دفن وغیرہ |
| 44 | علی بن جنّغزک گوایی | ۳ | آب کے لقب مضا سکی وج تشمیہ |
| 44 | جسم میں شکرگی کمی کی علامت | ٣ | آیکی والدہ گامی کے حالات |
| 78 | كتاب جفر كامطالعه | 4 | تاریخ ولادت میں اختلات |
| | با ب سوم | 4 | كُنيت والقاب |
| | شاك امامت دمعزات | | باب دوم آب کی امامت برخصوصی تصوص |
| 74 | ریان کے دل کی بات زبان امامت ہم | | |
| ۴- | بغيردربان كي شركك كاجواب | 1- | نعقي دسول اكرم صتى الشرعليه وآله وستم |
| 41 | حكيم ا مام سع اعراض كى مسترا | 11 | جانشینی کے بارے یں نقی حفرت الم درائی م |
| ۲۳ | زمین نے سونا اُ گل دیا | ١٨ | اولادِملٌ و فا لمدّ کی گواہی |
| ۲۳ | ا مام كوسر زبان كاعلم ميوتاي | 10 | عائدین مدنی کی گواری |
| 44 | مَرْم كِينَة نِيم رَشِيسِ لِهَاس جَارَنِهِ | 10 | معزية الم معفرها وق عليكسيلام كمنس |
| ۲۷ | آب نے لیے بارے یہ بیٹی گوئ فران | JA | كتاب جغروجا معدكا مطالعي |

| صومب | عوانات | صوم | . عنوان حب |
|------|--|-------|--|
| 41 | راس الجالوت بردی سے امام کا خطاب | ۲۷ | آبٹے کو نے پرمحوا کا ہرن آگیا |
| 47. | ا المم کی مرنے روائی ا وروالیی پرددی کینز | 44 | امام نے خواب میں مدایت فرمائی |
| λ, | مے گفتگو | 44 | ا ما م كوسون كدخا تركا علم موتاب |
| 27 | ا ما تم نے سندی زبان میں گفتگو فرمان | ا و ۱ | ا ما مم كى ايك خارجى سے گفتگو |
| 24 | 4 1 | ۵- | ومبل كوانعام عطا فرماكر بدايت فرمائي |
| ۷۲ | غیر خدا بب مے علما مرسے امام کی گفتگو | ۵. | إرون الركشيدك بارسي بيش كوتى |
| 40 | امام سرعلم وكمال بس سيصح ا فضل مؤتآ | 01 | قبل ازوتت جنگ کے شیجے کی میش گوئی |
| | بابعبم | or | ا ما م كى سامنے بطائنى كى فبرس كيرين كے |
| | امام کے چذنہ تخب استعار | | سوال وجواب ۔ |
| | | | میری ا در اردن ریشیدی قبر برابربرابربوگ |
| 44 | | 40 | جناب رسالتماً ئے موے مبارک کاشنافت |
| | مامون رستيد كے يہے مردعا ر | DIA | |
| | بكاركے ليے بردعار | ۵۵ | آب کے ما تھوں کی انگلیال شمع کیبطرح روشن سیب |
| | آلِ برمک کے بے بر دُعام | ۵y | زينب كذابه كاداقعه |
| İ | بالبششم | 04 | ايك كنيز كا داقعه |
| . ; | امام سرزمان سے داقف بوتلہ | 24 | ائمته مظامرين كے ليے خواب اوربسيدارى |
| | | , | بيسان ہيں۔ |
| ٧٨ | امام كوصفلى ادر ردمى زما بول برعبور | 09 | شک کاکوئی عسلاج نہیں |
| | حاصب متها | ٧٠ | كَلْنَا عَتَمَا كَمُ مَصِداق |
| AM | فصل الخطاب سے کیا مرادی ؟ | الم | ایک وقت میں دوامام موں گئے توایک |
| 10 | چڑلیں کی زبان سے واقفیت اور انھیں مواست | | خاموش ہوگا |
| i . | بالتفيتهم سيبي | 75 | بهرے والدِزرگوار کے تبرکات بیروالے کرو |
| | مكارم الاخلاق ورماضت المام | 40 | موت کی دیسمیں |
| | | | باب چہارم |
| ۸۸ | ا مام کالباکس | | بهمره وکومت ش ورود |
| AA | ممنیزوں سے سلوک | 74 | الممرضان أواواد كميرة علمفيد جانت كف |



| معربر | عنوانات | صوابر | عنوانات. |
|-------|--|-------|--|
| 109 | دائیں مانے کواہ | יצו | |
| 14. | ماش جانب کے گواہ | | خواب مي منع ي تجويز |
| 14. | موت مبادک دسول اور چیپ آسیلت | 174 | اما کم نے اپنادست مبارک زمین سے مس کیا |
| | فالمسدنيرام | | باب دوازدهم |
| 141 | مرسنهی ولی عبدی کا بیان | < | امائم نے دلیجدی کیوں قبول نسراتی |
| | باب سيزدسم | • | |
| | امام رضا اوردکور مامون دستبد | 14. | ول عبدسوف بربى واستعم كدهد |
| | | 150, | ما مون کی دھمکی |
| אדו | ا مام عليك المسترالام كاخطاب | | , |
| 179 | 13 | | , , , , , , , , , , , , , , , , , , , |
| | بيرمسديركميا بريدوية بالمسادير | | مامون كالنصنع |
| 179 | حفرت امام رضاك تحرير توسق بخط خود | ודץ | ا مائم ا در نمازعید |
| 14. | مجدبه وليعبرى كااحسان ندجتاؤ | 179 | اورفضل بن سبل نے کہا ؟ |
| 14. | فضل بن سبل كالعائم كو ورخلانا | 179 | ولسيبرى كااصل سبب لبقولي مامون |
| 141 | فضل بن سبل كاقتل | 441 | ولىيدى سے نجات كيلتے موت كى دعاء |
| 144 | آپ حکومت کریم نیس دعا کروں | ILL | خطية الماتم لوتت تهنيت ولى عبرى |
| 144 | بنده نهانكل مجبود يهدنها مكل مختار | | خعليه المائم بروايت ويجد |
| ien | عفوكرين سے عزب برحتي سب | ١٢٥ | فضل نے مامون کوا ماتم کی ولیعیدی کا |
| 149 | حفرت على قسيم الجنّة والمادكيونكرس | | مشوره كيون ديارج |
| 149 | وادث كماب كون بي | 10/4 | یم دولوں کینے شراکط کی ابندی مروری ہے |
| 14. | امام كاعلسار سي مناظره | 1614 | عقد معیت اور مع بیت محطر لقون میارن |
| IAI | عران صاني كا ايما ن لانا | IM | میری آخری منزل توخراسان بی ہے |
| 110 | سلیمان مرزوی سے مناظرہ | 16.3 | تقريب وليعبدى |
| IAC | عصمت انتبار پرمناظره | ior | ا الم ك وليعد بون يرع إسون كاثرات |
| MA | مامون اورعصمت انتبار كيمنعلى سوالا | 107 | عبرام وليعيرى كاصل عبارت |
| 119 | عصمت انبیار پرمناظره مامون اورعصمت انبیار کے منعلق سوالا حفرت ۱ م رضا ۱ اور لحلب باراں | 106 | حبرنام كالشت برجعزت الممرفاك تحرير |

| 1.1 | سوانات | 1.30 | ₩ |
|------|--|-------|--|
| 444 | محدينا جعفر | | 1 57.2 |
| 750 | محدّ بن سیلمان علوی | 190 | |
| 100 | جعفرب عمرعلوى | 190 | ومأم كم يصفسل كاناكام منصوب |
| 7 67 | رسنته أخرت | 194 | سادات اورغير سادات مي بنيادي فرق |
| YMY | تعدادِ اولاد | 191 | حصرت علی ازروسے قرآن نعس میولیں |
| 11/4 | احددبن جعقر | | باب جہاردتم |
| 445 | علی بن عبیدایشر | | ما مون كا ابل ست محالفين بحث وظر |
| 444 | حضرت مؤسل بناخع فركا وصيت نامه | | |
| YOY | على بن عبدالشرا دران كى دوجرتنى مي | 4.4 | مامون كيمتعلق امام كاارشاد |
| ror | حفرت موسئ من حبغ کی وفات میں اختلات | 7-1 | مخالفين الميبية سعمامون كامناظره |
| 707 | نصیعت سمیشه یکن مهوتی ہے | 71. | ما مون کے محدثین سے سوالات سے |
| ror | سفیان بن عینید | 1 | سورهٔ دسری تلاوت |
| ron | عباس بن المحسن كى مضاحت وبلاغت | 414 | بجعه مديث طيب كي متعلق |
| | باستنانزديم | 415 | آیتِ غار رسورهٔ توبه) |
| | وليعبدى اورشعرار كانزرانه عقيد | YIY | بستر رسول برشب بسري |
| | | 114 | حديث ولايت |
| 107 | شعرار کی خدمتِ امام میں حاضری | | مریث منزلت |
| 104 | الونواص كے جاراشعار | 11 | متكلين سے گفتگو |
| YOA | دعبل کے دووالہا می استعار | | محترثین وسکلین سے مامون کےسوالات |
| 109 | دعبل کے قصیری امام کی طرف سے | | مامون كابنى بإشم كوجواب |
| | دواستعار کا اضافہ۔ | | باب پانزدیم |
| 777 | دغبل برامام کی عنایات | | آپ کی ازواج و اولاد |
| 777 | ابو گواس کورسول کی شفاعت پر بحروسہ | | |
| 777 | دعبل كا عَالِمُ نزع | الهما | زبيراتنار |
| ryr | دعتبل کا عَالِمَ نزع دعتبل کی لوحِ قبسد | 442 | اولادِ فالمسّه اورنارِ جبزِم حسین بن جعفر |
| | | 444 | عيين بن جيعز |
| 7 | | | |

| 7A 7 | ثقدا صحاب | | باب برغد سم |
|------------|-------------------------------------|------|---------------------------------------|
| 744 | الوجويم | | |
| YAM | گھر حیوالے کی ممانعت | | أبي اصعاب اورمعاصرين |
| 444 | د بنی مسائل کی دریافت | 777 | حفرت علی سے احمد بن صنبل کی مخالفت کا |
| 44.54 | صفوان ا ورمحربن سنان کاکردار | | سیب ۔ |
| 110 | امامت وخلافت بريحث | 777 | ابن لقطين كيفلام لينس ك جسارت |
| 444 | دین کامل ہونے کا مطلب | 474 | آب كے اصحاب اور رواة |
| | بابرسيدم | 774 | حفزيت معرون كرخى اورخدمت ا مام رضا |
| | شہارت کے متعلق بیٹیلگوئیا | 476 | نور فداكو بر دورس تجهان كاكوشش كاكت |
| | | 771 | حهدت ِ غناک ایک دلیل |
| Y 9 . | شيطان كم ني يادام ك شكل مي نبي أكيا | 444 | سِشّام بن ابرا ہم عبّاسی زندلنّ |
| 49. | مرامام تستل مبوكا ياشب ربسم، | 14. | بزنطى كي خطوط الدائس كي جوابات |
| 441 | الواب زيارت روضه رمنون | 74 N | لا لېس جب" کا مطلب |
| 791 | قاتل سے ہارے میں میش کوئی | 140 | فخرى كميا مات مين تواضع سمال شيوه ب |
| 797 | حضرت امام حبفرما دق م ک بیس گوتی | 767 | ایک قیدی کے خط کا جواب |
| 494 | حفرت امبرالمؤنيين ٢٠ ك بيش گون | 747 | معبنونوں کے لیے نسوار |
| | باب نوزدیم | 722 | دَور متدكل |
| 1, 3 | اسباب شمادت | 76 1 | اداسكي قرض كيلي مكان كي فروخت كي فا |
| | | 741 | اليبيے اليسے دوست |
| 49.5 | ایک صوفی ک حکایت | | كسى ك طرف سے برگاني ميں عجلت مذكرو |
| 190 | ا بوصلت <i>بروی کا پیا</i> ك | | آب کے لائقِ ستاکش اصحاب |
| Y9.Y | ابراسيم من عباس كابيان | ۲۸. | رواة نقي امامت |
| | بابستم | 741 | عفو و درگذر |
| | شهادت اورنجهن وتكفين كي تفقيل | 441 | لباس مسكمإن |
| | | 444 | لباس حکمران مرج مخربن مسنان |
| 179 | روایت دربارهٔ شهادت | 447 | شراتط شابی فوکری |
| | | • • | |

| صغرنبر | عنوانات | صغرنبر | عنوانات |
|-------------|--|--------|---|
| r19 | البوالعينا م | 199 | جاے ونن |
| ۲19 | عبدالشرب الوب خيريتى | ۳.۰ | برشم كومرا بات ام اعلياسلام برائ تجيزو |
| | باب بست و دوم | | تنگفین _ مینآنته ملایق بر مین سی |
| | معجزات وكرامات درروهنه حقرامام دفينا | 7.0 | ا مام مخرتی علبات لام کا مدینہ سے آنا۔ |
| ۳۲۲ | رومند ا قدس سے نور کا بندسونا اور قلل | ۲۱۰ | ا بوصلت کی دوایت کیاسبب موت مرض اسپال نشا ؟ |
| | دروانسه کا کھلنا۔ | , i | بيا جب رسول خدا الا موت ك خرديا خواب من رسول غدا الا موت ك خرديا |
| ۳۲۳ | ردهندً اقدس براستجابتِ دعاء | 7"17" | زہر دینے کے اسباب |
| 744 | نشاندسي مقام دنن امانت | 414 | ما مون کی تشولیش |
| ም የተ | | 710 | حضرت امام محترلفى كاباعجاز مخراسان |
| 740 | ا حترام اسم ا مام عليات لام بيار : | | پينچنا۔ ال |
| ۲۲۶ | باز گشت تلاوت در رسی | 710 | ابل خاندان کوگرس و ماتم کاحکم |
| 774 | غلام کی دعاکی فوری قبولیت انگریناری دیگرد یا وکیک سی | | باب بست و پیم |
| 771 | لاً اللهُ اللهُ اللهُ كَاكُوامت ميلاب اورروضهُ اقدَّس | | شهادت امم برشعرار کی مرتب نگاری |
| 779 | مسیوب اور روسد افد ت مسروقه رقم کی برآ مدگی | W1/ | |
| 441 | احاطهٔ امامٌ بناه گاهِ وحوش | | ابن مشیع مرتی اور علی ابن ابی عبدالمدخوان |
| 444. | حموبه کی خراسان کی حکومت کیلئے دُعا | TIA | دعبل خزاعی کا ایک طویل مرثبیر |
| ۲۳۲ | , P. | 411 | الوجمستديزيدي اورمخترين حبيبضي |
| ماساسا | مسحبر زدد | 419 | ما مون پر د تقبل کے مرتبیہ کا اثر |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | li. | |

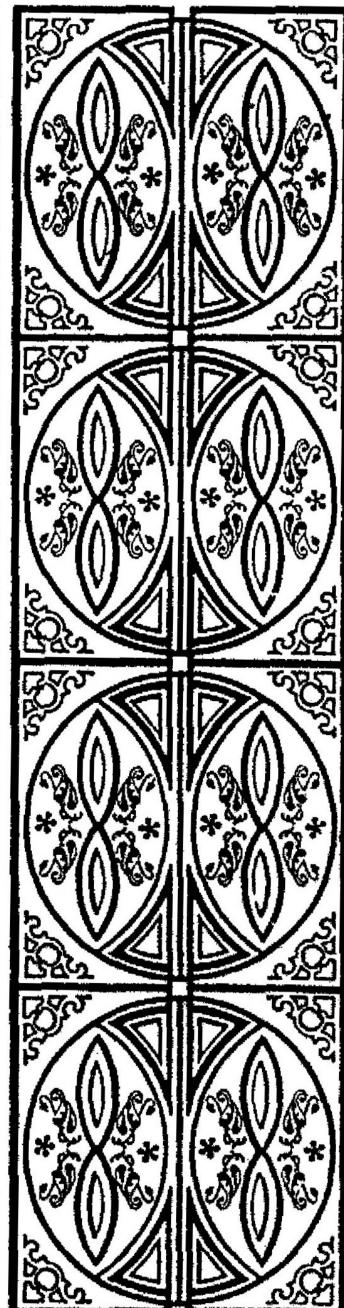




بإل



ولادت القاب كنيت نعش نگين ادرآپ كى ماديرگرامى كيخنعرجالا



يشسيراللي التخفن التجيثو

(السکافی جلدہ مسامیم) نیرحسین بن خالدنے بھی امام علبہاستالم سے الیسی ہی دوایت نقل کی ہے۔

— ناریخ ولادت و وفات کتاب کانی میں ہے کہ آپ کی ولادت مشالہ حدیب اور وفات ماوصفرشندہ

میں ہوئی ، وقت وفات آپ کاسن مبارکت بچپن سال کا بھا۔ اگرچ آپ کی تاریخ اسے الگر و وفات بیں اختلات ہے ، گر انشاء النرتعالیٰ مندرجہ بالا تاریخیں معتربیں ۔ آپ کی والدہ گرامی ام ولد متیں اوران کوام البنین کہ کر پکارا جا تا تھا۔ (الکانی جلد یا مسیمہ)

جائے ولادت ومقام دن وغیرہ
 کمال الدین ابن طلحہ کا بیان ہے کہ آپ کی ولادت آپ کے جد بزرگوار مقرر

ا مام جعنوصادت علیرست ام کی و فات کے با می سال بعد الرذی الجرست فی موتی و آب کی المام جعنوصادت علیرست الم کام والدہ ام ولد مقیس جن کااسم محرامی خیر زان مرسید مقا و در معی کہا گیاہے کہ اسم گرامی شقرانو برتھا

لعِصْ مَهَةَ بِي كُراَبِ كَا نام اردى اورلقب شَعْرا مِعْنا. نيزنود امام عليُمَّتِ لام كَى كنيتِ الوامن عقى اورآپ كے القاب الس ضار الصّابر السّخى . الوقى بين حِن بين سب سے زيادہ شہور التی ضاہے۔ رکشف الغہ عیدہ صک چونکاپ کی وفات سندم یا مستر صے اندر عبد مامون میں موتی اس ہے آپ کی عمر' وقت وفات وہ سال کی تقی۔ آپ کی قبرمیارک خراسان کے ایک خطہ طوس بیک جومشہدمِقدس کے نام سے مشہورہ ۔ آپ نے اپنی زندگی کے چوہیں سال اور چیز فہینے لمینے پریزدگوا حفرت ا مام موسیٰ بن حقِفرعلیٰ کسی سا عقرابسر کیے اور معیراک کی وفات کے لیڈکیسٹ مال دندہ ک حافظ عبدالعزيز كابيان سب كرآب كى ولادت سهما يعين اوروفات مستمر عبدي ما مون میں مقام طوس پر ہون ا ورقبرم طبر بھی وہیں طوس میں ہے اور آپ کی ما درگرامی سکینڈ نوبیہ ا وریر می کہا جاتا ہے کہ آپ مرینہ منورہ میں مریک الدم کے اندر بیدا ہوئے اور طوس کے اندری ستنتهمیں وفات پائی۔ اس طرح وتت وفات آپ کا عرم ۵ سال کی بھی۔ آپ کی ما درگرائی أم ولد تعيس جن كالمسيم كرامى أم البنين مقار ﴿ وَكَشَعَتَ اَلْعَهُ عِلْدُ ٣ مَسْكُ) ﴾ ____ حض امام رهنا علالت لام میذمنوره میں مرسم لمع اندر پیدا ہوئے ا در میمی کہاجا تاہیے کہ آب ایسے جربزرگزار حفرت امام جفرصادق علیالمت المام کی وفات کے پانخ سال بعد الرِذى القعده روز نجب نب يا جعد سن سيرا ہوئے ۔ آنكي والدہ اُم ولد تنفيس جن كالمسلم كرام تتجه عفا حمر كوئى ان كوام البنين كهتا اكوئى مسكن نوبيه كهتا ا وركوئى تنكتم ا مام عدیا گستیه می دفات ما وصفر کے آخری دنوں بیں ملوس کے اندر ایک قریب میں بوئی جس کا نام سناباد بخفار اُوریکھی کہا گیائے کہ آپ کی وفات پوم جعرس *ردم*ضان سنتہ حریس ہوتی اور وقت وفات آپ کی عمرہ ہ سال بھی۔ آپ کا دورِا مامت اور ا پنے پدرِبزرگوارک *جانشینی کی مذت ببین سال ہے۔* آپ کے دور امامت میں بارون دستیدکی حکومت کالبقیة حقد مقاراس کے لعب محرابین کی تین سال پجیش دن کی حکومت ، پھراس کومعزول کرکے اس کا چھا ابراہم بن مہدی ا معروب برابن شیخله ۱۲ ون حکومیت پرقالبض ربا پرگرجیب محرابین سنے ووبارہ چراھائی کی توانگوں نے اس کی بیعت بھرکملی جھراس کودو بارہ عنا ان حکومت ہا تق میں سیے بھوشے فقط ایک سال سات مہینے ہوئے سکھے کہ طا ہر کن حسین نے امین کوفنٹل کردیا۔ اس کے بعدما مون عبدالشرمین ہاروان نے ہیں سال نکے حکومت کی اوراسی کے دورحکومت میں آپ نے شیادت یا گی ۔

البزنملی کا بیان ہے کہ میں نے امام میم حفرت امام محرتی جواد علیات بلام ہے مون کیا کہ آپ کے مخالف بلام ہے مون کیا کہ آپ کے مخالفین کے ایک گروہ کا خیال ہے کہ آپ کے پدر بزرگوار کو مامون نے س ضا کا لعقب اس بے دیا تھا کہ آپ اس کی وابعہدی پر راضی ہو گئے تھے۔ آپ نے فرمایا فداک قسم وہ لوگ یہ جوٹ بول کرگنا ہ میں جنلا ہوتے ہیں۔ ایسانہیں ہے ، بلکہ انٹر تعالیٰ نے آپ کو اس نام سے مؤسوم کیا تھا۔ اس لیے کہ آپ آسمانوں پر فعراکی فدائی اور زمین پر رسول اُ اکم اوران کے بعد آئمت طاحرین کی فلافت پر راضی اور فوش تھے۔

وادی کا جیان ہے کہ میں نے آپ کا یہ جواب ن کر مجرعوض کیا کہ ، کیاآپ کے گزشتہ اُ بار واجدادیں سے ہرایک فدائی اور دسول آ اکم اوران کے بعداً تمتہ مطاحرین کی فلافت

راون ہ بہاں ہے ایہ جاپ کے اور سول اکرم اوران کے بعد انتہ کا مرایک خلافت اب واجدادیں سے ہرایک خدائی خدائی اور دسول اکرم اوران کے بعد انتہ کا عربی کی خلافت ارضی پرداخی وخوش سے جب ندر مرت آپ نے برد بزرگوار کو بر ضاکا نام دیا گیا۔ ؟ آپ نے عرض کیا "مجران سب کے اندر مرت آپ نے برد بزرگوار کو بر ضاکا نام دیا گیا۔ ؟ آپ نے ارشاد فروایا ، اس ہے کہ بس طرح آپ کے موافقین اور دوستداد آپ کی المست پرداخی شنے اس کا گار آپ کے شمن اور مخالفین بھی آپ کی وابعہ بی پرد اخی ہو گئے شنے اور دیہ بات آپ کے آباء کو ام ب سے می کومیتر دیمتی ، اس ہے ان سب بس سے مرت بدر بزرگوار س ضاکے نام سے موسوم ہوئے رعیون اخبار الرضا حالا ا

• _ علل الشرائع جلد اصبی پرعلی بن ابراہیم سے اورمعانی الاخباد میں پرمرسلہ اسی کے مثل روایت ذکور ہے۔

() ____ سیمان بن حفص کا بیان ہے کہ حفرت امام موسی بن جعفرعد لستہام بھی کہنے فرزند علیٰ کو م صاکے نام ہی سے پہادتے تھے اور فر ما یا کرتے کہ میرے فرزندس صنا کو بلاؤ یا میں ہے اپنے فرزندس صاسے برکہا' یا میرے فرزندس صنا نے مجھ سے یہ کہا اور جب آپ اپنے فرزندکو مخاطب کرتے توفر مانے یا الوالحسن!

(عیون اخبار الرصا جلد اصلا)

<u>ایک والدهٔ گرام کے حالات</u>

عون بن محد کا بیان ہے کہ میں نے الوالحن علی بن میٹم کویہ کہتے ہوئے مشنا اُکمٹ کا مرین اور ان کے مناکحات کے متعلق محدسے ذیادہ جاننے والاکوئی نہیں ہے اس کا بیان ہے کہ حفرت ا مام موسی بن جعرو السمال میں والدہ گرامی حمیدہ مصفاۃ نے ج

خودانترون عجم سے ایک معزز خانون تعیں ایک ایسی کینرخر میری جوعرب ہی میں ببیدا ہوتی تھی اوران ہی کے بچوں میں بل بڑھی تھی ان ہی ہے آ داب واطوارسیکھے بتتے۔ اس کا نام تکم مقیا۔ وہ عقل ونهم وین و دیانت کے محاظ سے بہترین عورت بھی ، نیزاپی مالکے جمیدہ مصفاۃ کی آئی تعقیم عرّبت کرتی کرجیب سے انکفول نے اس کوخر میرا ان کے سلسنے کبھی نہیں بھی ۔ ایک دن حمیدہ مصفاۃ نے اپنے فرزندحفرت امام ہوئی ہیں جھفرعائیلسے الم سے کہا۔ اے فرزندمیں سنے اس کنیزے ہے بہر كوئى كنيزينېي پائى ، مجھ نيتين ہے كە اگراس سے سسل كاسلىد قائم ہو توانشراس كى سسل كو پاک وطاہر بنا سے گا۔۔۔۔ بو! برکنزمیں ہتھیں ہمبہ کرتی ہوں، اور ہم سے وصیت کرتی ہوں کہ اس كابهت خيال ركھنا۔ جب تكتم كے بطن سے حفرت امام على رضا على السے بلام بريابوے تو انتحتم كانام طاهره بوكيا-داوی کابیان ہے کہ حضرت امام رضا علیٰ کست لام ایام رضاعت ہیں اپنی والدہ کا دودہ بہت پیاکرتے ' اورہ طرح سے صحبت مند وتنومند تھے ، توان کی والدہ تکتم طاہرہ نے مہاکہ میری مدد کے لیے ایک دودھ بالانے والی جاہیے ۔۔ ۔ کہاگیاکہ کیوں میا ہما دے دورھ میں کی ہے ؟ ۔ ۔ ۔ ۔ ۔ استفول نے جواب دیا بینہیں ، خداکی قسم سیں حجوظ مذبولوں گی ۔ میرے دودھ میں کی نہیں ہے ، بلکہ بات بہرہے کہ میں چنراوراد و وظیالفت اور نماز وتسبیحات کے پڑھنے کی عادی بھی البیکن جیب سے برکتے مپراہواہے اس میں کمی آگئی ہے۔ (عیون اخبارالرضا) 🕜 _____ علی بن میثم نے اپنے باپ سے روایت کی ہے کہ حبب حضرت امام موسی بن حجع ماليست لم مي والده خعرت حميده نے حفرت امام دمناعليٰ سترلام کی والدہ مخمہ کوخربدا توجیده کا بیان سپ کٹمیس نے ایک ون خواب میں دیجھا کرحفرت دسول اکرم صلی انٹرولم آبھ وسلم ارشاد فرملتے ہیں کڑاے حمیدہ! یہ تیری کینر تجر تیرے فرزند موسی کے پیے مفصوص ہے۔اس کے لبطن سے ایک َ ایسا بچر پیدا ہوگا جو تمام اہلِ زین میں سری سے بہتر ہوگا۔۔۔۔۔ توحیب مرایت حفرت رسول اکرم صلی الندملیہ واکہ وسلم میں نے مجر کو لینے فرزید موسکی کومپیہ کردیا اور جب اس كے تطبن سے امام رضاعلی سے ام پیرا ہوئے تو تجہ كانام طاہرہ د كھ ریا گیا۔۔۔ و الغرض 'اُن کے بهت سے نام ہیں جن میں نخبہ۔ اردی سکن ۔ سمان اور شکم بھی ہیں اور شکتم ان کا آخری نام ہے علی بن میٹم کا بیان ہے کہ میں نے اپنی مال کو کہتے ہوئے مشناہے کہ جب جناب حميره نے جناب بخم كوخر مدا تو بخم باكره تعيس ـ رعيون اخبارالرصاص المسافلات صولى كابيان سب كدحفرت الوالحسن الرّضا كالصل نام نامى على بن يُوسى بن يجعر بن محدّ ین علی من حسینن من علی در من ابی طالب ہے۔ آپ کی دال و گرامی اُمرد لہ تھیں جن کا نام تکتم تفاالة

جب يرحصن الوامحن بن موسى بن جعز كى ملكيت من آئين أب كابها نام قائم وكيار زعيون اخبارالمصابطوامك _ حضرت امام رصا عد السيسة الم كانقش خاتم " ولى الله " مقا. ال _ بيتام بن احد كابيان ب كرحفرت الوالحن اول وبعى حفرت امام موسى بن جعفر علیالست لام) نے مجد سے پوچھا ہمتھیں معلوم سے کریہاں اہل مغرب کا تاجراً یا ہے۔ میں نے وض کیا یہیں سمجے تو بہیں معلوم ، آپ نے فرمایا کہ ایک تاجرآ یا ہے تم میرے سامقداس کے پاس میلور بہ فراکر آپ اپی سواری پر بیٹے اورمیں بھی سواری پرسوار ہو کر آپ کے ساته جلا۔ جب ہم اس تاجر کے پاس پہر پنے تودیکھا کہ واقعاً وہ معزب کا رہنے والا ایک تاجر ہے ا وراس کے پاس فروخت کے ہے چذک ٹیزس ہیں ۔ مفریت موسیٰ بن جعفرعلیات کلم نیاش تاجسدے فرایا ؛ ابی کیزیں مہیں بھی دکھاؤ. تواس نے ہادے سامنے یکے بعدد کھے۔ نوکیزی بیش کی مگرآپ ہرایک کود مجھ کریمی فرملتے دے ... یہ مجھے نہیں چلہے ہمر اس ناجےسے فرمایا کوئی اور دکھاؤ۔۔۔ اُس نے کہا ' اب تومیرے پاس کوئی کنیز منہیں ہے ۔ آپ نے فرطایا ، ہاں امجی اورکنیز بھی ہے وہ مجھے دکھاؤ اس نے کہا ، اب خداکی قسم حروب ایک کیٹر ہے۔ مگروہ بیاد ہے۔۔۔۔ آپ نے فرمایا بمنہا را اُس کے دکھلنے ہی کیا حرج ہے۔۔۔۔ آپ نے بہت احراد فر مایا منگر وہ انسکاری کرتا رہا۔ بالآخر' آپ وہاں سے والبس تشرلون کے آئے۔ پھرآپ نے دومرسے دن مجھے روانہ کیا ' اورفرہا یا کہ اس تا جرسے حاکر لیے چھوکہ آ خروہ اس کینرکی کیا قیمت چاہتاہے۔۔۔۔ اورجب وہ قیمت بتا دے توانس سے کہنا کمیں نے تھادی مغده انگی قیمت پراس کوخردیا امام علی سندلام کی اس برایت پرسس اس تا جر کے پاس كيا... اوداس سے تمت معلوم كى راس نے جوتيب مجعے بنائى ، اسى تيمت پرمين اس كنيزكو خریدلیا . تاجرے کیزکومیرے والے کیا اور دریافت کیا کم کل جوبزرگوار آپ تے ہمراہ آئے تھے دہ کون ستھے۔؟ میں نے کہا اوہ قبیلہ بی ہاشم کی ایک بزرگ ترین مہتی ہیں اس نے آپُ کا حرب ونسب ہوجھاچا ہا، لیکن میں نے انسکار کیا۔ اس نے کہا ' اچھا ' اب اس کیزیے متعلّق بھی مقودًا سَ لو۔ حب میں نے اسے ملک مغرب کے انتہائی دور درازمقام سے خریط' تومیرے پاس ا ہی کتاب میں سے ایک عودت آگئے ادربولی ؛ یکنرتیرے پاس کسی ؟ میں نے کہا کم میں نے فود لینے ہے اس کوخرمدا ہے۔ اس نے کہا امنہیں منہیں ، یرکنزالیں منہیں جو تخدیجیے سے یاس رسبے ۔ یہ تواس قابل ہے کہی ایسے

سخص کے باس رہے جوساری روئے زمین برسب سے بہتر ہوا دراس کے باس بھی مخودے ہی دنوں لمیں اِس کے بطن سے ایک ایسا بچر پرا ہوگا جس کے سامنے شرق سسے عرب تک ستام روے زمین کے لوگ پست اور کم رتب نظر آئیں گے۔ رادی کہتا ہے کہ میں اس کیز کولیے کرا مام می خدمیت میں حاخر ہواا ورکچھ ہی عرصہ بعب ر رادی کہتا ہے کہ میں اس کیز کولیے کرا مام می خدمیت میں حاخر ہواا ورکچھ ہی عرصہ بعب ر أس كنيز كم كبطن سي حفرت إمام مضاعليليت لأم پيدا بوت . (عيون اخبار الرضاعة) كتاب الخرائج والجرائح مصية پرستام بن الحمرسه ا وركتاب الارشادين صيرة ميرة بريج بتهام بن احمرسے اسی کے شل دوابت ہے ۔۔ اللى كى سىسىدى مى تىرىن مىسىنان سىڭ دوايت سەكەرھفرت ا مام دىضا علىكىت لام كى وفات مىنىدى میں اُس وقت ہوئی جب آپ ہم سال بھاہ کے تھے۔ اس کیے کہ آپ کی ولادت حفرت امام حجفرصادق علیات ام کی وفات کے پانکی سال بعد سے میں ہوئی تھی۔ آپ نے اپنے والد کے سائھ دوماہ کم مجیس سال گذارے ۔ اس حساب سے آپ کی عمر و موسال چند جہینے بنی ہے ۔ آب كى قبرم طبر خايسان كے شہر طوس ميں ہے۔ آپ كى والدہ خيز ران مرسيد أم ولد تقيل را مخسيس ستقر او توسیمی کہا جا تا ہے۔ ان کا نام ار وی ام البنین بھی تھا ۔ ا مام رضاعل السيرالم كو رضا ، صادق ، صابر ، فاصل ، قرّة اعين المومنين اور خينظ الملحدين تعيى كبها جا ما ب (عيون اخيادالرمِناحبلد ومنهم) ان کے باپ کا بیان ہے کہیں سے دوایت کی ہے ان کے باپ کا بیان ہے کہیں کہیں ان کے باپ کا بیان ہے کہیں کے باپ کا بیان ہے کہیں کے باپ کی بیان ہے کہیں کی بیان ہے کہیں کی بیان ہے کہیں کی بیان ہے کہیں کے بیان ہے کہیں کی بیان ہے کہیں ہے کہیں کی بیان ہے کہیں کی کہیں کی بیان ہے کہیں کی بی نے اپن والدہ کویہ کہتے ہوئے من کا کہ حصریت ا مام رضا علی است الم کی والدہ مجمد بایان کرتی تحقیل کہ جب میرافرزندعلی درمنا) میرے شکم میں تھا تو مجھے جل کا بوجھ مسوس نہیں ہوتا تھا ، گر نیزر کے عالم میں اینے شکم سے تبیع و تہلیل اور تم پیر کی آوازیں تنی توخون سے چونک پڑتی اور بیڈار موجاتی ا در مرتب توکوئی آواز مرکستی تھی ۔ جب میرا یہ فرزند بپیدا ہوا تواس نے فوراً اپنے قدم زمین ہر دکھے اور دونوں با تقد زمین برشیک دیدے ، سرآسمان کی طرف بلند بھٹا ، دولول لبول کو حرکمت بھی معلوم ہوتا جیسے کچھ کم ریا ہے۔ بھرمیرے پاس اس کے والدحفرتِ امام موسی بن حجفر تشرلیت لائے اور قرمایا الے تخمہ ا بچھے یہ الٹرکا کرم مبارک ہو۔میں نے اس بچے کوا یک سفیر پارسے ہیں لپیٹ کرا بھیں دیدیا۔ آپ نے داستے کان بن اذان اور بائیں کان بی اقامت کہی۔ بھرآب فرات منگو اکراس کے تالوی لگایا اور مجھے دے دیا اور فرمایا السے لو، یہ زمین برانٹری بقیدا مانت ہے۔

___ تاريخ ولادت مي اختلاف

عناب بن امسيد كابيان ہے كہميں نے اہلي مدينہ ہیں سے ایک جماعت كوكہتے بهيئ مشنا كه حضرت امام رضاعل ليستاهم البني حترا مجدحضرت امام حبفرها دق عليك لام كص وفات كے پائخ سال بعديوم بنج بندشب يازديم او ربيع الاول سفله مركوبيدا ہوئے۔ (عيون اخيادالرضاحلدا مدل)

____ كتاب كفاية القالب مين تخرير بيه كه حفزت المام رصا عليكست إلم ك والادت يوم پنجبشنبه اا ردی القعده مهماله ح کوموتی ـ

ایک روایت بی بے کرآپ کی ولادت یوم جعمیں ہوتی۔ دومری دوایت بیں سے کہ آپ بروز سیشنبہ الرزی القعدہ سمہالہ مدیں پیدا ہوے۔

_____ كتاب الدروس بين ب كراب مرينه بين مهماني مين بيدا بوي اوريجى

کہاجا تاسپے کہ آپ مروز تحبیث نبہ الروی القعدہ کوپیرا ہوسے۔

___ تاریخ الغفادی میں مکھاہے کہ آپ لوم جعد الروی القعدہ میں تولد ہوئے۔ ____ "ادشاد" بيخ صدوق مليه الرحمه بين تحرير ب كرحفرت امام رهنا على المتهالم

مشيك وسي بمقام مرينه منوره ببيرا بوسم

والفاب

متاب المناقب بي تخريميه كمحفرت على ابن موسى بن حجفر بن محدّ بن على بن الحسين بن على بن ابي طالب كى كنيت عام طور برتو الوالحسن على مركد خاص كنيت الوعل على ا ورآپ کے القاب ۔ سرآج اللہ ، نورالہدی ، قرق آعین المونین ۔ مكيدة الملحدين ، كفوالملك ، كافى الخلق ، رب السريد، دءًاب التدبير، فأصل ـ

صآبر، وتی ، صرلین ا در رصنی ہیں ۔

احدبزنطی کابیان ہے کہ آپ کو دصنا اس لیے کہاجا تاہے کہ آپ آسانوں میں ضراکی خداتی اورزمین میں دسول اکرم صلی الدعلیہ واکہ دستم کی دسانت اورائمۃ طاہرتی علیہ ممالی ك المست برراحتى سقے۔

یریمی کہا گیاہے کہ آپ کا نام" رمنا " اس ہے ہوگیا کہ موافق ومخالفت دونوں آپ سے داختی شخے۔ ایک قول ہے بھی ہے کہ آپ کا نام" رمنا " اس لیے ہواکہ مامون درشد آپ کی

وليعهدي برراهيي بوكياعقا آب کی والدہ ام ولد تقیں جن کو بھی سکن توبیہ کہا جاتا بھی خیزران مرمب کہا جاتا اور می بخر کہر کر ریکارا جاتا تھا۔ یہ روابت میٹم ک ہے کہ ان کوصفرار می کہا جاتا۔ اُن کا نام اردی أم البنین تما ، مگرجیب حضرت امام رصا علایستیام کی ولادت ہوئی تو اُن معظم کا نام طاہرہ ہوکیا آپ بروز حمعہ بمقام مرمیہ منوّدہ پریا ہوئے۔ اور کہاگیاہے کہ آپ حضرت ام حجفرصا دق علیکست لام کی وفات کے پانکا سال بعد ہروز سخیٹ نبد اا رربیع الاول سے ا میں بیدا ہوئے۔اور یہ می کہا گیا ہے کہ آپ ساھالہ حس پیدا ہوئے۔ اس طرح آپ کا عبدا مامت ما دون درکابقیته دوده کومت سرم با ۱۱س کے لعدامین کی حکومت تین سال امطاره دن ریچریا مون کی حکومت بینگ سِال تین ماه بیس دن رہی، اوراس نے اپنے اسی دورِحکومت ہیں ، رماہ دیمفان کنتہ جمکوحفرت امام دھنیا علیات ام کی مرضی کے خلاف آپ کی ولیمبری کی بیعت کی ۔ اودسان کے ابتدار ہی ہی آپی دخست رائم صیب کاعقدآب سے کیا۔ بہمی کہاگیاہے کہ یہ عقد سے کہ میں ہوا اوراس وقت آپ کایس مبارک پچیپن سال کا کھا۔ ابنِ بهام كابيان سبے كه آپ كاسنِ مبارك اس وقت اسنجاس سال جوماه يا جارماه کا تقارا ورجب آپ نے امر ا مامت سنبھالا تواس وقب آپ کی عمرانتین سال ڈو ماه مقى . آپ نے اپنے والدر بزرگوار کے ساتھ آئٹیس سال کھے او گذارے ۔ اُن کی وفات کے بعدآب کی امامت کا عہد ببین سال رہا۔ اور آپ کے صرف ایک صاحبزادے حفرت اسام محسة ركنق جواد على لستهلام عقه آب کی قبر مطبر خراسان کے ایک شہر طوس میں ہے اور اس قبر میں ہے جہاں ا رون در شید مرفون ہے ۔ آپ کی قبرم طبر مارون در شید کی قبر کے بہاوس قبلہ کی جانب ہے۔ دراهس يه عِكْرَيهِ عِيدِين فحطبه طائ كامكان سفا بواس قريدس واقع تعاجس کا نام سنا با دمخلا وربہ قریہ نو قال کے قرلول میں سے ایک قریبہ محقا۔

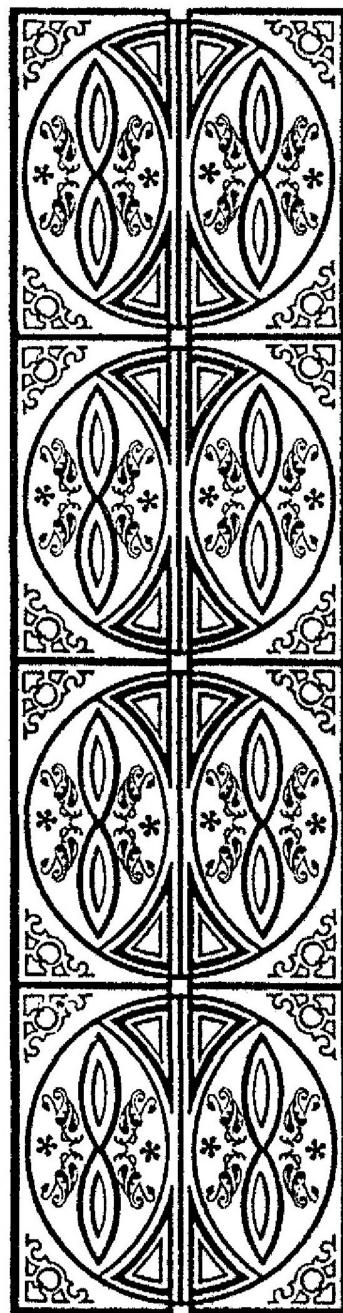




باب



سٹ کی امامت پرخصوصی نصوص نصوص



ا سے نفس ربول اکرم صلی الترعلیہ و آلہ و کم

یزیدبن سیسط زیدی کابیان ہے کہ ایک دن میں حفرت امام مؤکی بن جعف مطالب میں من حفرت امام مؤکی بن جعف معلیات المست معلیک الم کی خدمت بیں حاضر ہوا اور عرض کیا کہ جس طرح آپ کے پر ربز دگوار نے لیے بعد کیلیے آپ کی امام مت کے متعلق نفس فر مادی تھی اسی طرح آپ بھی بتائیں کہ آپ کے بعدا مام کون ہوگا۔ ؟ آپ سے ارشاد فرمایا 'منو ! میرے والد بزرگوار کا زمانہ اور مقالیکن فیمانہ اور

ہے ۔۔۔۔ بزیرکا بیان ہے کہ میں نے عرض کیا کہ آپ کے اس جواب کوج مان ہے اور خاموش موجا سے اس برخداکی نعنت ۔۔۔۔ بیکن کرآپ نے تبتم فرمایا اور کہا ' اچھالے الوعمارہ!

میں تھیں بتائے دیتا ہول۔

جب میں اپنے گھرسے نکلا توظام کی طور بہت نے اپنے فرزندگی وصابیت ہیں اُن کوک کومی شریک کردیا ، گر اپر تعرف طور بہت نے تنہا اپنے فرزندگی کو اپنا وصی بنایا ہے کیونکم میں نے خواب میں دیجا تھا کے حفرت دسول اکرم ستی اللہ علیہ والہ وسم نشر لیف فرماہیں ، آپ کے ساتھ حضرت امپر المرمنین علیات بلام مجھی ہیں اور آپ کے پاس ایک انگوی ہے ، ایک تلوار ہے ، ایک عصاب ، کتاب خواب اور عامر ہے ۔ یہ و سیجھ کرمیں نے عرض کیا ، کہ یہ سب کیا ہے ۔ ؟ عصاب ، کتاب خواب کو جا میں المرک سلطنت کی علامت ہے ، یہ تلوار اللہ کی عزیت وقوت کی بھان ، انسری طاقت کا نشان ہے ۔ اب رہ کئی یہ انگوی ، تو یہ محبو کی طور ہیر ان سب چیزوں کی برناخت ہے ۔ ۔ اس کے بعد جناب دسولی خداصتی الشرعلیہ واکم و کم ان ارشاد فرمایا کہ ، اب یہ عہد ہوا مامرت متہارے بعد جناب دسولی خداصتی الشرعلیہ واکم و کم ان ارشاد فرمایا کہ ، اب یہ عہد ہوا مامرت متہارے بعد جناب دسولی خداصتی الشرعلیہ واکم و کم ان ارشاد فرمایا کہ ، اب یہ عہد ہوا مامرت متہارے بعد جناب دسولی خداصتی الشرعلیہ واکم و کم ان ارشاد فرمایا کہ ، اب یہ عہد ہوا مامرت متہارے بعد جناب در فرمایا کہ ، اب یہ عہد ہوا مامرت متہارے بعد جناب در فرمایا کہ ، اب یہ عہد ہوا مامرت متہارے بعد جناب در فرمایا کہ ، اب یہ عہد ہوا مامرت متہارے بعد جناب در فرمایا کہ ، اب یہ عہد ہوا مامرت متہارے بعد جناب در فرمایا کہ ، اب یہ عہد ہوا مامرت متہارے بعد جناب در فرمایا کہ ، اب یہ عہد ہوا مام ت

ر یا تع بہ بہاوہ مان ہوارے بعد ہوارے طرور کا سے جا ہو ہے ہا۔ دادی کا بیان ہے کہ تھیرات نے امیشا دفر ما یا 'لے یزید اِ دیکھو میر ہات متعادے

پاس ایک امانت ہے۔ یہ اُسی کوبتا ناجوم دِ عاقل ہو ، انٹرنے جس کے قلب کا ایمان سے امتحان اے امتحان سے لیو صادق ہو۔ نیز دِ میکھو اِکھی اس معمت الہی سے انکار نہ کرنا ۔ اگر کوئی گواہی چاہے توگواہی دینا ، اس لیے کہ انٹریغالی ارشاد فرما تاہے ۔" رات انڈھ کیا مرک مُدان تسوی و والکھائیات میں ایک کہ انٹریغالی ارشاد فرما تاہے ۔" رات ارتباط کی ارتباط کی انٹریغالی ارشاد فرما تاہے ۔" رات ارتباط کی امرک مُدان تسوی و الکھائیات

" اوداس تخص سے بڑوکر ظالم کون ہے جوشہا دت کوچھائے جو انٹرکی طربت سے اُس کے پاس ودبیرت سے '' سسسسہ را دی کہناہے کہ مجرم غرب امام موٹی بن جغ علیالسے لام نے بیان

كياكه اس كے بعد جناب رسولِ خداصل التُرعليه والدي كم نے جيد سے ميرے فرزند كے اوصاف بيان فركے اورادشادفرایا که تمعادا فرزندعلی مه سب جوالنریے عطاکردہ نورسے دیجھنائیں ، اس کے دیے ہوئے فہمستے مشتاہے اس کی عنایت کردہ حکمت سے بولتاہے ، اس کی رائے صائب ہے ، وہ مجی خطا بہیں کرتا۔ اُس میں علم ہے جہالت نہیں ہے۔ وہ علم دھلم سے ببریزہے ، اور اب بہت کم عرصتک تم اُس كے سائدر موكے ۔ يدوه بات ہوگی جو ابتك مبس ہوئى تى . لېدااب جب تم ليف مغرست واپس جا ذُنْ لِينَ ثَامَ أَمُود كَا در وابست كردد ا درج كي كربين كا دا دهب أست كراد اس ليك كم اس تم و ہاں۔ سے منتقل ہوکر دومرسے مقام برجانے واسے ہو۔ لہنے تمام بچوں کوجیح کرو' الْ کوبتا وُاولاً کُ براںٹرکوگوا ہ بست ڈ اورائٹرگوای کےسیے بہت کا تی ہے ۔ مجرآب فرايا ك يزيد إمين اسى سال اتمقا بياجاؤل كا اورميرا فرزندعل جنكا نام حفرت على ابن مالب ا درحفرت على ابن الحسين كيزام بردكه الكياسي اس كوعلى اوّل كافهم النكا علم ' اکن کی بصارت اوراک کی رداصطا کردی گئے ہے مگر نی الحال اس کے بے بولنا منامر پنہیں ہے۔ وہ ا رون دہشید کی وفات کے جارسال بعد گویا ہوگا۔ حبب یہ حیارسال گذرجائی توائن سے جوچا ہتا دریافت کرلینا ، وہ انشار انٹرسب کا بواب دیں گے ۔ زعیون اخارالرضاجلدامیّات ۲۱) _ کتاب کافی بین کلینی علیرالرحمرف جلدا ماات ومتات پرابوالحکم سے اسی کے مثل دوایت کی ہے۔ _ کتاب الامامة والتبصره میں علی ابن با ہویہ نے بھی عیدالٹرین محدشا می سے اسی کے مثل دوایت کی ہے۔ ___ جانثینی کے ارسے بی نص حضرت کام رسی بن جغر محتربن اسماعيل بنضفل بإنتى كابيان سنب كرميس حفريت امام يوسى بن حجفر عالمستلام کی خدمت پس بخرض عیادت گیا ایپ شدید بیار شخے میں نے عرض کیا" مولا آیہ فرمائیے كرف الخرسة اكروه امرواقع بوجائب حس كے مذہونے كى بم لوك الشرسے دماكرتے ہيں ، تومع اس کے بعدیم کس کی طرف رجوع کریں ؟ آپ سے آدمشا وفرایا۔ میرے فرزندعٹ لیک طریت ۔ اک کالکھا ممرالکھا ہے ۔ وہ میریے بعدمیرے جاکشین اوروصی ہیں ۔ * (عيون الاخبار المعنا جلدا من) _ على بن لقطين كابيان ب كدايك مرتبه مين حفرت المام موتنى بن حعفر عالميت الم

کی ضویت میں حاضر ہوا تو وہاں آپ کے فرزندھلی بھی موجد سے ۔ آپ نے مجعسے فرمایا ؟

اے علی بن لیقطین ! پرمیرا فرزندمیری ساری اولاد کا مسسردارسے میں نے اپنے کنیت اِن کودے دی بیٹن کرمیشام بن سالم نے اپناسر پیدے ایااور کہا۔ منیت اِن کودے دی بیٹن کرمیشام بن سالم نے اپناسر پیدے ایااور کہا۔ "إنا لله وإنا اليدس اجعون " ضاكة مماس طرح مولانه ابن موت كي خرديري ـ زعيون الاخبارالمصاحلدا ص^{اح}) ﴿ _____ حسين بن تعيم صحاف سے روايت ہے كم ميں اورب شام بن حكم اورعلى بن يقطين بغرادس تھ اورعلى بن تقطين نے وس بريہ واقعه بيان كياكه ايك مرتب ميں حفرت عبدالبصالح المام موسئ بن جعفرعاليكستهام ك خدمت ميں بيٹھا تھا كہ آپ كے فرزندحفرت علی این موسی کرمشا کا مکیکستیلام تشرلیت لاسے ۔ آپ نے فرمایا 'لے علی بن لیحکین بیمیری ا ولادیں سب کے سروارس ، میں نے اپنی کنیتت تک ان کودے دی ہے ۔ بیسُن کربہشّام نے اپنی ہتھے۔لی ا پی بیتانی برماری اورکہا والمے ہوئم بریہ تمصارے مندسے کیسے تکلا۔... علی بن لفظین سنے کہا صدا کی قسم میں نے توج کھیں نامقاوہی تم سے کہاہے ۔ (اپی طرف سے تونہیں کہاہے) ہت م نے کہا' تو پھر نو! اس کامطلب یہ ہے کہ اب امرا مامت اُن کے بعدائن کے صاحبزاً و علی کومنتقل ہونے والا ہے۔ (عيون الاخبادالهيشاجلداصل) غنيدة مسيخ طوسى مسكا اوركانى جلدا صلك ميس ابن مجوب سے اسى كے شل روايت ہے۔ کتاب الارشاد ابن قولوبہ صفیہ میں کلینی سے اسی کے شل روابہت مرقوم ہے۔ على بن ليقطين كابيان بي كرحضرت المام توسنى بن حعفر علي سي الم قط ابتدا به کلام فرماستے ہوئے کہا ، دیکھو! بہمیری اولادیں سرب سے برایے فقیہ ہیں اور یہ فرماکر آپ نے البين إلى المست حضرت امام رضاعلي مستلام كى طرف اشاره فرمايا ا وركبا مين في ابنى كنيت تك رعيون الاخيارالرضا جلدا صيل ان کودیے دی ہے۔ _ منصورین پونس کابیان ہے کہ میں ایک مرتبہ خدمت بابرکیت حفرت الوالحن تتھیں نہیں معلوم کہ آج میں نے کیا کیا ؟ میں نے عرض کیا نہیں ۔ آپ نے ا درانا دفرایا ' آج میں نے اپنے بعد کے بیے لہنے فرزِندعلیٰ کواپنا وصی اورولیعہد بنا دیا یم اگ کے پاس جا وا ورائخیں اس کی تہنیت دو، اور انحیں بہی بنادوکرمیں نے تھیں اس تہنیت کا داوی کا بیان ہے کہ پھرمیں حصرت ا مام رصا علیالت لام کی خدمت میں بہری اور عرض کیا کہ آپ کے پدریزرگوارنے مجھے اس متہنیت کے ادا کرنے کا حکم دیاہے۔

اموال اس كفيفريس تقواب كواس في ورويرد كرليا . (عيون الاخباد الرمنا عبد المسلا) دجال سی سی میشاب سے اسی کے شل روایت ہے ۔ (رجال کشی میشی) (2) ۔۔۔۔۔۔ داؤد رقی کا بیان ہے کہ میں نے حضرت الوا براہیم رصفرت امام تونی برجع فرکی دوسری کنیتت) سے عرض کیا کہ میں آب برقر یان ، میں کبرائشن موجیکا ہوں سمجھے یہ توبتا دیجے كرآب كے بعدامام كون بوكا ؟ را وى كابيان بے كرآپ نے حفرت امام رصاً عليكست لام كى طروت اشارہ کرکے فرمایا کہمیرسے بعدیہ ہم لوگوں کے امام وآقا ہوں گے۔ رعیون الاخارالرمنا جلدا مسلا اسسے بردوسری روایت بھی داؤد رقی کی ہے۔ اس کابیان ہے کہ بیں نے حضرت ابوابراہیم ست عوض کیاکٹریں بہت بوٹھا ہوچا ہوں اور ڈر تا ہوں کہیں اچانک حادث موت کاشکار نہ ہوجائل ا درآپ سے الماقات مذکوسکوں ، البزاء یہ ارشاد فریائیے کہ آپ کے بعد امام کون ہوں گئے ؟.... آپ نے ايشاد فرايا كهميرا فرزند علّ ". (عيون الاخبارالرمناحلِدا مسًا) ____ مسلمان مرزوی کابیان ہے کہ میں ایک مرتبہ حفرت الجوالحن موسیٌ بن جعفری خدمت میں حاصر ہوا ، اور یہ دریافت کرنے کا اما دہ کہا کہ اُن کے بعرطلق پر حبّت خداکون ہوں گئے مگر انتخوں نے میرے دریانت کرنےسے پہلے خودی فرما یا کہ لے سیمان میرافرزندعلی میرا دھی سے اورمیرے بعدلوگوں پر حبّت خداہے ، وہ میری اولادس سب سے انفل ہے ۔ اگرتم میرے بعد ذندہ دم پر تومیرے شیول میر^ے دوستول اوراك لوكول كے سامنے كوائى ديناجويمعلوم كرنا جائے ہوں كرمبرے بعدممراج المتين كون ہے ؟ (عيون الاخبار الرضا مسيعه) ملی میدانشر التی کابیان ہے کہ م ، ہمارے قرابتداروں اوردوستوں میں سے تعریباً سابطه افراد قبريسول بيموج دستفي كه اسى اثناريب حفرت الوابراجيم موئى بن حيغرابين فرزندعلى كالهاتف لين المخديب يديم يوست تشريب لا تعاود فرايا - تم لوگ جلست بومين كون بود، ؟ بم سبد نے عرض كيا ' آپ ہمارے سید وسرداریں ۔ فروایا ، میرانام ونسب بناؤ ۔ ؟ ہم نے بیک زبان عرض کیا ؛ آپ جفرت موسی بن جنفر ہیں۔ پوجھاکہ اور یہ میرے ساتھ کون ہیں۔ ہم نے عرض کیا ، پرحفرت علی بن موتی بن جنفز ہیں۔ معراب نے ارشاد فرمایا کہ تم لوگ گواہ رمیا کہ برمیری ڈندگ میں میرے دکھیل اورمیری وفاست کے لعدميرس وصى سي ـ (عيون الاخبارالرضاصي) __ عبدالندا بن مرحم کا بران ہے کہ میں مدینہ رکے ادا دسے سے بعروسے نسکلا۔ ابھی داست بی میں بھاکہ اتفاقاً حفریت الوابراہیم علی سے القام سے ملاقات ہوگئی۔ آپ بھرونٹرلیک ہے۔ در میں مقاکہ اتفاقاً حفریت الوابراہیم علی سے القام سے ملاقات ہوگئی۔ آپ بھرونٹرلیک ہے۔ المغول مجيراً دى بمنع كربلايا يميل عاخرخدمت بوا كوائب نے مجیدایک خط دیا اورفر یا پاکہ لیسے مریز

عمراس کے بعدیمی منصورح خریت ا ما م رصا عالیسے ہام کی امامیت کامنکر مہوکیا ا ورامانم کے جو

پردنجادینا میں نے عرض کیا کمیں آپ برقربان ۔ یہ آپ کا خطمیں کس کومدن ؟...فرایا میرے فرزندعلی کودینا، وہ میرے وقی ہیں ، میرے انمورکے انجام دمندہ اورمیری اولادیں سب وعيون الاخبارالرمنانة امكا) حقریت ابدارامیم ملیلست لام نے ہم لوگوں کے پاس اپنا آدمی بھیجا اور میں جمع کیا ' مچرفر مایا ۔ كيا تحيير معلوم أب كرمم في متعين كيون جمع كياب ي بم في جواب ديا ، منبي فرايا کہتم سب گواہ دہو کہ میرایہ فرزندعلی میراوصی میرے انورکو انجام دینے والاا ودمیرے بعب دمیسدا جالسٹین ہے ۔اب اگرمچے پرکسی کا قرض ہے تو وہ میرے اِس فرزندسے ہے ، اگرمیں نے کسی سے کوئی دعدہ کیاہے تودہ اس سے بوراکرائے اوراگرکسی کو جھے سے بغیرے چارہ نہو تودہ بغیراس کی تخریرے محصيبين لمسكتار (عيون الاخباراله خاجلدا مسام) الارشاد میش که فی جلدا مسات اور غنیت طوسی میں محزومی مسے عن کی مال اولاد حنجوین ابیال سے تھیں اسی کے شل موایت ہے۔ ____ے محرین زید مائٹی سے دوایت ہے کہ اُنھوں نے کہا کہ اب شیعہ حفرت علی این موسی کا درمنا) كوابنا امام تسليم كريس كريس كريب ميس في بوجها وه كيس جروب وياكم حفرت ويلى بن معفرسے اُن کو مُلاکرا بنا وصی بنا دیا ہے ۔ (عيون الاخبار الرصّا علدا مـــــــ) ___ اولادعلی وفاطم کی گواہی حیدر بن عیوی کا بیان ہے کہ ہم توگ مرنہ کے ایک معروت مقام قبا رمیں تھے اور وي محترين زيدب على بمبى رسبتے ستے ۔ ايک دان وہ حس وقت معولاً ممارسے پاس آ ياكرتے ستے ، آخير سے تسے توہم نے اچھا ' آ قاہماری جانیں آپ پرقربان ہوں ' تاخیرسے تسنے کا کیا سبب ہے ؟ فرما یا كرآج اوللدعلي وفاطر مي سيم منزه آدميول كوحفرت الوامراجيم ف بلايامغا اورآب في لين فرزند علیٰ کواپی زندگی میں اپنا وکسل اور مرنے کے لعدا بنا وصی مقرر کرنے پرہم سب کو کو آہ بنا باہے۔ اور بهامراك كاورعل كيكيك مناسب وجائز عفار بحفر محدبن زئیے سنے کہا اے حدر آج ان کے فرزند کے سلے بیعت امامت ہوگئی۔ اب الن کے بورٹ یعد اکن کے فرزندعلی کو اینا امام کہیں گئے۔.. میں نے دون کیا' النرحفرت الواراميم كوسلامت دركے برتوكوئى بلت بہيں ہے ۔ أتخول نے جاب دیا الے جدر! جب اُن کو دسی بنادیا گیا تواس کامطاب میں ہے کہ

۰ مگرچدرکومریتے دم تک اس بیں شک ا مامت بھی اُن کے میرد کردی گئی ... علی بن میم کابیان ہے یی ره کیا۔ (عيون الاخبارالممث مبدا صي) @ مائرین مدسنه کی گوایی فبوالرحمٰن بن حجاج کابران ہے کہ مفرت ابوالحسن موشیٰ بن جغرنے اپنے فرزندملی کواپنا وصی بنایا (وراس سے بے ایک مخربر کھی اور اس مخربر پرمدینہ کے عمائدین سے ستر آدمیوں کوگواہ (عيون الاخبار اليضا مبلد امدا) ص مین بن بشیر کابیان می کرد عزیت الوانحن موشی بن عبغرای ایسن فرنده مل کواپ ا قائم مقام بنایا ،جس طرح حفرت دسول اکرم کی الندینلید واکه و تم نے حفرت علی علیٰ کست الع کوایم فدیم ز عيون الإخبار الرضاح لدا صوير- ١٨) خم اینا قائم مقام بنایا مقا۔ و المعنى المزاد كابيان ب كريم لوكون كا قافل مكري الكاتوبهاد بمراه على بن الى حمزه مجي تقا آوراس كے ساتھ بہت سامال ومتاع تجي تقاريم نے بوجھا أيركيا ہے؟ . . . توامس نے جواب دیاکہ پرحفرت عبدالقائح علیالستہلام (۱۵م دینی بن جفر) کا سامان ہے۔ سیجے حکم دیا گیاہے کہ میں اسے اُن کے فرزندعلی کومپوکیا دوں۔ اُنخول نے اُن کوا پنا وصی متعروفرا دیا ہے۔ .. صدوق على الرحد كهنة بي كر، مكر على بن الى حمزه حصرت امام وسى بن حفز على الميت بام كى وفات ك لعداس ب منكر موكيا اوداس نے وہ مال حضرت امام على رضاكونيس ديا۔ (ميون الانعارالفاميدا مسوم) <u> مفرت ام جفرصاد ق علالت ام کی نس</u> مسلمین محرّدٰ کابیان ہے کہ میں نے حفرت الوعیدالٹر (امام جغومیادت) علیست اس عرض کیاکہ ایک مرد تمبل جمعہ سے کہنا تھاکہ یہ اور آھے بندگ اب تم کوگوں کے رہے مله بیان کیا جانسی کیجدیدنام کے دو فرتے ہی مہلامغیریہ ہے ۔ جومغیرہ ہن سعیدعمل سے شوب وہ اس کے قائل ہی کراسٹرنگا ميك ودان انسان كاشك كاسي ميك مرية التاسيد وواس كيمي قائل بي كرا إم مشظر ذكرا بن محدين على بن حيين بسط عليهِ السلام بي . وه دنده ا ورحبل حا برزين عم بي و درا فرقه منعود به بي جوالإضعاد عجل كميل منسوب بديد يهد توييخص معزسته ام مخترا ترحن كيست للمكامعتفد مثياء بمواخين جعوا الدخود وئ امامت كمينے لگا۔ اس كے ماننے والوں كاخيال ہے كہ وہ آسمان ہمہا كيا -بهرمال دوایت منهرس میں آئندہ آئے گا کہ لم دون ہی سعیدعلی زید ہے تھے کے تعلق رکھتا تھا :۔

كب تك باقى رہيں گے ، بس مي ايك يا دوسال ميں تومر بي حاتيں گے ، بھران كے بعد وق السابنين سي كاطرون تم لوك نظراً مطاكرد يكوسكورس، وحضرت الوعيد الترعليات لام نے فر ایا ، تم نے اس سے کیوں نہیں کہ دیا کہ یہ توشیٰ بن حجز موجود ہیں اور سن بلوغ کومپوری حیکے ہیں میں نے ان کے سلے ایک کینر فریدی ہے جو ان کے کیے مباح ہوگی اوراس کینزے انشار الدّ تعللے الك السافرزندى يرابوگا جواك كاج انشين اورنقيه بوكار (ميون الاخبار جلدا ميسائي) (19) _____ المسلعيل بن خطاب كابيان ب كرحفرت الوالحن (موسى بن حبفر) خود بمغیب کسی کے دریافت کے موے اپنے فرزندعل بیضاعلی کسٹیلام کی مدح وٹناکیاکریتے 'اکن کی بہت تعرفین کرتے اوراک کے ایسے فضائل اور خوبیاں بیان کرتے جکسی اور کے بیے نہیں بیان كرتے تقے ؛ غالبًا وہ چلہتے تھے كم لوگول كواٹن كى طرب متوج كريں۔ (عيون الاخبار مبلدا مسنة) جعفر بن خلعت کابیان ہے کہ میں نے حضرت ابوائحسن موتی بن جغفر کو فرماتے ہوشے شناکہ بڑا خوش نصیب ہے وہ انسان جوائس وقبت تک م_{ام}ے جبتک کہ اپناجائنٹین د د یجھے۔ اورائڈ تعلیے نے مجھے اپنا جالشین اس فرزندکو دکھا دیا' اور یہ کہ کرآپ نے حفرست الم مرصاعلی کستیلام کی طرحت اشارہ فرمایا ۔ دحال کشی صریبی میں پونس سے مجی اسی کے ہم مضمون روایت ہے ۔ (۲) حسین بن مختار کا بیان ہے کہ جس وقت حضرت الوابرا میم موشی بن حعفرعالیت للم قيدخاندس تق النك باس سے چند تختيال سادے باس آئيں جن بر ملحاموا تھا كہمرا عہددہ اور منصب بہرے برطیب فرزند کے لیے ہے۔ (عیون الاخبار جلدا منہ) (ج) سے سے میں بن مختار کابیان ہے کہ جب حضرت ابوالحن (موسیٰ بن مجتور) ہمارہے ساتھ بمقرو تشرلف سيستنئ تواكن كاطرف سيهيس چند تختنيال لمين جس پرجور اي بين انكها بواتها كوميسدا عهده اورمنصب ميري براس فرزند كے يه ب ر 🥣 _____ زیادین مروان قندی کا بیان ہے کہ ایک دن میں حفریت امام ابوا براہیم وموشیٰ بن حبورًى ملاكت ام ك خدرت ميں ميہ كيا تو وہاں اس وقت ان كے فرزند ملى بھى موج دستے۔ آپ نے مجدسے ادرشاد فرایا کہ' لیے زیادہ اِن کومہجا اِن کو اِلناک مخسب رہمیری مخسب رہیہے ۔ الن کا کلام ميدرا كلام ہے ۔ جو يكہيں مجھ لوكر يدميرا قول ہے . (عيون الاخبار جلدا صنة) البث المشيخ مفيدمليه الرجمه صعب كافي حلدا صلت اورعنيبت طوسي عليمرحم یں بھی زیادسے اسی کےمٹل دوایت سہے۔ سننيخ مددق عليب الرحم نے مذكورہ بالا حديث كے راوى كے بالے

پر فرایاکه زیاد تن مروان نے اس حدیث کی روایت تو کی ہے گرحے فرت امام موٹنی بن حبوعالیات ام می زند کر میں اس مزار مراکز میں ترقت کی روایت تو کی ہے گرحے فرت امام موٹنی بن حبوعالیات ام می وفات كالبداس سالكادكركيا ورتوقف كاقائل بوكيا ودحفرت امموين بن جفر عداستهام كا حب قدر مال اس کے پاس مقاوہ سب اس نے دیالیا۔ السين فرين قابوس كابيان ب كدابك دن ميس في حفرت ابوابراسيم وشي بن جفوع اليهام سے عرض کیاکھسیں نے آپ کے پدر بزرگواد سے بھی دریا فت کیا تھا کہ آپ سے بعدا مام کون ہوں تھے ؟ تواتھوں نے آپ کا اسم گرامی بتا یا تھا۔ معرآب کے والدِبزرگوارحفرت الوعبداللہ علا لیستے ہم کی وقا کے بعدبہت سے لوگ وا مہنے اور بائیں مجاگ گئے مگریم اور ہادیے احباب آپ بی کے سامقد رہے۔ اب آپ یہ اسٹا دفرائیے کہ آپ کے بعد منفسیہ امامت پرکون فائز ہوں گئے ؟ آپ نے ارشاد فراه میرا فرزندعلی علالیت ام . پرافرزندعلی علی مستقیام -دجال کشی مستری برسعیدسے بھی ای دوایت کونغل کیا گیاہے ۔ سله نیادین مروان ابوالغضل ہے۔ اور یہ می کماگیاہے کہ ہے ابوعبرائٹرالا نباری قندی مقابوی ہاتم کے فالعول مين سصحقاراس نے حضرت امام يجغرصا دق ملائستيلام اور حفرت امام يوکئ بن يجغ علائستيلام وولوں سے دوایت کی۔ محرامام دمناط السیسیام کی آمامیت میں اس نے توقعت کیا۔ رجال منی منوس آورد ام ربر لین امرنا د کے ساتھ ایوس بن عبدالرحن نے روایت کی ہے اس کا بیان ہے کرحب حفرت الم الواكس موسى ب حبور نے وفات باتی نوات کے کارپردازوں بی سے كوئى ايك كمي ايسا من كاكر جس كے إس اً مخفر كى

كشروال ندرا بور اوراسى سبب سے ان لوگوں نے توقف كيا اور آب كى دفات سے الكاركر فى يا كند زياد قدى كے باس آپ كىمترېزاردىنادا درملى بن ا بى حرزە كے پاس مىس بزاد دىنارىھ . دادى كا بيان بىكى جىبىس نے يە دىكىما تومچەرچى خابىرىكى اودسي وخريت المام دمنام ك المستركما قائل ميركيا اوديج بجيمع معلام مقاده مين عوام الناس كو بتالي لنكارا ودحفرت لمام دخاكى أما كيغريث دعوت دسيض ككار داوى كابيان ہے كدير وكيكران دونوں (كارپردازوں) نديميرے پاس كادى يجيجا اور يركها يا كم الم مرضاً كى فوت موام اندى كودموت ندود اكرتم كوالى چاہيے توم تمنين مى دينيگ اوران دونوں نے دس مزارد ينا ركا و عدد كيا اوركما كه تم خاتوش موجا زُر خطیب کابیان سے کہ ا خاریوں کا مسجدان کیلون انس لیے مشوب ہے کہ وہاں زبایہ تر وی کھے سکونت پذر تھ اودامني ستب تدي ساكن زياد قندى تختارا وراد دون دكرشيد كے دور مي بحق بريت المال پراس كا تعرب بخاص ليركوب إدون وشرير نے ابودكيع بن يجكوبيت المالئ وادوف بنا يا تواس نے زياد قندى كواپيا ائب بنا ليا۔ زيادا كي شيعرفالى مقارس نے ادراس كے رہا عقد میت المال کے محرّدوں نے مکرخایات اورخین کیا جب الم دون وکرشید ہ_ے یہ است تا بت ہوگئی ۔ تواس نے زیاد قدی کے ما تھائٹے کاحکم دیا۔ زیاد نے کہا یا امرائمونین میل امترکا ٹمنا حزودی تونیس - میں نے خیانت حزودی کی ہے گرمجری آہے۔ کا مؤتمن ہوں۔ تو اردن برشیداس کا انتزکائے سے افرد لا۔

@ — كتاب جفروجامع كامطالعه منعیم بن قالیس کابران ہے کہ حضرت ابوالحس رموشی بن حیری عدارست امے نے ارشاد فرایاکه علی میری اولآدیس سب سے بڑے ہیں وہ میری بات سب سے زیادہ شنتے ا درمیرے کہنے پر سب سے زیادہ عمل کرتے ہیں۔ وہ میرے ساتھ کتا ہے جغراور جامعہ کامطانعہ کرتے ہیں اور ان کامطالعہ وسي كرسكما ب جونبي بهوياوصي نب بيريه (عيون الاخبار حلدا مساس) بھائرالدرجات (جز۳ باب۱۷ جلا۲۷) بیں بھی خشاب سے اسی قسم کی دوایت ہے۔ <u> عمر عمل می می نظرانتخاب</u> مفض ل بن عمر كابيان ب كرايك دن مين حفرت الوائحس موسى بن حفرك فدمت مي حاخر ہوا تو دیچھاکہ آپ کے قرزن دعلی آپ کی انوشِ مبارک ہیں ۔ آپ بھی ان کے دخسا دوں کا ایسے ہیں كبى زبان مندى ديت بي بي الرفروات كانده يربطات بي بي الين سينسب لكلت بي اورفروات ولية میں بمیرے بایٹم برقر بان مول محماری خوشبوکتی احجی ہے، متحارے عادات وخصائل کتنے پاک ہی متعادا فضل ویشردت کتنا واضح ہے ۔۔۔۔۔ را دی کابیان ہے کہیں نے عرض کیا بعولا امیں آپ پر قربان برجافل بمرس دل مين بحى إن كى اتنى مجتت بيدا مركى بدى مجتنى أب كيسواكسى اوركى نبي آب نے ادمث اوفرایا 'اے فقت ل! اِس بیتے کومی مجہ سے دی نسبت ہے جو مجھ لینے والدِقرم سيمتى يَعِرْرَآنِ جِيدَى اسْ آبِت كَ تلادت فرائى " ذُيِّريَّةٌ بْعَصْمُعَا مِنْ بَعُصِ وَ اللَّهُ سَرِميْع يُعَيِلِينُعُرُه (اَلِعُران ٣٣) * ذُرَّمِيت كِلِعِصْ افرادِلْعِضْ سے بَيْنِ اودا للْرَسِنْنِ والما اود خلت والله " راوى كابيان ب كمين في عض كياكه كياآب كے بعد عبدة امامت کے درسے کیے فائز موں کے ؟ آپ نے ارشاد فرمایا کہ کہاں ۔.. ۔ چنخص اِن کی ا ما عست كرے كا ہوایت پائے كا جس نے نافروانی كی وہ گراہ ہوگا۔ (عبون الاخبار صال جا) عراق جانے سقبل اعلان جاشین محمر بن مسنان کابیان سے کرحظرت الوالحن موسی بن حبورے عراق جانے سے لیک سال قبل میں آنخفرت کی خدمت با ہرکت میں حاخر ہوا۔ اس وقت آپ کے سائے آپ کے فرزند حفرت على يضاعل ليست لام تنع -آب في معديد فرايا - المعمر السي سال بين عنقريب بي كوتى مه الخدرومنا ہوگامگرتم اس پیسیے مبری کامظاہرہ نہ کرنا۔۔۔۔۔ بعرآب نے سراقدس جعکا یا اور لینے دسبت مبادک سے

زمین گرمید نے سلکے ایس کے بدسراِقترس اسھا کرمجہ سے ارشا دفرایا ، انٹرتعائی کا لوں کو گراہی میں ہی دکھتا ہے اور اللہ جوچا ہتاہے کرتاہےمیں نے عرض کیا میری جان آپ پر قربان ہوجائے ، اد ثماد فرمائيع ؟ آپ نے فرایا جو تخص میرے اِس فرزند کے ق کوغصب کرے اور میرے بعدان کی امات سے انکارکریے وہ اس شخص کے مانندیہ کتب نے علی ابن ابی طالب علی است الم ربعی جدا مجد) کے حق كوغ صب كياا وداك كما المستسب الكادكيا اورح حربت مخدّصلى الشيعليد وآله يهم سكين كويمي غصب كيا ـ يهشن كرس مجديًا كه آب ابى دفات كى خردے رہے ہيں اور ليے فرزندكى طرف رمها فى فرارہے ہيں -دادی کابران ہے کہ میں نے عرض کیا ، کہ اگر ایٹر نے مجھے زندگی دی تومین یعین ان کے حق کوسلیم کروں گا اوراک کی امامت کا افزار کروں گا۔ اورسی آج بھی گواہی دیتا ہوں کہ وہ آپ کے بعداللہ کی محلوق پر الٹرکی حجیّت ہیں ' اس کے دین کی طرف لوگوں کو دعومت دینے واسے ہیں آپ نے فرما یا التُرتِمُهُ الكَامِرِ ورازكِرِ مِن كَامَ الْ كَامَامِت كَيَّ طَرِن عَوَامِ النَّاس كُودعُوتِ مِنْ وبيتِ دِيوٍ؛ بِلَكِهِ الْرَبِي جانشین کی اما میت کی طروی می اوگوں کو مُمالا وُ میں نے عرص کیا ' مولا ! ان کامیانشین کون ہوگا ؟ آپ نے فرایا ' ان کا فرزند مختر۔ راوی کا بیان ہے کہیں نے کہا کہیں مانت اہوں ادر فجھے تسلیم ہے۔ ۔۔۔۔۔ آپ سنے مزیدارشا دفرایا بھیاں ، کتابِ امپر لمونین میں متعار متعلّ الساہی اکما پایلہ۔ اور میرتم میرے شیوں کے لیے اندھیری دات میں مجب کی چمک سے می زیادہ روشن بھی توہو۔ اس كے بعدادشا دفرہایا لے محرسنو! مغضّل تومیرسے ہے باعث اُنس وراحت ہے۔ ادرتم ، ہم دونوں مصیلے باعث انس و داحت ہد۔ جبتم مرحرام ہے کہ دہ تم کو تا ا بدھیجو تکا سے ۔ (عيون الاخبارالمضائع : مسسيس ٢ ارشاده کیمید ، غیبتہ طوسی میٹ اورا صول کا فی میسی جلدا ، میں ابن کمسنان سے اسی کے شک ہوایت درج ہے ۔ آپ کے متعلق تحریری نص حضرت ابوعبدالندا المعفرصادق على مستبيلام كے دوصاحبزادوں اسحاق اورعلى كا بالنب كروہ دونوں كمة ميں عبدالرحن كے باس أس سال كئے جس سال حفرت بوئى بن حبو كركرفتاد کرمیاگیا مقا۔ اُن دولوں کے باس حفرت الجاکسن (موٹی بن حَبْر) علیٰسنسیام کا ایک خطابھا جوخود ان مے ماعد کا لکما ہوا تھا ۔ اس بربت می باتوں کا حکم تھا۔ ان دونوں نے اُس سے جا کر کہا کہ حفرت موتکی بن پخبز نے اس مخرمیکے ذریعے سے ان بالوں کا حکم دیاہے۔ لہٰذا *اگراس کے پاس مخفر*ٹ کی کوئی چیز میو

تووہ ان کے فرزندح عزرت علی رصنا علی مست ہوا ہے کو ایے کردیں اس میے کہ وہ ان کے جاکستین اوران کے الموركے انجام دیہندہ ہیں۔ اور براوم تعرابینی ۱۲ رذی الحجر کے دن کی بات ہے۔ اور حفرت الوالحسسن (موشی بن جغر) کی گفتاری کوتم پر آنجاس دن گذر پیکے مقے اور اپنے اِس بیان پر اسماق اور ملی نے میٹیت كوا مسكحسين بن احمرامنقرى اودامسلعيل بن عجر اورحسّان بن معاديها ورحسين بن محدصاصب المختم كو يشي كياكه واقعاً حفرت الإلحس على بن موسى (الرمنا) لين بدر بزر كواسك وي بن اوران كم مالتين میں ۔چنا بخران میں سے دو حفرات نے تواس امری گوائی دی اور دوسنے یہ کہاکہ اُن کے جانشین اور کیل سي اوريركوا بى حفص بن غيات قاضى كى عدالت ميں قبول كرنى كى . (عيدن الاخهار الرمنا عبدا مدوس ___ بحربن صائح کامیال ہے کہ ایک دن میں نے حفرت ابوائسن موشی بن حجورے ایک صاحبزاديدابراسيم سه يوجهاكه لين بدر بزرگار كم متعلى عماداكها خيال سه انحف في عرابيا كروه زنده بي :ميں في مجر لوجي "متعادالين مجا ئى ايوالسن على بن موى ادمينا) محيتعلَّق كيا خيال ہے ، وہ كيسے شخص بي ؟ انفول نے تواب دیا کہ آپ نہایت ہے اورتقہ ہیں : میں نے عرض کیا الیکن وہ تھ ہے ہیں کم تھا اے والدوفات باكت : أتمول في وإب ياكما كفرت كورباده علم ب يمير سكروده كيافرات مي سي في دوباره مركور المرايا : بعرائفوں نے بہی جواب یا کہ انحفرت کوزیادہ علم ہے جیں نے پھردریا فت کیا کہ آئے والدبزرگوارنے می کوکوئی ومیّت کی ہے ؟ کہا ہاں : مين بوجهاكس كووميت فرمائي سب ب كما ، كم بم من سس يانخ افراد كواوران مي سب مقدم حفريت على دا بن موشیٰ زالرمنا) ہیں _۔ (عيون الاخبارا دضا جلدا مستقل (٣) _____ داؤد زرنی کابیان ہے کہ میرے پاس حضرت ابوائس موٹی بن جعفز کا کچھ مال مقا-آپ نے ایک آدمی کو بھیج کر کچیمنگوالیا اور کچیمیرے باس ہی رسنے دیا اور بہ فرمایا کہ اب جومیرے بعد زجانسین آئے گا ، وہ لقبہ مال تم سے طلب كريك كا ، اس ليے كروي متحادا الم م برگا۔ جب آنخفرت وفات باكتے توآب كے فرزندعل ابن موئی زارمنا) نے اپنا ایک آدمی بھیجا کہ وہ مال جومتعارمیاں باقی ہے جو فلال فلال استنياري ميره پاس بين دو چنائ جوكهمير پاس مقاده س أي كياس بيع ديا۔ (ميون الاخبارا لرضا جيد ٧ مسيس) به به دي ابوع حفص بن عياث بن لملق بن معاديخنى بيرج قاحني كوفه مقاا و*داگرييا ما محرما فراودا ما حغوصا*دن كىمعبىت ميں رہ چركا تحقاليكن عامرًى سے تتا . إرون كاشيرىنے يبيداس كوبغداد شرق كا قامنى مغرركما بجرو إلى سے مثا كركون كا قاتى بنا دیا تقادس کی دفات سمال موسی بخاشی (مسند) کابیان ہے کہ اس ایک کتاب جبیں تعربیاً ۱۱۰۰ ما دبن مرقزم ہی ۔ ا وداس کے عامة میں سے ہونے کی دلی یہ ہے کہ قاموں الرحال مستسب حدمہ۔ اس کے منعلق مروی ہے کہ حب کوئی متحص می متج

بچی سے عقد کرنا چا ہتا تھا تو یہ اس بچی کے ولی سے کہتا تھا کہ چہلے تم جا کہ کسس کا مقیدہ معلوم کرو۔ اگریہ جاتا کہ وہ خفص رانعنی ہے نوعترنہیں پڑھتا تھا۔

| على ابن ليقطين كابيان ہے كرجمدے حفرت الوائحن (موسى بن حيفر) نے اپنے | (P) |
|---|--------------------|
| اشاره كرك فرايك العلى بن تقطين إميري اوالمدس سب سے زيادہ فقيد ادر مار | فرنيذعل كلطيت |
| نے اپن کنیت کی اِن کودے دی ۔ (بھا تر التر جات) | |
| _على بناية طين كابيان ــ كمس من الخفريّة (المم وشي بن حقر) كوفرات موت | (F) |
| مِنْ میری اولادس سب کاسردارہے میں نے اپی کنیت ان کودیری ابعار الدرجات) | متناكه ميرافرنية |
| _ على بن يقيلن كابيان _ بي كمي ايك دن حفرت الوابراميم وموسى بن حفر كانعت | — (P) |
| . کے فرزندعل تشریف لاک ، توآپ نے فروایا ، یہ میری اوللدی سب کے سرواری ۔ | ين ما مزمقا كرآب |
| | میں نے اپنی کنید |
| _ دا وُدرتی کابیان ہے کہ میں نے حفرت ابدا براہیم (موسی بن حبّفر) سے ومیں کیا ۔ کہ میں | (Yr') |
| وُل؛ اب میں بہت ہوڑھا ہوجا ہوں میری کسٹگیری فریائیں اور مجھے حبیم سے نجات | آپ پرقر مان ہوجا |
| دفر ائیں کہ آپ کے بعد مہارا امام کون ہوگا؟ تو آپ نے لیسے فرزند حفرت البولمشن زعل | دلائي اوربرارشا |
|) کی طرف اشارہ کرکے فرمایا کہ میرے بعدیہ تنہا ہے اوم ہول تھے۔ | ابن موشیٰ "الرمنا" |
| (ارشا دمیث رکا فی مبدامّات ،الغیبته کمیش) | |
| _ محدین اسحاق بن عمّار کابیان ہے کہ میں نے حضرت ابوالحسن اوّل زموتی بن حبّغر) | |
| ک مجھے یہ مذار شاد فرمائیں گے کہ ہم آپ کے بعد اپنا دین کس سے لیں ؟ توآب | |
| یہ ہیں میرے فرزندعل مرسے پدر بزرگوارنے ایک مرتبہ میرا یا مقدم کوااور رومنہ رمول | فارشادفرمايا |
| والا النوزيد! الشرتعالى في ارشاد فرا باب كرم محسي زين برخليد بناف والعرب | |
| تاب اس کولپرافرها کلید. (ارشاد - کافی . غیسته طوسی مساز) | |
| ۔ تعبم قابوی کابیان ہے کہ حفرت ابوائحن زمونگی بن جنغری نے فرمایا کہ میرسے فرزندعلی | (FT) |
| برسے بواسے میں اورمیرے نزدیک سب سے بہتر ہیں اور مجھے سب سے زیادہ محبوب ہیں۔ | ميري اطادس سه |
| فر کامطالع کرتے ہیں اور نبی یا وصی کے علاوہ کوئی اور حبغر کوہنیں دیجھ میکٹا۔ | ووميرب سأتحدب |
| (ادشاد م <u>سمع</u> - کانی جلدا م <u>سمع</u> ، ختیتر کوی ص <u>مع</u>) | |
| _ حيين بن مختار كابيان ب كرجس وقت معفرت الوالحسن (وسي بن عير) قيدها مزي | |
| سے ہم وگوں کے پاس ایک لوح آئی حس برخسد رہناگہ میراعہدہ ومنصب میری ستے | مع آن کے پاس |
| ا ہے ، انتقیں لازم ہے کہ وہ یہ بیام انجام دی را در فلال شخص سے مجد رئیں جبتک کہ | بڑی اولاد کے پاس |
| ل يا فرت برجاول . (ارشاد منه المالية منيت وي مسال | |
| ۔ سنیمان بن داوُد کا بیان ہے کہ میں نے حفرت الوا ماہم دموی بن حفیز) سے عرض کیا کہ | @A |

مجھے درہے کہیں کوئی ایسا حادث روانان موجائے کہیں آپ کی خدمت میں حاخر مزموسکوں اس سے ارشاد فرمائیں کہ آپ کے بعدا مام کون ہوں گئے ؟ آپ نے ارشاد فرمایا ' میرہے فرزند (فلاں) لینی دادشا د میسی رکا نی حلدامسی ، غنیت کوی مدل) حضرت الوالممن على رضا عليابتثلام . وس نعربن قابوس كابيان ب كرس تعطرت ابوا بلهم علالست بام سي وض كما كرمين نے آپ کے بیروالی قدرسے دریا فت کیا تھا کہ آپ کے بعد ا مام کون مول کے ؟ تو آنخفرت نے ارشاد فر ایا تقاکہ وہ آپ ہوں گے۔ اب آپ میں ارشاد فرائیں کہ آپ کے بعد آپ کی اولاد میں سے (امام)کون ہوں کے ؟ آپ نے فروا یا کہ میرے فلاں فرزند ۔ (ارشادماٹ کان مثلا، نمیتہ طوی مدید) ج ____دا وُد بن زربی کابیان ہے کہ میں حفرت ابوا مراہم علالیت بام کی خدمت میں کمچے مال ے كرحا عربول توآب نے اس ميں سے مجھ ہے ايا ، اور مجھ حجو رديا۔ بس نے عرض كيا ، خداآپ كوسكا ر کھے یہ آپ نے میرے پاس کیوں چھوڑ دیا ؟ آپ نے فرایا ' اس کو امرا امت کا مالک تم سے خود کا طلب كرسے كائيس حب آب كے وفات كى خرائ توحفرت الوائحن على الرمنا على الستيام نے ميرے ياس آدمى بعيجا اوروه الم مجدسے طلب فرما يا جومسي نے انفيس دے ديا۔ (ارٹ لائٹ، کا ف مبد امّداش، فينية ملى فكر) رجا ِل کسٹی مسٹا بریمی منماک سے اس کے مثل روا بہت سے ۔ <u> سرامام اپنے وقت کا قائم ہوتا ہے</u> حسن بن حسن کا بدان ہے کہ میں نے حفرت الوائسن موٹی بن حبفرعالیستیا م سے عرض کیا کہ کیا میں آپ سے مجھ دریافت کردں ؟ آپ نے فرمایا البنا ام سے دریافت کرد۔ میں نے عرض کیا ' آپ کامقصودکون ہیں ومیں تو آپ کے سواکسی دوسرے کوا ام نہیں جانتا۔... آپ نے فرمایا کہ وہ میرسے فرزندعلی ہیں میں نے اکھیں اپنی کنیتت بھی دے دی ہے ۔۔۔۔ میں نے عرض کیا مولا بمجھے حبتیم سے نجات دلاتیے ۔ آپ کے پدرِ عالی قدر صفرتِ ابوعبدالشر (حیفرصادق) نے توفر مایا ما كه آب اس امرام امت كے قائم میں آپ نے مرایا كه (اسخول نے مشك بی توفر مایا) كيامين قائم منبي راع بسب اس كے بعد فرط يا الي سن سنو! سرام جبتك اپني أمت مي رستا ب وه ابني أمت من قائم بی رمبای اورجب وه اس دنیاست رخصت بوتلی تواش کے بعداکنے والاامام قائم اور جست بن جالك اورائي وفات تك قائم رسبك واس طرح بم بي سے سرا مام قائم ب و المذا ا جنگ وه ما معاطات جوتم بم سے کرتے ہتے وہ اب میرے فرزندعلی سے کہ نالہ خدا کی تشم ، میں نے یہ کام خودسے نہیں کیاہے بلکہ انٹرنے پر برنیا کے محبّست کیاہیے۔ (مثیتہ طوی مسٹا- 11)

موئ بن بحركابيان ہے كميں حعرت ابوابراميم ك خديست بي حاضريما ، آيسنے فراياك (میرید پدربزدگار) حفرت ا م حبوصادق علیست ام فرایا کرتے سے کہ ویجنس نوش قسمت ہے جواکسس وقت تک نزمرے جبتک اپنی اولاد آپ سے می کواپنا جالشین مذدیجے ۔ . بھیرآپ نے لینے فرزندعلی کیفر اشاره كرتے ہوئے فرابا كر مجھ الترسنے ميرے ہى نفوس ميں سے إن كوميرا جانشين و كھا يا - (غنيت لمرئ ") <u> النُّتعالَى كُونْنَظُونْ بِينَ كُسِلْسَالُ الْمُسْتَقَطَّعُ بِيو</u> الدون بن خاره کابیان سے کوجھے ادون بن سعیدی نے کہاکہ دہ استعمال توم جن کی طریخ اوگ ای گردنیں موٹرموٹوکر دیجھاکرتے ہے۔ اور حبفرصّا دق بہت بوٹسے ہوجیے ہیں۔ کل فوت بوجائيں يارپوں و بمرئ لوگ بلاا ام كے رہ جاؤكےميري مجھين نہيں آياكم اس كاكميا جواب ديا جا يكن جب مين في إس كانتزكره حضرت امام حغرصادق عليكت الم سي كيا، توآب في ارشاد فرايا م... افسوس افسوس وخلاقهم الشركوبي فلورشي كراس امرا مست كاسسان تعلع بموجلت تاوقت يكم روز دستب كاسسد منقطع مزيور . . احجها اب حبب يمي اس كود يجو توكېد بياكه پيروكي بن مغير موجه د بي او (خنیترفوی مسن۳) ان کے بعدانشاراںٹران کا فرزند جاکشین ہوگا۔ صاحب الامرائ المرائي سي <u>سي نگ</u> ایک روایت میں ہے کہ حضرت الوعبر الشرع المست لمام نے ایک طویل حدیث میں یہ ارشا دفرا بأكهما داصا حب الامزطهود كرسي كاجوان مى كسل سے بوگا اور يكه كرآپ نے اپنے ہا تھ سے حضرت المام مؤتئ بن يخفركي طرف اشايره فرايا و ارشاد فرايا كماش وقت زمين عدل سے اسی طرح مجر جلے گاجن طرح ظلم وجورسے پُر ہوگئ ہوگی ۔ اوراکن کے لیے دنیا کی حکومت واضح وروش مہوگی ۔ (عثیته طوسی صنعی) ور علی بن جعفر کی گواہی _{(۳۵}

ابن فعال سے روایت ہے کہ اُمؤں نے کہاکہ میں نے علی بن بخو کو کہتے ہوئے شنا کہ میں اپنے علی بن بخو کو کہتے ہوئے شنا کہ میں اپنے مجا کی موٹی بن مختور کے اِس مقا (اور مجدا وہ لیڈیٹا ذمین پرمیرے پرریزدگوار کے بعد جنوا متعے) کہ ای اثناران کے فرزند مفرس علی بن موٹی (الرشا) نفرا کے تو آب نے فرا یا اے علی اب بیٹم مارک امام ہوں گئے اوران کو مجدسے وی نبست ہے مجھ کو میرے والد ہزرگوارسے تی ۔الڈیم کوان کی اِطاعت

نندگی زیادتی نا سب بہیں ہوتی۔ بہتم میں شکرکی کمی کی علامت ہے۔ (تغییرِ عِلَیٰ جلدہ مسط) سے کتاب جفر کا مطالعہ

شعرب قالوس کابیان ہے کہ میں حفرت الوالحسن (موٹن بن حجرے کی طرف الشرت پر آپ کی خدمت با برکت میں حاخرتھا۔ کہ دفعتا آپ نے میرا بامخ بکر الاورا یک حجرے کی طرف نے گئے ، جیسے ہی آپ نے دروازہ کھولا تو تا گاہ میں نے دیکھا کہ آپ کے صاحبزادیے علی (الرضا) اس کے اندر تشریب قرماہیں اورا یک کمآپ کا مرطالعہ فرمادیہ ہیں۔ حفرت موٹنی بن حجموسے فرما یا کے لفرائم

نشریف فراهی اورایک کماپ کامطالعه فردادسه جن مخفرت توسی بن فجفرسے مجھ سے فردایا کے لفرام ان کوپچاہتے ہو ؟ میں نے عرض کیا جی ہاں ' یہ آپ کے صاحبزادسے علی ہیں میں فرفرایا کے لفر! جانتے ہو یہ کون می کتاب ہے جس کا پرمطالعہ کردسہ ہیں ۔؟ میں نے عرض کیا ؟ نہیں ۔ فردایا ' یہ وہ کتاب جغرب جس کو نبی یا وہی نبی کے ماسواد کوئی دوسرا منہ یں بھی کتا۔ خس بن موسی کا بریان ہے کہ مجراس کے بعد میری جان کی قسم نے کو حضرت الوائمس کی وفات تک ان کی امامت میں کوئی شک وشربہ ہیں ہوا۔ (عیون الاخبار الرمنا جلد م مرسین ہو گھی موسی موسی کوئی شک وشربہ ہیں ہوا۔ (عیون الاخبار الرمنا جلد م مرسین موسی کا بریان ہے کہ نیٹ میری طاور خالد بے دونوں حضریت الوائمس موسی موسی موسی کوئی شک وشربہ ہوا۔

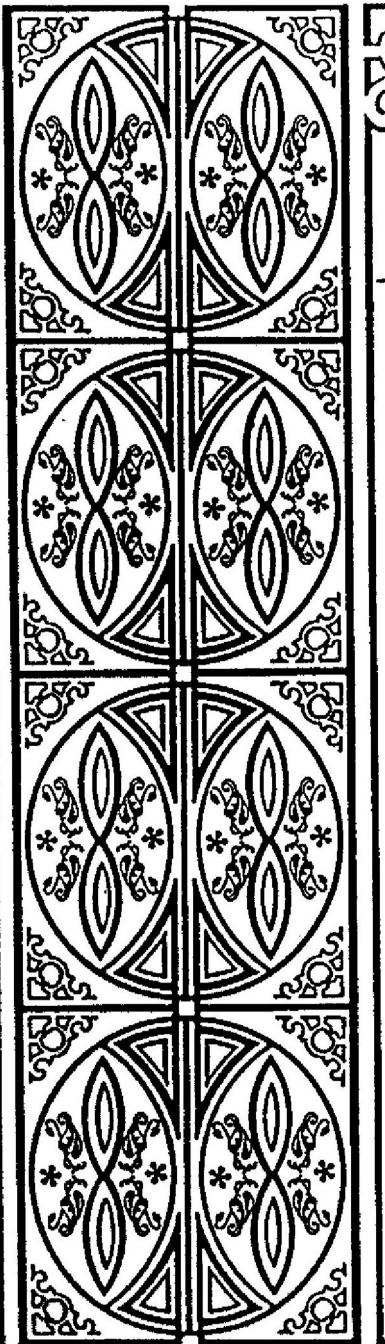
کی خدمت کیا کرتے تھے بیشن نے کیئی بن ابراہم سے ، انتخول نے نشیط سے ا ورائخول نے خالد حوّال سے مالد حوّال سے را سلہ : خالہ موسین کا لورانام خالدین تجہیر حوّال سے رون ، وہ لاکری سے میں برحم المسنفیع ایوا ہو۔ (باقی انکے مغیرطا مغلید) مستن كرب إن كياكرجب معرب الوالحس علي مستيلام كما المست من لوكون كا اختلاف بوا وتوس نے خالد سے کہا۔ دیکھتے ہوکہ ہاسے درمیان کیسا اختلات رونما ہولیے۔۔۔ و خالدتے جواب دیا کہ حفرت الجامن (موشى بن جغز) نے خود فرایا متعاکم میراعیدہ ومتصب میرے فرز ندملی کوسطے گا محیونکہ وہ میری اولادی سب سے بیسے ، سب سے بہراورسب سے افضل میں ۔ (رجال کٹی میسے) (م) ____ داؤد بن فرقد کابیان ہے کمیں نے حفرت ابوابراہیم علی کستیام ہے عرض کیا کہ: مولاً إ مين آب برقر بإن بوجا ول ، اب مين بهت لوشعا بوجكا بول ، اب لرآب مع دروازه وعلم كا برس در کیے آپ خصرت ابوالمن رعلی بن موتی) علیاست می علون إنهاره کر کے فرایا د پچوریمیرسے بعد بھارے امام ہیں۔ (لومٹ) اس کے علاوہ کچے دنصوص اہم موٹی کاظمیسے علیائے لام کے متعلق مضوص کے ذیل میں اور باب وصیت میں گذرجی ہیں۔ ا (گذشتم فر کا بقیتر ما مشید)

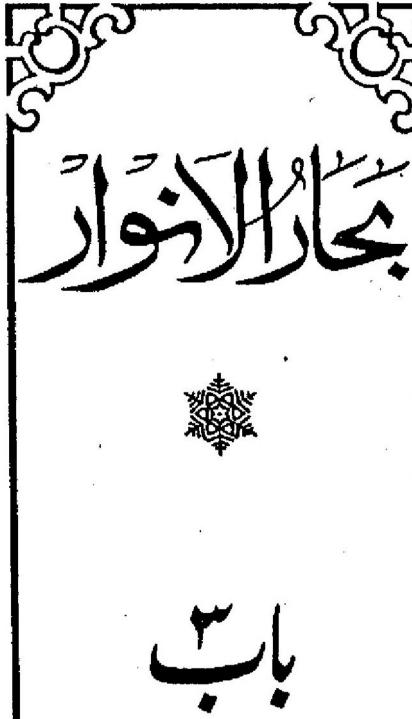
ے درسر کے بہر میں بہر میں اس لفظ کے مختلف نسنے سلتے ہیں۔ چنا بخہ دجال کمٹنی میں یہ نفذا کواڑیا اکوار معافرہ شن کا ڈبڑے کمٹر کے غلطہ ہے۔ ابن واقد ہے ابنی کتاب رجال میں اس کی تعربے کردی ہے ۔ مرقوم ہے ۔ اور پرمرکی غلطہ ہے ۔ ابن واقد ہے ابنی کتاب رجال میں اس کی تعربے کردی ہے ۔ بہرجال پینی عالد جوان صاحب ارتفاع لوگوں میں سے متعاجبا کہ رجال کمٹنی مدیر ۲۰ پر

امس کی مراحت موج دسسے۔

بعارُ الدّدجات مِن لِنے اسناد کے سامۃ فالدین بخیع ہوّان سے دوایت ہے ۔۔۔۔ کہ میں حفرت ابو مبداللہ علیٰ کیسٹے میں جیٹوگیا اور اپنے ابر وُمعانپ کرایک فرون ایک گوٹے میں جیٹوگیا اور اپنے ول ہی دل میں دل میں کہنے نگارتم نوگل ہروا کے ہوکہ تم اس قدر فا قبل اور نا قدر شناس ہو کہ عالمین کے دب سے باش کردہ ہو۔ کہ اتنے میں حفرت ابوعبداللہ علیہ مینے میے بیکا دکر کہا۔ اُے فالد کھر پروائے ہو، خاکمتم میں الڈی بندہ اوراس کی مخلوق میں سے ہوں میرامی دب ہے جی میں میادت کرتا ہوں اگریس اسکی عیادت نرکوں تو بخوا وہ مجھے جم

یں ڈالدسٹا خالدکتا ہے کینکر سے لئے ولی کہا خوائی تم اب یہ ابدائیا نہیں کو تکا جکر وی کرونگا جائے اپنے متعدن فرایا ہے۔







شان امامت ومعزات

س سے رہان کے دل کی بات زبانِ امامت پر

دیّان بن صلت کابیان ہے کہ میں خراسان میں حفرت ا مام رضا علیٰ کتیام كے بیت الشّریت پرحاضر ہوا ورمعرہے كہا ، اگريم مناسب مجعد توميرہے آفاتك ميري يہ ودخواست پہوئچادوکہ آنجنائ مجھے اپنے البوسات میں سے کوئی نباس اور آٹ کے دراہم میں سے (جوآنجناب کے نام ای سے جاری ہوتے ہیں) جنددرم عطافر ادیں۔ جنائجہ معرفے مجعے بنایاکمیں جب انخفرت کی خدمت مي حاخر بهوا اورائمي كمجه كمين مع ما يا متفاكه خود حفرت ابوالحن عليلت امن ارشا وفرايا ، لے معر اکیار بات نے اس خوامیش کا اظہار نہیں کیاہے کہ میں اُسے اپنے ملبوسات میں سے کوئی ملبوس ا دراینے نام والے درہوں ہیں سے چند درہم اس کو دے دوں ؟ معرکہ اس کریٹسن کر میں نے عرض کیا مشبری انسرا انجی انجی وردوات پروہ کہی تو کہ رہا تھا۔ داوی کابیان ہے کہ میں کرآ بخنا ہے مکرائے ۔ مجرفر مایا ، مون با توفیق ہوتاہیے ۔... ، اجھااس کو کا لاؤ . . بمعرف مجھے آنجناب سے پاس حا مزمونے کی خش خبری مشنائی۔۔۔۔میں نے حا عزم کوکرسلام عرض کیا۔۔۔ آنجناب نے بوابِ لام دیا بھراپنے ملبوسات میں سے دو لباس منگواکر مجے عطافراک اورجب بی جلنے کے پے انتظالوا آپ نے تیس درہم میرے مامھ میر رکھ دیے۔ (قرب الاسناد صف) • کشفت الغمة حلام صلا اوررجال کشی صفح بنرا۲۴ بریمی معرب اس کے شل دوابت ہے .

عبالله حمرائمی کابیان ہے کہ میں ایک دن مامون درشید کے پاس گیا۔ اس نے مجھے بھا یا اور جو لوگ اس وقت اُس کے بیاس سے میں ایک دن مامون درجو کوگ اُس وقت اُس کے پاس سے مرب کورضہ سب کردیا ، مجرکھا نامنگوایا اور جھے کھے انا

کھلایا اور مجہسے دلجوئی کی ہاتیں کیں ہم سرامنے پردہ کھینچنے کاحکم دیا۔ حب پُردہ کھینچ دیا گیا تو آگے ہوگھا اور سپ پردہ جوستورات تھیں اُن میں سے سی ایک سے کہا '' برائے خداوہ طوس والاشعور سنا نا '' تواس نے وہ شعر پڑوھنا شروع کردیا ہوس کامرط نب یہ ہے کہ'' الشرطوی کوسرا شار وا باد دیکھا ودعترت پُسول' میں سے اُکسس ذات کومی جسس نے ہمیں مگین جوڑا اور میماں کرمتیم ہوگیا۔

ت وی بسن سے ہیں ۔ ب جوزہ وربیاں، مریم ہربیا۔ داوی کابریان ہے کہیئن کرمامون رویا اور محبوسے کہا 'لے عبدالنڈ کیا ہمارسےاور محصار

خاندان والے بہیں اس پرمرام الکتے بیں کہم نے ابوائحن الرمناکوا پناولیے پرتورکردیا؟... ابچا مشنو! خواکی تیم میں تمیں اپنا ایک واقد مسئا تا ہوں جس سے تعیس بھی جرت ہوگی اور وہ یہ کمیں ایک دن اکن

ے باس گیاا ودائن سے کہاکہ فرزندرسول بیس آپ پرقربان ۔ آپ کے آبکر واجداد موتی وجعظرو محمد وعسلی ا

ابن الحسكن كے پاس قيامت مك جو كچيو ہوا يا جو كچيو ہونے والاب ان سب كاعلم مقا الب مى الميس معرا کے وصی اوروارث ہیں اورآب کے باس ان کاعلم ہے۔ آن مجھے آب سے ایک مرورت ورمیتی ہے اب نے فرمایا ' بتاؤوہ کیا خرورت ہے ؟ میں نے کہا ' یہ ایک میری بہت کپندیدہ كنرب اودس ابئ تامكنزوں ميں سيكسى كواس پرترج بنيس ديتا صورت يہ ہے كمروه كئ مرتبہ حساملہ ہوئی مگراس کاحل ہر بإرسا قط ہوگیا۔ اب مجی وہ حا طرہبے آپ اس کے بیے کوئی ایسا علاج برائیں جس سے اس کاحل سلامت رہے ۔۔۔۔۔ آپ نے فرمایا کہتم اسفاط سے ندوروحل سلامت رہیں ا وراس کے تطبن سے ایک ایسا اول کا پیرا ہوگا جوانی ماں سے مشا مبہوگا۔ اس کے دلہنے اِ تھ ہیں ایک زائر انگلی ہوگی ہوخودسے انھے نہ کے گی رجولتی لٹکتی ہوئی ہوگی) اور اس کے بائیں بائھ میں بھی ایک تجھیٹی زائدانگلی ہوگ اور وہ بھی اسی طرح تفکتی ہوئی ہوئی ہوگا ۔ تومیس نے اپنے دل میں کہا میں گواہی دیتا مہول کم ا الترسرت برقادرس-چنائج وقت صل پواہونے براس كينر كے بين ايك افركا پيل بواجو واقعالي مال سے مثا به تفاا ورحفرت على رصاعلي مسلام كارشاد كم طابق اس كے زائد تحيى انگليال موجود تقيل -ابتھیں بتاؤکہ اس دلیمیم کی تقریری پر مجھے کون ملامت کریے گا۔... یہ حدیث طویل ہے بہنے اس کا کچوه منون کردیا ہے۔۔۔۔ اور منہیں ہے قوت وطاقت ممصرت النہ کے پاس اور دسی بلندی و وعيون الاضارالعضاحلدم مستهي) عظيت واللهبء عیربن پزید کا بیان ہے کمیں ایک مرتبہ حفرت ابوالحس مفاکی خدمت میں کھا و الآن محد بن حبِّ کا ذکر بوا ، توآب نے رایا کہ بیں نے تولیتے ہے یہ ہے کرلیا ہے کہ میں اور وہ سی ایک گھرکی جھت مے سامے میں جمع نہوں گے . . ۔ ۔ . . داوی کا بیان ہے کہ میں نے اپنے دل میں کہا يهي تولينا عرق كساعقنى اورسن سلوك كاحكم دية بي مكر فودلي في الكريد بيم بدرسي ... اسى مىرى دلىين بى بات أنى بى مقى كەآپ نے ميرى طرف نظر المفاكرد كيما اورفر مايا- بان بان یہی ہے ا در سن ساوک ہے رحب وہ میرے پاس آنے اورملاقات کرتے ہیں تومیمال سے جاکر ہو کھی میر متعلّ کہتے ہیں پوگ اس کو سی سیمنے لگتے ہیں ۔ اوراب مب کم مذوہ میرے پاس آئی کے اور مزمیں اک کے یاں جاؤں گا تو کیجی وہ کہیں گے لوگ اس کونہیں مانس کے ۔ (میون الاف رار مناجلد، مستبد) ____لقطین کابیان ہے کہ محدین عبدالشرط امری نے حفرتِ امام رضاعلی سے الم کی خدمت س ایک ورید به بیجاجس میں اس نے اپنے جماک مشرکایت تحریری که وہ حکومت کا مولام ہے اور پرمنوانی ولمبیں سے کام ہے داسے اوراس کی وصیّت کامعالمہ اس کے انتذیں ہے ۔ ۔ ۔ ۔ و حفزت الم مینا مليكتيام نے جواب توريفرا يا اب ده گياد متيت كامعال توخميس اس كى فكر كا خرورت نهي

محدين عبدالدبيت معوم اورمنفكريوا اوراس فيخيال كياكه (اكراس في وميت كردى تو)اس سے ومول کرایاجات گارمگروہ بیں ہی دن کے بعدمرکیا۔ عبون الاخبار ارمنا جدد مست مدبن عبیدانشرقی کابیان ہے کہ بی حفرت امام رضاعلی مسیدیام کی خدمت بی حامز مقااور منت بياسا مقاليكن ميس فمناسب نبير مجاكه بإن ما نكل رتا بم آب في از فود يا في منو اكر بيها فود چى دىيااس كے لېد مجھے دياا ورفروايا الے محمر! لويد مفندايا نى ب ميں نے بخوشى بي ليا۔ دعون الاخارة الت و مدن داؤد كابيان ب مين درمير مين دولون حفرت الم رضاعليك الم ك ضرمت میں حاصر تھے کہ اسی اتناء ایک شخص رہ خرالا یا کہ محب بدین حفظ کے جراب سیھے گئے ہیں۔ حفرت ا مام مضاعلیٰ کستیلام ا ورآپ کے بمراہ ہم بھی اُن کے پاس گئے تو دسکھاکہ واقعاً خرمیم بھی ۔اسحاق بن حبّعرِ ا ور ان کی اولادا وراکی ابوطالٹ کے کچھولاگ دورسے ہیں رحضرت امام رصاعلی کست لام ان کہالین مربیھ گئے۔ اوران کے چہرے کودیکے کربستم فروایا ۔ بربات حاصرین کو بہت ناگوارمون ، بلک معض نے توکہ می کہ پراپنے چاپہلنزیپسکرارسے ہیں۔ رادی کا بیان ہے کہ مجرآپ نماز رہے کے لیے مجدرتشریف ہے گئے دوران را میں نے عرض کیا کہ ہماری جانب آپ پرنٹار میس وقت آپ متبتم تھے حاحزین میں سے کچھ لوگ آپ کے متعلّی نازیبا بريفانان ياكدوه محدب حنور يهام عائكا ورخود محدب جنواس كاموت بركر بركرب ك رادى كابيان بيرى معرتو روله مت موسكة ادراسحاق كانتقال مؤكيا . (عون المغبرج • تحجم - محدب جرمطري نے بھی ليف اسسناد کے ساعة عفرت الجائمیں بن موشی سے اسی موایت کونعل کيلہ ____ يحيى بن محدب وتغريف بيان كياكمير، والدشديد بهايد وي توحفرت الوالحن الرهنا علامت لام ان کی عیادت کے بیے تشریع ہے کتے وہاں میرے ججا اسحاق بیمٹے ہوئے گرد کررہے مقے الخفرت میری طرب متوقیم بوئے اور فرایا : محقارے جیاکیوں گرم کردہے ہیں ؟ میں نے وص کہا، ال مومحد بن حبّعزی موت کا ڈر ہے۔ اور اب کا جوحال ہے وہ آب کے سائنے ہے۔... حقرت امم رضاعليكستيام نے فرما يا عم فركر و محدى جائيں كے اور اسحاق ان سے قبل عنقريب بي استقال كرجائيں كے ۔ جِنَا كِذَه اليها بِي المُوا مِيرِ والدِولِ فِي مِن الإسماق المتعال كرصة . (ميون الانباداد فاجد المعظر) • مناقب مبلدا م<u>ن ال</u>یم می ای کے ش ایک مرسل دولیت مرقوم ہے اسماق بن موتی کابیان ہے کہ حب میرے جمیا محدین جنونے مکٹریں خروج کیاا ورائی الرت وكف كودعومت دى اودام برالمؤنين محدث كادعوئ كيا اودان كى خلافت پربيعيت كل كئ توحورت المهمامنا ملیکت لامان کے پاس گئے میں مجی بمراہ کھا۔ ۔ ۔ آپ نے اُن سے فرمایا۔ حماحان آپ اپنے مدر مزدگوادا ورکینے

معانی کی تکذیب مذکریں ۔ آپ کی بدا مارت بے جان ہے ۔ اِس کے بعد میں حق امام رونا کے بمراہ مرمند مہد کیا امجی چند دن می گذرے سے کھ بلودی آمپر منیا و ونول کامقابله موا ان کوشکست موتی اور جلودی سے امان کی منغاست کی سیاہ نباس پہنا منبر پرکتے اورخودہی دعوی امارت سے دسترداد موسنے کا عالمان کیا اور کہا کہ يحكومت امون دمشيدك ب اس بربها لاكونى من نبي يجروبال سے شکل كرخ اسال بيلے اور مرجال مي انتقال کا (عيون الأخيارالرضا حبدا مسلسا) • دکشف الخدّ ملدم مستلام طائل حمری سے ای کے شل مرام دایت ہے گراس میں برہے کران کا انتقال و _____معربن خلاد کابیان ہے کہ ریّان بن صلّت کونفل بن مہل نے خواسان کے کسی شہری بمبيا مقار أمخول نے مجھ سے مروس کہا کہ میری درخواست ہے کہ آپ مفرت علی ابن موٹی زالوماً) سے میرے یے حاخری کی اجازت مانگیں ۔میری خوامش ہے کہ آنخفرت اپنے لمبوسات میں سے کوئی لیاس مجعے عنایت فرادیں اورا تخفرت کے نام کا جوکے جاری کیا گیاہے اس میں سے جندع طافر ادیں۔ معرکا بال ہے کہ: مين خدمت حفرت مام رضا عليكت لام من حاضر ميوا ا درائجي مين مجد كهنيم عن ما يا عقا كراب نے ازخور برارشاد فرمایا كم ریان بن صات ہمارے پاس اناچا بہتاہے اوراس كی خلابش ہے كم میں اپنے ملبوسات میں سے کوئی لباس اس کو دے ووں ا ور لینے نام کے سکول میں سے مجھ اسے عطا کروں ^ہے میں نے کئی کواجازت دی الغرض جب ریان من صلت حاضر ہوا اورمسلام کیا۔ توآپ نے اش کو اپنے ملبورات برسے دونیاس اور لینے نام کے سکول ہیں سے چند سینے اس کوعطا کیے۔ (عین الانبا مالرمناعبرہ '') مناقب حلدم مسبس میں بھی معمرسے اسی کے ہم مقمول روایت ہے ۔ ن سے رجال کئی مدھ میں میں ابن ابی الحفایہ سے اسی کے مثل دوایت مرقزم ہے۔ ___ حسین بن موسی بن حفوین محتر کا بیان ہے کہم بنی ہاشم کے چندنوجان حفرت علی ابن مرستی دادمنا) کی خدمت بی حاحز منے کہ اسے میں اس طریب سے حجز بن عمرعلوٰی کا گذر بواا در وہ بیچا دے بی راد سیدہ لباس بیں اور مُری بمیّت میں تھے۔ ان کی اس حالت کو دیکھ کریم میں سے ایک نے دومرے کی افون دیکھااورسنسنے گئے۔۔۔۔ مفرت ام رضاعلی سے ارشاد فرایا (آنع تم لوگ! ن کی حالت کودیکھ کمہ بنس ديب بومكر) عنقرب ديجيو ككاكم يرمبيت مالدار العثم وخدم والم بوجائي الك -چنا کچرآ تخفرت کویه فراسے بوسے ایمعی ایک مہینہ میں نہیں گذرا مقاکہ وہ وائی مرمنہ بن سکتے اور ان کی حالت بہت ہی اعبی مہگئ ۔ جب وہ ہاری طرف سے گذرتے توان کے ہمراہ دوخواج سراا وربہت ے توکر چاکرمپرتے۔ (اور رچعبز بن عمرب حمین بن علی بن عمرین علی بن کھمین بن علی بنائی طالب ہتے۔) بیون المان برمبرہ) ے مناقب حلدیم مصب برحی ہے روایت منعول ومرقوم ہے ۔

تست ل كرديگا..... توميس *نيع هن كيا م*ولا إكميا واقعاً عبدالندين باردن محرين باردن كوتسل كريگا؟ آبہسنے فرایا' ہاں۔ وہ عبدالشرح خراسان پیرسے ۔ وہ اِس محربن زبیرہ کوتسل کرسے گا جولبغدا دمیں ہے ادرابيا اي بوار عبدالشرف محد كوقتل كرديار (عيون الاخبار الرضا عبدي صيع) مناقب جلدم مستسس برمی اسی کے شل دوایت ہے۔ ____ ابن الی مخران ا ودصغوان دونول کابیان ہے کہ حسین بن قیا ما جو واقعیہ کے سردادو میں سے تھا۔اس نے ہم نوگزں سے کہا کہ حضرت امام رہنا علائیستے الم سے میرے ہے اذان مارما ہی حاصل كردي امام علايت المهم كي اجازت حامل كم كي و و آپ كے سامنے كيا تودريانت كياكم كياآپ المم بي ؟ آپ فرايا الدر أس في كم يمرس الشكوكول كركه تا بول كرآب الم منبي بي وادى كابيان م كرم منرآب كردن جمكام بوك ديرتك فاموش رے۔ مجراس کی طرف مخاطب مورفروایا استحکم نے بتایا کمیں امام مہیں ہوں ؟۔ اس فیواب دیا کہ يميں اس ليے كہتا ہول كرحفرت ابوعبدالسرّا ام حبع ممادق على سندائم سے دوايت ہے كہ اما كم مي لاول زنبي ہوسکتا اورآپ کاس اتنا ہو جیاہے لیکن ابتک کوئی اولاد نہیں ہے۔... کیسن کرآپے ہم تک خاموش سے اور تھرارشاد فرمایا ۔ میں الٹرکوگواہ کرکے کہتا ہوں کہ جید سٹب وروزی میں بھے الشرتعانى ايك اولادصار محسص مرفرإذ فرياسكار عبدالرحمن بهنابى كجران كابيان سيكهي اشى وقت سے جيسے شاركم اورالله اورالله افال سنه ان کومال بمرک اندرې حفرت الزیم و ایسا فرزنده طا فرا دیا ۔ دادى كابيان سيحكه حسين بن قياما ايك مرتب طواحت مي كعوا موانها توحفوت الوالحس أول وصغرت موتئ بن حبّر سے اس کی طریت در کیما اور فر ایا ۔ تجھے کہا ہوگیا ہے ۔ انڈر بخیے دروائی جریت میں والے اس كه يعدائس في اكنيس برتوقت كيا. (ديگرائده ك المست كا قائل نهي را.) وعيون الاخباد الرم أجلام ويسيران _____ موسیٰ بن بارون کابیان ہے کہ سینے حفرت امام رمنیا علیاست پام کود سیکھا۔ آپ نے مدینے یں ایک مرتبہ ہرتمہ پرنفرڈالی ا ورفرہا یا ۔ گویا 'میں دیجے میام پوں کہ ٹیخعی ہا دون دکرشید کے پاس انتظا کرہے جایاجا رہا ہے ا وراس کی گردن ماری جاری ہے ۔ (ا ورمعے الیما ہی ہوا جبیا آب نے فرمایا متعا) ۔ (عيون الاخارارما مكدد مسئلا) • مناقب ابن شهرآسوب مبدرم ص<u>صی</u> پریمی دوگی سے بھی دوایت نقل ہے۔ • کشف الغمة حلد مروس پر ولائل ممیری سے منقول موئی ی سے بروایت کرگرا رکے علی کا

 الوجيب تباجى كابيان ب كمين في ايك دن دسول الشرحتى الشيليه وآلم والمسلم كوخواب من ديجهاكروه (بهارك كاول) نباج من تشرليب لايم بن ادراس محري قيام فراياكوس سي برسال حجاج آكر عفرت بي عيرس نود يحاكمين انخفرت كي خدست بي حافز بوا مسلام كيا ادرسامنے کھوا ہوگیا۔ آیٹ کے سامنے مدینہ کی مجور وٹ کے بتوں کی بنی ہوتی ایک ٹو کری رکھی ہوتی تفی اس میں ان مجوری میں میں سنے برد می کا کہ آپ سنے ان مجوروں میں سے ایک مجی کمجورا کھا کر مجھے عنایت فرمائیں میں نے شار کیا تووہ اسطارہ مجور بہتیں ۔ اس نواب کی تعبیر سے یہ لیکمیں مرمحور کے طالق ایک سال (نعنی انتظاره سال) زنده دمین گا. إس خواب كودسي ميرس بيس دن بوي يحير ي اورمس ايك قبطعهُ اراحى كوزراعت کے لیے تبادکرنے میں معروب تخاکہ ایک شخص نے مجھے خبردی کہ حفریت الواکسن رضاع لیسستہ ایم مدینہ سے تشرلف للسئين اوراسى معدمي قيام فرايل مهرس نے ديجها كه نوگ جق درجات آپ کی زیادت کے شوق میں جلے جارہے ہیں۔...۔ جنائج میں بھی زمادت کے امشتیات میں موست الممس جامِيرِي . توديجها كم آب أسي مقام رتشرلين فراس جها رميس في حفرت ديول مقبول كوعالم خواب مي ديكما مقار اوردليي مي جاني پرتشرلف فرا بي جنبي جنائي پر اعفرت كود يكما مفاراور آپيك سلف مج مجود کے میوں کا ایک ٹوکری رکھی ہے میں میں میانی مجوری ہیں۔....میں پنے آ کے براہ كرسلام كيا' آبْ نے جابِ سلام دیا ا در مجھے اپنے قرمیب مبلاکراک کمجودوں میں سے ایک پھی کمجور مجھے ہیں حب میں نے شمارکیا تولیدی اعظارہ تھیں۔۔۔۔میں نے عرض کیا ، فرزندر کول ! کچھاور عنایت فراتی ارشا دفرماما ' اگرم رسے جربز مگلار نے اس سے زیادہ عنایت فرمائی بہتیں تومیں بھی اضافہ کردیتا۔ (عيون الدخاد الرخأ مبلدًا مسئلًا) عامة المسلمين سيرسي الوعبدا لترحا فطسف يجى ابيت امسنا ديمه سانع محدين عليى سے اوراکھوں نے الوحبیب نیاجی سے اسی کے شل روایت کی ہے ۔ _ رئیان بن مسکت کابیان ہے کہ حبہ میں نے عراق جانے کا قصد کیا توسوچا کہ حفریت امام دضاعلیٰکستیام سے دخصست ہولوں ۔ نیزلینے دل میں بہمی سوچاکہ جب نہادت سے مشرّف ہول گا توآلخفرت كے ملبوسات برسے ایک لباس مانگ لول گا تاكمس اس كولين كفن كے ساتھ ميبول اور آب كے مال ميں سے چنردرہم - تاكہ ال سے آئى لط يوں كے انتخاص بنوادوں مگر حب رخصت بوسف لكاتوآب كى حدائى مرداشت خكر كااورگرين شغول بوگيا اودا پناسوال بجول كيار جبسين يخصت بوكرمبين النروسص إبرآ نے والاتھا توآپ نے مجھے اواز دسے کر بایا اور ارشاد فرمایا کہ کیائم پرنہیں چلہتے کہ میں اپنے ملیومیات ہیں سے کوئی لیاس متمارے کنن کے بیے وہیروں اور لیے

در بہوں میں سے مجدد رہم بھواری بیٹیوں کی انگو تھیوں کے لیے دکروں ۔ میں نے عرض کیا مولامیرے دل میں تویہ ارادہ تمقاکمیں آب سے خودی مانگ دوں مگرآب کی حبرائی کے غم میں برمب بعول كيا.... بعرآب ن تكبه المفايا ورايك قبيض نكال كرمجع عطافرا في الامعية كاليك كوشه أتضايا اور كمچه درم منكال كر مجھ عنايت فرمائے ميں نے اخيى شاركيا تووہ تين تھے۔ ____ برنسطى كابران بسه كر مجه حضرت الوالحن على الرضاعلي كست الم مست مي شك . بسي نيه به كوع ديفه الكما اورحاخري كي اجازت جابي واوديه بات ول بي در يع مجد محفا كرجب آنخفريِّت كاخدمت مي حاخرى دول كا توآب سے تين اليى آيات سے تتن دريا فت كمول كا جو ميري بجيس نهيرة تي بزلنطي كابران حيث كم مجھ لينے توليف كابواب إن الغاظير موصول بوا " بہیںاوپھیں الٹرمعات احدد رگذرفریائے۔ تم نے جواجائیت طاقات کی جاہی ہے۔ فحالحال ممّدا دسے ہے یمکن نہیں کیونکرہم تک کمی کاپہونچ نامشنگ ہے ۔ اک لوگوں نے اِس پریخت با بندیا یں عامگر كردى يى . مرانشار الله المنزيب الماقات بوسي كى ." بهرآب نے اپنے خطیں اُن تینوں آبیل کا مطلب می تخریفرایا جن کے معلق مراضیا ل مقاكردریانت كرون گا... مگرتم ب خداى میں نے اپنے خطیب تذكرہ نہیں كیا مقا برين آپ نے جو کے اپنے خطی تر رفر مایا اس پر انجے منت جرت ہون اور فوری طور پر سمعوس نہیں آیا کہ بیم راجات ہے مگرلعدس مجع بادا گیااور مجد گیا کم جرکھا ہے سے تحریر فرا با وہ میرے ول می الادے کا جواب ہے۔ (عيون الاخبارالرضا جلدٌ مسالٍ) مناقب ابن شهراً شوب حلدم مرسس بچھی بزنسکی خصای کے اندروایت ہے ر بزنفى كابران سيكرم عزيت امام على رضا على ليستشيلام نے ميرے پاس ايک موادی هجي میں اس پرسواد موکر آپ کے پاس آیا۔ اور وہاں تنی دیر تک قیام کیا کہ دانت ہوگئی بلکہ داست کا ایک حقہ بھی گذر گیا ۔ جب چلنے کا اوادہ کیا تو آپ نے فرمایا کہ میری نظریس تم اس وقت مرمینہ وائیس منجاسکو کے میں نے عرض کیا کہ آپ نے درست فرایا۔ میں آپ پرقرابان ا آپ نے ارشا دفرہایا " بھرآج کی شب ہادیے پاس ہی بسرکر اور کل دن میں النگر كى معظوامان ميں چلے جاتا ميں في عرض كياببت بہتر "مين آپ يرقر إلى " آپ نے کیزکو بلاکرارشا دفرایا کہ میرابستر النہ کے بہے بھیا دو۔ا دومیرالحاف اس ہر مىكى دد . ادرمىراى تكيري لبتريد دركو دينا . بزنعى كابيان بهكميس نے لينے ولم يس كها كمان كى شب جوفز ومنزلت الد نے مجع عا

فرمانی ہے وہ میرے دوستوں میں سے کسی کومجی لفید بنہیں ہوئی۔... لعنی میرے ہے این موادی بھی اس پرسس سوار ہوا ، اپنا بستر میرے لیے نگوایا ' اپنا لحاف اور تکیہ دیا ' یہ بات میرے احباب مي توكمي كونعيب نهي بوني -برلطی کابیان ہے۔ آپ میرے ساتھ تشراعی فرا تھے اور میں این دل محدل میں بر باتیں سوچ رہنچا کرآپ نے ارشا دفر ایا ہوئے احرسنو! حفرت امیرالمؤنین علیکٹیلم ایک مرتب زیدین صوحان کی عیادت کے لیے تشرلیت ہے گئے۔ تووہ اوگوں بی آس امر میفخر کا اظہار کرنے لگا۔ للْذائم لين لفن كوفر ومباحات كى داه ميرمت والنا يبكيرالسُّركى باركاه مين عجز ونيانست كام لينا." ... يفر اكرآب اين ما حقول كاسبار اليت بوي المقركة ... (عون الانبار الرضا عبد المقراع المسال ا بین بن بیشار کا بیان ہے کہ ایک دن میں حضرت امام رضاعلی سے لام کی خدمت میں اس وقت کیا جب آپ کے پدر بزرگوار وفات پاچکے تھے۔ ... جرباتیں آپ نے ارشاد فرائی تھیں ان بى سى مجينى كوشش كرنے لگا آب نے اتنائے گفتگوارش وفرمایا ؛ لے سماع . میں نے عرض کیا مولامیری جان آپ برقرباِن ، یہ لقب تو بخدا مجھے بجپین ہیں اس وقت ملامھا جبکہ میں مکتب میں مخفا۔۔۔۔ کیمٹن کرآپ نے میرے چیرے کا طرف دیکھاا وربہتم فرمایا۔ (عيون الاخارالمفاجلدا مكات) - ____محدين خص كابيان ب كم مجه سے حفرت عبد صالح الوالحن موسى بن يخفر كے ايكفلام نے بنا پاکہ ایک دفعہم چندآ دی ایک صحابیں حفرت امام رصاعلی سنظیم کے ساتھ تھے کہ ہمیں افتادی سوارلون كوسخت بياس كاسامنا موار نوبت يهاك تك ميركي كرمهي انى جالول كاخطره لاحق بوار ... تبهم سے اہام مرضاعلالیسے لام نے فرما یا و آئر سم تھیں ایک جگہ بتائیں جہاں سے تمہیں بانی درستیاب ہوجائے گا وادی کمابیان ہے کہم توگی اس مقام بھگئے۔ دباں سے ہیں وافرمقدادیں باتی مہم ہوگیا یہا نڈک ہم سب مع سوادیوں کے مبراب ہوسکتے ۔ لیکن وہاں سے دوانہ ہونے سے قبل جب دوبارہ آئسی مقام برإش خبشيد كوتلاش كرناجام اتوديجها كراكس مقام براونوں ك مينگنيوں كے مواكچه عيى نه مقا اس كاذكرس في تنبري اولادس سے ايك سے كيا جن كاخيال تماكم اس كاس ايك موہيں سال كا تواس تنری نے بی اس واقع کی تعدلت کی اور کہا کہ سی بھی اُس قافلہ میں موجود متھا۔ نیزاس تنبری نے بیہ بھی كباكربهوا قعة اسان جلت موس بيش آيا تحار (عيون الاخبارالرمناجلية مسيراس بان ابى كثير كابيان ہے كہ جب حضرت يوئى بن يخفرنے رصلت فرما فى تو يوكول نے حفوت ا ام رمناعلالست ام كوا ام تسليم كمدن مي توقعت كيا اوداى سال ميں كا كے ہے گيا ، تو وہال حفرست الم رمناعليكست المكانمايت نفيب بوقى ميس في دل بى دل يس برايت برمى -

و اَلِنَوْ الْمِنْاوَاحِدُ النَّنِيعَةُ " " يهي من سے تواك بشربي بجرعبل ممان ك بروى يُنْ ابىمى دلى يى يكيرى راعاً كوفورا حضرت المرضاعلي سيلام برق دنتارى كرسا تدميرك إس النزلون لائے اور فرایا ، در میں بخداالیا ابتر ہوں کھیں کی بروی تم برواحب ہے میں فےعض کیا کہ مين الشراورآب سيمعذرت خواه بول آپ فرطايا ، جاؤيم في معان كيار رعيون الاخبار *لمصاحلوم مستالا*) ____الدمحرعنادى كابيان بكرايك مرتبه محدير قرص كانجعارى لوجه مقارس في موجاكاس قرض کوا دا کرنے والاسوائے میرے موالا وا قاح عرت ابوالمحن علی ابن موٹی (رمنا)کے اورکوئی نہیں ہے۔ جب میج ہوئی تومیں اپنے مولا کے بریت الشریت پر زیارت سکے بیے حا حربوا۔ اجازت کے بعد واحل بریت النز ہوا ۔.... آپ نے میرے کھوم کرنے سے بل خود کا ارشاد فرمایا ۔ سے ابو محد تمعاری حاجت کا علم مجع بوكياب فكرة كرو مين متحارس ترمن كواداكردون كان بيرجب شام بوكي توافطارك ك كما ناآيا ورسم في كما ناكمايا اس كي بعد آب فرمايا ك ابومحد رات كويين قيام كروك يا والیس جا دُکے ؟ میں نے وض کیا اس ولا اگرمری حاجت بوری ہوجائے تومیں والیں ہی جا تاجا ہوں دا دی کابیان سے کہ آپ نے فرک کے پیچےسے ایک مٹی رقم نکائی ا در مجھے عنایت فرمائی وه مده كرمين ما برني كل اوديراع كساعة جاكره يجعا ، توده دينا ديسرخ عنه اوربيرلا ديناره برميرا بالتعريرا مقامیں نے اس کے نقش کود بھا تواس پر ریکندہ مقاکہ "اے ابوم ریم پاس دینا رہی ۔ جیبیش دینا رہے ا پناقرمن ا داکروا ورج پنین دینادلینے ا وراپنے امل دعیال کے خرج کے لیے دکھنا۔''....اب جب ص ہوئی توسی نے وہ دینارس پرمیرے لیے موایت کندہ متی دوبارہ تلاش کیا مگرمنہیں الا اجکہ دیناروں كى تعدادى كمى بى من يورسارى كالله من الله المناطرة من المناطرة من الله المناطرة كتاب الخرائكة والجرائع " ميں بھی اس كے شل محدا بن عبدالرض سے دوايت ہے معراميں بياس كى جىگە يالچسوىس ـ ____حسن ابن موسیٰ بن عمر بن بزلع کابیان ہے کہ میرے یاس دوکینزیں تھیں اور دولوں ہی ما مرتمتیں میں نے بذرلیرخط حفرت امام رضاعلی کست لام کواس کی اطلاع دی اور ورخواست کی کرآپ دما فراتين ان دواول كيفن سے اولاد زيد ميدا بوا ورائشي لركول سے نوازے جواب مي تحسب ريزما يا كمس انشاء الشرد عاكرون كار.... معراس كے بعد خودى خطابحسب دير فرمايا كبئم الترار حن الرَّحيم - الترتعالي بهارى اور تمعارى دنيا وآخرت بخرو مات اورا بي مهر بالى كه زيريسايه ر کے ۔ یہ تنام احد النہ کے دست قدرت میں ہیں ۔ وہی ک تسمیت میں جوچا مہتاہے مقدر کر دیتا ہے تیرے یہاں ایک اوٹھا پیدا ہوگا اورایک توک و انشاء انٹر) اوٹے کا نام محدد کمیتا ' اودلاک کا نام فاطمہ ۔ اس لیے

وأوى كبتاب كرجيسا آب في ارشاد فرمايا مقاويسا که بیانشرکی عطاکرده برکست ب ى بوايعنى ايك لوكايبدا بوا ادرايك لوك. (عيون اللخبأ دالرصا جلدا حث من المندوا) • كتاب دلائل جمري بس اپنے اسسناد كے ساتھ عمر بن بزليے سے اى كے شل دوايت ہے ۔ ___ے حسن بن علی بن فی ال سے دوایت ہے۔ اس کابیان ہے کہ مجھے عبدالشرین مغیرہ كتي خبردى كه ميس يبهج واقسفية محقا (ليخى حفرت المام وشئ بن حبّفرى الممت يرتوقيقت كرتا بحقا اورحق امام رصاً كوامام نهي ما نتائها، اوراس برمبرت بجث كريامها جب مين مكرم كريا تودل بي ایک جلش ی پیدا بوتی اورجاکه لتزم کوکھا ، میمردعاکی ۔ میروردگادا ؛ تومیری حاجت اورنتیت سے آگاہ ہے تو مجھے اس دین کی طرب مرامیت فر اجوسب سے بہتر ہو۔ تھیر پک بیک میرے دل میں آیا کا فرا ا مام مصناعلىكستىنىلىم كى خدمدت ميں جيلوں جنا بچەمدىينە ميهوكنيا ا ودا تېچەد دودلت بېرجا كھوا اېوا اور غلام سے کہا کہ اپنے آخاسے کہوکہ اہلِ عراق میں سے ایک شخص درِ دوامت پرحا عربیہے توسی نے خود حفرت الم رضاً عليكت إلم كوفر لمت بوت مشار... يا ك عبدالترب مغيروا مذراً جادي جب میں اندر گیا لو آئے۔نے میری طرف دیجھا اور فرمایا نہ الشہ نے تیری دعا قبول فرمای اور لینے دین کی طرف تیری برایت فرمادی میں نے یہ سنتے ہی کہا ۔" میں گواہی دیتا ہوں کہ آپ الشرکی حجت اور اس كى مغلوقات برالتركي المين بي _" دعيون الاخياد الرمثاجلدم ص<u>وا</u>ع • كَمَابُ الْحُرَاعُ وَالْجُرَاعُ مِنْ الْ الْمُدَّانِ الْعُمْةُ جلدم مِنْ إِلَى ابْنِ مَغِرُهِ اوْدَالَاخْتْصار یشخ مفیگرمستث میں ابن فیضال سے اسی کے شل دوایت ہے۔ _ وشّار کابیان ہے کہ عباس بن حبفر بن محدین اشعب نے محصے ہے کہا ، تم امام رضا للم سے درخواست کردکہ وہ میرے خطوط کو ملاحظ فرمانے کے بعد چاک کردیا کریں تاکہ وہ کی غیر کے ہاتھ ندلگ جائیں۔ وشار کابیان ہے کھیرے درخواست کرنے سے پہلے ہی خود آپ نے مجھے تسدیر فرایا كر إسن سائتى سے كہدوكرس اس كا بميما ہوا خط را صف كے بعد ميما و دياكر تا مول (وہ على رہے)۔ (عيون الاخادالمغا طدع صفاع) • کشفت ابغترمبلد اصلی امی بھی وشا رسے اسی کےشل دوا میت ہے۔ ____ برنطی کا بیان ہے کہ ایک مرتبہ میرے دل میں آیاکہ جب میں حفرت الوائس رمنا علیہ قام كى فدمت بى حاهرى دول كالودريا فت كرون كاكراب كاس كياب ؟ جنائج جب مين حاهر خدمت بهوكمآب كسائ بينها توآب في ميري طرف نظرائها في اور فرمايا " بتهاداس كيا بوركا ؟ ميس فيعرض كيا ، مولا إمين برقر إن ميرارن بير آپ نے فرايا ، ميرمين تم سے برا بول كيونكرميرا

سن بياليس سال ب ميں نے عرض كيا مولا'! ميں آپ پرقريان ميرالوخودا دادہ تھا كہ بي درميانت كرول كه آپ كاسنِ مبادك كيلب - - - فرايا ، پيرس في تم كو ښانجي تو ديا ـ (عيون اله فارم نامله منال (الا سيد زروان مائني كابيان بي كميس حفرت الوالحن الرضام كي خدمت مين حاهز مهوا ، ميرا عبدالشراين عبغر كي تعتق دريافت كرف كالداده تقار دادى كابيان ب كرآب في ميراً كاتف يكم الدركية سين برركما اورفر مايا كم مرتب آدم إ عبدالله مركز الم منتق اس طرح أب فيمير سوال سے پہلے ہی جواب دسے دیا۔ موال سے پہلے ہی جواب دسے دیا۔ • کشف الفتہ مبلدم مرسی میں دلائل جہری سے زر وان کی یہ دوایت منقول ہے۔ سے یعطین کا بیان ہے کہ میں نے ہشام عبائ کویے کہتے ہوئے ناکہ ایک مرتبہ میں حقق الوالمس دها علیاست لم می خدمیت میں حا حربوا ، ارادہ مقالم میں آب سے اپنے دردمِر کے لیے کوئی دما دم کواؤں کا اور بیمی وان کروں گاکہ آپ اپنے باسول میں سے دولیاس عنایت فرمادی جن کومیں جامدا وام کے طور پراستعال کردار گا۔۔۔۔ جب آپ کی خدمت میں پہونخ اتو بہت سے سائل دریافت کے۔ آپ نے مرب کے جابات عمّا بہت فراکے اور میں اپنی حاجت کو بحول گیا۔۔۔۔۔ جب جانے کے لیے انتظاادُ آپ سے دخصت ہونے کا ارادہ کیا، توآپ نے فرایا۔ بیٹھ جاؤ۔ ... میں بیٹھ کیا۔ توآپ نے اپنا دمیت مامک میرے مرید مکھا اور دعا دم کی ۔ پھر اپنے نباسوں میں سے دونباس منگوائے اور مجعے عنایت فوج الدارشادفرمايا - يدلوان كوجامة المرام كفور براكس تعال كرنار نیز عباسی کابیان ہے کہ میں نے مگر مکرمیس ڈوسعیدی لباس اینے لاکمے کو تحفیہ دینے كحه ليد بهبت تلاش كئے مگرسارے مكترس جيساميں جا ہتا تھا ويسانه مل سكار بجرواليي پرميں مرمينه ے گذرااور صفرت الجامن رضاعل لیست الم کی خدر ست میں حاصر بہوا اور حب آپ سے دخصت موکر میں ب لگاتوات کوسیدی نیاس بجولدار جیسامیں جاہتا تھا عنایت فرمائے ۔ (میون الاخارا ارمنا مبلد اصلا) • كتاب الخزائج والجراع مسترس اوركشف الغته جلدًا مستل عباس سے اس كے منتل روايت منقول ہے ۔ (١) بسيست حين بن يوسى كابيان بهكه بم لوك حفرت الوالحن رهنا كي سائعة أب كى زمينون برجانے کے لیے نشک مطلع باسکل صاحت تھا بادل کا نام ونشان تک مذبحقا جب ہم آممے بڑھے توآپ نے دریافت فرمایا ، متعارے پاس برساتی وغیرہ ہے ؟میں مے عرض کیا ، حعند! برساتی وغیرہ کی کما خرورت ہے۔ بادل کا کہیں نام دنشان میں نہیں ہے اورنہ ارش کا خطروہے آپ نے فروا المیکن میں نے تو برساتی ہے لی ہے اور تم لوگ عنقریب بھیگ جاؤگے وادی کابیان ہے كرامي يم تقوشى بى دورچنے تقے كرايك طرف سے بادل استفے اور اچانك بارش بونے لگی ۔ بادج و مبہت

كومشش كے ہم سب بھيگ سكنے۔ (عيون الاخبار الرمنا جلد ۲ مليّا) ____ موسی بن مہران کابیان ہے کہ اس نے حفرت ا مام رمنا علی مست الم کی مذرمت میں لیک عرکیف تحسد پرکیاکه آب میرے بیٹے کے لیے دعا فرائیں (وہ بیارے)۔۔. آپ نے اس کے بواپ می تخریر خرایا [،] که انتُرنے کجتے ایک صابح بیٹا دیا۔ تووہ لڑکا جوبہار پھامرگیا ، لیکن اس تحییاں ایک دومرا لڑکا (عبون الاغبارالرصًا جلدًا صالاً) _ محدبن فضيل كابيان م كرجب مين بطن مُرين أثر الوميري ببهواور بإون برس **—** (P) درشته کاموض لاحق موکیا اوراسی حالت میں مدینہ میں حفرت ا مام رصا علیاست پام کی خدمت میں حاجزمیوا تو آب سے بھے دیچھ کو رایا سکیا بات ہے ؟ میں تھیں کسی دردس مبتلا پارما ہوں میں نے عرض کیا كرجب ميں بطن مُرّ ميں پہونچا تو وہاں ميرے بيہواور پاؤل ميں رست كى جارى لائن ہوگئى آپ نے میرے ببلوکی طرب جہال درد متعااشارہ کیاا در کھر کڑھ کردم کیا 'مجرا پالعاب دہن اس پرلسگادیا' اورفنسرایا اب اس جگری تکلیف سے معمّی دموِ... اس کے بعدمیرے یا وُل کی طرف دمیجھا اورا درشا وفروایکہ : حفزت الوجع وعليكت للم كاأدرث وب كرميرے دوستوں میں سے اگركوئی دوست کی تكلیعت میں منتانا موا درمبركرے توانٹرائٹس کے نامز اعال میں ایک بزاد شہیدوں کا تواب لکھ دیتاہے۔۔۔۔ دور ایک اور اندائی تعربیرایہ باول اندائی تعربیرایہ باول اللہ میں کہا ، خوالی قسم اب تو زندگی تعربیرایہ باول . بهشيم كابان بي كري وه عرجواس كى وجهس مناكوا كرهيتا دوا ميانتك كرم كيا-احيازېوگا (عيون اللغيار الرمشاحيلد و ١٣٢) (س) _____حسن بن دامشد کا بران ہے کہ جب میں درختوں کے میپلوں پر (جو پیجا ا کھے کیے گئے تھے گیا تو قبل اس کے کہمیں کاغذات کو دبچوں یا اس کی طریب توجہ دوں ' میریے باس حفریت امام دخام کا آدى پېونچاڭ بېى كھانە فورا بىجۇ مىگىمىرى قىيامگاە پركونى بې كھانە اصلامبىي متھا يىيىسىنے كہائى **ج**ے تومعلوم نہیں کہ کوئی بھی کھاتہ مجی ہے تاہم الماش کرتا ہول ۔ میں نے ادھر ادھر تلاش کیا مگر ندم لا۔ جب معنرت كاآدى والين جانے ركا تومين نے كہا، ذرائم و است جب ميں نے مجد مجال كوم اكر ديما تو وه بهي كما ته ل كياجب كامجھ بالكل علم مرمقا ليكن اتناعلم اورلقين خورِ يوگيا كرجب حفرت طلب فرا رسينتي توبیتیا موجود ہوگا 'ای وجہسے میں نے تلاش پر آوج دی ۔ (عیون الماخیاد الرمنا جلد، مسالا -۱۲۱) (۱) _____الدمحدمعرى كابيان مي كرجب الوالحسن امام رصناعليكتيلم (بغداد)تشرلين لا سے تومیں نے ابکہ وریشے کے دریاچے سے آب سے بغرض تجارت معرجانے کی اجازت جا ہی۔ تو آب نے اس كے جانب مى محسدر يرفر ايكرامى كي ولوں ، جبتك الشكامتنيت بو مخروسدر.... ميں دومال تك معبرادا، جب تبراسال آیا تومین نے پوٹولین تحریر کیا انداجا ذیت چاہی۔ آپ نے اس کے بواب میں

تخسسدير فرمايا جاد الشريخيس مبارك كرس الشرف شماراكام بناديا واس يع كم حالات بدل سكت بي راوى بيان كرناه كمين مركيا اوروبال خوب دولت كماتى اوراده ولبغداد (س) ____ احمرى عبدالشربن حارثة كرخى كابيان ب كرمير يه بيت دنده منهي رست بقر تقریباً دس بجے مرجیجے سے۔ میں جج کے ہے گیا اور فراغنت جے کے بعد حفزت الوالحسن امام رضاً کی خدمت بابرکمت تیں حا هزېوا۔ آپ سُرخ زعوانی رنگ کا بېبند پہنے ہوتے نیکے ۔ میں نے مسلام عمق کیا اوردست ہوس کے بعد میں مسائل دریافت کے بھرمیں نے آپ سے اپنے بچی کے زندہ ناہنے کی شکامیت کی پہ تو آپ دیمیتک بھی نگاہ کے رہے اور دعا فراتے رہے ۔ بچرفر ایا . . . مجھے آم یہ ہے كرحب تتم والميس حاؤك توتمعارى زوجه حاطه موتى اور تمبارے بال سيح بعد و يگريس دولوك بديا بوں کے اور زندگی بحرتم ان سے فیوض اسمالتے دموے ،اس بے کہجب التُدتعالیٰ دعا قبول کرنا جا ہتا ہے توقیول ہوجاتی ہے اوروہ ہرنے پرقادرہے۔ را دی کابیان ہے کہ جب میں جے سے اپنے گھروالیں ہوا تومیں نے اپی زوج کوجو میرے مامول کی لاکی ہے، حاطہ پایا؛ اس سے مبین سے ایک لڑکا ہید ابوا مہیں نے اس کا نام ابراہیم رکھا۔۔۔۔ اس کے بعد معیر حل رہا وردوسرالڑکا بید ابوا ۔میں نے اس کا نام مخرر کھا اور ممنيت الدائسن ديمى . ابراجم سي مسال سي مجعد بياده كابوكيا مقا ا ورابدالمسن چرسيس سال كار میں بچرنے کو گیا اورجب مجے سے والیس آیا تو دولوں بیادستے جمیری والبی کے بعدددومینے تک دولؤل زنده دسب يشروع مبيندس ابراميم كاانتقال بهوا اودآ فزمهيتهي محركار تمجروه تخفس فؤدان دولوں کے بعدصرت ڈیڈ معسال تک زندہ رہا اوراس سے بہیے اس کا کوئی لو کا ایک ا و سے زیادہ (عيون الاخيادالرصا جلدا صوم ٢) زنده نہیں ریتباکھا ۔ (a) ـــــــ سعدين سعد كابيان ب كرحفرت الم رضا عليمستيلم ني ايك شخص كود يجهالة مشسرہایا۔ ہے انٹرکے بندے توج کمچہ وصیت کرنا چاہتاہے کہ ہے اوداس وقت کے ہے تیار ہوجا چوقت ہرانسان پرلاز ما آتاہے۔.... (آب نے جوز مایا مقاوبی ہوا۔) وہ تخص اس کے نین دن کے بعدم کیا۔ (خيون الاخيار الرضا حلدم حريس (m) _____ وشاء نے سافرسے روایت کی ہے۔ اس کابیان ہے کہ میں مقام منی میں محفر ا ام رمنا علیکستیام کے ساتھ بخفاکہ اسی اثنار ' بجئی بن خالد آل بریک کے گروہ کے ساتھ گذرا آپ نے فراہا۔ یہ بیجارسے نہیں جانتے کہ امسال ان پرکیا گذرنے والی ہے اوراس سے مجی نیادہ حیرت کی کی بات یہ ہے کہ ہم اور بارون دونوں اس طرح سے ہوئے میوں کے ، یہ کرآپ نے اپنی دوانگلیوں کو طالبار

مسافر کابران سیمک خواکی سم میں آپ کی گفتگو کامطلب اس وقت مجعاجب ہم توگوں نے ان (عيون اللغبارالرضاحيلد ومشتس) دولوں کوبرایروفن کیا ۔ بعامُ الديعات جزء اب و جهرس اور ادمثار شخع مغيدم 14 ومنوع پر بجی مسا فریسے اسی کے مثل دوا پرت منقول سہے ر - بغيردريافت بيم برسك كاجواب . حسن بن على الوستّار كابريان ب كرحفرت الوالحسن على رضا على لمستة لمام كى الممت برينين كرفيب فيل مير في بهت سعما الل جواب كم آباد كرام مع مردى عقع الخيس الكوكر ایک کتاب کی شکل میں جمع کرلیے تھے اورجا ہتا بھاکہ ان مساتل کے ذریعے سے آپ کی امامت کو آزمانول تاكريكسوئي حاصل بوكيك رجنا كخدمين اني كتاب كوامستين مي حصا بااور دردولت برحا فرم وارچا ہتا کھا کہ آپ سے تخلیہ کا کوئی وقت مقرد کروں اور بیکتاب آپ کو دے دوں رہ سوچ کرایک طرف خابیجها برگرفکردامنگری ککس طرح باریابی ہو کیونکہ آپ نے دردولت پربہت ا فراد موجود محقے۔ اسی ا تنار ایک غلام میت الشرف سے باہر آیاجس کے باعوس ایک تحسد ریقی اس نے با واز ملند کا رکم کہا کہ کم میں ۔ ابیاس بغدادی کا نواسرحسن بن علی الوشّار کون ہے؟ میں اٹھ کراس کے قریب بہونجا اور کہا۔مین سن بن علی الوشار موں اسمعیں مجھ سے کیا کام ہے؟ اس نے جاب دیا کہ یہ ایک ترسے اور فیص کم اللہ کہ پرس تھیں دے دوں لہذا یہ لے لورمیں نے اس تحسیدیوکولیا اودایک طرف جاکراکسے پڑھا ۔ مجدا ' میں نے دیچھاکہ اس میں ایک ایک مستنہ کا جواب محسديه مقالس فوراً الى ميس ني آپ كى امامت كالقين كرايا ، اور اين واقفية عقيدے کوترک کردیا _ (عيون اخبارالرضا جلدٌ مستثل) وشَّاء کابیان ہے ۔ حفرتِ الوالحن رضا علیٰکستیام نے اپنے غلام کے بانتوایک رقعهمرے پاس بھیجا 'اس میں تحسد بریقا کہ فلاں مقام کے فلاں قسم کے کروں میں سے ابک کیرا بھے دو دیس نے جوا با تحسدر کیا اور زبان می آپ کے غلام سے کہا کہ میر کیاں ہمطرح کا کیرا نہیں۔ اور دمیں اس مے کیڑے سے دانف ہوں۔ فرستا دہ میرمیرے باس والی آیا اور کہا کہ صَمَ بواہد ؛ تلاش کرو۔ ۔ میٹی پیرتلاش کیا۔ کیڑا ڈول سکا اورس نے پیروی جواب کہا بھیا کہاں تسم كاكون كيرابيرك باس نبيب - آب كافرمة اده غلام بجرآيا اوسكيف سكا كره كم بواب كرم زيرتلاش كروا يه كيرامتها دسيهاس موج دسي - حسن بن عل الوشّار كابيان سب كرميرے ساتھوا يك شخص نے ايك کیراائ شمکامیرے کیروں میں رکھ ویا مقاکہ اس کوفروخت کردینا مگرمیں اسے بھول کیا۔اب وہیں نے

ابخاتمام چیروں کواکٹ بلیٹ کردیجھا تو کیڑوں کے نیچے ایک ڈوکری میں وہ کیڑا موج دیمقا اور میں نے اُسے امام علی کست ہلام کی خدمت میں حاضر کردیا ۔ (عیون اخبار الرضاح بلد ہونے) (عيون اخبارالرضا حلده منص) 😙 🚐 هم اهام سے اعراض کی سزا صغوان بن يميي كابيان سب كرميں ايك مرتب حفرت ابولمسن رضاعليكستيبام كى خدمت بابركت بين موجود مقاكر حمين بن خالدم برنى بمي آگيا اورع من كرسنے دگا مولا! میں آب برقربان ؛ میراارادہ اعوش (مرمیز سے پاس ایک متعام کانام ہے) جانے کا ہے ، آپ نے ارشادنسسرای جس جگرتم کوم طرح کی سہولت وعا فیت ہو اسے کیوں ترک کہتے ہو؟ برسن کرسین من خالدخاموش ہوگیا میکن آیناً ارادہ ترک مذکیا اوراعومن کے ارادے ہے چل دیا۔ راست میں چند داکوؤں نے اس کا تام مال واسیاب لوط دیا۔ زتب لے خیال ہوا کہ المحراماتم كاحكم بان ببتيا توسيخت به دن دسكيسنا نهر تا-) ﴿ عِيون اخبارالرمنا جده مستكار بر ابن جهم كابيان ب كرجب ميں ماه صغريس مكرّ سے واليں بوا تو مجھ حفرت م رضاعلنكيست لام في خط محسد رفرايا كم" آمنده جاريهنوں ميں كونى حارث وما بونے والا ے: " تو وہ حادثہ یہ تھا کہ محدابن ابراہیم (مرداد شکر ابن) اور اہلِ بغداد کی جنگ اور اصحاب زبېر (سردارنشكرايون) كاقتىل ادراس كى شكست: وأوي كابيان سب كم محبوس ابراجيم ابن ابواسرائيل نے بيان كياكم محبوسے حضرت الوالحسن الم رصاعل كست للم في ارشاد قربا يأكه حميث في خواب بي ديجعاكه محب كها جار المبيكم چالیس سال کامین ہوئے سے قبل تمہا دیے بہاں کوئی اول کا بدا نہیں ہوگا۔ اس مین کے بعدتمہا کے یہاں بیج پوشے دنگ کی ، کم قیمت والی ایک عودت سے لاکا سیدا ہوگا ۔ (قرب ال مسال ۱۳۲۰) 🕜 ـــــــ ابن ابی معرکابیان ہے کہ میں نے قاد کرنے پہونگا کرحفرت امام دضاعلی کے ا كالمستقبال كيا اورآپ كى خصت يى سلام كجالايا: آپ نے ادشا دفروايا ميرے يے ايك جرو کهاشته برحامل کردیس کا ایک دروازه مرائے بی میوا ورودمرا با مرکی ظریت بورید ترایده سا ترا درمایت مزسب محرود رونده بدنهت آب المست ميرے ياس كي تعبيد ارس مافره وجيم مي تا ويواليك صعيفه عقارآب كاارسال كردة خص ميري ياس آياكه تا اورس است كوامشيا ومزدرت خريد كردياكرتا مقا۔ ایک دوزمیں نہاتھا لہٰ واصحیعہ کھول کرمڑھنا جا بالیکن اس عبارت نہمچوسکا۔ میں نے اس عبارت كونقل كمرنا چا با كمراسي دوران آب كا فرسستاره مسا فرآيا ا وراس ني كماكد آ فانے ارشادفرا يا سے کہ اس صحفہ کو روبال میں رکھ کہ اس دھا تھے سے ما مذھ اوراس سر مہری مجبر لگا کرمتے میر کے میرے اس

(ليمائرالدرجات جرره ياب ١١ ٢ م) روانه کردو میں نے قورا ایسائی کیا۔ (الم المسيمان بن جفر جفرى كابيان ب كمين مقام حمرارس ايك مكان كى بالائى مزل برسب كى كھولكي صواكى طرف كھنى تھى ، حضرت الوالحن المام رضاعلىيت لام كے سابھ يبيطا تھا ، كھانے كادمسترخوان بهاري سامنه تقاء اچانك آپ نے سراقدس انتظایا اور دسچھاكم ایک تحض دوٹرا ہوا آر البه - آپ نے کھانے سے انھ روک لیا۔ وہ شخص اوپر حراص کم آپ کے پاس آیا اور عرض کیا: مولا! میری جان آب پرفدا ہو۔ ایک وشخری نے کرایا ہوں کہ زبیری مرکبیا۔ بیسن کراپ نواپی نگاب جهالی، رنگ آپ کامنغیر پوگیا اورچیره زر د پرگیار میوآپ نے سراقدی انتظایا اور ارست وفرایا: مجیم علوم ہے کہ اس رات میں جی وہ گذاہ میں مبتلا بھا اوراس کی شکاپوں میں یہ کوئی ظِلْكُناه منه عَفَا ، مجرف ما يا ، بخدا ؛ يرلوك كنابول بي عرق مورجبتم مي جگر بناتي يا يورك آب نے کھانے کے لیے ہا تھ مڑھایا اور کھانانوش فرایا: تھوڑی ہی دیریں ایک دومراسخنس جو زبرى كاغلام تقاآيا اورعرض كيا: مين آپ پرقريان : زبري مركيار آپ نے دريافت فرايا كم اس کی مومت کاسب کیا تھا؟ اس نے عرض کیا ، گذرشتہ شب مقدارسے زیادہ شرایب بی گیا تھا اوراسی حالت میں مرکیا۔ (بعدائرالدرجات بزر ۵ باب ۱۱ نع ۱۱ ۔ الخرائخ والجوائخ میں ۲) (۲) سیسے محدبن فضل صیرنی کا بیان ہے کہ میں حفزت ابوائمس رضاعلی کسیٹیام کی خدت یس حافر برا ورببت ی چرون کے متعلق دریا فت کیا۔ ارادہ تفاکہ اسلوں کے متعلق بھی دریافت كروں كا كُرْسي بھول كيا ۔ تجعرجب ميں آپ كى خدمت با بركت سے اُتھوكرا بوالحسين بن بشيرے پاس گیا تو تا گاہ انخفرت کاغلام آباجس کے ماعقی رقعہ بھی تھا اور اس کوجب میں نے کھول کرمیا تویه مخسدیر بختاً: بسم النوالرِّمِن الرَّیِم ، میں لیے پدر بزرگوار کاجالشین ا وروادت ہوں ۔ میرے یاس دہ سب کچھ سے جو آنخفرت کے پاس مقا۔ " ریصائرالنروبات بزرہ بال ج د) (P) ____احد بن عرصلال كابيان ب كرس نے اخرس كے بارے يس سناكروہ مكرس حفرت الم رصنا ملاکست لم کاُذکرکرتا اورآپ کی شان بی گستاخی کرتلہے ۔ بیشن کرمیں مسکر بهونخا اوبالسنه ایک مجراخریدا ادرائسه دیجه کرکها - خدای شسم جب وه مسجد سے نیکے گاتومین ہے تمثل كردول كا اوراس اداده سے باسكل تيار م كو كھڑا تقاكہ حضرت امام رضاً على مستلام كا ايك رقعه بهومخاجس مس تخسب ريعقار "كسبم الله الرّحن الرّحيم ، مجقه ميريت كي تسم اخرس كفيل سے ما تقدوک نے استحے الندر بھروکسسے اوردی میرے سامے کا قاسے ۔ زبعارُ السيات جزء م ي 3 6)

<u> سے زمین نے سونااکل دیا</u> ابرابيم بي موسى بيان كرناب كرميس في حفرت ا مام رضاعا يُلت إلم سي كجه رقم ما ننگی' آپ نے وعدہ فرمالیا۔ میں نے بچرورٹواست کی ۔ آپ اُس وقت والی مریز سے ملاقات كے كيك تشريف ہے جارب سے ستے ميں كھى آپ كے ساتھ موليا۔ اس وقت مم دولوں كے علاوہ كوئى ندمقا۔ آپ ایک شخص کے مکان کے قریب سے گذرکر دختوں کے سانے میں مفہر گئے ۔ اس ق میں نے بعراری میں پیروش کیا ا مولا ! میں آپ برقر ان ! عیدسر مرہ اور مخدامیرے یاس ایک درېم يې پېرسه و آيسنه پرسن کرا پاکوژا زمن پربېت زورسے دگرا ، بجروبال ما تغرفها يا توايك سوسف كاخ لاأتمظ كرمجه مرحمت فراي ا درادمث دفريا ياكرنى الحال است ايناكام جلاؤه منحر وخرواد! ج کچیم نے دسچھاہے اس کوسی برطام رنہ کرنا۔ واخعاص منٹ ۔ بعدائرالدرجات بورہ ہ کا یہ الخرایج والجرائے میں راوندی نے مستندہ پریہ دوایت مخسری^{۳ ۲ - ۲۲} کی ہے اس میں پر بھی ہے کہ را وی نے بایات کیا ہے کہ اس میں بڑی کرمت ہوتی پہانتک کم مس في خامان مي ستريزارد بنار كا ال خريدا وراين مهعمون من ست زاده دولتمند موكميا م

_ المسلميل بن ابى المسسن رقمط از ہے كەمىس حفزت امام دھناعلى لمست بالم سے ساتھ تھاکہ آپ نے اپنا ہا کھ زمین کی جائب بڑھایا ' وہاں بہت سے سونے کے ڈسے کا ہر ہے کے آب نے ذمین ہر محرا بنا ما مقرمجیرویا وہ خائب ہوسکتے ۔ میں نے اپنے دل بی کہا کائ اس میں سے مجھے ایک ہی وے دیاموتا۔ آپ نے فرمایا ، نہیں ایمی اس کا وقت منہی آیا ہے۔

المكتاب الخرائج والجرائح راوندى صهب

امام كونربان كاعلم بونات الوامسنعيل سندحى كابيان سبے كەمىں نے لينے وطن مندمي سبنا كە توب میں

كوتى جخت خدلسب رميں ان كى تلاش ميں دوانہ موگيا اورحفرت ا مام دخاعلے کمست پلام كى خدمىت ميں ما حربو کر فاقات کا شرف حاصل کیا۔ مگرمیں عربی زبان سے نا واقعت مقا اس کیے آپ کورندی زبان میں سلام موض کیا۔ آپ نے مسندھی زبان ہی میں جواب دیا۔ اب تومیں نے آپ سے اپنی میں گفتگو شروع کی اودا مام برابرمیری بی زبان میں جائب دیستے دہیں نے عمین کیا کہ میں نے لینے وطن می مسنا تفاكر وبين كويً جمّت خداس اس العمين اكن كانش بي فكلابون : آپ نے وايا اتم حبّت

خدلیکے ہاس پہونگا گئے اب وجا بودرہافت کرو : جنامخدمیں سہت سے مدائل دریافت کیم ا درمعلیّ

دوران سہولت موجائے ۔ یہ س کر آپ نے میرے لبوں پر ہاتھ بھیرا ، میں اسی وقت عربی زبان میں والمعدد مرسس حسسن بن على بن يحيىٰ كابيان سب كرجب ميں نے مكرّ مكرّ تم كاقصدكيا توميري ایک کیزے میرے زادِسفری دوکیرے بھی دِیلے اور مجھے مے درخوامت کی کہ آپ ان ہی دولوں كبرون الرام اندهين: مين في المام كماكه اس كوي الماس كوي المان مقام رميوي إجال احمام باندها جاتاب تووقت آسنے پرسی نے وہ دونوں کیرسے منگوائے تاکہ ان کومین کرا قرام باندہوں مگرمیراطل کچھشکوک میواکداس جا ترکم رسفیرٹیم (شیس جیے کیڑے) میں احام با ندھوں۔ لہٰذا لیسے ان كويزيبنا اور دوم اكبرانها - جب مكري بيوني تؤس في حفرت الم مضاعل الست بام كانورت میں ایک تولیصندارسال کیا اور ممراہ کچر تحالف بھی آپ کی خدمت بی نذر کیے۔ میکن ان کپڑوں کے متعلق دریافت کرنامجول گیا۔ مقوارے بی دیقفے کے لعد آپ نے میرے تمام مسائل کا بواب تحسیر برفروا دیا۔ آپ لين خط كے آخرس يرمي تحسد برفراديا تقاكم لباس لمح بين بين كوئ ورج مبين أكراس كومم بينے . والحزائخ والجرائخ داوندى ___ على بن الحسين بن كيلى كابيان ب كرميرا إيك بمانى ب حب كانام عبدالترب جو آرجا فی خیالات کی طرب مائل سے اور میم پرطعنہ کرتا رہتا ہے: میں نے حضرت ابوالحن امام علی رضا علیٰکسے للمکی خدمت میں عرکی خسسہ مرکمیا جس میں اُس کے لیے دعاکی میخواست کی : آپ نے میرے عرایف کے جالب میں تحریر فرایا کہ ، فکرنہ کرو وہ عنقریب بخصاصیہ اعتفادی طرف پلیٹ آ سے گا اورالٹریے دین کے مواکسی دومرے دین پرنہیں مرے گا۔ عنقریب اس کی کیزے کے طبن سے ایک اول کا پرا ہوگا۔ على بن الحسين بن تحييٰ مزيد سبان كرتلب كراس ارشاد كرامي كے بعد سال عبر بمي نه گذرائحقا که ده حق پرملید آیا اوراب ده میرے خاندان کے بہترین لوگوں میں شمار موتاہے بنزامس كى كنيز كے بطن سے اس كے مياں ايك لوكائمى كيدا ہوا۔ والخزاع والجرائح راوندى) ابومحدرتی کابیان ہے۔ میں صغرت امام دمنا علیست ام کی خدمت میں حاضرہوا ادد سلام مون کیا: آپمیری طرف متوجه بوئے اور خیرت وکیعینت دریافت فرمائے کیے۔ اسی

ہولیا۔ پھر حبب اپ فاقد منت کے رفیقات ہونے لگا تو حرش کیا ؛ خصور ؛ میں عرب زبان سے

نا واقعت بول آپ الشرسے دعا فرمائے کمیں عربی بولے اور سمجے لگوں تا کہ اہل عرب سے گفتگو کے

دولال آب في مجعب وريافت فريايا اليه الإمحر! جب الترتعالي كمي بندة مؤن كوكس مرض يس مبتلاكرتاب اوروه اس برمبركرتاب تواس كوايك تبهيد كااجرملتاب دادی کابیان ہے کہ اس سے قبل گفتگوم کسی مرض وغیرہ کا تذکرہ بھی ندیھا اس لیے یہ بات جب آب نے دفعتاً فرائ تو مجے قدرے ناگواری محوں ہوئی: میں نے بلنے دلیں کہا کہ آپ في مجيداب دل يس كتاب رويد كيا . كيو كرميس تواكن سي مقل التي معروب مقاا ورا تخفرت نے اچانک ہے موقع وممل درد دمرمن کا تذکرہ شروع کردیا۔ برس کا کویں وہاں سے دخصت ہوا اور لینے ساتھیوں سے جاملا جوروانہ ہو چکے ہتے : چنا پنر رات کے وقت میں نے اپنے یاؤں یں کچھ کلیعن محکوس کی اقتضال کیا کہ جہا بھر اور سے وقت ہیں ہے ایوں ہی جو الدیت ہوتا ہے۔ ممکن ہے تھکن کی وجہ ہے ہور دوسرے دن وہ پاؤں متورم ہوگیا اور تبیرے روزورم میں اصافہ ہو اب مجھے امام علی سے اس می دہ گفتگو ما دائی۔ حب میں مریز میونجا تواس میں پریپ مجران اوراب تو اس نے ایک پڑے بھوڑ کے گئی کا ختیار کرلی حس کے باعث شب کی نیزدوم ہوگئی ۔ امبے ری مجعين آياكه آب نے جگفتگوفران على اس كا پرطلب مغاكن جينے تك ميں بستر بريارى پرمطا رہا۔ داوی کابیان ہے کہ وہ دُلِعجت ہوا مگر بھیردو بارہ بیار ہو کرم تھیا ۔ دائوڈ کا داہوا گادامندی میری زویرحا طریقی . میں نے حرض کیا کرمیں اپی زوج کوحا طرحیوڈ کرآیا ہوں آپ دعا فرا ہیں کہ الدوقاتی مجے فرزند عطا فرملے : آپ نے اورٹ وفر ایا کہ فرزندی بدا ہوگا اس کا نام عمرد کھنا : میں نے عرض كياكهميري نيت توعلى ريحنے كى متى اورس اپنى زوجىسے كہ يھي آيا بول كەلۇكا بېيدا ہوتوعلى نام ركھنا۔ آپ نے مکر دفر ایانیوں ، بلکراس کا نام عمر دکھنا ، چنانچہ جب میں کوفہ سے والیں اپنے وطن میونجا آو نو کابیدا ہوجگا تھا بیرے کہنے کے بوجب اس کا نام علی مکد دیا گیا مقاصیں نے اس کا نام بدل کر عمر ر کھو یا ۔ میرے پڑھ سیوں نے محدسے کہا کہ آئندہ ہم متہاری یا توں کو پچ تیمجیس محے ۔ اس وقت میں سبحه کیاکه آنجناب میرے حالات پر محبسے زیادہ مطلع ہیں۔ (انخواع والجواع) (D) ریسید بکرین صالح کابیان ہے کمیں حفرت امام رصناعلیست لام کی خدمت میں حافرہوا اودعمن کیاکیمیری زوج چی تحدین مسنان ک بہن ہے وہ حاملہے۔ دعا فرمائیں کہ فرزندیدا ہو۔ آپ نے فرایاکھ مل میں دو شیخے ہیں : تومیں نے دل میں کہا کہ ایک کانام محدموگا دوسرے کاعل ۔ محرميري وأسبى كے بعدا ب ستے بھے دوبارہ بلایا اورفر لمایا ان دونوں میں سے ایک کا نام علی مکھنا اور دوسری نشک سے اس کانام ام عمر رکھنا : حب میں کوندوائیں آیا توایک نوکا پراہوا اورایک نوکل۔ هدور أرافينان كمراديثا. طريمه هي إط محر كانا معلى إن اطرك كانام أم عن كه إن ميس أنه اين وال

سے آم عمر کے بارسے میں دریا نت کیا توائمفول نے فرمایا ، ام عمر میری والدہ کا نام مقا۔ رم مرم دالخرائخ والجرائ ____ مسافر کابیان ہے کہ میں نے حفرت امام رمنا علی سے عمض کیا کہ میں خواب میں دیجھاسے کہ ایک پنجرے کامنھ زمین برر کھا ہوا ہے اس میں جالیس پڑاوں کے بہتے ہیں آب نے فرایا ' اگرتم نے بہنواب دیجھاہے توہم میں سے کوئی ایک خمسروج کرے گا اوروہ نقط چالیس روز زنده دسه گا: چنامچه محرین ابرایم لمبا لمبارسف خروج کیا اوروه چالیس دن زنده (الخرائج دالجرائح) _ آب اپنے باریس پیش گوئی فرمانی وشام كابيان بيركه حفرت امام رصاعلي لستيل مب في خراسان بين فرما يا كرجب لوگوں نے مجھے دلمن سے نکالنے کا الادہ کیا تومیں نے اپنے اہل ومیال کوجمع کیا اورکہاکیمیسری جُلائی برگرم کرو تاکمیں کھی سنول: اس کے بعدائ یں بارہ ہزار دینا دفعیم کیے اور کہا کہ اب میں تا ابروایس نہآسکوں گا۔ والخزامة والجزاعة داوندى وشّار کابیان ہے کہ ایک مرتبہ مجھ بچھونے ڈنک مارا ، تومین نے بے ساخت كها - يا دسول الند! سنة والول كواس كاليقين نداً يا اوروه تعبتب كرسف كك : حفرت ا مام مفا علیالت لام نے ارشادفرایا : بخدا ' اِس تخص نے آنخفرات کو خرور دیجھاہے : دادی کا بیان ہے میں نے حباب رسالت مآب کو نواب ہی دیکھا تھا گر مذاک تیم میں نے سی سے بیان نہیں کیا تھا۔ ڒٵٷڹڰؙۅٵڸؚٳڵڴ<u>ؙ</u> ن ___ آب كُيل ني يوم اكابران أليا عيدالنرب شبرم كابيان ب كدايك مرتبه حفرت امام دها عليمست ام مهارى طرن سے گذرہے ۔ لوگوں ہیں آپ کی امامت پر بجٹ ہونے لگی ممگر عباب آپ آبادی سے باہر بہوسیخے توسی اور تمیم بن یعقوب سراح جو اہل برمہ سے سمنا مجی آپ کے ہمراہ سیدیے یہم ہوگ آپ کے مخالفین میں سے تھے اور زید ہمسلک سے تعنق رکھتے تھے۔ جب ہم صحوا میں پہو پچے لوہیں ایک جمكسى نظراً كى . آپ نے اس كى طرف اشارہ فرما يا تو ديجھا كہ ايك ہرن چلاآ رہاہيے اوروہ آپ کے سامنے آکوکھوا ہوگیا۔ آب اس کے سرپر اس تھ مجھیرنے لگے ۔ بھوامت اسے فالم کی طرف بڑھا دیا۔ مرن اپی چراگاه کی طرف جائے کے لیے بعرار موگیا۔ توحفرت امام رمناعلی کے اس سے مجعد فرما یا میں کویم نرجھ کے لیکن ہرن کی بقراری دور ہوگئے۔ اس کے بعد آپ نے ادشاد فرمایا الے عبدالندكيااب بحيم إيمان ببيلات ؟ ميل في وض كياء جي إل ميل ايمان مي آياكه آب الله

کی مخلوقات پرانٹرک حجت ہیں۔ اوراب بیں اللّٰرکی بارگاہ میں توبرکرتا ہوں ؛ بھرآپ نے اس مہون سے واپس جانے کے لیے فرایا۔ بیمن کرائس ہرن کے آنسویہنے لگے۔ آپ نے اُس کے مرپر الم تعری را ادرائستسنی دی: اس کے بعد صفرت امام رضاعل لیسلام نے فرمایا استھیں معلوم ہے يرمرن كياكمد وإمنا ؟ ميس في عرض كيا : الشراو داش كے دسول اور فرزند دسول بي اس كو عوب ماستة ين بهين كيامعلوم: آب في ما ياكدوه كهر التماكرآب في مجع بلايا توسيح الميد متی کہ آپ میراگوشت کھا نا بسیندفرائیں ہے اس لیے میں حافرخدمت ہوگیا۔ اب جب آپ نے فرایا کروائیں جا وُ توجعے بڑا دیج ہوا ۔ (الزانة والجرائة صيم") امام نے خواب میں برایت فرمانی : حن بن على الوشار كابيان ب كرمتهام مروس ايك واتنى سيميس في كهاكه: اے بندہ خدا النرسے ڈر اور اسے دل کونور ایمان سے پُرکسے اور اینے اس عقیدے کو ترک کر دے اورا مام رضا علیٰ *کستنے ام پرایان ہے آ۔ میں بھی نیری ہی طرح واقعی تق*ام گرا ہنڈ نے میرے دل کونودایان سے بجردیا : تم چپازشنب بنجٹ نبہ اور حمبہ کوروڈے دکھواوراں سرسے دعا کرو

صن بن علی انوشار کابیان ہے کہ مقام مرومی ایک وافق ہے میں نے کہا گہ:

الے بندہ خوا النرسے ڈر اور لینے دل کو فور ایجان ہے برکرہے اور اپنے اس عقیدے کو ترک کر
دے اور ا مام رضا علیات لام پرایمان ہے آ۔ میں بھی بیری ہی طرح واقعی تقام گر الند نے میرے دل کو فورایمان سے مجر دیا : ہم چہارشنبہ ، بنج شنبہ اور حجبہ کوروزے دکھو اور الندسے دعا کرو کہ وہ متحاری دمنان کرے اور بزرج تولیم کو ہوایت نصیب ہو۔ اس کے بعد جہ میں گھروایس آیا۔ تو حفرت ا مام دھنا علیات لام محصر ملا راس بیری تحسب در مقاکر اس خوری ا مامت کی طرف دعوت دور الهذام علیات باس کے پاس گیا اور اسے برایا کہ صوم تبرسور ہو الحربی مواد و المحسن مواد و کے باسے میں کھر برا مواد و کی استخارہ کرلا ۔ میں نے اس کو امام علیات بلام کے حکم نامے کے باسے میں بھی سب کچو بنا دیا مقال اور ایس برایات علی کرو مجھے اگر دسے کہ المد تعالی تحصارے دل کو لؤرا کیان سے مملوکردے گا۔

الموان میں مواد کروری ہے کہ حسیب موادیت علی کرو مجھے اگر دسے کہ المد تعالی تحصارے دل کو لؤرا کان سے مملوکردے گا۔

ورا کیان سے مملوکردے گا۔

ورا کیان سے مملوکردے گا۔

ولا کا تست مواردے ا۔ چنا پخرائس نے ایسا ہی کیا اور سند کو کی القباح میرے پاس ہو کہا اور کہا میں گوا ہی دیتا ہوں کہ حفرت امام رضاعلی لیستیام امام ہیں آپ کی الحاصت فرض ہے: میں نے پوچا کر بہ تبریلی کیسے رونا ہوئی: اس نے تبایا کہ حفرت کی طرف خرور پلٹنا ہے۔ نیزائس نے کہا کہ اللہ کے اور فر وایا: اے ابراہم! کچھے خوالی ہم ؛ بچھے حق کی طرف خرور پلٹنا ہے۔ نیزائس نے کہا کہ اللہ کہ درکے سواکسی کو بھی میرے متعلق کچھ خبر ندیمی ۔ دا توانگی کو بھی میرے متعلق کچھ خبر ندیمی ۔ انھرکر دیجو کھا اس جہنے میں مجھیاں ہیں ؟ میں نے انھرکر و سیجھاتی اس میں مجھیلیاں موجہ دیمیں انھرکر دیجو کھا اس جہنے میں مجھیلیاں ہیں ؟ میں نے انھرکر و سیجھاتی اس میں مجھیلیاں موجہ دیمیں

میں نے وفن کیا۔ جی ال ۔ اس می مجدلیال ہیں: آپ نے فرایا ۔"میں نے امنیں خواب میں دیکا تھا

اورحعزت دمولِ اكرم بمحدسے فرمارسے ستھ ۔ اے علی انتھا دسے یہے وہ چیز بہترسے جومانے (الخراج والجراع) یاس ہے: میر کھیر داؤں کے بعد آپ نے وفات یا فی 69 ____فصل بن اين كابيان ب كرسم مكر مكر مركم الادر مس جلے اور مدينه مؤره بين قيام كياء و إل بإرون ركشيد تعي مخفار اس كالميني حج كااداده مخفار حفرت المم رضاعليك للهام میری قیام کا ہ پرتشرلین لائے۔ اس دقت ہارے ساتھیوں میں سے کا فی حفرات میرے پاس تھے دوبيركا كمحانا ساست تمقا بابرسے فلام نے آكرا لحلاع دى كە دروازے پرايك صاحب جن كى کنیت ابوالحس ہے۔ وہ آپ سے ملنے کی احازت چاہتے ہیں : میں نے کہاکہ آگر یہ دسی ہیں کہ جن كوميں جانتا ہوں توميں تجھے آزاد كردوں كا وميں ماہر نكلاتو در كھا، حضرت الوالحسن المم ممنا علیست ام بن معید فرص کیا : حصور اسواری سے اثری : آب امیرے اور اندر داخل ہوئے۔ پھرآپ نے بعد طعام ارت دفرایا الے تعنل استو! امیرالونین نے حبین بن زید کو دس بزارد بنار کاچکم دیا ہے اور تمین مکھا ہے کہ ان کو دے دو۔ لہزائم حسین کویرقم دے دو رادی کا بیان سے کرمیں نے وص کیا کہ ان کی کوئی رقم میرے یا س نہیں ہے : اگر میں اپنے پاس سے درے ڈول تومیرے زادمیں کی تہوجائے گی اور بریمی ہے کہ برقم جھے والیس ن سے ۔ اگرآپ کا حکم ہے توہبروشم دے دول گا : آیسے فرایا 'اے فعل پررقم حسین بن زمہ کودیے دور تھیں اپی منزل پرمہو کھے سے قبل بیدقم مل جائے گی: میں نے وہ رقم دے دی اور میراہے ارشاد کے معالق رقم مجھے سل کئی۔ (41301413) ص امام کوسونے کے ذخائر کاعلم ہوتا ہے احمد بن عرص الله بان كرتاب كميس في موت الدالحس ثاني امام رضا عليسلم سے وض کیا کہ مجھے آپ کے تعلّق اس خطّہ زمین کے حاکم سے خطرہ محوس ہورہاہیے: آپ نے فرمایا المسس كاكونى خومت نہيں۔ التّٰد كاايك ملك السابھى بيجہاں سونا بيدا ہوناہے اورالتّٰد في اس كھے حفاظت کے کیے اپنی ایک کمزور مخلوق جیونی کومقرر کیا ہوا ہے۔ اگر اِنھی بھی وہاں جانا چاہے تو وہ بھی زندہ والیں بہیں اسکتا: وشار کابیان ہے کہ میں نے آپ سے اُس ملک کے تعلق دریا فیت کھا کروہ کہال ہے: آپ نے فرا ہا وہ بلخ اور تبت کے درمیال ہے۔ وہاں پرانسس سونے کی حفاقت کے بیے کتے کاشکل کی بڑی بڑی جیونشیاں میں ۔اس وادی کے تنگ راستے برشہدی محیاں ہیں۔ جہاں سے کوئی چڑ ماہمی منہیں گذرسکتی۔ اوروہ چنونٹیال رات کولیے سورافوں میں رہتی ہیں کیمی میں نوگ اس مقام برجمل ورمعی بوستے ہیں اورائیں سوارلیاں پرسوارم کرداستہ کے کہتے ہیں جوا یک اس

میں میں فرائع سفر کری ہیں اوران سوارلیوں کی قوت برداشت بھی بہت زیادہ مولی ہے۔ یہ لوک است است بوجه للدكر تكل يؤست بي اورجب وبال بهريخة بي تويدان جي مثول كے ليے كوشت کے مکٹے دیکھتے ہیں اورداستہیں وہ چیوشول کے سامنے ڈللتے ہوئے سفرطے کرتے جلے جاتے ہیں تاکہ وہ اس کے کھلینے میں شخل ہوجائیں ۔ ورنہ واکسی ایک سوار باسواری کومبی باقی مہتج ڈیں اِن (الخاع والجرائح مندي) چیز میوں کا رفتاری مواجسی تیزی ہوتی ہے۔ (١٦) ____مفوان بن محيني كابران ب كمبي حفرت امام رضاعل كيت ام مح سمراه مقارآب كا كنداير جاعت كقربب بروااك يس سايك تخص بولا و ديكيو! يروافطيون كأا مام جارم ب میں نے آنخفرت سے وض کیا ایس نے مشابنیں برکیا کہددا ہے ؟ آپ نے فرایا ایس یہ مومن لینے ایمان کی تنبیل چاہتاہے : جب شب ہوتی توآپ نے اُس کے یعے برد عاکی۔ آس کی دكان مين أك لك كئ اوروسا ان جلے سے فك كيا اُسے ورائما ہے: دوسرے دن میں نے دیکھاکروہ حفرت امام مضاعلی سے اس کی خدمت میں بھی عاجزى سيمسكين بن كرحا فنربوار آپ نے اس كو كمچە حدیثے كامكم دیا۔ مجرفرا یا سلیصفوان الم نے دیکھا، پیمون مستکمل الایمان ہے ۔ بوکھ اس کے ساتھ مہل اس کے لاکن تھا۔ دا کوایگا دا جرایگا) ا مام کی ایک نظار جی سے گفتگو محدین زمیردازی وادی سی کرحس وقت ما موں دم شید سنے حفریت ا مام رمشاکو ا ينادليب ربنايا الوأس روزمين خدمت امام مي حاحزيما. وبال خوارج مين سع ايكتخف ليف سامقیوں سے بولا۔ خداکی تسم امیں اس تخص کے بیے آیا ہوں جواس امرکا دعویدارے کمیں فرزند رسول بوں اور پھراسے امون جیسے طاغی اور نافر مان ک دلیعبدی قبول کردگھی ہے میں اس سے اس كى حقانيت كى ليل لوجول كا اكراس نے كوئى معقول دلي بيش كى توخير ورم يہ حفي اجوس نے استين سے جھیا یا ہواہیہ اِسی کے دریلے سے لوگوں کوائس سے چھٹکا رہ دلا دوں گا۔ يهكه كروه آيااور ملاقات كي اجازت جابي رآب في اجانت دسد دي جب سائة آیا، توآب نے فرایا: دیکھ میں تیرے سوال کا جواب دیے کے لیے ایک شرط مرتبار ہوں : اس ن بچھاکہ وہ شرط کیاہے ؟ : آپ نے فرایا ، اگریس تبریے وال کا ایسا جاب دے دوں جس سے توواقعام كمنن بوجائے اوراسے سیم کرلے تو بھرلیتیا یہ می ہوگا کہ جویز توسنے اپی استین میں چھیپ رکمی ہے اُسے توٹ کرمیپینک دے گا : کیسٹن کرائس خارج کوبڑی چیرت ہوئی انس نے فوڈا پی اُسین يسرحته إنجال كرتوز دياءل ولالاء احداية ليمسرك تب أس طاغي كي حكومية بين كعرن بشاط موية مرع

جب کہ آپ کے زدیک اس کاشماد کفار میں ہے ۔ آپ فرزندر مول میں ۔ آخراس کا سبب کیاہے؟ حضرت امام رضاعالی سے مسنفر مایا کہ تیری رائے ہی یہ زیادہ کا فرہے یاعزید معراد لائی کے مل ولا ؟ كيال لوكون كاير حال منهي ب كرير موقد مون كد دعويدار بي جب كروه لوك من لیٹے کوموقد کہتے اورنہ الٹرکوجانتے بتنے ؟ مگراس کے باوجود حفرت ایرسٹ بن لیعقوب بوخود بنی نی سے اورنی کے فرزند بھی سے اورعز برم مربا وجود بکہ کا فرمقا ہے ۔ اس سے کہا کہ : ۔ قَالَ اجْعَلُنَى عَلَىٰ خَرُ ٱلْإِنِّ الْكَرِّضِ الْكَرِّضِ ﴿ أَفِي حَيِفِظ عَلَى عَلَى عَرْهُ (سورهٔ یوسعت آیت ۵۵ پ ۱۲) ترجه ^{دو} مجھے زمین کے خزانوں پرمغرر کر دسے میں اس کی حفاظت اور دیجہ مجعال کروں گا۔'' مجرآب في ارشاد فرما ياكه : حفرت يوسف كا أنفنا بينها المي فراعنه كے ساتھ مقارا ورميس لو دسول التُده كي اولاد، كا ايك فردميل - مجھ اس وليع مدى كے بيے مجب وركيا كيا اور زم وي وليع بدنيا يا كيا ہے۔ بچر تومجھ دیکیوں ناراض اور غفتہ مورہاہے ؟ : یکسن کوانس نے کہا کہ آپ نے پیج فرمایا 'اب میں آپ سے خفا مہیں ہوں بلکہ گواہی دیتا ہول کہ آپ فرز ندرسول میں اور ج کچھ آپ نے ارشاد لاتخانكا والجائخ مثلت فرايلىپ دە چىچىپ. = دعبل کوانعام عطافر ماکریدایت فرمانی روایت میں ہے کہ دعبل خزاعی نے آپ کی مرح میں قعیدہ بڑھا آوا ہے اپنے نام کے دھلے ہوئے کچے درہم اس کے باس ابطور انعام بیجے۔ اس نے وہ درہم واپس کردیے: آو آب نے ارشا دفر مایا کہ انھیں ایسے پاس رکھ لومتھیں ان کی خرورت بیش آسے گی: وعم کی کابیات كرجب ميں لينے كھروابس آيا تو ديجھاكرميراسا راا ناندچ رى ہوگياسى : مومنين كوجب يعلم ہوا كم میرے پاس مترک درہم ہیں توانموں نے ان مترک درہوں کو تبرگا ایک ایک درہم کے عوض مجھ ايك ايك دينار ديا ، اس طرح ميس تجير مالدار تهو كميا _ لا درا ماتم كا قول تكا مهوكميا) لا لخزاجًا والجزاع) مصا ___ ہارون الرکشيد کے باريس بيش كوئى حفرت امام رمنا عديكست لام كيعيض اصحاب كابيان ب كرجس سال باردن شيد نے بچ کیا اسی سال حفرت امام رضاعلی سے الم می جے کے ارادے سے دوانہ ہوئے اورکوہ فاردع تك بيويج جولاست كم بائي جائب واقعب وبال بيوع كاب نياس برا يك نظروا لل اورفرا إ كم فارح برتعيسد كرسف والا اوداس كو (عارست كو) مساد كرسف والا فكرست كرسي كارا عامي كا.

اس وقت توبهاری بحدید) محدمد آیا کراس سے آپ کا مطلب کیلسے مگرجب با دون درشید اس مقام پرمپونجا اوروبال قبام کیا۔ کیلی بن جغر کے سامقوائس بہاڈ پرچڑھ گیا اورم کم دیا کہ اس بہاڈ برایک است گاہ تعیب کی جائے۔ مجرجب کے کرکے مکتسے واپس اس مقام برآیا تواس مات کوچاکش کے حکمسے تعیر بودی تھی) مسارکردسینے کا حکم جاری کردیا۔ وہاں سے پلٹ کرغراق گیا تو وبال اس کے زبارون درشید کے) محصے محصے کوسے کے ۔۔ (ارشادیج مغیدمشود اکانی و املاک مناقب ی موسی ___ قبل از وقت جنگ نینچی پیشگونی مسا فرکابیان ہے کہ حبب ہارون بن میتب نے حمد بن جعوسے جنگ کاادادہ کیا تو آپ نے مجے سے قرما یا کہ اس کے پاس جا ز اور کہد دو کہ کل جنگ کے بیے مذنکلناً ورندشکست ہوگی ا در بخفا سے سامتی قتل ہوجائیں گئے۔ اگر وہ تم سے کہے کہ بہتھیں بیسے معلوم ہوا او کہ دینا کہ میں نے خواب یں دیکھا ہے: راوی کا بیان ہے کہیں آپ کے ارشاد کے بموجب اس کے یاس گیا اور کہا، میں آپ برقریان ؛ کل کی تاریخ میں جنگ سے لیے مذجانا ور مذشکست موگ اورآپ کے سامتی مَّتْل بودا مُن سُكَ ر اس نے نوجھا تحبے ہركيے علوم ہوا الوميں نے كہا اس نے فواب دركھا ہے ـ اس نے کہا ' معلوم ہوتا ہے تو آفیرآ مرست ہے ہوئے سوگیا تھا۔ بھرجنگ کے لیے نکا آؤٹڑک مونی اوراس کے سائمی قتل کردید گئے۔ (منافب آليابي لمالب جلوم م<u>ناس</u>س) (١٦) ____ بإرون بن يوى كابيان ب كرايك مرتبه مين حفزت اما فهماعليك إلى مح ساخدایک حوایں مقاکدیک بیک آپ ک سواری کا تھوڑا بہنمنایا اوراس نے آپ سے باعظی وكام تجردال بجندقدم دودمها ، وبال إدل وبراذكيا ا وديجرداليس آلكيا وحفريت الم معناعليشكلم ن فرایا الدينان نوحفرت داؤد كوچشرت ديا اس سے كبي زياده مخددال محدكوعل (مناقب آلوا في طالب جلدم مهسس) ور المان معنان معنی کابیان ہے کہ میں حفرت امام رضا علی سے اس مقااور آپ کے بیت الشرف برکافی معزات جمع نے ۔ آپ برسائل کے سوال کا جواب دے دیسے سعے کم معامیرے دل میں خیال بیدا بواکران میستیوں کو توبی بوناچاہیے۔میرے دل میں برخیال آتے بى آپىمىرى فرىنى متوج بعيت اورفرايا ؛ ئىسلىمان يائى ملىمى عالمى بى مائل نوك ال كونى سمعة بي مالانك يەنى نېيى بى ر (مناقب آلوال فالب مبلدم مسكتا) (۱۸) _____ مرین میراندین افظی کابیان ہے کہ ایک دن میں مامون کے ہاس گیا آوائی

نے مجے پنے قرمی حکدی اور مرحیا کہا۔ مجمواس نے کہا کہ الترت حالی رضا بررحم کرے انفول نے مجے ایک تعبّب نیز بات بنائی۔ جب عوام الناس آپ کی بیعت کریھیے تو ایک شدیس نے ائ سے کہا۔میں آپ پر قربان میری رہے یہ ہے کہ آپ عراق تشریف ہے جائیں اورمیں خاسان میں آپ کی نیابت کروں گا: میرسن کرآپ نے بہتم فرمایا ، بھر کہا ، منہیں میں اپنی عال کی قسم کھا کر کہتا ہوں کہ دمیری موت) خواسان کے علاوہ کہیں اور نہیں آسے گی ۔ یہی تومیراسکن ہے میں بہاں سے کہیں اور منہیں جاسکتا۔ بہیں جھے موت آئے کی اور میں سے محشریں انفوا کا میں نے کہا : میں آپ پرقر یان آپ کواس کا کیسے علم ہے ؟ : آپ نے فرایا مجھے اپی جگر کا دلیسے بى علم ب جيد تھے متعارى جگر كا علم ب و ميں نے دريافت كياميري جگر كہالىدى : فرايامير اودتمهادیدے درمیان بهت طویل فاصسلہ ہوگا: مجھ مشرق میں موت آسے گی ا ور تجھے مغرب ہیں بچرمیں نے پوری کوشش کی اورائمنیں خلافت کی کمی دلائی مگرائمنوں نے انکارکیا ۔ و الم كيام بطائبنى كي قبرين كيرين كيوال جواب حسن بن على الوشار كا بيان مي كد مع ميرك مولا خفرت امام رصاعاليسلام ف مروس طلب فرایا اور ارشاد فرایا کے جس سنو! آج علی بن ای جزو لیلائیی مرکیا ہے میں اس کافرس داخل مواسما میں نے دیکھا دوفرشنداس کی قرین داخل موسے اوراش سے سوال كياكه : ترارب كون ب ؟ اس نے كها النر يجر لاجها يراني كون ب ؟ اس نے كها و مخد يوجها ترالهام كون سے ؟ جواب دیا يمنى بن الى فائت ، يوجها ال كے بعد كؤن ب كرا احسن ، يوجها أن ك بعد كون ب ؟ كما وهدين _ لوجها وان كے بعد ؟ كما على ابن الحسين _ بير لوجها وان كے لبد ؟ كما عمرين على _ ليجها ان كے بعد ؟ كما وجفرين محرر - ليجها ، ان كے لعد ؟ كما موكى بن حفر لوجعا ال کے اجد تراا مام کول ہے ؟ اب اس کی زبان او کولائ اس را منوں نے اس ک دان كراد عيا، بنا ان ك بعدترا الم كون ب و وه فالون را دوان دولول في كما عماموي بن بنونے تھے ہی حکم دیا تھا۔ پیرانمنوں نے اس کوایک گرز اکشیں مارا عمیں وہرسے اس ک فرمی

قیامت کی آگ مردکتی دیے گا۔ دادی کابیان ہے کہ معرمیں آپ کی خدمت سے دخصبت ہوا اوراس تا دیج کویا و رکھا۔ حبر دادل کے بعدا بل کوذرکا خطراً یا کہ بطائین کا اس پی تا دیج کواشقال ہوا۔ اور جو وقت آپ بتایا متنا اسی وقت وہ قبر میں دفن ہوا تھا۔ بتایا متنا اسی وقت وہ قبر میں دفن ہوا تھا۔

عبدالترين اراميم سيان كرتاب كرميرے فرض خوا ہ نے اي رم كابيد تقاصا كياا ورميت بريثان كيا يهب وه چلاكي توميس فورامقام حريا بهوي (يه ايك قريسب جرميندس تين ميل كے قاصلم برسب جس كوحفرت الم موى بن حبفرت بسايا مقا) تاكر معزت الم رهنا على سيدام س اين اس قرض خواہ کے بارسے میں درخواست کروں آب اس کو مجادیں: حب میں آپ کی خدمت میں بہونج الو آپ كے سامنے دسترخوان بچها بوائقا : آپ نے فرایا : آ دُكھا نا كھا لو ، میں نے كھا نا كھا يا جب دسترخوان اتحفالیا کو آپ تجھے معروب گفتگو ہوسگے ۔ اس کے بیرآ یہ نے فرایا' اس مصلے کے نیے جرکھیے ہے وہ اکٹھالو: میں نے اکٹھاکر گنا تو وہ تین مودینا د ملک کمچہ زائر سختے اِک یں ایک بنا يريه عبارت كندويتى (للاإله إلا الترمحررسول الله وعلى ابل بيته) اوردوسري مانب يرعبارت مخسدريتى كرابيه تارنب كراينا قرض اداكرد اورجز كاجائيس ان كوليت ابل وعيال يزيع وكتاب مناقب اللي طالب مسلطين () ___ محد بن مسنان كابيان به كرجب معزية الم رضاعليك الم سي كما كياكم آپ نے دلیعہدی قبول فرما کے خود کو مبرنام کیا: آیا ہے والدے حالتین ہیں اور ا دول دکشید کی الحاد سے ان کا ون ابھی بک میک زیاہے ؛ لوائی نے فرایا کرمیری طرف سے اس کا جواب وی ہے جو . جناب دمول مقبول الشعب والنهم حضد بانتفاكه « اكرابوج ل مرك ايك بال بي بير كا كنيف توسم دليناكمس سي منهي مون واسى طرح مين كتابون كراكر بارون ميز عدر كاليك بال بعى بي كاريك توسمه ليناكريس الامهيس مون . میری اور بارون برشیدک قبربرابر برای مرافر کابیان ہے کمیں حفرت ا مام رضا علی سے اس مقام منی سی تھا كرادهرسے يئي بن خالدكا گذرموا اوراس نے اپن ناك گردوغبارسے بجنے كے ليے جيميا الحق متى ا توانام على السين الم في خرما يا كران مني مون كومعلوم نبين كراس سال ال يركها كذر ساكى ؟ ميرفرايا ادران سے زیادہ تعب خزامرتوب سے کم اور ارون دستید دونوں اس طرح برابر برابر سے۔ اورية فراكزاً بي نداني دوان كليال الكربتايا . (منات كوالي الله من اكان علوا صيفي) ___ عامدى دوايات بس ماكم الوعد الشرما فظ في اين المسناد ك سا مقدوايت كهدك المم دمنا ملالستهم في ايك تير ايك عن كود بجا اورفرايا و لي بنده خدا ! تو ومسيت وفيروكريد اوراس امرك يد تيارموجاجس كابونالينين يد داوى كابيان بدكروه تخص تين (مناقب مسئيس) ﴿ دن کے بودمرکیا۔



داخل بداابی رقم کی تیل آسمالی اور کہنے لگاکہ یمنی حفرت ایام رصاً علیاست ام کام جزوے۔ یہ دیجہ ک وہ لوگ ایک دومرسے کہنے لگے۔ لے کابلو ! تم نے اس کواٹھٹاکٹیمیں دیکھا (کہ برسان ہے بإرقه کی تقیل ہے) ۔ اسی وجرسے اس حومن کا نام حوصٰ کا ہلاں بی پڑگیا اوراس محلہ کومحقہ فوز اس کیے کہتے ہیں کہ اس کو پہلے نتے کیا تواس کے سر حقد کودیکھا اور کہا، یہ ہے فوز رکامیانی ۔ _ آئیے ہاتھوں کی اٹکلیاں شمع کیطرح روات میر (مناتب مسکیس) حمین بن منصور نے اپنے بھائی سے روایت کی ہے ۔ اس کابیان ہے کمیں حفرت المم دصاعليمست للم كما خيرست من حاحر بوا دشيب كاوتت بخار آپ ايسے دونوں ابتح بلن دفر طیسے توایسا معلوم ہور ہا تھا گویا دس شمعیں دوشن ہوگئی ہوں ۔ اسی دوران ایک شخص نے آكرما حرض مستهونے كى اجازت چاہى۔ آپ نے ابنے ما تھونىچے كرياہے اوراسے اجازت دى۔ (ماقب مسكل) • کشف الغرجلاس میسا ا ورکافی جلدا مسیمیم میسی می مین بن منصور سے بروایت موجود ہے مغید بن جنیدشامی کلبیان سی کمیس حفرت ا مام رضاعلی سیسیلیم کی خدمت میں حاضر ہوا اور عرض کیا کہ مجھ لوگ آپ کی ذات اور آپ کے معجز است کے متعلق بہت بحث کرتے ہیں اگراجانت ہوتواس کے بارسے میں بیان کرکے آپ سے گفتگو کروں : آپ نے ارشا وفرمایا آخرتوچامتاکیلید، پنامطلب بیان کر: میں نے کہا چام تنا یہ ہوں کہ آپ میرسے بایدا ور مال كوزنده كردي : آپ نے فرمایا ۔ لبیتے گھوجا كر دسچھ دونوں زندہ ہوگئے : اب جومیں گھروالیس آ کرد پچھتا ہوں تو وہ دولؤل زندہ ستھے ۔اس کے بعدوہ میرسے ساتھ دس روزا ورزیزہ رہے اوم اس کے بعدالشہنے ان دونوں ک روحیں قبض کرلیں (كتاب النجوم كواله ابن حرير طبري) و ﴿ ﴿ ﴿ ﴿ ﴿ وَمِوْابِنِ هَلَمُ ابِي كَتَابِ مِنَا قَبِ مِينَ رَفِمُ الرَّبِي كَرَجِبِ مَا مُونَ سِنَهِ حفرتِ امام مِفَا على السيدام كواپنا وليعه معرّد كيا تو الون كيعبض حامث ينشينوں نے اس بات كونا لپ ندكيا رُ انفيل قوت مقاكد كم بن خلافت بنى عباس سے بنى فاطر بيں منتقل نہ بوجائے۔ اس ليے ان كومقر المام دهذا على مستسلام سے لغرت وعدادت بوگئ رحفرت المام دهذا على مستبدلام جب المون كے پاس تشرليف المعاسة توبيدستورمقاكم والالاماره برجوملام بوتا أب كاسلام كرتا اورودوازه كايروه امثابًا شرآب الذر داخل بمبرتر . مُرحب ان لوگال کی لفرت می امنا ذمیرا تو انتخاب نیرانس میں

اس بي سانب رستاي اوروه اس ما في بين تيم ي المعنى في وض كادروازه كمولا وصفي

مسوره كرك طي كياكه يه أبي لوال سيم تمويميرليا جائدا وروروانسك كابرده ندا كلها يا حاسك. المجى يه لوگ معروب گفتگوستے كه دري اثنا حفرت امام رمنا علايست لام ب معول تشرلف للس ان ف يمكن مهرسكاكم آب كوسلام ذكري يادروانس كايروه م انھائیں ۔ جب آپ اندر داخل ہوگئے توان ہوگئ سے آپس س اپنے طے شرہ مشورے برتم جروشرور كروبا ا وز د وباره تبعريى باست سے كى كه آمنده اس مشورست پرمبرود عمل كريں گئے ہيئى ندا مانم كوسلام كرب كے اور سرآب كے ليے وروازے كا يروه أكفائين كے واليكن دوسرے دن جب آپ الشراي لا ئے توسب نے آپ کا استقبال بھی کیاادیسلام بھی کیا مگر دروازے کا پروہ نہ اکھا یا ، تاہم اللّہ نے ایک تیز ہوا بھے دی جس نے وروانسے کا بروہ امٹایا ، بلکمعول سے زیادہ ہی اسٹایا اور آہے ا مذر داخل ہوسکتے ۔ بہواساکن ہوگئی ۔ حب آپ مامون کے پاس سے دائیں ہوئے تو بمجر ہوا نے يرده المقاياآب وبال سيمى كندك _ برده الني علم بربيوني كي جب آپ تشراهید ہے گئے توان لوگؤن سے آپس میں گفتگوشرورع کی اور کہا کہ کھے ديكها ؟ مهب نے بيك زبان بوكركها كم إلى مب كجه ديكها ريم آليس من ايك دومر عركي كك كم آب كومعلوم بوناچانه كالترك نرديك المم كالك مقام ب اورآب كى طري الترك خاص توج بھی ہے۔ آپ لوگوں نے بیمی دیجھاہے عرف پروہ اکھانے کے بیے ادر امام کے متعبال کی خاطرابلاك فيموا كوسترفرايا معس طرح حفرت بماك كم بيهواكومتروا وياعقا لبزااب مبتريي سے کہ جبطرت پہلے خدمت کستے دسہ ہیں اسی ارت آسٹرہ بھی عزیت واحرّام کہ کھے کا رکھتے ہوئے ا الم كا خدمت كرية ركباس واقعر كے بعداً ب سے ان كا عقيدت يں إدرامنا ذہر كيا۔ دكنت الحر ___ زبین کزار کاواقعه اسی کتاب میں یہ واقعہ می مذکورے کہ خواسان میں ایک عورت بھی جس کا نام زیزیب بخفاراتی دعوی کیاکه میں نسل علی وفاطم سے ہوں۔ وہ اہل خراسان برایا امریا ایرایا بوکے بھی۔ یہ بانت حفرت امام رمناعلیات لام نے سی تواٹ نے اس کی مکذیب فرمائی ۔ حباس كوآب كے سلسے بین كيا كيا تنب بھي آپ نے اس كو جعثلايا اور فرما يا كريہ جو السبے ۔ امن نے كهاكر ص فرح آب نے میرے نسب می عیب نكالا ب میں بھی آپ كے نسب می عیب نكالتی ہوں . يهمن كرآب كى علوى غيرت جن بن آئى : آپ نے خراسان كے حاكم سے فرايا كربلك كصفندول كومزاويين سكريك جوود تدسي ايك وين مقام زجس كا نام دكمة انسباع تنا) بمرقع كيمية كترس وس اس كريم رنبواه له الله روزاك آريه نساس عديه الا امتريكون و كليد

ہوت بادشا وحراسان کے باس کے لئے اور فر مایا ۔ برعورت مبوق ہے اور سی دو العمد جرمہمان بإخده ربى ہے بدائن دونوں حفرات كى نسل سے نہيں ہے اوراگروا قعاليہ لوفا ملاسے ہے تواس كا كوشت در مذول برحرام كرديا كياب. لهذا اس كوم كة السباع بس وال ديا جائة اكم اس کاکیزب سب برزلما مرجوعات. حب اس عورت نے برکٹ اتو اولی پیہے آپ ان درندوں کے پاس جائیں اگراب ہے ہی توتوت فراہم ہوملے کا: کیسن کرآپ نے اس عورت سے تو کچھنہیں فرما یا اورا کھ کوکھڑے بوسة سِلان خاران نے کہا آپ کہاں تشریعیت ہے جا دسے ہیں ؟ فرایا ، کم در مندوں کے کثیرے مي اور كبلا ميں اس ميں ماخل ہوكر وكھاؤں كار برفراكرآپ اس طرف چلے رآپ كو جا ستے ہوے دیجھ کرس لمان اولاس کے مصاحبین اورتمام لوگ انتھ کھوٹے ہوئے۔ بمٹیرے کا دروازہ کھولاگیا اورحفرت امام رمنا ملايست إم اس مي داخل موسفة يتام مجيع أس كنبرے كوبلندى سے در يجود القا جب آپ ان درندوں کے درمیان پہوپنے توسید کے سب اپنے کانوں کے بَل زمین پرلیٹ گئے لگ میں سے باری باری مراکی ورندہ آتا ، آپ کے جبرے سراور بشت کولور۔ دیتا اوردم ملا تا ہوا واليون جلاجا تا يبانك كرجى أك رييراب كمرك مراح موك اس كے لود است العال سے فرایا كه اب اسس جبونى عورت كومي كنہرے ين عاسة كاخكم وياجا سع تأكر كا جورت بالتحسب برعيان بوجائد المن عورت في الكادكما ال سلفان نيم وياكراس كوكتريس وال دياجات رجائداس كوون ي كثريس والأكيامن ورندے اس پرنے ترک سے جہٹ پر اوراس کا تکہ لولما کرکے کھائے۔ اور تھے وہ مالیے الطابان من ربنب كذابه كم امس متبور موكى - اوراس كاقتطه وبال بهت متبودس (كشفت النمرّ مبلر مسليم سمع) ايك كينركا واقعه ولائل جرى مي مسيمان جعرى سي دوايت بنے كر مجد سے معرت امام رمسنا علیست للم نے دایا کہمرے لیے ایک کیز الن اِن صفائت کی خرد لائ ۔ جب میں نے تلاش کی اُلیجے ان تمام انصاب کی تمیزایل مدیدس ایک خوس کے پاک می نمیں نے کسے فریدلیا ، قیمت الک کواوا کی ا وركنز كوي كرحفرت ك خدنت بين بين بوا. آب كليدند آني مگرچندي دن گذرسه منه كراس كامالك ميرے ياس روتا الا الداولا: النرالتدميري زندگى تونع بوكئ . مزجين آتاب مد منيوا في سي يم حفر الوالمن علالستام سعات كوكروه كنزمج والبركردي لوراني قبرت مالي ومين في كما كركما الكارمية المعروم والمحرورين أبيركي موران مهركن كالأكاري كريار رس كوركيسول

تاہم میں حفوق ایام رضاعلی سے اس کی خدمت میں حاضر ہوا ، لیکن آپ نے میرے لغرکھے کہے خودی فرایا: اے میمان ! کیااس کنیز کا الک جا ہتاہے کہ میں اس کووالیں کرووں ؟ میں نے عرض کیا 'جی المار والنشروه یهی چام تله : آمید فرمایا - اس کی کینراس کو والیس دے دو ا ورقیمت والیں سے لو : میں نے ایساہی کیا : اس کے چندون کے لعداس کنیز کا مالک بھر میرے اس آیا اورکہا : تم حفرت الوالحسن علی سے درخواست کروکہ وہ پھراس کیزگو فریدلیں ، اس لیے کہ وہ اب برے لیے ہے سودے ۔ مجھیں ہمت مہیں کہ میں اُس کے قریب بمی جاسکوں : میں نے کہاکہ بحدي كلى اب الى حرات منهي كم ال كسيليدي مزيد الممس كي عرف كرسك وأوى كابيان سب كرميس حفرت الوالحسسن عليمستيام كى خدمت مِس حاحرجوا • تو آپ نے فرط یا ' لیے سلیمان! کیا کنیز کا مالک برچا ہتاہے کہ وہ کنیز پھریس فرمیرلوں ا ورقبہت اسس کا دىيەں ؟ ميں ئے ومن كيا 'جى إل ! اس نے مجدسے ہى درخواست كى ہے : آپ نے فرايا ' اجھاتو (كشعث الغيرة مام مسكال - ١٧٧) وہ کنے رمجھے دے کرقمیت ہے جائے۔ حن بن على الوشّار كابيان ب كروه فرت البالحسس المم رضاعلي ليست إلم في فرايا میرے پدرِ بزرگوارمبرے پاس کل شب تشراعی لاسمے عے : میں نے تعجب سے وض کیا 'آپ کے پررزرگوار؟ آپ نے فرمایا ، بال میرے پررزرگوار: میں نے پوتھا ، کیا واقعا آپ کے پررزرگوار؟ آپ نے فرمایا ' ہاں ہاں ' خواب میں ' میرے بدر مبرکوار ا درمبرے حدحفرت حیفرما دق تومیر مدر بزرگواد کے پاس مرام آیا کہتے اور مدایات بھی فرمایا کہتے ہتھے۔ راوی کابیان ہے کہ اس کے بعدس بھرآپ کی ضرمت میں حاصر بواتو آپ نے ارشاد فرایات اے حسن سنوا ہم ائمہ کے لیے خواب اور مبداری دولوں براہم ا _علی بن محدقاشا فی کابیان ہے کہ مجیسے ایکید صیاحیہ سنے یہ بیان کیاکہ میں نے ایک مرتبه حفرت امام رضا علاست لام کی خدمت میں مال کشر پیش کیا ۔ مگرس نے دیکھاکراس سآپ كوكوتى مسرت مهين بولى معصاس كابراريخ بوااوردل بين كهاكه ابتنا مال كنزيش خدمت كرسف بر بمی آپ کوکوئی مسترت نہیں ہوتی رکہ اس اثنار آپ نے خلام کو آ وازدی کہ پانی آ ور ملت سے لاؤادر آپ كرسي برسيني كان الرفلام سے فرايا ميرے المحول برياني والوراس نے پائی والنا شروع كيا توآپ ک انگلیوں سے یان کے بدسے خالص ہونا بہہ بہر کر طشت ہیں گرسف تکا۔ بھرآپ بمیری طرف متوج ہوئے اورفرایا و در کینوجوشف ایسا ہے وہ مقارے اس ال کیری کیا پرواکرے کا دیکھن الغرّجارہ مسے

_ شک کاکوئی علاج نہیں على بن خطاب وافعى كأبيان سب كرميس يوم عرفه ميقام وفوت بين تقاكه اشت میں حضرت الوالحن رصا علی مستدام تشرایت لائے۔ آپ کے ساتھ آک کے چاک اولادمی تھی۔ آمية سارے بى مسلىن وقوت فرايا۔ اس وقت مجھ مخت تىم كابخار يمقا اور شدىد بياس لكى بوق تقى ۔ حفريت المام دمنا علن سنسيلام في الهن غلام سي مجه كها يعب كوميس نرسم وسكارغلام أتوا ا ودمشر به سے جاكر بإنى لا يا الريب في بإنى ليا ، متورد ابريا وربعية كرى كى وجرس ابيت مرم دالا ، بعرفر إيا است وباد بمرلاق جب وه عمرالما توفرايا كسيب والاس ين كويلاا دُر راوی کا بیان ہے کرمیں نے بانی بیا ۔ اور فورائی خواکی تسمیر انجار جاتا رہا۔ توجیدسے پزیدین اسحاق نے کہا الے علی ! وائے ہوتھ براب اس کے بعد تیراکیا ا لادہ ہے اور تجھے کمٹ ت كالنتفارب مسين كهامجاني مجع حجوثور بعرييبين اسحا تسنفاس سے ابلیم بن شعیب کا واقعہ بیا ان کیا ۔ جواس کی طرح واتی العقيده تغاركه مين سحدرسول بريمقاا ورميرس ببلويس ايك بمبارى مبم كأكدى مبغما بمغاريس نے پوجھا تمعاراتعلن كماكتهم ؟ كهاكميس بى ماتم كے غلاموں ميں سے بوں : ميں نے دريافت كيا ، اس وقت بى باشم مي سب سے براعالم كون سے ؟ اس نے جواب ديا ، رضاعالي سندام : ميں نے كہا بات كيا ہے كہ جو بائيں ال كے آباء واجدادسے طبورس آئى تقيس وہ ال سے طبورس كيوں تنبي آئي ؟ اس نے كماكم ميري تجيين مبس أتاكمتم يكياكب رسيه بو ؟ بهكه كروه مجيح جيو الكياء أس في تعوري ي ديرك ىبدا كى خطالا كرمجے ديا يمين نے اُسے پيروا ۔ وه كوئى زياده خوشخط منہيں مقا . اس بيں يہ اكھا ہوا تھا اِلے ابراہیم! تم آباً ڈواحداد کوما دکرتے ہو، توسنو! تمعارے بچیں کی تعداد اتی ہے ، ان میں روکے فلاں فلال ہیں ۔ ہراکیب کے نام کے مساتھ ان کی تعداد بتائی ۔ بھراؤکیاں اتی ہیں اور مہرا کی کے نام کے مساتھ ان کی راوی کا بیان ہے کہ اس کے ایک اوک کا نام حیفریہ می مقارحیب میں وہ خطار موجیکا توغلام نے کہا۔ لا وَمجع خط والی کردد :میں نے کہا ۔ اسے میرے ہی پاس دیسے دو۔اس نے کہا پہیں مجھ بہا حکم السب كمنعيں بيخط بيم حواكرتم سے والي كے اول دميں نے وہ خطواليس كرد إ وحس كا بيان ہے کمیں نے دیکھاکم کل بن خیاب اورامِلہم بن شعیب دونوں کوھفرت امام رضاعلیات ہام کا امامت کا معرمي لعين ندايا الداسى معيدے بران كومن اكئى ۔ وايك دومرى دوايت بمى دمبال من مداس برائ م ک نقل ہے جبیں آب نے اس کی اُجا کڑا والاوں کے ام می تورفروائے ہے کہ درجال کئی مسٹ اس تغیر ۱۳۲۱)

____على بن حين بن عبرالتُّر كا بيان ہے كميں نے حفرت امام رضاعليٰ ليست لمام كوم ليميز تحسیدر کیا کہ آب میری الول عمری کے بیے دعا فرانیں تاکہ جمیں چاہتا ہوں اپنی آ نکتوں سے دریجے مسکول آب نے بواب می محتسر پرفرایا: تیرے سے مہی بہترہے کہ جوار حِمت الہٰی میں بہو کا جائے اور در مخفی مقام حربميهم انتقال كركميا _ درجال کمٹی مس<u>برہ</u> ی مبرالترابن طائوس كابيان بي كميس نے حفرت امام اليست لام سے كہا كہ كيا آپ کے پدر مزرکوارکو بینی بن خالد نے زمبرد یا تھا؟آب نے فرمایا ، بال ، ان کوشس رطبوں کیں زمروماً گیا تھا میں نے کہا کیا انھیں پہعلوم نہ ہوا کہ یہ زسرآلود میں ؟ سمپ نے فرمایا اس وقت محترث غامب مغاد میں نے پرچھاممدّت کون ؟ آب نے فرمایا - وہ ایک فرشنہ سے جوجریل ومیکایل سے بھی بڑا ہے جورسوك مِتبول اكے ساتھ رہاتھ اور آب كے بعد ائر الكے ساتھ رہاہے گر مرفروری نہیں كہ جب كوئى جاہے وہ مل جائے۔ بچرفرایاتم تواہمی اور بھی زندہ رہوئے۔ اور وہ سوسال تک زندہ رہا۔ ____ حیبن بن قاسم کا بیان ہے کہ حفرت امام جعز عدارے لام کے کوئی صاحبزاد مے الت احتفارس تقراور مفرت الم رضا على سيلام كواك ك إس بهويخيف الخير بوقى . آپ كى كس تاخیر پر مجھ مراریخ موا: را وی کابیان ہے کہ آپ تشریب لاسے تیکن معودی ہی دیر کے لعد جلنے كے ليے أتم كل كورے بوئے : حين كايان سے كميں تب كے ساتھ اتما اوروض كيا : بيرے آپ برقر مان به آپ کے چیا کا برحال ہے اور آپ حباری ان مکے باس سے انو کر جل در ہے آ سے اسمنیں اسی حالت میں چھوٹر دیا ۔؟ آب نے فرما یا ۔ میرسے چپا توسنال سخف کو تورد فن کرمی نگے۔ (مافزین سے سے کا نام بیا): داوی مبایات کرتاہیے کہ خدا کی قسم چدی دلوں بس آپ کے چچا روجخت ہوگئے۔ اورا بھوں نے اس مخص کو فود دفن کیا جسن بن خشاب کا بیان سے کہ اس کے بعدوہ من كوميجانے لگے اور وہ اُس واقع كولكٹر بيان كياكرتے - (رجال کئى مسناھ) 🚤 كُلْنَا محستُد كيمساق حسين بن عمر بن يركابيان ب كميس ايك مرتبه حفرت الم رضاعاليت إم كى خديستىن جاعز بيوا . اس وقت واقنى مخار (امام رضاعلاليت للم كوام نهي انتاستا) ميرسع والدهم ا ام رضا علالست الم كر والديزر كوار (الم موى كالم علالست الم على سات موالات دريافت كي مح ائس سے چرسوالات کے جوابات آپ نے دیے کتھے اورماتوی موال کا جواب نرویا تھا : جنانچیں نے کہا بخدامیں می وی سات سوالات امام رضاعلی سے دریافت کروں گا، اگرا تخفرت سے جمی

وبى جرابات ديد جرآب كے والد مزركوار ف ديست تع تو يى آب كى امامت كى دليل بوكى حياكم جب میں نے وہ سوالات امام رضاعل *کیست* لام سے دریافت کیے تو آپ نے بھی بعینہ وہی جل بات کیے جوآپ کے دالدیزرگوار دسے چھے تھے۔ اس بی ذراسا بھی فرق نہ تھا۔ اورسا توب موال کاجراب آپ نے بھی کچدنددیاً۔ میرے والدنے امام درئی کاظم عائیست الم سے بیمبی کہا تھا کہیں قیامت کے دن اللّٰہ كے سامنے آب بروعوى كرول كاكم آپ كاخيال كى عبداللها م منبي ستے: آپ نے ابنا إعقائلى گردن پررکھوکرفرایا۔ ہاں ہاں ، تم اسٹر کے سامنے مجد پر بے دعویٰ هرورکرنا اس بی جوگنا ہ ہوگا وہ میری אט צנט גיקא -حبي وإلى س زحمت بول كاتواب في واياس نوام رسانوي كوئى شخص اگركسى آزاكشش باكسى كليعت ميں مبتلا بوا وروہ اس پرمبر كرسے توالندلتعانی اس كوايك شہيد كے برابرتواب عطافر مائے گا : ييمن كرميں نے اپنے دل يو كہا " بخدا " اس كاتوكوئى ذكري من مقار زیہ بے مل بات کیں کمی عرض میں وہاں سے چلا اورا بھی داستے ہی میں تھا کہ میرے یا فل میں دمسندگی بماری لاحق ہوگئی جس کے باعث مجھے سخت تکلیعن برداشت کرنا ہڑی ۔ گرچ بیکروں براری ایمی قدرسے كم يمتى اس بيرس نے اپنا فرليفندج اواكيلاس كے ليد هذرست الم رضاعليلست لام بي كيرما فري یاڈں میں تکلیعت ابھی تک باقی تتی میں نے مو*ن کیا 'سیں آپ پرقرب*ان'' میرے یاؤں پرکھیودم فرا دیجے يكهكس في اينا باوك آب كے سامنے مجيلاديا ؛ آپ نے فرايا ؛ توابنے اس باوك سے لون دار۔ اب اپنا دومرایا دُں جو پیجے ہے دکھا : میں نے دومرابادُن آپ کے سامنے بھیبلا یا۔ آپ نے اس پرتھا دم کی حبب سکرے نکالو معور سے کی داول میں وہ درشتہ میرے یا ون سے درخوال کیا معول تکلیت (كافي جلدا مسيوم) ___ ایک قت میں دوام مربع تح توایک و ایک میں ہوگا ابن قياما واسطى جوعقيدة وانفى تحفا اس كابيان بسيه كرمين ايك مرتبه حفرت امام رضا علیاست به می خدرت می حامز بوا اور عرض کیا که کیا ایک وقت میں دوایام بویسکتے ہیں ؟ فرایا ، ملہیں۔ اكرميل كے نوایک ناطق اوردومرامامت بوكا: ميں نے عرض كيا ، مرات كے سا غوام مامت توكونى نبيى ، (أس دتت تك ك يك ما حزاد ، حفرت الوحيز تق حراد ملاكست لام توليد بين الحي آپ نے ارمث دفر ایا ، خواکی تیم اسٹر تعالی مجھ ایک ایسا فرزندعدا فراسے کا جوس اور الی من کوفائم كيسه كااور باطل اورابل باطل كومثا دسه : مجرابك بي سال بدحفرت ابوج بغر محدثى جرادي والمدت

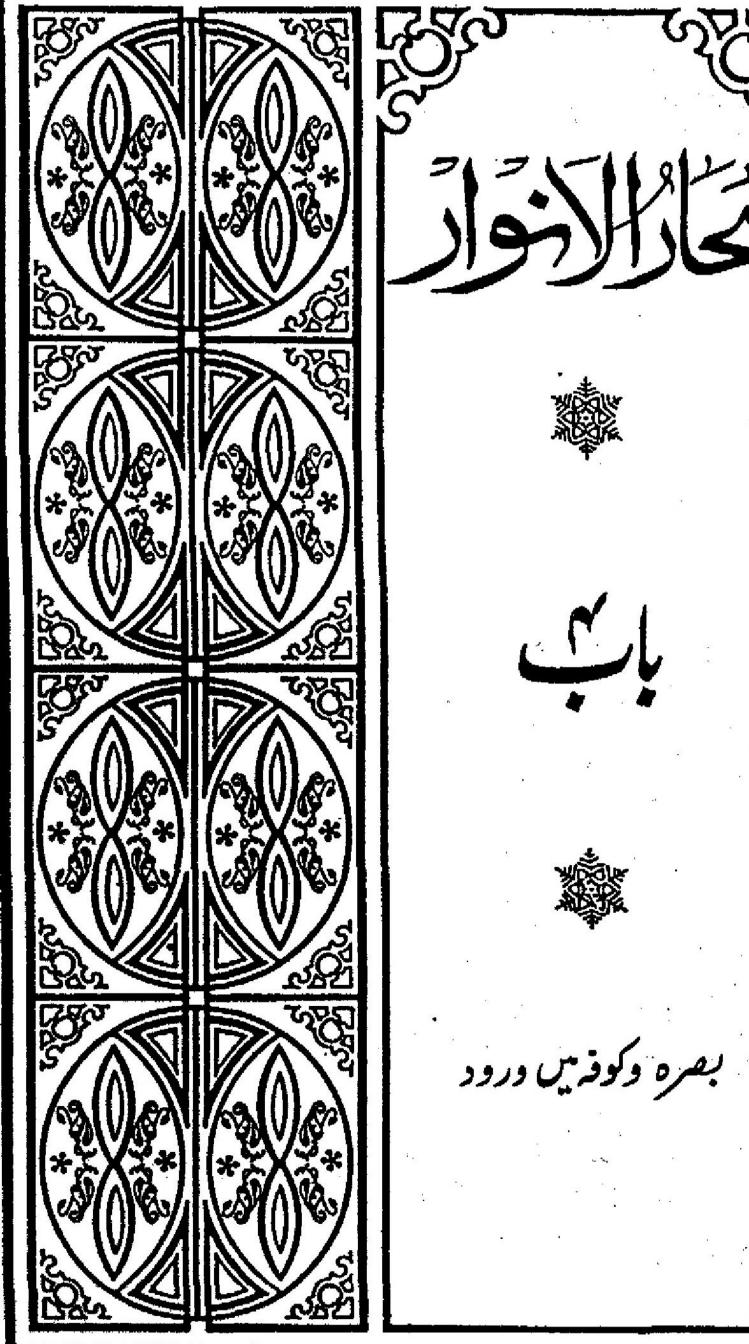
باسعادت فهوربذير بهن حبائج ابن فيا ما واعلى سے كہا كيا كہ كھا اب اس علامت برجي تم قناعت مذكروكے؟

﴿ كَيَامَتُونِ مِرْسِيمُ عَلَامِت كَيْ خُرُورِت ٢٠٠٠ : أس نے جواب دیا ، منہیں - بخدا ، برمبیت بری علامت ے مرحفرت الوعبداللرا م حبغرصادق عليكست الم جابن فرزند كے بلے فرواكتے تفاس كوكياكا؟ (كانى مبدا ماس بره س عکیمہ بنت موسی سے دوایت ہے کمیں نے حضرت ا مام رضاعلی سے لام کود میکھا کرآپ بیت حطیب کے وروازے ہرکھوے ہوئے آمہت آ ہسترکسے جانیں کردسی تے مگر مجھ و إل كوني دور التحض تفرنهي آيا: تومين كن عرض كيا ، آپ كس سے معروب كفتگو سنتے ؟ آپ نے فرایا ۔ برایک زمرانی بامث ندہ سے میرے باس آیا ہے اس نے مجدددیا فت کیاہے اور مجہ سے ایٹا د کھ در دیبان کیاہے : میں نے عمض کیا : آ قامیں بھی چامی ہوں کراس کی آ واز شنوں : آپ نے فرایا اگریم اس کی وازمسندگی توایک سال تک بخاری مبتلارموگی: میں نے عرض کیا جو تھی ہو مگر میرے رُسُنَّنَا چاہتی ہوں : آپ نے فرمایا ' احجا ' لامُسنو! میں نے ایک پیٹی جسی آ وازمشنی ؛ مجرمجھے بخار آگيا جوابگ سال تک ريل (كافى مبدا مص مناقب آل ابی طالب ج م صهر مین می اس کے شل روایت ہے - حسن بن علی الوشاً رکابریان ہے کہ میں ایک مرتبہ خواسال گیا۔ میرے پاس تجارت كه يليم لي لوست والم يقط يقير و بال سي شهروب وي التكاوفت مقا (عقيدة واتني مقار لعنی حفرت الم مولی بن مخفر برتوقت کا قائل مقار) میں نے وہیں تبام کیا۔ وہاں مجھے ایک عبیمی فالم ملا معلوم ہوتا تھا کہ وہ مدینہ کا باکٹندہ ہے۔ اس نے مجعیسے کہاکہ میرے آ قانے بھے سے کہلایا ہے كمميراايك غلام مركياسه لبذا وهمين جادر جوتماست باس سيجيع دو تأكمس اس كوكفن ديدول میں نے پوجہا تمہارا آ قاکون ہے؟ اس نےجواب دیا ۔ حفرت علی بن موسی رضا عدارست ام جمیع نے کہا' میرے پاس نزکون چا درہے اور نزکوئ حُلّہ رسب میں نے داستے ہی ہیں فروخت کردیے؛ وہ غلام ملاكا ا در كيروالب اكرلولا كرجا در تويمقارب ياس موجودسيد : ميس نه كهاكم مجيئ بي علوم كم مير ساتھ کوئی جا در بھی کہ وہ جبروالیں چلاکیا سکن مجدد برکے بعد معبروالیں کیا اور کہا ، وہ فالل اوکی ہ رکمی ہوتی ہے ، میں نے لینے دل میں کہا کہ اگروا قعا یہ بچے ہے تو معربہ بات آپ کے علم المامت کی دسل ہے بات پیمتی کرچلنے دفت میری اوکی نے مجید ایک بمنی جا در برایٹ فروخت دی تھی اسکی قبمت سے خوامیان سے فیروزہ ا ورمنیکا مہاہ (ا مکفتم کا بقریب) خرمدنے کی فرالش کی متی مگرمیں مجول گیا تما میں نے اس خلام سے کہا ، اچھامیں لوکری کے لیے آپ نے فرما یاسے اسے تم بی انجھالاؤ - وہ میرے سا ان میں سے دی وکری نکال کرہے آیا ؛ میں نے اسے کولا توکیروں کی مترمیں وہ جاور لگی ؛ میں سنے چادداس کے والے کردی ۔ اور کما کہ اپنے آ قاسے کہ سا کرمیں اس کی کوئی قیمت بذلوں گا؛ وہ میلاگیا اور وائیں

آیا ادرکہا ۔ تم وہ چیز مہر کررسے ہوج متعاری نہیں ہے ۔ یہ تومتعاری فلاں لڑک نے تم کو برائے فروخت دى تى حبى كەتىستىست فىروزە ادرمىياە مىكاخرىيىنى كى فرائىش كىتى. لېذا بوچىزاش ئىے مىگا ئى تى دە خريداد فراسان ين اس جاددك ج قيمت و علام كم المقريم وى ب اس وانعد نے محصر سے ندہ کردیا۔ مجرس نے دل میں کہا ، خدا کی تیم ای میں آپ ک آنیائش کے ہے جندوہ مسائل لکھ کرنے جاؤل گاجن پی مجھے شک ہے جواس سے قبل آپ سے والديزركوارس دريا نست كيے مختے سے . لبذاميں نے وہ تمام سوالات تخسسرير كيے اور ايك في ميں مِنْدُكُ سِكَ الْمِنْ الْمُستِينَ مِن دِكَعَ كُرْمَعْرِتِ الْوَالِحْن عَلَيْمِسَتِ لِلْمِكَ ورِدولت يُركيا رميرس سامَةِ ميراليك سائتی بھی بختا جومخالفین میں سے مقا گررتغصیل اس کے علم پر بہیں بخی ۔ حب در دولت پر بہر کخیب ات د بچاکه بهت سے المی وب سروار اور نوی بی وال موجودیں میں آپ کے بیت الشرف کے ایک كوشت ميں جاكر مبيط كيا۔ دل ميں كہروہا مقاكر ديكيوبس ممارى الما قات كربانك بوتى ہے جب بيط بيع كافى دير موكئ توول بردامت مرموالسي كالراوه كيا كراس اثناآب كالكفام آياؤ ايك ايك كا چېره ديني ناکاورلولا دخر اياس کا فرزندکهال هه: ميں نے کها ميں يبال حا هزيول بين اس خ ا پی آستین سے ایک ڈبرنکالی اور کہنے لگا ، یہ ہے متعادسے مسائل کا جواب اوراک کی تشریع ۔ میں نے اسے کھولا تواک ہی مسائل کے جوابات اس میں درج ستے جومیری آمستین میں ستے میں فورًا إلى أتماً عنى التراوداس ك رسول كوكواه كرك كهنا بول كرتب يقيدًا حجنت خدابي اورسي الترسيم يعانى جابرتا بول اودتوم كمرتا بول. يه كبركرس المفالوميرے سائتی نے كبا : كبال مجالكے جاسب ہو ایک الاقات نا کرو سے ؟ میں نے کہا ، میرامقصدلج را ہوگیا۔ اب میں معرکسی دوزاب ے سانے کے لیے حا مزہوں گا۔ (عيون المعجزات) مناقب آل ابی طالب مبلدی ص<u>سس سیمی</u> وشاء سے اس کے مثل مواہت منقول سے جں کدعامہ نے بھی آپ کے عجزات کے ذلی می مسبد در کیاہیے۔ س میرے والد بزرگوارکے تبرکات میرے والد کرو مسافر کابران ہے کہ جب حضرت اوا داہم علی سندے کو درمیزے ہے جایا گیا تو آپ نے حضرت ابوالحسن علی دصا علی کست لام کو بوایت فرمائی کہ جب تک میری وفات کی اطمال حم کو شهے اس وقت تک دروانسے برسویاکر واوی کابیان سے کہ ہم ہروات کوحفرت ابوالمس علیات ام کے لیے وروازے پر ببرن الدياكرة عق آب بعد عثا تشرلين لات اوروي سوجا ياكرت مع يوتى تب بيناتون

واليس تشرلف العراقة معيميم آب سي إلا تيده المورير كمعالف كى كونى جزر كع دينة توآب اس کونکال للیاکریتے ، صرفت پر تباہنے کے لیے کہ بہس اس کا علم ہے اوریم سے جھیا نا مناسب بہس ۔ ایک سنب آپ کے آیے میں بہت دم میونی تو اہلے خانہ کو پریشانی لاحق ہوئی۔ادھر ہم سب بھی پریشان ہو گئے ۔ حبیق دات گذرگئ تب آپ تسرلیف لاے ا در میت السروٹ میں داخل ہو كم أم احرك باس تشرلف ك كئة اورفر مايا" وه المانتين جوميرك والديزر كوارة تميمارك باس لطوا ا ما نت دکھ دی تقیں میرے حوالہ کردڈر یہ مُن کروہ چینے جانبے اور سروسینہ پیٹنے لگیں کہ ہاے میرے ا قاوفات پاکتے: آب نے فرا یا جبتک کوئی الملاع ندا جلٹ گرد کرنے کی خرورت بہیں: اُم احمد آپ کوا مانتوں وال لوکری دمدی ۔ (الخلائة والجائع - كان جلدا صلم) (P) ____ مشارق الانوارس بری کی روایت ہے کہ ایک مرود واقعی نے بہت سے شکل مسائل ابك كاغذ برقلبندكيرا وردل بن كين لكاكه اكر حفرت المام رمنا مليست لام اس كامطلب مجع كنه تو میں مان بول گاکہ آب واقعی ولی امریس: یہ ہے کروہ آپ کے در دولت پر آیا اور مجیع کے کم ہونے کا انظار كرف لكاكراس النارايك خادم اندرس برآرموا - أس كے المحدي ايك رقع مقاص ي خودا الم كے قلمست اس کے تمام مسائل کاحل اورجوابات مخسب رستھے رخادم نے آکراش سے کہا، بڑا وہ سائل كالمؤمادكيان ب راس نے نكال كرخادم كود كھايا تواش نے كہا ، كدا مام عدا ليست لام نے فرمايا ہے كہاس رقع سيرب إس طومارا ورسائل كاجواب سے رائس نے وہ رقعہ ليا اور جيلاكيا . ا المام من المحاكم المان ب كر حضرت امام رضاعل في المستبلام في المحاسب من الما الما الما المام الما المام الم لا إله الآادله فالاستخص مركميا - بيم تقوشى وميسك بعدفره يا لا إله الآادلله اب اس كوعسل کعن کے بعد فبرکی طرف ہے جایا گیا۔ مچر متحوثری دیریے بعد فرمایا ، اب لیے قبرس ا تاردیا گیا اوراس کے رُب کے تعلق سوال کیاگیا ، اس نے جواب دیا ۔ بھرنی کے متعلق سوال کیا گیا ، اس نے انحفرت صلى المتعظيد وَالْبِرَوْمُ كَا قراركيا - يحجرا م مصنعتى سوال كياكيا تواش نے سب كا نام بتا يالىكن جب میری مرتبه وه کد گیا (معلوم مواکه وه شخص واقعی مقا) راوی کابیان ہے کہ جس وقت حضرت ایام رمناعلی مخواسان تشرلین لا کے تو تهم اطرات كے شیعہ جوق درجوق آپ كے ياس پہو كنے لگے ۔ جنائج على بن اسباط بہت سے كالك الع كردواند بوامكر داستدى من خاكريزكيا اورسب بحدوث باكيا وفداش كيم مندريمي جوا آن من کی وجہ سے اس کے دانت دا رامیں وغیرہ می ٹوٹ گئے ۔ وہ غرب باس کے ایک قریب سی چلا گیا۔ وات كوسويا توخاب بي معرت الم معنا على سيل الم كود يجعاكراب فردار بسياتم فم خروممة الما تام مال اود تحالف ہم تک پہری گئے ہیں لیکن رہ تی متعارے وانتوں کی فکر، تواس کے بے سعد کوسنون بناکر

منه مي جراد : على بن اسباط كابيان سي كدين واب ديجه كرمس وش وش بيدار موا. فوراسعد كو سفویت کیا اوراس است منعوی مجرایا اورانشرتعالی نے دویارہ دانت اگا دِیے: داوی کابیان ہے کہ جب وہ اہم رضاعال کست لام کی خدمت میں پہونجا۔ اور اِذ ن بارمانی بان توآپ نے فرایا کرسور کے بارے میں جو کھیدس نے مراب کی تھی وہ تو تم نے سے بایا۔ آپ تم ا پنا مال دامسباب اور تمالفت محى د ميكه لو: حبب وه مال خانه بين داخل بوا توتيام سامان نيركانت موجود پائے مب کچھ قاعدہے رسکے پوئے کے۔ س موت کی قسیس حفرت امام محدِّقى جواد عليكست للم في بيان فراياكه اصحابِ امام دمناعليكست للم مي سے ایک شخص بیار موا۔ آب اس کی عیادت کے لیے تشرلین سے مجتے اور کیفیت وال دریافت فرایا اس نے وض کیا کہ آپ کے پاس سے آنے کے بعد توسمہ لیجے کہ دوت کاشکار ہوگیا ہوں (مطلب یہ تھا کہ شدید مرض مين جنلا بون): آپ نے فرايا اس سے مل کرتم نے اس کو کيسايايا ؟ عرض کيا ، بهت اذرت ناک آب نے فروایا اہمی تم اس سے نہیں ہے ہو ملکہ الیسی چیزسے مے ہوجو متھا ما تعادیث مورت سے کواہے ۔ یا در کھو! ووٹم کے لوگ ہوتے ہیں ایک وہ جوموت ہیں راحت محکوں کرتے ہیں ا وردوس وہ جوموت سے نکا کرداحت محص کرتے ہیں۔ انھیں موت سے تکلیعت ہوتی ہے۔ لہذا الشراود ولایت ہم اسٹ ايان بازه كريو. يحيرتميس موت بن راحت محسوس بوگى : اشتخص نے ايسا بى كيا ـ يچرلولا قرزندرمول ! یہ الٹرکے بھیے ہوئے فرشتے ہیں جو کھنڈ درود سکے ساتھ آئے ہیں اورآپ کوسلام کہتے ہیں اورآپ کے سلمنے کھڑے ہیں اتھیں بیٹھنے کی اجازت دیدیں: حضرت امام رضاعلب کست لام نے قربایا میرے رَبّ كے ملائكم بیٹھ جائد: تھيرآب نے مريض سے فرمايا ، النافرشتول سے دريافت كرو، كياان كوميرے سامنے کھڑے دیہے کامکم دیا گیاہے: مرایس نے بتایا کہ یہ کہتے ہیں کراگراسٹر کے پیدا کیے ہوئے تمام فرشتے بھی آپ کے سامنے آجائیں تووہ کھوسے ہی رمیں گئے تا وقعیکہ آپ ان کوشیطنے کی اجازیت نہ دیں رہی ان کے اس کے بعد دریش نے ابی آنکھیں بند کریں اور عرض کیا ، فرزندرسول آپ پرمیراسلام ہو آپ کی مشبیہ مجھے امشہا ومخد و انکر کا میرین سے ملا رسی ہے ۔ یہ کہ کروہ شخص فومت موکیا ۔ (دموات داوندی



_ امام رضالين آبار واجداد كيطرح علم غيب التي تق محدبن خن بالمحديث روايت بي كرجب حفرت المام يولي بن جغ علاليستيا نے دفات بانی تومیں مریز بہو کھا ورحفرت علی ابن موئی الرضا علی مستسلام کی خدمت میں ما هزوا أ ملام ومن کیاا ورجعی تبرکات میرے ساتھ تھے وہ سب میں نے آب تک پہونی دیا ورعرض کیا كمين بعره جارام مل كيونكر ويال كے لوگول بين الواا خلات ہے اور وبال مي حفرت امام وي اب حج کی وفات کی خبر پہری جی ہے ۔ مجے تقین ہے وہ آپ کے امام ہونے کی دلمی فرور اوجیس سے۔ اب الماسيدي آپ كاجوائے مو: معفرت امام رضا علي سند زمايا ، تم ميرے متعتن فكر ذكرو. كبھر وغيره ميں ميريے ماننے والول كوير بينيا م يہنچا دوكميں خودان كے پاس بہو يخنے والا بول . (اور بيار یاس) نہیں ہے کوئی توت نیکن پر کہ وہ النہ سے طی ہے : اس کے بعد آپ میرے مائے وہ ترکات می المت جومینیراکم صلی السعید والموسم اورائم فاہران کے یاس ہوتے ہیں۔ جیسے انخفرت کی جادد آپ کا عصاء آپ کے اسلی وغیو: میں نے عرص کیا ، پی کپ تشریع لائیں گئے ؟ اپ نے ارشاد فرایا: تمعامد بہرنجے کے تین دن کے بعداً وُل گا۔ چانچمیں پہونچا، لوگول نے حالات دریا فت کے دمیں لیے انعیں تایا کمیں

حفرت الم مؤی بن خبر مسلیت الم سے آپ کی وفات سے ایک دن قبل طاعفا . آپ نے ارشاد فرایا کہ میری موت بھی بنا ہے ہے ا کہ میری موت بھینی ہے ۔ لہٰ ذاجب ہم مجھ مبر دِ خاک کردد ، توبیاں مرکز نہ تھی ہا ۔ میری درایت بس ایک میری مربیت مسیعت مربیہ چلے جا تا ادرمب کچے میرے فرزندعلی ابن مؤی تک پہوئیا دینا ۔ اس لیے کہ دی میرے وصی ادرمیرے لعدصا حب اللمربیں ۔ میں نے دہی کیا جو حکم ہوا تھا ۔ ا مام علی رونا علی کستے الم خود وصی ادرمیرے لعدصا حب اللمربیں ۔ میں نے دہی کیا جو حکم ہوا تھا ۔ ا مام علی رونا علی کستے الم خود آن سے جو کھی دریا وت کرنا ہو اوج المینا ۔ میں اس ماری کی کارون میں کارون میں اور میں اور میں اللہ میں تا میں کے بھی ان سے جو کھی دریا وت کرنا ہو اوج المینا ۔

عروب براب سادے لوگوں کی کائنگ کرتے ہوئے بوالا و درحقیقت ناحبی کا اور کرداد اور زبیرہ اور معزلہ کی طرف ما تل کھا۔) لے محد بن نصل منو! حسن بن محد زم و لقوئی، علم اور کرداد پی املیدیت دسالت کے افاصلین میں سے ہیں اور محجر دوعلی بن موئی المقائی طرح جوان محی ہیں ہیں بلکہ عمر درسیدہ ہیں اور خالباً اگرائن سے شکل مسائل دریافت کیے جائی آورہ بھی تا ہواب دیں گئے: اتعاق حسن بن محدی وہی موجود تھے ، فرا لیسے ۔ لے عمروا الیسی بات مذکر ، علی ابن موئی فیفائل وادمات شہر اعلیٰ اور بلندی اور محدین نفل نے یہ فروی ہے کہ وہ فود عین دن میں پہاں پہر دی جائیں گئے وہ تیرے ساسے ابی اور مدین دول بیش کرس گئے ۔

راوى كابيان ب كمير المري واخلے كتسير ون حفرت امام رصاعلينام تشرلین لا کے اورس بن محد کے مرکان کارج کیا۔ بہی آپ کے اوامرو اواری کوجادی کرتے تھے ملاقا كے بعد فروایا' لے حسن بن محر! عوام الناس بالخفوص اکن سب لوگوں کوجیے کروج محدین فضل کے اپس استريخ نيزتيخ لمنضوالول كوا ورجا تليق نعرانى اورداس انجالوت يهودى كونمبى كملاو-اودان سيتبص كبدوكرى سے وليجها جائيں آكر دديافت كري : انخوں نے سب كوجع كيا زيديرا ودمعز لرعي كئے لمرتمى كوتمى معلوم مزمقاكه بركمول جن كي جارب بي جب كانى مجمع موكيا توحفرت امام رضا عليكام کے بیے مستد مجھانی گئی۔ آپ اس پر تشرلعی فرا ہوئے اور مجن کو خطاب کرکے فرمایا : السالام ملی م رحة التدوركان، آب كومعلم ب كمين في يديد سلام كيول كيا؟ الخول في جواب ديانين : آب فرايا السرائي المعاريد ولمطن بوجائي المس في كما التراب كا مولاكريد ودا آب يەفرىكىيى آپ كون بىل ؟ آپ نے اوشادفرایا امیں علی بن موسی بن حبوبن محدین علی بن استین بن علی بن ابطا ہوں اور فرزند دمول ہوں میں نے آئے مجے کی تما زم پر دمول میں والی مرند سے ما عقادا کی رنمازے فارق ہونے کے بعداس نے مجے اپنے ایک سائٹی کا خط دکھایا جواس کے پاس موجود تھا بھر کھے امورس آس نے مجھسے شورہ چالے امیں نے مفیرمشورہ دیا ۔ اس سے میں نے بہی وعدہ کیاہے کہ آج بعدع حرشام کے وقت میرے یاس آے ناکہ خط کا جواب انکھاجائے ۔ جو مدہ اس سے کیاہے وہ میں پوراکروں گا: ولاحول ولاتوة الابالله - مجے نے کیا فرزندرسول ! ہیں آپ کے بارے سی کسی دلملی و تبوت کی خرورت نہیں ہے آپ بہارے تزدیک صاوق العول ہیں ۔ اس کے بعدوہ منتشر مہونے لگے: امام علی سے فرمایا ، ایمی توقعت کرو تاکه میں تمصیں بہاں جمع کرنے کی وجہسے بھی متنبۃ کردوں ، یہ فرماکرآپ نے مزید ارشاد فراما كم محبرسے آثار مرقبت وغلامات امت كے مقل جن كومم اہل بریت كے علاوہ كہیں بنیں باؤكے يويا بوسوال كرو موال ک ابتدا رعری متراب نے کی اورکہا کہ محدین فعیل نے تواکپ کے متعلق اسی یا تیں کی بي جن كودل قبول نبي كمنا : آپ نے قرابا وہ باتي كيابي ؟ عمروين براب نے كمإكراكفول نے آپ كے بارسي بنا باسب كرآب كوتمام آسماني معيفول كاعلمسب اورآب دنياى مرزمان اودلعنت سے واقعت ميں۔ ا ام رضاعل لیست به منے ادا اوفرا باکرم در قصل نے سے کہا: میں سب سے پہلے دنیا کی مختلعت زبانوں او ىغىز*ى كەنتىل ئېين كىلى كەراپىل* : دىكىو! اس تجى يى ايك خلال تخص دوى ہے . فالمائىخى مېنىك ب يتخف فارى ہے اوروہ مختص تركى ہے ہم نے سب ہى كوبيإل بلايا ہے ۔ تميراً ہے نے ان لوگوں سے فرمايا كم

المبذاان ميں سے متحف نے اپن اني زبان مي آب سے موالات كيے اور آب نے اُن ہ كى زبان ميں جواب ديا۔ يرمبرت منحير ميوے اورا قرار كرنے لگے كراب نے بارى زبان ميں بم سے زياره في كام كياب: اس کے بعد آپ نے عمروین بڑاب کی طرف دیکھا اور فرطایا ، اگر میں مجھے یہ تبادوں کہ تو عتقريب ابنى جندولول ميں اپنے كسى كاشتدوار كے خوان ميں الوده بوگا۔ توكيا تواسے سے نہال لے كا ؟ اس نے کہا کہ منیب کی ہامیں سوا سے الشر کے کوئی اور منہیں جانتا : آپ نے ارشاد فرمایا : کمیا الد تعلیے بني الثاد نبي فرايس : عَالِمُ الْغَيْبِ فَلَا يُظْ مِي عَلِي غَيْبَ مَ لَحَدًا إِلَّاسَ الراتضي مِن رَسُولِ (مررة جن آيت ١١) دو وه خیب کام؛ سے واللہ اور است عنیب کی بالوں برکسی ایک کومی مطبع نہیں کریا۔ گرمرت اسے عمل کودمونوں میں سے آس نے اِس کے لیے منتخب کردیا ہے ۔" المنزاجان لو ابكه دميول اكرم صلى الشرعليد واكبروهم الشريك نزديك منتخب ا ودرم صنى مي اور ہم اہل میت دسول ان کے وارث ہیں۔ ہم ہی ہی حن کو الشرف اینے غیب برجتنا چا باسے علی فرادیا۔ نيس تا قيامت وكيد بوجيكا يا بوك واللب مب حالات س ماخرس ؛ اوروه امركمس ك خرمين نے تجے دی ہے پانچ دن کے اندر ہونے والاہے۔ اوراگر بیرنہ ہوتو محبولیٹاکہ ابتک جکھیمیں نے کہا ہے وہ سب غلط اورافر اہے۔ ا ورا گرمیج ہو تو بھریہ جان ہے کہ توالٹراوراس کے دمول کی باتوں كور دكرد إلى . دوسرى دلى يدب كعنقرب تيرى آنكيس انتوب كم آنيس كى بجرتوا مزجا برجاشي كا ايسا ا ندهاكه توسموارو نامموار مسبل وحبل ميس سے مجھ نديجة مسكے كا . يدى بهت حبد مونے والائيے . آور تیرے لیے میسری دسل یہ ہے کہ توجو العلف اعطائے گا اوراس کے عذاب میں تومروس ہوجائے گا۔ محدین نسفسل کابان سے کہ خدالی قسم ابن تراب بربیرتمام عذاب نازل ہوئے۔ اس سے ا پرجها گیاکہ تناؤ حفرت امام رمنا علیاست اس سے سے فرمایا یا حوث ؟ اس نے جواب دیا۔ خدا کا معم میس ا ام علیاست ام نے پرسب کمچے فر ما یا تھا اسی وقت میں جان رہا تھا کہ بہرب م دکرد ہے گا ، مگرمیں توائن سے مرت انجد دیا تھا۔ - اس کے بعد حفرت امام رضا علی سے الم جانبی کی فریت متوج بھیسے اور فرایا: تا وکیا انجيل نے حفرت محرصطف ملی الترعلیرہ الہولم کی نبخت کی کوئی دلیل پیش تنہیں کی ہے ؟ اس نے جاپ دیااگر الخبل میں کوئی وسیل موتی توم الن کی نجرت سے انکاری کیوں کرتے: آب نے ارشا دفر ایا ؛ انجبیل کے مغرسوم میں جہاں تم کوسکتہ کا حکمے وہ کیاہے ؟ جاتلیق نے کہا وہ الشرکے نامول میں سے لیک

وه اني ايى زمالول بين جوچابي وريافت كري ميس سب كاجراب آن يى كى زمالول بين دول كارات الله

نام ب اورمواسد بے اس کا الموار جائز تہیں : حضرت الم رضا علی سے الم الركا اكرس بياتا كردون كدوه مخركانام اوراك كاذكرب اورصفرت عيل في واس كااقرارفر ماياب اوزيارالل كو حفرت ممل الشرعليد وآلم وسلم ك بشارت دى ب وتم اقراد كراه كارتومني كرد مح اس في إراكري في المراب في المراب في المات كرويا توم اقراد كرس كراس يد كرفا مرب م الجيل كوتو رومہیں کرسکتے نہ اس کاانکارکرسکتے ہیں : آپ نے فرایا ، ابہم سے وہ سفرسوم سنوس میں حفزت مَرُكا ذكريب اورس من صفرت مينى نے حفرت مخرك آنے كى بشارت دى يہ : چائجد آپ نے الجيل سي سغرموم كى تلادت مشروع كى جب ذكر حفرت محرص الشعليدة المرسم برمير بني توجاتيس س فرایا ، بتاؤوہ موصوب کون بیں جن کے بیرتام صفات بیان کیے گئے ہیں : جاتلیق نے کہا [،] آپ ہی بتائي ده كون بي : آب في را إمين اس كويتاؤل كاجس كوالشرف بتايا ليين وه اون برسوار موتا بوگا ، با مقرس عما بوگا ، دوش پر دوابرگ - بدوی نی ای توسی جن کوید لوک توریت ادرایس میں لکھا بھا باتے ہیں۔ بدائفیں شیل کا علم دیاہے بران سے منع کرتاہے۔ ان کے بے یاک و لمتیب چیروں کوحلال کراہے گندی ا ورجبیت چیروں کومرام کراہے۔ ان کے سرکے بھیرکوا اراہ ان کسے ذيخرون كوكامَّنا * اومحتفرترين وامسة عدل وانعيات اورمراطِمستقيم كي رابت كراب. المعاتلين ميس تجهي حفرت عينى روج الشرا ورسكمة المتركي سم وسي كراوجها بول كياتم اس بى كى يىمىغىت الجبيل بى يات بو؟ اس نے كردن جمكال اور كيد درسوجاكم الرائبيس سے ان کارکروں گاتو کا زیروا کل گا: المندا ، کہاکہ ہاں ہاں یہ صفات تو انجید ل میں مذکور می اور حفرت مینی نے بی الجبیل ی اس ی کا ذکر کیا ہے مگانعاری کے نزدیک یہ درست نہیں ہے کہ اس تی سے مراد آپ نوگوں کانی ہے ، حضرت الم رضاع نے فرایا ، چلواتنا تو ہواکہ تم انجسیل کا ان کا رکھ سکے كافرمنين بوي اوراس بي محمسل الشركية والمراح كي واحصاف خركوري اس كابحي تم في الركوايا اب مجدسے الجب ل کاسفر دوم کھی سنو احس میں ایخفرت کے سامقدآپ کے وہی 'آپ کی بیٹی فاطم اور حن وسین تک کا ذکر موجود ہے يبهن كرجاً تيبت اورداس الجالوت كوميِّره كي كياك يرمغرت المم رضاع ليكتيله توريت والجيب ل كيمي عالم مي ر لهذا المفول نه كها بخدا آب نے امسى چيز مي شي كي كون كا الكار ممكن مي منہيں ۔ بيٹيک حفيت موسی اوچ خرت عسیٰی نے ایک لیسے نبی کی بیٹا رت دی ہے لیکن ہمارے نزديك يهزنا بتنهي ب كداس سے مرادح هرت محربي راكرهم فيطعى ب كداس ني كانام مخدس الي بي مارسے نزد کب جائز بہیں کہ بم آپ کے نی کی بوت کا افرار کرنس راس کیے بہی اس می شک ہے : آپنے فرمايااس كامطلب يهب كرتم الب شك كودميل قرار دسه ويب مجرر احها يه بياز والشرتعاليات محفرت أدم مصليكمان تك حفرت محرسي الترعليه وأكير وسيصيل بالمحفرت بي يعيد لوق البا نى بميجاسي كانام مخرد إبير ياكتب انبيادس سي سي كواد شرف ان پرازل كيا بوياكسي كمار مخرکے ملاوہ کسی اور کا ذکر ہمنے باہا ہو؟ حب ائسے کوئی جاب مزین بھاتولوسے اسمارے ہے بیمناسپ بہی کیم اس بات کا قرار کمیں کہ اس محترے مراد آپ کے محتریں ۔ اس سے کہ اگریم نے آپ کے مخرکا ورومی مخذان كى دختراور دون فى فرزندول حن وسين كا قرار كربيانو ميرآب لوگ به سيرا دين إسلام مي واخل كرنس كي يد المم رصاعليست المسف ارشاد فرايا الدعافليق مم معلن ديد الشراد واس كايوليا صامن بیں کہتم کوا مان ہے اور مہاری جانب سے کوئی اسی بات مذہوکی جو تھیں نالیسند ہویا تم جن ورت بواود کاریب بو: اکس نے جاب دیا اچھا اگراک کی طرف سے امان ہے توسینے کہ آورات اور الجیل اور زلورس اس نی کا نام مستند اس کے وسی کا نام سسل اس کی دختب مانام فافرت اوراش کے نواسوں سے نام حن وحسین ہیں : حفرت الم رمن اعلیٰ سے ارشاد فرایا كرتم في جويد بتاياكر توريت و زلورادو الخيل بي أس بي كا نام يسب وأس كے وصى كا نام يہ بي اس كي دختر كانام يرب اورأس كے نواسوں كے نام يري الويہ يج ب يا جوث ؟ أس في إب ديا، بالكل ي ب ران كما بول (صيغول) ين ج كي كما كياب ووحق ب _ راس الجالوت ببودی سے امام کاخطاب جب حفرت الم رضا علی مسترام نے جاتمین (نصاری) سے اس کا آفرار ہے ایا ا تب آپ نے داس انجالوت (پہودی) کو مخالمب کیا اور ارشاد فرایا سے داس انجالوت ! اب تم بمى معرت داؤدكى كماب زلور (بوالترف نازل فرائىب) كافلان سفرسنو! اس في كماجي لم مستنائيم التراب كوادراب كي آمام كوائي بركرون سي نوازك حفرت امام رضا ملئيكت لام نے داور كے سفراول كى الدوت فرماتى اور جب اس مقام برم پر کنے جہاں حفرات : مخدوعلی و فاطمہ ا درسن دسین کا ذکر ہے توفر مایائے راس الجا اوت مجھ فراک تم بنادے کہ محصرت داور کی زلورس ہے ؟ یانہیں " کھے می اس طرح الل اور مناخت عبردیا جا مکسی حس طرح بم نے جا تین کو دیاسہ: داس انجالات نے کہا ، زاوری ابعینہ میں ہے۔ اددائن حفرات کے ناموں کے ساتھ ہے : امام رصاعالی سے فرایا سیجے ان دس آیات کی تسم بوالنسف توریت می مفرت موی بن عمران پر نازل کی بی ، کیا توریت بین وه آیات تونے دیمی بی ا

جی إل ، جابس سالکارکمیسے گا وہ اسے رہے سے اوراس کے انبیاء سے ان کارکرے گا۔ ا مام مضاعبيلست للمهن ادشاد فرطا كم اب توريث كا فلال سغرسنو! اوريم آب نے توریشت کی تلامت فراکی ؛ راس انجالوت آپ کی اس تلاوت آورلیب ولہم وقعا حت زبان ہ حيرت ذوه متعا - حبب آپ اُس مقام پرمپوریخ جهاں ذکرچھ رت محدمصطفے صلی انڈ علیہ وآلہ وسلم ہے توراس الجالوت في كماكم ال بداحاد اورابليا ادر منت احاد اود شبروشبيرسد اورعري ذبان یں اس کے معنی محروملی وفاظمہ وحسن وحین کے ہیں۔ امام رضاعالیست الم نے اس سغرگی آخر تكب ثلاومت فسسراني حب آب الادت سے فارخ بردے تو راس الجالوت نے کہا الے فرزند محرًا بخدا المرجيب ابى اس سردادى كے جانے كاخطوں نہوتا ہو ہيں تام قوم بہود پرحاصل ہے توسس يعنيا احرا برایمان ہے آتا ا درآپ کے حکم کی ہروی کرتا۔ گرش پہیے کہ میں اُس فات کی تسم کھا کرکہتا ہوں حس نے موسی برتوریت نازل فرائی، داؤد برزاور نازل فرائی سے کہ توریت وانجیل وزاوری آپ سے بهترتالوت كرنے والا اوران كتابوں كى آب سے بہترتغير بيان كرنے والا آج تك ميرے ديكھنے مِن بنهي آيا۔ ___ امام کی مدیندروانگی اوروایی برروی کنزسے گفتگر حضرت امام بضاعليكست ام نے دقت زوال تك مجمع سے خطاب فرايا اور ارشاد فر ایا کہ اب میں مدینہ جاکر اس وعدہ کے بموجیٹ جومیں نے والی مدینہ سے کیا ہے کہ میں اس کے خط كا جواب محسد يركر وول كا » انشاء الشركل مع بجروالي آول كا - (روانكي مضيل آپ نے كازا دافر انى) ـ دا وی کا بیان ہے کہ عبدالنٹرین سیمان نے اذان دی و اقامیت کہی و امام رمندا علامت المحريط الاسرير خوات نے آپ کی اقتدار میں نمازادا کی جس میں حفیعت سی قرأت كى اودىتېدىرىمىنىت دىون كىيا ـ بعدفراغىت ناز آپ مريزتشرلىپ لے كتے ر دوسرے دِن مِن اَب کی والسی بونی جھے آپ کامنتظرمِما آپ جمیے میں بہو بچے توآپ کے سامنے ایک کیزرومی کائی گئی۔ آپ نے اس سے رومی زبان میں گفتگو شروع کی اور جا ٹلیت بھی بهت غورست مُسنتا رَبَا كيونكروه مجي رومي زبان مجدايتا بخيا: ا مام رضا عليمستندتام في اس كيزسب دريافت فرايا و تجمع حفرت محكر زياده ليندس ياحفرت عيشى ؟ اس نيجاب ديار جبتك مين حفرت مخرس الانعن مخ معص مفرت ميشى زياده ليسند سخ ، محرجب مين مغرب محرّس وانعن موكّى آواب حفرت محدِّ بی محد حفرت میشی ملکه تام اندامه سر : پاده له زین به مانلیق ندای سرکان جه ته دو

محكري واعل مولتى الوكيا حفرت عينى كونالب ندكرنى بدى اس في كما ايناه مخدا البدائيين سب ا ملكمين حفرت عينى كولب ندكرتي بون اوداك برايان مي كمتى بون محرح هزت مخرم برے نزويک مرسط نياده ليستنيوه بي ___امام نے سندھی زبان میں گفتگوفرمائی ا مام رضاعلی مست الم سف جانگین سے فرایا ' بوکھامی روی کنرنے کیا ' اور دو کھیم ہے۔ نے اسے گفتگو کی ہے وہ سب بھی مام میں بیان کردد : جانگیتی نے تمام باتیں سب کے بیان کیں۔ بجرجا لین نے کہا فرزندرسول بہال ایک سندھی شخص بھے ہے وعقیدۃ تفراتی ہے بھری دلییں اور مهاست كرّاب مرّاس كى زبان مسندى سب : آپ نے فرایا اچھا 'کستے می کبلاگر: وہ تخص کبلایا کیا ' تو آپ نے اُس سے سندی زبان گفتگو شروع کی اور نفرانیت کے متعلق اِ دھواُ دھوگ با توں سے مہڑا کو اصلِ دوخوع پرلاتے دہے ؛ داوی کابیان ہے کہ آخرس نے سندی کو یہ کہتے ہوئے شنا :-" ثبطى تنبطلية " الم يضاعل ليستلام نے فرايا كريائس نے سندھی زبان ميں الشرقعاسے ک وصلانیت کا آفراد کیاہے عجرآب نے اُس سے حفرت میٹی اور حفرت مریم کے متعلق گفتگو شروع کی اور وہ درجہ بدرجا ایک حال سے دومرے حال کی طوت آتا رہا ، بہا نیک کہ اُس نے سندمی زبان میں بیسا ختہ کہا ، آشعد أن لا إله إكا الله واشعدان محسد آم سول الله . اس كے بعداش فرانج كركابش كالمول دياجس كمے نيميے زيار دجنيؤ) ما برہوئی اور عرض كيا فرزندرسول آپ إس كولهين ي درست مبالك سقط فرادي: آپ فيم كامناكا كماست قبط فراد يا اود محرين نعنل سے فرہ پاکہ اس کسندی کوچام بیجا کرمنہ لما وّاور پاکس کرو ، کیڑے بہنا وَ اس کے عیال کویمی کیڑے بہنا ڈر اس کے بیدان سرب کیسے کرمدیڈ آ گر۔ حبباً پالن مب سے فامن بھٹے توجیع سے دریا فت فرایا ' بڑا و محرین مقبل نے بو کیج پریے باسے میں کہا تھا وہ مب سے ثابت ہوگیا ؟ سب نے بیک زبان عرض کیا 'جی ہاں ' بلکراش ف مبتناكها مقانس سيمى كمنا زياده تاميت موكيا ـ اورجمان فعنس في ويها كقاكراب خراسان طلب كي مِهِ أَيُّلُ عَلَى: آبِ سِنْ فَرَا يَا اُس نِفْعِي كَهَا مُمرِيطِلِي مِزْت واحرَام كِي ساتَفْرِي كَ محدین نفل کابیان ہے کہ وہی ایک جامت کٹیرنے آپ کی امامت کی گوای دی ۔ الج کپ اس شب کودین نیم درے میں ہوئی تومب سے زمعت ہوتے ہوئے ہوائی آوسوا ہوکے۔میں میں آپ کے دیجے بیجے مقا۔ جب ہم ایک گاؤں میں بہویجے آوآب نے اس واستے اب ا

رُخ موڑا۔چاددکھست کا دیڑھی اس کے لیوجھے سیے فرایا 'اے محد! اب تم نہاں سے واپس حیا ہ۔ خلاحافظ و ذراایی استحیں بند کرو : میں نے انکھیں بندکس ، پر فرایا کھول دو : میں نے أنكفيس كعولس توكياد بيحقتا بيول كمس لبقره بسالين كمركح در دازم يركفوا بيول ادر وحزت امام رصاعلیست لام نظروں سے عائب ہیں بھیریں جے کے موقع پرسندھی اوراس کے اہل وعب ال کو ئے کرمدینہ گیا۔ ___ امام کی کوفرمیں تشرلین آوری محدث خل کابیان ہے کہ ہمرہ سے پلشتے وقت حفرت امام دخیا علاہ کستہام نے مجے بہت می برایات فرائیں ان میں سے ایک برمی متی کرتم کوف جاؤ۔ وہاں بمارسے سیول کوجے کروا اودائن سے کہدوکرمیں وہاں آنے والا ہوں ، اورمیا قیام وہاں منعص بن عمیر تنکری کے مکان پرموگا۔ حرب برايت مين كوندكيا اوروبإل شيعول كويتاد باكترمفرت المام رصاعل ليست بلم تشرلف لا فع والمه ہیں۔ایک دن میں نفرین مزاحم کے پاس بیٹھا ہوا بھا کہ دیکھا کہ آپ کا خادم سلام ادھرسے گذراسیں مجہ كياكدامام الميست لام تشريف للحيك بي يسي مين فوالعفص بن عمير كے تعرب كا ام علايست لام موجود متقدمين في المصلام عض كيا يجاب لام وسي كرآب في ارشا وفرا ياكيها ل جنف شيعهي ال كيروا الله الما کا انتظام کرون واوی کا بیان ہے کہ میں نے اس کام کے لیے ب چیزوں کی مزودت متی ان کام کمل است ظام كرليا: آپ نے رایا المحدیثر كماس نے تعین تونیق عطافرمانی . <u> غیرمزاہ ہے علمار سے امام کی گفتگو</u>

اس کے لیویم نے وہاں کے تمام شیول کو جمع کیا اور کھانا کھلایا۔ بعدفرا عنت آپ نے

فرايا المصحر! ديجيوكوفه من جنفه متنكلين اورعلمار بون ان كويمي بُلالادُ: ميں فيصم كانعيل كى جب سب جمع ہوگئے توالم علیٰ کست لام نے الن لوگوں سے کہا کہ بیں چا ہتا ہوں جس طرح اہل لھرہ کویین يهون إياب اسى طرح تميس فيصباب كرول

بچرارشا دفرا با سنو! الشرت المستصبى كماس نا زل فرمان بي ميس ان سريكا علم عطافرا ياب اس كے بعدآب جائلين كى طرف تو خربوت اور فرا يا ريادر ہے كہ مائلين ايك مشورمنا ظر اورعالم المبل تقا-) ليدجا تليق اكيا تعين حفرت عشى كداس معيف كافكى علم بير عب ما كان الم تحرر سخے الدوہ (حفرت میٹی) اُسے لیے کے مہمائل کیے دستے تھے اورب می مغرب میں ہوتے اور جائے كمشرق يبه بهيئ جا وُل تواسم مع خدكو كموسلة اودان كوان يائ نامول بي سيرا كمد نام كاواسط ديري

کھتے کہ ان کے لیے ذمین سمٹ جائے توفوداً زمین سمیٹ جاتی اور وہ ایک کنٹری مغرب سے مشرق میں ادر مي مشرق سي مغرب بي بيوي جا ياكرت سف : جانين ن كبل مجه تواس كاعلم نبي ، محراتا فرد ہے کہ اُن کے پاس پانچ امسسارتے اور وہ جب کمبی اُن پانچیں امسساء یا اُن میں سے مرون کسی ایک اسم كے واسطے سے الشرسے جو كھيے ماننگتے ہتے اللہ أنمنس عطافرا ديتا مقا: آپ نے فرمايا والتُواكير تمعیں ان اسسمامی توان کارنہیں صحیفرکو مانویا نہ مانواس سے کوئی نقصان نہیں ، اے لوگوائم جاتلیق کے اس افرار میر گواہ رہا۔ اما نم معلم وكمال ميں سي افضل ہوتا ہے المس كيدرآب فيزمايا أنبهااتناس ابتاؤكم دومنص سب سي زماد معت عادل نہیں مجاجلے کا جوایتے ترمغابل کوائی کے خرمیب ' اُسی کے بی اُسی کی کتاب اورای کی شریجت کے فدیعے قائل کرے: سب نے کہا جی ماں ودمت ہے : آپ نے مرایا کہ بحريا مي مجد لوكر حفرت محرك بدرا ام دي موكا جامرا امت تغولين بوسف كابعدوي موقف اختيار كرسے جوموقعت مفرت محرّصتی الٹرملیہ والہوتم كائمقا۔ اود المدیت کے لائن دی موگا ہوتیام قومول سے ابی المست کوعلی ولائل وبرا بین کے وربیعے سے منوالے ، بیشن کرداس الجالیت نے کہا ، بتا شیے کہ المام برسف كيادليل ب آب في الشاد فرمايا الم وه ي جو لوريت والجيل الجوراورقرآن سب بي كا عالم ہو۔ وہ اہل توریت کے سامنے توریت سے دسیل بیش کرے ، اہل بجیل کے سامنے انجیل ہواہل قرآن کے سامنے قرآن سے دسیل بیٹ کرے۔ اس کے بے یہ بھی خروری ہے کہ وہ دنیا کی تمام زبانوں سے واقعت بو اكوئى السيى زبان ما موجواً سے ذاكى بوء تاكم مرتوم كوائن كى زمان ميں سجھامے . ان اوصا من كے سائھ بیمی لازم ہے کہ وہ صاحب تعزیٰ میو سریمُ ان سے پاک ہو سرعیب سے منزہ ہوا عادل اور متصعت بو ماحب حكمت بوقهربان بو ومهرال بو معان كرنے والا بو مادق پومشفق ہو' سیسکی کرنے والاہو' ا بین ہو' قابلِ وَتُوق ہد' شجاع ہو' اورصاحب بست وکٹاد ہو۔ پومشفق ہو' سیسکی کرنے والاہو' ا بین ہو' قابلِ وَتُوق ہد' شجاع ہو' اورصاحب بسب وکٹاد ہو۔ يهمن كنفرين مزاح انحقا اورع ص كيا وزنورسول إحفرت حبوا بن محريج متعلق آب كميا فروات ميں ۔؟ فرايا ؛ أس ام محصنعتن ميں كياكبول عبس كے بيے تمام امت و محدیٰ گواہ ہے محة بخناب اپنے ذمانے محصب بیسے عالم سے : نفرین مزام نے کہا ، میرآپ مغرت موسی بن خبر کے سعتن کیا فراتے ہیں ؟ مسند ایا اوہ می معربت حبوب مخری کے مثل ہتے : اس نے کہا ' مُكُرِلُوكُ لُواكَ كَالمت كِيمَتُعَلَّى تردِّد مِن مِن : سنه ما يا كرادل توحفرت يومُخان تَخِور في ميت

متودى ياتى " تابم آمختاب بم طيول سي على زيان بي * ابل خارسان سے فارسی زيان بي، دوموں سے رومی زبان میں اور غیر عرب سے انہی کی زبانوں میں گفتگو رایا کہتے تھے راب کے پاس بھی مرجیارجا نب سے ملمائے پیود ونسعاری وغیرہ آ یا کرتے ہے اور آپ انہی کی کما لیل سے اُنہی کی زانوں یں گفتگو فرما یا کرتے تھے۔ تمرجب آبخناب كى ترت حياست خم بوبئ ا ودوقت وفات قريب آيا توابك فلم آپ کا ایک خطاب کرمیرے یاس آیاجس پس کخسے پر مقاکہ" اے میرے فرزند! میری حیات کی مّیت متم مومیک ہے ، زندگائی دنیا کے دن پورے ہوسے ابتم لینے باب کے وصی ہو جس طرح دسول اند صلّى الشّرعديدوالهُوسّم كى رحلت كاوقت جب قريب آيا توالمخفريّت نے معربت على كوبلايا * انحفيں ا بنا ومی بنایا اوروه محیفرا کنزائب کے حوالے کیاحب میں وہ اسسما پر قوم سمتے جومرت انبیا دا ورادمیا كه ي منصوص من ميم الخفرت نے فرطا الے على ميرے قرب آؤ دجب آپ قرب تشريق كَ تُواتخفرت في حفرت على كامر اقدس اني چادري داخل كرايا اورارشا وفروا ؛ اپني ذيان نكالو حفرت على في نفران لكالي تواس يرائني انگائى سے مبرلسگائى ۔ مجرادشا دفرا یا اب میري زبان لینے منعین لوا دراس کواتھی طرح چیس لو۔حفرت علی نے ایسا ہی کیا : مجرادشا دفرہ یا الشرنے حوقهم مجعہ کوعطا فرائی بھی وہ پی تم کومی عطا فرا دی سے رجو محبہ کود کھا یا تھا وی تم کومی رکھا یاہے رجوعلم مجے عطا ہوا وہی تم کومی عطافرا یا عرض سوائے ہوتت کے ہرجیزیم کول گئ اس لیے کہ میرے بعد کول نى نېيى بوگار (مىلىدى نېزت مجديرخوب): چاكخدايك ام كى بعدددومراام آيااورحفرت موسى بن جَعْزِی وفات کے بدر میرز بان اور میرکتاب کا علم میری طرب منتقل ہوگیا۔ زائو ایکو امجازی میں - ۲۰۰۰)

حججي

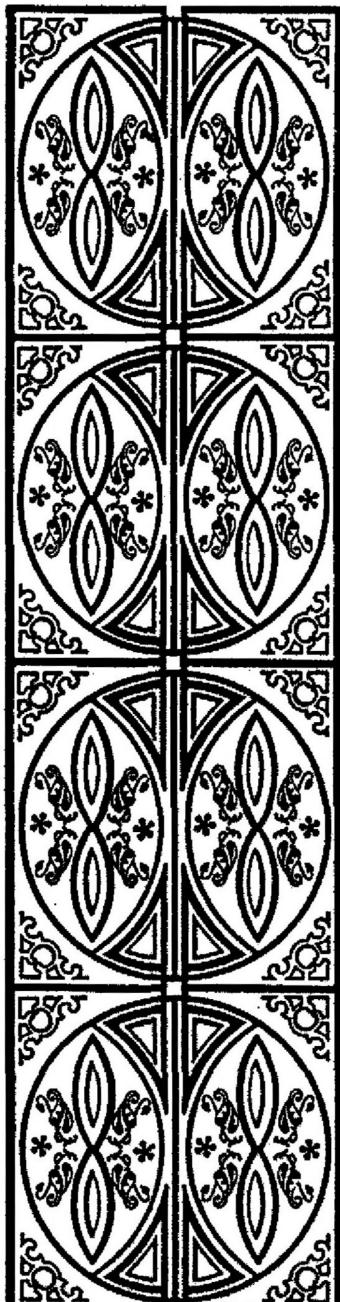




باه



استجابت دعلت امام عليت الم



م کاری ایک دان حفرت امام رضاعلی سے بھادسے بھی اصحاب سے دوایت می سے کہ این ابہ معید مکاری ایک دان حفرت امام رضاعلی سے کہ این ابہ معید مکاری ایک دان حفرت امام رضاعلی سے کہ این افرائے می خدمت میں آیا اوراس طرح مخاطب ہوا : الدرنے می کواس منزل بر بہر برنج پارا ایس میں وہی دعویٰ کرنے لگے جو تمہا رہے والد کیا کرتے ہے ؟
می دیں ایک برنے نے ارشاد فرایا ایر بچھے کیا ہوگیا ہے ، انڈر تری همی حیات کل کرے اورا پی نوی دیں در ایر این میں میں دیں کرتے ہوئی امرائی ایس کی کہ در اورا پی

نعتیں سلب کرے بچے محتاج کر دیسے ۔ کیا بچے نہیں معلوم کہ النٹریے حفرت عمران کی جانب وجی فرائی کہ میں تھیں ایک فرزندع طاکروں گا اور صفرت عمران کے بیہاں حفرت مرکم پہا ہوئیں اور تھز مرکم کے بین سے تفرت میٹنی پیدا ہوئے ۔ اس لیے میٹنی مرکم سے اور مرکم عیثنی سے ہیں اور مجر

حفرت عینی وحفرت مریم میں کوئی فرق نہیں رہا' دونوں ایک ہی ہیں۔ اسی لمرح میں اپنے والدسے ہوں اود میرسے والد مجھرسے ہیں لہٰذا ہم دونوں میں کوئی فرق نہ دیا دونوں ایک ہیں:

مجران ابسعیدنے کہا اچھامیں آپ سے ایک سکا ہوجہتا ہوں: آپ نے دیایا گرمیں جانتا ہوں کہ تومیرے جواب کوقبول نہیں کرے گا ، تومیرا پیرونہیں ہے ۔ بچربھی تاکیام نکہ ہے؟ اُس نے کہام سکاریہ ہے کہ ایک شخص نے اپنی موت کے وقت کہا کہ میرے جتنے

قدى علام بى وه سب فى سبيل الله آزادين: آپ نے ارشاد فرایا، بال - الله اتعالے قرآن میں میں ارشاد فرما ملہ " حقیٰ هَا دُکا لُعُرْجُونِ الْقَدِيمِ (سوره نَسِن آمِت وم) دور دان مداری میں المرس اللہ معرکی میں مرفقہ خارش کا

'' (چانر) پلٹ کریچرولیدا ہی ہوجا آلیہ جھیے کھجوری قدیم دیڑاتی) شاخ '' اہٰزاجن غلاموں کوحچے جہنے ہوسے ہی وہ قدیم ہی اورآ زادسی ڈ داوی کہتاہے کریچروہ تخص وہاں سے چلاکیا اورالیدامفلس ہواکہ مرنے دم تک نان بمشبینہ کومختاج رہا۔ الڈائس برلیمنت کرے ۔ 'برلیمنت کرے ۔

ابراہیم بن باشم نے ہردی سے روایت کی ہے۔ اس کابیان ہے کہ ایک مرتب۔
مامون الریٹ پر سے پاس اس امری شکایت بہرئی کے حضرت امام علی ابن مؤی درمنا) مباحثوں اور مناظروں کی مجاسبین منعقد کرتے ہیں اور کے ان کے علم مرفر لیفتر میں قدماہ ہے ہیں قدمان کے علم مرفر لیفتر میں قدمان کے میں قدمان کے ماروں کے میں منعقد کرتے ہیں اور لوگ ان کے علم مرفر لیفتر میں قدمان کے میں قدمان کے میں منافروں کی میں منعقد کرتے ہیں اور لوگ ان کے علم مرفر لیفتر میں قدمان کے میں قدمان کے میں قدمان کے میں منعقد کرتے ہیں اور لوگ ان کے علم مرفر لیفتر میں قدمان کے میں اور ان کے میں منعقد کی میں تو میں آئی میں ہے۔

ا پنے حاجب محرب عمرولوی کوسم دیا۔ اس نے مبلس ا م صفا سے لوکوں کو دریم وہریم کردیا اور تود ا مام علالے سیام کو امون کے سامنے بیش کیا۔ جب مامون نے آپ کو دریکھا تو بہت سے کوشت کہا اور آپ کی تو ہی کا در اللہ کا در اللہ کا تو ہی کا در اللہ کہا اور آپ کی دولوں کہا اور آپ کی دولوں کے باس سے غفس کے عالم میں نیکلے تو آپ کے دولوں لیمان کرکھت میں تھے اور آپ فرما در ہے تھے۔ محریم مصطفے اعلی مراحد اس پر اور اس کے خواص کی ممرا اور اپنی دعائے میر کے ذریعے سے اس تنہر کے کمتوں کو اس پر اور اس کے خواص موام برسد کھا کہ دول کا جوان کی پرری تو بین کری گے: اس حالت یس آپ اپنی منزل پر نشر لین لائے وضو نے بے پانی منظوایا ، وضو فر مایا ، دور کھت نماز پڑھی اور دومری رکھت کے تورت میں یہ دھا مراحی : ۔۔ براحی دور کو ت نے دیا کہ نور تا ہے کہ براحی : ۔۔ براحی : ۔۔ براحی : ۔۔ براحی : ۔۔ براحی نور ت برائی نور دور کی اور دور کی اور دور کی دور

ٱللُّهُمَّ زَيَاذَ الْقُلُادَةِ الْجَامِعَ بِي لے الٹر! لے مرطرح کی قدرت رکھنے وا وَإِلْتَهُ حُكَمِيالُوَاسِعَةِ وَ الْمِنْسَنِ ہے درہے کرم واصال کرنے واسے۔ بڑی المُتَنَابِعَةِ وَالْأَلَاءِ الْمُتُوَّالِيَةِ وَ بری بششیں کرنے والے سلے وہ ذات الآيا دى الجيئيكة وَالْوَاهِبِ الْجَزِيْلَةِ جس کے اوصاحت کی کوئی مٹال نہیں دی يَامِنُ لَايُوْصَعِدُ بِتَمُنِيْلِ وَكَلَا سکتی ۔ اور نہ اس کا کوئی شنل و ننظیب یہ بیش کیا جاسکتاہے۔ نہ کوئی بڑے سے يُكُتُّلُ بِنَظِيرِ وَلَايغُنَبُ بِظَهِيرِ يَا مَنُ خَلَقَ فَرَزِنَ وَأَلْهُمُ فَأَ نُكُلَقَ وَ برا ما قنوراس برغالب اسكتاب لي ده ابْتَدَعْ فَتَنْرَعْ وَعَلَا فَارُتُفَعَ وَقَدَّرَ ذات كهس في مغلونات كوسيداكيا تواك كو فَاَحْنَقَ وَصَوَّرُفَأَ ثُفَنَ وَ الْحِبَيجَ رزق بمى فودى دمار بزريع البام المغين لجلن فَأَسُلِغَ وَٱلْعَمَ فَٱسْبَعَ وَٱعْطَىٰ كى لماقت دى ـ مېرىشے كوخودا يجا د اورمىداكرنا فَأَجْزَلَ يَامَنُ شَمَا فِي الْعِزَّ فِسَفًا شَ شروع كروياء بلندبوا نؤخوب بلندمجوار تقديري بنائيں توبہرن مورتي نبائيں آدمشحکم۔ اي خوَاطِرَ الْاَبْصَابِ وَدَنَا فِي الْلَّعْبُعِنِ فتجان خواجس الأفكاي كامن تغرّد قدرت کی دمیلیں دیں توصرسے زمارہ ممتی يِالْكُلُكِ فَلاَ نِذَٰلَهُ فِي مَلَحُونِ دیں تو معر او مختبشیں کیں تو بڑی سے بڑی اے سُلُطَانِهِ وَتُوحَدُ إِلْهِ كُلُو وه ذات جِ عزّت مِي اتنا بندم دِ اكه لوگوں كى صِنةً لَهُ فِيُ جَبُرُتِ شَانِهِ بِيَا مَنُ نگاہوں سے کم ہوگیا اور مبدوں پرلطعت وکرم کرنے کید ا تنافری آیا ہوکی کے دیم وگمان بر می حَارَتُ فِي كِنْ إِلَهُ مَيْبَتِهِ وَقَالِمِ فَا لَطَالِعَتِ الْكَوُحَامِ وَحَتَوَيْثُ ﴿ وَمِنَ نسي - نے وہ ذات كروماركا كانت كانت تب

الكب سيے ۔ اس كى الكيت ا ورس لعنت ميں إذتمالت عظمته خطايعت أبصاي الْاَنَامِ يَاحَالِم خَعْلَمَاتِ ضُهُوُب اس کا کوئی شریک نہیں وہ ا منی کبریائی اور پڑائی الْعَالِكِينَ وَيَاشَاهِدَ لَعَظَا سِ یں اکیلاسے راس کی شان مبروتیت جانگی ٱبْعَمَامِ النَّاظِرِشِينَ يَا مَنْ عَنَىتِ كون منداور مرمقابل نبیں الے وہ كرحبى كى ہیبست اور مرائی کے سمجھنے میں مکتہ دس اورام وافکار الوجُوُ ﴾ لِلهَيبَتِيهِ وَخَضَعَتِ الرِّهِ قَابُ لِجَلَالَتِهِ وَ وَجِلَتِ الْقُلُوبُ مِنْ بھی چرت زوہ ہی جب کی عظمت ویزرگ کے اوراک خِيُفَيّه وَارُتَعَلَىتِ الْفَرَالِينَ ك الى تظرى نظامون كوسرت روحاتى ب. اے فَسَرَقِهِ يَا بَهِي مُ كَا بَدِيعُ مَا خَوِيُّ وہ ذات جرتام عالمین سے داوں کی باتوں کا جانے يَامَنِيعُ يَاعَلِيُ يَا رَفِيعُ صَلِيَّ عَلَىٰ ثَا والاسب لي ديي والول كي الكول كي الك شَرَّفِتُ الصَّلَوٰءُ بِالصَّلَوٰءِ عَلَيْهِ وَ ایک جبیک کود بیمنے وارے راے وہ فرات کرجلی ہیبت کے سامنے سب کی گردی جم اور مرتوں ہی۔ ائْتَيْعَمُ لِيُصِمَّنُ ظَلَمَهِيُ وَاسْتَخَعَتُ بِيْ وَطَهَرَدَ الشِّهُيعَةَ حَنَ بَأَ بِي وَ جس کے خوت سے لگوں کے دل لرزقے میں اور فرق آذِنُهُ مَرَازَةً الذُّلِّ وَالْهَوَانِ كَمَا وبند كلينة بي-لي خلفت كى ابتداء كرنوا في ا آذ اقبينكا وَاجْعَلُهُ طَيِيْدَالَادُجَاسِ مخلوقات کی ایجاد کرنیوائے ۔ لے معاصب توت کے وَشَرِيْنَ الْآنُجَاسِ. ماحب لما تت ـ ايراعل وبالا تواني دممت نازل ذما اس دات پرکھبی پرورودکا فافل ہونا ورود کمیلئے خود باعثِ شرف ہے۔ مدور دکارا اجس فیم پرظلم کما، ہلری آئین کی اورجس نے ہارے شیعوں اور ودستون كوميرك وروازه سي محكايا اس مرسوا انتقام توہے حس طرح اُس نے مجے ذکّت وتو این كامره حكيما يلب اسى طرح تومي لسے ذكت ولومن كا مزه چکھا۔ ا وراس کے سا تعدا بیا میرکہ بلیدا ورکند لوگ اس کومیمنگائیں اورخس ونا یاک لوگ اسے معتکامی الوصلت عبرالسّلام بن صالح بروی کابیان ہے کہ ابھی میرے مولانے اپی دعا ختم نبین کی تی که شهرمی ایک زلزله ساآگیا رساری آبادی ارزاعی مرفرت بیخ ویکاری آدازی بلندخيس الكرينور والكارب سق كرد وغباد أدرا مقاء ساداميدان كوي وامقار انجي بي اي جك برجيعًا بي بوائقاكرامي اثنار حفزت الم مضاعل مستسلام نے نازتمام كي اورسلام را معنے محاليد محد

سے فرایا الے الوصلت ممکان کی چھت ہرجا کردیجیو! ایک مکرش ' بیونوں اورلوڈھی عودت جوانٹراد كوائميارے بوئے ہے اور جانوں گوگنگ میں آلودہ کے ہوئے ہے جن کا نام بہاں کے لوگوں نے اس ک حاقت اور ذاللت کی وجہ سے سمانہ (موٹی) دکھریا ہے۔ وہ لینے کا ندھے پرایک لکڑی کا تجھڑا تھائے موسي سيحس كتيريم إس في اي مرخ اورهن كالبغور معرمية بانده دركالب وه اوكول كي قيادت كرري ہے اورایٹ اُن كمینوں كی فوج ليے موے ما مون كے قعراوداس كے مرداروں كے مكانوں كىطرت جارى ہے۔ دادی کہتاہہ کٹیں حیبت ہر پڑھا تونس یہ در کھاکہ لوگ لاٹھیاں چلارہے ہیں ا بتعرول سيمبرلون رسيري اودبيعي دميجناكها مولن لبن تعرشا بجال سي ذره يهيئ بهرشت فرالمعجف کے بیے نکا کراتے میں شاجردِ حجام نے کسی لمندکو تکھے سے ایک وزی ایزے بھینی ہوا ہوان کے مربرگری۔ ابون کے مرکاخود گرگیا اُ وداس کے سرمیں چوہے آئی۔ جولوگ مامون کو پیچائتے ستھے الُن مِي سے ايکٹينفس نے اينٹ بھينکنے والے سے کہا: وائے ہو کتے ہرا ادے پہامپرا لمونيين ہي جب يه آوازسمان تي تو دان كراولى : چيپ ره تيري ال مرجات ، يه دن ايتياز برت با طرون دامي كرنے كانہیں ہے اورہ بددن نوگوں كودرج ل اورلم بقوں ہیں با نشنے كاہے ۔ اگریہ واقعاً مومنوں كاامير م و تاقوفاست د فا جرم دول کوبیجاری کنواری عودتول پرستسط ندکرتا: عرض که ما مون ا وراش کے سیابی انتهائی ذکت اوربع تی کے ساتھ بڑی طرح ما دکر تھ گادیے گئے۔ (عیون اخباد الرماجلد اصاء اربها) کتاب مناقب حیادیم صده ۲۲۷، ۲۲۷ بریمی مروی سے اسی طرح کی دوایت کقل ہے ا وراکٹریں اتنا اورا خیا نہ ہے کہ آن بلوائیوں نے مامون کے تمام اگ وامسہاب کولوٹ لیا۔ امسی سيسيعيں بامون نے چالیس غلاہول کومیانسی دے دی اود مرویکے دمیقا نوں کوسی المرح داختی کیااود حكم دیاکه ان کی دلوارول کواومنچا کردیا جائے۔ اورجیب اسے بیمعلوم ہوا کہ بیرجھزت ام مضاعلات لام ک قربین کرنے کا بیجہ ہے تو فور ابلیا ، آپ کے پاس آبااور ازروسے صلف کہا کہ اندہ ایسا نہو گا آپی پیشانی کولومیر دیا اورسائے ادب سے جیھے گیا اور کہا ان لوگوں سے تو اب اس کے لیورم راحل میں ن ہوگا' آپ کی کیادائے ہے ؟ آپ نے فرمایا کہ امست محدّ کے بارسے میں النّرسے ڈرو! برا مارت الا پیمکومت بخفارے مپردیمی مگرتم نے سلمانوں کے آئودکودومروں کے حوالے کرکے اسے تباہ کردیار لگارکے کے بردعار علی بن محدنونی کا بیان ہے کہ ذہرین برکارنے کا لبین میں سے پی تھی سے پریون اورمبردسول کے درمیان حلعت انمٹوایا ' اس تے حلعت انمٹانے سے اس کے حبم پرمغیرداخ اکتے

<u> البرمك كے ليے بردُعار</u>

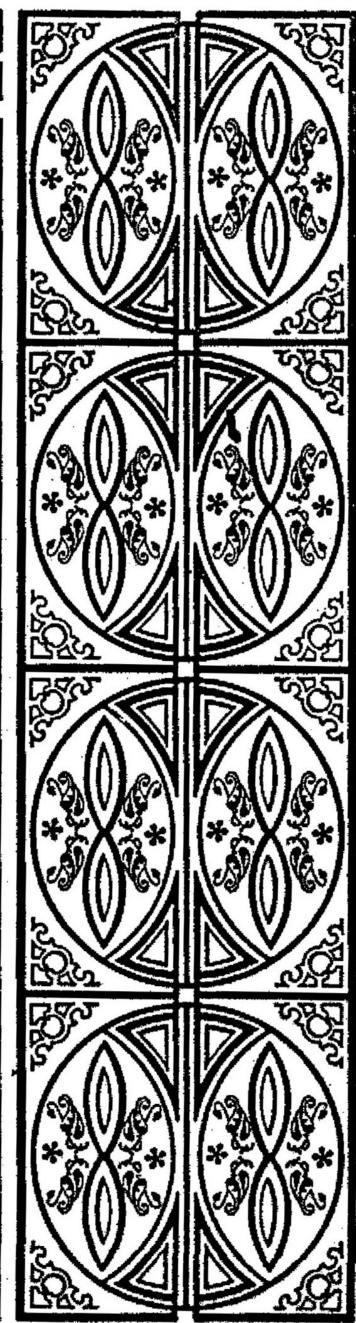
محد بن طفیل کابیان ہے کہ مسال ہاروں پرشید نے آل برمک پریخی کی توب سے پہرے حجواب کی گیا اور کے بیان ہے کہ میں سال ہاروں پرشید نے آل برمک پرجومصیب فوٹی وہ قوتی ہی تیکن ام مرضا علایات بلام مقام عوفہ میں بھی کھوے ہوئے آل برمک کے لیے بردعا کر رہے تھے کہ آپ نے ذراو دیر کے لیے مرخوکا یا ۔ جب اس کا سبب پوٹھا گیا : تواپ نے فرہ یا ؟ فرا یا : فرا میں کے برعا کیا کہ تا تھا اس پرسی ان توگذ کے لیے برعا کیا کہ تا تھا اس پرسی ان توگذ کے لیے برعا کیا کہ تا تھا اس پرسی ان توگذ کے لیے برعا کیا کہ تا تھا اس نے تاب وہ میری مردعا مست کی ۔ اورا بھی والبی کوچند دن می گذرے تھے کہ حجفرا ورمی بی برحق ہوئی اوران کے حالات منقل ہوگئے ۔ (عیون اخباد الرضا میں ا)

بمممم





امام سرزبان سے واقف بوتاہے



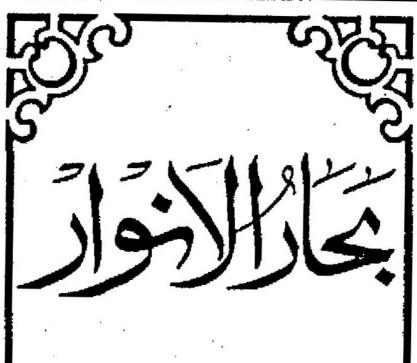
_ امام کو فعلی اور روی زبانوں پرئیبورهال تھا ماسرخادم كابيان بب كبره خرت الوالحن عليكست لام مح غلاموں ميں سے مجھ غلام صقلی اورددی بخی شخے اور آئیدان کی زبانوں سے بھی بخربی واقعت سکتے۔ ایک مرتبه شب کوآب نے سناکہ وہ غلام تقلبی اور رومی زبانوں میں محوکفتگو ہے ا مام رضا ملاست ان کی گفتگوسن رہے مقے۔ انھوں نے انہیں میں کہاکہ ہم اپنے وطین ہی مرسال فعدهملوایا کرتے تھے لیکن بہال فعدنہیں کھلواسکے: حب رات گزری اور دن نکا توا مام ایک لمبریب کے پا*س تشرلیف ہے گئے* اور فرایا کہ میرے فلال غلام کی فلا*ل ایک میں فیصد کھو*ل دوا ورایک فلال غلام ہے اس کی فعدفیلاں رکے میں کھولدینا اور مجبسے فرایا کہ لے یاسر اہم نعدرنہ کھلوانا۔ ياسركابيان ب محرس في معد كمعلواتى توميرا المحمتوم موكيا اورمرخ موكيا : آب نے دریافت فرایا کے یامر الحجے کیا ہوگیاہے ؟ میں نے عض کیا کہ فصر کھنلوائی ہے: آپ نے فرايا كيامين في كمنع نبين كيانقار؟ اجها اب ادحرا وادرا بنا المقد كهاؤر آب نے لينے وست مبارک سے میرے ما تھ کوس کیا اوراس پراپنالعاب دین لسگایا ، پھرمدایت فرائ کہ دایت کے وقت کھانا نہ کھایا کو : میں نے ایک عرصے تک دات کو کھانا نہیں کھایا: مگرایک وان موا کھالیا تومیری تھروتی حالت ہوگئی۔ (عيون اخبارالرخا مبلده صيه) بعاتزلدهات جزء ٤ ب" ۔ ج ٧ مي محرق جزگ سے اورمناقب آلي اي طالب الدي صیریمی میں مایسرے یہی دوایت لقل ہے۔ ____ الوماشم بجنري سے دوايت ہے كہ ايك مرتبہ مين حفرت الوالحسن رضاعاليست لمام كے ساعقه کھانا کھار اِ مقارآب نے ابنے ایک غلام کوسفلبی اور فارسی زبان میں آ وازدی اورمی بھی س این غلام کومی فادی سیکھنے کے لیے بھی برا کرتا مقا آپ اس طرح تعلیم فراتے کہ دقت نہ میرتی اور اگر کہی دقت میں مى أتى تواكداس كومغقل طريقے ميمحجا ديتے ہے ۔ (ميون اخارالم مناجلد، مسير) وفسل الخطاب كيامرادب ؟ مروى كابيان به كه حفرت امام رهنا عليكست لام برخص سے أس كى بى بال برات بيبت كياكرت تق اودخولك قعماك مهزبان كوابل زبان سي بهترمان تقف اوداس سيزيايه فيههم

ين كُفتكوفرات مع ايك دن مين في وض كيا وزندرسول إيدمان زباني البرس مختلف س اورآب برزمان جانت میں مجھ بڑی حرست ، آپ نے استاد فرمایا اے ابوم لت میں اللہ ک طروب سے اُس کی مخلوق پرجیست ہوں ۔ السُّرلعائی پہمی نہیں کر تاکہ دوکسی قوم پرالیسے خص کو حجست بنا كم يجواس قوم كى زبان مذجانتا مو . كياتم نے حضرت اميرالمؤنين على ابن ابي طالب مليكست الم كا يرارشاد كرامى بيس سناكهم كوفصل الخطاب عطاكيا كياس يتوفعل الخطاب الدكياب یمی تام زبانوں کا جاننا توہے۔ (عيون اخبارالهُا مِلْدِهِ مَشْرِقٍ) مناقب ابن شہرآ شوب میں بھی اسی کے شل دوا بہت ہے ۔ _معادیہ نے وسٹا سے موایت کی ہے کی حفرت امام بضا علی کستے الم نے فراسان سى فروا يكميس نے بيبال دسول الشرص الشرعليہ والروستم كود بجعا اور آب كے ساتھ رہا۔ (قرب الامسئناد مسيّنة) عوالول كى زبان واقفيت اوران كومرابات مسلیمان جو اولادحفرہ حجنربن ابی طالب میں سے مقے ، کا بیان ہے كمين حفرت المام مضاعل كست الم كے ساتھ باغ ميں مقاكم ناگاہ ايك عصفور (مرا) آئ اورآپ كے ساشنے آكر بعضي اورم لانے تى . وہ بہت مضطرب تنى اوراني زبان ميں مجوكہ رسي بنى ۔ آپ نے فرایا استے بور بری کاکیا کہ ری ہے ؟ میں نے جواب دیا اللہ اوراللہ کے رسول اور فرزندرسول بى بېترجائىتى : آپ نے رايا ، يەكەرى بىكى كىرى ايكسان بى جومىرى كۆكھانا چاہتاہے۔ آپ اُنطیے اپناعصالیجے انگویں چلے اورائیے ماردیجے : راوی کابیان ہے کمیں نے فورٌاعصالیا اور کھریں داخل ہوا تو دیکھاکہ ایک سانپ گھرس چکر لسگارا ہے میں نے اس کومارد ما (بعائرالدرجات جزرے بہرا ۔ ج 19) مناقب آليابي لمالب حلوم صكت اورالخواع والجرائع مدوء بهمي مسلما للجفري سے اسی سے مثل دوامت ہے۔ ﴿ ____ وشّاء کابیان ہے کہ میں نے تعرت امام دضاعلی کے دیکھا کہ آ آپ کہ ان کی طرت افرائ میں میر کھیا کہ آپ کہ مان کی طرت نظراً مقات میر کے دیمی اور کھی لول دہے ہیں جیسے ابا بہیں بولتی ہیں یام کھی دیمیر کا ا ودآپ مقودی مقوری کے بعد مار باراسی طرح کام کرتے دیے بحیر خاموش ہوگئے۔ (بعارً الدجات جزم ١٠ ب١٠ - ١٢٧)

ے ۔۔۔۔۔ ایک لحظی حدمیت می علی بن مہران سے روایت ہے ۔ حفرت الوائمسن دخاعالم السیال

نے اس سے فرمایا کہ ماسے ہے ایک گھڑی بنالاؤ۔ جب وہ بنائی آؤمیں اکھا کرآپ کے ہاس ہے گیا اُس وقت مجھے بحد بیاس منگی ہوئی تھی۔ ابھی میں بیٹھا ہی تھا کہ ناگاہ بیت الشرف میں سے ایک غلام برآمر ہواجس کے باتھ میں کھنڈے پانی کا کوزہ تھا۔ اس نے کوزہ میری جانب بڑھایا "میں نے بیراب ہوکر پیا ہوا ما ملالے سے لائے اور ایک کرسی پر بھے گئے۔ (اس گھڑی میں سے) ایک کنکری گری آپ کے خادم مسرور نے کہا " مشت "لیعنی اکھ بھرآپ نے مسرور سے فرمایا ۔" در ببند " یعنی دروازہ بند کردو۔ (مناقب آل الی طاب جدر ہو سے سے ایک میں سے)

Server

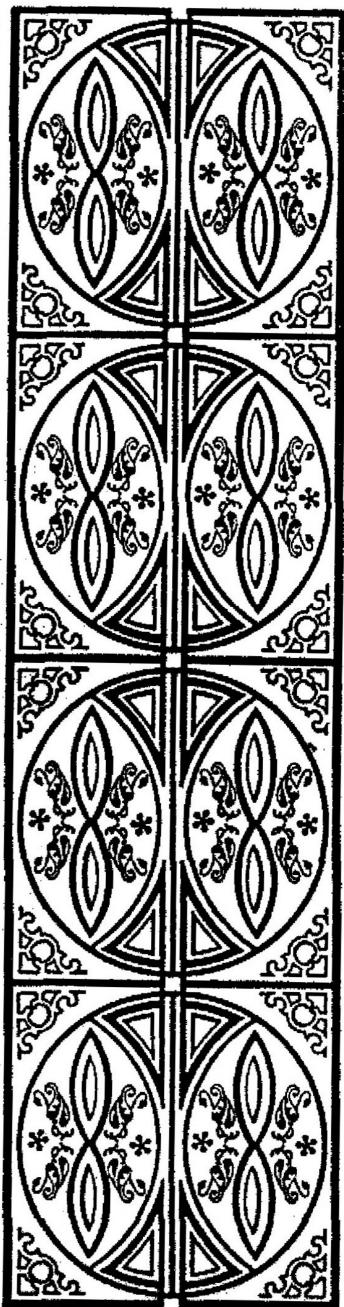








مئام الاخلاق ورياضت امام



المام كالياس ____

الوعباد کابیان ہے کہ صرب اہم دھناعلی سے کام کریوں ہیں جٹائی برا ورجا ٹول میں موسے کمبل پر بیھے تھے بہدیشہ وٹا لباس پہنے ،مگر حب مجع عام میں تشریع نے جاتے تواک کی دعوام کی) خاطرابی پوشاک عمدہ تسم کی زیب تن فرمالیا کرتے تھے۔ دھیون اخبار ارضا جدم مدی ا

<u>کنیزوں سے سالوک</u> <u>کنیزوں سے سالوک</u>

صولی کہتا ہے کہ بری وادی نے مجھ سے بیان کیا۔ (جن کا کام عذر تھا) کہ بیں ہی کچھ

کنزوں کے ساتھ شہر کو فہ سے خسد یدی گئی۔ میرا باپ عرب اور مال خیسہ یوب ہی۔ بہا ل اے

مجھے نزید کر ما مون کے پاس نے جایا گیا۔ وہاں میں مامون کے گھر میں رہی جو میرے ہے جنت تھا۔
کھا نا 'پینا 'عطریات ' درہم ودینا رہ رہے با فراغت تھی۔ اس کے بعد ماموں نے مجھے حفرت امام رضا
کو بہہ کر دیا۔ جب میں آپ کے بریت الشرف میں پہرٹی تو ہر شے مفقود تھی اور وہاں ہم کنے وہ ب ایک واروغہ مقرد تھی جو بھیں شب کی نماز کے لیے بدیدار کرتی۔ یہ بات مجھ بر بہت گوال گذر دہا تی اور چاہتی تھی کہسی طرح یہاں ہے نمل جاؤں۔ بھر حفرت امام رضا علی سے ہم اکر جہتھا ہے وادا

یمکن ندمخاکرآپ کے بیت الشریت می کوئی پخفی مبنداً وازسے بات کرے خوداً پ زیادہ بات چیت کرنا لیسندن فر استے سے میرے جدعبدالڈمیری وادی کومتر کے خیال کرتے تھے اور جس دن سے یہ اُن کو بہر ہوئیں اسی دن سے میری وادی کوکیز مرتبرہ (جندشرات اوری کرنے کے اجدازاد) بنا دبائحقا۔ ایک ون میرے جدکے امول عباس بن اختصن میریے جد کے پاس اسے اورمیری حبره کی بالوں کوشن کرچیرت زوہ مہدیکتے اور کہنے لگے کہ یہ کینز آپ مجے صب دیں ، میرے جدنے کہا وعيون اخبارا لمينا جلدة مسفعك

امام برسوال کاجواب قرآن سے باکرتے تھے

صولی نے ابی ذکوان سے روایت کی ہے۔ اس کابیان سے کہ میں بنے ایراہیم بن عباس كويكيت ميرش خاكرميس نے حضرت الم رصاعل لمست الم كوبى ايسانہ ہي ديجھا كران سے كئى نے کوئی سوال کیا ہواور آپ کواس کا علم مزہولیں نے آنفرن کے زمانے میں آپ سے بڑا عالم می اودکونہیں بایا مامون نے بار باآپ کی آز اکش کی اور مرطرح کے سوالات آپ سے دریافت کے جن کا جوا ب آیپ فوڈا ہی دیریتے ہے آپ کی ساری گفتگو اورجوابات قرآن مجیدسے ما خوذ موتے ستے۔ آپ پورافرآن جیرتین دن میں ختم کیا کرتے اور فرما یا کرتے کہ اگرچا ہوں تو تین دن سے کم میں بمی خم کرسکتا ہوں لیکن جب بھی کوئی آیت پڑھتا ہوں توفورکرتا ہوں کہ یہ آیت کس چیزے با رے میں نازل ہوئی اورکس وقت نازل ہوئی اس ہے تین دن می*خم کتابوں. (عبو*ن انبادار فرا مبلد کا صنط

____آپ کاطرززندگی

ابرابيم بن عياس كابيان سي كم بس نے حضرت ابوالحسن الرصا على كسيام كو کبھیسی سے تُرشِروَی سے بات کرتے ہوئے نہیں دیکھا۔ نیزکیمی کسی کاش کرخوں اِت کرنے بهست یاسی محتاج کے سوال کودو کرتے مہرسے یا تہی اچنے پہچلیسوں کے سامتے برچھ لاتے ہوتے یا ہم جلیسوں کے سامنے تکیہ لنگا کرمیٹھے ہوتے یا اپنے غلاموں بیں سے سی کوسخت کشسست کہتے ہوئے بالمقوسكة بوشء ياسنست وقدت فبقه لسكاسته بوست منبي دبيجعارآب كالهنى حريث مسكوابهط بوتامتى نیزجب دسترخوان سکایاجا تا قوآب کے سامقد خلام ، دربان اورسائیس مجی کمانا كعاتے تھے۔ آپ شب كومبہت كم سحيتے اورزياوہ بديادرسېتے ، اوراكٹردانوں كوتوا ول شب سے صح تک بیدادی دہتے ۔ آپ اکٹروبیٹترروزہ دیکھتے تھے۔ ہرمہینے کے تین دوزے آپ مجی ہیں چوڈستے اود فرلمنے کہ یرصوم الدھ ہے۔ آپ پوسٹیدہ طود پہبہت صدقہ وخیرات کیا کرنے اودیعوگا ندجری داتوں میں کیا کرنے ۔ اب اگرکوئی شخص کے کہم نے آنجنا ب کے ماندنسی مى من كونىفىل وشريت من ويجعاس توده جوداس اس كوسيان جانور (عيون اخياد الرضاحيد، مكك،

<u>میرفانی عبادت</u>

مروی کابیان ہے کہ میں مقام مترس میں اس گھرکے دروازے پر مپونچاجہاں حفرت امام دضاعلا گیست بلام نظر بندا ورقید ستے۔ میں نے قید خانے کے دادوغہ سے آپ سے طلقات کا اجازت چاہی ، اس نے کہا کہ آپ سے سلنے کی کوئی صورت نہیں ، میں نے دریا فت کیا کیوں ؟ اس نے جواب دیا ، وقت ہی کہاں ہے ۔ وہ دن دات میں ایک ہزادر کوت تو نمازی مرصے ہیں ۔ مرف دان کے ابتدائی صفے میں ذرا دم لیتے ہیں مجرزوال سے پہلے اور غروب آفنا ب پر مرصے ہیں ۔ مرف دان کے ابتدائی صفے میں ذرا دم لیتے ہیں مجرزوال سے پہلے اور غروب آفنا ب مرفق میں نے کہا ، احجا تو ان ہی اوقات میں اور اپنے رہت سے مناجات میں معروف درہے ہیں ، میں نے کہا ، احجا تو ان ہی اوقات میں سے میں وقت ملاقات کی اجازت

حاصل کروڈ اُس نے میرے کیے اجا ذہت ما نتی میں حاخر خدمت ہوا تو دیکھا کہ آپ اپنے مفتے ' برسٹیے موٹے کی دسے ہیں۔ برسٹیے موٹ کی کچھ موج دسے ہیں۔ • سیمان حیفری کا بیان ہے کہ میں نے حفرت امام دھنا علی سے لام کو دیکھا کہ آپ خزکا لباس پہنے ہوئے مشغول نماز ہیں۔ د انتہ زیب

بعاربائ يومين فرائض دنوافل كانفيل

کومرینہ سے لانے کے لیے بھیجا اور سم دیا کہ اُنھیں بھرہ انہوازا ورفاد س کے داستے سے سے کہ اُن اُن کی نگرانی بذات ہود کرتے دہنا۔ اور میمی جم دیا کہ دن دات اُن کی نگرانی بذات ہود کرتے دہنا۔ جب تک ہادے پاس نہ پہونے جاؤ۔ لہٰذامیں مرینہ سے آپ کو لے کرم و تک ساتھ ساتھ دیا۔ فدا کی تم میں نے کسی کو آنجناب سے زیادہ صاحب تقویٰ ، ذکر اِلہٰی میں شغول اور خوف فدا سکھنے فدا اسکھنے والا نہیں یا یا۔

وجادبن صحاكب كابيان بسيركه مجع مامون نقصفرت على بن موسى العِناعليِّهمْ

ادراس کے بعد چاردکھات میں سردکھت میں ہورہ الحراف مورہ اُحراف مورڈھتے، سردوسری دکھت کے آخریں

مسلام پڑھتے اورہردومری دکھت میں دکورع سے کمبل قنوت پڑھتے ، اس کے لیداذان کہتے اور دو رکعات نماز پڑھتے ، چرکھڑے ہوکرنماز ظہرا دا فرا ہے ۔ اورجب نماز ظہر کے آخری سلام پڑھ لیتے تودير تك تبيع ، تخيد وتكبيري شغول رسة موسيرة شكرا دا فرمات اوراس بي سومرتبه شكراً لله " كية بچرسيدے سے سرائھاتے اور نا ذكے ليے كھوٹ بوجات لوجھ دكعات نا زيرسے ، مردكعت مل و الحداورسورة احدم وعرصة اور مردوسرى دكعت مين ركوع سيقبل قنوت اورمرد وسرى ركعت كے آخري مسلام برلمنصتے رجب ان چھ دکھتوں سے فارخ ہوستے تواذان کہتے اور دودکعت نماز پڑستے اور بھر دوسري دكعت مي قنوت برسطة حب لمام ميهم كاس من فادع بوية توا قامت كبر كرنمازع هرميسة ادرجب سلام برم حكرفارع بوسته تواست معتظ برسطه جاسته اوردير تكتبيح ، وتحيد وتجيرو مسلام بي مشغول رستة بجرسيدسيس جاتيه اودسومرتبه خنس كأردنك كهت بهرآب عزوب آفتاب کے بعدومنوکی تجدید فراستے اور اذان وا قامت کے بعد تین رکعات نمازِمغرب بجالاتے اور اس کی دومری رکعت میں دونوں سوروں کی قرائت کے بعدد کوئ سے پہنے قنوت پڑھتے اور دب سام بڑھ کرنماز مغرب سے فارغ موتے تولینے مصلے پر بیٹھ کرتا دیر مسبحًا تَالله ، أَلِحَمُ دُيلَه ، أَللُهُ أَكْبُر اور لا إله إلا الله يرصف ربت اس کے بیں پر وہ شکر اداکر کے سجدے سے سرائٹھاتے اور بغیرسی کام ہے بوٹ ا قامت کیہ کرجہ ا ر دكعات خاذ دومسلام كے سابھ بھرستے ۔ اور ہردوسرى دكعت بيں بعد قرائت سورہ با اور الله لكوع تنوت بطرعت ادران عادوس بس ببل ركعت بس سورة الحد اورسورة كا فروان اوردوسركادكعت یں سورہ الحد اورسورہ کھ کہ کہ بھرسے اورسلام کے بعد بیٹھ جاتے اور حس قدر النّرجا ہا تعقیبات پر سطے جب رات ہوجاتی توا فیطار فرماتے . بهر محقورًا دم يست ا ورجب قريب ايك تهان رات كذرجاتى توكم الم موكر جادركعت نانِعشار کیالاستے جس ک دومری رکعت میں بعدِ قرائت سورہ ما اور تسلی رکوع قنویت پر سطنے اور جب سلام برص كرمازعشارس فادع موت توذكرالى بن مشغول موجات اورجب تك اللر چاہتا اسیع وتخید وتجیروتہ لیل کرتے رہتے ۔ معران تعقیبات کے بعد سحدہ شکر کجالاتے اور اپنے لبتر بہشرلین سے جاتے تھے جب رات كاليك تهائى حقد إتى ره جاتاتوا ين بستريت مستبحات الله الْحَدُ لِللهُ اللَّهُ أَكْبُرُ وَلَا إِلَّهُ إِلَّا إِللَّهِ ادراَسُتَغُفِي الله كَمَّة بِوعُ أَقْفَ مسواک کرستے، وضوفریاتے اورنمازشب کے بیے کھڑے مجدجاتے اورآ کارکعیت نمازشب پُرجتے ا دربر دومری دکعت پرسلام کیتے اور بربیل دکعت پی سورة الحیل ایک مرتبہ سورة احدا (توجیل)

رجس کوسورہ اخلاص مجی کہتے ہیں) میٹن مرتبہ بڑے ۔اس کے بعد نماز حفرت جعفرط یارجار رکعیت اددب دودكعت بركسام اودم دوسرى دكعت بي بعدة أت سوده بإ اورقبل دكوع سُبِعَانَ الله كهركرة نوت بإسطة اوراس كزنما زيننب ثبي شمار كرية يراس كے بعد باقی دوركعتیں ،جن كی بہاركعت ين سورة الحيل اودموده الملك اوردوسري دكعت بي سورة الحيل اودمورة اللهم يجيعت ادداس کے لعدنمازشفع کی دودکعات پڑسے جس کی ہردکعت میں ایک مرتبہ سودہ العجل ایک با ر سورهٔ احد (قل هوالله احد) بین بار اوردوسری رکعت می قنوت پڑینے اوربعدسلام کھریے ہوکرنا نے ویشرابک دکھت پڑسے جس پرسورہ الحیل کے بعدسورہ انھل تین بارا ورسورہ الغلق ايك بار سورة الناس ايك باديم سطة اوراس يريمي لعدقرأت سوده بإ اورقبل دكوع قنوت پرمطة ا درقنوت میں یہ دعار پڑسھتے:۔ أللهم مَ صَلِّ عَلَى مُحَمَّدٍ وَالدِم حَمَّدٍ الله مُحَمَّد الله مُ الله مُ الله مُ الله مُ الله مُ هديت وعاننا فبمن عانيت وتولنا فيمن توليت وبارك لنافيعا أعطيت وقناش ماقضيت فانك تعضى ولايقضى عَليك أنه لايزكُ من واليت ولايعَزُ مِن عاديت تباركت مآبنا وتعاليت اس كيدسترمرت استغفرانله واساله التوبة كتي حب سلام بميم كمراز وقريمهم كريتے توتعفيبات كے ہے بہر چھ جائے اورجب تك الدُّرجا ہنا بڑستے دسہتے۔ حب خازفج كادقت قريب أتاتو كموس بوكردد ركعت خازنا فله فجر ميسطة جواك يهى دكعت بي سوره الحيل كے لعدسورة قل يا ايها الكا فردن اور دومري ركعت بي سورة

پہلی دکھت میں سورہ المحیل شکے لبدسورہ قبل یا ایبھا السکا فردن اور دومری دکھت میں سورہ المحیل کے بعد مسورہ قبل ہواں آلہ (حدل بڑسفتے بھرحب فرطلوع ہوتی تواذان وا قامت کہ کہ دورکعت نازِ فرمجا لاتے اورکسلام کے بعدطلوع آفتاب تک تعقیبات کے لیے بیٹھ حبلتے۔ اس کے بعدشکر کے دوسجد سے کرتے یہا نتک کہ خوب دان نکل آبا۔
اس کے بعدشکر کے دوسجد سے کرتے یہا نتک کہ خوب دان نکل آبا۔
آپ تمام نماز ہائے فرلیف کی بہل رکعت میں سورہ المحیل اورسورہ انا افزایا اود

دوسری دکھت بیں سورہ النجیل اورقل ہوانگہ احدل پریسے سقے سوائے جمعہ کے دن نمازم بیج اورنماز طہر اورنماز عصرکے۔ ان میں آپ سورہ النجیل اورسورہ المنا فعون کی قرائت فراتے اورس جمعہ کونماز عشاد کی بی دکھت میں سورہ النجیل اورسورہ جسعہ اور دوسری دکھت میں سورہ النجیل اور سورہ الاعلے کی تلادت فراتے اور دوس نہ اور تجب نبہ کونمازم کی بیلی دکھت میں سورہ النجیل اور دوسری کو میں دورہ النجیل اورس ہ المدیدہ سے اللہ ہے ۔ اورس م النہ النہ النہ النہ اللہ ہے۔

رهل إتاك حديث الغاشية) كرَارَ رَاحَ رَ آپ تازمغرب، نازعشار، منازشپ (تبخد) منازشنی منازِ وترادد کازمیج على آوازسے (الجبر) اورنمازظهرونمازعمركودعى بوتى آوانسے (خنى آواد) برسے ہے اور آخركي دودكعتون مي تسبيمات ادلع ليبى سبيعان الله والحسد يللي ولا إلذ إلَّاللهُ وَاللَّهُ ٱحْتُكَبَرِ ثِن مِرْتِهِ بِمُرْحِدُ الدمرِ كَانِ كَ قنوت مِي يه دعاء بِمُرْسِعة بر س بت اغفى وارحم ويتباون عمّا تعلم انك انت الاعز الاجل الأكثم آپ جب سمی شہریں دن ویام فراستے توروزہ دیکھتے قدم فراستے اور جب رات تاریک ہج جاتی توافطارے پیدناز پہسے تھے۔آپ راست میں تمام نازبلے فرلیفہ کو دورکعت (تعرکیکے) برسعة موائع مغرب مرياس كالإدكانين دكعات برسعة واودخواه سغربهويا حفرية مغرب كانالماز چوٹستے مذکازشیب، مذکازشفع مزکاز وہر۔ سب دن کی مازوں کا نا فل سفریس مربیر عقے اور من نمازوں کو تعرکرے براست آت ہی تبيجات العبريعنى سبيحان الله والعسمد لله ولا إله الآالله والله أكت برتني مرتبه پڑسے اوروز مانے کہ براتام نماز کے لیے ہے۔ اور میں نے نہیں دیکھا کہ آپ نے سغریا حفرمی نمانے الصنعى پرهى مور نيرآپ سفرس كوئى روزه ننبس ريكتے سقے۔ آپ اپنی دعا كومختر داك مختر برد رود كے ما تقوشروع فراتے اور نازمی بلکہ نازے علادہ می کٹریت درود بڑھاکرتے آپ دات کے وقت اپنے بہتر برکٹرت سے تلاوت کلام باک کیا کرتے جب کسی ایت يرميونجة كحس ب جنت ياجبتم كاذكرمونا والكرير فرمات ادرالسب جنت كادعا فرات ادرجبتم سه بناه چلہتے۔ آپ دن کی خازم ہوں یا رات کی ان میں بہم اشر اترحیٰ الرحیٰ کھل اوازے وہا ہمری بمرسطة . حيب سورة قبل هوالله احد بمرسطة توخي وانسب كية " الله أحد " اورحباس ك قرأت سے فارغ بوستے توفر لمستے "کے ذاللہ الله مابناً" تین مرتبہ - اور جب مورہ جھے لما *ک قرآت کرتے تو دل میں کہتے "* یا ایسھا السکاخر دن " اور حب اس کی قرآب سے فارغ ہوتے تو فهة سهى الله ودمين الإسلام " اورجب وَالشِّينِ وَالنَّابِينِ وَالنَّابِينِ وَالنَّابِينِ وَالنَّابِينِ توبد فراخة بلي وانامن الشّاه ب " اورجب لآأقسم بيوم القيامة ك تلادت فراتے توثلادت کے بعد فواتے « سبھانات الکی شکربیلی " اور جب سورہ جعرکی تلاد^ی فرات توتلادت سے فرافت کے بعدفرائے" قبل ماعن مانا لله خیرمن اللهود من التجاماة للنهن اتقوا والله خيرالت ان قيان ـ ادرجب سورة فالتحرك تلاوت فراسته توتلاوستسك بعدفر لمستة الحاليرب الغلين

اورجب سورة الاعظ (سبح اسعرس بلث الاعلے) كى تلادت فرماتے تودل يى بعدتلات كيتة " مسبحاً ن سربي الاعلے " اورجيب قرآن مجيد كى الُ آيات كى تلادت فراتے جن ميں « يا ايها الذين اصنوا "ب تودل بى دل بى كرسينة" لبيك السهد لبيث " آب کے اس مفرکے درمیان جس شہریں تھی کوئی سخص آب کے پاس آتااوالینے وبي مسائل دريانت كرتاآب اس كے جوابات اكثر دمينز لين آباء و اجداد كے سيسے وياكرتے يعنى سسله كوحفرت على على مستلام اوران سع حفرت رسول الشرصتى الشرعليه وآله وستم كاهدت الغرص حببس حفرت ام مضاعليك الم كوليكر امون كے باس بيونجا تو اس نے دوران سفران مفرت کا حال دریافت کیا ، تومیں نے شب دروز میں آپ کے کوچ اورقیام میں جود کھا تھا' بیان کردیا۔ تواس نے کہا ' لے ابن صنی کے یہ دوسے زین برسب سے بہترہیں ، سرب سے زیادہ صاحب علم ہی سب سے زیادہ عبادت گذارہیں ۔ گرمم نے جو کچھ دیکھے اسے وہ کسی سے بیان نہ کرنا ' تاکہ ان کا فقتل وشریت لوگوں پڑھا ہرنہ ہوسکے اور آپ كم متعلق جوميري نيت ب اس مين الشريس مدد جام تا مول ـ وعبيون اخبارالهمنا حلدد مسندا وسيما _ معبارِ شرف تفوی اوراطاعت. موسی بن تھردادی کا بران ہے کہ یں نے اپنے والدکو کہتے ہوئے مرسسناکہ ایک شخص حفریت الم مرصاعلی سست کها، فدای تسم ازدویت آبار واجداد روشت زین بر آب سے بڑھ کرکوئی صاحبے شرف مہیں ، آپ نے ارشادفر مایاء گرہادی آبارواجداد کوتفوی بی سنے توصاحب شربت بنایا متحااورا طاعتِ الہٰی میں ان کوسبسے زیادہ حنظ حاصل ہوتا مقا۔ مچرایک دومرسے تنخص نے کہا ۔ آپ وانٹرتام انسانوں میں سب سے بہتر ہیں آپ نے فرمایا قسم ذکھاؤ ، مجھ سے بہتروہ ہوسکتاہے جومجھ سے زیادہ متنقی اورالڈکی اطاعیت کرتا ہو۔ يادركفو! قرآن مجيدگي په آيت نسورخ نهبي بوتي: ـ وَجَعَلْنَاكُمُ شَعُوبًا وَقَبَا مِنْ لِتَعَارَفُوا ۚ إِنَّ أَحُثَوَمُكُمُ عِنْ لَ الله التُعَلَّكُمُ ط (سوره الجرات آیت۱۱)

" ا دریم نے تمہمادیپ کنیے اورقبیبے اس لیے قرار دیسے ہیں تاکہ ایک دومرے کو بہجان سکو' بشک النٹریکے نزد مک تم مں سب سے زیادہ کرم وہ سے دیم میں مستے ڈیادہ بریز کارے یا مین اخد علاقا

ا بن ذکوان کا بیان ہے کہ حفرت ا کام رصا علیمستیام فرماتے تھے کہ میں نے غلام آذاد كرسف كاقسم كعانى سب اورجب مجى يمى ميں غلام آزاد كرسف كو تسم كعا تا بول توبيدايك غلام كوآذاد كرتابول اس كے بعد لينے تمام غلاموں كوآزاد كرويتا بول ۔ اگرميرے دل بي يہ بات پدا ہوتی کہ میں دسولی مقبول م کامعض قرابتدار ہونے کی وجہسے اس خلامسے بہتر میوں۔ یہ کہ کھیے نے ایک حبثی غلام کی طرف اشارہ فر مایا " حالا کہ اگر میراعمل صائع ہوگا تومیں اس کے انفل پول گا (عبون اخا دالرضا جلدا مستسير) يقطيني كابيان بكرمب حفرت امام رمنا عليست المكامك المستي اخلات ہواتومیں نے بندرہ مرادلیے مسائل جمع کے جواب سے دریافت کیے سکتے اور آپ نے اکتاب (ممثاب الغيبت طوسى معه) کے جوایات دیلے۔ _ دسترخوان کی بہترین غذایت مساکین کاحق معمرين خلاد كابيان بسيكم حفرت المم رصاعليكست للم غذا تناول فرائ كالدادة فر التے تودمترخوان کے قرمیب ایک مٹرا پیالہ لاکر رکھ دیاجا تا۔ اور آپ دسترخوان ہرج مہرین غذا بوتی اس سے مجھ غذا نسکال کراس بڑے پیاسے میں دیکھتے ، مجر مقود استوڈ اسر کھلنے یہ سے شكال كماس بي مسطحة اودعكم دسية كري فغراء ومساكين كودسه آوُدُ اس كے بعداس آيت ك ثلاوت فرلمستة " فَكَلَ ا قُتْتَحَمِّ الْعُقَبَّنَةَ " ﴿ سورةِ البلدَآبِ ال

نگال کواس میں دیکھتے اود حکم دیسے کہ بے فقرا ، ومساکین کو دسے آؤ کا اس کے بعداس آیت کی نقلوت فراستے ۔" فیلا افت تحکم اِلْعُظَبَیّۃ " ﴿ سورۃ البلدآبِ ال ﴾ مجرفروات کرانے کہ اللہ آبت ال ﴾ مجرفروات کہ اللہ آبت ال کہ میرانسان غلام آ ذا دکرنے کی مقدرت نہیں دکھتا اس لیے اس نے اُن کے بیے جنّت کا یہ داستہ کھول دیاہیے ۔ دلین کھانا کھلانا نقرا ، ومساکن کو) اُس نے اُن کے بیے جنّت کا یہ داستہ کھول دیاہیے ۔ دلین کھانا کھلانا نقرا ، ومساکن کو) کمن ب المحاسس مسامی کے مثنل دوایت مرقوم ہے ۔ کمناب کا فی جلد ہم صاحب ہے۔ کمناب موایت مرقوم ہے ۔

طوں کے باغات کے قریب بہریخے توسٹوروفل کی آ دازسنی ۔ آپ اس کی طریت بھیں اور دیکھا۔
ایک خازہ جارہ متعا۔ جیسے ہی میرے مولاک تظراس پر بڑی آپ فوڈ الپنے کھوڈ ے سے اُتر بڑے اور میکھا۔
جنازے کی طریت بڑھے 'اُسے کا ندھا دیا اوڈسٹسل اُس کے ساتھ ساتھ دیسے جیسے ایک بحک کا کہترائی مال کے سے معدد سے داس کے بعدمری طریت متوقع ہوئے اور فر مایا 'لے موسی من سیار ایجھیں ہما

دوستوں یں سے می دوست کے جازے کی مشالیت کرے تو وہ اپنے تام گذا ہوں سے اس طرح باک ہوئے ہوں کے بعد جب اس کے تعریب کی بالا گیا تو آپ نے بیت قرب بہد بخے ، جب بہت کو تا بوت سے نکالا گیا تو آپ نے بیت کے بعد بخے کے بید بخے میں باتھ دکھا مجرز وایا کے فلال ابن فلال بخے جنت کی نوشخری ہواب اس وقت کے بعد بخے کوئی خوت وضافہ ہیں ہے ۔ کہ باتھ ہیں ہیں ہے جب کہ بات ہیں آپ پر قربان ، کیا آپ اس مرنے والے کو بہائے ہیں ہیں ہوگئے ہیں ہوگئے ہوں کے اعمال دوراد جب وشام بیش کے جائے ہیں۔ اگرائن کے معلوم کرہ کہ اگر تھے ہیں اور جس کے اعمال دوراد جب وشام بیش کے جائے ہیں۔ اگرائن کے اعمال من کہ تھے ہیں اور جس کے اعمال من کو بھر وی ہے تو ہم اس کے لیے اللہ سے عفو دور گذر کی دعا کہ تے ہیں اور جس کے اعمال من کو بہتہ وی ہے تاہ ہوں ہوتی ہے تو ہم اس کے لیے اللہ سے عفو دور گذر کی دعا کہ تے ہیں اور جس کے اعمال میں کہ تھے ہیں تو اس کے لیے اللہ سے کہتے ہیں ۔ دماخہ آلوانی خالا ہوں ہوتی ہے تو ہم اس کے لیے اللہ سے کہتے ہیں ۔ دماخہ آلوانی خالا ہوں کو اس کے لیے اللہ سے کہتے ہیں ۔ دماخہ آلوانی خالا ہوں کو اس کے لیے اللہ سے کہتے ہیں ۔ دماخہ آلوانی خالا ہوں گور کے ہوں تو اس کے لیے اللہ سے کہتے ہیں ۔ دماخہ آلوانی خالا ہوں گور کے تاہ کہ کو کہتے ہوں تو اس کے لیے تو کہ کا اللہ سے کہتے ہیں ۔ دماخہ آلوانی خالا ہوں گور کو کہ اس کے کے تو کو کہ کو کہ کو کو کہ کو کو کہ کو کو کہ کو ک

<u> پانی اور رونی کی افاریت</u>

حفرت امام رصاعلی سے ایک مرتبہ پائی اور روٹی کے کھانے کے بارے ہیں دریافت کیا گیا تو آب نے فرمایا کہ پائی طعام حیات ہے اور روٹی طعام عیش ہے۔ مناقب مبدیم مسیمیں) میں سے ایک بخوار کی تعمہ

(مناقب مبلدم مستف) ایک خواب کی تعبیر آپ کے خادم یاسرکا بیان ہے کہ ایک دن میں نے حفرت امام رضاعالیت یام

اب سے عظرت امام رہا تھا۔ ایک بنجرہ ہے حدیث کا میں کے حقرت امام رہا تھا۔ سے عرض کیا کہ میں سے خواب میں دیجھا کہ ایک بنجرہ ہے حس میں مٹنز و مشیشیاں کمی ہوئی ہیں کہا گاہ وہ بنجرہ ہے حس میں مٹنز و مشیشیاں کمی ہوئی ہیں کہا گاہ وہ بنجرہ کراا ورسا ادی مشیشیاں چر دچر دیوگئیں : آب نے رہا گارا گرتم نے یہ خواب واقعا دیجھا ہے تو ہمادہ خاندان کا ایک شخص خروج کردے گا اور مرح کیا اور مرح مثنزہ دن آپ کی تعبیر کے مطابق محد بن ابرا ہم نے کوفر میں ابی السرایا کے ساتھ خروج کیا اور مرح مثنزہ دن دندہ رہے اس کے بعدا خیس موت آگئ ۔ (مناقب جدیم مناقب ردمنۃ الکانی مسامی دندہ دہے اس کے بعدا خیس موت آگئ ۔ (مناقب جدیم مناقب ردمنۃ الکانی مسامی

سے کسٹرسی ____ کسٹرسی ____ کسٹرسی ____ کسٹرسی ____ کسٹرسی ____ کسٹرسی ال میں اور میں میں میں میں میں میں میں م

ایک دن حفزت امام دهناعلی سیام خام تشرلیت نے گئے توکس نے آپ سے کہا کہ ذرام را ابران تول دو ہ آپ اس کا برن طف گئے گرجب اس نے آپ کو پہچانا اوم عذرت طلب نے لگا اور آپ اس کے سینے کوسلتے اور معاون کرتے دیسے ۔

كتاب محاجزات يسب كردوئ زمين برايساكونى نبيس بيعب كى سات يتنون خاصّہ وعامَسْجی ا حادیث نقل کہتے ہوں سواسے علی بن موٹ بن یجٹو میں مختر بن علی بن ہمیں بن علیٰ بن رمناتب آليابي طاب ميدم مسيس یعقوب بن اسحاق نونجتی کا بیان ہے کہ ایک شخص حفرت علیٰ ابن موٹمی رصام کی خدم مت میں آیا اور کہا آپ مجھے اپن حیثیت اور مروّٹ کے بقدرعطا فرائیے : آپ نے ارشا د فر ما یا کرانی مجدمی وسویت واست طاعت نہیں: اس نے کہا اجھا تو مجرمی چیست ا ودمرویت کے لبقدر مطافرات : فرمایا " اگرایساسی تو" بال " مجراین غلام کوآ وازدی کراس دوسودیناردیده ____ ایک مرتبراک نے خراسان میں بروزعرفہ اپنا سادا مال تقبیم کردیا ۔ توفقیل بن سهل نے وض کیا : آپ نے تویہ مبہت نقصان کیا : آپ نے فرا یا ' یرتقصان نہیں لفع ہے ۔ جب ہمنے اسے تواب اور مرمت کا سود اکیاہے تو میراس کوتم نفصان میں کیوں شادر تے ہو۔ (ممتاب المناقب جلدم مست - ١٧١) الوصلت عبدالتهام بن صائح بروی کابیان ہے کہ مجے حفرت امام دحنامیسے برا مها حدیدهم کوئی نظر نہیں آیا ا ورصرت برمیں نہیں کہتا ، بلکھیں عالم نے بھی آپ سے ملاقات ى اس نے يمي ي كما جوميں كمدرا يول : ما مون وستبدائي مياس يس مختلف اويان ومذا ميب مے علما داورنقباشے شرایعیت اورشکٹین کوآپ سے بحث ومباحثہ کے لیے جمع کرتا اورآپ ایکیا یک كركے مدب پرغالب آجلتے اوركوتی الیہا نہاتی رہتا جوآپ کی افضلیت اورخود میں صلم کی کی کا چنا پخسیں نے حفرت ا ام رصا علی کستیام کو بیان فرانے ہوئے مشاکم میں دوخہ دیولی مين بيهاكراا ورعلمات مرمني ومبهت وأفرتعدادس مخصب كسي متلكاجواب ديفس عاجز ہوتے توان مب کا اشارہ میری طریت ہوتا ، آور دہ لیے مشکل مسائل کمی آدی کے ذریعے سے میرے

ياس مجيما كسته اورسي ان كاجواب دبيريا . الوصلت كابيان سيركم محدين اسحاق بن موسى بن مجعوسنے لينے والدسے دوايت

ک ہے کہ حفرت موسی من حبّغ مالیکستہ لام اپنی اوالاڈسے فریا اکریتے یک ما درکھو! بدیمہا را بیبائی علیّ بن موَّىٰ عالم آلُ فرّسه - إن ست است دين مسائل يوجها كروادر وكيريه بي اس كويادر كما كرواس ليكرس في مفرية يخفرن مخرك فراست بوك بار إسسناك عالم آل محر معادس صلب سي بوكا الد كاثراس اتناديمه دمېراكداست دىكىرىيتا "اس يەكداسكانام دوامىللونىين مائىيسىيام نے ملى د كھاسپ ر

(A) میدانترین صاب نے ایک مردیمی سے روایت کی ہے۔ اس کابیان ہے کم میرے خراسان کے سفریں حفریت امام بھاعلی سے ساتھ مقارایک دن آب نے ایا دسترخوان مجھوایا تو ائس پراپنے تمام سوڈان کے شیعول کو بھی بھایا : میں نے عرض کیا ، مولا ! میں آپ برقر بان ، آپ لو يه كمترخوان إن بى كے يہ جيور ديتے اورآپ الگ كمانا تناول فرماتے: آپ نے فرمایا ؛ اليي بات كيول كرتے ہو ؟ سب كايروردگارايك اورسب ايك باپ اور مال سے بيدا ہوئے (يعن آدم دوّا) اور مبرا تولینے لیے اعال پرملی ہے۔ (کا فی جلدیم مسیم-۱۲۰ <u> بوتيره طوريزيات دينا</u> السيع بن جرو كابيان ہے كەمىس حفرت ا مام رصنا علىكست لام كى مجلس ميں موجودها اورآب سے محوِّلفتگو مقاا ورمجی مبرِت ہے حفرات مسائل حرام وحلال دریا فت کرنے کے لیے جمع تقے كراسى اثنار الكي طويل القامت شخص أيا اورعمض كميف لكاء فرزندرسول آب برميراسلام مويمي آب کے اور آپ کے آبار واجداد کے دوستوں میں سے ہول بھے سے والی آرما ہول میرازاد راہ عم ہو گیاہے اورا تنابھی ہیں ہے کہ ای منسال کے بہو کا مسکول اگراپ مناسب مجیس تومیرے لیے يجهزاد داه مهيا فرادي تاكمس ليف شهرتك بهوي جاؤل رويس توالترف مجهر بهت كجه عطافر ماياس وطن بيوكيراتي بي رقم أب كى طرف سے تعدق كردول كا أن آب في ارشاد فرمايا ، احيا بيليم إ الشريم بردم فرائے۔ اس کے بعبہ آپ کچے دیرمزیدہم سب سے گفتگو کرتے دہے میجوڈی دیرے بعدسب لوگ عِلے کئے۔ اب وہ تعف میں اسلیمان حیوی اورختیدرہ کئے و آپ نے فرمایا کم اگر تا گوار نہر تومیس ذرا اندرسوا دُل ؟ مسلیمان نے وحن کیا ، جی بال ! بسم اللہ ، الله تعالیٰ آپ کے کام انجام ولائے حفر کھوٹے ہوئے اور جرے میں داخل ہوئے ، ایک ما عت کے بعد دروازہ بند کیا اور کواڑ (دروازے) کے ا دیرسے (کواٹوں کے درمیان سے) با تھیا ہر نکالا اورمروخِلمانی کوملایا اورفریایا ' سے یہ دومودیتا، ا ورخرچ کران کومیری المون سے تبرک جان کر۔ تجھے پررقم مری المون سے تعدّق کرنے کی حرورت نہیں ہے ادراب بہاں سے چلاجا۔ تاکہ ہم ایک دوسرے کونہ در کھٹ کیس۔ وہ شخص رقم مسیسے چھالگیا توسیعان نے کہا 'مولا !میں آپ پرقربان ! آپ نے تو اس برمبر بانی فرمانی اوداسے ایک بڑی تعطیر رقم عناست فرمادی ، گرآپ نے اس سے اپنا چہوکیوں جميايا؟ فرايا - اس فررسے كميں اس كے چرك برسوال كى وجسے ندامت كے آثار ند و كھول - كيا توسف دمول عبول مى يرمديث نبيئ مكروريروه نيسكى كرف ولي كومتر بي كرير أواب ممتاب ا در بالاعلان گناه كرنے والا مخذول ہے اور حبیا کرخن و كرنے والامغؤرہے۔ كيا تونے اعلے وكوں كار قولُ

نہیں مشناہے کہ : '' میں ایک دان اس کے پاس طلب حاجت کے لیے گیا گرجب وہال سے الن محروالول مين والس أيا تومير عيره برآب باقى عنى (كانى جدره مسالايها) كابدمنا تب جلدهم مسالا برمي البيع سے اسی كے منثل دوايت ہے ۔ ___ے عبیدبن ابی عبدالٹربغدادی سے دوایت ہے کہ اس سے ایکسیخص نے بیان کیا كرحفزت المم دهنا علي سيلم كريبإل ايك مهان آياوه دان كے وقت بيھا ہوا آپ سے باش مرر المقاكرالنے میں چاراع کی توجی پڑگئ ۔ مہان نے باعد بڑھا یا کداس کی تو تیزکردے ۔ امام رضاح نے اُسے دوکا ورخود برموکرزاع کی کوکودرست کردیا۔ پیرفرمایا ، ہم اُس قوم سے ہیں جواپنے ہمانوں سے | خدمت تہیں گیتے ۔ حفرت الم رصناعل كستيلم كے غلام يا مركا بيان ہے كہ ايك دن آپ كے غلاموں نے بھیل کھائے جزیج گئے وہ بھینک دیے : حفرت الم رضا علیاستیام نے دیکھا اور فسہ مایا ا مبحان الٹریکی خوب رہی رمجانی *اگریم کوان کی فٹرورٹ نہیں بھی* تومبہٹ سے الٹرکے بندے لیے مجی جن کور میں ترمہیں ہیں ۔ انھیں ہے جا و اور خرورت مندکو دے دو۔ (الکافی جلدہ مسامیر) (۲۲) ____ حفرت امام رصاعالی کے غلام یا سراور نا در کا بیان ہے کہ ہم سے امام رضاً نے ارشاد فرمایا کہ جب تم کھا ناکھاںہے ہوا ورمیں میریخ جاؤں تو کھڑے نہ ہوا کر دجبتک کہ کھانے سے فارع منهوجا وّراس كے بعد مح معی جب آب ہم میں سے سی کو طلب فرماتے اور كېريا جا آ كرمب كھا نا کھارہے ہیں۔ توآپ فرما دیتے سکتے 'اچھا انھیں کھا لینے دور نيزخادم بى كابيان ب كرحفزت امام على رصاعاليست لام آخرور كى بى بوي مفايو کی ڈلیاں ہم مدیکو عنایت فرایا کرتے ستھے ۔ _ أئمة طامرين كوهجورين بهت بسنة مسيهان بن جعفر حفوى كإبيان بسر كه ايك دن مين صفرت امام رضا علايست لام كميذمت یں ما حزمیدا۔ آپ کے سامنے برنی مجوری دعی ہوئی مقیں جو آپ کومبت لیسند تقین اور طریب سوق سے کھاتے معقے ۔ آپ نے فرمایا 'لے سلیمان آؤٹم بھی کھاؤ۔میں قرمیب گیا اود آپ کے ساتھ کھانے ہیں اُ شریک بوا _میں نے عرص کیا مولا ! میں آپ پرقربان ، میں دکیمت میں کا یہ کویکھوری بہت لیسند ہیں : آب نے فرایا ، بال مجے مبہت لیسندہیں : میں نے اوجیا اس کی کیا وجہ ہے ؟ آپ نے فرایا بات يسب كردسول الترمنى الترعليرة والروستم بمج ورك شائق ستقر حفرت المرابونين علريست والمرجبي تجودي بهتاب ندمتين حفرت المامسن عليمست لام مي كمجورك تونين سق جفيت الدع دالله الحدين عليمسيال م كو

بمعى عجوبهبت ليندعيس احفرت تيرانسا جدين على بن لجسين ملاليت للمحكمجور كمح شاتق مقر وهزت الجزعبغ ممدياقر ملاكست لام مجمع وركي شوتين سقع احتفرت جعفرصادق عليكست لام معي هجوربيت ليسند كرتے تقے الميرے والد بزرگوارمى كمجوركے شائن تقے اورمس كمبى شائق بول اور بہارے دوستول كومع كمجور ليسند بهوتى بيءاس يبي كدوه بهارى فاضل طيزيت ست بداري بي اوالي سليمان إبهار دشن (بجورک اڑی) نشداً درجیر کولپ ندکرتے ہیں کبونکہ وہ آگ کے شعلوں سے پیدا ہوئے ہیں۔ ركا في مبلد وصهم سر ۲۲۷ روس ____ حسن بن جم كابيان ب كمين حفرت امام رضاعلليت بام كى فدرت بير حا فزيوا توديجها آپ سياه خضاب ليگائے ہوئے ہيں ۔ توديجها آپ سياه خضاب ليگائے ہوئے ہيں ۔ و __ خوشبوكااستعال محدبن وليدكرانى كابيان ب كمين في حفرت الوجعفر ثانى عليست للم سيعرض كياكراب مشك كاستعال كميتعتن كيافراتين سے استعمال مے معلی نیا فرمائے ہیں؟ آپ نے ادشاد فرمایا کہ ہرے پدر بزرگوارنے حکم دیا تھا کہ ہرے ہے مشکرالکم لوبان تیاری جائے تو وہ سات مودرہم میں تیار ہوتی ۔ توفق ل بن سہل نے آپ کوا الملائ دی كرنوك اس كے متعلق شكة چينى اور عيب گيرى كردسے ہيں: آپ نے اس كے جواب ہيں تورير فرمايا المياضل اكيا يخفينهي معلى كرحفرت يؤسف علاكست لامنى تتع اورسورن كم تادول سے کام کیا ہوا دبیاج کا رسیمی) مباس پہنتے اورسونے کی کھی پر پیھتے توان کی بوت میں کونانقی بسيدانيس موا: راوى كابيان مي كراس كے بعد آب نے مجھے م دیا توميس نے جارم اردرم سے آپ کے بیے شک وعنرو کافورسے مرکب ایک خشبوغالیہ تمارکی ۔ (کافی جلدہ ملاہ مادہ) و ____معربن خلاد کابیان ہے کہ مجھے حفرت امام رضاع بالست لام نے حکم دیا تومیں نے آب کے بیے ایک تمیل نیار کیا حس میں مشک وعنبرشا مل کیا گیا تھا۔ بھرآپ نے تعجیم داکہ ایک کا غذیراً یہ الکری ، ام الکتاب (سورہ حمد) معوذتین (اعوذ برتِ النّاس اوراعوذ برتِ العلق) اور قوارع القرآن دلیعی قرآن کی ده آیات جن سے شریشیا طین انس و عن سے حفاظت ہو) مکھوں اور اسے پیشی اوراس کے خلاف کے درمیان رکھوں میں نے معیل حکم کی رجب آب کے پاس لایا تومیں نے دیکھاکہ آپ نے رسیشی میں تیل رکھکر) اس پر غلات پیرمعالیا۔ رکانی جلد د مستاھ) حسن بن جیم کا بیان ہے کمیں حفرت امام رصنا علا کست بلام کی فدمت میں گیا الو آب كا كباس خوشبوس بساا وردموني ويا موا با يا _ (كافي جلدة مسيه

(كافى طدد مسيم) خیری دگائے ہوئے مقے۔ خیری دگائے ہوئے مقے۔ (م) برنطی نے حفرت امام رمنا علائے اس سے روایت کی ہے کراپ اپی تحسر ریکوفٹک الرنے کے بیے اس پر می جور کتے تھے۔ اللہ کی عبادت میں کسی کوشر کیکٹ کرو اللہ کی عبادت میں کسی کوشر کیکٹ کرو (كانى جلد لا مسال) وشار کابیان ہے کہ میں حفرت امام علی رضاعلیمست پلام کی ضورت ہیں مہونجا تو ويجعاكرآب كے سامنے بانى كا لوٹا ركھا ہوا تھا ا ور تازكى تيارى فرمار ہے ہے ميں قرميب كيا اور ما إكروضوك يه لوسط سے آپ كے مائتوں بربانی ڈالون ا آپ نے فرمایانہیں: میں نے وض كياكرةب مجهيان والنيس كيون منع فرارس من المين جامين جامين كرمجه ي تواب مع وآب نے فرایا ' ہم تونواب کا وُ اور مجھے گنام گار کرو : میں نے ومن کیا ' یہ کیسے ؟ اُسپ نے ارشاد فرایا ممن قرآن مِيرِى يراّيت بين شي سبركم فشكن كان يَرْجُوُ الِقَاءَ مَا يَدِهِ فَلَيْعُهُ لَ عَمَالَ صَالِعًا وَلاَ يُسْوِكُ بِعِبًا دَوْسَ بِهِ أَحَدُاه (سرة بَهِن آبت ١١٠) « پوشخص بقادِ الیٰ کی امیدر کھتا ہے ہیں اس کوچا ہے کہ عملِ معالع مجالات اور لینے دَب کی عبادت میں کسی کوشر مکیب مذکرے یہ عبادت یں می وسریب سمسے۔ اورمیں اِس دفیت نمازے سیے وضو کررہا ہوں یہ جی عبادت ہے۔ توجھے لیپندنہیں کہ اس میں کوئی مرے ساتع شریک ہو۔ میرے ساتھ شریک ہو۔ التركب سے اوركيسا ہے؟ دايك موال) بزنطی کابیان ہے کہ ایک شخص حفرت ا مام مضاعلی سے یاس ورامالم مرکع سے آیا اورلولا میں آپ سے ایک سوال کرتا ہوں اگر آپ نے اس کا جواب دے دیا توسی آپ کی ا امت كا قائل ہوجا وُل كا: آب نے فرایا لوجھوكیا ہوجھنا جاہتے ہو: اس نے کہا، یہ بنائے كم آب کا دبت کہاں ہے کیساہے اوراس کا تکیرس پرہے ؟ آپ نے ادشاد فر مایا ، کہ النزنبارک تعالیٰ این الاین لرموجروقت) اور کیعن الکیعت (موجد کیفیات) سے اودائس کا تکیرا بی ہی قلابت پر ہے۔ یہ جواب س کروہ اعما اور فرحد کرآیہ کی بیشا تی کا بوسے لیا اور کہا میں گواہی ویتا ہول کوالٹ سے ملاوہ کوئی دومرا الدنہیں ہے مخدانشرے دسول ہیں اورعلی وصی دمول اوران کے بعددین کوفائم ر کھنے والے ہیں اور آپ حفرات می آمت کے سیخے امام اوران اگر کے جانشین ہی ۔ (کافی جلوا صرف)

___حن بن جبم كابيان ب كميں نے حضرت امام رضاعليك الم كود كھاكراك روغين

جن کے تیم میں اُن کوسوا مسل کے ایک کے تعالیہ تا اس کے ایک کی الیان کے میں اُن کوسوا مسل کا الیان ہے کہ اس کے جن کا لیعت اس کے اورٹ دفرایا ، صرکرو مجھے اگرید ہے کہ الشرخما درے سادے کام بنادے گا رائشا ، الشرخ اس کے لیعد فرایا ۔ اس دنیا سے دونین کا بھیجا ہوا ذخیرہ الشرخ کے دیتا ہے وہ اس کے اید فرا ان کو ملما ہے ۔ بھر آپ نے اس دنیا کو حقیر بنا یا اور فرایا کہ اس کی حقیقت ہے کہ اس دنیا میں الشرف وہ نا کہ اس کے کہ ان دنیا کو حقی ہے وہ خطرے میں ہیں اس کے کہ ان نعمق میں وہ خطرے میں ہیں اس کے کہ ان نعمق میں میں ہے ہو فرا ان کو ملما ہوں کو نعمیں عطافر مائی میں ہے ہو فعی اس میں ہیں اس کے کہ ان نعمق میں میں ہیں ہوا وہ اس میں آپ ہو اور السرکے حقوق کی اور تیک میں کوئی کو تا ہی منہ ہوا وہ اس میں آپ ہو تر بان آس قدد و منزلت کے با دجود آپ اس قدد خوت حقوق الی طاری ہے ؟ آپ نے فرایا ، باں ، ورتا ہوں اور الشرکا شرکمی اواکر تا ہوں کہ خوت حقوق الی طاری ہے ؟ آپ نے فرایا ، باں ، ورتا ہوں اور الشرکا شرکمی اواکر تا ہوں کہ خوت حقوق الی طاری ہے ؟ آپ نے فرایا ، باں ، ورتا ہوں اور الشرکا شرکمی اواکر تا ہوں کہ خوت حقوق الی طاری ہے ؟ آپ نے فرایا ، باں ، ورتا ہوں اور الشرکا شرکمی اواکر تا ہوں کہ خوت حقوق الی طاری ہے ؟ آپ نے فرایا ، باں ، ورتا ہوں اور الشرکا شرکمی اواکر تا ہوں کہ خوت حقوق الی طاری ہے ؟ آپ نے فرایا ، باں ، ورتا ہوں اور الشرکا شرکمی اواکر تا ہوں کہ خوت حقوق الی طاری ہے ؟ آپ نے فرایا ، باں ، ورتا ہوں اور الشرکا شرکمی اور کو تا ہوں کہ کہ کو تا ہوں کہ کہ کو تا ہوں کہ کو تا ہوں کہ کہ کو تا ہوں کو تا ہوں کہ کو تا ہوں کو تا ہ

سے عبدین کی جینیتوں بس فرق سے

اس نے پیمتیں مجھے عطافرائی ہیں۔

محدب فضل نے حفرت ام مصاعلی سے کہ ایسے عبد النام کی یہ دوایت نقل کی ہے کہ آپ نے عبد النام کی یہ دوایت نقل کی ہے کہ آپ نے عبد النام کو یہ کار کر فرایا 'اے فلاں ! النار تعالیٰ تم ادرے اور ہجا درے عمل کو قبول فرائے یہ تھر آپ نے عید فریان کے موقع پر فرایا 'اے فلاں ! النار تعالیٰ ہمارے اور تم النے عمل کو قبول فرائے ۔

د کانی جلدس م<u>ست ه</u>ی

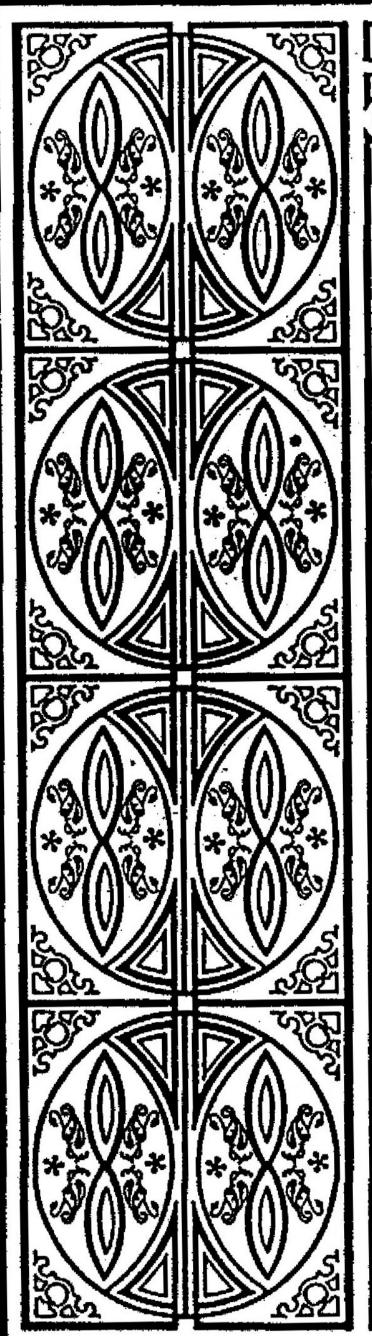
مزدور سے مزدوری طے کرکے کام لو

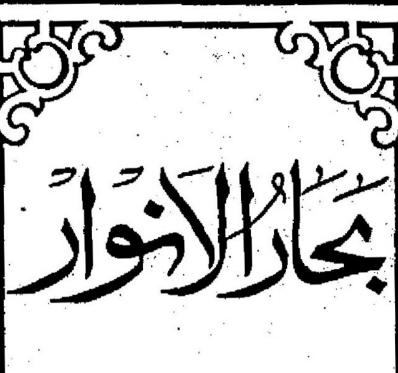
سیمان جوری کابیان سے کہ میں حفرت امام رضا علیہ الم کے اجتماع کا موں میں آپ کے سیا تقریبات ہوئی کا بیان سے کہ میں حفرت امام رضا علیہ نے ارشاد فر مایا کم میرے ساتھ ہی جانے ہیں نے اپنے کھوالیسی کا اداد آپ کے ساتھ ہی رہا۔ آپشام میرے ساتھ ہی رہا۔ آپشام کے وقت اپنے بریت انشروٹ میں داخل ہوئے آواپنے فلاموں پرا کیے نظر ڈالی جن میں کوئی مئی کا کام کررہا تھا اوروں کو با ندھ رہا تھا 'کوئی اس کے علاوہ و سراکام کررہا تھا اوروان ہی کے ساتھ ایک جبشی میں تھا جو ان فلاموں کے علاوہ تھا۔ آپ نے دریافت فرایا ہا کھر پرکون تھی ہے جو تھا کہ ساتھ کا م کررہا ہے ۔ اوراسے کچھ مزدوں ک وے دیتے ساتھ کا م کررہا ہے ۔ ان خلاموں نے عمض کیا کہ یہ ہماری مددکر تا ہے اور اسے کچھ مزدوں ک دے دیتے سی یہ آپ نے والے ان کیا اس کی مزدوں کے کرلی ہے ؟ خلاموں نے عمض کیا اینہیں ۔ اس میم جو سی یہ آپ نے دریا تھا ہے۔ ان میں اس کی مزدوں کے حراب ہے ۔

يرسن كرأب ان غلادل كى طرف بريد اورائمفين كوريب رميدكي -

آپ فیظ میں بھرے ہوئے ہے : میں نے عض کیا ، میں آپ پرقربان یہ آپ کوعقہ کیوں آگیا؟
آپ نے فرمایا ، میں نے انھیں بار ہانئ کیا ہے کہی مزودد کولینے ساخت کام میں اس وقت شک ند دیگا ڈ جبتک کماس سے انس کی مزودد کی طرف کراہ ہے آپ نے ارشاد فرمایا کہ آگر کمی مزددد کولغیر مزودری طرف کو ایس کی مزددری کا بین گذاہمی دے دو گے توجی اسے بہی خیال ہوگا کہ ہم نے اسس کومزدوری کم دی ہے ۔ اور جب مزدوری طے کراہ گے تواس کو اس کی طرف میں میں خوالی دو مزدوری پوری دینے پر تماری تولین کرے گا اورا گرتم نے اس کی مزدددی سے کہ بھی ذیادہ دے دیا تو وہ مزید خوش ہوگا اور جائن مارد ہ مدامین)
دیا گیا ہے ۔
دیا گیا ہے ۔

ooo







باب



امام كح چند ننتخب الشعار

س بے ثباتی کائنات

یحبیٰ بن عبادنے لینے مخاصے دوایت کی ہے۔ اس کا بیان ہے کہ میں نے ایک دن حفرت ا مام رصاعلیٰ مستقام کومندرج ڈیل اشعار پڑستے ہوئے مشنا 'حالانکراپ مرک پیٹر مل ببهت پی کم شعر پرسطے سکتے ،۔ ترجم اشعار

> كلتانامل مدّا في الإجل والمناياهن إخاست الأصل لاتغرنك اباطيل المنى والنهم القصد ودع عنك العلل انعاال دنيا حقيظل م ائل حل فيعام أكب شعرم حل

مم انسانوں میں سے برایک کوسی امید ہوت ہے کہی اس کی زندگی کی مدت اور آسٹے بڑھے گی لیکن موت تمام امیدوں کے لیے آفت بن کراَجا تی ہے ۔ لیے انسان دیکیر! باطل *مناق اودخوامینات سے دعوکا*ز كمعا الودمياندرى اختياركرا وداي كوتا بيول كودودكم يردنيا كياب رجيه ايك دملى بول جهادل معيي كوتى سافراً كرتحولى ديرادام كريال اودمجرد ازموجا-

راوی کابیان سے کہیں سے عرص کیا یہ استعادیس کے ہیں ؟ آپ نے فرمایا ۔ یہ نمھادسے *میں عراقی شاعرہے ہیں۔ میں سے عرض کیا یہ* تو مجھے ابوالعتابہ سے مشندائے ستھے : آپ نے فرايا اس كانام بياكروالوالعنامير منكماكرور الشريعالي كالرشاوسي " وَرَكَا تَنَا بَخُرُولِ بِالْأَلْعَابِ سكى كوركيا لقب سے ديكا مد مكن ہے اس كور الحموں ہو۔ ﴿ وسورہ الحجرات آيت ١١)

(ميون اخإرا ارما مبلد ۲ مشاء مسيده)

_ جلم کے باتے ہیں

موسئ بن محدفعاربي نے کسی شخص سے اوداس نے حفرت علی بن موئی دھا شہروایت ک*ن سے کہ ایک ون ما مون نے آپ سے دیافت کیا کیاتی کو کھیے اسٹھا رکھی* یا دہمی ۔ ج آپ نے فرایا ' بہت ۔ : اس نے کہا اجھا" بیلم " کے متعلق کچھ اسٹھا رمنا سے۔ آپ نے فرایا 'مسنوا

اذا كان دونى من بليت بجهله ابيت لنفسى ان تـقـا بل بالجـهـل

وَان كان مثلى فى هم تى من النهى أخرت بعلى المشلى المنسل

وان كنتُ ادنى مند فى الفضل والحجى عرفت له حسق الشقدم والفضل

اگریمادا سالیقدی ایستخص سے بڑے کہ اس کی جہالت میرے بے بلا و معبدت بن جلٹ تومیں اپنے نعن کو مجود کرتا ہوں کہ وہ انتہائی تحمل سے اس کی جہالت کو بروا کو اورا گروہ خص عقل اور محبدی ترجی شل اور فرد ا ہے تومیں بہت تحمل اور برداشت سے اس امرکی کوشش کرتا ہوں کہ اپنے شل سے بڑمہ جا کوں میں اگر میں عقل میں ان انگار سے داجہ میں اس سرکہ

ا وراگرسی مقل و دا نائی و یمجه نوجه می اس سے کم مول تو طاہر ہے کہ محمل اور برداشت کے ساتھ ہمیں اس کا اس کی فعدیات اور برائی کوسلیم می کرنا فرے گا۔

مامون نے کہا بہت اچھے اشعادیں کس کے بیں ؟ آب نے فرمایا ہمارے ہی لبعض نوجوان نے کہے ہیں : میرائس نے کہا اچھا اگرجا ہل کے جواب بی خاموسی اور لینے دوست پر عتاب ندکر نے سکے بارسے بیں جمہترین اشعار بادیوں وہ سنائیے : آپ نے فرمایا ،سنو!

<u> ۔۔۔۔ دورت کیلئے ترک عتاب ہی عتاب ہے</u>

انىلىھىمىنى الىصىدىق تىجنباً فأس يەلىن لھىمى لا اسسىا با

وارها ان غاتبته اغربیته واری له نزلِث العتاب عشاباً

واذابليت بجاهل متحكم يجد المحال من الامورصوا با

اولیت منی السکویت و وبها کان السکوت عن الجواب جواباً

جب ہماراکوئی دوست ہم سے طف سے گریز کریاہے توسی خود مجدلیتا ہوں کہ اس کے گریز کے مجھ مذکبھ اسباب صرور ہیں ۔

• اودس به مجتابون که اگرس اس کے گریز بیاب کروں گا تو وہ مجعرسے اور مجی دور مج جائے گا آت ترکب عتاب ہی کو عتاب فرض کرلیتا ہوں۔ • اگر سمادا سالفہ کسی ایسرچا بل حاکم سیر بر جائے

• اگربہادا سابقت ایسے جا بل حاکم سے پڑجائے محکمی معاطری می اس کے لیے بیج داست پرحیلنا محال سے تو

میں بہی بہتر محجت ابوں کہ سکوت اختیاد کولا
 اور کیمی کیمی پرسکوت اختیاد کرناچ اب نہ دینا
 بجائے خود ایک طرح کا جواب ہے ۔

امون نے کہا بہت اچھا شعارہی ، یہ کس نے کہتیں ؟ آب نے فرایا یہ می ہماریے می نوج انوں میں سے کسی نے کہے ہیں : مامون نے کہا اچھا دشن کو بھی دوست بنانے کے متعلق ج اچھ اشعار با دموں سے ناکیے : آپ نے فرایا رسنو!

س بلنداخلاقی

وذى غلة سالمته فقدرته فاوقرته منى لعفوالتجمل

ومن لايدافع سيات عدولا باحسانه لعرباخذ الطول من عل

ولمرارفى الاشياء اسرع مهلكا لغبر قديم من وداد معجل

کی ویشی اور کرورت رکھنے والے ایسے ہیں کوجنیں ہم نے ملے صفائی کے ذرابع سے دام کرلیا ادری طون سے بہترین عفو کا اچھواس پر لاد دیا۔ مار، دیشخص میٹم کی سائک کواس کر سائمت

 اور جوشخعی وشمن کی برسلوکی کواس کے ساتھ نیکی اوراحسان کر کے منہیں دفع کرسکتا وہ طبند مقام نہیں حاصل کرسکتا۔

• ہم نے دنیا میں کوئی چیزا تنی جلد الماک فن کرنوالی نہیں پائی جنی جلدنی دوستی پرانی دشتی کوئی تشمی کوفنا کردیتی ہے۔ کوفنا کردیتی ہے۔

مامون نے کہاکیا نوب بہت اچھ اشعاریں ۔ بیکس نے کہیں ؟ آپ نے فرمایا یہ می ہمادیے ہی نوچ انوں میں سے کسی نے کہے ہیں ، مامون نے کہا اچھالمہنے واز کو چھھا کے دسینے کے متعلق جو مبترین اشعار آپ کویا دہوں وہ مشنائیں ۔ آپ نے فرمایا مینوا

<u> س</u>رازداری

وان لانسی السرکیدلا اذبعه فیامن سمای سرل بصان بان پنسی مخافدان بجری ببیا لی ذکس ۲ فینبذ و قلبی الی ملتوی حسشا

فيوشك و لعربيش سرًا وجال فى خواطم الالالعطيق لسد حبسسا

میں اپنے رازی باتوں کی معبلادیتا ہوں تاکماں کوفاش نہ کرسکوں اورکیاکیٹا اس شخص کا چ اپا رازچیپانے کیئے وازکو معبلا دیتاہیے۔ موٹ اس ورسے کماگر ہر رازم ارسے ذہین میں عبر دگاتا رہا تو ایک نہ ایک دین وہ کی کے

ساحنے آگل وسے گا۔ جس نے آمی لینے رازگوفاش نہیں کیاہے گراسکے دل وداخ میں وہ میکرلگادا ہے تو کچے لبدینہیں ج وہ اسے ضبط ذکر مسکے اور فاش کردے

اس کے بعد مامون نے علام کو حکم دیاکہ مرا پیخط مھٹل بن مہل کے یاس سے جا اوراس حفرت الوالمن عليمت لام كے يتے مين لاكودينار ہے آ۔ ﴿ ______ عدوق علیالرحہ اس روایت کوتھ۔ دیرکرنے کے بعد ملکھتے ہیں کرحفوت اما م رضًا عليكت للم نے مامون كا برية بول فرايا تووہ باكل اسى طرح جيے حصرت دسول متول متى المدعليہ واكر وسلم عنيسير لم الليان كامرية بول فرا ليت تنع ياجس طرح حفرت الماحن عليكست لام معاويدك دي موتى وقم تبول فرالينة بينغ ياجس طرح مهارس وججرا ثمرًا لينصسا لمبن وقست وعلغاء كي رقم فبول فرما ليا كرسته يتف ا دراصولی طور را کرا کیستنفی بهاری دولت پر زبرت ی قبصه کرے بیند گیاہے تواکر وہ اس برسے مجے بہیں وے دیتاہے تواس کامے لینا جا گزیہے۔

<u>مروان بن الوحفقہ کے اشعارے اذیت</u>

معربن خلاد اورابك جاعت سي روايت ب كرم حفرت الم رضاعليك الم ک خدمت میں حاخر ہوئے توہم میں سے کسی نے عرض کیا ' ہماری جانیں آپ پرقربان ' آج آ ہے چیرہ مبارك پرحزن وطال مے آثار كيوں ماياں ہيں: آپ نے ارشا دفر ماياكه آج ميں مروان بن الوحفعہ كے اس شرکے تعلق غورکر دیا تھا شب میں نید بھی نہیں آئی۔ وہ شعریہ ہے۔

ا فى يكون ولميس ذاك بكا نُن مسكمة من مريب بوسكة به الاي تربي به سكة كم المنت ومن احشدة الاعسام المؤكى كادلاد من جهاؤى كوم يوي في والحسب ودا شت ومن احشدة الاعسام ودا شت بي من و

بعرمين سوكيا توخاب وسكهاكه ايك شخص ميري وروازسه كابا زوتها مع بوك

مندرم ویل اشعار پڑھ رہا ہے۔ انى يكون وليس ذاك بكاتن للشركين دعائم الاسلام

لبني البنات نصيبهم من جداهم والعموتزوك بندير سدهام

ماللطليق وللتراث وامنسا سد والطلسق ميزاد ترالصرمام

يركي بوسكتاب اورية توبوي نبي سكتاكم ج پہنے مشرک تقے وہ اب اسلام کے ستول بن جائیں۔

ا زروشے شرح اواسوں کونا ناکا ترکہ مساسے اور

جيا جيود اما تأب اسكاسي كون معتنين.

م مبلاً ناد كوه كامرات سه كياتعن اوروه مي ده اناد هين نيرنوار محرخون سرميده كمامه

قدكان اخبرك الغران بغضله فهضى القضاءبهمن العكام

ان ابن فاظمة المنوه باسسه حائر الورائة عن ابن الاعسام

دبقجابن شلة واقبغا مترددا يرتي ويسعده ذووالارحام

 قرآن مجیسے تو پہلے ہی اس وارٹ رسول کے فغنل واستحقاق كي الملاع ديدي مخي ا وراسي بنا مرسابعة حكآم وتت نے كئ باران كے حق بس فيعلد وباسب كه

فاطم زمرا کی اولاد جوایتے اپنے ناموں سے دیاری ماتى ب اس نے انخفرت مے جیاک اولاد کوملا سے مجوب کردیا۔

اورشندی اولاد کعرای بوکراس کامرتیه پڑمہ دې ہے اودان کے کوشتہ دا ران کی اس مرتبی خانی ي مدكربي.

موت کاایک دن معین ہے

ابن مغیره کا بیان ہے کہیں نے حفرت ابوالحن رضا علی سندام کو مندرج ذیل

المشعاريشين بيريمسنا . ـ انك فى دار لىھامىنى ة

يقبل فيعا عسل العامل

الاترى الموت محيطابها يكذب فيها امل الأمل

تعجل الذنب لها تشتغی وتامل التوبة فی قبابل

والموت ياتى المسلم بغشة ماذات شعل المعانم العاتل

اس وتت تم ایک ایسے گھریں ہوکھیں میں طائش ک مذت تک برعل کرنے والے کاعل قبول

• كيائم نهي ديجية كروت نے اس كوچارول فريست كميرد كمعاسه ا وروه مراكبيد دركعن

ولے كا اميد كا خاتم كروي ہے . م ای فوایش کے مطابق کنا و کارتکاب کرنے

میں تونعیل کرتے ہواس میں دیر مہیں کرتے ليكن توبركوا مكره كمصيط لمتوك كرويت بور

حالانک حومت کم کرمنہیں آتی بلکہ کے بیک آماق ہے۔ اس کیے ایک منتل مندا ورممتا طآدی کا پر کام ترمنیں سرکر قریہ کی ملتریں کھو

احدین سین کاتب ابغین نے لینے باپ سے دوایت کی ہے کہ ہم لوگ حفق امام رہناعلی سین کا خدمت میں حاضر تھے کہ ایک شخص نے اپنے بمبائ کا شکوہ کیا ، تو آپ نے یہ استعاد پڑے :۔

اعدن اخالت على ذنوبه واستروعظ على عيوبه

واصيرعلىٰ بعتالتفيه وللنمان علىٰ خطوبه

ودع الجواب تغضلا وكل الظلوم على حبيبه

ہ اگریمتعادے پھائی سے کوئی غلطی مرزد ہوئی ہے تو اس کومعذور سمجعد۔اس کے عیوب کوچھپا وُ اور اُسے تقیمت کرد سمجعاؤ۔

ادر ہے وقعت ا درسفیہ کی با توں ہے
 اور ز انے کے حادثات ہمبر کو۔

اوربرا و کرم اس کا جواب نددد اور
 کمالم کوائش حساب کرنولے لاامشر) سکے
 حوالے کردد ۔ دعون انبارالرہ المین میسال

• الوالحس كاتب الوائق في مي لين باب سے اسى كے شل دوايت كى ب (كشع الغرملام مسد)

<u>سخاوت اور بخل</u>

ہنم بن عبدالرمانی نے حفرت امام مضاعلی سے اور آپ نے اپنے آباے کرام سے یہ روایت بیان فرمانی ہے کہ :

و حفرت المرالمونين علايست للم مندرج ذيل اشعاد براها كست سق :-

• دلے اللہ تونے اپنی قلات سے ممکن معنوق بداک سے ممکن معنوق بداک سے مامنیں کچھ توسی میں در کھیے انہیں بخیل ہیں ۔

بن اور حيد اين بين بن المخيس آوادام پس دانن مين جو لوگ سخی بمي انخيس توادام پی آدام سبے ۔ ليکن جو بجني ل بين وهم شب اور تعنل مصبت بين بركيے تے ہيں ۔ دعون انعاد الرضا جارئ مسلط خلقت الخلائش فى قسد م فهنهم سخى ومشهم بخيل فهنهم سخى ومشهم بخيل

ضاما السعى نسفى ساحة واما البخيل فشوم طسويل ریان بن صلت کا بیان ہے کہ حفرت امام رضاعلیٰ کست کا میان صفح حضرت

عبرالمطلب كے مندرج ذيل الشعاب مجھے كات : ـ

يعيب الناس كلهم نرمانا ومالنماتنا عيب سوانا

نعيب زماننا والعيب فينا ولونطق النرمان نباهجانا

وان الذئب يتركِ لحم ذب وياكل بعضنا لعضا عيانا

لبسنا للخداع مسوك طيب فويل للعريب اذا اسانا (عیون اخبارادخاملد ۲ صف۱)

• ہمسب توگ زمانے کوعیب لگاتے ہیں حالاً نكه زمانيس كوعيب نبي اكريسي توسم بي اس کے عیب اوراس کے دامن کا دھتریں ۔ درامل عيب بم نوگال بن ب مرم مي كودا كوعيب لگانته بي . اگردانش ز لمف كوتوت گویانی دیتا تونیین ہے کدہ مماری بجوکر ما۔

مؤرنوكروكرابك بعيريا بحى ددمرسه يميش كالكوشت منبين كعاتاء اورمم مين كد كليامام ایک دومریے کو کھائے جا رہے ہیں۔

ہم نے دحوکہ دینے کے لیے پاک وصاف وجھی کھال بہن رکھی ہے اورجب کوئی مردمسافرد اجنى آجا تاب تواس كابرا حال كرديت بي

___ اپن خوشحالی پر منه إتراؤ

ايراسم بن عباس كابيان ب كحضرت المم رصنا عليست للم اكثريشع مطم هاكرت تق اگریم خوستمالی زندگی بسرکوری میوتواس پرمنہ إتراد اورغرو ذكرو مبكه الشري دعاكدكم ي خوشما لى سلامت رسيه اورتمام وكمال كوبهر يخير -

إذاكنت فيخيرينلا تغتوبه ولكن قل اللهم سسلعرو تسهم (عيون اخبارالرخاطيد ٢ مسيم)

الله مندم ذيل المشعاري آب يي سيست كن مي . لبست بالعضة أوب الغسنى وصرمت احشى شأميخ الساس لست الى النسناس مسستالسيا لكنى انس بالناس

مل اليه حال هي كدحب دولتمندي كالباس بمين ليق بي توغود ومكتركے سائتدا نيا سرامطا كرھيتے ہي ، یددست کمیم نسناس سے مانوس نہیں ہوسکتے . محرادى كوادى سى توانس بونا چلىپ ـ

اذا سابت التيمين ذي العنى تحت على التائه بالباس

ماان تفاخرس علامعدم ولاتضعضعت كافيلاس

میں جب کمی دولت مندکوغ در وکٹر کرنے ہوئے دیکھا ہوں تواس فرد رکرسنے والے کے مقابع یں اسٹر بریع دسہ کرے میں بھی کلتر کا اظہار کرتا ہوں۔

 یہ کیا ہے کہم عزیوں اور مختابوں کے سامنے فخرسے کام لیتے ہیں ۔ اور مغلسوں سے فروتنی سے پش نہیں آتے ۔ دمناف جلدہ صالاہے)

ما مون الركتيدة آب كوخط لكها كرز نردسول آپ مجھے كچونفيمت فرطئير. تو آپ نے مندرج ُ ذيل انسعار لكھ كر ادسال فرا د تبكيے :۔

ر بها من المام ال

يقبل فيهاعمل العامل ادراس

اما سرى الموت محيطابها يسلب مشها اسل الأسل

تعجل الدنب بساتشتغی وتامل التوبية من قابل

والموت ساتى الصله بغشة ما ذالت فعل الحانم العاقل

- تم اس دنیا آراد ہوکھی کی ایک مدن مقودہ ، ادراس بیں عمل کرنے والے کا عمل قبول کرنیا حالکہ سر
- کمیائم نہیں دیکھتے کہ اس پرمبرطریت سے موت منڈ لارمی سبے جرمبراُمید وادگ اُمیرو کوجھیںٹ ہے جاتی ہے۔
- م تم گنا ہوں کے ارتکاب میں توجلری کہتے ہو' دیرنہیں دگلتے اور توبہ کو آئندہ وفت کے بیلے ملتوی کردیتے ہو۔
- حالاتکہ موت یک بیک آتی ہے وہ بٹاکٹیں
 آتی کریم فوراً تو برکرلوسے ۔ المبذا یہی مقلمند
 اور مہرشیا را دمی کا کام نہیں کہ تو ہیں
 تا خیسہ رسے کام ہے ۔
 (الاختصاص صدہ)

m

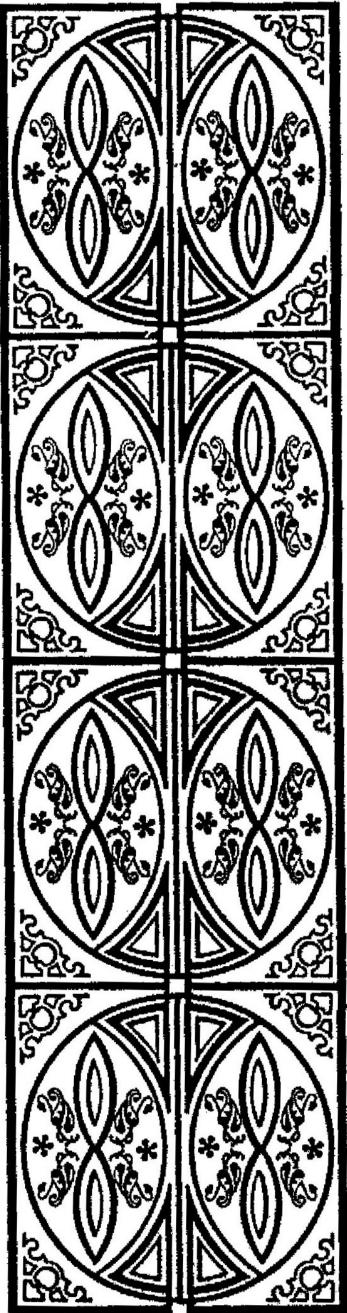




باب



دّورِامامت وحاكم وقت



___ ہارون الرشیدنے کہاکہ ... ؟ جعفر بن بجيئ كابيان ب كرجب إردانا كرشيد مقام رقدس كمر مكرم كوجادا نے چکچرکجلعت و بہم کہا تھا امسے یا دہیجے۔ آپ نے بحلیت برکہا تھاکہ اب موٹئ بن جغرا کے بعداگرایک سے بی وعویٰ اما مست کیا تو ہاتھ باؤں باندھ کرمیں اُس کی گردن اُ ڈادوں گا۔ ا دربراک سکے سرزہ کمی بن موتئی نے اس امرا امست کا دعویٰ کیا ہے ۔اودان کے متعلّق بمی وی مسب کچرکھاجا تا ہے جوان کے باپ سے بینے کہاجا تا مقا ۔ يهم من كريادون في سيان بن جغري طريث غفته كى نفوست ويجعا اوركها: بيرى راشے اور خوامش ہے کہ اب میں ان میں سے سب ہی کو تہر تین کردوں ؟ موسئ كابيان بير كريسن كرمين حفريت أمام رضا علايست لام ك خدمت بي حاخر بواا وروا تعربان كيا: آپ نے ارشا دفرایا "میران توگون سے كيامطلب، دوہ توگ بها رائمجمعجے عيون انعارا لرضا جلدا صبيب بكاؤننس كسيخة صغوان بن نمینی سے بھی ہی روایت نقل کی گئی ہے ۔ ﴿ کَا فَی جلدا مستقدیم ابوالحن طبیب سے روایت ہے کہ حبب حفرت امام موتکی بن حجفرے وفاست بائ توحفرت ابوالحسن علی ابن موسی الرصناع بازادتشرلیب نے مجتے۔ وہاں سے ایک کتا ' ایک میٹڈ معا اور ایک مرغ خریدا رحب بارون کے مُخبرے بارون کویہ لکھ کرمیجا ' تواس نے کہا 'حپ لو ان کی طریت سے تواب ہم کواطمینان ہوا۔ گرزبری نے بادون کویہ مکھاکھ مل ابن موی الرضائے اپنا دروازه کمول دیا ہے اورائیٹ بیلے دعوی ا ما مست کردسیے ہیں۔ تھ باردن نے کہا۔ ایک توبیختنا ہے کہ آنفول نے کتّا ' مینٹرجا ا و دمرغ خریدا ہے اور دومرا یہ تکھتا ہے کہ وہ دعوئی امامت کردہے (عیون اخبارالرخاحلد مست) ابى مسروق كابيان ہے كہ وا تغيول كى ايك ماعت حفرت المام دخا على سيدام خدمت میں حاخر بوتی حس میں علی بن حمزہ ببطائی ، محدین اسسماق بن عارد حسین بن عران اور حسین بن الى سعيدم كالك تنے على بن عزه نے آپ سے دریافت كيا، بنائي ! آپ كے والد كاكيا حال ہے ؟ آب نے فرایا ال کا واضعال برجیا۔: اس نے کہا اجھا اگراب اے توعیدہ المرت کس کے یاس ہ

امپرالمونین علالیست الم سے ہے کراپ تک آپ کے آباریں سے کسی ایک نے بھی مہیں کیا مقار کپ نے فروا یا محرم برسے آیا ہیں جرسب سے انعنل ومبترستے انموں نے توکیا ہے نعنی دسول اللہ مستى الشيعليد والهوهمسن : إس نے كها كيا يه دعوى كركے آب كورشسنوں سے اپنی جان كا ضطرہ نہیں ہے ؟ آپ نے فرمایا 'اگرمیں ورتا تو معراب تک ان کامعین ومددگار نرمن جاتا کسنو! ایک مرتبہ الإلهب حفرت دسول مقبول صلی الشرملیہ والہ وستم کے پاس آیا اور دسمکیاں دسینے سکا ، آپ نے فرالماس اگرمیں تیرے سامنے ذرائعی درجاؤں توسمدلیناکمیں جوٹا مری نبوت ہوں۔ یہ سب بہجایان بٹاکرآ تخفزت صلّی السّٰرعلیہ وآلہ وستم نے اپنی نبوّت کی طربیت سے وگاں کے شک کو دورکیار اود میں مجی بہلی پہچان بتاکرانی امامت کی طرف سے ہم لوگوں کے شکوک کو دورکررہا ہوں کہ اکرس ارون کے ساسنے فراہمی ڈروں توسجہ لینا کہ سیس جھوٹا دعوبدارا است ہوں۔ حمین بن مہران سنے کہا ،ہم آپ سے پاس اِس بنے آئے ہیں کرآپ پھریہ بات بالاملان كہيں: آپ سنے فرايا كيائم برچلستے بوكميں تود اردن سكے پاس جاؤں ادراس سے مجوں كم ميں المام ميوں يا كچيدا ور و رسول النومسل الشرمليد والهوتم نے ابتدائے بعثت ميں يرتومنيس كياتها لأنخفرت نيضى ابئ نبوت كاعلان ابتدا دين حرب اجنے المي خاندان لينے احباب اور لینے قابلِ بجروسہ لوگوں میں کیا مغا۔عوام الناس میں نہیں کیا مغا ہم لوگ تو محبہ سے بہیلے میرسے آبار و اجدادمي سے برايک کی امامت سے معتقد ہو۔ اب تم يہ کہتے ہوکہ علی ابن موسی المعناا ہے والدکی حیات سے انکارتقیہ کی بنار پرکررسے ہیں۔ میرحب میں اس وقت تم سے تعیہ نہیں کرنا اور کہنا مول كمس المم بول المحمرس والدزنده موسق توميس أن كوزنده كيفي ممسي تعيد كيون كرتا . ؟ دعیران انعبادالرمنا مبلدس مس<u>سساس</u>) شروبن جعزارجان كابيان مي ادون الاستيد دومرتبه مسجد الحرام سے نكالا ا ور دومرتبرح عزست علی این موسی الرضا علی مستنسطام می مراً مربیست اور آب نے فرایا ہم دونوں کے تھوکتنے دور دور ہیں محمر دلاقا سے کتی مبلد مہرسنے والی سبے ساے ملوس! تو تحیے اور اسے دولوں کوجع کرسے گا۔ المشاقب ابن تمبرًا شوب جارم مسبهي مورب سنان كابيان ب كرسي في حضرت الم الوالحسن الرمنا على السيلم سے دَورِ بارون دمشیدس عرض کیا کہ آب سے دعویٰ امامت کریے خودکوہزام کردیاہے ۔ آپ لمینے پدرپزرگزادسمے جانشین بن دسہری اور باردن کی توادست آبیدسکے والدیکے ٹون کے قطرات

ابھی تکب ٹیک دسے ہیں : آیب نے فرایا : سجعے دسول تعبول صتی انٹرعلد والہ وستم کے اس قول نے

آپ نے فرایا کرمیرے پاس ہے ؛ اس نے کہا، عمریہ دعویٰ بوآپ فریارہے ہیں صفرت مسکی

جرات دلانی کراکرالوجبل مبرے سرکا ایک بال عی بیکا کرے تو تھی تمجہ لینا اور گوای دینا کرمیں تب نہیں ہوں لیس اسی طرح میں بھی کہتا مہول کہ آگر با دون میرے مرکا ایک بال می بریکا کرنے توسیحہ لینا اور گواہی دینا کمیس ام منہیں ہوں ۔ (دوخترالکانی مسیق) 😙 🔔 بہے الدعوات میں الوصالت ہروی سے دوایت ہے ۔اس کا بیان ہے کہ ایک دن حفرت المام رضاعك يميست إلم ابينے بريت الشرقيت ميں تشريعين فرماستنے كم إسى اثناء بإرون الرشيد کا فرستا دہ بہونچا اورکہا ' چیلے آپ کوامیرالمومنین نے طلب کیاہے۔ پیمش کر آپ اسکھے اور مجمع سے فرایا ہے الوصلت!اسے مجھے بواس وقیت کملایاسے تولیقیٹاکوئی بڑامعاملہ دریش ہے گروه د عارج صفرت رسول مقبول صتی الشرعلی واله والم سقم سے مجھ تک بیجو بی ہے اس کا اثر یہ موگا کہ آس کے بیے یہ مکن نہیں کہ مجھے کوئ گزند میونچا سے۔ واوی کابیان سید کرمیس می آنجناب کے ہمراہ ہولیا اور دونوں مارون کے اس پہو بچے جب حفرت امام رضاعللے سے بام کی نظر مارون بر بڑی تو آپ نے وہ و عا آخر تک بڑمی ال المسس كماعن عابيرسي قواش في كما والمالحسن مبس في تعييد الكدريم دين كالعكم دیاہے اور آپ کے گھر کا جوخرچ مہروہ لکھ بھیس : حب حفرت امام مضاعل کیست ام ادون کے پاس سے والس موسے تواس نے کہامیں جا ہتا تو کھوا وری مقا مرا لٹرنے کھوا ور حایا ۔ اور الشرفے جوعا با دی بہترہے۔

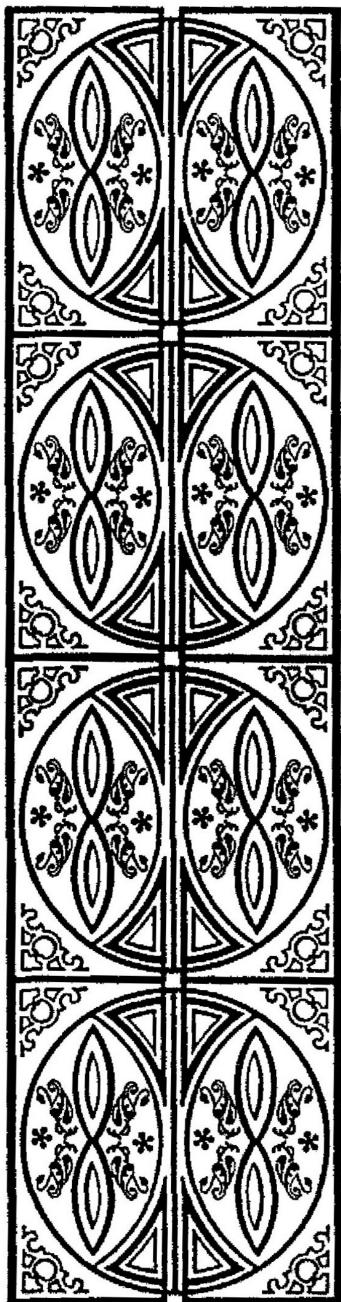




باب



اماتم کا دربار مامون میں طلب کیا جانا



ن اغاز منفر سے نیٹا پورنکے حالات

ہے ۔ اہذا ہرطرف ادی جمیجا جانے۔ استے میں اہواز کے جندگا مشتکا رائے اورا تھول کے مبتایا ہ ہمارے پاس تقورسے گئے ہیں جنویں ہم نے کاشت کرنے کے بیع محفظ کولیا ہے۔

یرواقع کھی آپ کی اما مت کی دلیوں میں سے ایک کولی ہے۔ راوی کا بیان ہے ۔ جآب ایک تربیس پہونچے تومیں نے مناک آپ سجدے میں عمن کررہے تھے ۔" پرورگادا !اکرمیں نے تیری اطاعت کی ہے تو تیرا اسکر گذارموں ،اگر تیری نا فرمانی کر تا تواس کے جواذ کی میرے پاس کوئی دلیل نہیں ،اور تیرے کرم اوراحسان میں میری یا غیر کی کمی نیک یا کارکردگی کو وخل نہیں ۔اس ہے کہ اگر گذاہ ہے کہ اگر گذاہ ہے کہ ایک عزب میرے قواس کے کرنے کے لیے ہمارے پاس عذری کون ساتھا۔ لہذا ہونیکی ل میری بیس میں وہ بھی تیرے فضل وکرم ہی سے بی ۔ لے کہم !مشرق ومغرب میں جنے مونیین ومومنات بیس تاری کہ مشرق ومغرب میں جنے مونیین ومومنات بیس تاری کہ مشرق ومغرب میں جنے مونیین ومومنات بیس تاری کہ مشرق ومغرب میں جنے مونیین ومومنات بیس تاریخ

ہیں تواک سب کو بخش دہے۔ داوی کا بیان سے کہ ہم نے آپ کی اقتدا میں کئی مہینے نما زیں پڑھیں۔ آپ نیکے فرلیے نہیں بہلی دکھیت میں سورہ الحدا ورا نا انزلنا ' اور دومری دکھیت میں سورہ الحداور قبل ہوالٹھا'' سے زیادہ تہیں بڑسفتے سفتے۔ سے زیادہ تہیں بڑسفتے سفتے۔

مخول مجستانی کلبیان سیے کہ جس وقت حفرت ا مام رضاً علیٰ کیستیام کے خواسا ان منتقل پورنے کے بیے قاصد پہوئیا، تومیں مرنے بی میں مقارآب سجررسول میں قررمول سے مرفصت ہوسنے کے بیلے تشریعیٰ لاکے ۔اس وقت آپ کی حالت بیمٹی کہ بارباد قبرمِنوّرسے دُخعیت موستے اور حتى إدقرمنور برجلت باداز لبندزار وقيطار دوسته . يرديجه كرمين استحرمها آب كوسلام كياال مبارکیاددی کہ: آپ نے فرایامیری زیادت کرادکراب میں کہنے جد کے جوادسے ڈیکالاجارہا ہوں۔ مجھے عالم غربیت ومسا فریت میں موست آئے گی ا ور ماروں دریش پدھے بہومیں دنن ہوں گا۔ راوی کہتا ہے کہ حب کپ مریزے مرخصت ہوئے تومیں کھی آبکے پہلے ویسے اسی داستے سے میلاا دروا قعا وہی ہوا جو آپ نے فرما یا تھا۔ طوس میں آپ کا انتقال ہواا ور ہارون (عیون اخبارالرضا طیرم صنطاع) کے میرٹومیں دفن ہوسے ۔ وشاركا بيان بي كرحفرت المم رصاعلي سيسلام في مجع بنا إكرجب ميں مربع مُرْخعدت بوسف والائتنا تومیں نے اپنے اہل وعیال کوجے کیا اور کہا۔ تم نوک مجھ پرخوب گرم کرلوا ور اس طرح کرتھا رہے دونے کی آوازیں میرے کان میں بھی آئیں۔ اس کے بعدمیں نے ان میں باب لکھ دینا تقسیم کیے رمیمیں نے کہا ^واب میری واسی کی اُمیدن در کھنا کیونکہ میں تا ا برمیاں وائیں نہ آسکولگا۔ (عيون اخبارالرمنا مبدع ص<u>سم¹¹)</u> ایک بُون کی نشاندی پرطبیب کوحرانی ابو بإشم جغرى سے دوایت ہے کہ حبب مامون نے دجا رہن ابی صحاک کونجیجا کہ وہ حفرت ابوالحسن علی ابن موسی الرمناً علیے کست اس کو مرامسته ابوازے کرکٹے ، کونے کے داستے سے نہ لائے توواں کے ہوگ آپ کی زیارت سے محروم رہ سگنے محریج نکم میں موضع آبرینے کے شرقی خطمہ میں تھااوروہاں میں نے پیزیرشنی توفور اامواز میوننیا ادر آپ سے شرونے ملاقات وزیارت کھے مودبت لكالى ا دديم يرى ٢ پ سے مہلى الا قائت تنى ۔ آپ بها دستے كرمى كا دوم مقا آپ نے فرا يا كەسى ملبيب كوملاياحام. میں ایک ببیب کویے کرآپ کی خدمت میں حا خربوا توایب نے اس طبیت ایک لوق كانام ليا راس نے كہاميں نہيں جانتا كر دوشے زمين پرآپ كے سواركون ا دوشے اس بوق كا نام جانتا ہو،آپ کواس کا نام کیسے معنوم ہوگیا۔ اور مہ اون اس موم میں بہدائمی نہیں ہوتی جا پہنے فریایا 'اجھا میرے

· تبريول سے رخصت ہونا

بے گناہے کرآؤہ طبیب نے کہا یہ تو پہلے سے بھی زیادہ آچی تجویز ہے مگرر کئے کا بھی موسم نہیں، آب نے فرمایا، یہ دونوں چیزی اِس علاقے دستیاب بوسکنی ہیں۔ احجاء یہ تمعارے ساتھ ہیں۔ تم دونوں منہرشا ذروال کی طرف جا ڈ' اس کوعبور کروسکے تو ایک کھلیان دینرمن) دورمی سے نظر آ جامے گا ، وہاں پر تھیں ایک صبتی شخص ملے گا۔ اس سے دونوں چیزوں کے بارسے میں دریافت کرنا راس بوٹ کانام بوہ تم کومادنہیں رہا) آپ نے فرمایا احجا الوباشم جاؤے میں آتھا اور مروانہ موا۔ میں اپنے دومرے ساتھیوں کے ہمراہ اس حبثی سے ملا اس سے بولی اور گئے کے تعلق دریافت کیا تواس نے اپن پشت کی طرف اشارہ کیا۔ وہاں سگنے کا کھیست موجود کھا جسب مرورت گنا ىيا' اور كمىيان ك*ى طرحت سكت* تودال مالك موجود نرتفا. لبذا بم گذا مب كرحفرت امام دخاعاليستيلم كى خدمت من حاضر بوسے ـ آب نے اللّٰد كاكت كراداكيا ـ يرسب ديجھنے كے بعداش طبيب نے مجھ سے اوجھا: يكس كے فرزندى ؟ مس نے کہا ، پہستیدالانبیا محفرت محترمصطفے حتی النمولیہ والم وسلم کے فرزندہیں : انس نے کہا کیاان سے پاس نبوت کے آثار اورنشانیوں میں سے مقی مجھ موجود ہے ؟ میں نے کہا ' ہاں۔ میں نے توان نشانیو مَن سے تعبق کو دیکھا بھی ہے گر آپ نبی تہیں ہیں: اس نے کہا ، احیانی نہیں ترومی نبی تو فرور مہوں کے: میں نے کہا' ہاں آپ ومئ ٹی توہیں ۔ اس دلقعے کی خبرجیب رہا رہن صنحاک کوہوئی تواس نے لیے ہم امہوں سے کہا۔ اب ہم میہاں فیام نہیں کریں سکے ورمذتام لوگ آپ کی طرف تحجیک ٹیریں گئے: بھروہاں سے آمس نے کوچ کیا۔ (الزائة والجراع متسي) الدحبيب نباجى سے دوايت ہے ۔ اس كابيان ہے كميں نے حفرت دمولي مقبول کونواب بی دیکھا ا در وہ بیمبی کہتا ہے کہ مجھ سے محدین منھود مرضی نے لیٹے اسسنا دیکے سامتہ محمّر بن كعب قرظى سے دوايت كى ۔ اش كابيان ہے كہ ص وقت ميں مقام جعز ميں تقا' ميں نے حفزیت رموليٌ معبول كوعالم خواب من دمجها تواّب كے پاس گيا : آپ نے فر أيا اُلے شخص اَوْ کونيا مين ميسوى اولاد كے مائد جونك ساوك كياہ اس سے ميں مسرور ہوا : ميں فيع وض كيا ، يا معزت اكر ميں ائن کے ساتھ ٹیکے سنوک نکرتا توکس کے سابھ کرتا: آپ نے فرمایا ، ہاں ہاں توعقبیٰ میں یعینا مجد سے اس کا بدلہ بائے گا: اُس وقت آپ کے سامنے ایک طبق میں میحانی بمجوں رکی ہوئی تغییں: میں نے مرحن کیا: باحفرت اس بین سے مجھ مجھے بھی منابیت ہو۔ آپ نے اس بیسسے ایک محلی کمجودیں انکال کریں

جوتعدادی انتمارہ تھیں میں نے اس کی تعبیریہ افذکی کرمیری زندگی کے انجی اٹھارہ سال اور ہاتی میں۔ (کچھ داف کے بعد میخواب میرے دس میں نہیں رہا) ایک دن میں نے دیکھاکہ لوگوں کا ازدهام ہے میں نے وجہ دریافت کی تومعلوم مواكر حفرت على ابن موى الرضاع لليست للم تشرلعين لا شيه بس ميس بجى امام كى زيادت كے شوق ميں گیا تودیچها که آپ اسی مقام پرتشرلوپ فرمانهی (جهال میں سفے حضرت دسول مقبول کوخواب میں دمکیماتھا) اور آب کے سامنے بھی مجوروں کا طبق رکھا ہوا تھا میں آگے ٹرچا زیارت کے آداب بجالایا اوروض کیا ' مولا ! ان میمانی مجوروں پی سے مجھ مجھ مجھ مطافر ادیں۔ آپ نے ایک مٹی مجرکر ہاتھ میری اف برصا یا میں نے جب ان کوگنا تو لوری ان ارمارہ تھیں : میں نے فرص کیا مولا ! تجیدا ورمی عنایت فرائيه: آب في الاتنادفرايا ، الرمير، جرنامداد في مجفي زياده معافراي بوس توسيمي اهافه عمرموسلی نے اپنی کمتاب " او سیساز" ہیں اس وا قعہ کاذکر ابنِ علوان کے حوالے سے اس طرح کیاہے کہ میں نے خواب میں دیجھا کہ جیسے لوگ کہد دسے ہیں کہ حباب دیول السرصلی السُّرعليه وألم وسنم بعروس تشرلفين لات بن : مين في ليجياكة تخفرت كا قيام كمال ب ؟ ببته چلاکہ فلال شخص کے بات میں قیام فرایاہے ۔میں فراہی روان ہوا ا دروہاں پہونجا تو دیکھاکہ آپ كے سائقة آیٹ کے معابر كام مى بى اور آپ کے سامنے ایک طباق میں برنى تھوری دمی ہیں۔ میں مجی زیارت کے لیے آ کئے بڑھا اورونس بیٹھ گیا۔ آپ نے اس پی سے ایک مٹی مجوری مجھے عِطا فرائیں میں سنے انتہائی خوش سے اس تبرک کوہے لیا ا درشار کیا تو وہ انتھارہ تھیں۔ بہنواب و پچھ کرمیری آ بچھ کھل گئی میں نے وحنوکیا ، نماز پڑھی اورجاکراس باغ کواچھی طرح دیکھا اوراس مقام كوبهجإ ناجبال آنحفرت تشرليت فرماسته ر كيحه دنوں كے بعد میں نے مسئاكر حفرت على ابن موسى الرصاع ليمست لام تشركيف لا سي اوراسى باغ مى مقيم من مي من مى شوق زيارت مي خديت إمام مي حاهز بوا ورديكها كم آب بھی ایسی متعام پرتیشرلین فرما ہیں جہاں میں نےخواب می انحفرٹ کودیکیعا بھا اور آپ کے سامنے بھی ایک طباق میں مجوری رکھی ہوئی ہیں۔ جیسے ہمسیں آنجناب کے قریب کیا آپ نے مجی سیمعے اس میں سے ایک مٹی تھجوری عطافر ائیں ۔ میں نے کوشی لے کرائمنیں شارکیا تو اوری انتظارہ تھجری کھیں میں نے عرض کیا افرزندرسول کھا در عنایت فرائی : آپ نے درشاد فرایا اگرمیرے حتر نامدار م مخف این سے زیادہ منابت فرائی موشی تومیں بی اصافہ کردیتا۔ بجر آب نے مجیر دنوں کے لبدم پرے ہاس ایک آدمی کو بھیجا اور محیرے ایک حیادر

کے کے کہا ہم جائس کا طول دعرض بھی تبایا۔ میں نے کہا اس طول دعرض کی چادر تومیر سے
پاس نہیں ہے: آب نے کہلایا کہ ہاں موج دسید تم اپنی فلال کیڑوں کی گھڑی میں تلاش کرد۔
متعاری زوج نے بخصارے ساتھ اس چادر کو بم بجائے : آب مجعے یا دآیا اور میں نے وہ گھڑی ہے
اکھائی ہورا سے کھولا تو وہ حیا درموج دیمی ۔

(منا قبہ آل ابن طاب میریم مساسی

و بيت التيسام كي آخرى دخصت و بيت التيسام كي آخرى دخصت

ولائل حميري بس ائمية بن على سے روايت بے۔ اس كابيان بے كر حس سال حفرت امام الوالحن الرضا علا يست لمام نے فرايف جج ادا فرما يا ميں كم بن آب كے ہمراہ تھا۔ نيز آب كے ساتھ حفرت الدِ حبغ علی سیام بھی تھے۔ حفرت امام ابوالحسن علی سی البر سے وداع مورسے سکتے ۔ حب آب طوا بنسے فارغ مورے لومقام ابراہیم کارُخ کیا ، وہالگاذ مجالائے اور حفرت الوحینرعلیسے ہام مونق کے کاندھے پربیٹھ کرطوان فرمارے سکتے وجب تجسسراسودتك بهويخ تووال ببطريخ اورديرتك بيغ دسهد موقق فيعوض كياؤي آب برقسسريان: اب أسطيه: آب سفرايا النبي المين إس مقام سينهي المحول كاليكن إكر التُرچاہیے (توبہ بات اور ہے) آپ سے چپرے سے حزن وفم کے آثاد نمایاں سعے۔ کیشن کر موقَّق حفرت الوالحن مليكت المم كي خدمت بي حاخر بوا اورع ض كيا ، مولا ! مين آپ برقر بان حفرت اليعبغ والكستيلم توحمب وامودك ياس تشريبت فرماي اكفنے سے الكادفر السبيب يمن كرَحفرت الوالحن ملاليست لام أسعط اورحفرت الوحفوعلي ست بام كے پاس بہر پخ اور فرايا ميرے پيادے أيف : آپ نے فرايا ميرااداده تواس مقام سے اُسطے کا نہيں ہے: آپ نے فرمايًا ، بال بيادس أسطي وعفرت الوجعز علي السيلام في عض كيا اكبول كر أكلول : آب تو خان درکعبہ سے اس طرح وداع مورسے سفے جیے اب بیال والیس سی نہیں آنا ہے : حفرت الوالمس على منظم في فرط ما ممرس بيارس اب المطفية : توآب ، باب كاحكم بأكرا كُوكُور من كا وكشف الغمّة حبدا ص<u>ه ۲۱</u>)

ىممى

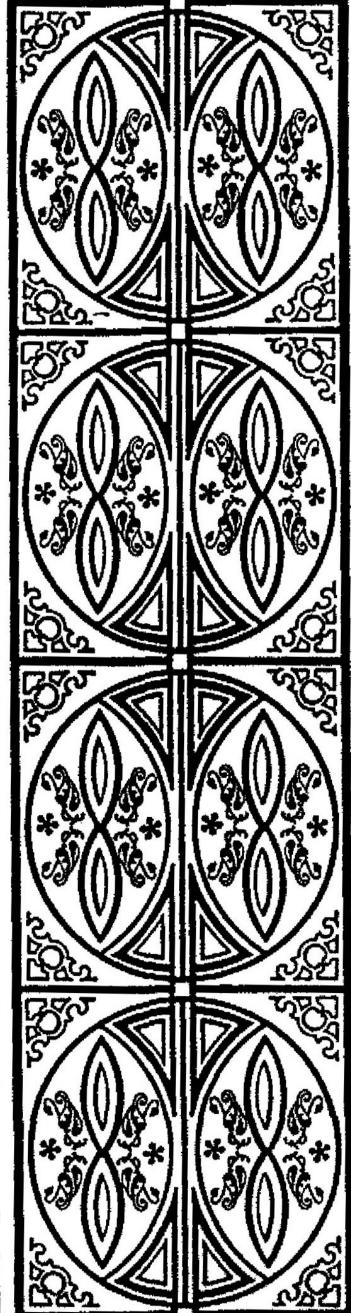




بال



نیشا بورس مراور مجزات کاظہور



س لا إله إلاً الله الله كا قلعه ب

الوالقلت ہروی سے منقول ہے کہ جس وقت مخرت امام دما علیات ہام شہر نیشا لودیں واخل ہوئے قومیں آپ کے ساتھ بھا۔ آپ ایک بھودے دنگ کے فہت رپ سواد سے اور علمائے نیشا لودآپ کے استقبال کے بیے نکلے ۔ جب آپ مواد موبی کے توعلمائے نیشا لورنے آپ کی موادی کی نجام تھام لی اور عرض کیا : فرزندر سول آپ کو اپنے آبائے طا ہرن یا کے حق کی قیم ! آپ اپنے آبام سے منقول کوئی حدیث بیان فرمائیے : یہن کر آپ نے ہودی ہے اپنا سراقدس باہر نکالا۔ آپ اس وقت ایک اوٹی کوھی ہوئی چا در اوڈھے ہوئے ہے :

آپ نے ادشا ہی سے ادشا ہی سے ادشا ہو تھے۔ سے میرے پدر بزرگا دحفرت موسلی بن چفر نے اور
ان سے آنجناب کے پدر میز رکا دحفرت حبّفر بن محدّ نے اور آنحفرت سے آپ کے پدر بزرگوا دحقرت موسلی محدّین علی محدّین علی بن الحدیّن نے اور آنحفرت سے محدّین علی محدّین علی میں الحدیّن نے اور آنحفرت سے آپ کے پدر بزرگوا دحفرت علی بن الحدیث سے آپ کے پدر بزرگوا در ایس کے بدر بزرگوا در محدّرت علی امیرالمومیّن نے اوراک جناب سے حفرت دمولی العُرْصِی التُدعلیہ واکم کے مقرت مردلی العُرْصِی التُدعلیہ واکم کے مقرت ارشا د

فسسر مایا کہ مجھے رون الامین نے اللہ لیتا کی جل شانہ کی طرف سے برمینیام ہیونیایا کہ میں اللہ ہوا اور محجہ واحد کے سواکوئی اللہ منہیں ہے ، میرے بندو! میری عبادت کرو۔ یہ جان لوکہ تم میں سے جوشخص خلوص ول سے اس امری گواہی دیتا ہوا میرے پاس آیا ، کہ الٹر کے سواکوئی اللہ منہیں ہے قووہ میرے قلعے میں واخل ہوا' اور جشخص میرے قلع میں واخل ہوا وہ میرے عذاب سے معوّد کا دیا'

لوگوں نے پوچیا ' فرزندِ دُسول " خلوص کے مساتھ الٹرکی و حدانیت کی ٹیما دیت سے کیا مراد ہے"۔ ؟ آپ نے ادمثنا دِفروایا ' الٹرکی ا طاعت ' اس کے دُسول کی اطاعت اوراً نخفرٹ کے اہبریت' کی ولایت '' مرادے ۔

> ۔ ہی روا بیت من من حزرمی اسحاق بن وامور سے بھی منقول ہے۔ (عیون اخباؤ دخا حلامی اسساں سساں ۱۳۵۰)

· امام رمنا كي سيباركاركاركايا بوادرخت بابكات

الووامع محدّن احمدين فمترين اسماق كابيان ميركمين فيرايني ولدي خدكمه

بنت حدان بن لہسندہ سے سنا ' انفول نے بیان کیا کہ جب حضرت امام رضاعلٹرست کام نیشا پورتشرلین لائے تو محل الاش آباد میں میری دادی لیسندہ کے محرین قیام فرایا۔ (ان انام بسندہ اس سے پڑگیا کہ تام اہلِ محلّمیں امام رصا علیست ام کواک ی کے بیال کا قیام لیندایا) رب فارس کالفظ ہے جس کوعربی موضی کہتے ہیں)۔ الغرض دیب آپ نے میرے گھریں تیام فرمایا تو گھرکے اندرا کی طری آپ نے بادام کا ایک بیج ڈال دیا جومبہت جلد روٹید موگیا اور لیدا درخت ہوکراس میں اسی سال میل آنے لگے۔ لوگوں کومیب اس کے بارسے میں علم ہوا تو نبرض شفا ہے جائے ہے جی پیچھوکسی مرض ين هي مبتلا بخيا البطور تبرك ده با دام كعاليتا ا ورصحت ياب بوجاتا ، حس كي انكعين آخوب كراتين وه اس بادام كوائي أنكون مي لكامًا قو أسور منيم س مخات يا ما ير زن ما المكواكر ولادت مي دسواري مين آتى ، يه بادام اس كو كعلاد يا جاتا ، ولادت آسان بوجاتى راگر كمى جا نوركوم من قولنج بوتا . تواس درخت کی شاخ اس کے عبم برمھیردی جاتی تومرمن دور سوجا ما ۔ مجعوع مسك لعدوه درفت خشك موككيا توميرس واداحموان في المسس كى شاخیں کاٹ دیں ، وہ اندسے مہرکتے اوراک سے صاحبزادے ابوعرف پورا درخت ہی کاٹ ڈالا تو بابٍ فارس پران کاتمام ال وامباب ضائع ہوگیا جومسترّاتی مزاردرم کی البیت کا تھا۔ ا ہوعمرو کے دولڈکوں نے جن کے نام ابوالقاسم ادرا ہوصادت سمتے۔ ابوصادت نے جوالوائحن محدین امامیم سمجور سمیع کا تب سقے ، میں ہزار درم صرف کر سمے اس مرکان کی ازمر نوشعیر کوائی اوراس درخت کی باقی ما نرہ جراس می نکلوادیں ۔ان کومعلوم منبی متعاکدان پراس کے کیااٹرات ہوں گئے ۔ ان پی سے ایک امیرخواسان کی جاگیر میرکا دندہ بن کرنیٹنا بیر والیں مواکومحل ہی کے اندر اس كا دابنا بإكلىسياه موكيا وبرمن نے شدّت اختيارى توبافك كاف ديا كيا اوراسى مى وه ايك اه کے اندری مرکبار دومرابحان جواس ستصفراتمغا وهربعان ببشا بورسك دربارس ايك تحريراكمه دالم بِمَعًا اورکھیدنوگ کولیے اس کے خط کو دیکھ رسبے سقے راک میں سے ایک بنے کہا الٹراس مخرریسے مکھنے ولیے کونظرِ برسے بجائے۔ یہ کہتے ہی اس کے بانوس رعشہ بریام کیا اور قلم اس کے باتوسے محركميا اس كے بائدیں ایک مجوز انكل آیا اوروہ لینے تھروالیں آگیا۔ تواس كے پاس الرالعال کاتب چندا دمیوں کے مامغدگیا اور کہا' یہ مجدمنیں مجعن خون کی مترت کی دجہ سے سہے اس لیے آج بئ فسيركم لوالور اس نے اسى ون فصركم لموادى سيب دومرسے دن ابوالعباس بميراً يا اوركم اكراج اود فعد کھلولو. دوسرے دن تھی اس نے فعد کھلوا بی جس کے نتیے میں تمام ہائی سے اور کھیا ۔ مالا خریا تھ

کاٹ دیا گیا ؛ اورائی میں وہ می مرکبا۔ یہ دونوں ایک سال کے افری مرکبے۔ س حمّام رضا اور میر کملان بيان كيا جاتك كرحب حفزت المم رضاً عليمت للم يشا إورتشر لعيث لاث توآپ نے معلہ فرونی میں تعام فرایا ، وال ایک حمام تضا اور اب اس حمام کو حمام رصل کے نام سے یادکیا جاتا ہے۔ وال ایک میٹم مین مقایس کا پائی کم موگیا تھا۔ تمجھ مُقرّرہ آدمی میال چنے سے پان کالاکرتے ستھے۔ دروازے کے بامرایک دوس بنا ہوا کھا۔ میڑمی کے ذرایع سے اتر كراس جنتے تك بہونجا جا تا تھا۔ ا مام رصا على ليست لام اس حض ميں داخل ہوئے بغسل فرا يا وال سے والیں آسے اس کے عقب میں جا کرمناز پڑھی ۔ اُس وقت سے لوگ منبڑک سمجہ کراس وض میرے عسل کرتے ہیں اس کا پانی ہیتے ہیں اوراس کے عقب میں حاکر شاذ بڑھتے ہیں اورائی ماحبوں مے لیے الدسے دعاد کرتے ہیں۔ اُن کی حاجات ہیں ہوتی ہی ۔ اوروہ حیثمہ میشمٹر کہلان کے نام سے شہور سبے۔ آج مجی نوگ وہاں جائے ہیں۔ رعيون اخبارالرمنا ملدا مداا - ١٣٥ عبدالتربن عبالرحن صفوانی سے روایت ہے کہ ایک قافلہ خراسان سے کوان کے سیلے دوان ہوا۔ دامستریں ڈاکوڈں نے نوٹ لیا۔ ڈاکوڈل نے اس قافلے کے ایک مشہورڈموڈ دولت مند خنی کو برغال بنالیا ' ایک مّرت تک ایسے یا س دکھ کرسختیاں کرتے رہے بہا نٹک کم برف پر کھوا کرکے باندھ دیے بھی اس کے منھیں برف مجردیتے تاکہ وہ اپنے ندیریں دقم دے کرفود کواں سے نخات دلائے۔ گران ڈاکوؤں کی ایک عورت کواس پررحم آگیا ' اس نے اس کموکھول دیا اوروہ وہاں سے بھاگ نکلا گربرت کی وجہسے اس کا منعدا در زبان اس طرح ماؤمت ہوگئے کہ بات *نہیں کرسکتا تھ*ا۔ حب وسخص خراسان والبي آيا تواس نے مشتاکہ حفرت علی بن موسی الرخسی نیشا بورمی بن ۔ ایک دن اس نے نواب دیچھا کہ کوئی شخص اس سے کہ دیاہے کہ مفرت ایام رمیا علاميت للم خزاسان آئے ہوئے ہیں توجا کرا پنام من باین کروہ تیرے لیے کوئی دوا تجویز فرا دینگے مجھے آرام ہوجائے گا۔ بھرخواب ہی ہیں اسس نے یہ دیجھاکہ وہ امام علالیست پلام کی خدمت میں گیا ا ود آپسے اپی تکلیعت بیان کی توآپ نے فرایا • ذیرہ • لچدینہ اود ٹمک کوباریک میں کرسفوٹ کرسے ا دراس پی سے بخوڈا دو تین مرتب اپنے مغوبی دکھ لےمحتیاب موجائے گا۔ بیڑاب دیجہ کمیرہ

شخص بدارم والمخرخ اب کو کچرام بیت ندی اور نیشا پور روان موگیا ۔ جب شهرکے دروازہ پہ پہونچا تواسے بتا یا گیا کہ حفرت ا مام علی بن موی الرصا علیٰ سے نیشا پورسے نشرلین سے سکتے ہی ا دراب ريا لحاسعدي بي . أس نے دل میں سوچاکہ وہی میل کرآپ سے ابنا حال بیان کرنا چاہیے۔ بنابی وه رما طسعد كي طرف موانه بوا اور ا مام مليكت الم كي خدمت مي بهويخ كرعرض كيا: فرزمز رسولًا مجدير بدمهائب گذرے ہيں جن کی وجہ سے منھ اور زبان ماؤن ہو جکے ہيں بات کرنائمي دشوارسیا آپ نے ارسٹا دفر مایا مکیامیں محسین اس کی دوانہیں بتاج کا بول ، جا کا دراس کواستعال کردجو محید میں نے تمیں خاب میں بنایاہے: اس نے عرض کیافرزندرسول !اگرمناسب مجبیں تودوبارہ بنادی : آپ نے ادرا دفرایا بمتوڑا سا زیرہ ، پرومیرا در نمک بیسکر مغوت بنا لو اور اس میں سے تعواق فرا دوتمين مرتبرا بينے منعد ميں رکھ لو۔ انشا دائٹر صمتيا ب بوجا دُسگه : اس شخص کابيان ہے کہ ميں بنے اس پرحل کیا ا درصمشیاب مؤکیا ۔ الوحامد احرب على بن حسين تعالى كابيان المسي كمسين الواحرعب المري عدالرمن مغوانی کو کہتے میرے سے شاکہ میں نے قود اُس تخف سے طاقات کی اور دیجھاہیے اور اسی کی زبان (میون اخبادالرضا حلد۲ مس<u>اال</u>) يه ساراتضربناه . _ امام نے اپنادستِ مبارک بیت کس کیا احدانعادی نے مروی سے دوایت کی ہے کہ جب حفرت علی ابن دیسی الرحنب علیست لام تبرنیشا ایدسے مامون کے پاس جانے کے بلے دوان ہوئے اور قریم الحواد کے قرمیب ببويني توآب سي عرض كياكيا و فرزندرسول! دن دُهل جِكاب كياآب المعي ناز والضدادا مذفر الميل برسسن كرآب ابنى سوارى سے اترے اور فرایا ، بان لاؤ۔ عرض كيا كياكم بان توم اسے ساتھ نہيں ہے چنا کخہ آپ نے اچنے دست مبارک کوزمین کی طرف بڑھا یا اور انگٹنٹ مبارک سے زمین کی مٹی کومٹا کیا ہی تقاکہ دباں سے ایکے مہیٹ میجوٹ پڑا حس سے آپ نے اور تمام ہمرامہیوں نے وصنوکیا ۔ (اس چیٹے کے ا تاراہی تک باقی میں۔) میرآپ مسنا با دیہونیے توایک بہاطری پُرح طِسع حس کے خزینے سے دیکھایی بنائی جاتی تھیں: آپ نے وعام کی ' پرور دگارا! اس میں تغیم نش دے اور جوبرتین اس سے بنائے جائب یا جیزیں ان برنول میں دکمی جا ہے اس میں برکت عطا فرا۔ میرآپ کے ارشاد سے بموجب چند دیگھیاں آپ کے بیے بھی اس سے بنال گئیں ' آنٹے غذائیں پکانے کا حکم دیا۔ زولیے آپ ازخود میت کم توداک سفے) اس دن سے توکس اسکے سنے ہوشے برنوں کوانستعال کرنے سکتے اورآپ کی دماؤں

. *

•••

- 5

* pi

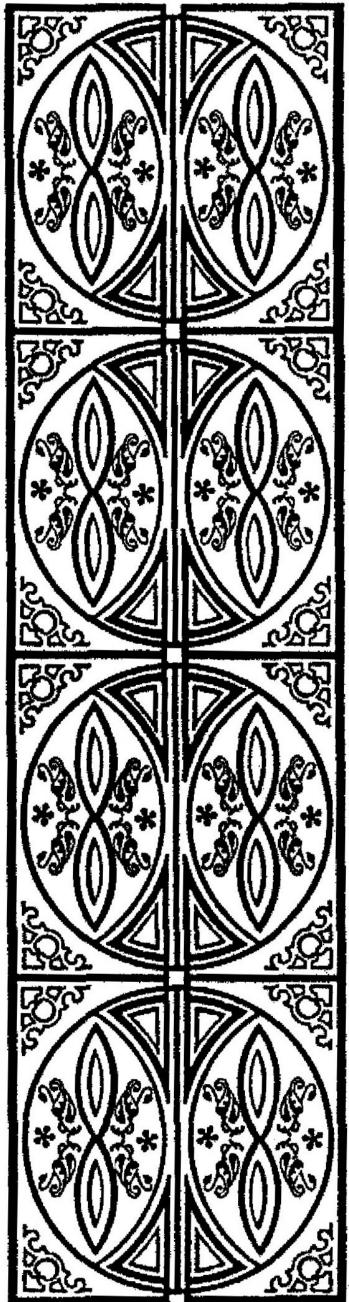




بالل



امام نے واسعبری کیوں قبول فرماتی



يم ماورمضار الم مروض الما عليات الم كالتي كلي بيت وي _ (كشف الغته جلدم مسك)

= دسیمد بونے پرنی ہاشم کوحد

قاسم بن الوب على كابيان ب كرجب امون الرشيد فحفرت ا مام رمن علىست للم كوابنا وليبربنان كاداده كياتواس فببيذبى بالثم كوجع كيا اودامنيس بتايا كرميرالطوه ب كيمين حضرت امام رضاعليك الم كواينا وليعبد اور لين بعدا بناجالشين مقرر كرون:

يرسن كربنى المم كے داوں ميں حسد كى آگ مجوك أعلى اور ليسالے ،كيا تم اليے

کو دلیعبد سنافسکے جس نے میں کسے بڑھالکھا ہی نہیں اور نہیں کے پاس الیی نگاہ ہے جس سے اموديس لمطنت كى ديجه بمعال كريسك . احجاءتم آدمى بيج كرانعين بلابويهم ان كرجهل كاثبوت ميش

كري كرج كوخود نظراجات كا

گامون نے آدمی بھیجا۔ امام رمنیا علام سیلی مشرکعیت لاسے تو بنی باشم ہی سے می نے کہا الے ابوالحسن! ذرامنر پرجا کریہ تباؤکہ ہم کن والائل کی بنام پرالٹرکی عبادت کرنے ہیں۔؟ حفرت امام رضاعل لیست لام منر ریش رلیف سے سکتے بھوٹری دیر توجا موش بیٹے رہے اور کچے نہ لولے يعرورا جُورِي لى المُوكركوف بوك اورحداللي بجالات ، ني اكرم اوراب ك المبيت بردرود بمياراس كي بعدفروايا" اول عبادة الله معم فته التريعالي كيبل

عبادت يرب كه اس كى معرفيت حاصل كى جائے اوراس طرح آپ نے اس موصوع برلودا تعلبہ بیان فرمانیا حس کی پوری تفصیل ہم نے کتاب توحید میں بیش کری ہے۔ زعیون اخارا رمنا جلدا مشارای

علی بن ابرامیم نے ابنے باب سے ادرانموں نے ابوصلت سے دوایت كى ہے ۔ ان كا باين ہے كہ امون الديشيد نے خرت على بن مومى الرضا عدا ليست إم ہے كہا : فرزنردسول امیں آپ کے علم وضل ازہد وتعویٰ اور آپ کی عیادت سیدسے واقعت محركا الدميري را شيم آب مجدس زياده اس خلافت كمتن بي: آب ن فراياكم عباد توالیتہ کے لیے بوتی۔ مراور سرقابل فیزے سرین کی دھے میے تھے ایک سرک دنیا دی نشہ می

معفوظ رمول كالمتقوى اورورع ليعنى محرات ساحتراز الواس كومين برى كامياني مجتا بول اوات اورانكسارى لينى سب سے حجك كرملنا اورخاطردارى كرنا ؛ اس سے اميد سے كرالندى بارگاہ يى بلند مامون نے کہا ، گرمیراخیال ہے کہ میں تودخلافت سے سیکروش ہوجاؤں اورآپ كوفليد بناكرات كابعت كرول: الم رضاعل يست المستام في ادمث وفريايا والرواقع ايرمثلافت متمارات بادران يفت مكوفليد بناياب تويه جائز ببي كرج فلعت فلافت المتسفة مكو ببنایاب متماس کوا تارکسی دوسرے کوبینا دو۔ اور اگریے ملافت متعاری نبیب ہے سی دوسرے ی ملیبت ہے توخمیں جائز نہیں کہ وہ چرچومتعادی نہیں ہے تم ہیں جس دور ما مون سف کہا ' فرزع دسول ! حمرآب کوتو برحکومت وخلافت قبول کرنی ہی پڑے گ : آب نے فرمایا ، زمرک تی کی بات تواور ہے ورند ابنی خوشی سے تومیں اسے تا ابد قبول الرو كا ـ الغرض وه كجد داف تك كوشش كرتار باكرات است قبول كس ممرجب باسك ناائيد موكياتو کے لگا اچھا اگراکپ خلافت قبول نہیں فراتے ا درآپ کورلپ نذہیں کہ میں آپ کی بیعنت كرون انواب ميري وليجدب جائي تاكمير لعدخلافت آپ كوسك امام رصنا مليكستهام نے ادمث اوفرايا و خلاک مسم ميرسے پدر مزر وارسنے لين آبائ كرام كصليلي سے حفرت اميرالمونين علائست المرات بناب نے حفرت ديول مفول من الشمليد والرسلم سے روايت بيان فرمائى سبے (ميرے اور تيرے متعلق) كميں تحب بهد زمرسے مقتول بوكراس دنياسے كوچ كرجاؤں كا۔ اور محبر پر آسمانوں اور ذين كے تمام فرشت گریرکریں گئے اور عالم مسافرت میں ہارون کے میہومیں دفن کیا جاؤں گا" يمسن كرما مون روسنے ديگا اور لولا - فرزندرسول ميرى زندگى يى سالاكسى ين ہے کہ جوآپ کومتل کر دے یا آپ کی شان میں گستاخی کرے: آپ نے فرایا 'اگریس چاہوں توبیمی بتانسکتابول که مجھے کون فتل کرے گا: مامون نے کہا ، فرزندرسول ، پرسپ کہنے سے أب كالمل مقعديه سي كرآب يه بارخلافت مني أمنا ناجابة اوراس يله به خلافت فيوليني كرنا چاہمة تاكرلوك كبين كرا مام رمنا برے مي تارك الدنيا بي-المام رمنا على سنطام نے ادمث ادفرایا بمسنو! خلاکہ م حبب سے میرسے بسين مجع بداكياسي ميں نے آج تك مجم جوم منبي اولا سي نے دنيااس ليے بہي چوڑی تاکہ اس کے ذریعے سے میں دنیا حاصل کوں اور میں نوب جانتا ہوں کہم کیا جاہتے ہو : ما موبان نے کہا بتائے میں کیا جا متا ہوں ؟ آپ نے فرما ما اگر کا کہ دوں توجان کی آمان جمج ؟

اس نے کہا ہاں امان سے : آپ نے فرمایا ، کم پر چاہتے ہوکہ لوگ یکہیں کہ در حقیقت امام رضا نے دنیا کونہیں چھوڑا تقا بلکہ دنیا نے ان کوچوڑا رکھا تھا ۔ کیا نہیں دبیجتے کہ خلافت کے لائح میں ولیجہدی می توبیدی می آپ کے اس کو معرف کو ان کوچوڑا رکھا تھا ۔ کیا نہید کی میں توبید کہ ایس کی باتیں کیا کہ سے بہتری وقعیل اور در عامیت کا نتیجہ سے ۔ اچھا ، اب خدا کی قیم آگراپ ولیجہدی قبول کہ میں جرز آپ کو ولیجہد بناؤں گا اوراگراس پر بھی آپ نے قبول نہ کیا تو گردن آٹرا دول گا۔

امام دضاعالیست للم نے قرایا 'کھیک ہے۔ اللہ تعالیٰ نے مجھے اپنے آپ کو ہلکت میں دور نے سے منع فرایا ہے۔ لہٰذا اگر یہ بات ہے تو تیرا جودل چلہے سوکر میں اسے قبول کولوں گا گھراس شرط برکہ ندمیں کسی کومقر کے دوں گا ' نہ برخواست ۔ نہ کوئی دستور شوق کروں گا نہوئی آئیں نہیں اور دور سے مجھے مشورہ دیتا رہوں گا۔ مامون اس پردافنی ہوگیا اور سے مجھے مشورہ دیتا رہوں گا۔ مامون اس پردافنی ہوگیا اور سے نے مشورہ دیتا رہوں گا۔ مامون اس پردافنی ہوگیا اور سے انہاں کا دیا ہے۔ انہاں کا میں اس پردافنی ہوگیا اور سے انہاں کا دیا ہے۔ اوجود ولیعہد بنا دیا ۔

(علل الشرائع علدا مستيم ، ميون اخبارالرمنا حبد، موسي ، امالي شيخ مندّ ق مدير)

س وضاحت امام

ریان کا بیان سے کریس حفرت امام رضا علیاکت بام کی خدمت میں حافر ہوا
اود عرض کیا، فرزند درول گا اوگر کہتے ہیں خدھ ہی الدہ نیا ہے باودود آپ نے ولیعہدی
قبول فرال ؟ آپ نے ادرا وفرایا ، اسٹر فوب جا نتاہ ہے کرمیں اس کوہا مکل ناپ ندکرتا تھا مگر
جب مجھ سے کہا گیا کہ یا تو ولیعہدی قبول کرویا اپنا قتل ہونا قبول کرو۔ تومیس نے اپنے قتل کے بینے
ولیعہدی کو قبول کرلیا ۔ ان لوگوں پر بی دانسوس ہے ، کیا وہ نہیں جانتے کر حفرت پوسعت نبی تھے سول
سقے فر خرورت نے مجبور کیا کہ وہ عزیز معرکے خزلنے داد (خزائی) بن جائیں اور انموں نے فود کہا
اِ جُعَدُیٰ عَدُل خَن اَیْنُ الْا مُرض ا فی تحید نظر عَد ایک می مانتا ہوں کراس کی کیسے خالات

بس اسی طرح صرودت نے مجھے بم مجددکیا ' مجھ برا تنا جرکیا گیا کہ بھاکت ساسے لنظر آری تی اس کے باوج دمیں نے اس کواس طرح قبول کیا کہ مجھے اس سے کوئی سروکا دمیں نہ ہوگا میں الٹر سے فرط دکرتا بوں اور دہی میری مدد کرسنے والاسپے۔

وعون اخا دالمصاحلوع مدال مرائخ مدوق معرى على الشائع علد، مسريري

سب یامرے روایت ہے۔ کرجب حفرت امام رضا علیہ الم کوولیجد بنایا كيا تومين سفرسناكه وه لين دونون إنتواسمان ك طرت بلندكر كم باركا واحديث من توهن كردسي تق - بروردگار! توجانتلىپ كەس بەس وقبورموں ،اس لىے مجدے كسس كا موافذه مذكرنا جب طرح توفي خصرت يوسعت علايست المست والتي معر موسف برموافذونبيركيا حن بن جہے اپنے باپ سے روایت کی ہے اس کابیان ہے کہ ما موان کا مسيدم پرکيا تاکہ لوگوں سے حفریت علی ابن موسی الرصا عليمست لام کی وليجری کی بيعت سے اود کها بایماِ الناس اس وقت علی ابن موسیٰ بن حیوبن محدین علی بن محکسین بن علی ابن ا بی طالب علیم استام کی بیت تمارے سامنے سے اور خداک تسم بے وہ اساریس کراگران کوسی برے اور گرد لئے بریمی بڑھ کردم کردیا جائے تووہ مجی حکم خداست اجیما بوجائے گا۔ زیون اخبارطبر مرا ا بوم ولادت وشهادت عتاب ابن امسيد كابيان سب كميس نے اہلِ مريند كى ايكس جماعت سے شنا وه لوك بيان كمية على المن موسى الرمنا عليست لام الربي الاول سته لم مردي الاول سته لم ود پخشنبه مربزي بدا بوشه حفرت ابوعبدالشر عبرما دق عليست لام ي وفات كے يا يخ سال بد لموس سے ایک قرید میں میں کورسنا باد کہتے ہی جو نوقال کے قرلوں میں سے ایک قریر ہے ، وفات پائی اود حمیدین تحیطه کے مرکان میں اس قبتہ کے نیجے دفن مہرسے حبال باروں دشید دفن · سبے ۔ اس کی قبر کے ایک طریت تعبلہ کی حیانب۔ آپک وفات ۱۲ لمودم خاق پوم حمیر کمیسی که موکوم وقت وفات آپ کی عمسه انتاليس سأل جيراه متى _ آپ نے اپنی عمر کے انتین سال دو او اسے والدیزر گوار صفرت امسام موئ بن حجع علیست لام کے سامتہ لبر کے اور اپنے والد کے استقال کے تعدآپ کی مدّت ا امت مبس سال چار ماه ری رحب آب انتیس سال دوماه کے متعے توجهده امامت برفا تزمیت آپ کے عبدا امت میں ہاروں دمشید کی سنعنت کا آخری دور مقایچر ادادن کی موت کے بعد محدا مین نے جوزبدہ کا فرزند تھا تین سال بجیس ون حکومت کی مجراس سے حکومت جیس کواس کے چیا اراہم بن مشکلے نے چودہ دن عنانِ حکومت اپنے با بخریں رکمی ۔ اس کے بعدا بین کوفیدسے نکال کردوبارہ اس کی بعیست کی گئی اورا یک سال چہ مہینے تیئس کی دن تک دوبارہ مکومیت کی ۔ ایمن سے لبر عبداللہ ما موان الزمشيد كى حكومت بيں سال تيئسناً وان رسي اور لينے وود حكومت بيں اس نے حفرت على بي موی الرمنا ملئیست للم کے لیے سلمانوں سے واسعبدی کی بیعیت نی ، جس کوآپ قطعاً ایسندنہیں قرایے تھے

اس نے آپ کوفتل کی جھکی جی دی او آپ نے بارگاہ اصریت ہیں یہ عرض کیا:۔ " پروردگار ؛ توسف مجے لینے ہا تقسسے بودکو ہلاکت بیں ڈلسلنے سے منع فرایا ہے اوراس وقت میں ما موان کے سلسنے اس منزل پرمپونی چیکا بول کدا گرمیں ولیجدی نہ قبول کروں تو مجھے قتل کر دسے گا۔ اس نے مجھے بالکل بے لیں وجبود کر دیاہے ، ج*ں طرح حفرت یوم*ٹ اورحطرت دانیال کوبے بس وجمبور ہوکر لینے وقت کے کا فر بادمشاہ کی ولا بہت قبول کرنا پڑی تھی ۔ بروردگارا! تیرے عطاروہ عبدے کے سامنے تام عبدے بی ای درتھیت ولايت وبى سب جوتيري طربت سيملى ہے ۔ بروردگارا! مجھ اس امرك اوني عطافر اکمیں تیرے دین کوقائم رکھوں میرے نئی کی سنست کو زندہ کروں ۔ بیشک تو بی مولی اورنعیر د مرگار) ہے اور توبہترین مولی ادربہترین نعیرہے 4 إمسس كي بدآب نے مامون كى دليجدى كلمواندوه كے سائتوروت موسے قبول فرمانی اور وہ بمی اس *مسشرط پر کہ* وہ مذممی کو والی مقر*ر کی سکے* ا ورمنہی کوبرخواست کری گئے نهمی دیم کومدلس سے اور در کسی سنست میں آخیتر کریں سے لیس دوری دور سے بعنی برایے نام حکومت کے مشرب کے۔ اس کے بعد امون نے ہرخاص وعام سے آپ کی وہیمدی کی بیعیت لی رحب أمون پرخفرت الم مصاعل سيس الم كاعلم ونفسَل حسن تدرّم زيرمنكشف بواتوده آب سي حدكرن لگااورائس کے دل میں آپ کی طرف سے انتا بغض مجر کیا کہ غداری و آزاری برا ترا یا وراک کوزمرے شهيدكرديار اورآب جازرحمت وكرامت خدا وندى مي بهويخ كيم (عيون اخيارالرصا جلدا مس^م مس⁴) ع مامون كالمر ببہتی نے صولی سے اوراس نے مبیدالترین مبدالترین طام رسے دوامیت کی ہے۔ اس کا بیان ہے کہ خسل بن مہل نے امون کومیٹودہ دیاکھیل جی سے کا م کے اور معرت علی ابن موسی البیناعلی سند ایم کواینا ولیعیر بناکراندا وراس کے دسول کی خوشنودی حاصل کرے اسطوح ان بسلوكوں كا دمعتہ ج مارون درشيد نے آل مخرسے ساتھى ہيں مح بوما سے كا پونک امون کے بیے مکن رمقاکہ وہ نعنل بن سہل کے مثورے سے خلاف کچوکہے اس بیے اس نے رجار بن اب صماک اور باسرخادم دونوں کورواند کیاکہ وہ مخرب حبز اور ملی بن مولی بن

جعفر طلیست ام کوخوامان سے لیکرائیں اور برسندم کا واقعہدے ۔

الغرض وببح عربت على بنايوسى الرصنا عليكست للم مامون كے ياس مروم بيون يخ لو اس نے آپ کوا پنا جالستین و دلیع د بنایا اور کم دیا که تمام نوج کوانیک ایک سال کی نخوا میں وسے دی جائیں ۔ اس سنے مبرطرت اِس کی اقلاح دیری اورصفرت علی ابن مومئی ملاکست اِم کودین اسے مقب کیا۔ آپ کے نام کے درہم جاری کے ، لوگال کوسکم دیاکھسیا ، لباس آناد کرمبرلیاس مینیں اورائی مٹی ام جبیبر سے آپ کا عقد کردیا۔ مگر درحقیقت وہ بہنیں چاہتا مقاکدا ام رصا علیکت ام وليبهدى وجامشين أس كيبعدقائم رس صولی کافول سے کر عبیدالترکا بربیان مارسے نزدیک کئی وجوہ کی بنا رمیجے معلوم ا ہے۔ اس کی پہلی وج تومیہ ہے کہ مول بن محسستد نے نعل بن البہل فوجتی یا اس کے معالی سے یہ دوایت کیرے ۔ اس کا بیان ہے کرحب امون نے حفرت امام رضاعلی کے ایا مگوایا ولیعید بنگ نے كالداده كما توس في اليف دل بن كماكه والترمس بركول كاكه وه واقعا الم على سف المستبلام كي وليجدي کے کام کواتام تک پہونجاناچاہتاہے یا مرف تعنع اور فاہرداری برت رہاہے۔اس کیے ہے ت اس کے اس خادم کے ذریعے سے ایک خطابھیجا جو ہارے اور اس کے درمیان معین مازے خطوطالیا اورمه جاياكتا تفارادد ومفل بن سهل ذوالرياستين دلييرى كالتقريب كم انتظام مي تعاينا ب علم نخوم آس وقدت کا لحالح سرطان اوراس پرستیاره مشتری بخا۔ اوراکرم پمشتری شریب متحالیکن سرفان ايسا طالع ب جومنقلب برجا كسب اورج عبدومعابره بووه لورانيس بوتا را وراس كعلاوه اس وقت سیارة مریخ برج میزان بس اس کے بچھلے خاسنے میں تھا۔ یہ اس امری دسیل ہے کہ جس کے یے پر عہدومعا ہوکیا جائے گا وہ اس کے بیے نبیت و توست کا بہش خیر ہوگا میں نے پرتمام باہی امیرا اومنین ماموں رسٹ پر کوخط میں اکھ کر بھیج دیں تاکہ اگریہ باتیں میرسے ملادہ سی ودمرے سے اس کومعلوم ہوجائیں تووہ ہم پرعتاب نا زل نہ کرسے کہ تونے کیوں نرتایا ا مون في مرح خط كيواب بي تحد ريكياكروب مراي خطابه لا تواسى فادم ك المعمرانيط والین كردینا . اورتم با نكل خانوش رم والیها مذموكر و كویتم سف محصه متصله اس سے دومرا با خبسه مجوجات اورابيا ذمجوكه ذوالرياستين لين ادادے سے بلٹ جلسے اوراب اگراس نے ايساكياتو میں مجد حاول گاکہ بہتھاری وجہسے ہوا ہے اور تم قصور وارم د مامون کا پرخط دیچه کرتوجیے میرے ہے دنیا تنگ بوکی اور سویے نگاکہ کاشانی نے آس کواس طرح کا خطری مذاکعا ہوتا۔ بھرمجھے یہ اطلاع می کونفیل بن مہل فعالز ایستین خودامس متنبته بوكياب اوراس في ابنا اداده بدل دياس - إس في كروه خود يم علم نجم سے الحبي طرح واقع يمقا يمسن كرميداني جان كاخطر ومحسوس موا وراسس سوارم وكراس كي باس كيا - اوركها - بنا وتحمار ب

علم میں کوئی الارسے آرہ ایسلسے جومشتر کاسے زیادہ سعد موج اس نے کہانہیں : میرمیں نے کہا، ا جیا تم جائے ہوکہ سیا دول میں سے کوئی مستیارہ جب حالت شروت میں ہوتا ہے تواس سے بہتر اور سعداس كاوركونى حالت مى بوتى ب ! اس نے كہا ، نہيں : ميں نے كہا ، مجراس وفت جيثيت علم نخوم فلک کی حالت مسعدہے۔ یہ نیک ساعت ہے۔ اپنے ادادے کو ترک مذکرواس میں علی کرو اس کیے کہ پرمیزین ساعبت ہے اور مامون کے خوت کی وجہسے جب تک ولیمیری کی تقریب انجام نہ بان میں مجمعتا رہا کرمیں دنیا ہی میں منہیں ہول ۔ زعيون اخبارالمضاجلدد مسييسهما <u>م</u> امام اور نمازعید بهرانی مکتب اور وراق سب نے علی ابن ابرامیم سے روایت کی ہے۔ ان کابیان ہے کہ امام الوالحسن رصا علا مستقبل می وفات کے بعد جب یا سرخا دم خزاسان سے واپس آیا تواس سف مجھے سا دسے حالات بتا ہے۔ نیز ریاں بن صلت محربن عرفیرا ورصالح بن سیدسنے بھی آپ ے تہام دا تعات بیان کیے اورکہا مکرجب مخدا مین کی حکومت ختم ہوگئی ا ورا مون کی حکومت اچی طرح قائم بوهي تواس متے حفرت امام الوائنس الرصا علی کست الام کوخط لکھا کہ آپ خواسان تشریعی لائیں۔ ا مام رضا علیست لام نے بہرت سے عذر اور مذجانے کے امباب مہیش کے ، محر مامون مسل آپ کوخط لکھتا رہا ا درخراسان آسنے کی درخواریت کرتا رہا۔ جیب ا مام رصا علیمت ہونے ویچھا کہ پرسمجھے كمى طرح بين جودسكا تومبردا مرينها كالخصيت بوسك اس وقت آب كے معاجزا وسے حفرت الوجع لقي جوادعلن يستسلهم حرون سات سال كے تتے۔ مامون نے تکمفاکہ مجعن اورقم کے ربستے سے نہیں بلکرمفرہ امہاز اور فارس ہوئے ہوئے مرد آئیں ۔ جب آپ مرومہر پخے تو المول آب کے سامنے حکومت اورخلانیت کی پیٹکش کھی کہ اسے آپ نبھالیں ۔ امام میزا علالے لام نے اس سنه السكادكيا اوراس سيسلي كفتكو كالالبانتقريبًا دوماه تك قائم ديار ممرحفرت المم مفاعليك إ اس سے برابران کاری کرتے دسہے۔ حبباس بارسيس كافى گفتگو كے بعدى كوئى نتيجہ مرآ مدن بواتو مامون نے كہا الجھا اگر آب خلائث وحکومت قبول نہیں کرتے توہاری وسیدی وجائشینی ہی قبول کرسیجے۔ آپ کویہ توقعولی کرنا بى پرسے گا۔ امام علائیست ام نے فرایا اگر بغیب واس کے چارہ نہیں تومیں چنزشرال الم کے سے استد وليبهرى قبول كربول كما: مامون نے كہاج جائے شرط د كھ ہيجے : امام رضاعليكت الم سنے تحريراً برتبايا که ولیجهری ان شرائط پرمنظورے کہ میں امروینی کسی تنم کا حکم جاری نہیں کروں گا ، زمنی مقدم کا فیصلہ کرول گا' ا ودحکومت کے چومنوالیط وقوانین را چکیس وہ پرستورمادی دیمہ گئے ہمان مرمی کوئی تردلی منیس

كريب سخے بتم بميں ان باتوں سے معامت ہی دکھنا۔ ما مون ان آب کی برتمام شرائط منظور کرنس راس کے بعدائی نے لیے تمام مرداروں ، قامنیوں ، مازموں اور عباسیوں کواس امرکی اظلاع دی ۔ وہ لوگ پیشن کرمبہت مضطرب ہوئے ، محر مامون نے اس کے لیے زدکٹرم وٹ کیا اورسرواروں کو بہت مجدع لیات وسے ولاکر دامنی کرایا موٹ تین اُ دمی دامنی نه محد اوراُمغوں سنے ما شنے سے ان کادکردیا ۔ ایک جلودی و ومرا علی بن عران اور تبرااین موسی ۔ انفوں نے ما من کہ دیا کہم امام رضا علی سے الم کی ولیعیری کے کیے بیعیت مذکری م معن نے انفین قیدی ڈال دیا۔ اس کے بعدا مام رضا علی سے ان کی ولیعبدی کی مبعث فی کی تام تہروں کواس کے لیے پروانے جاری کے۔ آپ کے نام سے درہم و دینار جاری کیے اور مبروں پرخلیوں میں آپ کا نام واخل کرلیا گیا ۔ مامون سے ان کا موں کے لیے رقم کٹیرخرچ کی ۔ بيعت كيعروعيدان توامون ني ام رهنا عليسك م كي باس دى عبيا اور ورخواست کی کہ عیب می و تشرلین سے جائیں اور عید کا خطبہ آپ ہی دیں تاکہ لوگوں کے دل معلمی مج جائیں اورآب کے فضل وشریت سے واقعن ہوجائیں اوراس میارک مطنت سے اک کے دل معنورے بروجائي : أمام ملكيت إمن ما مون كے باس بيغام بيماكم بقي كورى معلوم ب بهار ساور تماك ابن اس باسري كيا شرائه طع يام سفة: امون ن جواب دياكه مرام تعدا مور حكومت مي ول بنیں ہے بلکہ یہاس لیے چا ہتا ہوں کہ بوام ا نواج اور طازین مکومت کے داوں میں آپ جگہ ا ور قدرو منزلت پیدا بو، وه آپ کی ولیعیدی سے مطنن بول اور الندسے جوفعنل وشرف آپ کو بخشاہے اس کا ا قرادكي . اس سيدين مسل گفتگوم و قى رى . بالآخر حبب با مون نے بيدا مراد كيا توا بام رضاعاليت لام فے ادمتِ افغرایا سے امرالونین ! اول تومیں بی چا ستا ہوں کہ آپ اس امرے در گذر کری بیکن اگر درگذر کی گنجائش مہیں ہے تو معرمیں اس طرح نا زعید کے لیے برآمد موں گا جیسے مفرت دمول مقبول اور حفرت امپرالموشین ملی ابن اسطالت نماز عید کے لیے دوانہ ہوا کرستے تھے: مامون نے جواب دیار آپ کوا ختیارسے جیسے چاہیں تشرکیف ہے جا ئیں ۔ پھیر یا مون کے ایسے سرداروں وغیرہ کوحکم دیا کہ وہ کلی لفتیا ا ام رصا ملاست لام کے در دولت پر ما حربوجائیں ۔ المنزاته م مسرداران فوج امام علیست ام سے دردولت برحا مزرو کے ادر شہرے مرو و ذك اور بيمتے دامستوں اور حبتوں پرامستنیا تی دبیروزیارت میں سیھے گئے ا دم حب آفتاب فلوح موالة حفرت الم مضاعل ليستبلم نے عسل فرايا اسرم يسوتى سغیدعمامہ با مرصاحب کا ایک سرامسینرپراورووسرامسرا دوتوں کا مرصوں کے درمیان ڈال دیا اور المستينون كوحن كما يمولين تامغلامون سي كما تم مي ايساى كر. جيبرمين زكيا بر

إكس كي بداب في الين إن من عطاليا بم مب آب كرما من سق. آپ بیت انشرینسے برآ مربوشے تواس شان سے کہ پار برمند سنے ، شاوار (باتجامہ) کونصعتِ ساق مک چراصائے ہوئے اور عبا کے دامن کو گردانے ہدئے ۔ جب آب چے تومم آپ کے اسکے تسكه تق وآپ نے سرآسمان کی طرفت بیند کیاا ورجا ڈنجیری کہیں توایسامعلوم ہوا جیسے ساری فعنا اورتهام درود لوادآپ کی تنجیروں کے جواب میں تنجیری بلند کر رہے ہیں۔ ادھوتھام سرداران فدج السلوسيات ميرم اورموام الناس بباسهات فاخره بهنة بريم وردوات سے بام كورم موس سقے۔ ہم نے می ام مدارس الم مارس منظر باوں کیے اپنے اپنے دامن گروانے اودنصفت ساق تک شلوار (با نجلے) چڑھا ہے ہے۔ مفریت الم رضاعلیست الم با ہر نبکے تو تحقولری دیردر دولت براوقعت فرایا ٬ ادر تعیرارشا دفرایا . أنته اكبيرة ألله أكبر الله أكبر الله أكبر اس بنار يركراس فيهارى برايت فرائ ' اَللّٰهُ اَ صَير اس بات بركه اس في م كوبهائم اورج يا وَل كى روزى معاف راق ادراس کی حراس بات پر که اس تے میں آ زمایا۔ آپ کی آواز ملبند تھی ، ہم نے بلندا وازسے بمبری کہیں۔ پھر توسا را مرو گریر کمناں اور نالة مشيون وشين مصلف لكاء آب في سنة ين مرتبه الله المسبر كما توتام مسرداران فوج ابن اپن سوادلوں سے نیچ گریڈے اور اپنے اپنے جوتوں کے تسمے کاملے کرجستے ا تاریجینیکے اورجب وگوں کی نظر حضرت الم رضا علیات الم بربڑی تو بورے مرومیں ایک ساتھ مزید کرم طاری مہوکیا . كممك كي كرركوضيط كرنامكن نه متعا ـ اب المام رضاعلليست للم آسكے بڑسمے تومپردس قدم پر کھوٹے ہو کر جارت کھیریں کہت اوراليامعلى بوتاكر تام ارض ومسما وات اور ورود لوادآب كى تجيرون كاجواب دسے رسے میں ـ اس کی اطلاع کامون کومپوئی توقیصل بن مہل ذوالریاستین نے اس سے کہا ساسے امیرالوئین اگرچھڑ الم رضاعلى سيل العن شان سے عيدگا ، تك بروك سي توسم ديسي كروكون مي انقلاب بريا بريا ب کا ۔ میری رائے یہ ہے کہ آب اُن سے کہلا بھیجیں کہ آپ والبس آجائیں عید گاہ جلنے کی زحمت گوارا نہ منسرائی ۔ امون سنے تورٌ آآ دی بھیجا اورکہلایا کونسسرزندرسول کبس آپ زحمیت نزرائی وکہیں آجائیں بیسن کرآپ نے اپی تعلین منگوائی اور اسے پہن کروالیس تشرایف ہے آئے۔ وعيون اخارالممتاحلد ومنطاره ا "ادرات د "مشیخ مغیر مساوی ۱۹ برحلی بن ابوامیم کی یا مراود میان سے اسی کےمثل روامیٹ موجودسیے ر

کو بیفراتے ہوئے مرکٹ نا '' انشرائٹر میرے ہاس اتنی توت وطاقت منہیں '' میں نے خلافت وا ادت کوائس وقت اسے زادہ ذلیل وزیوا اور ہے وقعت ہو ہوئے می منہیں دیکھا کہ امرالیونین اس سے دمتروار موکر حضرت علی بن موسی الرصا علیات ہا م کے

ولیجیدی کااسل سبب بغول مامون علی بن ابرایم نے ریان بن صلت سے روایت کی ہے ۔ اس کابیان ہے کہ:

حفرت ا،م رصاعلیمستیلم کی بیعت ولیعبری کے تعلق مسردادان نشکرا ورعام لوگول میں اکتسہ چرمنگوئیاں موسنے نگیں اور کہنے نگے ۔ یہ بچھ نہیں ہے گریہ کو مضل بن سہل ذوالر ایستین کی کارستاتی ہے ۔ یہ بات حیب مامون کومعلوم ہوئی تواکسس نے شب کے وقت میرے پاس اپنا آدی بھیجا اور المایا ۔ میں گیا تواس نے کہا اے ریان میس نے مشاہے کہ لوگ یہ کہتے ہیں کہ ام رصاعلی کے لیعیہ

کی بعیت پرمب فینسل بن مہل کا کارستانی ہے ۔ میں نےکہا ، یا آیرالونین ! ایسا ہی ہے ۔ امول نے کہا گریئے ریان ! اُن کی مجربرانسوں ہے جریہ کہتے ہیں ۔ یہ بتا ڈ ؟ ایک وہ خلیفرم کی خلافست م طرح شیے تھم ہو دمایا اس کے قانویں ہو نمسہ دادان تشکراس کے مطبع بول اورکوئی ہی پرجہادت

کرے اوراس سے کیے کہم اپنی خلافت سے دمتردار پرجا دُاورفلاں تخص کے والے کردد !کیاعل اس کوباور کرسکتی شہرے ؟ میں نے کہا نہیں ! خوالی تسم یا امیرالوئین ،کسی میں برجرات اورجسادت کہے مہرکتی ہے کہ وہ لیسے الفاظ ذبان پرجاری کرے : مامون نے کہا ۔ خوالی قسم یہ بات نہیں ہے ،

بکداس کا اصلے سبسیت میں میں تا تا ہوں ہے ۔ حیب میرے معانی محدا بین نے میرے نام حکمنا رمبیجاکہ فوڑا میرے دربا دیں حاخر ہو میں کے افکار کردیا۔ کوانٹ کے می بن میسی بن مان تومسردارِ شکر میا کر بھے سم دیا کہ وہ اسٹ کو قید کرے اور گلے میں طوق اور ہا تھوں میں مہتھ کو باب ڈال کر در مارس حاصر کرے رحب اس کی احمالات معے کی توم رخمہ بن اعیں کوسجہ تنان اور کرمان کی طریت روانہ کیا مگرم رامعا طرخ اب مہوگیا ، ہر کٹرکوٹسکرت بونی ا ورصاحیب سرمینےنکل کرصوبٌ خراسان برایک جانب سے قبضہ کرنیا۔ بیرماری تعییبی مجھ پھوٹ ایک مفتریس نازل ہویں ۔ ان ہے دربیے معائب کوبرداشت کرنے کی تاب وطاقت محیمیں بھی اورمیر پاس اس قدر مال و دولت بھی نہتی کہ مقابیے کاسا مان متباکروں ۔ بھرمیں نے بیمی دیکھاکہ میری فرج کے مسبیای اورسردادان مشکرسب مایوی اور مُزولی کے مشکارہیں ۔ تومیس نے اداوہ کیا کہ اپنے ملک سے کل كركابل ميں بناه لوں مركم برخيال آياكه كابل كاباد شاه كافريب واكر محدامين في اس كو كچه رقم ديدى توده مجے کو کراس کے دولے کردے گا۔ لہٰذاسب سے بہتر مورت میں سنے یہی یان کہ اللہ تعالیٰ کے درماد یں لینے گنا ہوں سے توبہ کوں اور لینے ان اُموری اُس سے مدیع ہوں اور خدائے عزّوجل سے معاء کروں کہ دوسیے اپی بناہ میں رکھے۔ یہون کمیں نے حکم ویاکداس گھرکوصا وے کیا جائے ڈیے کہ کرما مون نے اس گھرک طریت استارہ کیا۔) حبب تھرمیا مٹ مرکیا توسیں نے شل کیا دوسفید کھرسے پہنے اور جار دکھت کاز یرای بہیں جتنا قرآن یادمتا وہ بڑھا اس کے بعدائشہ سے دماری اس سے بناہ جا ہی اور مسرق نيّت كے سامقداللہ سے بخت عبد كيا كراكر اللّٰہ سے بيں ان پرسٹا نيوں سے بجات و لائی ممری مردکی اورسي نے ان شکلات پرقابو باليا تواس حکومت دخلافت کواس جگرد کھ دوں گاجہاں انٹرسنے

اس کودکھا ہے۔ جب یہ عہرکہ کے اکھا تومیرے دل پی توت آئی اود میں نے طاہر کوعلی ہن عیسیٰ بن ہان کی طوف روازی اوراس کا بوحش ہوا وہ علوم ہے ۔ بھر میرٹنہ کورافع بن اعیس کی طرف بھیجا اِس نے بھی اس پرفیق پائی اوراسے قتل کردیا۔ اورصا حب سربر کی طرف آ دمی بھیجا 'اس نے کمچیوتم دے کرصلے کرلی وہ والیں آگیا۔ امیدسل میری حکومت میں طاقت آنے لگی ، بیبا شک کر محدا بین کا جوانی مہوا وہ بھی سب کومعلوم ہے۔ اس طرح العثر نے ہمیں تمام شکلات سے مخات دلائی ' اورتمام امود میرے قابومیں آگئے۔ جب الشرتعالی نے میری ندر وعہد کولورا کردیا تو اب میں نزنے بھی بھی چاہا کہ الشد

ے کیے ہوئے عبد کو اورا کموں اورمری نظری حضرت الوائمین ارمنا مالیست الم سے زیادہ حقداداس خلافت وحکومت کا اورکوئی مزمقا میں نے ہے خلافت اُن جناب کو پہیش کی گرآنجناب نے استے بول

بنبس فرمايا ' الدجو كي قبول فرمايا اورجس طرح قبول فرمايا وه محسيس معلوم هير ربيحقا اصل سبب ... راوى كابيان بيركمس في عرض كيا ، التُرتعالي المراكونين كي توفيقات بي مزايفا فه فر المئے۔ بچر مامون سنے مجد سے کہا ^ہاہے دیان! اب ، کل جب سر دادان فوج آئیں توہم اُن کے درمان حاكم بيني اوراكن سے مفرت على ابن ابي طالب علي الست الم كے فضائل بيان كرنا: ميں نے كہا، م یا امرالونین احفرت علی علیاست ام مے دضائل میں بہترین مدینیں تدوی میں جمیس نے آپ سے شخابی : ما مون نے کہا مسبحان التّرمین کسی ایک کوی اس معاہے ہیں مدد کرنے والانہیں با ما میں نے توادادہ ممکم راباہے کہ اہل تم کو لیے شعاد سے سابی میں وصال اول ر ميں في كما المالمونين إكياوه احاديث جوميں في آب سي تى اي کے والے سے بیان کروں ؟ مامون نے کہا' ہاں تم نے فضائل کے بارسے میں جواحاد بیٹ مجھ سے مشنىمى وەمىرىپ ولىلەسى بيان كردينا ـ الغرض حبب دومرا دن آیا تومیس فوج سروادوں سے سیا کھ ایک گھریں جھا اود کہاکہ مجےسے بیان کیا امیرا لمؤنین مامون ستے ، اتمغوں نے لیسے والدسے مشنا اوراُ مغوب سنے ا بينة آ با مست مشنأ كه حفزت دمول خداصلى الشرعبير والمرقم بني إدمث وفرايا: " صَن كُنتُ مَولِاةً فَعَلَىٌّ مَولَاهُ مُ لعِسىٰ و صلى الميس مولا بول اس كے عسسى مولا بيں ... ا محصیسے بیان کیا امیرالموسنین (مامون) نے ایھوں نے روایت کی لیے والد سے اوراُنخوں نے روابت کی لیپنے آبا ر سے کہ حفرت دسول خداصتی السّٰرعلیہ وَالْہُ وَتُمْ نے فرمایا : " عَلَى مِنْ مِنْ مِنْ اللهِ هَارِونَ مِن مِنى بعنی: ملی کومجدسے دہی نسبت ہے جوہا رون کوموشی سے بھی بهرس نے مدسی خبراور اس طرح دوسری مدیتی بیان کیں . توعبدالندین مالكب خزاعى بنے كہا' بال النشرعلیٰ كامجالا كرسے ليھے آدمی ستنے ۔ اور مامون سنے اپنے غلام كومي اس نشسست میں بمنج دیا مقابواک سرداروں کی باتیں کن رہامقا۔ ریّان کابیان سیے کہم جرا مون سفادى يمع كريج باليارمين كيارحب أس نے مجھے ديجھا توكہا الے ريان ميں مخدے مبہت ر احاديث كاحفظ كسن والاا درروايت بيان كرسة والانبيس ياتا راور وكجواس يهودى عبدالندي الك نے كہاكة استرتعالى على كامم لاكرے اچھے آدمى ہے "ميں نے وہ تجی مشالب ميں انشادائد المس كوم ورقتل كرول كا_ مبشام بن ایمامیم دامث دی حفرت ا مام دهناعلاستیام یحے عهده سنیعالیے سے

چیلے آپ کے جھوٹین میں سے متعادیہ ایک صاحب علم اودادیب لبیب مقارا مام رصاف کے ۔ - پیلے آپ کے جھوٹین میں سے متعادیہ ایک صاحب علم اودادیب لبیب مقارا مام رصاف کے تام انوداس کے ذریعے سے انجام پاتے تے۔ بلکہ اطراف دج انب سے امام علی سے امام علی اسے امام علی سے ا بے جواموال آتے دہ مجی اسی کے پاس آیا کرتے تھے ۔مگر امام علیست ام کے مہدہ ولیعبدی قبول كرنے حكے بعد میشام بن ا براہم دائٹ ری فوالریاستیں سے والبت پوگیا ا ور فوالر مایستین نے اس كواب خ مقربین من واخل كرنيار وه حفرت امام رمنا على سليمت المم كے حالات ذوالريامستين اور مامون سے بیان کمیاکرتا تھا۔ اور ان دونوں سے فائدہ اعظایاکرتا تھا۔ اس طرح امام علامت لام کاکوئی حال ان دونوں سے چھیا نہ رمہا تھا۔ مامون نيهشام بن ابراهيم كوحفرت امام رصاعليكت لم كاحاجب مقرد كرديا مقا۔ وہ جسے چاہتا وہی حفرت امام رضاعل کیست الم سے الاقات کرسکتا بھا۔ اس نے حفرت ا رضاعليكتيلم كے دائرہ احباب واصحاب كوبالكل تنگ كرديا ؛ حديب كم آپ كے غلامولياي سے بھی اگر کوئی جام تاکہ آپ سے ملے تووہ بھی آپ سے مذمل سکتا مقاا ورا مام مدارستال حوکفتگو یمی اپنے گھریں کرتے ، مہشام بن ابراہیم اس کومی ذو الریامستین اور مامون تک بہری ادیار تا عقا۔ بجرا ون نے بہشام کواپنے بیٹے عباس کا اتالیق بھی بنادیا تھا۔ اسی بنار پراس کا نام مشام عباک ذوالهايستين حفرت امام رضا عليمت للمست شديدعدا ودحدكرن لكا تقا اس بيه كه ما مون اثس پرحفرت امام رضاً عليمسيلام كوفضيلت اورترجيح ويتا مقا اور اظها به عداوت كابيرالاسبب بيهواكم مامول كالجيا ذادمين كوذوالها مستين ليسندكرتا اوروه اس كوليسندمة کرتی حتی حبس کے حجریے کا دروازہ مامون کی نشسستہ گاہ ہیں کھلٹا متا یسی بنار ہرما مون کی حجیا زاد بہن ذوالریاستین سے نفرت کرنے اوراس کی بڑائیاں کرنے لگی جبب دوالریکستین کوامسس کی ا طلاع ہوئی تواس نے ایک دن مامون سے کہا۔ ئے امیرالمومنین برمناسب نہیں کہ عودتوں کے حجرے کادروازہ آپ ک*ی لنٹسست گا*ہ میں کھلے: تو ما مون *سنے اس سے بہنے ہے*وہ دروازہ ہندکرا دیا ۔ عام طور بربیبوتا مقاکہ ما مون ایک دن حفرت امام رضاعالیست الم مے بہاں آیاکرتا جفرت امام رضاً علیکست بام دومرے دن مامون کے پہال جا یا کرتے ہتھے۔ چنا کخہ ایک دن جب حفرت الم مرضاع المرست فيام ما مون كے باس تشرنعين لائے توآپ كى نظراس بندمشدہ وروازے پریوی رائپ نے دریا فت فرمایا ۔ یا امرالوئین ! آپ نے پر دروازہ کیوں بندکرا دیا ؟ ما مون نے کہا ، یونفنل کی دا سے بھی ، اس کولہ بندرند متعا: امام رضا علاہ سے الم سے فرمایا : ا: الألم و إنّا المسلم أجعون فضائك امه المونيون إن يمرح مسكم درمان فسيل

بون کاکیاحت: مامون نے دریانت کیا ، آوا پ کی کیاد کے ہے ؟ آپ نے فرمایا ، آوا پ کی کیاد کے ہے ؟ آپ نے فرمایا ، آب کھلوادی اور اپنی چپا زا دہمین کی آمدور فت کا دائستہ مذروکیں اور وہ چپز جونا مناسب ہے اس پر فغل کی بات کوقیول ندکیں ۔ آب اور کھرا نہے کا حکم دیے دیا۔ اور کھرا بخص چپا زاد بہن کے پاس گیا۔ برخبر حب فغل کوئی آواس کو بہت رکح ہوا۔ دیج اخلار مناجدہ ماھا ہیں بھی جپا زاد بہن کے پاس گیا۔ برخبر حب فغل کوئی قوات کی دعام مار خادم سے دوات سے کوجہ آب دوز جمع حامع مسجد سے ملیط کرآ ما

یامرخادم سے دوایت ہے کہ جب آپ دوزجہ جائع مسجد سے بلیط کرآیا کسے تولیدینہ میں وٹو ہے ہوتے اور گردو غبارس بجرے ہوئے ہوئے اور إنتحانحا کردعا کیا کرتے کہ: پروردگار اجن حالات میں میں گرفتارموں اگران سے نجاست حروث موت سے ہوگئ توج فورًا موت بھی دے۔ آپ ہمیشہ کرب دغم میں جنالاد ہا کرنے ۔ حتی کہ آپ کوموت آگئ ۔ دعیون اخبارالرضا جلد ہوئے)

(۱) ____ محد بن عرفہ سے دوایت ہے۔ اس نے بیان کیاکہ ایک دن میں نے حفر ایکی ہوتا میں نے حفر ایکی ہوتا مالیست بلام سے عوض کیا۔ فرزند دسول ایک ایمامعد مستقی ہوآپ نے وابع بدی تبول فرائی ؟ آپ نے فرایا ، یہ بتاؤ کہ کمیامعد مست تنی جو بمرسے جدا میالوشین علیست بلام نے شودگی پی شرکت تبول فرایا کہ دنیا یہ دسمجہ دیے کہ کم خود ہی اپنے کوخلافت کے لائن نہیں شمجے۔ اور مخالفین کے اقراد سے دنیا پر ثابیت ہو جائے کہ امر خلافت کے بم ہی حقاد میں۔

(عِينَ اخْبِرَ الرَمْنَا حَلِدٌ لِمُ صَنِهِ ا

(س) ____ بروی سے روایت ۔ وہ کہتاہے کہ خدائی قسم حفرت امام رضاعلی تسلم کوشی درسی ہوی سے روایت ۔ وہ کہتاہے کہ خدائی قسم حفرت امام رضاعلی تسلم کی کوشی دلیعہدی کو قبول نہیں فرمایا ۔ مدمنہ سے جبراً کوفہ لائے گئے اور تھے وہاں سے لبھرہ اور فارس کے داستے سے مرومنتقل کیے گئے ۔ درسی سے مرومنتقل کیے گئے ۔ درسی سے مرومنتقل کیے گئے ۔

(۱) ____ ابن ابی عدون نے اپنے باپ سے دوایت کی ہے۔ اس کا بیان ہے کہ جہلے لئ حفرت امام دخا عدالیست بلام کی ولیعہدی کی بیعت لے چکا اودائش نے آپ کو لہنے پہلوسی بٹھایا تواکش وقت درباری مباس خطیب انتھا اور بہترین تغریری اورائی تعریرکواس شعر پرختم کیا۔ ترجم شر: ۔ لوگوں کے ہے ایک سورج اورچا ندی خرورت لاڈی ہے ۔ آپ لوگوں کے لیے صورہ ہیں اور بہلوگوں کے ہے چا ندیں ۔ دعیون اخبارالرہ نا جلوہ صربیہ) محمدبن اسحاق نے اپنے باپ سے دوایت کی ہے۔ اس کابیان ہے کہ جب حفرت امام دضا علیستیام کی ولیعہدی کی بیعت لی جاچک تولوگ آپ سے پاس مبارکہا دیے جفرت امام دضا علیستیام کی ولیعہدی کی بیعت لی جاچک تولوگ آپ سے پاس مبارکہا دیے ہے حاصر مجمع کوخا موشس ہونے کا امشارہ فرمایا ، مجمع صاحت دساکت ہوگیا۔ مجرآب نے ان کے مساحت ایک خرطبہ دیا د

" شروع کرتا ہوں میں الندک ام سے جوبڑا مہر بان اور ہا بت رحم واللہ یہ مہر اللہ یہ مہر اللہ یہ مہر کا مزاوا دہ ہے وہ الندکہ وہ جوچا ہتا ہے کرتا ہے۔ اس کے حکم کوکوئی بھی ملائے والا نہیں ۔ اس کے حکم کوکوئی مسترد کرنے والا نہیں ۔ وہ لوگوں کی دُوردیدہ فلائس لگا ہوں اور درود ہو حفرت محدم نے دان میں اور درود ہو حفرت محدم برا دلین واخرین میں اور آہے کی طبیب و طاہراک پر ۔

سنو! میں علی آب ہوٹی بن جوٹو ہوں میں بیکہتا ہوں کہ امرالونین واون)
اللہ تعالیٰ ان کے اجماعہ مفہوط کرے اورائیس واہ صواب کی توفیق دے انحوں نے بملے اس حق کو بہا ناحس سے دومرے لوگ انجان سنے ہوئے ہے اورائیس صلاُ دی کا باس و نحا ظکیا جو نقط کردی گئی تھی ۔ وہ نفوس جوخوف و مہاس کی زندگ ابر مسلم ہے انحین امن کا احساس ہوا۔ بلکہ جو تھر یہا مرھیجے ستھ انحین زندہ کر دیا ، جوافلاس میں مبتلا ہوجی ہے آئ کے افلاس کو دور کیا اور میسب انحوں نے بروردگا دِعالم کی رضاحاصل کرنے کے افلاس کو دور کیا اور ایس کی حب ذاجا ہے بروردگا دِعالم کی رضاحاصل کرنے کے لیے کیا اورائی سے اس کی حب ذاجا ہے میں رغیب میں میں میں میں میں دورائی کی رضاحاصل کرنے دیا گئی میں اور انٹر تعالیٰ مشہ کرگذا دوں کو بھینٹا جسن اورائی میں بونے دیتا ۔ اورائی کی کرنے والوں کی نیکبوں کو ہرگز ضائع نہیں ہونے دیتا ۔

ادرمبیک ایمفول نے اپنی منظیم کومت وخلافت کا مجھے ولیمبر اورجائیں بنا یا ہے لبتر طبیکہ ان کے بعدمیں زندہ رہا ہیں یا درکھو کرت بنے اللہ کی باندی ہوئی گرہ کو کو کھولا اورس دستی کو خود اللہ نے مغیرہ طبنا یا 'اسے کا ٹا توسمجھ لوکہ اس نے حرام خدا کو مطال اورطالی مذاکو حرام کیا ۔ اس طرح اس نے امام کونظرانداز کیا اوراسلام کی برح مرمی کی درخقیت برسسدہ جاری کیا مقا ایک گذر نے والے نے محرام وقت نے اس کی اس عبدکنی پرهبر کیا اوراس کے بعدوہ جم کی کھرا ہو کی احتراض نہیں کیا محفی اس خوت سے کہ اس طرح کہیں دین بارہ بارہ اور مسلمان درکا شرائہ در کھ جا۔ ' رکم نک یا نے جابلہ ایما حقول سے کہ اس

ہی گذراہے اورمنافقین اسی تالدیں ملے ہوئے ہیں ۔ آپ جلتے سے کہوہ وقت دورنہیں ، حلری آئے دالاہے اورماد ما مناکہ اب ہمارے اورماد ما تعدی ایس میں جا نتاکہ اب ہمارے اورماد ما تعدی ایس می درنہ ہیں ہے جق کا ققہ دہی ما تعدی ہوگا۔ نسب می مورن دہی ہے ۔ " مثنائے والا ہے اور بہترین فیصلہ کرنے والا بھی حرین دہی ہے ۔ " مثنائے والا ہی اور بہترین فیصلہ کرنے والا بھی حرین دہی ہے ۔ " مثنائے والا ہی اور بہترین فیصلہ کرنے والا بھی حرین دہی ہے ۔ "

ول ____ خطبهٔ امام بروایت دیگر

بهتی نے صولی سے دوایت کی ہے۔ وہ کہنا ہے کہ محبوسے محدین ابی الملوح ا ہوائسین داذی نے بیان کیاکہ میں نے اپنے با ہے کو کہتے ہوئے سے ناگر مجوسے ایسے بھی نے بال كياص نے اس وقت حفرت امام رصاعاليات لام كوخط ديست موشي مشينا بمقاء آپ نے خلب دیاکہ: ۔ " اس خدای حرش نے ہمارے تن کی حفاظت فرما ئی جبکہ نوگ اس کو ضالع کرسے کے ستھے اورجس قدرہا ری منقصت کی اُسی قدرائس نے ہیں بلندکیا۔ حدیقی که گفرے منبروں سے ہم پراتنی سال تکمیسل لعنت کی کئی۔ ہمارے ففائل چھیائے گئے ہم پرمہتان تراش کے لیے سرمائے فرق کیے سکتے گرالٹرکو يمنطورسي ندمقا وه بمارسه ذكركو لمبنداور مهادست فسفائل كوأسمث كادكرنا جامها متفا ا ورخداک تسم دیبانے برسب برسوکیاں بھارے ساتھ نہیں بلکہ درحقیقت جناب رسول مقبول صلتی الترعلیہ وآلہ کو تم سے ساتھ کی تیں ۔ ہم تومرمیت ان کے قرابت دار محسف کی وجسسے زدمیں آگئے۔ اوراس زدمی آکر بھارا دی حال ہواجوہم جناب وسول مقبول من الشرمليد وآله وسلم سے دوايت كياكرتے بي كم آپ نے فرما يا تھاكم 'عنقرسیب میرسے بعد مرکمی بڑی نشانیا ں اورمیری نبوت کی دلیس کی ہرموں گئے ۔'' (عيون اخبارالرمنا مستنظ- ١٧٥)

ع ____ فضل مامون كواماتم كى وليجدى كامشودكيول ديا

بہت سے مورخین نے اس کا ذکر کیا ہے کہ نفل بن بل سنے امون کو بہ شورہ دیا مقاکہ وہ حفرت امام ملی ابن موسی الرضا علی سنے ام کوا پنا ولیع پر بنا کے ۔ جنا کچر شجا دان سے ابوعلی ہمبین بن احمد انسان می بھی ہے جس نے اپنی کما ہ میں جو تاریخ خواسان پرشتمل ہے تور کا دیما ہوں کے تام امور کا بھوان کھا۔ یہ بہلے بوی کہاہے کہ نفل بن سہل ذوالر یا مستین مامون کا وزیرا وداس کے تام امور کا بھوان متھا۔ یہ بہلے بوی

تمقارتی بن خالد برمی کے ماتھ مراحسانام مبول کیا اوراس فی مجست میں رہا۔ اور عبس تول کیے میں کروہ نہیں بلکہ اس کا باپ سہل ، مہری کے ہاتھوں اسسلام لایا تھا اور بھیٹی بن خالدم کی نے یا مون کی خدمت کے بیلے اس کومنتخب کیا تھا۔ وہ مامون سے والبتہ بڑکرائس پرچیا گیا اوراس بیرمطلق العنانی آگئے۔ ذوالم پاکستین اس کوارس لیے کہتے ہیں کہ وہ بیک وقت مامون کا وزیرا وراس کی فوج کامالار بهى تخفا حبب مامون سفه ببنا وليعهدا ورجالسنيين ليبنه كعانى موتمن كومقرّدِكيا توايك دن فضل بههل نے اسے مینشینوں سے کہا ؛ الدسلم خراسانی کے کام کے مقابلے میں میرا کام کس و رجر بہت أكفول نے جواب دیا كه اس كا كام توب تھاكہ حكومت كو ایک قبیلے سے نكال كردومرے قبیلے میں تقل كرادس اوراك سف يركياكه ايك مجانك إكقس حكومت كودومرس مجانى كى طرون متقل كراديا اوران دولوں میں جوفرق ہے وہ آپ خود حاسنتے ہیں۔ فضل نے کہا کہ مجھ میں مصفت بھی ہے کہ حکومت کو ایک قبیلے سے نکال کردد مرح جیسے میں بہونچا دوں راس کے بعدائس نے امون کومٹورہ دیا کہ آپ حفرت علی ابن موسی الرون على سيام كوابنا وليعبد بنائيس اس برمامون نے دبسے بھائى مؤمن كو وليعبد مے عبدہ كالعدم قراردس كرخفرت على ابن موسى الرمنا علىمستشيام كوابنا وليعبدوجانشين مغرّركيار حفرت على ابن موسى الرصنا مليست إم مامون كرياس نسته على رجارين ا بي ضعاك كے سائت دبراہ بھرہ وفارس خرامیان پہر بجے تھے۔ اور حفرت امام رضا علی مستنبدام كا عقد ما مون كى دخترسے ہوج کا تھا۔ جب آپ کی ولیعہدی کی خبرعہا سیوں کو بغداد میں پہونچی تو آنمغول نے ابراہیم بن مہری کوآسے بڑھا یا اور طلافت کے سیے اس کی بیعت کرلی۔ دعبلِ خزاعی نے اسی کے متعلق چھوانشعار کیے جن کا ترجمبر مندرجہ ذیل ہے: ۔ سوجهد : " المروه إفراج السلامي مأنوس كيون مو بخفاكي كيا بات سے يمعين تواني تنخابول سے فرض ہے ، تنخوا ہیں لیے جا دُرا ور مجتمعیں توبدالیے ایسے گانے سائیں كے كرمن كوئشن كر كورسے اور حوال بھى وجدمي جومنے لكيں گے۔ برہتھا رے مردارول کومعبدمایت (منبپورنغه) سے لطف *اندوز کریے گے ۔ نیز لیے اصحاب* کو تھی اسی سے نوازیں سکے اس لیے کہ بہ وہ خلیفہناہے جس کا دمین وامیان اور تسسراً ن مسب تجوبرلبطسے یہ ا وردعبلِ خزاعی نے براس سیے کہا کہ ابراہیم بن مہدی کوعود و بربط مجانے کا بڑا شوق مقا اورببشه شراب مي عرق دمهامقا - الغرض حبب يرخبرا مون كومپوي تواس كواحساس مواكه فضل بورسيل نه كام غلطكاه إله محمدة بالأرب بي وماه القريدان م المه وساكاه ا ور دوبیان راه میں کوئی آسی تدبیر کی که سرس کے ایکے ان میں اس قتل کرادیا۔ یہ واقعیر شنائے مرکانے۔ مجردوسرى تدبريدكى كرحفزت امام بصاعاتيست إم كوزبرد ب كرشهيد كرديا ـ اوريحم دياكه طوس کے قریہ سناباد میں ہارون درشید کی قبر کے میہوس آپ کو دفن کیا جائے۔ بیان کیا جاتا ہے که دقت شہادت آپ کی عمر بھیش سال تھی۔ ز عيون اخبا دالرمنا جلد ۲ م<u>د ۱۲۳</u>۳) م دولوں کیلئے شرائط کی بابندی خردری ہے معمرين خلاد كابيان سے كم محجه سے حفرت امام دھنا عليكست لام نے سان فرما يا كم ايك دن الون في مجدس كها و فرزند رسول اآب ذراد يجيس كا كرآب كے بعروے كا كوئى أدى بولواس كواك شهروب كا والى بنا ديا جلس حن كا انتظام فاسدوخراب مور ماسي تو آب کواختیارے اس کی جگر کسی د وسرے تخص کومتعین فرمادیں۔ میں نے کہا " تم میرے ساتھ عہد کی وفا کرو " میں تمعادے ساتھ عبد کو لورا کردنی اس لیے کرمیں نے ولیعبدی کواسی معا ہرے کے سابھ تبول کیا تھا کرمیں نہ کوئی حکم جاری کولگا اور پرسی کوکسی کام سے منع کردن گا۔ برمس کسی کومعزول کروں گا اور پرکسی کووالی بنا وُں گا ، برکسی كوشهر بدركرون كگا۔ پہانتك كہ الٹرتعالی تم سے بہلے مجے ابنی بارگاہ بیں طلب فروا ہے ۔ اور كبرا ا خلافت السي شے ہے كہ ميرے دل مي ميں اس كا خيال بي نہيں آيا ميں توشهر مديند كى كليوں ميں ا بنی مواری پرمیطی کرجها بچراکرتا تھا۔ اہلِ مربنہ اورغیرا بلِ مدینہ سب ہی اپنی اپنی حاجات کے لیے میرے پاس آتے سے اورمیں ان کی حاجوں کولورا کیاکر تاما داں کے باکشندے ہمارے یے چپاؤں کے اندسے تنام دیار وامصاری میری تحسد پرنا فذائعل تی ۔ التدنے ج نعمات مجھے عطافراً کی تقیں اک میں یہ ولیعہدی دسے کر توسنے کوئی اضافہ نہیں کیاہے : مامون سنے اعتراف کیا ا ورجاب دیا ، احپیامیں اپنے وعدسے پرقائم رہوں گا۔ لالکاتی حلد ۸ صداری عبون اخبار حلوم میں ا عقدببعیت اور شیخ ببعت کے طرانقوں میں فرق برق نے اپنے باپ سے دوایت کی ہے۔ وہ کہتلہے کمعتصم کے مامول ا ور ا درہ کے بھائی رّیان بن شبیب نے مجہ سے بیان کیا کہ حبب مامون نے اپنے لیے امرالمونین بوسف ودحفرت امام رضاعلی سی ایم کے لیے ولیع پر برسف اورضنل بن مہل کے لیے وزیر ہونے شیے متعلق بیعت بینے کا ادادہ کیا توانس نے حکم دیا کہ تین کرسیاں بھی جائیں ۔ کرسیاں د کھندی محشين - حيب يرتمينول أن پرجيمي توعوام الناس كو داحظے كى اجازت دى كئى راوگ تستے دہے اوران

تبنول کے دلینے ہاتھ پرلینے دلیہنے ہاتھ سے بعیت کرتے دیسیے گراس طرح کم ا پنے ہاتھوں ك انتحاظ كرس سے جينگليا كرمرے ك طرف التو پر الحقوادت ہوئے جاتے يهانتك كربالكل أخرس ايك الصادلوجوان آيا وه لين واسن لا تع كوجهنكليا كم مرس سي انگوسے کے سرے کی طریت ہے گیا۔ یہ دیجھ کرحفرت امام رضاً علیست لام مبتم ہوتے اور فرایا ابتک جن اوگوں نے مبعیت کی ہے وہ بیعت کے توٹسنے کے طریقے سے بیعت کی سوائے اِمسس نوجان کے کہ اس نے دمجا طریقہ انعتیاد کیا جوبعیت کے با ندھنے کا بج تاہیے۔ مامون نے پوچھاکہ نوخ میعت اورعقد میعیت کے طریقوں میں کیافرق ہے ؟ آپیے ادبرشا وفرايا حِس كى نيّت بعِت باندهنے كى بوتى ہے وہ بائة كوجينى لميا كى مرے سے انتو تھے كے سرے کا طریت لیجا تاہے اورش کی نیت نسخ بیعت کی ہوتی ہے وہ ہا تھ کوانگو سکھے کے مریےسے

جھنگلیا کے سرے کی طرف کیجا تاس*ب*

داوی کابیان ہے ک*ر میشن کر لوگوں ہیں ایک طوفان بریا ہوگیا۔* اور مامون نے حكم دياكة بس طرح حفريت الوالحن على الرضا على *ليست* لام نے فرمايا ہے اسى طرح بھرسے بيعت كي تيج اب نوگوں نے کہنا شروماکردیا کہ وہ تنفس بھیں کو بعیت لینے کا طراحیۃ بھی نمعلوم ہجوام کوا ما مست اور المارت كالمستقال بى كميلى راس سي بترتووي ب جي كم اذكم بيعت لين كاطرلية تومعلوم ب _ اوراسی بات نے مامون کوائل میرآ ماوہ کیا کہ وہ امام رضاعلی کست کام کو زمیرسے شہید کردے ۔ (ملل الشرائع علدا مس<u>مام ،</u> عيول اخيار الرضاجلد الم<u>اميل</u>)

<u> میری آخری منزل توخراسان ہی ہے</u>

محدین عبرالندافی کابیان ہے کہ میں ایک دن مامون کے پاس گیا تواس نے مجے لینے قرب جگدی خوش آمدید کہا ' مجر لولا کہ اللہ تعالیٰ امام رضا علی سے ا آب في مجه ايك عبيب بات بنائي -

صورت یہ ہونی کہ جب سب لوگ آپ کی بعیت ولیعیں کرھیے توا یک شب ہی نے آپ ہے عرض کیا ، میں آپ برفر بان ، میری دائے یہ ہے کہ آپ عواق تشریعی ہے جائیں اورش آپ کے جاکشین کی چیٹیبت سے خواسان میں رمہوں ۔ بیمٹن کرا مام رصنا علیامت لام مسکرائے افاد فرماً يا مس ابي حال كي تسم كما كركمة الهول كداسى خواسان مي توميري تجهيز ويكفين مهوكي اورميبي ميسسري آخری قیام گاہ ہے بعنی موت آنے تک مجے میں مفہر ناہ اور میں سے جھوع مر محشری العمال

میں نے عرض کیا ممیں آپ پر قرران اب کوریہ کیسے علوم ہوا آب نے فرطایا مجے اپنی قبرکی میگر کاعلم اسی طرح سے جیے متعالی قب كم متعلق معلوم هر : مين سف وص كيا الله آب كام الاكريد ، برتاميم ميري قب ركها ن مج کی ؟ : آی نے فرمایا مہاری اور متعاری قب ورب کے درمیان بہت فاصل مجا معماری ين موت آئے گی اور تمين مغرب بن: ميں نے وض كيا ، آپ نے وفرايا وہ درست ہے. المندا أس كے دسول اور آل دسول مى كواس كا زيادہ علم ہے: مجرس نے مبہت كوشش كھے اورخلافت وغيره كى طرون دعبت بجى دلائى مگرآپ سنے مزید کمچیدن فرما یا اورخلافت وغیرہ کی طرمین قبطعًا راغب مزیدے۔ د غیرانشیخ مسے ۔ یہ) سے تنقریب ولی عہدی اصحاب اخباد وميرّ خلقاء نے تحسد پرکیاہے کہ ما دن نے جب حفرت امام رصاعالميست لم مى وليعيدى كى تبيعت يلين كالداده كيا تواس نے فضل بن سبل كو بلاكر ابينے ادادے سے مطلع كيا ۔ نيزيد كہاكہ تم ابينے محائی حسن بن سہل سے اس ليساي مل لوا وراكسے ابنے ساتھ ہے کراؤ۔ جبحن بن مہل آیا تواش نے مسئلۂ وئی عہدی کے بارے میں آسے آگاہ تمیاکہ لینے خاندان سے حکومیت کونکال کردومرے خاندان کے حوالے کرنے کے کیاا ٹرات حرقب بول سے ؟ مامون نے کہا بچھ بھی ہومیں نے اپنے میں دسے یہ عبد کرلیاہے کہ اگرمیں نے کوئن برستع بانى تواس معلافت كواله البالمالب مين بوشخص سب سعافعنل بعظاس كحواله كمدون كأرا ودعلى ابن موسسى الرمنا عليكست للمسب افعنل ومبيزكسي كومنين مايار جسيفنل ا ورحسن دواول نے يہ دينجھا كہ امون نے اس كاعزم متم كمرلياہے تومیا حشہ اورمعادحرسے بازا کے ۔ میرامون نے ان دونوں کوحفرت امام رصاً علایست لمام کی خدمت میں دوانہ کیا۔ان دونوں نے کامون کی پیٹیکش آپ کے سامنے دکھی۔ آپ نے الکا فرایا ۔ یہ دونوں برابرامرار کرستے رسے مجبورا آپ کوا قرار کرنا بڑا۔ بھر یہ دونوں مامون سے باس آشے اور آ ہے۔ کے افراد اوڈمنطوری کی اطلاع دی ۔ پیشن کر ماحول خوش ہوگیا اورحلسرُخاص منعقد كمينے كے بيے بنج شنبہ كلان معرّد كرويا ۔ اب فضل ما مون كے پاس سے نكلاتواس نے لوگوں كو بتایا کرمفرت امام فی ابن موی الرضاعاليست الم كے بے مامون كايدخيال ب ادريكراس في آپ كوانيا وليعبد معرد كردياب راوراك كورضا كاخطاب دياب الدسب كحياب يهم سيكم و من الموامد كالموامد كالموامد الموامد
الغرض جب يجبث نبه كادن آيالو شام كسرداران فوج ، حاجبين، قضاة ا ور ان کےعلاوہ دومرسے مصاحبین اچنے حسب مراتب اپنی اپنی سوادلیں ہرا کمیے۔ مامون تخت پر بیطاا ورحفرت امام رضاعلیکست الم کے لیے دو بڑی بڑی مسندیں بھیادی کئیں جو مامون کی مسندسي موتى تقين حفرت المام دهنا على سيل كرسبز لباس بهنا كرسر برعمامه اورمائه ين تلواردے كرمسندى بىمقايا گيا. كير ما مون نے اپنے بيٹے عباس كوحكم دياكرمب سے يہيئم ان کی بیعت کرور امام رضاعالیست ام نے بعیت یا ہے مامخد انتظایا۔ آپ نے مامخدی پشت اینے چبرے کی طرف اور پیمیلی عوام الناس کی طرف کرلی۔ مامون نے کہا یہ کیا؟ سبعت ين كه يدر المع عليلانس: توآب في العربايا حفرت دسول مقبول الترعليدواله وسلم تواس طرح بیعت لیاکرتے تھے۔ تولوگوں نے آپ کی بیعت اسی طرح کی کہ آپ کا باتھ لوگوں سے باعد سے آوہ پخفا۔ اس کے لبد درائم کی تھیلیاں دکھی گئیں ۔ خطیب اورشعرا دکھ طیب ہوئے ۔ حفرت المم رضا ملالیست للم کے فعائل بیان کرنے لگے اور ما مون کے سامق حکومت میں آپ کی شرکت کا اس سکے بعدمامون نے اپنے جیٹے الج عباد عباس کوآ وازی دی اوروہ فوڑا ہی پہنے باب كے پاس بيري المحول كولومسدويا . مامون فيصكم دياكه ميره عاد يم محدين معفركوآ وازدى مختى اورف من الماكم المحولوروه استطرا ورخوا ال خوا مال بيطياء ما مون كے قربیب اكر كھوسے ہو گئے ۔ الم تقول كولوك بنين ديا. ان سي كما كيا عجاسي ابنا انعام حاصل كرليجي جمر امول في يكاد كمركم لے ابو حیفر دائیں ابی حبکہ جاکر میھ حاؤ۔ تو رہ اپن حبکہ جاکر میصے کئے۔ تھے الوعباد میرعلوی اورعباسی کو بلاتا ربا وروه آکراپنا اپنا الغام کیتے رہے۔ یہانتک کہ ساری ارقم حتم ہوگئی۔ بهرامون نوحفرت الم رصاعليك المسام ساعض كياكه اب آب كي خطبارشاد فرمائي اودعوام الناس سے گفتگو كري - آب اسطے: حمدو تناكب اللي مجالاك ووفرطاعة أيها الناس إمسنو! بمساراحق تم يردمول ک وجہ سے ہے اور مہاراحق تمیم پر زسول کا وجہ سے جب تم ہماراحق اداكروك توميرهم رجي واجب بوكاكم متهارے حقوق اداكرسي." اس جلے میں آپ کی تقریر میں سے مرف استے خطبے کا ذکر کیا جا تاہے . اس کے بعد امون نے حکم دیا ، دراہم ڈھانے جائیں جن پرحفرت ا مام دھاعلی سے لام كاسم كُلُوكُ فَتَسْ كِياجا مُنْ حِيم كُلْ تَعِيلُ كُنَّي - بجرامون إسحاق بن موسى بن جعز كالكاح ان كي جيا اسحاق بن حبزبن محدکی بیٹی سے کیا احرائمنیں حکم دیا کہ وہ لوگوں کے مسامقد حج کیلئے جائیں وہ حج کوگئے

بھر اپنے شہری حفرت امام رون علی ست الم کے ولیجد مونے کا ذکر ایسے خطے میں کیا احدبن محدب سعیدنے کیئ بن حسن علوی سے روابیت کی ہے ۔ انس کا بران ہے کہ ا كمينين والبے نے مجھے بتایا كرعبر لحيرين سعيد اُس سال منبريسول بر مدين ميں خطبہ دے رہا تھا اُس نے خطبہ میں آپ سے سیائی وعاکی اور کہا ولیم کھیں علی بن موتئ بن جعفرین مخد بن علیٰ ابن الحسین بن علی ابن ا ب طالب علیهم مسلام ۔ (۲۲) ____ مرائنی نے لینے دجال سے یہ روایت کی ہے کہ جب حفرت امام رضاعالیاتیام خلعت وليبهدى بين كرجلوه افروز سوئ توبهت ست خطيار ومشعرار آب كے سامنے كھوے ہوئے تے۔ آپ کے سرکے اور رچم اہرار ہا منا بھائی ایک شخص جومعرت ام رصاً علیات ہام کے مخصوصین میں سے وہاں موجود مقا ، وہ کہتاہے کہ اُس روز ج کمچے ہوا مقاامسس کی تہنیت کے لیے میں آپ کے سامنے موج دمخار آب نے مجھے اشارےسے بلایا میں قریب پہوی آ تو آپ نے بهت بی ام سندسے فرمایا (جس کومیرے علاق دوسرا نرمسن سکا) اِس سے بہت خوشدل نرموا اور شاس کوکوئی مژوہ مجھنا ، اکسس لیے کہ یہ جانشینی اتھام تک بہی بہو سے گی مهمس دوز دوشوار آب کی خارستیں حا حرموسے ۔ آن بی سے ایک وسل کی على خزاعى بھى سفتے ـ بەحب آپ كى خدمت بىل بېروپنچ توغمض كياكەمىي نے ايك قىعيدە كہاہي، اوردل میں یہ سطے کرلیاسے کہ آپ کومسنانے سے پہلے میں کسی اور کویڈ مسنا ڈن گا: آپ نے فر إيا ' احِهامِيْطُو _حبب لوگ چلے گئے اور مجمع کم ہوگیا تو فر ما یاسے اوُ۔ تو دعتبل نے اپنا وہ قصیدہ ستایا جس کابہلام موریہ ہے: " مداس ایات خلت من تلاوی " جب وہ پورا تھیںدہ سناچکا توحفرت امام رضاعلیٰسے الم آسٹھ اینے حجرے ہیں تشرلین ہے سكئ اورايك رسيسميس رومال ميں چيوسو ديبا رركھ كرخادم كے بائتھ بھيجاا دركہ لاياكر يرتمعالاسسفر خسدن ہے میں معذرت نواہ موں کہ مجدا ورز دے سکا : تو دعبل نے خادم سے کہا حارم كردكه خدا كم تسسم ميراييم تعصدينه مقا اور زمين اسس كے بياتا يا مقار لنزا يه مولا كوداسيس دسے دور ا درمبری طرف سے یہ عرض کروکہ آگر ہورہے تواہیے طبوسات میں سے ایک طبوس مجھے عطا کردیں ۔ خادم والبس نسيسكر كميا توامام علي كست لام في مجمعيا اود فرما ياكراس بي اواوراس كرماية بي اينا ایک جُرِی مجیدیا: دعبل برسب ایرکن کلا اورقم آیا جب بوگوں نے دعبل کے پاس امام کا جبّہ د بچھا تواہی زار دینار دسینے کوتیار ہوگئے۔ ومیل نے فروخت سے السکارکیاا ورکھا۔خدائی قسم میں تواس کا ایک محرمایی ایجزار دینادیں نه دول گار مچردمیں وہجزیہ کرفم سے لکے تولوگ ان کے پیچیے لگ گئے ا ور داستے میں جُبۃ چپین کریے سکتے ۔ دعبی فم آئے اور دوگؤں سے گفتگو کی

اتخول نے کہا مسنو! اب وہ مجترتم کونہیں ہے گا' البتّہ اگرتم چاہوتو ایکزاد دینار حاحزیں۔ دعبل نے کہا اجھا بھا ٹیوشچھ اُس جُبّہ کا ایک منتمرا ہی دے دو۔ تب ایمنوں نے آیک منزا جُبّہ کا اورا کیزارد نیاد (انشادتیخ مغیرمه ۲۹۳- ۲۹۱) ص <u>امام کے لیم رسو</u>نی عباسیوں کے نافرات صاحب مناقب نے بھی تعرب ولیعبدی کے واقعات مجھاس طرح مخسسریر کیے ہیں اور حفرت امام رضا عکر *لیست یام کی وہ مخسسہ ریمی نق*ل کی ہے جوعبد نامہ ہے۔ اس کے

بعد الكمواس كرمعتز بالترك بين في وفات الم رمنا عليست الم كالبدادلاد على كوخطاب كميت بوت كجيمات اركى -جن كاتر تم مندرج ذيل سے ـ

ترجيه "مصي مامون في خلافت كاحق دسه ديا مقاد حالانكه يه وراثتاً مهاراحق مقا مگراس نے یدونیا محص کبش دی تھی مجرجیساکہ تم سب جانے ہوکہ امام رضام مرکئے تووہ خلافت دوبارہ ہماری طرف بلٹ آسمینگی ۔"

اس کے بعدصاوب مناقب نے تقریب دلیبہدی میں جن شعراء نے تعبی^{رے} مشناك أن ين دعبل كاقعيده ، ابراهم بن عباس كاقعيده اور ابونواس كاقعيده بيش كياب، وبلك

الواواس كي تعيد في يرتوا مام رضاعل يستلم في يمي فرا ياكرتوف توم مارى اليي مع كاسب جیں اس قبل کسی نے ندی تھی ۔اور ایسے خلام کو ملا کر دریا فت فرماً یا کہ اخراجات میں سے مجد باقی ہے؟ اس نے وض کیا ، جی بال میں مودنیاری : آپ نے فرمایا ، اے دے دو مجرفرایا اے ملام!

ومناقب آلي الي طالب جلدي مستنسس سيوس)

_عبدنامرُ وليبيري کي ال عبارت

ایک مواری بھی اس کے والے کردد ر

باركا وخدداد ندى كامه كارى على بن ميسى كمتاب كرمن يدهر مي مشهدا مام رضا سے ایک فوجی سردار آیا اس کے باس وہ عبدنامہ مقاجر امون کے باتھ کا لکھا ہوا تھا اوراس کے بن السعورا ورابشت پرخودا مام رصاً علايست الم كم ما مقرى تحسير ريتي مين في ديكما توجيسان جبساں امام علی سے الم کا قلم چلاتھا ' اس کو لوسہ دیا۔ اور آپ کے گلزار تھسسریہ سے لکھٹ ا بروزموا اس بن الفاق كومي ف التُرتَّعالي كابط كم واحسان تصوّركيا . مجرس في أس كور من برمرو ينعسل کرنسا۔ مامون ک*ی تخریر بیٹی*ی:۔

" كبيم للراتم من الرّحيم - يه وه عهزنا مسب جوام المؤنين عبرانتري بإدون المركث يدني البيث

دلیعبد علی ابن مومی الرِّصناً کے لیے تخریر کیا ہے۔ ا آلعد ۔ النزنعا لیٰ فے تمام ادیان میں دین اسلام کوننخب فرایا اور اسس دین کے بیے لہنے مبندوں ہیں سے کچھ دمول نتخب فرما ئے جو ہوگ*وں کو اس وین* کی طربت رمنها نی اور مرایت کرتے رہے ۔ جنامچہ جو پہلے آیا اُس نے بعدی آسنے والے کی بشارت دی اور ج لعدمی آیا اس نے پہلے آنے والے کی تصدلی کی بہانتک کے الثركى اس نبوت ورسالت كالمسلسة حفرت محسبت مصطغ صتى النه عليه واكرم تم تك ببوانيا. آب سے بہدے وسے تك فرت كا زمان مقاكوئى دسول منبى آيا مقاعلم الى كادرس دين والاكوني مزمقاروى كاسسام منقطع مقاا ورجونكه فيامت قرميب حقى إس ميدالترف آب يرسد نبوت كوختم كرديار آب كوتمام انبيام يرمثنا برا ورنگرال بنايا ا درآت پرایی ده کتاب مزیز ازل فرمان که حبی بی ماطل نه توسلسنے ہی سے داخل ہوسکتاہے، مزہیجےسے راس لیے کہ ایک سزاوادِ جمد داورصاحب حکمت ذات كى طرت سے نازل كى بولى چيز سے رحب ميں يہ بتايا گيا ہے كەكن چيزوں كوالند نے حلال قرار دیاہے اور کن چیزوں کو حرام کن کاموں پر تواب کا وعدہ کے اور کن کاموں پرمناب کی دمکی وے کرڈرایلے۔ کن باتوںسے پرمبرکیا جائے اور كن كامول كے كرنے كاحكم ہے اوركن كاموں كے ذكرنے كاحكم ہے تاكم تام خلوقاً برانشری حبت پوری پوری قائم اور تام پوجائے اوراب اس کے بعد می آگر کوئی ہاک بونا چاہے توبلاک ہواور زندہ دمہناچا ہتاہے توزندہ دسیے۔ انٹرتعائی سب مجعہ سَننے والا اورجلسنے والاسے ۔ لیں حفرت رسول معبول نے الٹری طریدسے اس کے بندوں کو پیغیام بهونخيايا - ا ورالتركي علم كيم طابق حكمت ومنظرٌ حسدنه ا ورمجت وحدال احسن طریقے کے سائمہ اُس کے بتائے ہوئے داستے کی طرف دعوت دی ۔ معیرہ باد کیا اور بحصنى سيمى كام ليا بيبا تنك كرالسرن آث ك تسبي روح فرائى أور وفعين ل كيلفائس كحاس مبيامتين ان كے ليے الليا۔

اب جب کم نوت ختم برگی اوران رقعال نے مفرت مستدمعطی متل الرمالی الم المرائی اوران رقعال المرائی المرائی اوران رقعام کو برسد کاری و درالت کوتام کردیا تو اندتی نے دین کے تیام اوران کورلین کے انتظام کو البی خلافت کے اتنام اس کی توت اورا فاعت الی کے ساتھ تیام حتی کی کوشش میں قطرویا کہ جوا مذرک و النقی وحدود و اسسالای شراعیت و دستورکو قائم کرے اس کیلئے

ومشعنان امت المسع جياد كرے المدا خلفا مكا فرض ب كرالتربعا لى نے جب لينے دين اور نہنے بندول كائي مافظ اور وال بناياب قواس سدي عياش كا الماعت كري اورسا فل كافن ہے کہ وہ خلفار کی اطاعت کریں اور حق وعدل کے قیام میں اُن کی مدد کریں ، دا مست پڑامن بنائیں ، خونریزی مذکری ، امیں میں ملح وآمشتی سے رہی ، اگر مخالعنت کریں سکے تؤمس لمانول كالتحادبإره بإره بوجلت كالأمتسب اختلال واختلامت بمدرش يأي محے ان کا وین مغلوب جائے گا ، کشمن غالب آجائیں ، کلر کا اتحاد باتی ندرسے گا[،] اوداس اطرح انمعیں دنیا وآخرت دونوں جگرضیارہ ہی خدارہ ہوگا۔ اورسس كوالشرتعالى نے اپئ زمين پرخليفه بنايا ہے اپئى مغلوق ليطورا انت المسس سے کسپیروک ہے اکس کا فرض یہ سہے کہ وہ اسپنے کو ددیرست رکھنے کی کوشش كرسے رجن باتوں بيں النركى الحاعبت اورخوستنودى ننظراسے ائن ميں ايتار وقربانى سے کام سے اوراس کام سے بے نیاررہے جوالٹرکے حکم کے مرطابق ہے اوراس كے تعلق وہ اس سے بازیس كرسنے واللہ . نيرحق كا فيصل كرسے جوذم واربال النٹرسنے اس سے مسیرہ کی ہیں اُن میں عدل سے کام سے کیونکہ المنٹریعا ل نے اپنے نى حضرت دا ۇدعلىرست لام سەنسىرماياكر « ترجبرآیت: "لے واؤد! میں نے تم کوزین پراپنا ظید بنا یا ہے توتم "میرے بندوں کے درمیان حق کافیصلہ کروا ور اسپنے خوامیش نفس کی ہیروی مذکرو ورن ہے بات تم كوالنَّه ك داست من ادب كى اورجولوك داو خداس برك سكة ان کے سیے مشدید عذاب سے اس لیے کہ دہ اوم صاب کو بمول میٹے ہیں ۔ اورايك دوسري مقام براستريعًا في في ارشاد فسيرما إكه: ترجداً يت : " متعادي رب كي تسم يعيناً سم الأثنام الأكون سے مراس كام كاباري كرس سے جودہ كررسے سعے۔" نیزیم تک یہ روایت بھی پہرنی ہے کہ حفرت عمر ابن خطاب خسنے فرایا کہ آ دریاسے فرات کے کنارسے ایک کمری کا بچتمی مناکع بوجائے توسیمے نوت ہے کہ الترتعالی جمع سے اس کے متعلق بھی بازئریس کرسے گا۔ اور خداکی تسم خورکر نے کی باست کرایک وہ تخفی ہومریت اپی ذامت کا جوابدہ ہے اوروہ کمی اسپنے اُک اعال کی بنا ریرکرمن کا تعلّن خودانس کی ذات اور خدا ہے ہے (محدیہ کوئی مطابعیں) اش کومی آخرت میں یا ذکرس کا بڑا خطرہ ہے ، تومچراس خص کا کیا حال ہوگا ہو پوری امست کا ذخر دار اوراس کا جوا ہدہ ہے ۔ اس کو تومرت الشریر مجرد سے زا ہے ، اس سے دُعاکر ناہی ، اس سے اُمیدر کھنی ہے کہ وہ نیسے کی توفیق دسے اور گامیسا ہی تو سے اور گامیسا ہی تو سے مرت اور کا میسا ہی تو مرت دسے دہی رمنهائی کرسے اور کا میسا ہی تو مرت اسٹری معن اور کا میسا ہی تو

در حقیفت اُمت سیسلی سب سے زیادہ اپنی ذات پرنظرد کھنے والا اور دو سے ذین پرانشر اور اُس کے دین کی طرت بندگان خدا کی سب ہے بہر استہا تی کرنے والا دہی شخص ہوگا ہو گہنے اور اپنے بعد کے او واس کے ہے ہے کہ خدا مسرآن اور منت رمول پر مسلی کستے پر سے پوری کوشش کرے اور بہت سوج سمحہ کردائے قائم کرے کہ اپنے بعد کے لیے وہ جانشین اور ولیع پر کس کو معین اور ولیع پر کس کے بعد مقرد کرے ۔ آئزہ سلمانوں کا سرد ادکون ہو ، وہ اس کے بیار کسی کومعین کرے ، اوگ اپنی فراد مسلمانوں کا سرد ادکون ہو ، وہ اس کے بیار کسی کومعین کرے ، لوگ اپنی فراد مسلمانوں کا سرد ادکون ہو ، وہ اس کے بیار کسی کومعین کرے ، لوگ اپنی فراد مسلمانوں کا سرد ادکون ہو ، وہ اس کے بیار کسی کوموین کرے ، لوگ اپنی فراد کسی کے بیار نیان کی پر نیان کی بر نیان کی مرد فریب سے کون اُن کو بجائے گا ، میم خدا کسی اس کے کرد نور کر سے گا ، ورائن کے اختلافات کون دور کرے گا ، اور اُن کے اختلافات کون دور کر سب سے کون اُن کو بجائے گا ۔ ؟

اکی لیے توانٹرتعالی نے خلافت کے بعد ولیجہدی اور جانٹینی کو کھی آمور اسلام کا کمیل واتمام اس کے وقار وعزت اور اہلی کسلام کی فلاح کا ذرایس قرار دیا ہے اور لینے خلفاء کو بزرایہ الہام یہ تاکید کردی ہے کہ وہ لینے بعد سلال شخص کودلیم پر اور جائٹین متحب کردیں بمبلا اب اس سے برام کر نفست اور عافیت کیا ہوگ کہ انڈرسنے اس طرح اہلی شقاتی ونفاق سکے کمرا وراک کی تعزقہ پروازی و فتنا ایجزی کی آرزی کو خاک یں طادیا۔

چانچ جب سے امرائونین کوخلافت تفویق ہوئی کو اسل اسی فکریں رہے۔ آپ نے اس خلافت سے جُرع کی کو خود نوش کرے دیجھا 'اس کا بارخود اُنھا کو کو کو دونوش کرے دیجھا 'اس کا بارخود اُنھا کو کھنوں کیا اور ریکہ جینمی قلادہ خلافت محلے میں ڈالٹا ہے اُس کوا ما ویت الہٰی سے کس قدر مرابط ہونا وا جب ولازم ہے اور حرائے کا اُس کو متمل بنایا گیلہ اُس کواس کی کئی دیجہ مبال کرنی ہے۔

جنا پخرا کی سلسلہ میں آپ ہے پوری تندی اور لوظ سے کام دیا ، والوں کو جاگے ، دیر کک غور و فکر کیا کہ وہ کون سے اقدا مات ہیں جن سے دین ہیں قوت آئے ، مشرکین کا قلی قبع ہو ، انست مسلاح پکڑے ، عدل پھیلے ، کتاب وسنست کا نظام قائم ہو ہمسلمان پسی میں ذرای بلکہ نوشخالی سے زندگ بسرکریں ، یہ جانے ہوئے کہ اللہ اس کے مقان سے جواب طلب کرے گا اور اس امرکی تمنا رکھنے ہوئے کہ دب الشرسے طاقات کریں تواس کے دمین اور اس کے بندوں کے بہاؤلہ بن کراورا بنی ولیعبری اور اپنے بعدامت کی پاکسہانی کے لیے کسی ایسے شخص کو ہی اور اس کے مطاقات کری جو دمین و تقوی اور علم کے احتبار سے سب انقل ہو انتہار کے مطاقات کری جو دمین و تقوی اور علم کے احتبار سے سب انقل ہو اور الحکام فعدا اور حقوق الحق کی بہتر طریقے پر کریسے۔

اس کے بیے انخوں نے اسٹرسے مناہات کی، طلب خیرکیا، دن رائے مائیں اگئیں، کربروردگارا احب کا بھی انتخاب ہو وہ تیری مرضی کے مطابق ہو۔ مجرآپ نے اپنے خاندان بعینی اولادِ عبد النٹرابن عباس اورا ولادِ علی ابن ابی طالب میں سے ایسے فرد کی الماش میں ایک ایک کے متعلق خور کیا اور بسکے حالات معلوم نہ سے پردی کوشش اور جد وجد کے بسامق حتی الامکان جلنے والوں سے اس کے حالات معلوم کہتے ہے ہوائت ہوئے المات کے مالات معلوم کہتے ہے ہوائت ہوئے اور مون اُن کے شخص ہوئے حالات میں بہا تک کر مسب ہی کے حالات سے واقعت ہوگئے اور مون اُن کے شخص ہوئے حالات کی برائشا نہیں کیا، ملک جہنے خود مجی ویکھا اور گفتگو وسوالات کر کے اندازہ لسکا یا کہ کس میں کتی صلاحیت ہے۔ بالاخرقوم و ملک کے حقوق کی اوائیگی کے بیائی ذات جد وجد اورا مذرب من بن جنوین مخرب علی بن انجیشن بن ملی بن ابی طالب پر مخربی اس لیے جد وجد اورا مذرب من بن جنوین من خرب علی بن انجیشن بن ملی بن ابی طالب پر مخربی اس لیے مکہ ہوئی ورائے تقویٰ من پُوخلوص کہ آب سے ان حفرت میں فصل و کمال نفع نہ واضع تقویٰ من پُوخلوص کہ آب سے ان ان حفرت میں فصل و کمال نفع نہ واضع تقویٰ من پُوخلوص کہ آب سے ان دیا ہے۔ ان حفرت میں فصل و کمال نفع نہ واضع تقویٰ من پُوخلوص کو رہ من دنیا ہے کا درائے کی اور گوٹ نشینی سب می کھ یا یا ۔

مجرحفرت علی الرمنا علی سند می مستعلق جرستعلی خابی الکی است.
تصلیق بی کرلی د اک محصمتعلق مدب ایک زبان سقع مسب کی زبانی ایک بی بات مسنی اک می کوئی اختلات نزمنا د نیز حینوان مشب بسید می زبانی ایک بی بات اگ محفی اک میں کوئی اختلات نزمنا د نیز حینوان مشب بسید می میرکسی تک الب اک محفی المن می فیان می میرکسی الب می میرک الب می میرک الب می میرک این م

بریمتی اس میں ان کی مسالامتی تھی اس میں قبامیت سے دن ان کی مجات تھی۔ بعرام المونين سف اين اولاد الين كفروالال الين مخصوص اصحاب لين بمسروادا ن نوج اورا ہے الازمین مسب کو کا یا' اگن مسیسے بھی یہ جانتے ہوئے كما مرالومنين سفابي اولا داورا پيغ قربي اعزاد برا لما عب الني كوترجي دي برسب نے کوشی جلدی جلدی مبعیت کرلی رمیرامیرالمومنین حفرت الوالحسن علالیت لام کورصا کالقىپ ديا راسىسلى كەخودامىرا لمۇمنىن ان ك ولىيېدى سىسے دامنى ا درنوش سىقے ـ للبزائك اميرالمونين كيے خاندان والو! اور الے وادانسلطنت ميں تعينات فوجيو! ادرالي مسردادات نوج ادراي سلما نوايم بهى الشركا نام ليكرا للركير وين ا درانشر کے بندوں کے متعلّق اس بہترین فیصلے کوشنیم کرتے ہوشے امرالونین کی خلانت اودان کے بعد مفرت علی ابن موی الرضا علیٰسستیام کی ولیعبدی اورجالٹینی پر کھھلے المتون ادرصافت دل سے بعیت کرو اور میمجوکرامی آلوشین کے مقاصد کیا ہی ایکیل نے کس طسیدرح حکم حب اک تعییل کی اوراپی ذمّہ داری محسوں کی اورام را لموسین کو بحيثيت اميرا ودخليغ غمبارى حق ادائسيكى كانبوت دياء اس يسليليمي الشريف جوبزرليه البام ان كوبداً يت فران اس كانتهي مشكرگزارمِ ذا چاہيے ۔سوچ إكرام را لمؤنين كو متعاری فلاح و ببیود کاکتناخیال سیے ۔ وہ چاس*یتے چیں کہتم* میں العنت ومحیت قائم رسب وخوزیزی مذہوم انتشار کامشیار نہ بنو استحاری مسرحدی محفوظ رہی انتمایے دین میں قوت آئے ، تھارے کشینوں کا قلع قمع ہو، تھارے سارے اورستحکم اور درست بوجائيں ليبس تم التربعالیٰ اورامپرالممنین کے حکم کی فوری تعيل كرواس یے کوا گرمتم نے ان کی فوری تعمیل کی اور پیمس کیا کہ اس تعمیل میں کیا لفت ہے اور اس پرائڈگامٹنگراداکیا تو معرانشام الڈیمتھادے ہےامن ہی امن ہے۔ به عهدنام امیرالومنین سف، را و دمفان مسانته حرکولین تلم سے تحریر کیا اوراس کی پشت پرحفرت امام رضا علیاست الم سے ما تھےسے تکمی ہوئی مندرج ڈیل تخسسر برہے ۔ . عهدنامه کی پشت پر حفرت ام رضا کی تحریر بِهُم اللَّهِ الرُّحسُسُنِ الرُّحسِسُيمِ • اس خدای حمد رج فا مل معلق ہے ۔ وہ جو جاہے کہے ۔ اس سے حکم کوکوئی المسلنے والانہیں ، اس کےفیصد کوکوئی ردکرسنے والانہیں۔ وہ لوگوں کھیے

دُردیده نسگاہوں کو بھی دیکھتاہے ، ولول کے پہنیدہ اسراسے بھی خوب انہی طرح اقدت ہے اور درود ہو الشرک نبی محر خاتم النبین اوران کی طیب و طاہرال پر میں علی ابن موئی بن مجھ کہتا ہوں کرام را کوئین امون الشران کے بازوؤں کو توانا تی بختے اور ہوایت کی توفیق عطافریائے ، امنوں نے ہارسے حق کو بہرچانا ، جب کہ اس سے قبل ہمارے حق سے تجابل برتا جاتا رہا تھا۔ نیز عزیزدادی اور رشتوں کے دہ دابطے جوایک عرصے سے تعظم سے آج افوں نے ان کو تھر جواردیا اور ابتک جو لوگ ایک ووسرے سے خوفردہ سے امنوں امن وسکون طار امنوں نے ابھی امن وسکون طار نردگ بہر کردیا ۔ جوارگ فقر و افلاس جی امنوں سے نردگی بہر کردیے ہے اُن کی غربت و افلاس کو دور کیا ۔ یہ سب کچوا مفوں سے نرزگ بہر کردیے ہے آئ کی غربت و افلاس کو دور کیا ۔ یہ سب کچوا مفوں سے نوائل کو ایک میں کسی سے اجر نہیں چاہتے اور بہر سے کہ انڈرٹ کر کرنے والوں کو اس کی جسزا و یتا ہے اور شیک کی کے والوں کو اس کی جسزا و یتا ہے اور شیک کی کرنے والوں کو اس کی جسزا و یتا ہے اور شیک کی نے دوالوں کی نہیں کرتا ۔

انمؤں نے بھے اپنی فرافت اور امادت کبری کا دلیعبد اور جائشین مقرد کیا ہے۔ بہر طبیکہ میں ان کے بعد زندہ بھی دیوں ۔ لہذا اجس گرہ کو باندھنے کا اللہ اسکوکوئی توصل کھوسے گا اورس دسی کو اللہ مفہوط د کھنا چاہتا ہے اس کوکوئی توصل کھوسے گا اورس دسی کو اللہ مفہوط د کھنا چاہتا ہے ملاکو حوام کیا۔ اس ہے کہ وہ اس طرح لہنے امام سے رُوگر وانی کو سے مرکب اسلام کو براد کرنے کا مرتکب ہوگا۔ جیسا کہ بھیلے لوگوں نے کیا ، گرائن کے اس ہنگا می اور فلتی اقدام برصف اس ہے مومیت اسلام فلتی اقدام برصف اس ہے مومیت کیا ۔ اور ان کے می عمل سے فقط اس ہے مومیت ہیں فلتی اقدام برصف اس ہے مومیت کیا ۔ اور اس اور کا خیر از ہنگا میں ہوجائے اور اس کے اور سیا فوں کا خیر ارزہ منتشر نے ہوجائے اور سیا فوں کا خیر از ہنگا میں ہوجائے اور سیا فوں کا خیر از ہنگا میں ہوجائے اور سیا توں کا خیر ان کا زمانہ انہی ابھی گذرا مقا لوگوں نے اس موقع کو خیر ست جانا اور حدیث موام ہوگا ہوگئیں۔

مگرمیں نے اپنی ذات کی حدتک یہ طے کہ لیا ہے کا گرمجے سے مانوں کی منان مکومت سنبھانوں کی ذات کی حدتک یہ طے کہ ان ہیں ڈالنا ہی پڑا تو میرے عہد میں تام سلمان بالعوم اور بنی عباس ابن عبدالمقلب بالخصوص عکم خدا اور حکم دسول کا میں تنام سلمان بالعوم اور بنی عباس ابن عبدالمقلب بالخصوص عکم خدا اور حکم دسول کی بھسل کریں گئے۔ مذمیر کسی کا خوان میہا وُں گا اور ذکسی کی ذان و دولت پر قبضہ کرنے کہ کسی کو اجازت دول گا جہتک کرشر لویت اس کو جائز اور مہاری زقرار دیرے میں اس لیے

میں اپنی پوری کوشش اور لماقت سے کام لوب گامیں نے اپنی ذات کے لیے اللہ ج سے اس کا عہدمؤکد کرلیاہے وہ مجھ سے اس کی بازیرس کرسے گا اس سے کہ التراتع ﴿ ﴿ نے فرایا ہے کہ اپنے عبد کولوراکروکیونکہ عبد کے متعتن باذیرس کی ماے گی "۔ اودیمی عبد ہے کہ گڑمیں دین میں احداث کروں یا اس کے احکام یں کوئی تغیر و تبدل کروں تواس منصب سے مٹا دسیے جانے اور مخت سزا کامتوجب بول کار ا درمیں الٹر کے فضیب سے بیناہ چاہتا ہول ۔میری و علیہ کہ الٹر مجھے اپنی ا لما عت کی تومین عطا فرمایے اور اپنی مععیت اور تا فرمانی سے دور دیکے ۔ اسی پیمایی در تام سمانوں ک مجلائی اور ما بیست ہے۔ يه عبدنامه تومكمل بوكيا ، مكر بهاراعلم جامعه اورعلم جفراس كيكس كانشاندي

كرتاب مين نبي جاناك ميرسا تعدكيا موسف والاب ا ورئم لوكول ك ساتع كيا بوكا ا در حاکمیت توالٹر سے سواا وکسی کی نہیں ہے دہ حق کا فیصلے کرے گا اور وہ بہترین

فيصلكرسف واللبء

میں نے یہ امرائیونین امون کے حکم ک تعیل کی ہے ان کی خوشنودی مجالایا بول. النُّذلتعاسك مجعرا ودائنيس دونول كوائي حفاظست بي ديكھ ميں اپن ذات پر اللركَوْكُواه بناتا بول اوروه ببرِّين گواه ب ـ

یر ترسی نے فود لیے تلم ہے امرائیونین واشران کی زندگی کوادلی کمی ففلَ بن سهل بهل بنظل محيتى بن أنم عبد آلتُدب طاهر شامَر بن اشرب بشرين معتر ا ورخماً دنعان کے روبرو ما ورمغان منٹ کدھ میں تھی ہے ۔

دائیں جانب کے گواہ۔

امس عبدنامے ہے واہنے جانب کے گوا ہوں میں مندرج ذیل انتخاص ہیں جنوں نے مندرح ذبل عبادت محرا عدائي محوامها ل ثبت كي -

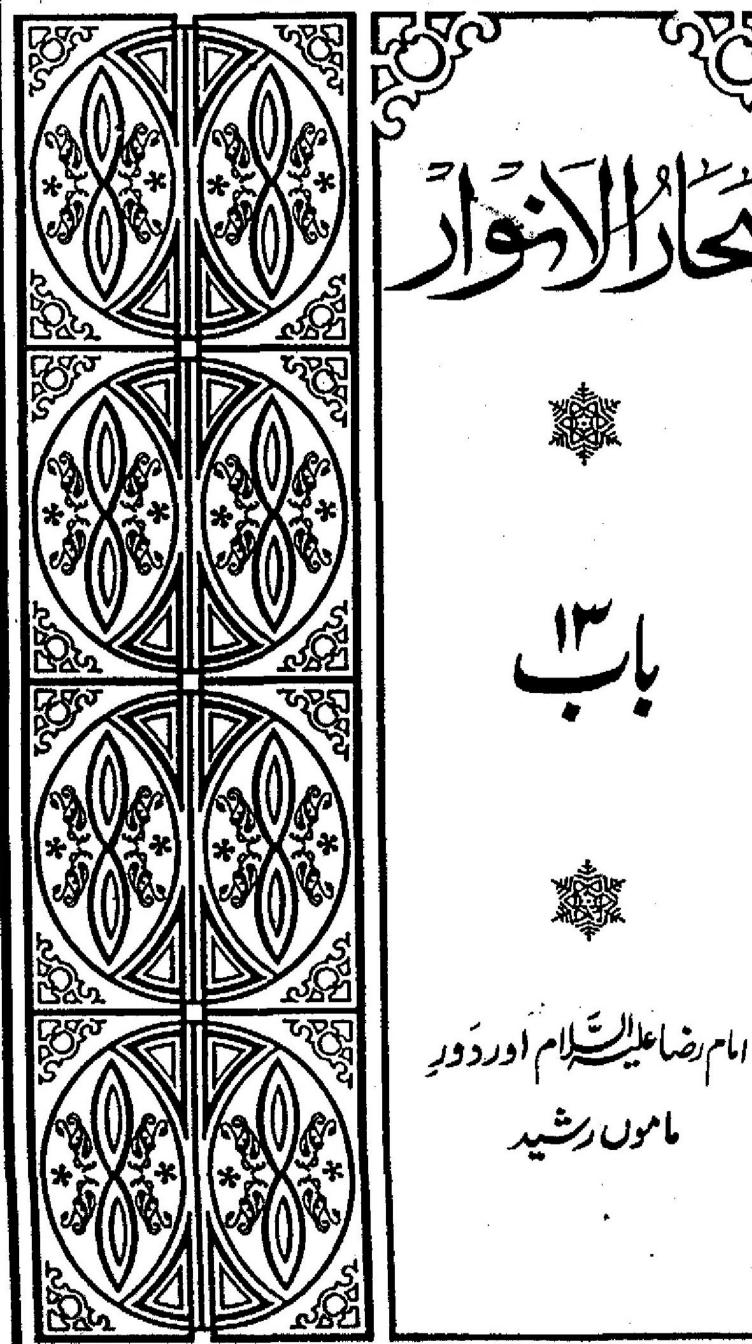
سگواه شد

ا. اس عبدنا مے کے اندر اور ایٹ برج کھ تحریب اس کا گواہ کی بن اکتم ہے اور الشرسے دعاد کرناسپ کواکسس عهدناسے کی برکات سے امپرالیونین اورتمام سسی نوں کوبیعنیا ہ كريب كين المفي إن الترسياكة اريكا كواكمها جواس فيداع مي مرقوم ب

س حادین عثمان اس عبرنلے کے اندراودسٹیت ہرج کچھ سسریہ ہے میادیے مفہون ک گواہی دیتاہے اور اسی تاریخ بیں اپنے باعقے دستخطی ۔ م۔ بیٹر بن معتر بھی ایمنیں لوگوں کے سا ہے بمضونی واصر گواہی دیتا ہے۔ بائیں جانب کی گواہی بائیں جانب کی گواہی میں خودا پر المؤنین (الٹران کوطول عرف سے تحسدركياكهام تحسددكوج عهد ويثاق كالخسسريرب مجع اميدب كآم عهدالع کے بعد میرے ہے بلی صراط سے گذرنا آسان ہوجائے گارمیں نے اس معاہرے کی پوری تحسدركوسمبدرسول محے اندر دوجہ اورمنرکے درمیان تنام مجیع کے ساھنے جن جمعے بنی ہاشم کے ذی وج بزرگ اور سارے اولیاء واحفاد وج منتے اور میعت ولیجدی کھے تام سنرارُ طابوری کرنے کے بعدسنایا اتاکہ تام ہوگ اس سے واقعت ہوجائیں۔ اور امیرالمونین کی طرف سے حجت تام ہوجائے۔ اورجا المدل محمدارے شہات خم ہوجائیں۔ ترحيه آيت:" اورالشرسرگزيهنين كرے گا كهومنين كولوننى چھوڈ دسے اور وہ عس حال ميں تھی ہیں امی ہیں پڑے دہیں۔" فضل من مهل نے امیرا کھینین کے حکم سے مندرجہ بالا ماریخ میں تحسیری کیا۔ ` وكستف الغيّر مبلدس مس149- مريم رے میارکی ہوان اور چوبی میائے فاطر زبرا اس صاحب كشعث النغة تخريفها تيريي كميس في مستن ترجي مقام وامسط پر حفرت ا مام على ابن موسى الرجنا عليكست للم كے با تعد كا محسب ريكرده ايك خط ديجها ج آب مخ ما مون کے خط کے جواب میں تحسر برفر مایا تھا اور وہ مندر جر ذیل ہے۔ بسم التراتريمن الرحم ر امرالونين اطال الشريقار كاخط الرس من يخسير ہے کہ میں ایک بال کے متعلق اور اس لکوی کے متعلق جوحفرت فا لمتر الزیراکی عجی کی ہے بوكي ميري نزديك ادروش روايات ونشانات فابت بمحسر يركرون توافلا فانحسسري ے کروہ ایک مال حیں کے متعلق سوال ہے وہ ملاشک درشے جینت رسول مغیول مارا اللہ علمہ ورید کم

y ۔ عبدالندن طاہر کے جیتیت لواہ اسی ماریج بیل وس محط سے ۔

کاموے مبادک ہے اوروہ کلڑی بی بلاریب و بلاشک حفرت فاطمہ سلام استرملیما کی جگی گیے۔
میں اسس کی پوری تحقیق تغتیش کے بعد آپ کو لکھ رہا ہوں یمیری بات کوسلیم کریں۔ السنونعلیٰ کے ایک کارا وریہ توفیق الشری کی طرف سے ملتی ہے۔
آپ کواس تحقیق اورفنیش پراچر عظیم عمان فرائے گارا وریہ توفیق الشری کی طرف سے ملتی ہے۔
دیکھیے دریہ ہے علی بن موسی الرضا بن حجیفر کی سنٹ مرح ومیرے جد صاحب تنزیلی قرآن
دیول میں استرملیہ والمرستم کی ہجرت کے بعد سے شمار کیا جا تا ہے۔
دیول میں استرملیہ والمرستم کی ہجرت کے بعد سے شمار کیا جا تا ہے۔



_ امام علبت لام كاخطاب حفرت الم مرضا علیکت الم کی کتاب "الجیار والشرط کا ایک نسخه جوآب نے عمّالِ حکومِت میں سے فضل بن سہل اوراس کے مجاتی کے متعلق محسد ریون۔ مایا مقا۔ وہ میں ایک کتاب سے نقل کرے ہدئے ناظرین کردیا ہوں ۔ یکسی را دی نے مجھے سے بیان نہی*ں کیاہے اور وہ مندرجہ* ذیل ہے ا ما بعد یسیس *برطرخ ک حمد د کا سزا دارسی*ے وہ انڈرچخلق کی اسست دار كية والاب ادرس نے نئی نئ چروں كوا كا كيا كيونكه وہ قادر بھي ہے اور قاہر بھي وہ اپنے بندول کا خود ہی نگرال بھی ہے اور رازق بھی۔اُس کی مالکیت کے سامنے ہرشے سرافگندہ ہے ممس کی عزّت وغلے کے سلمنے ہرنے ذلیل دمغلوب ہے۔ اس کی قدرت کے آگے ہرنے مربحوں اور مرسمے ونیاز خم کیے ہوئے ہے ۔ المسس کی ملطنت کے تسکے میرشے متواضع ونکسریے اس كاعلم برست كاحاط كي بوت به و مرشى مقداروشاركوما تتاب برى س بری چیز کامسنبھالنا اُمس*ی کے بیے گ*راں نہیں ۔ اور تھیوٹی سے چیوٹی چیزاکسس کی ملی نگامیوں سے اوجبل بہیں۔ دیکھنے والول کی آنکھیں اُکسس کی دیرسے سے بیصادیت و درماندہ ہیں۔ تعرفیت كرنے والوں كى تعربين اكس كے اوصاف كا احاط نہيں كريكتيں فيلق وامرم و أسى يجيلنے ہے آسمانوں اورزمینوں میں اسی کی اعلیٰ شالیں ہیں۔ وہ عزّیت اورحکمیت والاسہے۔ نير اسزاداد اودلائق حرب وه الترس في اسلام جيبالينديده دين وثمرلعيت لينے بندوں كے ليے بنايا اور معراس كوشام بإطل ادبان برفيضيلت ، غظرت ، شرافت اور كرامت عطافرهائي . اوراس دين كوفستيم اورنگرال بناياكه حبس مبيديني كى گنجالتى بى نېيى یہ وہ مراطِستقیم ہے کیج اس پرگامزن رہائیمی گراہ نہ ہوگا ' اورس نے اس کوچیوڈا وہ کھی مہاہت اس دین ہیں النّدینے نور ' بُرمان ' شغا اور سالنَ سب کچیہ ودلیست فرما دیاہے زمازُ سالِق ا درگذمشند اُمتوں میں وہ اسی دین کولیے متحب شدہ دمولوں کے پاس اور لیسے خخب كرده فرنسول كے ذريعے سے مجيجا روا بهانتك كريد لساحفرت مخرصطف من الشرطية الالم

پر آکرمنتی ہوا۔ اور آپ پرخیم نبوت درسالت کی مُر ٹربت فر مادی اور آپ کومبی دسولان ماسبق کے

عشب قدم برجلایا اسکارے عالمین سکے لیے رحمیت اور آپ کی نبوت کی تصدیق کرنے والوں کے لیے بیٹیراور جٹلانے والوں کے بے نذیر بناکراس ہے بمیجا ناکہ الٹری حجت معب برتام موجائے کئی کے پاس کوئی مذرباتی ندرے . جیاکرارشاد الہی ہے : لِیت فیلف مین ملک عین بنیت نبی کی مین میں میں میں میں بنیت نبیت کا تعصیٰی میں کئی عَنْ بَيتِنَهُ إِنَّ اللَّهُ لَسَمِينَعٌ عَلِيهُ و (مودُ الانفال) آيت ١٧١ ترجه آیت: " اب جوخود می بلک بونا چامهتاب، بلاک بوا درجو زنده رمنا چامهتاب زنده رسي . العنزليقينًا سينف والأا ورجاسن والاسب . يس لائتي حدسب وه الشرعب نے آنخفرت کے اہنبیت کوانبیار کی میراث کا وارث بنايا الخيس علم وحكمت سے نواز ا ان كو امامت وخلافت كامعدن قرار ديا ان كى محبت كوواجب كردانا اك كے نغرب ومنزلت كوبڑھايا اور لينے رسول كوحكم دياكہ وہ اپني اُمّت سے ایسے اہلبیت کی موقب ومخبت کی درخواست کریں ۔ ر چنا بخدا مشرتعالیٰ قرآن مجید میں لیسے رسول سے اس طرح خطاب فرما تاہیے :۔ قَلُ لَا أَسُسُكُكُمُ عَلَيتِ إِنَّا إِلَّا الْمُودَةَ لَا فِي الْعَثُوبِي وَرُوزَهُ وَيُعَالِمُ ترجباً بيت السيال الي أمّت سے "كبدوكم ميں تم سے اپنى دسالت كا اجر اور كھي نہيں چاہتا ، مگری کرمیرے قرابتداروں سے مودت و مجتت کرنا ۔" بینی ان سے دستمنی کاملوک ذکرنا ۔ نیزا المبریث کے اوصات کے بارے میں یہ بتایا کیمہنےان کو رس سے دور اور تام برائیوںسے پاک رکھاہے۔ چاکخہ قرآن مجدی ارشاد ہے : ۔ إِنَّهَا يُرِذِيُ اللَّهُ لِيُ لَيْ وَبِ عَنْكُوالرِّجْسَ اَهُلَ الْبَيْتِ وَ لِيَّالَّهُ لِيْ وَ اللَّهُ اللَّهُ لِيُ اللَّهُ اللَّهُ وَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ وَ اللَّهُ اللللِّهُ الللَّهُ اللَّهُ الللَّهُ اللَّهُ الل ترحمة يت: " ك البيت رسول ! الشركاحتى الاده يسب كمتعيل رص اورم انيول ساميا ماک وہاکیزو دیکھے جیبا کہ ماک دیاکیزہ دیکھنے کا حق ہے۔" امون نے دراصل عربت رسول کے معلمے میں رسول متبول کے سا مغربیک سلوک کیا 'ان کے المبیت سے عزیزوں جیرا برناؤکیا ' باہی اَلغتوں کووائیں لایا ، بھوسے ہوئے شرازے کو پرسے مجتمع کیا ، درمیان میں بڑی ہوئی خلیج کو ہمواد کیا ، تعلقات میں آسے ہوشے شگاف کوپڑکیا ۔ الٹرسنے اس سے ذریعے سے ولی کدورتیں دورکیں 'آلیں کی نغرتیں مٹا بی اوراس کی حکم دلول میں محتب ومودّت و آلیں میں میل ملاب اور ایک دومہ سرکی مدواور بملط

کا جذر میداکیا ۔ ان کی تومِرگ برکت اورسن مسلوک اورمسل طاپ کی مبروات سب ایک بورگئے بہب ا کیس زبان اورا کیس دل بن سکتے۔ اس ہے کہ امنوں نے صاحبان حق کالحاظ کیا ا ورمیارٹ کواکل واسٹ شجے والے کیا۔اجدان کرسفے والوں کے احداثات کا برارچکایا مجولوگ یلا ومعیبیت میں گرفتا رستھے ائن کی معیتبیں دورکس ۔ إس كه بعدود مراكام بركياكم و لوك حكومت كى خديت اورسى وكومشش مى مجى پینی بیش ستے۔ ان کوانی فوازش اور شرف ومنزلت بخبی کے ایے منصوص کیا۔ جنائج دوالرامسین فعنل بن سہل ایسا ہی متھا۔ حبب امرالوسین نے یہ دیکھا کرفضل بن سہل نے ان کا اوجھ مہلکا کیا ' اگن کے حق کے بیے دوا۔ ان کی طرفداری میں لولاء یہ ان کے سے داروں کا مسسر دارا وران کی فوج کا سالارہے ۔ ان کی جنگول کامنظم اعلیٰ ہے ، اس نے ان کی رعایا کا بہت خیال رکھا اور بہت د *پچھ بھال کی ' توگوں کوان کی خلافت کی ط*ریت دعوت دی رحبس نے امیر*الموشین کی ا* الحا عست کو قبول کیا اُس پرنواز مشیں کبس جس نے رد گردانی ا در مستانی کی اس سے قطع تعلق کیا۔ وہ امیرالومنین کی نصرت و مددمیں مکتا اورمنفرد ہے وہ لوگوں کے دلوں اورمیتوں کا جھامعالج ہے۔ مال کی کمی یا ادمیوں کی قلت نے تھی اس کوعمل سے نہیں روکا۔ وہ بھی کسی کی تخریص و ترغیب میں منہیں آیا۔ اس نے کسی سے ڈرانے دھمکانے کی پرواہ نہ کی اور لیئے اراد ہ ستحکم وقائمٌ رہا۔ بلکہ جب ڈرانے والوں نے اُس کوڈرایا 'گرجے والے گرہے ' چکنے والے چکے ، مجابید مسے زیادہ تعداد کشمنوں اور منالغوں کی ہوئی تواس کاعزم اور می محکم ہوا " اور کمس کا اماده اور مخیته بوا، آس ک جراحت و دلیری اور فرهگی "اس نے بهترسے بهترانتی اس اود اچی سے چپی تدبیرک اور مامون کی طریت وعومت وسینے اوراس کے حق کو ثابت کرنے ہی اورزماوو قوّتت حریث کی میمانتک کواس نے گراموں سے دانت توٹر دیے اُن کی سیاری تیزیاں جم کردی اُن مے ناخن تدبیر ترامشس دیداک کی ساری شان وشوکت خاک بیں ملادی اودا کفیں اس طسسرے ذیرکیا جس طرح کمروں ' برمبری کرنے والوں ' مکومت کی مخالفت کرنے والوں ' اُس کے حق کا استخفات كرف والول اوراس كارعب نه لمسنے والوں كوزيركرستے ہيں۔ بچرفوالرياستين كى خدا ت مشرك اقوام وممالك بي بجى كانى بي . الترسف السسط ذريعه شير لمك ك حدود ميں اصافه كيا حيس كى خبرى تم لوگوں مكب مبرد كا حكى ہيں اود متعالم حضرون سے اس کا علان مہوجیکا ہے اوریم ہوگوں سے مسن کریہ تبرمی ونیائے دومروں تک بھی پہرنجائی ہیں۔ وا فعاً ذوالر باستين نے مامون كى نواز شوں برائي مشكر گذاريوں اوروفا وارلوں کی حدکردی ۔ اُل کے حق کے لیے جنگ کی اپنی اور اپنے شراعیت الننس اودستودہ صفات دمرتر بھالی

الجفحرسن بنسبل کی جان کی بازی لگادی اوراس سیسے میں وہ گذمشند سرفروشوں اور فانتح افراد سے مجی آسكے بڑودكيا ۔ اميرالمونين نے مبى اس كى خدات كے مسيميں مال جائيدا داور جامرات بہت كچے عبطا کیے . اگرم یاس کی زندگی جو کی خدمات میں ایک دل کی خدمت کا بھی صدر بہیں بن سکتا اور زیاس کے مرتب اورمنزلت کے مطابق محقا مگراس نے اپی بلندیمتی سیریٹیں 'لینے زہر دتغوٰی مزک دنیا ا ذر شوق آخرت مي ان سب كوحقر سحيها ، ادرسب كي حيود ديا . چانچەاس نے امیرالمومنین سے درخواست کی اور بد درخواست وہ برابری کرنار با تفاکراب ہیں چھوٹر سے اور زا ہوانہ زندگی بسرکرسنے دیجیے رحمواس کی یہ درخواست امپرالموسنین وننپرہم توگول پرمبہت گزال بی اِسس ہے کہ ہم واقعت سے کہ الٹرنے اس کے ذریعے سے دین کوعزّت بخبی ہے مسلما تول ک فلاح دمبہودا ورمشرکین سے جہادی قوّست وطاقت عمطائی ہے ۔ اورالنریے اُکسس کی صدق نيّت ايرُ بركت وزارت المسكى درست تدبير التعول مقصد كمے ليے عزم محكم اورحق و درايت انبيكى و تعدٰی میں تعاون سرب محیراً مشکارا کر دایے ب محميجب بهي اوداميرالمومنين كونوراليتين موكيا كدية وكمجه كرربله ساس كميثي نفردين ہے اور برسب قربانیاں وہ لینے اصلاح ننس کے لیے دسے رہاہے توانس کی ورخواست منظور کرلی حمی اور ہم نے اُس کے لیے ایک حبار وشرط نام تحسیر پر کردیا جس کی تعصیل سالبقہ باب میں دے دی گئی ہے اوراس پرلینے خاندان میں سے جولوگ اس وقدت موجود تھے اُن کی مسسر دارانی فوج کی ، اصحاب و رقامنیوں ک ، نعتباً را ورد کرعوام وخواص کی گوام بیاں بھی ٹیسٹ کرا دی گئیں ۔ امیرالمومنین کی داشے ہے کہ اس تحسیر کی تقول مرطرت دوانہ کردی جائیں تاکہ وہاں کے لوگوں میں اس کا اعلان مزدجا مے اور منبروں سے بڑھ کرمٹ نادی جائیں۔ وہاں کے والی اور قاحنی ان کو محفوظ کرلس وا درامیرالمومنین نے مجعہ سے فرایا کہ ریخسب ریسیں لکھوں ا دراس کے مفہوم کوہی واضح کروں یہ کتا بحی^تن حقول بیٹ تمل ہے. بہلے حصے میں ان تام خدات کی تفصیل دی گئی ہے جن کی دھے سے اس کے حق کی دیگی کوانٹرنے ہم سیسلمانوں ہرواجیب کرویاسے۔ ووسریے حقے میں اس امر کا بیان ہے کہ جن کامول میں اس نے باعد ڈالا اورجن اکو كانتظام سنبطالا أن مي موالن اورد كاولوں كو دور كرنے ميں اس كاكيامقام ہے اورجن كامول كوأس سنے نالہہ ندکیا اک میں امتح نہیں ڈالاحیں کی اُس برکوئی وَدّ واری نہیں ۔ یہ وہ خرمات ہیں کہ امرالمونین کی بیعت کرسلے والول میں سے بیخنص اس کا ورائس کے بھائی کا احدال مندرسے کا۔ إس سمع علاوه جولوك ان وولول مح خلات بوشير منع اورح نبول نے ما در متعالیے

ماننے والوں کے خلافت فینے کھواے کیے ہتے اُن کے تعلّی ان ووٹوں کے نبیصلوں پراعرامات کا دودکزا حن نیصلوں کامقعدمہ بمتعاکم آمنندہ کوئی ان دونوں سے خلامت ا قدام کرنے کی جراکت مذکرسے اُن کے حکم کونہ ممال سکے اورہمارے اوران دونوں کے ورمیان دخل اندازی کی بمت تبسرے حضے یں بھارے عطیات کا ذکرے۔ اگرچے انخوں نے حصول نواب آ خرست کے لیے گوسٹ کنشین اورجامۂ زیر پہننے کی فوامش ظاہری ہے گریم پرببرحال لازم ہے کوکٹے اوراًس کے بھان کو کھے دیں اس کی قدر دانی اور عزمت افزال کریں ۔ اس کے کمان دولوں نے خود کو ان تمام چپرول سے بچا یا حمن سے ہم اسپے نفس کو بچاتے ہی ا دروا قعًا وہ خص جود بنی اور دنیا وی ائودى ئىمتا دېرتاسى دە يې سىب كيدكالىپ . دورىيىپ اس كتاب حبار وشط كىنسل :. لِیمُ اللّٰہُ اللّٰہُ الرُّحلُ الرِّحيم : بداميرالمؤنين عبراللّٰہ المامون اوداک سکے وئی عہرعی ابن دیئی رصاک طرمن سے ایک تھسسدیہ سے جوذوالریاستین فعل بن مہل کے لیے دوشنبه ۲ ر ۱ و دم ها ان مسئنه در موکوهمی تنی آج بی کا دن وه سب میں امیرالمونین مامون کی حکومت كى يىل بوئى اوراك كے وليومد كے سے بيعت لى تى عوام انناس نے مسبز لباس بيدا ورائى ولیعبدی کے متعلق امرالمومین کی خوامیش ہوری ہوئی ، وہ اسپے دھٹسس پرفتھیاب، ہوسے ۔ ہم متعیں کیوسلہ دینا چاہتے ہیں ، متھاری اُن حدوات کا جو متم نے الند اُس کے رسول امپرالخونین اُن کے ولیجد اوربی المشسم کے حق کے لیے انجام وی ہمی جس سے اُمید ہے کہ دین کی فلاح ہوگئ' ایس کے منا فشات دورمہوں گے ۔ان ہی خدات کی وجہ سیرہاری حکومت میں استحکام ا درعایمسلما نول کی نعستوں میں یا سیداری آئی۔ ہم نے دمین اورسنسٹ کے قیام ' دعوتِ ثانیہ کے اظہار وایٹار' نیزمِٹ کے اللہ قلع تمنع کرنے ' بُرٹ کنی اور باغیوں کے قتل کرنے میں امیرالمؤنین کی مددکی ۔ عالماوہ ازمیں کوشسن سے خالی کیے ہوئے شہرول میں اجمی خدات انجام دیں ۔ براس کا صلی ۔ تم نے جو کار اے نایاں سرانجام دیے مثلاً اصغرفای مضعص کی کنیت الوسرایا اور نام مهری محدین جغریب کی مرکوبی کی • ترکب وخزلیجی • طبرستان اوداس کے مضافات بندارم رمز بن شروین ، دیلم اوداس کے معنافات ، کابل اوراس کے معنافات ، مبوزین ، اصغیر، ابن میسسم، کوه بداربنره وغرمشستان مغور اوراس کے اقسام مغراسان میں خاقان وملون صاحب حل تبتت ا کیمان و تغریزس ا آرمینه دحی ا مهاحب *مربر به صاحب نورس مغرب اوراس کےغزوات میں ج*فعا

انخام دی ہیں جن کی فصیلِ دلوانِ سیرہ میں درج ہے ، اعترا فات خدمات کے صلح میں تم کودس كروڈ درہم نقدا وردس لا كھ درہم كى قيمت كا غلّہ دستة بيں ا دريداس كے علاوہ سب جواميرالمومنين تم كو اس سيقبل جاگيري دسيم يلي بي اوريددس كرور دريم مي متعارست استفاق كود پيجت موسير كم بي . اس سیے کہ اتن رقم فم کوممرامین متلوع محی دسے رہا مقانیکن تم نے چیوٹردی . تم نے اللہ اوراس کے مین کے لیے قربانی دی ۔ اس طرح تم نے امیرالمونین اوران کے ولیعبدکومنون کیا ' متعادا پرمب کما ہوں کے لیے ایشار مقاحوا مخیس میں دیا۔ تمسن ودخواسیت کی سے کمتمیں زمراود تخلیے کی اُس منزل بر میہو کینے دیا جاتے جس كيتمهين بهيشه خوامش ري ب تاكه متعارس ترك دنيا برلوكول كاشك دور بروجائ اور والمحجلين کہ یہ جو کھی تم نے کیا ہے وہ آخرت کے لیے کیا ہے دنیا کے لیے نہیں کیا ہے۔ لیکن مشکل یہ ہے کہ نہتم جیسے خص سے سیے نیاز ہوا جامسکتا ہے اور نہ ورخواست کوروکیا جامسکتا ہے ۔اگرتم نے ا پی درخواست میں تھچرال و دولت اللب کیا ہوتا' تو وہ بی مسترد بہیں کیا جاتا جہ جائیے کہ ایسے امرک در خواست کی ہے جس میں کچھ صرب نہیں۔ اور تم جا ہتے ہو کہ ان نوگوں پرائی حجیست تمام کردو جربی مجھتے ہی کیم سنے بھاری اماریت وخال فیت کی طریت جود عومت سہے وہ صریت و نیاسکے بیلے وکارسے آخریت کے لیے مہیں. ببرحال بم نے تمعاری اس ورخواست کو قبول کیا اور مہم تمادے سیسے الترسے یہ تاکیدی عہد ومیثاق کرتے ہیں کہاس میں کوئی تنفیر وِتبرّل منہیں ہوگا۔حکومت اورا ماریت اس وقت بمی تھارے ہی میروسے ۔ خوشدل کے ساتھ جو کام کرنا جا ہو کرو اور جون کرناچا ہو نہ کرو خورہ دو کونی بھی کام ہو۔ مبہرحال ' ہم صرف ا ن ہی کاموں سے تحقیق دوکس سے جن سے ہم خود کو بچاہتے ہیں۔ ہم نے اس بخیے کی ورخواست اِس بے قبول کی ہے کہ تھیں حبمانی طور برا رام مے اِس بے کرتھیں حبمانی لاحیت وآ دام کی خرودت ہے ۔ اس محسسریں جتفصیل دی گئی ہے وہ سب تم کو دیتے ہیں ۔ اور حب كواً ج تم چيوندر ہے ہو۔ نيز تھارے بھائى حسن بن سہل كوبھى اتنى ہى دقم دیتے ہي جني تم كو دى ج اِس کے علاوہ جوعطیا سے کم کو دیہے ہیں اُن کا لصعت اُس کوجی دسیے ہیں ۔ اِس سیے کہ اُس سنے می باغیول سے جہاد کیا اور دومرترب فنع عراق اور سشیامین کے جتمے کو پراگندہ کرنے میں جان کی بازی ر گادی تی جس سے دین میں قوت آئی اور جنگ کے شعلے بجھے گئے۔ اُن کا اُ اُن کے گروالوں کا اور تام حق کا ساتھ دینے والوں کا مبہت مبہت سنکریہ ۔ المس تحسیرین بو تحدم قدم ہے ہم اس پر الذکو اس کے الائیکہ کو المسس کی منوقات میں سے پتخب مہتیوں کوآورمرائس کھیں کیوں نے آنج بیست کی ہے یا اس کے بعد کردھیا

شامر بناتے ہیں۔ اللہ کواپنا تعنیل قرار دیتے ہیں۔ ہم سب نے اپنے اور واجب كرايا ہے كم بم ان تمام شرال و كلا استناء اور احكم وكاست وديروه اود ظايري بمي إدراكري سي مؤنين سے ان کی مشسرال ط اور کیے بجرے عہد کے بیے بازئرِس بوٹی حقیقت یہ ہے کہ ج شخص تام دگوں سے وفا کا طالب ہے اس کوسب سے زیادہ وفاکرنی چاہیے سبکہوہ صاحب تدرت والمستطاعت بى ب جنائج الله لقال كارشاد ب : و تعدن الكريمان الكريمان والمستطاعت بي الله على الله على الله الكريمان بَعُدَ تَوْكِيْدِمَا وَقَدُ جَعَلْتَمُ اللَّهَ عَلَيْكُمُ كَفِيلًا ﴿ إِنَّ اللَّهَ لِعَسُلُمُ مَا تَفْعُلُونَ فَ اللهِ النفل آيت ١١) ترصِیاً بت : " اورالٹسکے عبد کو جب ہتم عبد کریے ہو، لپرا کروا ورقتموں کواک کے بختہ کر دینے کے بعد نہ توڑوجسیں حال ہیں کہتم الٹرکو منامن قرار دے حیکے ہو۔ بیشک۔ جو کھیٹم کر دگئے زیا۔ کرتے ہو) الٹراس سے فوب واقعت ہے ہے حن بن مهل نے امون کیطرف پیم تر پر کما بِشِمِ اللَّهِ الرَّحْنُ الرَّحِبْمِ • جو كه اس تحسدرين مرِّقيم سے ان سب كا ليولكرنا اميرالمونين سن سيف ا ويرواوب و ل زم كربيات اوراس يراملركو واعى اوركفيل وها ان بنایا۔ اوراس پرلینے المحدسے مبار اورمشرط ک تاکیر وتشرلین کے بیے ماوصفرسند مربی دخط حفرت امام رضاكي تحرميرو نوتين بخطِّ خود بِهُمِ الدِّرِ الرَّمَٰنِ الْمَرْجُمُ • إس تمسىريس جومش دائر المرقوم بي ان سب کاپوداکرنا علیٰ ابن توشی رضاسنے لینے اوپر آلازم وواجیبِ تاکیدی قرار دیا ۔ آج کے لیے مجاود كل كے كے جبتك وہ زندہ ہيں ۔ اوراس پرالسركوداى اورصامن كينيل بنايا اورالسرسوا ے یے بہت کا فی ہے ۔ اور بہت رہائے ہاتھ سے اس جہنے اوراس سندس منعی اور برطرح کی حمدالٹرے ہے ہے جوتمام عالمین کا پروردگا رسبے اور دُرور ہومخراوراک کی آگئے پر بہاکھیے التُدكا في ب وه بهترين وكسل بيني - (المم رمنا عليكت إلم في استحسريك تعليق ونوثيّ كي) (عیون اخبارالرمنا حلیه مس¹⁸¹ میگ^{ه ۱})

ب جھے پر ولیجہدی کا اصبان نہ جائے

مار بن اس سے روایت ہے۔ اس کا بیان ہے کہ ایک روز مامون نے

مفرت امام رونا علیات لام پر احسان جتا یا کہ اس نے آپ کوا پنا ولیعہد بنایا: حفرت امام

رونا علیات لام نے فرمایا کہ جس نے رسول اللہ کا قرابت کے بہانے سے دیا ہے اس کو رسول اللہ کی قرابت کے بہانے سے دیا ہے اس کو رسول اللہ کی قرابت ہی کا وجہ سے وے بھی دینا چاہیے۔

روایت کی گئی ہے کہ ایک مرتبہ فضل بن مہل کو ساتھ ہے کہ حفرت

روایت کی گئی ہے کہ ایک مرتبہ فضل بن مہل میں تنا کہ بین تا کہ بین کے کہ بین تا کہ بیا کہ بین تا کہ بین

روایت کگئیہ کر ایک مرتبہ فضل بن مہل مہنام بن عمر کوسا تو امریک مرتبہ فضل بن مہل مہنام بن عمر کوسا تو امریک مرتبہ فضل باس مہنا کا بیں آپ سے مجھ بات کرنے ایا ہوں ۔ تباہ کی سے مجھ بات کرنے آیا ہوں ۔ تبلہ چلہ ہے ۔ جب تخلیر ہوگیا توفضل نے آ زادی اور طلاق کا ایک ایسا حلعت نامہ نکالاجس کا کوئی گفارہ نہ ہو۔ اور الن دونوں نے کہا 'ہم کوگ آپ کے پاس اس ہے آ ہے ہی کہ آپ سے حق اور بی گفارہ نہ ہو۔ اور الن دونوں نے کہا 'ہم کوگ آپ کے پاس اس ہے آ ہے ہی کہ آپ سے حق اور بی گفارہ نہ ہو۔ اور الن دونوں نے کہا 'ہم کوگ آپ کے پاس اس ہے آ ہے ہیں کہ ہیں۔

ہے ں اور پی بات ہیں۔ ہمیں معنوم ہے کہ بیکومت آپ کی ہے۔ فرز ندرسول پر آپ کاحق ہے کہ آپ کومت کری ۔ ہم جو کچے زبان سے کہہ رہے ہی ہی ہمارے دل میں مجی ہے۔ ہم حلفیہ کہتے ہیں کہ ہم ما مولن کو

قتل کردیں سکے اورخالص حکومت آپ کی ہوگ ۔ آپ کا حق آپ کوبل جائے گا۔ اگرایسانہ کریں ' تو ہمارے ساریے غلام آزاد اور سماری ساری عورتوں کو طلاق اور تمین جے پاپیادہ ہم پرواجب ۔ ہمارے ساریے غلام آزاد اور سماری ساری عورتوں کو طلاق اور تمین کے پاپیادہ ہم پرواجب ۔ آپ نے اُن کی ایک بات نہیں سنی اورائفیس ڈانٹا' اُن پرلعنت کی اورائن سے

كها كهم وگون في من ان نعست كهار لهذا اب تمعارى خيرنبي اورا گرمين اس پرراضى موجا دُن توميري مى خيب رنبي .

جب نفل نے ہو گئے کہ ہمائے امام رضا ملائیستیام کا چواب نا تو ہمائے کہ ہمائے کی توفور اام رضا ملائیستیام سے بوئے یہ ہم نے تو آپ کو آ زمانے کے لیے یہ ہمائے امام رضا علائیستیام نے فرما یا بم دوفول جوئے ہو ۔ جوتم نے کہا دی بمعارے دول بی بھی مقا امگر میں متعارے الادے سے متنق نہیں ہوا۔ اس کے بعد یہ دونول مامون کے پاس پہر نچے اور اور ہے ۔ میں متعارے الادے سے متنق نہیں ہوا۔ اس کے بعد یہ دونول مامون کے پاس پہر نچے اور اور ہے ۔ یا ایر الونین ایم دونوں امام رضا علائے سے کہ ایس اس لیے سکتے ہے کہ امنیں

آ زمائیں۔ اوردلیمیں کہ اُن کے ول میں کیا ہے۔ ہم نے اُن سے پر کہا ۔ اورائموں نے اس کا ہرجاب دیا۔ مامون نے کہا ، انٹرنم دونوں کو تونیق خیر دے ۔ جب یہ دونوں مامون کے ہاس سے والیں مہینے توصعوت

ا مام رضا علیکست لام امون کے پاس تشرابین ہے گئے اور تخلیے ہیں مامون کووہ سب کمچہ بتا یا جواکن دوانی نے کہانتا اورفر یا یا کرآپ اک سے اپنی جان کی حفاظت کریں۔ جب مامون نے حفرت الم رصا على سيل مس بورى تغصيل منى تومجر كمياكة حفرت الم رضا كا فريات بي (مييك اخإرالمفا جلدة مسعة) ابراہم بن محدیٰ کا بیان ہے کہ ایک مرتب۔ ما مون نے صفرت امام رصاع کے باس ایک کنیز بھی انگر آپ نے کہ ایک مرتب۔ ما مون انعار الرصا عبدہ صف) باس ایک کنیز بھی انگر آپ نے کسے والیس کردیا۔ (میون انعار الرصا عبدہ صف) __ فضل بن بل كاقتل علی بن ابراہم نے یامرخادم سے ہوایت کی سے راس کابیان سے کو: حفرت الم رضاعل سي المرح باس جب بالبركاكون منع توا تواب إين مام تعاق كو ا پنے پاس جمع کرتے خواہ وہ حجوالا ہو یا بڑا۔ ان سب سے مہتت وموالنسٹ کی ہاتیں کرنے ود جب دمستر وان پر میصے توجور نے بڑے سببہی موجود ہوتے بہا نتک سائیس اور حجام بھی آپ کے سامذ دمسترخوان پرمبٹی کر کھانا کھا تے۔ یاسرکا بیان سے کہ ایک دن ہم آپ کے یاس بیٹے تھے کہ ناگاہ اس دروالیے کا قفل کھکا چومامون اور حضرت امام رضا علیرست الم سے بیت الشرون کے درمیان مخا۔ آپ نے فرمایا " اب تم نوک جاؤرہم اسمط کرجے سے یہ تو امون آیا " اس کے ہاتھ میں ایک طول خطائقا۔ امام رضا عللیستیام نے چاہاکہ اس کی تعظیم کے بیے انتقاب کہ مامون نے رسول التُرمستى التُرعليه وآله كالمستم كے حق ك تسم و بدى كه آب ابى جگه سے نہ آنگیيں ۔ وہ خوداً ب کے سامنے ایک سند برہی گیا اور وہ خطر رام کرمشنانے مگا اس میں کابل کیے جن وميهاتون كافع تمسدريمتي كرمم نے فلال فلال دميهات فتح كركيے رجب وه سرارا خطام موكرفارغ بوالوَمعرتِ الم رمنا ملیمستیام نے فرا یائے امرالونین ! آپ کومٹرکوں کے ایک فریے ک فتحرف کرد! ، امون نے کہا ہمیا یہ خوشی کی بات مہیں ہے ؟ آپ نے فرایا الے امراہوئین امّت محرّی کے سلسے میں آپ اللہ سے ورس اللہ نے آپ کو اُمّت کی خبرگیری سے ہٹاکونک گیری کی خدمت سے ہے میں مہیں کردیا۔ آپ نے مسلما نوں سے امور کی ذمہ داریوں کو تو ہوراکیا نہیں اس کو دومرے مے والے كرديا جواك وكوں برحكم خدا كے خلاف اپنا حكم جلاتا ہے اورآب بي كرامس مک بی بینے ہیں۔آپ نے اُس شہر پریڈ کو مجود دیا جو دارا ہجرت مقا ، وہاں نزول وی ہوتا مقا۔ آپ کی عدم موجدتی میں دماں دہاجرین والنصار پڑھلم ہور ماسے وہاں کے مومین کے باس کھے نہیں ہے

بلكهمض لوگوں پرتوانیہا وقت آجا آ ہے كہ وہ اپی زندگی سے تنگ اجاستے ہیں۔ وہ وانے دانے كو ممتان بوجلتے ہیں، وہاں کون سے صب سے وہ اپتا دکھ وروبیان کریں ۔ وہ اوک بیراں آپ تک للنزائك اميرالونين ! أموركسلين كسيسك من الشرس ورس اورشهرني اور صاجرين وانصارک آبادی میں والس علیں ۔ لے آمیرالمونین اکیا آپ کونہیں معلیم کمسلما نوں کے والی ا ورخلیغہ کی چٹیت اس عود ا ورچ ہب کی ہے جوشیے کے درمیان میں اسے تادہ ہوتی ہے رہو چاہیے المسس مک میہونگی جائے . ما دون نے کہا ' بچھ آپ ک کیا دائے ہے ؟ آپ نے فرمایا میری دائے یہ ہے كراس ملك مستكليس اور ليدخ آباء وامدادك وطن بي والبس جنس. وبال مداول كى ديجه بعال كريد وبال كے لوگول كوكسى غير كے ميرون كري ۔ الله آب بىسے بازيرس كرے گا اس ليے كه پرششن کمریا مون اُنمٹا اور اولا' یاں آپ کی رائے بالکل درست ہے اور پر کمہر کم نكلا اورحكم ديا كوئ كاسامان كرو- حبب يرخبر ووالرياستين كومپيوني تواست شديد ثم بوا. وه حكومت پرچیا یا ہوا مقلائس کے ساسنے ما مون کی رائے تھی اہمیت نہ رکھتی تھی مگراتنی ہمت بھی دیمتی کہ اپنے تم كااظهاد كرميك . إس كے بعد حب حفرت امام رصا على سنتهام نے مزید زور دیا تون والریامستین مامون کے باس آیا اور کہا ایا امیرالونین! آپ نے جومکم دیاست یکس کی رائے سے دیاست ؟ مامون نے کہا ، پرحفرت الوالحسن علی سے اور کہی درست ہے : اس نے کہا ، یا امیرالمونین! یررائے درست نہیں ہے۔ امجی کل کی توبات ہے کہ آپ نے اپنے معانی کوتنل کیلہے اوراس سے خلافت حیبنی ہے۔ آپ کے باپ کی اولادی آپ کی کششن میں بلک عراق عرب اور آپ کا سارا خاندان آپ کا دسشس ہے۔ اس کے علاوہ ایک اوربات آپ نے یہ کردی کہ ابوالحسن الرصّا کوا پہنا وليعبد بناديا اورابيت خانزان سيرخلافست نكال كردوسرس خاندان كودست دى . إس بناء سائير عوام ' علما د' فقها اورآل عباس آپ سے ناداعن ہیں اُن کے دل آپ سے نغرت کرتے ہیں رمری رائے یہ ہے کہ امھی کھے دلوں اور خواسان میں قیام کریں تاکہ لوگل کے دلوں سے یہ بات مکل جائے اور لوگ آب کے بھائی محرامین کے واقعے کومجول جائیں۔ لے امپرالمونین ! میاں چنداورمی لیلے بزرگ ہی جننوں نے آپ کے والد ہارون الرمش پر کی خدمت کی ہے معاملہ نہم ہیں اُن سے مجی مثورہ کر نیجے آگران کا بمجى ييئ متتوره بيوتو ليثم النثر ما بولت نے لوجعا ' مشکلا وہ کون لوگ ہیں۔ ؟ ائس ۔ ٹرکھا ؛ علی بن عمان ؛ این مونس اور

جلودی "یه وی اوگ بی حبفول نے حفرت الوائمن علیمت اعمی ولیعبدی سے ال کارکیا تھا 'اس پر ا رامنی مذہوے ستھے۔ اسی بات پر مامون نے اتھیں قیدمی ڈال دیا مقایہ مامون نے کہا اچھا تھیک ہے۔ ووسرے ون حفرت المام دھنا علایست لام بجر مامون کے پاس تشریعی سے گئے ا ا ورفر ما یا ' یاامپرالمونین ! آپ سنے کیا فیصلہ کیا ۔ تو مامون سنے وہ سب مجھ بیان کردیا جو کمچہ ذوالرہ کمین سنے مشورہ ویا مخا ر بچر ما مون نے حکم دیا کہ وہ لوگ سامنے حافر کیے جائیں۔ وہ قیدخانے سے تکا کے اورپہلآعض جو مامون کے سامنے آیا وہ کی بن عمران متھا۔ اُس کنے مامون کے بیہویں جب جغرت ا مام رضاعليمست لم كويميط موشع ويجانوبولا - خداك بناه ياام رالمونين ! وه حكومت جوالبلاني آب کودی اورآپ کے بیے مخصوص کردی بھی آپ نے اُسے اپنے خاندان سے فکالکرلیئے تیمنوں کے ا تقریس دے دی اوردی میں اُن ہی کوعن کے آبار واجراد کوآپ کے آبار واحداد نے قبل کیا مقا اورا منیں شہر مدر کیا تھا۔ مامون نے کہائے زانیہ کی اولاد امی تونگا گیا ہے۔ یہ کہ کراس نے حکم د یاکہ اس کی گرون ما روی جلسے کیس اس کی گرون ماردی گئی۔ اب ابن دنس آیا اورجب اکسس نے مامون کے بیپوس حفرت امام رضاعالیست ام کودیجھا توبولا۔ یا امیرا کمونین ! یہ آپ کے پیپو میں جو بیٹھے ہیں ، خداکی تسم بر تبت ہیں بئت ۔ خداکو چیو ڈکران کی پوجا کی جاتی ہے: مامون نے کہا کے ولدا توام، ترجی کا کیا مقار اس نے مباد کو حکم دیا ۔ کہ اس کی بھی گردن ماردو۔ چیا کچراس کی بھی گرون ماردی کئی ۔ اس کے بعد حلودی سیاسے آیا ۔ د واضح ہوکہ جلودی وہ ہے جو ہا رو*ں دمشید کے دودچکومت میں بھا ج*ہب محربن حجنزين مخدنے مدينے سے خروج كيا تو ہاروں دمشيدنے اس كو مدينے بھيجا اودعكم وياكہ اُن كومكڑ وآو محردن ماردینا۔ نیزاولادِ ابی لحالتِ سے سادے گھروں کوسمارکردینا۔اوراک کی غورتوں سے حبوں پر صرت ایک کبڑے کے سواا ور کھیے مذجبو ڈنا ۔ عبلودی نے ایسا بی کیا۔ جنائجہ وہ تنام مگروں کولومتا ہوا حفرت امام الواتحن علی ابن بوی الرضا علامستلام کے دروازے پرمپرونجا اور آپ کے گھرمہا ہے فوجيول كرساعة بجوم كيا رحب حفرت المم الوالحسن مليكت لام ني يد ديجا توسارى عورتون كوايك مکان میں جمع کرلیا اور فود وروازے پر کھولسے ہوگئے ۔ جلودی نے کہا ' امیرالمؤنین کے حکم کے مطابق لازم ہے کہ بیں گھرکے اندر داخل موجاؤں اودعودتوں کے عبوں سے کپڑے تک اتادیوں۔ حفرت الوالمسن ملاكست مسن فرايا بمين فودعودتون كيجبمون سے كيرے أمّاد كرتھے وسے دیتا ہوں اوربطعت کہتا ہوں کہ ایک چیز بھی بغیراً تا رسے ندرموں کا ۔ آ مسلسل اس مدوخواست كميته دسب اوربه طعت كبته رسب كه وه خابوسش بوكيا رحفرت الوالمسس عليكسي ا نررشرليب

ہے گئے اور عورتوں کے کانوں کے بندے اور یا ڈل کے خلخال وغیرہ سب اُنزوا کراسے دسے دیں اور گریں ہو چیز بی متی خواہ بڑی متی یا چیون سب اس کے حوالے کردی " لیکن آج جب جلودی مامون کے سامنے حا منربودا ، توامام رصنا علیمت لیم نے فرمایا ایمالیونین! اس شیخ کومجیخبش دیجے۔ مامون نے کہا اجناب یہ وہی تحنص توسیہ حس نے دختران ربول مے جموں سے کپرے اور زاورات تک اُسے متے جادوی نے حفرت ا ام رصاً علیٰ سی ام کی طرون دیجھا کہ آپ مامون سے معروب گفتگوہیں ، مگروہ اس کے لیے عنج ک درخواسبت کردسی سنتے اور فر ما دسی سنے کم اس شنخ کو سخے کیش دیں ۔ گھروہ سیمجاکہ ا مام دمثا ما مون کومیرے خلاف بمول کا رہے ہیں۔ اِس لیے کہ وہ مرینے ہیں آپ کے ساتھ قا المارہ سلوک کرمیا کا تقا. اُس نے پیکارکرکہا ' یا امیرالمونین آپ کوالٹرکا واسطہ 'میں نے جوآپ کے باپ باروں دشیر ک خدمت کی ہے اس کا داسطہ میرے معاہے میں آپ اِن سے کوئی مسٹورہ قبول خریں: مامون نے كما على الواحسن البيس معانى جامِتا مول ميس آب كى بات منبي مان مسكمار اس في مجدكوتسم دیے دی ہے: بچرجاودی سے پیکارکرکہا ۔خدائی تسم امیں بخصارسے معلیطے میں اِن کی بات نہیں الوگا اور حکم دیا السے می اس کے ساتھیوں کے پاس میونخیا دوراش کو می لیجا یا گیا اور گردن ماردی گئی۔ إدهر ما دن دريب فيمول كواسم بمعان كاحكم دے جا مقار ذوالهاستين تو ما مون کوا پنامشورہ وسے کراپنے باپ سہل کے پاس چلاگیا ۔ گرحب مامون نے ان میزل کوفتل کرا دیا تو وه مجدگیاکه امون نے جانے کا پخت ادادہ کرلیائے۔ امام رمنا علاکیت کیم نے مامون سے فسے رمایا یا امرائوشین ! آبسے ڈمیرے خیوں کے آگے بڑھلنے کے ہے کیا کمیا: مامون نے کہا ہا مہیں آپ خود وراز حمت فرائیں ۔ نیں امام رضا ملائے سے اوگوں کو پہکار کرفر مایا۔ ویرسے سے اسکے برمعاے جاتیں۔ برسننے ہی فوڑا لوگوں نے ڈیرے خیے آ گے بڑمعانے شروع کیے ممرذوالرہاستین لينة گعربي بن ميمارا. ما مون نے آدی بھیج کراسے بلایا اوراس سے پومیا اسے گھریں کیوں شیٹے ہو؟ كياچلنانيسى ؛ أس كها، مااميرالونين إمين آب كے خاندان اور عام سرانوں كى نفري سب سے بڑا مجرم ہیں ۔ نوگ مجھے آپ کے بھائی محرا بن کے قتل اورا مام رضا علیمستیا می دلیعہدی پرمُرایجلاکہتے ہیں۔ مجھے خطرہ ہے کہ تجیغلٹور' حا سراور مخالعت آ پسسے میرسے میتن بھائی بجُعائی کرمِی مے۔ لہٰذا مجے مہیں فراسان میں جیوڈ دیکیے ۔میں آپ کی نیابت کرول گاہ مامون نے کہا ، نہیں ہمیں تو متماری ضرورت ہے اور تمعارایہ خیال کہ لوگ مج سے متعبار سے تعبان مجدا سے تواس کا مجدم کیا انربوكا إس بيركهم مإرسي زدكم باولوق اورنامح متنق بواددا كريميمي تغيل خطره بوتوخود لينقلم سے امان نامہ اورمنمانت نام لکھ لومیں عبارت میں بھی جا ہو ا تاکمتمیں الحبینان ہوجا ہے۔

فعل بن سبل كيا الن إعقر سے ايك امان نام اكھا علماركو جمع كيا اور امولات کے پاس آیا اُسے پڑھ کرسنایا ، مامون نے اُس امان تامے کی ہریات تبول کرلی اور اپنے کم سے ا کید خیاد نامد لکما کرمیں نے فلاں فلاں جاگیرا نقد اورانتیادفضل کودیا۔ تونفنل نے کہا کااملیوی اس امان نامے برحفرت ابوالحس علیمست الم سے بھی دمستخط مفرودی ہیں اس سے کہ وہ آپ کے وليعبري: الون سف كها متعين معلوم سي كم أمخول سنے ابنی وليعبدی سے بيے يہ شرط تھی ہے كروه بدسب كيد ذكري سحر للذامين الناسع ومستخط كم يدنهي كهول كائم فودى الناسع بات کرووہ تمعاری بات کونہیں ٹاہیں تھے۔ ففنل بن مبل وہ امان نامرسی کرحفرت امام رضاعلنگیت لام کے پاس گیا يامر كابرإن ہے كەحفرت ا مام رصا على سين ام نے فرا يا التم سبب بدلے جاؤ بهم وبال سيميث محنے۔ مَعنل کواندربلایا اوروہ آپ کے سلسنے کچہ دیرخاموشش کھڑا رہا: امام رمنا علیسستیام سفه نظراً منائی المصه دیجها وردر بانت فرایا الفضل انهیا کام ہے ؟ اس نے کہا ، یاستیدی! یہ ا مان نامدمیرے سیے امیرالمونین سنے منظور فر ما یاسے ۔ آپ ولیعہدیمی اس سیے جومراعات سمجھے امرالموسن سنے دی ہیں آپ مجی منظور فراکر دستخافر ما دیکھے۔ ا مام رضا علیست ام نے فرایا واجها پڑھو ۔ چیکہ امان نامے کی جلد فری ملویل تقى اس بے أس نے كفرے ہوكم آخرتك كرموكرسنا ديار ا مام رمنا ملكرستام نے مسرا يا احنفل النامب كي بابندي بم يرأس وقت تك لازم ہے جبتك تم النتيسے ورستے دمو: ياسركابيان بدكرام ملكيست إم في نقط اس ايك بي نقرے براس كاتمام معامل خم كرديا اور وہ ا مام علی است الم من خدمت سے نکلا۔ اب مامون نے کونا کیا ان کے ساتھ مم نے بھی ا مام رمنا ملكيت لام يح مراه كوعاكيا-جب مئی دن کے سغرکے بعد ہم نے ایک منزل پرقیام کیا تو ذوالریاستین ایسنے معائ حس بن مهل کاایک خطالیب کرآیا جس میں درج مقاکر میں نے ازدوسے ملیم نجوم اکسس سال کی تحویل برنظروال ہے۔ اس میں یہ الا کہ فلاں مہینے میں جہار سشنبہ کے دن تم کو تعہاں الآگ سے گزند میہو پخے کی البذامیری رائے یہ ہے کہتم اورامیرالمونین اورم خربت امام رضا علیست لام آس ون حام جاكونى و كما و اورخون است است جمول برئل او تاكر خوست ختم بوجائے ۔ فعل نے ابول کے پاس آدی مجیجا ورایس کے شعلق اکسے محرمی اطلاع دی اور درخواست کی که آپ مجی میرے ساتھ ممام جلبی اور حفرت امام رضاعلیکستیام سے مجی اپنے ساتھ جلنے کے لیے کہیں۔ امون امام کورقعہ فكمعا أودما تعصيف كى وينواست كى ۔ امام رمنا عليكست لام سے جوا يا تخرر فرما ديا كوميں كل حمام نہيں

جاؤں گا اورمیری راسے تویہ ہے کہ یا امیرالمؤنین آپ مجی کل حمام نرجائیں ، بلکرمیری رائے توفعنل کے سیے بھی بھی کہ وہ بھی کل حمّام نہ جائے ۔ " اس سلسلے ہیں طرفین سے دومرتبہ رقعے اکرئے " بالاخر حفرت امام رمِنا عليكت إم نے رقعے كي جواب من الكھاكميں تو كل حمّام نہيں جاؤل كا اس الے كميں نے حضرت دسول مقول صتى التدعليه وآله وهم كواس شب حواب مي دبيجعاسي . آب فرما رسب يخفي كم اسعلي كل حمّام نرجا نا' اِورمیری دائے یہ سبے کہ یا امرائموشین آپ ا ورضنل دونوں کل حمّام نرجائیں ۔ ما مون نے *وقع* کا جواب لکھا' یا سستیدی! آپ نے سے فرمایا ' اور دسول انٹرصتی انٹرملیہ والہوستم نے مبی سے فرمایا ' میں بھی کل حمّام نہیں حاؤں گا۔ البتر فضل اپنے معاملہ میں خود مختار سب ۔ یا سرکا بیان ہے کہ حبب شام ہوتی اور سورج عزدب ہوگیا توامام رصاعلیٰ کست لام نے مجعدسے فرمایا کہ بیروعا و پڑسصتے رمویہ نعوذ بأبكه من شرما ينزل في حسنه التيسلة الميم الشريص بناه چاہتے ہيں أس شريع جوآج كى شب نازل بوينے والى سے " ہم سب یہ وعار پڑھھے رہے۔ حفرت امام رضاعالیت ہام نے نمازمی ادافرائی اورمم سسے فرمایا اسبحی بدد عام پڑسعتے رہوبہ بغوذ بإلكيمين شحما ينزل فى حدد االسوم " ہم النّرسے پناہ چاہتے ہی اُس شریسے جوائع دن میں نا زل ہوسنے والاہیے ۔" پھرحب آفتاب ملوع ہونے کے قرب ہواتو حفرت امام مضاعلی سے فرایا و دام کان کی چعبت پرجا کرسنو کچوشور وغل سنتے میں آ رہاہے ۔ حب میں چیست پرگیا توسُنا کم برطرون چیچے ولیکارکی آ وازیں بلند مورسی ہیں کہ اتنے ہیں مامون اس دروازے میں واخل موا 'جو المام رضاعلیکستیلم اور الون کے گھروں (کمروں) کے درمیان مقا اور پرکہتا ہوا آیا استدی يا الوالمن نفل ك موت پرمبر يجيه النزآپ كواس حبركا اجردے گا۔ و دخام مي گيا عقا بجھ لوك تلواري سيك بوي وطال ببوسيخ اورأس فتل كرديا يولوك وطال محض مق كوس محت ادر وه نین اُدی ستے۔ ان پی سے ایک فضل کا خالہ زاد بھائی ذوالعلمین می گرفتارسیے راوی کابیان ہے کہ مجرمرداران فوج اور تام فوجی اور ذوالر ماستین کے آدی ما بون کے دروانسے پرمنطام رو اورمطالبہ کرتے ۔ لگے کہتم نے دھو کے سے ممام میں جمیح کوففل كوفتل كرايلي بم اس كے خون كاعوض ليس كے ـ ما بول نے حضرت ا مام رمنا علی سے کہا ، یا سے تیری ! آپ زمست فرانی ادراس مجمع کوستشرفراتیں۔ یا سرکا بیان ہے کہ حفرت امام معنا علیست الم ابی سواری برموا ر

بهو سے اور مجھے بھی ساتھ چلنے کا حکم دیا ۔ حب ہم دروازے سے نکلے توحفرت امام رمنیا م نے اس مجھ پرنظرڈالی ، وہ لوگ آگ کیے ہوئے تیا دیتے کہ مامون کے دروازے کو اکٹیکائن کے رحفرت ا مام رضاعلی سے ایم نے مجمع سے فرمایا کمنتشر ہوجا و ۔ بیرمکم بلتے ہی سمنبتشر موسكة _ يامركابان ب كه خداك تسم لوك ايك دومرے برگرے بڑتے ستے اور آب نے س كوچك جاسف كاحكم ديا وه فورًا بى سوارى كوايرا كاكررواد موكيا كوئى بى وبال نبيى عقبرا. وعيون اغبار الرمشا حلاع مسيوا علما) ابن تولویہ سنے کلین سے اکتوں سنے ملی ابن ابراہم سے اور آنمنوں سنے یامنوادم سے معولی سے اختلات کے سامتے قرمیب قرمیبہس کے شل دوامیت بیان ک سہے ۔ (ارشاد سيخ منير مصوير مروي الكاني جدا منوي ويي سے اب حکومت کرمیایی دُعاکروں محدبن ابی عبادہ سے روایت ہے۔اس کا ببان ہے ۔ دبب فعنل بن سہل کا كام تمام بوا اوروه تنل پوگیا و امون روتا بواحفرست امام دهنا عدالیست ایم کی خدمست بس کا یا اورکہا اے ابوالمن ! اب اِس وقت ہیں آپ کی مزورت ہے ۔ اب آپ حکومت کا انتظام مسنبعالیں اددمیری مردفرایں: آبسنے ارشا دفر مایا لیے امیرالوئین اسلطنت کا انتظام تو آب بى كرى البرميرى دعاء آب كے ساتھ ہے ۔جب مامون چلاگيا - توسى فے حفرت امام رمنا ہے عرض کیا کہ امیرالمومنین نے آپ سے انتظام سنبھالنے کے بیے کہا توآپ نے الکارکیوں فرا کا آپ کواس میں کیالیں ویش ہے ؟ آپ نے ارمث ادفر ایا اوائے ہو تجور اسمحے اس حکومت سے کوئی لنگاؤ نہیں نہ یرہ دادی کا بیان ہے کہ اس کے لعد آب نے مجھے مگین دیکھا توفر یا یا بہمارا اس میں کیا فا ہے ۔ فرص کروتھادے کہنے کے مطابق اگر حکومت اِ دھر ملیٹ بھی آئے توم کو تواس وقت می جھے ہے اتنابی مے گامتنا اخلاجات کے بیے اب متعارے المتعیں ہے اورتم میں اور عام لوگوں میں کوئی (عيون اخبارالرضا جلدم مسلمك) فرق توسین ہوگا۔ بنده نه بالكل مجروب نه بالكل مختار الابلىنے اپنى كتاب نتر الدرسى تحسىرىكيا ہے كينفىل بن بہل نے حفرت ا ام رصاً على المست المون كے درباري سوال كيا ، يه فرمائے كراد كيا بندے مجبوري ؟ "

آب في الدموايا وخامادل من يملن مبيل كروكون في جراكناه كرف اودمواس يران كومزاف. ففل نے کہا اچھا تو بھر بانکل آزادی ؟ آپ نے فرایا انہیں اس کی مکمت سے بربعید ہے کہ وہ لینے بندے کویا مکل آزاد ناقٹر بے دہار بناکر چوٹردے۔ () ____ الان كے دربارس ايك نفراني پش كيا گيا جوايك بالمشيد مے مرتكب مجرم برائعا۔ اون کواس بطیش آیا گرحب نعرانی نے اس کوبیطیش بی دیجیا تو دار اور خوت کی دھ سے کہد دیا کمیں اسسیام لایا اورسیان ہوگیا۔ مامون نے فقہائے دربارسے دریا فت کیا کہ اب اس کے بارے میں کیا حکم شرایوت ہے ؟ انتھوں نے کہا کہ اس کے امسال م لانے سے پہلے کے سارسے گنا ہ معامت ۔ اِس شمے بعد یا مون نے حفریت ا مام رضا علیم سے اسے وریا فسٹ کیاکہ آپ کی کیارائے ہے تعنی شریعیت کا کیا حکم ہے؟ آپ نے ازرشا دفر مایا کہ ایسے قتل کردیا جاسے ہو إش في جب يه ديجها كم خطره ساحف ب تودُّر كے مارے اسسام قبول كربيا . چنامخ الاثر تعالى ادشاد فرا آسيك: فَلَتُبَارَأُ وْ بَاسَنَا فَالْوُا الْمُنَّا بِاللَّهِ وَحُدُهُ وَكُنْفَى كَايِسَا كُنَّابِ مُشْرِكِينَ ٥ فَلَعْرَبِكُ يَنْفَعُ هُمُ إِيْهَا سُهُ عُرِلْتًا رَأُوْبَاسَنَا سُنَّتَ اللهِ الَّذِي تَسُ خَلَتُ فِي عِبَادٍ وَخَسِيرَ . هُنَا لِلْكَ الْكَافِرُونَ ٥ رسرة المون آيت ٥٨ ١٨٨) ترحراً يت " بيرس وقت المخول نے مها راعذاب د بجعا تو كہنے تھے ا اب ہم خدا سے يكتا ہر ایان لائے اورمن چیزوں کوائس کا شریک بنایا کرتے تھے اب ہم اُن سب سے منكر موسكة مرحب وه بهارا عذاب ويجوحكيس كے تواللد كاس قاعدے كے مطابق جوائمس سے بندوں ہیں جاری رہا سہے ، اُک کاایمان لانا اُن کوکوتی فائدہ ن یپونجائے گا اور کا فروہاں گھا ہے ہی میں رہی سکے۔" __عموبن مسعدہ کا بریان ہے کہ مجھے یا دون نے حفریت امام رصنا علیکسٹیلم کے ياس بهيجا ناكرمين أمغين بتاؤل كداس كتاب كمتعلق جوبجروتقريظ محى كتي ب مجع كياهكم المه چنائدمیں نے آپ کو تبایا توآئی کچد دیرخا موش رہے ۔ پیرفروایا الے عمرد احب تخص نے رسول ا ک طرون انتساب کی وج سے لیاہیے اُس کو رسول ہی کی نسبت کی وجہسے ویزایمی جاہیے ۔ (ممثّعت الغرّ مبدم معلما) · عفوکرنے سے عزت بڑھتی ہے 🕝 الا بی کا بیان ہے کہ مامون کے دربارمی ایک منتخص کوما خرکیا گیا۔ مامون نے

چاہاکداس کی کردن فردن کا علم دے۔ امام رضاعت کی موہان موجد ستے: مامون نے دريافت كيا الما العالم أرب اس كي تنافي كافرات بي ؟ أب فرايا ا مين تويكتنا بول كماكرآب ام كومعاحث كردي توالندتعائے آپ كی عزیت میں امنا فری كرے گا۔ برجوابشن كر مامون نے ا*ش کومعا مٹ کردیا۔* (كشن الزّحد المستليل) س حضرت على قبيم الجزّة والنّاركيوكرين ایک عرتب ایمان نے حفرت امام رصا علی سیسیام سے کہا ۔ اے ابوالحن پرتوبتا ہے كم آپ كے جربزرگوارح صربت على على السيسلام ابن ابي طالب قسيم الجند والنار كيسے ميں ؟ آپ نے ارشاد فرمایا ' یاامپرالمونین ! کہا آپ نے لیسے والدسے اور انفول نے اپنے آبادسے یہ دوایت بہیں بیان کی ہے کہ اکنوں نے کہا ' میں سنے دسول الٹیمنی التّدملیدداً لہم کوفر استے م وسيم سناكم على كى مجتب ايان سب اوراك سي فيمن دكھنا كغرسيد: مامون نے كہاجي ہال۔ ا مام علیمست لمام نے فرایا ہیں اس طرح آنخوں نے جنست وجبتم تیمقیم کردیا امون في كما يت الواحق ! آب ك لعدا الشريق باقى ندر كمه رسي سي مين گواهی دیتا بول کرآب وارث علم رسول میں ! ابوالمقتلت میروی کا بیان ہے کہ حبیح حریت امام رضا علیست لام مامون کے پاس سے اپنے کھوالیں تشریعیت لائے تومیں آپ کی خدمت میں گیا اور عرض کیا ، فرز فررسول اُ آپ في المرالمونين كوكتنا المجاج ابديا: آپ في ارشاد فرايا اله الوالقلت ووجس يثيت كانفاآس طرح کامیں نے اُسے جاب بی دیا۔ ویسے میں نے اپنے پدربزدگوارسے اوراَ معوں نے لہنے اَ باء سے اور آمغوں نے حفرت علی ملکیست ام سے یہ حدیث مشتی ہے کہ آب نے فرما یا کرمجہ سے جاب رسول التُرمَق التُرعليد وَالرِصِلْم لنے ارشا وفرطایا ۔" لے علی ثم بروزقیا مست فنسیم الحجنّۃ وَ النّسا د ہوسکے اور جہتم سے کہوسکے نے برتراحضہ اور برمراحصتہ (كشعث النمة جلدا مستيما) <u> وارث</u> تاب كون بي ریان بن صلت سے دوایت ہے ۔ اس کا بیان ہے کہ ایک مرتبہ حفرت امام رمناعلیست لام ما دون کے دربار مقام روسی تشریعیت ہے تھئے۔ وہاں بہت سے علمائے عراق و خوامان می جمعسط . مامون نے اکن علما رسے کہا 'آپٹے خوات ہیں اس کی تیت کا مطلب بتائیں کہ اس سے مراد کون توکس میں ۔ وہ کرت برسے برس شریع آ وثری نشئا الک تنایت السب نوٹ

اصْطَعْنَيْنَا مِنْ عِبَادِمَا بِ رسوره فاطراتيت ٣٠) ترصِباً بت : مجرعم نے کماب کا وارث اک لوگوں کو بنایا جنمیں بم نے اپنے بندوں ہی سے تخب کیا۔" علمادنے کہا اس منے مراوالٹرنے ساری امست مختی کولیا ہے : ما مون احفرت ا مام رضاعليكست للم كى طرت متوجّ ميوا اوربولا . يا ابوالحسن ! آپ كيا فرمات جي ؟ حفرت المم رضا عليمت إم في ارشا دفرايا ميد توك بوكية بي وه بم منهي كمية بلکیم توبیکتے ہیں کہ انٹرنے اس سے مراد زمول کی عترت طاہرہ کولیا ہے۔ اور میراس پر آپ ہے مختلف آیات قرآی اور روایات سے دلی بیش فرمانی: تو مامون ونیرتمام علماء بول اُسطے کم لے اہل بیت نیزت آب حفرات کوا مشرتعالی ساری امتت مختری کی طرفت سے جزائے خیرعطافر اسے ، واقعًا بوباتين بمارس نزديك مشتبه بونى مي ان كى شرح وتغيير بم آپ حفرات كے سواكه بي اور نہیں پاتے۔ (عیون اخباراکرمنا جلد۲ مسیسی) __ امام کا علمار سےمناظرہ حسن بن محد فوقى ما تنى كابيان بسب كرجب حضرت امام رصنا عليمت لام مامون ے پاس تشریب لاے تو مامون نے فضل بن سال کو حکم دیاکہ تمام مباحثہ کرنے والے مثلًا جانلیق راس الجالوت ، صابئين كے رؤسا ، بربذاكبر ، اصحاب زرد ستيت ونسطاس رومي اورتكلين

ے پاس سردیب لائے و ما تون کے مصل بن ہمل وقعم دیا گرمام مباحثہ کرنے والے متال جامین راس الجالوت ، صابئین کے رؤسا ، ہر بذاکبر ، اصحاب ذر دستیت ونسطاس رومی اور تمکین کوجے کرو تاکہ امام رضاعلی سے اوران توگوں کی گفتگو اور کجنٹ جائے ۔ بموجیہ کم فضل بھے سہل نے سب کو جی کیا اور ما تون کوائن کے جع ہونے کی اطلاع دی ۔ ما تون نے کہا ، اچھا ان سب کو مرحبا اور خوش آمدید کومیرے پاس لاؤ۔ حب سب حا حرِد را بر بہو سے تو ما مون نے اُن سب کو مرحبا اور خوش آمدید کہا ، اوران سے لولا۔

کہا ، اوران سے لولا۔

میں نے آپ لوگوں کو ایک امرنیک کے بیے جی کیا ہے ۔ بات رہ ہے کہ بھرے کے بھرے کو بھرے کے بھرے کو بھرے کے بھرے کی بھرے کی بھرے کے بھرے کی بھرے کے بھرے کے بھرے کے بھرے کی بھرے کی بھرے کی بھرے کی بھرے کے بھرے کے بھرے کی بھرے کے بھرے کر بھرے کے بھرے کی بھرے کی بھرے کو بھرے کے بھرے کی بھرے کی بھرے کی بھرے کی بھرے کی بھرے کو بھرے کی بھرے کر بھرے کو بھرے کر بھرے کر بھرے کر بھرے کر بھرے کر بھرے کر بھرے کی بھرے کر بھرے ک

یں ہے ہیں ہے ہیں ہے ہیں ہوں وہ بیک امرِسیک ہے ہیے ہی جہائے۔ بات یہ ہے ہیم ان سے

ایک جِها زاد بھائی مریخ سے مبرے پاس تشریف لا سے ہیں ہمیں چا ہتا ہوں کہ آپ توگ ان سے

مناظرہ اورمباحثہ کریں۔ المبذا کل میح سویرے ہی ہمادے پاس آجائیں کوئی غیرجا خرید ہوجا ہے۔

انمغوں زمبر وہ ہم قبول کیا اور کہا یا امرائونیین ہم سرب کل میح ہی جا حز ہوجائیں کے انشاء اللہ تعالیٰ۔

مناظرہ ہے کہ اسرخام حاصر خدمت ہوا جس کو ادھ ہم حفرت امام رصنا علیٰ کے معدمت پر

ما مورکیا تفارائس نے عمل کیا ۔ یا سستیدی! امرائونین نے آپ کوسلام عمل کیا ہے اور پر کہا ہے کرآپ کا تھائی آپ مرقر مال ' سمارے ماس مختلف خاصہ کیے مجھ علما دا دمشکتیں کہ مرموریں اگرآپ الن سے گفتگوکرنالپسندفرائیں توکل مجمع تشرلین لائیں اِوداگرآپ ال سے گفتگوکرنا نالپسند فرائين توزهمت دفرايس ـ اگراپ چابي توم سب بي آپ كى خدمت مي حامز موجائين بهارے آنے میں بی کوئی معنالُغزنہیں ۔ المم معنا علىست للم نے فرما يا اميرالمؤنين سيميرام لام كہوا وريركمبروكريم بي معلوم سے كر تما الكيا الأدوسي بم كل مع انشار الترتعالي خودوا ل أي مح حسن بن ممدنونل كا بيان ہے كەحبب يا سروالس چانگيا توصفرت امام رضا عليستيل م میری متوم برے اور فرایا اے نوفل ائم عراق کے رہنے والے اور عراقی توگوں میں رقب ہوتی ہ غلظت نہیں ہمتی ۔ جانتے ہوکہ بمتعادے ابن عم نے ہمارے لیے یہ جواہلِ شرک ومناظرین کوجع كياب ان كاكيامقعدے ؟ ميں نے ومن كيا ، ميں آپ پرقربان ، وہ آپ كاامتحال ليناچا ہتا ، اوریہ جانناچا ہتا ہے کہ آپ کامبلغ علم کیا ہے ۔ گراس کے لیے اسس نے یہ اپن عمارت مئست اور کمزور بنیاد پرتعمیری ب - اور خدای قسم اُس نے جو کھیکیا غلط بھیا ہے: اب نے دیانت فرایاکس بنیاد پرانس نے پمنصوب بنایا ہے ؟ میں نے وض کیا ، بات بر سے کہ اصحاب کام اور ا ہلی بدعیت توملماد کے خلاف ہیں راس سے کہ علماد توصرف اُن ہی ہاتوں سے اِلسکا کھے۔ تے ہیں جو اَلسکا دسکے لائق ہيں ليكن يہ اصحاب مقالات مسكتهن اہل شرك اہل كغرا وراہل بہتان ، إن كاتوكوئى تھيك نہيں ان سے سامنے اگرا لٹرکی وصوانیت کی دلیس بیٹیں کی جائیں تو وہ کہیں سے کہ ہاں درست ہے۔ اسٹر ایک بی ہے اور جب کوئی یہ کہے کہ مخرا نٹریکے دسول ہیں ۔ تو وہ فور اکہیں مے کہ آب اُن کی رمالت ثابت يجيے ۔ اوداس بس وہ آدمی کوبرِبیٹان کردیتے ہیں ۔ وہ غربب دلیل بردِبیل ویتا ہے اور ب سب اس کومغالطی ڈلسنے کی کوشش کرتے ہیں۔ بالآخروہ بیجارہ چپ ہوجا تاہے۔ لہذا میں آپ پرقربان آپ ان لوگوں کے ساتھ میاسے سے پرمبز فرائیں۔ دادی کا بیان سے کہمیری یہ بات سنگر آپ سے تبسیم فرمایا اور میرکہا لے اُوفلی! کیا تھیں اس کا خومندہے کہ وہ مری دلیلوں کو کاسلے کرچھے لاجواب کردیں سکتے ؟ میں نے کہا بہیں خدا کی سم مجھے آپ سے یہ ڈرنہیں کر آپ اُن کے سامنے لاجواب ہوجا ہیں تھے۔ بلکہ مجھے آمیدہے كدالتراكب كوآن يرفتح ياب فرمائ كالانشار الترتعالى ر بجرآب نے فرمایا الے اوفل کیائم معلوم کرنا چلہتے ہوکہ مامون کب اینے اس منعوب پرنادم ہوگا؟ میں نے کہا ہی ہاں ، آپ نے فرمایا جی وہ میری دلیلوں کوالمی توایت کے ملسنے قورٰمیت سے تینے گا اہلی انجیل کے مسلسنے انجیل سے ۔ اہلی ذلود کے مسلسنے ذلودسسے ۔

صابتین کے سامنے میراتی زبان میں اہلِ ہرا بزہ کے سامنے ان کی فارسی زبان میں اہلِ روم سکے

ساسنے اس کی رومی زبان میں بلکہ ان تمام مباحثہ کرنے والوں سے اس می کی زبانوں میں بحث کو کینے گا وریہ دیکھے گا کرمیں اُن ہوگوں میں سے ہرایک کی دلیلیں کامٹ کرمیرایئے مقعدیر آگیا ہوں تب أسي علوم بوجائے گا كرجس مقام بروہ سیھاہے اس كامستن نہیں ہے تيراش كوشرمندگی وزامت بوكى . ولاحول ولاقوة إلا بأنته العلى العظيم رزاور نبي ب ركون وتت و طاقت مگر خدائے بزرگ دبرترکی عطاکر دہ ، الغرض حببصع نودار ہوئی توقع ل بنہل حا حرض مست ہواا ودعرض کی کرمیں آپ پرقر مان آپ کے ابنِ عم آپ کا انتظار کر رہے ہیں اور تمام حفرات جمع میں۔ وہاں تشرکعیٰ ہجانے کے متعلق آپ کی کیارائے ہے ؟ عقرت امام رضاعليك المسالم في ارشا فرما ياكهم حلوا مين انشار الشروي آدبا ہوں ۔اس کے بعدحفرت امام رصاً علیر کست لام نے نمازے سے ومنوفریا یا اورسٹوکا شربہت نوش فرایا اورمہیں بالایا اور مامون کے دربار میں جانے کے لیے بیت انٹرون سے برآ مرموشے ہم عی آپ کے ہماہ ستھے ۔ حب مامون کے دربار میں پہویٹے تو دیکھاکہ سادا دربار لوگوں سے مجرا مواسبے ۔ محدین حبغرطالبین ا ور ہاشمیین کی جاعت میں بیٹے ہوئے ہیں اورتمام سروارال حکومت بھی در بارمي موجد بي مامون نے جیسے ہی آپ کودیکھا، تعظیماً کھڑا ہوگیا ا وراس کے ساتھ ہی محترین حبعز ا درتام بی باشم بھی کھولیے ہوسگتے ۔ حضرت امام رضاعلی کست کام مامون کے قرمیب تشریعیت فرا ہوئے اوريہ لوگ جبتک ان کومبینے کاحکم نہیں مل کھوٹے دہیے ۔ پیچڑھے دیر تک مامون حفریت امام رصنا علىكيت لم مى جانب متوقد رما اورآب سے كفتگوي معروب رما اس كے بعدے وہ جاتين ك طرف ملتفت بهوا وركها - لي جاثليق! بهميريت ابن عم على ابن موسى بن حغفر بي ربه بهارس نبي اكرم كى دختر و فاطمه زم ااورعلی ا بن ابی لمالب كى اولا د مې . میں چاپتا بهوں تم ان سے انسات کے ساتھ مکالہ اور مباحثہ کرلور حاتليت في المرالونين إمين الاست كيامها حدْكرون . حودلي عي يشي كري كے وہ اسى كما بسس موكى جس كے مم منكرين اوراليے بى كے اقوال ميٹ كري كے جن كويم نيس مانية: امام رمينا علىمست للم سنے ارشا دفر لما با ساے نعرانی ! اگرمیں تیریے ساسے انجیل سے الماکی بیش کرول توکیا تواقرار کریے گا؟ جا تلیق نے کہا مہاری کمیامبال ہے کہ وانجیل کیے اور مہاس کون مانیں ۔ بال ندائی قسم ہم اسے تسلیم کریں سکے خواہ وہ ہمارے خلاف ہی کیول نرمو۔ بمعرأ مام رهنا علز کست لامیانی اس کے سامنے انجیل کے تعین حقیوں کی تلاوت

مچرآپ نے پورے مجمع کوخطاب کریے فرمایا۔ اُتیہااتناس اِاگریم میں۔ کوئی اکسلام کا مخالف ہے اور کچید دریا فت کرنا چاہتا ہے تووہ مجدے بلانسکھن سوالات کرمسکتا ہے۔

_عمران صابی کاایان لانا

رسن کوعمران صابی کوڑ اہوا ' ہومتنگلین میں سے تھا۔ اُس نے کہا ہے عالم ندانہ بائے عالم ندانہ میں کوفریع ہونے کہا ہے عالم ندانہ اِلگراپ سے معاد اُس نے کہا ہے عالم ندانہ اِلگراپ سے معرون سوال ندکرتا جس کوفریع ہو شام اورا لجزائرود نگرمقامات برگیا اور وہاں کے متنگلین سے گفتگوی گران سے کوئی ایک بھی بہ تابت نہ کرسکا کہ النہ وصدہ کا مشریک ہے ۔ کیا اجازت ہے کہمیں آپ سے سوال کروں ؟

نه القروحدة الاشريك ب يركيا اجازت بهدكمين آب ب سي سوال كردن ؟ آب نے ارشاد فرما یا اگراس مجمع میں عمران صابی ب کووہ کؤیں ؛ اس نے میں بی عمران صابی بوں و آب نے فرما ما ' اصابیا برعمران سوال کی گرگفتگویں

کہا، جی ہاں میں بی عمران صابی ہوں ، آپ نے فرمایا ، اجھائے عمران سوال کروگرگفتگویں انعمان اور بخیدگا سے کام لینا اور بیپردہ گوئی سے احتیاط کرنا : اس نے عرض کیا : یاستدی ا واقعا میرامقصد بجت نہیں بلکہ حقیقت سے آگاہ ہونا ہے لہٰذاآپ کوئی ایسی دلیں بیٹی فرمائیں جومیرے دل میں اُترجائے : آپ فرمایا اچھاج چام پوسوال کرد۔

اِس اجمّاع میں کا فی امّا فہ ہوجیا تھاجس کی دحہرسے لوگ ایک دومرسے سے مِل کرکھڑسے ہوئے منعے رحفزت؛ مام رمّا علامست لام نے اُس کے سامنے دلیل میش کی ' گفتگو

طوبل بولئ بهانتك كدوقت دوال أكيا توحفرت المم رصاعلي سن ام روزا باكرا اب ناز کا دقت اکیاب : عمران نے عرض کیا ایاستدی امیرے سوال کو نامکل چور کریہ مائی مرادل آپ کے جواب سے متافر موریک : امام رضاعلی سے ارشاد فرمایا میں نیاز پڑھکھیراً تا ہوں ۔ یہ کہ کرآپ اور ما مون وونوں چلے گئے ۔ حفرت امام معناعلنجست الم نے محر مي ما زيرهي اورد گرافراد في محدين معفر كے ديجے بام مازيوسى فرليف منازى ادائيتى كے بعد حفرت امام رمنا علي سيام اور مامون دونوں برامد بوك حضرت امام رصناعل كست لام ابني مجكه برلبترلين فرما يدم اورعمران كوآ وازدى كماب لوهيد كيا ليرجينا جامية برج أس في مالغ كائنات اوراس كم مفات ميمتعنق سوال كيار آپ نے اس کامغصل اور مدالل جواب دیا جس سے عمران مطمئن ہوگیا امرید آپ نے فرمایا کہ لے عمران کیا تم سمجھ گئے ؟ اس نے جواب دیا 'جی ہاں ' یا سمبیری میں سمجھ کیا اورمطنن ہوکرگواہی دیتا ہوں کہ الٹرولیہ اسی ہے جیہا کہ آپ نے بیان فرمایا اوراس کی وصرائیت کو تبغصیل سمجھایا ؛ اوراس کی بھی گواہی دیتا سوں کم مخرائس کے بندے ہیں جو بدایت دین حق کے سيا مبعوث بوسمے إلى اور بركبر كر وہ قبله رُخ سجدے مي كرميا اورول سے اسلام لايا۔ رائت مباحث کے تفصیل کمینے کتاب عیون اخبار المضاجلد اصفر دے اتا عی طاحفاؤائی حس بن محدنوفلی کا بیان ہے کہ مجع پر جتنے متکتمین موج دستے جب انخوں نے عرال صابی جیے مناظر معیں کو آج تک کوئی شخص اپنی دمیلوں سے قائل نرکرس کا مقا محب یہ کہتے ہوکے سنا توکسی میں ہمتت نہ ہوئی کہ بحث کے لیے حفرت امام رصاً علیمست الم کے قریب اُ تا اس کے بعد حفرت امام رمناعلی سے سی سے سی نے کوئی سوال نرکیا ۔ اب شام ہوجی تی المیذا ما مون اورا ما مرضا علیست پلام در بارسے انماکر اندر جیلے گئے اور دیگر افراد بھی اپنے اپنے گھروں كودائي چلے گئے میں النے اصحاب كى ايك جاعت كے سائق ميلا ہوا مقاكم محرب حبر نے مجھے آدمی بھیج کربلایا اور مجبوسے کہا سے نوفلی! دیکھا تم نے کمتھارے دوست نے کمیری کسی کسی کسی اسٹیں پیش کرے مب کولا جاب کردیا۔ خواکی قسم میرے تو دیم وگمان میں بھی نہ تھاکہ علی ابن موسی اس قدر علم میں ڈوسے پوشے ہیں۔ مجھے توابتک ان کی صح معرفیت ہی مذمتی ۔ کیا یہ حدیثے میں بھی ای طرح مناظرے ا ورمباحث کرتے ہے اورشکتین ومناظرین ان کے پاس آ یا کرتے ہے ؟ میں نے کہا ال يمكم ي ما جي اوك مي آياكرة في اور لين لين مهائل دريانت كياكرة مع اوراب أن سب کواطمینان نخش جواب و یا کرتے ستے۔ اور می کہی کوئی بحث ومبلصے کے لیے بی آجا تا تھا۔ محدمن معيز نے کھا الیا ہے اوجمہ لیے تھے تائیں۔ سرکے ان پیسر پشخص دیا ہون ہونہ کہتے

هے تھا۔ بھریا توزمردے کرشہد کرے کا ورنہ کوئ اور نبا نازل کرے کا دلہذا ان کومٹوں ووکم نس جو کچے ہونا مقاوہ موجیا، آئدہ اس طرح کے بحث ومناظروسے اجتناب کریں اور فاموش رہیں. میں نے کہا وہ میرامشورہ مرکز قبول ندفر ائیں سے ۔ اوراس شخص کا رامون کا) معتعدتور بخاکردہ ان کا استمال ہے اور دیکھے کہ ان کے آباء کے علوم میںسے مجدان کے پاس بھی ے یا مہیں : محدین حبز نے کہا کہ تم جا کر پر کہو کہ تمعارے چہاکو برکسید نہیں اور چاہتے ہی کا منزم تم مصلمتاً اس طرح مے بحت ومنا فرے سے احتیاط رکھو اور خاموش رمور اب جب میں وہاں سے پلے کرحفرت امام رصنا علیست لم کے یاس گیا اور محرن مبغ سنة جركي كما مقا وه سب بيان كيا اتوآب مسكرات اورفرايا" الترميري جياكوسلامت مسكع اكروہ محبركوميجان سختے ہوستے توتمبی اس كونالپسنديزكرتے ۔ اودفرما بائے غلام جاكومران صابی کوسے " میں نے کہا ہمیں آپ برقر بان زشا براس کو گھر متعلوم ہو) اس کا جلسے تیام مجھے معلوم ہے۔ وہ شیعوں میں سے ایک مے مرکان میں مقیم ہے : آب نے فرمایا ،کوئی حرج نہیں اکس کے بیے سوادی ہے جاؤ۔ لیں میں جا کوعمران کو بلا لایا۔ آپ نے اُس کی اُمدیرمرحیا اور نوش آمدیکم آپ لے ایک خلعت منگا کر بینان اور دس بزار درم اس کوعطا فرائے میں نے ومن کیا امیں آپ پرقر بال آپ نے توبالک وی کام کیا ہے جوآسے حد حفرت امرالونين كياكرية عن أب في من وايا ايساكرنا واجب عقاراس ك بعدهكم د ماكدات کے طعام کے لیے دمترخوان بچھا یا جائے: آپ نے مجھے اپی دامپی جانب اورعمران کو ہائیں جانب بطهایا۔ حبب ہم طعام سے فارخ موسے توعموان سے فرمایا اب جاؤ۔ کل صح آنا سم تم کو مدینہ کا کھا نا کھلائیں گئے اس کے لعدعمران کے یا س متعلمین اورمناظرین آیا کرنے اور وہ اک کی مبر کعیث کورو كرداكرتا تمنا بہانتك كہ لوگ اس سے بحث كرنے سے اجتناب كرنے گئے ۔ بجرامون نے بجی اس كودس مزاردديم دسيه اوفضل شفيمي أس كوكمير مال وياراودا مام رضا عليمست لام كفي اس كوم وات وعيون اخاد الرمثا مبلدا مسيحا المسكا) يلخ كا وإلى بنا ديا اوروه وشمال موكيا ـ بسليمان مرزدي سيمناظره (14) حسن بن محدنونلی سے بیمی روایت ہے۔ اس کابیان ہے کہ ایک مرتبہ سیمان مرزوی شکم خواسان ' مامون کے پاس آیا۔ مامون اس کے سامتہ بہت اکرام واحترام سے بیش آبا اور کیا کرمیرے بچا زاد بھائی علی بن ہوشی انرینا علیاستیام حمازے ہاں۔ یاس آئے ہوئے ہیں۔

وہ اودان کے اصماب بحث مباحثہ کومبہت لیسندکرتے ہیں۔مناسب ہے کہ آپ ان سے ناگرے مبلحث کے بیے ہوم ترور بعنی مروی الجدکومهادے پاس آجائیں: مسلیمان نے جواب دیا۔ یا امرالومنین مجھے یاب ندمنہیں کہ اُن جسے شخص سے آپ کے دربار میں تمام بنی ہاشم کے سلمنے میں کھیہوال کروں اور گفتگویں قوم کے سامنے آگ کی کمزودی عیاں ہوا ورمیں اپی تحقیق آگ كوتباؤل: امون في كا ميں نے لوئمماری طرف اس بيا وجوع كيا ہے كمتعادى عيسى مى قابيت معمعدم مع مين جابتا بول كرتم نقط ايك بى دليل م أنفين لاجواب كردد-اس نے کہا بہترہے ، یا امرالونین ابھرآپ میری اودائن کی طاقات کرائیں اورب سب اس کے بعد ما مول نے حضرت امام رمینا علی سے مرجوع کیا اور کہلا بهيجاكه مروست ميرے پاس ايك شخص آياہے اوروہ فراسان كے سادے تشكلين بي واحدُ یکتاہیے۔ *اگرمِناسب مجانونشرلع*ِن لانے کی *زحست گوارا فرمائیں*۔ يرمسن كرحضرت المم رضا عليكست إم وضوك في تشرلين في عظف أب في ہم سے فرمایا اتم سب پہلے ہی بہونگاجا ؤ۔ لہذا ہم دربادگی طرفت دوانہ بہوسے .عمران صب بی ممى مهارب مهاعظ عقارجب وبإل مبريخ توياسرا ورخالد فيمرا باعظ بكراا وردربارس كيكا میں نے مامون کوسلام کیا اس نے کہامیرے ابن عم الوائس کہاں ہیں النڈاک کوسلامت رکھے: میں نے کہا آنخفرت بہاس تبریل فرمارہے ہیں۔ آپ نے ہم سے فرمایا مخاکر تم سب جلو ميں بھی آتا ہوں: پھرمیں نے کہا یا امیرالمؤنین! آپ کا غلام عمران بھی ہمارے ساتھ ہے اوروہ دروازے پرکھڑا ہے: مامون نے پوجھا کون عمران ؟ میں نے کہا وہ صافی جو آپ کے ہاتھ برامسلام لایا نقاه ما مون سف کم دیا ، اس کوهمی کملالو رجب وه آیا نومامون سنے اس کومرجب كها۔ اودكها ولي اب توتم بى بني است م كايك فرد موسكة : اس نے كها والمونين ا أس خدا كاستكريد سي سني آپ حفزات كى وجدس مجع بدفترون بخشاة امون سنة كها المي عران إيهليان مرزوي ملكم خراسان من عران في كما اجي بال ياامير المؤنين! ان كاخوال مهك يرخواسان كيسب سے بريائ متكلم اور عالم بن مجموعة يدة بداء كم منكر بن ، ما مون نے كہا ، جمر ان سے مناظرہ کرکے دیکھ لوڈ عمران نے کہا ، یہ تو اِن ہی پر شخصرے مجھے السکار مہیں ۔ اسی دوران حفرت امام رصنا على سيسالم تشرليت سے آئے اور دريا دنت فرمايا ابھی آپ لگ کیاکفتگو کررسے ہے ؟ عمران نے عرض کیا ، فرزندرسول پرسلیان مرزوی ہیں۔ سلیمان نے کہا اے عران اکبائم اس پر رافتی ہوکہ حفرت الوالحن سے گفتگو کی جائے: عمران نے

جواب دیا . مان مان مصرت الوالحن علا مستلام جر مجه عقیدهٔ بدار برار شاد فرمائی سے وہ مجھے مصرت شدندند بچرمفرت ا مام رمنا علی سے مسائل توحید میں سے عقیدہ براد اور ارادہ باری تعالیٰ پرالیسی الیسی دبیلیں بیش کیس کر بیان خاموش ہوگیا اور اُسے جاب کی جرات د بوتی: مامون نے کہا الے سلیمان اِنمعین علی ہے یہ بی باششم کے مب سے بڑے عالم ہی ؟ كفتكوخم بوكى اودمب لوك اكتوكر عليك _ يتغ صددق مليدالرحمة فروائي مي كم ما مون كوحفرت امام رصاعل ليسطيل مس آب کے علم وقفل اور قدر ومنزلت کی وجہسے صدیدا ہوگیا تھا اسی سے وہ مختلف ادبال اور فرقوں کے متعلین کو تلاش کرمے بلاتا اوراک سے مناظرہ کراتا مقا تاکہ وہ کسی سے اپی شکست سیسیم كركس يمرويمي آثا وه آب كے علم فيفسل كا افرار كرك جاتا كيونكم استرتعالى كا وعده سے كروه لين كلے كوبلندر كھے كا لينے نوركواتهم ك منسة ل تك يہرنجائے كا اورا بى جتت كى مردكرے كا- اور يەدىدە اللهنے این کتاب بی کیاہے ادر فرایاہے کہ: ۔ إِنَّا لَنْتُصُومِ مُسَلِنًا وَ الْمِنْ مِنْ الْمَنْوُ اِفِى الْحَيْوةِ الْسُرُنَا وَ يَوْمُ يُقُومُ الْأَشِهَا أُنَّ وَ رسونَ الوَن آيت ١٥) ترجرآیت " ہم لیے سغیروں کی اورائیان والوں کی وسوی زندگانی میں بھی خرور مردکرتے میں اور اُس دن بھی جب گوامیاں میش ہوں گی۔" إس آيت بس و البَّذِين أحَنُوْ إسيم إد ائرَّ و طاحر بن عليهم لسّلام الداك متبعین اوراک کی معرفیت در کھنے والے ہیں ۔ الٹرتعائی اک کی مرواک کے مخالفین کے مقالے ب ولائل کے ساتھ کرتا رہے گا جیتک یہ لوگ دنیا میں ہیں اوراسی طرح وہ قیامت کے دن بھی ان كى مددكرے گا۔ اللہ تعالیٰ تبعی وعدہ خلافی نبیں كرتا۔ د عیون اخبارالرضا جلدا م<u>انع ا او</u>ا) ___ عصرت انبیار برمناظره قاسم بن محدم کی نے مہروی سے روایت کی اس کابیان ہے کرجب مامون نے حفرت امام رصاعلیٰ السیدلام سے مناظرے کے لیے تمام سلم وفیرسلم تنگلین ومناظریٰ پرد و نصاری و محوس وصابئین وغیرہ کوجمع توان میں سے جوبھی بحث کے لیے کھولا ہوتا آپ اس کی دسیل اسی سے تھے میں ڈال دسیتے۔ اسى تىلىك يىن على بن محدب الجهم كمعرا بهوا اور بولا، فرزندرسول إكيا آپ عمت

انبياً الشي المين في أب سفر ما يا أبيال المست كما المرأب قران في اس أيت تي معلق کیافرانے ہیں کہ :۔ " وَعَيْضَى الدَّمَرَسَ لَهُ فَكُنُولَى " (سوره طا أيت ١٢١) س بنداس سیسیلی جوکھیے اکسس نے کہا ان سب کا بواب اس قدر مُوثر انداز میں دیا کہ على بن مختر بن الجهم رون لكاء اوركها وزريون إمين الشريع توبركرتا بول كرمين آمنده انبياً يركام كے متعلق دى كبول كا جواب نے ارشاد فرنسرا يا ہے۔ (مين اخبار الرضا عبد مراواتا هوا) ___ مامون اورعصمت انبيار كمتعلق سوالات حدان بنسلیمان نے علی بن محترین الجہمسے دوایت کی ہے۔ اس کا بیان هے کہ مامون کا در بادمجرا ہوا تھا اور وہاں حضرت امام رضاعلیسے ام می موجود سے توامون نے آب سے ان تمام ا حادیث وروایات کے متعلق دریافت کیاجن سے انبہا ہے غیرمعصوم ہونے کا شہہ ہوتا ہے۔ آ ہے ان سب کا جواب دیا۔ا ور مامون آپ کا جواب کسٹ کر کہنے لگا ہ میں کواہی دیتیا ہوں کہ آپ واقعًا فرزندر سول اوروارت علم رسول ہیں سمبی کہتا کہ فرزندر سول آپکے خدامجلاكريب بهي كتا وياالوالحن الشرآب كے علم بن اوراضافر وائے بمبى كتا إالوالحن! آپ کوالٹرلینے انبیاً مک طرف سے جزائے ٹیرعطا فرملسے ۔ جب آب آس کے تمام سوالات کا جواب دھ میں تو مامون نے کہا، فرزندِ پول آج آب نے میرے دل کوشیغا مخبئی اور جوجیزی شنبه تھیں اک سب کو واضح فرما دیا اللہ تعالیٰ آب کوا بینے انبیام اودامسال می طرف سے جزا کے خیرعطا فرائے ۔ على بن محدب الجيم كابيال ہے بھرا مون نماز كے ليے انحفاا ورمحرب عبغرجو اسَ وقت و ہاں ہوجود تھے ، کا ماتھ کمرٹراا ور روانہ ہوا میں بھی اُن دونوں کے پیچھے بیچھے مقدار ما موان نے محدین حقفرسے پوچھا ' تم نے اپنے بھتیج کوکیسا پایا۔ اُ تھوں نے کہا واقعاً عالم پایا ' مُرْتِم نے توکیھی نہیں دیکھا کہ وہ کسی اہل علم کے پاس مخصیل علم کے لیے گئے ہوں ، یامون نے كها المتعادا بعينها المي سيت بني بن سي سي من كم متعلق نبي اكم صلى الترعليه والهوسم ف خود فرمایاہے " آگاہ دیم کم میری عتربت کے نیک لوگ اورمیری مسل کے پاک لوگ بچین میں سب سے زیادہ علیم اور بڑے مورکرسب سے زیادہ صاحب علم ہوستے ہیں تم الن کوسلم مسکھانے کی کوشش نزکرنا. وہ خودی تم سب سے زیادہ صاحب علم ہیں۔ وہ تمیں نہی ہابت کے دروازے سے نکالیں گئے اور نظمانی کے دروازے میں داخل کریں گئے ی^{ہ،}

كهر حفرت المم رضاع ليست للم الهن تعمرواليس آسكتم ينتخ صدوق عليدالرحمة فرملت بي كرعلى بن محدين الجم ناصبى مقا اورابلبيت سے نبعش وعداوت دکھتا بھا' اُس سے یہ مدمیث مروی ہے جوقابلِ جرت ہے۔ (عيون اخياد الرحنا جلدا مه ١٩٥٥ تا ٢٠٣٠)

. حضرت ام رضا اورطاب بارا<u>ل</u>

مفریے حفرت ابومحرعسکری سے ایخوں نے لینے پدربزرگوادسے اوانخوں نے اپنے جدست دوا بیت کی ہے کہ جب ما مون نے علی بن موشیٰ رصا کو اپنا ولیعبدمقرر کیا تو آس سال بارشن نہیں ہوئی۔ ا ور ما مون کے بعض حامرشیشین ا ورحفرت ا مام مضاستعقب دسكعة والول نے يركها شروع كياكہ ديجھو! جب سے علّ ابن موشى رضّاً آسے اوروليجب َ مقرّر ہوسے الٹریقائی نے ہم ہوگئ پر بارشس ردک دی۔ یہ باتیں مامون تک بہرخیس' تو اش کومبہت گراں گذرا ۔ اس نے حفزت امام رضا علیمست ام سے کہا کہ بارش بالکل نہیں موئی محاسش آپ دعاء فرماتے اور مارسش ہوجاتی۔

حضرت الم مرضا على المستلام في وايا واجها-مامون نے کہا مچرکب آپ دعاء فرمائیں گے۔

یه گفتگوجیعہ کے دن ہوئی: آپ نے فرمایا کہ دومشنبہ کو۔ اس لیے کہ شہب كزرشته رسوليً مفبول من التُرعِليه وآله وسمّ ميري پاس خواب پي تشريعِت لائے سفتے آپ کے سا مقد مفریت علی امرالومنین علی میست ام می تنے ۔ آپ نے ارشاد فرایا سے فرزند فرااتفاد كرو دوكشنبه كے دن محرایں جا ڈ اور بارش كے بيے دعاء كرو النزتعائی يا نی برسا حسے گا ؛ اور ب

بھی فرطایا کہ یہ خواب تم سرب کیرطا ہرکردو تا کہ جو لوگ تم سے نا واقعت ہیں اُن کومتہ حیل جلئے کہ السرکے نردیک تھار*ی کیا* قدر ومنزلت ہے۔

الغرض حبب دوشنبرکا دن آیا توآپ صحوایی تشرییت ہے گئے ۔ ہجوم خلالق دیجھنے مے لیے بہر نجا۔ آپ منبر پر تشریب سے سے اور اس طرح دُعا رشروں کی ۔

ورك النداك بهادس بروردگار! توفيهم البيت كولراحق عطا فراياسهاور اک لیے سب لوگ تیرے حکم کے مطابق میں اپنا درسید اور ذیر بعیر بناکر تیرے نضل وكرم كمائم يددر كمنة بي اور تجعست احسان ونعمت كي توقع دسكنة بي الهذاتو ان ہوگئ کوشراب کر دسے الیبی باکرش دے جو عام ا ورحلد میونے والی ہو، غرمفر

تجعی ہو الیکن یہ بارمشس اکس وقت شروع ہوجب پہال سے مسب لوگ جلے جائیں پہانتک کہ اپنے اپنے گراورانی ابی منزوں برمیوی جائیں " واوى كابديان حب كراش التركى قسم س ف حفرت مخدصتى الشرعلي وآلم وسلم كوحن ے ساتھ مبعوث فرمایاہے۔ یہ دُعا ، کرتے ہی فضا دُل میں بادل منڈ لانے لکے جُری اور حیک شوع مہوتی۔ اور اوک بارش سے بچنے کے لیے وہاںسے دوٹرنے ملکے۔ امام معناعلیٰ کے امام ارشاد فرمایا ، ابھی مذجا د ، ابنی ہی جگہ پر میوکیونکہ یہ بادل متعارے بیے نہیں ہے بلکہ فلال طہر کے ہے ہے اور دیکھتے ہی دیکھتے وہ بادل ہوگوں کے سروں سے گذرگیا۔ معرایک دو مرا بادل گرنا دھیک کے ساتھ مودار ہوا۔ لوگوں نے بھاگنا شروع کیا۔ آپ نے قربایا ، ابھی جانے کی خرورت نہیں ہے کوکا یہ بادل می فلال فہروالوں کے لیے ہے۔ اسی طرح یکے بعد دیگریے بادل آتے اور مروں کو عیور كرت رب يباننك كه دس بار بادل أسط اور مرمرتبه حفرت امام رهنا على سيام ميى فرات سب کہ ابھی نہ جاؤ ، یہ بادل تھارے لیے نہیں ہے بلکفلاں شہروانوں کے لیے ہے۔ بالآخر حبب كيارموال بادل اتطالوآب نے فرمايا۔ ايباالناس! بويه بادل لته في تحادث يدى بيجاب أس في تم يري كم مرايا وأس كالمشكراد اكرد اور لين لين كمرول ادر انی ابنی منزلوں پرمیدی جاؤ۔ تھاگنے کی ضرورت نہیں ہے اطمینان سے چلے ماؤ، جبتک تم لوگ لینے گھروں تک نہیں میہونگ جا ڈیکے یہ بادل ہوں ہی متھارے سروں پرمنڈلا تاریب کا۔اس کے بعدى برسے گا۔ بەفرماكرآپ منبرسے أترب رآپ كے ارشاد كے مطابق وہ بادل اسى طرق مرك پرمنڈلا تارہا۔ حبب یہ لوگ آپنے گھروں کے قرمیب بہریخے توبڑی بڑی ہوندیں برسنے آلیں اورایی مارش مونی کرسادسے گرمیع ، تالاب ، وا دیاں اورصوا پانی سے مجرباش نظرا نے لگے لاگ مجفظے کہ مبادک ہوں فرزندرسول کی وجہسے الندکا کرم ہوا ہے۔ بجرحفرت المام رهنا عليكست لام برآ مرموث -ساسن ببهت پڑا مجمع مقار آپ ہے سب كوخطاب كريك فراياً ايتبااناس ! جنعتين الشرخ كودى مي أن كے باسي الشر سے ڈرو۔ ایسانہ بوکہ تھا رسے گنا ہول کی وجسے پیغتیں جین جائیں ۔ ان فعتوں اور بششوں براس كالشكراداكرك اوراس كے احكام كا الماعت كرك ال تعتوں كوم بشر باتى د كھے كمص گوشش کرو۔ اور یہ جان لوکہ المدیرا یان لانے اور آگی مخر کے متوق کا اعتراف کرنے کے بعد الشركامب سے مبترین مشكرا برسے كرتم اپنے مراوران امانى بى ایک دوسرے كى مدادوا عانت كرد جوان كومبت تك بيوبخ كے يے بطور معرادر مل كام دے كا اور جواليا كرے كا وہ التدبيح مخصوص بنروب بين شمار موكا

چنانخ اکسس سیسیدی حفرت دمول معبول آن مشرعلید وآله دستم نے دی فرمایا ہ بوایک کہنے واسے کوکہنا چلہیے۔ آپ سے کہا گیا تقاکہ یا دسول انٹر! خال یخف ایسے دیسے کما کیا كالدنكاب كرتاسي وه تو تياه برا ، أس كى نجات توم بوكى : آپ نے ارشاد فرمایا مہنیں اس کی منات ہوگی۔ ادر اس کے اعمال کا اختنام نیکی پر پچگا۔ انٹرنتا کی اس کے گٹاہوں کو توفر ما دسے گا اور ان کے بدلے اس کے نامز اعمال یں نیکیاں نکعدی جائیں گی ۔ اس کی وجہ یہ ہے کہ ایک مرتبہ وہ عمض دامستہ جل رہا متاکہ اسے ایک مردِمون دکھائی دیاجس کاشسرمسکاہ کھیل ہوئی تی ۔ اس بیجارے کوپترزیخا۔ اِس نے بڑھ کر اس کودمانپ دیا اس خیال سے کہ اس مروثون کونٹرمندگی ندہو۔ اوراس بخص نے مروثومن سے مجھ مہربیں کہا ، محراس کورانسے بیائے ہوئے پترچل گیا ، تواس نے اِس شخص کود ماہ دی کہ اللہ تعالی تیرے تواب میں امنا نہ فرمائے ، تیری بازگشت مکرم ہو ، مجر سے حیاب کتاب کرنے ہی الشرتعاني نرمى كرسے ۔ الندسے اُس مرومومن كى دعاء اس كے متعلّق قبول فرمالى ہے اورائس مردیون کی دعار کی بردلت ڈس کا انجام بخیر ہوگا چتا كخدر مولي معبول من كايد قول جب اس كنه كارشخص تك بهومنيا تواس في لايد ك اورالشرك احكام مرعل كرف لكا . اوراجى سات دن مى ندگذرى من كدري كى مدينركى جراكاه يں فاكرزى بوئ ۔ رسول مقبول جستى الشرعلير والرقم نے واكوؤل كے بيجے ايك محمدہ كوجيجا حب بیں برمردِکنهگارمی تھا اور وہ اس میں شہید ہوگیا۔ حفرت ا مام محدِّق ابن حفرت على ابن حفرت مومى عليهم لستالم كابيان ہے كرام رضا علىكست لم ك دُعارى بركت سے ملك مي خوشمال آئ اور مامون كے رشتہ وارون میں سے کھرالیے بھی ہتے جو جاہسے کر حفرت ا مام رضا علیاست ام سے عوض وہ خود کی ولیعہد ہن جائیں۔نیر مامون کے درباری ا مسع صدر کرنے والوں کی تعداد زیادہ تھی۔ ان ہی میں سے مسی نے مامون سے کہا اُلے امیرانوٹین ! خدانہ کریے خلفا دکی تا دیکے میں آپ وہ ہوں کہمیںنے اس قابل فخرا ورشرت مام خلافت كواولادِ عباس سے نسكال كراولادِ على بهونجا دى۔ آب نے ا پی اوداسے خاندان کی بی بوق بات بسگاروی ۔ آپ اس ساحرابن ساحرکوخلافت میں ہے آئے چو کمنامی بی مقاء آپ نے اس کوشہرتِ والمائی ۔ بیلپست مقا آپ نے اسے بہندکیا ۔ اوک انھیں بمول چے ہے اکب نے یا درطایا۔ اس کا کوئی وزن نرتما اکب نے اس کو گرانقدر بنا دیا۔ اوراس ک دعادسے یہ ج مارش ہوگئی توسیاری دنیا ہیں اس کی اور می دحوم می گئی۔ ہمیں توسی سے نباده نوب اس کاسے کہ پرشخص حکومت کوئی ماس سے ٹکال کر اولادعلی بین بہونخا دسے گا

اور میں ہیں بلکرمسی سے براخوت برہے کہ ہے اب سے آپ کی حکومت جین رے گا بمجالاکوئی اچنے اور لیہنے ملک کے حق ہیں ایسی تھی تعلی کرتا ہے جسی کہ آپ نے کی ہے۔ ما مول نے کہا ، کیا بتاؤں ، یہ ہاری نگا ہوں سے پوٹ پرہ سے اور در بروہ اپنی طرت لوگوں کو دعویت دینے سفتے میں نے چاپا کہ انفیں اپنا ولیع پر بنا لوں توبجائے اپنی طریت وعوت دسینے کے ایر ہماری طرف اوگوں کو کہائیں گے اور ہمارے ملک اور ہماری خلافت ہے متعارف كرائيس كے اور ان كے مقترين اور شيدائيوں كو مجى معلوم ميد جائے كاكر جس امر كا الفيل عوى سے وہ بات ان میں تھوڑی سی بھی نہیں ہے۔ اور واقعًا خلافت ہماراحق سے ان کانہیں رنیز ہیں در تفاکه اگرانین اس حال برحور دیا کیا توکیس به ایسا انقلاب مذید ائیں جس کامتر باب بم منهوسك اوراليي معيست بم نذا زل كري جزنا قابل مرداشت مدراب توجوم نے كرنا تفا وہ كريجي، جوم سفلطى ہونى تقى وہ ہوگئى اب ان كے معالم كوكوتى ابريّنت مذوينا جا تزمنييں بلكه هرودت اس امري سے كدان كى منزلت كوآمسسته آمهسته كھٹائيں اور رعایا مے سامنے امنیں اس شکل یں بیش کریں کہ رعایا ہمھ سے کہ خلافت کے اہل نہیں ہیں میر ہم البی تدبر کریں کہ اس بلا ومعيبت ك جريك ما م أس يخف نے كہا اليام الونين يركام آب مرسے والے كري اميں ان كے اوراکن سے امحاب سے دانت کھے کر دوں گا۔میں اُک کی قدر ومزلت کواہیا گھٹا وول گا کہ آپ بی دیجولیں کے اور واقعاً اگرمیرے ول میں آپ کا خون نہ ہوتا تومیں مہنت بہنے یہ کام کرچاہوتا اور برجوان کی وجیم ارش ہوئی ہے اس کامی نقص وتصور لوگوں کے سامنے سیش کردیا۔ مامون سنے کہا میرے یہے اِس سے اچھی اور کون بی بات ہوگ : اُس نے کہا كرآب ابنے ملك كے تمام سرواروں ، فاضيوں اورفقهائے روز گاركوج كرى ميں اُن سب کے سامنے اس کانعص وقعورمان کرول گا۔ رادی کابیان سے کہ اس کے بعد مامون نے اپنی رعایا میں سے افاصلین کو جمع كالاداكب بيت بزاحبسه منعقد كمياحس مين حفرت المم رضاعل كست الم كوا فاهنين كصطف ان کے مناسب مقام پر مجایا ۔ اور اُس خف نے امام رضاعالیست بام ک بے فرمتی کرنے کے یے اس طرح خطاب کرانٹروع کیا۔" لے علی بن موشی! لاگ آپ کے بارسے میں بہت کھے بیا ان مرتے ہیں اور آپ کے اومان کواس قدر بڑھا چڑھاکر مان کرتے ہیں کہ اگر آپ انھیں کمٹنیں توآپ نود کمی اُن سے براُمت کا فلہار کریں گئے۔ ان میں سے پہلی صفت تویہ کہ آپ نے امگر سے رماری ا دربارش ہوگئی۔ مال نکہ اس بارسش کا وقت مقرر مقایجب وہ وقت آگیا تو

بارسش ہوگئی لیکن لوگوں نے اسے آپ کامعجزہ قرار دے دیا اور مطے کرلیا کہ دنیا میں کوئی آپ کا مثل نظیرنہیں ۔حالانکریہ امیرالمونین ، انٹران کو اورا ن کے ملک کوس *لامت دیکھ ،* دنیا نے ہڑخص سے بہتر اورافضل ہیں۔ اکفوں نے آپ کواسِ مرتب پرمپومنیا پاہیے ، آپ بران کا احیان ہے جس کا بدلہ یہ تو نہیں ہے کہ آپ جو لوں اور کا ذابوں کو چھوڑ دمیں کہ وہ آپ کی تعرفیت اور ان کے خلامت چونی جوثی باتیں بیان کریتے پھرسے ۔ المام رضاعاليُست للم نے ادرشاد فرمايا، مسنو! التّدتعاليٰ نے جوكم واحدال مجه پرفر ما باسب اگرلوگ اس کومبان کرنے ہی توان کو دوکا نہیں جاسکتا اگرمیس خود پہنیں چاہتار اور توسنے بورکہاکہ امیرالمونین سنے مجھے اِس عہدسے پرفائزکیا' توانھول نے مجھے بأمكل اسى طرح عبدست برفائزكيا كهب طرح بادشا ومعرني حضرت يوسقت كوعهده برفائزكيا تخا (فرق مرن اتناب كأغول نے خود كہاكميں فلاں عہدے برميت عمده كام كرسكتا ہوں اورس نے از فلد كونى عبده حاصل نهيس كيا بلكر جزّاعبده دياكياء) اودايس كمنعيل برتام وكمال مجتم خوب المجى طرح معلوم سب يهُ مُن كرحا جب كوعقد أكيا اس نے كہا لے فرزندمِ وتني ! ويكھيے! آ ا پی حدسے بڑھے جا دسہے ہیں حریث اِس وجہ سے کہ الٹرنعائے نے پائٹ کردی جس کا ایک وقت مقرد تفایداس سے پہلے بارش میسکتی تھی نداس کے بعد۔ اور آپ نے اس کواپنام جزہ تبادیا تاکه اس سے آپ کی مشان بڑھ جائے ۔ ایسامعلوم ہوتا ہے کہ جیسے آپ نے حفرت ا براہم کم خلیل الٹرکام عمرہ دکھا دیا ہے جوانھوں نے جوالیوں کے سراینے مانھیں لیکران کے هم کے منكر بعنالف ببالموں برركم ديا اور برايك كواوازدى توجه تيزى سے اُلم تے ہوئے ليا لين سرول سے محق بوگئے ۔ اگرآپ لينے وعواے بي سيتے ہيں تو آپ اس قالين برجو دوشيرال کی تصویریں بنی میونی ہیں ان کوممتم اور زیرہ کر دیں اور ان سے کہدیں کہوہ مجھے میاڈ کھائیں۔ ننب سیمبوں گاکہ بیمجزہ ہے ورنداس باش کا تو وقت وہی مقرر مقاایب کو بیعی نہیں کہ یہ دعوی کریں کہ بارش آب ہی ک دعادسے ہوئی۔ اس دقیت اگر کوئی انسال بھی دعاء کرتا توبارش شير قالين كالجتم بونا اس کی پربیروگی شن کرمفرت ملی بن موسی دمنا علی کستیام کوهفته آگیاا ورت ایس بر منقش نیری مورتوں کومکم دیا" اُنموا وداس فاجر و فاست کو بچھاڈ کھاڈ اوداس طرح کھاجاؤگر

اسس کا ایک لوی مجی مزباقی رہے مین منے ہی اُن دونوں تصویروں نے ایک مرتبہ بہر معرا اور می میرول کی شکل اختیار کرلی اوراس بیبوده گوحاجب برحبت دیگاکرحله آور بوسے اور اِس ظرح اُس کی یخد بوقی کرکے کھا گئے کہ حس طرح کا حکم امام محقا ، بہانتک کہ مقریاں بھی چالیں اور خوک ٹیک چنٹ كركئے . مجمع حيان وك شدر اورسها بوامب كيدو يكور با مقا۔ جب یه دونون شیراس سے فارغ موے توحفرت امام رمنا علایت ام میر مخاطب ہوکرلوئے ۔ اے روے زمین پرانٹریکے ولی ! اب آپ کا کیا حکم ہے ، اگراجازت ہو تواس ما مون کوبھی اسی طرح صاحت کردیں جس طرح صاحب کوصاحت کیا ہے يهمشن كرمامون كوغش اكيار امام رمناعلي ستيلم نے فرمايا ، بنيں يمتم روا و وه فواول حكم المام كمستظريس ر بعرصفرت المم رضا على يست الم في غروا ياكم المون برعرق كالب جيركا جائد اور خوشبو سنکمائی جائے ۔ چنا کچر اس برعرف کالب چیو کا کیا اوروہ موٹ میں اکیا۔ میران شیروں نے بلے کرکہا کہ اگرا جازت ہوتو اس کومی اس سے سامتی کے پاس پہونجا دیں۔ آپ نے فرما یا کہ نہیں ا ا نشرکی معلمت اسی میں ہے اوروہ اپوری ہوکر دہیے گی ۔اورحکم دیا ، تم دواؤں اپی اعمل صوراؤں ير لميث جادٌ - وه دونول قالين كى المرت بيلتے اور ميرت صوير بن محتے المسس كے ليد ما دون نے سكون كى سانس لى اوركها ، شكرسے اس الندكا حس نے اس موذی حاجب حمیدین وہران رجس کوشیروں نے بچا ڈکر کھالیا بخاے سے ہیں نجانت دالمائی اودمع وه المام مضاعل مستسلام سے بولا۔ فرزندِ دسولیؓ! بیمکومت آپ کے جدد سولیؓ انشرکی تمی ادراب آپ کائ ہے۔ آپ جا ہی تومیں عومت چور دول ادراک نبعال لیں آپ نے ارشاد فریایا کہ اگرمیں چا ہوں توسیھے تھے سے ابھنے کی فرورت نہیں التدني إبئ مسادى مخلوق كوسما للمطيع بناياسي جبساكه توسف ابحى ويحعلب كبان لقويري سنعيري كمس طرح اطاعت كى نس مرت چنرجابل انسان سي جونا فسسر ماني اود سمرشى پر سنے ہوئے میں ۔ انٹری اس میں معالمت ہے کہ ہیں مبرکامکم فرایا بحدیم براعرامی د كريب رمكرتم ني جواس سے كهلايا تھاكهم نے مجھے وليجددا ورا بنا نامب بنايا سے ، لذيه ایسا پی سے جیسے فرعون مھرکے نامب حفرت کو معن سکے داوي كابيان سبه اس وا فعرك بعدما مون بامكل مسست پرهي اودامس حفرت الم رضائيكم متعلق وه فيقله وزير حوران كالمحماء جواتب كومعلوم سے ويومينا مدا

و سے کی اہمیت

احدین میسے بن زیدسے دوایت ہے۔ اس کابیان ہے کہ مامون نے مجھے ایک نظمی کے مامون نے مجھے ایک نظمی کے مامون نے مجھے ایک شخص کے قتل کا حکم دیا۔ اس بجارہ سے مجھے زندہ دہنے دیجے یس آپ کاکٹ کرگذار دمیوں گا۔

کامٹ کرگذار دم دنگا۔ مامون نے کہا ' تیری اور تیرے شکر ہے کی کیا مقیقت وا ہمیت ہے ۔ ؟ حفرت امام دھنا علی سے ہم نے ارشاد فرایا ' لے امرا تونین ! خوا کا واسعہ کیسی کے شکر ہے کے بعد تواسی معاف می کویڈ چاہیے ۔ چاہے وہ شکریے تمحاری نظریں بے حقیقت ہی کیوں نہو۔ اس لیے کہ انڈرنے اپنے بندوں کو حکم دیا ہے کہ میرامٹ کریے ادا کروا ور حب وہ مشکرا داکرتے ہیں توامغیں معاف فرادی اے ۔ ۔ ۔ ۔ ۔ ۔ ۔ ۔ ۔ ۔ دمیون اخبار الرضا عبار م مقابی)

و حرب سان رودیا ہے۔ و رودیا ہے۔ و رودیا ہے۔ و رودیا ہے۔ و رودیا ہے اوام کے قتل کا ناکام منصوبہ

میر شرب ایس سے روایت ہے۔ آس کا بیان ہے کمیں ما مون کی محکمرایی معلمرایل معلم رضا علی سے دوایت ہے۔ آس کا بیان ہے کمیں ما مون کی محکمرای معلم رضا مدین ہیں ہوئی تھی۔ میں طاقات کی فرض سے در دولت پر حافری والم بی اسے دیا ہے ہیں گراس کی تحدیق ہیں ہوئی تھی۔ میں طاقات کی فرض سے در دولت پر حافری والم بھا۔ جی دیکی اور میں اور میں اور میں بی اندرسے برآ مدہوا۔ حب اس بہت نیادہ و دست رکھتا تھا۔ ہیں نے ناگاہ دیکھا کہ دہی جی اندرسے برآ مدہوا۔ حب اس بہت نیادہ میں اور میں میں اندوں کے بر اور شید اور حب اس بہت بیادہ بیادہ ہیں ہے۔ کہا ، بال مجھے معلوم ہے ، اس نے کہا۔ اے بر کم اباد بیادہ ب

اس نے ہم میں سے ایک ایک فالم کوالگ الگ کیا اور سے زبانی عہدہ ہا ہا اور سب سے زبانی عہدہ ہالی الگ کیا یا اور سے ایک ایک میں ہوئیات الگ کیا یا اور سے اور سے اور سے اور سے خلافت ند کرد ہے۔ ہم سب نے برطعت اس کا افراد کیا ۔ اس نے کہا ؟ اچھا تواب ہم ہیں سے ایک ایک کیا داری ہے اوراک کومی حالت میں بھی ہا گے۔ ایک ایک کیا داری کومی حالت میں بھی ہا ہے۔ اوراک کومی حالت میں بھی ہا ہے۔ اوراک کومی حالت میں بھی ہا ہے۔ کوئ مارت میں مذکر سرد سد داک رساخہ اور مقالت میں بھی ہا

برسائين ادران كح عبم مح فكوس منكوب اور قيمة مردي بيجران براك كابتراك ديلار ابی اپی تلوارول کا خون اکن نے مبتریت صاحت کر کے میریے باس والیں آجائیں ۔ ہم تحقیں اس کام کے کرینے اور اسے صیغ راز میں رکھنے کے عوض درہوں کی دس دس تھیلیاں اور دس دس جاگیری دیں گے اورجبتک ہم زندہ رہی مے تم میں کرو گئے۔ صبیع دیلی کابیان ہے کہ مم نے وہ تلوری استفایس اور مفرت امام بضا علیت لام سے حجرے یں داخل ہوگئے اور دیکھا کہ آپ لیٹے ہوسے ہیں اوراپنے بانھوں کو اُسلے ہوشے پھھ پڑے رہے ہیں جے ہم دسم میسے یس سارے خلاول نے اکن پر خواری برسانی شروع کردی میں سے ا بن الوارد كددى اوركم وابوا سب كمجد و يحتارا د ايسامعلوم بوتا تفاكه جيد أن كوبهما دس آسني ك ا قلاع تنى اورالسالباس بهن ركما مقاحس برنلوار كاركرنه بور اس كے بعد خلاموں سف ان كالبتراك ب نیسٹ دیا اوروہاں سے نکل کرما مون کے پا*س پریخے* امون نے پوچھیا تم ہوگ کیا کرکے آ سے ہو؟ غلاموں نے جواب دیا ؛ باامپرالمومنین جرحکم آبیسنے دیا تھا اس پریمل کرکے آئے ہیں : مامون سے کہا كر جو كمجيم تم كياب مركز أس كا اظهار مذكرنا _ الغرض جب مسيدی مع نموارموئی تومامون اپی خوابسگاه سے مکل کراپی نشست گاه میں سر برم ہے گریان چاک کرکے بیٹھا۔ اس علے سے اس امرکا اظہار مقعود کھا کہ امام رضا علمیت ا ک وفات ہوگئ ا وروہ تعزیت قبول کرنے کے لیے سیھلے۔ مگر تھے اچانک یا برمنہ انتھا ' تاکہ اہم 'تفا كاحال ديجوكرات ميساس كے إس موجود مقا۔ جب وہ حجرے ميں داخل ہونے لاكا تو كيوكنگناہا کی آواز مشنی اورکوک کربولا- ان کے باس یہ کون ہے ؟ میں نے کہا کا امیر المونین ! مجھے تو بتهنبي : مامون نے کہا ، حاد اندر حلدی جاکر دیکھو : صبیح کا بیان ہے کہمیں فور الحرے میں واخل ہوا تومیں نے دیکھا کہ میرے آ قامحرابِ عبادت میں اہے مصنے پر خاز وسیع میں شغول ہیں۔ میں نے باہر شکل کرکہا ، یاامپر الموشین ! میں نے تودیجھا کہ ایک شخص مواہد بھادت ي منازوسيع ين من خل هـ : ما مون يرسن كركاتين لك اورابلا و خلام سب براعنت كرسم يم في محمد وهوكه ديا . بمجرميري طرف مُرخ كيا اوركها . الت مبيع ! تم ان كور بجيانت بوا جاكرد تحيوكون ماز را صدم ہے۔ میے کا بال ہے کمیں اندرداخل موااور مامون اکے یا وُں معرار حب میں درواندے کی چکھٹ پرمپوئیا تو مفرت امام علی رضاعلی سے آواد دی : یا مبیع اس نے کہا 'میرے آقا 'میں حاضر سوں اور یہ کرمیں منعدے بل گر گیا۔ اور قدم جومے۔ آپ نے فرمایا ، ایمو استرم پردم کرے ۔ اِس کے بعد آپ نے سورہ توب آیت ۲ م کی تلاویت فرانی: يُرِينُ وَنَ أَنْ يُكُفِئُ انْوُمَ اللَّهِ بِأَنْوَاهِ فِي وَيَأْتِي اللَّهُ الْأَنْ لَيُومَ

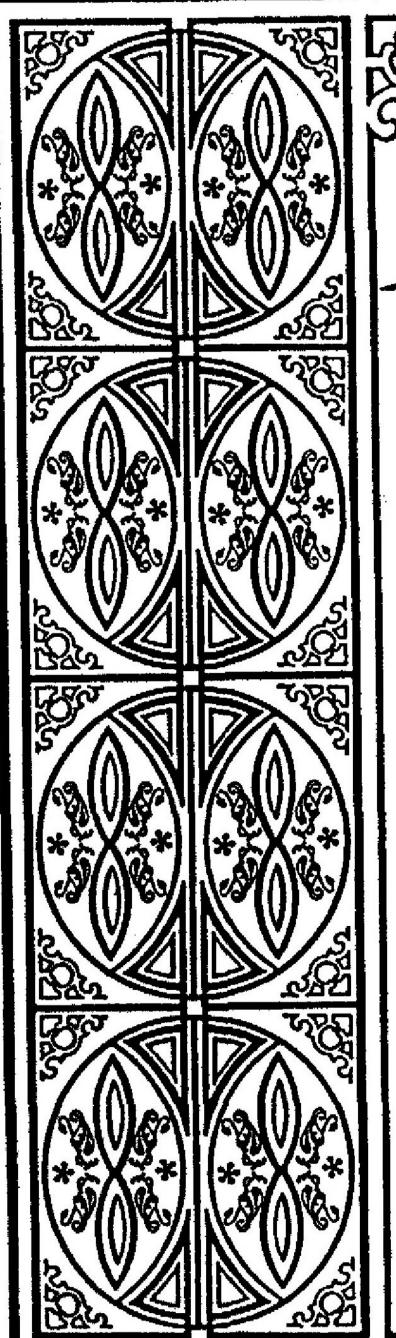
الله گفتیم نوتی و کیوکس ۴ الکایش ون ۵ ترجہ آیت : ۔ یہ وگ چاہتے ہی کہ تورخاکوا پی مجونکوں سے بجھا دیں مجرالشر لیے تورکو تام دكال مك پيونچانے والاہ خواه كافراين كتنابى ناپسندكري " مبیح کا بیان ہے کرمیں مون کے یاس پاٹا تودیکھاکراس کا جروبا کل سیا ہ ولا ہے ۔ وال ازمری دات کے)۔ اس نے مجسسے اوجیا اکہوکیا دیجھ آئے ؟ میں نے کہا ا يا ابرالوشين! خدا کاتسم وه ترليخ جرے بی بیٹے ہوتے ہی بلکہ آنھول نے مجے ا واد بھی دی اود یرسب کچدکہا بھی۔ ہمٹن کراس نے اپنے کرمیابن سے بٹن کھول دیے اورحکم دیا 'میرے ہے مہاس لا كذبهم دياكه أكركون يوجيه توكه ديناكماميس مش أكيامقاراب تفيك بي میر تنم کا بیان ہے کہ پیشن کرمیں نے امٹر کا بہت بہت مٹ کر اداکیا ۔ اس کے بعدمين لينة آقاح فرية امام رهذا على مستلام كى خدمت بي بهوينجا . آب في حب مجع ديجعا توفرا يا اے ہر از جو کھے ہم سے میں نے کہاہے وہ کسی دومرے سے نہان کرنا امگراس سے بال کردیا جس کے دل میں ہم املیت کی محبت ہے ، میں نے عرض کیا ۔ آ قابہ ترہے ۔ میرفر مایا اُن کی کوئی عال ہیں نقصان نہیں بہونچا سے جبتک کہ ممت حیات ختم مز ہوما ہے۔ (مین اخیاران منا جلدم می^{وام - می}الا) » ____سادات اورغيرسادات بي بنياري فرق يشخ مفيدعليه الرحمة نے بریان کیا ہے کہ روایت ہیں۔ ہے کہ حبب مامون خرامیان کی طرون روانہ ہوا توحفرت ا مام رمنا علیست لام می آس کے ساتھ تھے۔ ودمیا ان راہ میں ماحلن یے کہا ، یا ابوالحس میں بہت سوچنے کے بعد اس منتج پر بہونجا ہوں کہ آپ کے اورمیرے معاملا اشب وفقیلت میں ہم دونوں ایک ہیں وونوں میں کوئی امتیاز نہیں۔ کارے اورآپ کے شیعوں ادرمان والول مين جواخلات سب ووقعن حص وموس اورعصبيت كانتجرس حفرت الم رمنا عليكست ام ن ارشاد فرايا بممادى اس بات كا ايك جواسيم المحركم وتوبيان كرول ودنرخا ولنى اختيار كروب. ما مون نے کہا کرمیں تے یہ بات اس لیے کہی ہے تاکہ بتہ چلے کر آپ کی معلومات اس سیسے میں کیا ہیں ؟ امام رمنا ملبرست لام نے ارشا دفرہا یا کہ : یا امرائوشین !میں آپ کوخدا کا واسع دسے كروريا فت كرتا بول كه ، الغرض الترتعال لين بى محدمصطف مى الشرعليد والهوام كو بھرسے دس دنیائے میں فانی تشریعیت سے آئیں اور وہ متعادی میٹی سے مقرکرنے کے لیے تم کو

بِيغِام دِي تَوكِياتُم أَن سے اِپی مِنْ كَاعقدكم ِ دوسكے ؟ ما تون نے كہا بمسبحان اللّٰہ! بعلاكونے شخص رسول اکرم مسل الندعليد والهولم كى بات السكاسي : امام رصا على سيلمية بام في فرمایا ' اچھا ' اِس مستنظمیں متعاری کیا رکنے ہے کہ دسول اسٹرمٹی الٹرعلیہ والہو تم کے لیے شرعًا كيا بيهي جائزيب كروه بهارى بني سے عقد كا پيغام ديں ؟ كيسُن كر ما مون خاموش مدكيا میر ذرا مهر را دان خدای تسم! آب حفرات کارسول الشدسے زیادہ قریبی درشندے ۔ (كتاب عيون والحانس مسيّدوتعني عليدالرحمة) _حضرت على ازروك قرآن بفس رمول بي اسی کتاب میں بہمی ہے کہ ایک دین مامون نے حضریت امام مفاعلرست لم سے کہا ، آپ مفرت امیرالمونین علی ابن آبی طالب ملکیت ہام کی جوسب سے بڑی فضیلت ہواکسے قرآن سے ثابت کریں: آب نے فرمایا ' اک حفرت کی ایک فیضیلت تو آیٹر مباہلہ ی سے ٹابت ہے۔ جب السُّرِيِّعالَى نِي ارشاد فروايا فَ مَنْ حَالَجَ كَ فِينِهِ ... المَ (ٱلْصَمَرُان آيت ١٧) تورسول الشمصلّى الشيطيدوآله وسمّم نے امام سن وامام حين عليها اسلام كوملايا ۔ وہ ووادل آنخفرت ك أَيْنَا دين يرحزت فاطر زير أكو بكايا . وه اس جگر آپ كى ينساً معيس اور حفرت امرالونين علی کوبگایا ِ تو وہ مجکمِ خدا آنمخفرت کے تغین قرارہائے ۔ اور بہسطے ہے کمتمام مخلوقا مت پی رسول النّرصتى النّرعليه وآلهُ وتم سبست اضغىل بير- توار*س كا لادى نيجدسې ك*ه ازدوك تران رسول کے تفس سے می مخلوقات میں کوئی افضل نہیں ہوسکتا مامون نے کہا اکر کیا ایسا نہیں ہے کہ اس آیت میں الشریفے ابناء جمع کے صیغی استعال کیاہے مگر رسول مقبول نے عرف اپنے وولوں ہی فرزندوں کومبلایا ، اور بنیکا آم بعى جَن كَيْ عَدِين أَمُستعال كِيالْتِ مُكَرِيسِولُ التَّرْفِصُونِ ابْن أَكِيلَ بِي كُوبُلْ ياءاس طرح أَنْفُنا بھی جھ کے مسیعہ میں استعمال کیاہیے اوراس سے مرا دحریت دسول مقبول م کاخودا بنام کمن ا*ودا*پنی ذات ہوکوئی دومرا مراود مہور السی صورت میں حقرت مل امرالمی نین علیاست بلم کی کیافغیلت دہ جاتی ہے۔ جیراآپ فرالے ہیں۔ حضرت امام رصناعليست ام سف ارست ادفرايا كم آب ج كي كميت بن يه درست مہیں سبے ۔ایں ہے کہ بلانے والاکس فیرکو المایا کتا ہے تحدا بی ذات کونہیں بلایا عم دينے والاسى اسنے غيركومكم ديتاہے خودائى ذات كومكم بنبي ديتا۔ إسى يلے يددرست بني

کردسول الشرف خودایی ذات کوئلایاتها اودچ نی مها به می رسول الشرصی الشوایی آنده کے اور کسی مرد کوئیس بلایا۔ اِس بات فیصوائے امرالوئین علی این ایی طالب علی این ای طالب علی این ای طالب علی از دوشے کا البتر (قرآن مجد) آن خورت مرک نفس بی اور اُن بی کے بلانے کا حکم قسد آن مجیدی رسول اکرم کوملائماً رسول اکرم کوملائماً رسول کا کا می اور کا کا بیان ہے کہ کیمن کر مامون نے کہا کہ حب جواب مل گیا آوسوال مجی طور مخوضم ہوگیا۔

وادی کا بران ہے کہ میمن کر مامون نے کہا کہ حب جواب مل گیا آوسوال مجی طور مخوضم ہوگیا۔

(کتاب عیون والم الس سیدر تفئی علم الرحم)







بإس



مامون کا آبل بریت کے مخالفین سے بحث ومناظرہ

م مون محتعلق امام كاارشاد

اسماق بن حما دسے روایت ہے کہ مامون صفرت الم رضاطلی الله کوش کرنے اور قربیت جنا نے ہے المہدیت ملیم السّلام کے مخالفین سے مہاحثوں اور مناظروں کی مجانس منعقد کیا کرتا اور آن میں حضرت علی امر المونیین کی امامت اور تمام صحاب پر آپ کی فضیلت کے متعقق بحث کیا کرتا تھا۔ مگر حضرت امام رصا علی سے الم ہے معتبداور باولوق اصحاب سے یہ بتا دیا کرتے ہے کہ دیکھو! مامون کی باتوں سے دھو کہ دیکھو! مامون کی باتوں سے دھو کہ دیکھو! مامون کی باتوں سے دھو کہ دیکھو ایمون کی باتوں سے دھو کہ دیکھا جانا۔ بخدا میں میرا قاتل ہے کی اس معید اجل تک صبر کرنا ہے۔

<u>مخالفين المبيت سے مامون كامناظرہ</u>

اسحاق بن حادین زید کابیان ہے میں نے کی بن آکم قاضی کو کہتے ہوئے مسئاکہ امون نے مجھے حکم دیا کہ میں می ترمین استکلیس اور مناظرین کی ایک جاعت فرام کردول توسی نے محدیث و تعلیاں دونوں قسم کے تقریبا چالیس افراد جی کر دسیا اور پیرائن سب کو لے کر دربار میں بہو کیا اورا تغییں دربان کے پاس بھا کرمیں اندر کیا تاکہ اُنمیں یہ بتا دول کر پہلوگ کس مرتبے اور مزلت کے ہیں۔ مامون نے یش کر کہا اچھا ان سب کو میرے ساسنے لاؤر میں نے انمیس دربار میں حافر کیا ، تو مامون نے اُن سے بڑے اخلاق سے گفتگو کی اور کہا امیں جا ہتا ہو کہ آئ آپ نوگوں کے سلسنے اُس ج تے کوتمام کردوں جو مجھ پر عنداللہ فرمن ہے۔ لہٰذا اب آپ حفرات میں سے جن صاحب کو اپنی خروریات بھی جا بی نے خوات میں سے جن صاحب کو اپنی خروریات بھی جا بی ۔ چنا کی جب وہ قاری کی خروریات سے قادی موردیات سے قادی میں موردیات کے ساتھ میٹھ میٹھ کے تو قادون نے آئ سے خطاب کیا۔

حعزات إس نے آپ کو آن اِس سے زممت دی ہے کہ آپ سے ایک اہم مسئے پرگفتگو کوں اور آپ سے مجی اُم یہ ہے کہ ہم تن گوش ہوکراس گفتگو کومنیں۔
ماحون: شنیے اس ایک خص ہوں میں کا دعویٰ ہے کہ بعدازئی اکرم آب الدعلیہ والہوتم معامون و شنیے ایس ایک خص ہوں میں کا دعویٰ ہے کہ بعدازئی اکرم آب تواہدہ میں میراب دولی معرب مل خیراب مل خیراب اور اب اِس سیسلے میں متجاہے تواہی کی تعدلی وتا تید کریں ورز اسے دد کریں۔ اور اب اِس سیسلے میں اگر آپ معرب موالات اوج بھی تھیں۔
اگر آپ کہیں تو میں جندسواللت کروں یا آپ معراب مجدسے موالات اوج بھی تھیں۔

میمال محدث وجم آب سے سوال ارب کے مامون : بہرو مگر آپ حفرات اپنے طلق یں سے ایک کوکھنگو کے بے نخب کئیں تاكه مروث وہى مات كرے باقى سب سنتے دس رالبتداس كے بعد الكركو كى اور ستخص مزيدكفتكوكرناجاب توده أس كى كولورا كرسكتاب ينامخه ايك محدث في بحث كا أغاز إس طرح كيار محتریث: یاامپرالمونین ! ایک متنعی علیه روایت کی بنام پربهادایه دعوی ہے کہ بعدا زنبی م اكم منى الدّمليدوالهولم أمتت من سب سع بهز الويكرمديق بن اوروه دوا يسب كم آنف ترت نے ارشاد فرایا اسم وك میرے بعد مفرت الويكر صالت اور حصرت عرفا روق کی افتدار کرنالیس جب خونبی اکمت نے بیامکم دے دیا کہ ان دواؤل کی اقتدا مرنا ' تومیز بحث خم ر آنخفرت اسی کی اقتدام کا توحکم دمینے جولوگوں میں سرب سے بہتر مہوگا!' ما مون : يه توآب ي جائة بي كرم اسد ياس روايات بيشاري دابدا اب اس كين بى صورتىنى بىسىكى بى ـ يا توسارى مدائين مي تسليم كرلى جائين ـ ياسى رى روایتی غلط مان بی جائیں۔ یابعین دوایات کومی سلیم کیا جاسے اور عبض کو غلطر آگریم سادی روایتوں کو می سندیم کرتے ہی توسب کی سب اپنے آپ ہی باطل ہوجاتی ہیں۔اِس لیے کہ ان میں سے معیض روایتیں مجھن کی نقیض اور مند مي - اور اگرتمام روايتوں كو غلط كيت بي توس داوين بي غلط موجائے گا اس لیے کشرعی احکامات کا سال وارو مارتوروابات ہی پرسے ۔ اس کے فرورى سي كرنيسيم كرليا جلس كلعص مدايات مح بي اولعض علطر تواب ضروریت اس بات کی موگ کرمسی ممکم دلیل کے ذریعے سے میچ ردایت کومیج ثابت کیا جامے ا ورمع اس کے خلاف جروایات میں اُن کی تفی کردی جلسے مین ج روایات دلیلول سے پی ٹابت ہوں اُن پرلیٹ عقیدے اور مل کی بنیاد قائم کی جا سے۔ لبزاآب سفص دوايت كاواله دياسي اش كاممت كى دييس بى غلطابى اوروواس طرح كريه المرسم سب كرا مخفرت متى الشرعلير وآلم والم حام معا حب ان عكت ي سبب سے برم كرماحي مكمت اور تام منوقات بي سب سے نادا ہے ہیں تو برمکن بی میں کرآئے کسی تا حکن اور محال امر کا حکم فر مائیں اور لوگوں کو

مجدد کریں کہ وہ ریانتداری کے خلاف عمل کریں اور آپ کی بیش کردہ روایت یں میں بات نظراً تی ہے۔ اس روایت میں جن دوافراد کا ذکرہے ان کوجا ہے که وه دونول مرحبهت سے ایک ہوں لیعنی شکل وصورت میں ایک ہوں اور تهام صغات میں ایک بول ر عجسب اگرابسا مچکا تو دوافراد کودد کیسے کہا جا کے گا وہ آوایک ہی ہوئے۔ یہ نامکن اور محال سے کر دوجیزی تام جہات ے ایک ہوں اور میران کو دوکہا جائے۔ اور اگروہ دونوں مختلفت ہی تو بیک وقت دواول ک اطاعت کا حکم بہتے دیاجامکتاہے۔ اس میے کدایک کی پڑی وومرے کی مخالفت پرنتے ہوگی اوران دونوں پس اختلات کی دلیل یہ ہے کم حفرت الديم مديق في ابل رده كوتيد كاحكم ديا اودحفرت عرفاروق كى وأئ متی کرائیں آزاد کردیا جائے ۔ حفرت عمرفاروق نے مالک بن نوبرہ کے مثل کے جم میں خالدین دلیدکڑموزول کرنے کامشورہ دیا ادرحفرت ابو کم صدای سنے أن كى بات منهانى رحفرت عمر فاروق في متع كوحوام قرار ديا ا ورحفرت الويجرين متعكوليت دورس جارى دكعار حفرت عمرفاردن سن بيت المال سے لوكل کے والمینے مقرد کے۔ اور حفرت ابر کجرمدلی نے ایسانہیں کیا۔ حفرت ابر بجرتے ابیے بعد کے لیے اپنا خلیع اور جالنٹین معرّد کیا ' گرحفرت عمرفادوق کے ایسا نبي كيا ، بنكريمعا طرشوري يرجيو الداس طرح ان دونول بي اختلاب ک مثالیں بیشاریں ۔ بھردولوں کی اقتدار کیسے مکن ہوگی ؛ بیشن کروہ محد توخا *وکسٹس ہوگیا*۔ دومرامحديث: مرا تخفرت من الدمليدواله وستم نے يہى توادشاد فرماياب كراكرسكى كواينا خليل منخنب كمرتا توحفرت الوكرم دلين كومنخب كرتاب ما حول : يرمي نامكن السليك تب بى نوگ يه دوايت كريت بي كرة مخفرت مق الشرعليد وآلروتم فيصحاب يست ايك كودومري كامجانى بناسف كمسيط نتخنب فرايا محمر حفرت على كوجهود وياء اورجب حضرت على في سف آت سے اس كاسب معلوم كياتوات نفرايا" ليملمس فيمعين اينے في تنب كياسپ سي آپ حفرات کی یہ دوایت اور وہ روایت زجراد پرجایان ہوچکی) دونول کمس طرح مجمع بوسكى بى ؟ ايك بى يم موكى اور ددمرى غلط - جنامير يه جواب سن كر

دوتمبي خاموسش بوكيا

تنير المحترث : جناب عالى ممرحفرت على في تورم مِن خود كهابه م كم نبى اكرم تى الدُّملي وآله والمرام معداس أتت بس سب سے بہتر الومكر وعظ مي مالون : آپ خودسوچے كريد كيم مكن ہے. اس كے كواكرا مخفرت ملى الشعليدد اً لم وسلم ان دونوں حفرات كوسب سے بہتر سمجند توان وونوں كوكسبى عمود بن عاص سے اور سمی اُسامہ بن زبیسے ماتحت نہ کرتے۔ اوراس روایت کی تكذيب توحضرت على كايرتول كررباسب كدحيب ني اكرم صلى الشعليد وآل وسلم ک وفات ہوئی تومیں آنحفرت کی جانشین کاسبسے زیادہ حقداد تھا جمر میں نے سوچا کہ ہوگ ابھی آبھی توجیندون پہلے مسلمان ہوئے ہیں۔ اگرمیس الجول گاتويد ميركبيس كافريد موجائيس فيزحفرت على في يديمي فرماياكه يدوون ہم سے بہتر کیسے ہوسکتے ہیں میں ان دونوں کے امسال م لانے کے پہلے سے الشرك عبادت كرتا رم اوران دولول كى وفات كے بعد مى الشركى عباوت کرد ہا ہوں ۔ بیمشن کروہ لا جواب ہوا ۔ چوشخا محدّث : گریہ روایت بھی توسیے کہ حضرت ابو کرٹنے اپنادروانہ بند کرنیا مقا اور کہتے سے۔ کیاکوئی ہے جومجھ سے بدعیدہ لے اورمیں اس کے حق می دستردار مدجاؤں ؟ تواس موقع پرحفرت علی نے کہا کہ جب آپ کوحفرت رسول اکرم مى الدعليه والموسلم في مقدم كياب توي آب كومؤخر كون كرسكتاب. ما مول : مريدروايت بي دريدت منهي - إس يلي كرحفرت على توحفرت الوكري بعيت سے فود ہی کنارہ کش رہے اور آب ہی لوگوں کی روایات میں ہے کہ حفزت فاطرز تبراك وفات تك حفزت على بيعت سے كناب كش رسب بلكة هزيم ا یہ دصیّت بھی کرکے نوت ہوئی تعیس کہ مجھے شب کے اندھیرے ہیں دفن کرنا تاکہ یہ دولوں میرے جانے کو مزدیکھ^{سکی}یں۔ ا و دایک دوسری دلیل اِمسس موابیت کے خلاہوسنے کی بیرسے کہ اگر رسول مقبول صلى الشرعليه وآله وسلم الن كوا بناخليع بنا سكت سق تومع أمضي حائز نہیں کہوہ دوسرے کے حق میں دستروار موں اور اسمیں کیاحق مقاکہوہ ایک الصارى سے بيكہيں كمس چا متنا ہوں كرتم توگوں برحفرت الوعبيّن يا حفرت عر كوفليف بناكر فودخلا فتسع دستروار سرجاؤل رجواب معول مقااس يه وه

بی خانوش موگیا به

صنى التُرعليه وآكم وسنمس يوهيار التدكيني عودتول مي سي زياده ليسنديده آي كے نزدمك كون سے ؟ آب فرمايا ، عالمت، - ميرلوچها - اور مردوں میں ؟ آپ نے قرمایا 'ان کے باپ۔ مامول : به روایت بمی درست نہیں ۔ اس سیے کہ آپ لوگوں سے پاس یرا کیے بہت مشبود اودمتوا ترروايت سب كه ايك مرتبه آنخفرت مستى الشرع ليرداك وستم ك سامنے ایک بھنا ہوا طائرر کھاگیا۔ توآپ نے دعاء فرمائی کہ پروردگارا اچو تیرے نزدیک ساری مخلوقات یں سب سے زیادہ مجوب اورلی ندیدہ مخص مواس کواس وقت بھی دے رتوالٹرنعالی نے حضرت علی کو مھیج دیا۔آپہی بتائیں کہ اس متواتر دوایت کے سامنے آپ کی بیش کروہ دوایت کوکس طرح : قبول كيا جائے۔ جِهِمًا محدّرت : جِعزت عَلَّ نے توخودہی کہا ہے کہ جِنْعَص مجعے حفرت الوبکر مدلق اور حفر عرفاردق برافضليت دسے كابس كوميں اشنے تازيانے ليكاؤں كاجتى كم ايك مجوف أوديفري يرمدمارى كا جاتىب ما مول : بر كيونكرمكن بوسكتاب كه حفرت على ايداكبين كه جس برا زروش مشررة كوئى حدثهي أس برمس حدِمت رع جارى كرون كار إس طرح توامخون نے ود صدودِ الني سے تجاوز ا ورحكم خدا كے خلاف كيا ۔ إس ليے كم ان دولوں سے كى ك افضل بجناكوني گناه نہيں ئے۔ ا در کھرآ ہیں اوگوں نے توخود خلیفہ اوّل سے روایت کی ہے کہ مجعے تھے نے اینا دالی توبنا دیا کے گرمیں تم لوگوں سے مہتر نہیں ہوں۔ اب آپ ہی بتائیں کم ان دونوں میں سے کون سچاہیے ۔ حفرتِ ابو پیرججج اپنے لیے یہ اعلان کردہیے ہیں یا حفرت علی جوحفرت الو بگرے لیے یہ کہ دیسے ہی رجیاکہ مذکور موطلہ ہے) اوران دونوں مدینوں یں جو تناقص و تصادیب وہ توانی مگری کھنا يدب كدهفرت الويجر الي اس قول من سيخ بي توكس عد تك ؟ الرسيخ بي توسول يربدا بخالب كداكنين يركيب على ميرا ؟ مذيع وى ؟ تو وحى كاسلسد تؤمن على بو چکا۔ اب برکردہ فود اپنی بی نظریں لیسے تقے ؟ اس کامطلب بہے کہ وہ لیے متعلّق مشكوك منفي إدراكروه لين اس قول مي ميتي ند منفي توابسا شخص جوملمانول

با مخال محدث، ایک دوایت میں یہ بھی توسیے کہ ایک مرتبہ حضرت عروب عاص نے آنجفرت

كاوالى بودجواحكام امسلام كيرتفاؤكا وترداديو بومسلمانول برمددو امسسلامی جامی اوروہ کا ذب ہو۔ یہ مجیب پاست ہے۔ یہ ج اپ مسن کروہ میں خانوش ہوگیا۔ ساكوال محدث : مرمديث بي يمي توايل مي كرا مخفرت من الشرعليه والروهم في ادفروايا كحفرت البيكا اورحفرت عرف يه دولول جنبت كي بود مول كن سرواديها-مامون : أنفرت من المرمليد والروام كايفروانا عي مكن بني - إس يد كرونت ي المرحايانيس موكا وينا يخد مديث س سه كدايك معيد اب كافديت ب عافر مونی۔ آپ نے فرمایا سلے منعید تجھے خرمجی ہے کہ کوئی بوڑمی مورت جنت یں داخل نہوگئے۔ بہشن کردہ رونے لگی۔ آپ نے فرمایا بھیوں روتی ہے۔ انسطالے "إِنَّا ٱنْشَأْنَا مُنَّ إِنْشَاءُ فَجَعَلْنَا مُنَّ ٱلْكَارًا عُرِيًّا اَثْرُالًا ر سورهٔ واتعه آیت ۲۵ تا ۲۶) ترجراً بين من كوخل كري كما ودائنيس باكره اوداً بيس م من مبيليان بنادي كمر " لينى وإلى بردر صايانهي بوكار اب أكرات يهبي كد عفرت الويكر اور مفرت مرخ بی جوان موکرجنت میں جائیں گئے توآپ توگوں کے بیاں یہ دوایت می موجوعہ كرآ مخفرت ملى الشرعليه وآله وستم في ارشا دفراياس كدمن وحيث سرواري جوانان مِنتك خواه وه ادلين ميس عرون يا آخرين ميس اوردولول ك والدين ان سے افضل وبہتر ہیں ۔ بدمسکت جا مرکن کروہ بمی خاموش ہوگیا۔ أتمقوال محدّث و ال كرانفل بون كي دسيل به كرا مخفرت في والأكراب وكوا اكرس متعارب ياس ني بناكر دبيجا جاتا توحفرت عرق كوني بناكريمياجا ما-مامول ، يمي نامكن مير كيونكه الشرتعالي كاارشادس ، و ، جي نا من سهر سيوند التربعان والرشادي : -" إِنَّا اَوْ حَدِينَا إِلَيْ لِكَ كَمِمَا آوْ حَدِينَا إِلَىٰ نُوْجٍ وَّالْتَبِ "بِيْنَ مِنْ لَعِدْ لِ عِلْمَ السَّاءُ آيت ١٧٣) ترحمة بت: الدرسول ابم في متمادے باس می تواس طرح وی بجی بین طرح اور الن مع بعد والے سفیروں معنی می ۔" ادردوسری میک اسرتعالی کاارشادسے: " وَإِذَ أَخَلْ نَامِنَ النَّبِيِّنَ مِنْفَا لَهُ عَرُومِينُكَ وَمِنْ

تُؤْج وَ إِبْرَا فِي يُعَرَّفُهُ سِي وَعِيكِنَى ابْنِ مَرْتِيعَ (مِنْ الْمَرْتِيعِ (مِنْ الْمِلْدِ) تزمِداً بت: " الدائب دسول؛ وه وقت بالحروجيب بم ف ديمِ م في ولات اللغاص كم تمست اوراوع اودابرائيم بورموشى اودمريم كمبطي عينى سے مهدويميان ميا " ابآب بى بتائين كركيايه جائزيك الشريقاني جس سے خاص فورىد عبدومیثاق مے اس کولونہ مجیج اورس سے کوئی عبدومیثاق میں لیا گیا اس کو بميح دسے۔ بيشن كروہ بمى لاجواب موكميا۔ توال محدث : يه ده نوك بي كرجن برالله تعالى فزومها بات كرتاب بي يائد أنخفرت ملى الله عليدواله وسنم سے دوابت ہے کہ آپ يوم عرفه میں حفرت عرفادوق کود يجو کومکرائے اودفرايا الشرتعانى لين بندول بريالعوم أورحقرت مرابير بالخعوص فخرومها إت ما مول ، بيمي تامكن اورممال ہے۔ إس كي كمانشرتعال ينهي كرم كما كر حفرت عُر ب فؤكيا اورايين محبوب في كوجيوالدي حقرت عرف كاشارخاص بندول مي بواورلين مجوب بي صلى التروليدوالهوسم كاشارعام بندول بي بور اوراب كى روایات کود پیھے مدے اس روایت برکوئی تعجب بی نہیں ہوتا۔ اس سے کہ آپ كے بہاں ير عي توروايت بے كم آنخفرت صلى الشعليد والم كستم في والا كرجيني جنت میں داخل مونے لگوں کا تو مجھ کسی کے یاؤں کے جو توں کی جاپ سنائی ہے گ اورد بحیول گا که حفرت الجار نوکے خالع حفرت بال جمعیسے پہلے جسّت یں دائل ہورہے ہیں۔ اوداسی بنا دیر حبب شیعہ یہ کہتے ہیں کہ حفرت علی محفرت الوکھیسے بہتر ہیں۔ تو آپ جاب میں ہے ہے ہیں کہ حفرت البیکٹ کا توخالکم می دمول الشرصلی اللہ عليه والمركستم سے اضعنل ہے كيونكرسابق انفل ہوتاسي مسبوق سے ، نيراب لك بيمي روايت كرتيري كرجب شيطان حفرت عرفادون كواتا بوامموس كمرتا تعا قرمجاً گر جا کا مقار محر دسول اکرم کے منعرسے اس مشیطان نے انھسن الغرانيق العدلى تكنمازين كبلاد يادتونتول آب كيمشيطان معزت مرس ومعاك جانامنا ومكرحفرت دمولي اكتم س كالمركو تك كبلاد ياكرنامنا امون كا جواب معتول مقاء محدث بيجاره كمياكب و خاموش بوكيا-وسوال محدث شنے ۔ نیمن سرملہ وآل کستم کا ادران دسے کواگر عذاب ازل ہوتومیدی امتت می سوائے عمر فارڈن کے اورکوئ تین بچ سکتا۔ واب اس سے بڑھ کوانفیات

کی اور کیا دسیل میرکی۔) ما مون و محربه روایت تونعی قرآنی کے مرام رخلات ہے۔ اشرتعالی فرما تلہے: وَعَاكَانَ اللَّهُ لِلْيَعَتَ فِي بَعْتُمْ وَآنَتْ فِي هِدُولِ وَلَالْعَالُهُ بِنِكَ ترجراً بت : اے رسول!' جبتک تم ان لوگوں کے درمیان موجود موالٹران پرعذاب منیں کرنے گا۔" آپ ہوگوں نے تواس دوایت کی بنا برحفرت ممرُ کوحفرت دسول اکرم کےمشل بنا دیا۔ ریر جواب سن کریر محترث بھی فاموش موگیا۔) كَبِالْعِولُ مَحْدِثْ : الجِها اس بن توكونى شك منهي كرا مخفرت ملّ الشعليد والمرتم في فولكا إ دی ہے کہ حفرت عرفا روق ان دس معابہ میں ہے جی جو جنبی ہیں اور جنبی جنت ک بشارت دے دی گئی ہے ؟ مامون ، اگرایسا بوتا جیاکه آپ نوگان کاخیال ہے قومفریت عرق بار بار حفریت مذابعہ يدد كيت كرمين تمعيل خدا كا واسطر دے كراد حجة اميوں ، بتا ؤ ، كيامين بجي منافقين مى سے بوں ؟ غوركيجي راكر دسول اكرم من الشرطيد والم وستم نے ال سك متعلّق بدفروا وياستماكهم حبتى مور توكيا الن كورسول اكرم كى بأت كاليقين مدمقا اود وه مذليغ سے اس ك تصديق جلستے تھے ؟ اس كامطاب تويہ اكد وه حفرت مذلية كوتوسيّا جانت تق مكر دسول اكرم كومبي . اگرايسا ب توران كه اسلام بى كى نفى كرتائي . اوراگرده رسول اكرم كوستجا جائتے ستے توب بنائيس كريم أخول نے حفرت مذابعہ سے بارہا رکیوں دریا فت کیا۔ مبرحال عشرہ مبشرہ والی دوایت اورمذلیفہ والی روایت یہ دونوں آپس میں متناقص اور متنفادمی - رمخت کے بایں اس کا کوئی جواب نہ مقا۔ وہ خاموش ہو *گیا۔*) بارمہوال محترث : نبی صلی اللہ ملیہ والرک تم نے بہمی توادشا دفریا یا ہے کہ میری ساری اُمّت كومرانوك ايك يتع بن ركاكيا وردوس يتي ب مجع دكاكيا تومرامية مجارى ربار بميرسفح أتاركزمرى مكرحفرت الدبكر كودكعاكيا تواث كايتري بجادى رما _ معراک کواتا رکراک کی جگہ حفرت عرق کورکھا گیا ۔ اُٹ کا بیٹر مج مجاری رما بگراس کے بعدوہ تراِنوی اکھالی کئے۔ ما مون : جنب بهنامكن ب. إس يك كه يه دومال سے خالى بنيں - بيال ياتوان وواؤں کے اجمام کاوزن مرادیے یا اُن کے اعمال کا۔ اگران دونوں کے اجمام کا

وزن مرادب او دنیا جاسی ہے کہ یہ ناملن ہے کہ ان کے اجہام اتنے وزئی موں کہ مادی اُمت کے اجہام اتنے وزئی افغال کا مسادی اُمت کے اجہام ہے بھاری ہوجائیں۔ اب رہ کیا اعمال و افغال کا وزن ، تو وہ کچھ دانوں کے بعد تو دہے نہیں ، ان کے اعمال کامسلہ جلدی ختم ہوگیا۔ گرکچہ لوگ ان کے بعد تی زندہ دہے اوراعال بجالاتے ہے بنرمیب سے وگ توامی اُمت کے بیدا بھی نہیں ہوئے بھران لوگوں کے اعمال سے توازن کے کہا معنی ؟

اچھا، آپ حفرات بہ بتائیں کہ ایک کودومرے پرفضیلت کی بنا پر ہا ہے ؟ کسی نے کہا اعمالی صالح کی بنا پر ۽ مامون نے کہا ہی بر بہ بتائیں کہ زیادہ سے زیادہ عہد نی بک ان کے اعمال کا بلہ بھاری ہوسکت ہے مرجن لوگوں کا بلہ ہکا تھا اُنموں نے تو بعد نی بھی اعمالی صالحہ ابخام دیے کیا اُن کو بھی اس میں طادیا جائے گا؟ اگر آپ کہیں کہ ہاں تومیس عہد حاصر کی مثالیں پسیش کموں گا۔ ان میں ایسی ہستیاں ہیں جنوں نے ان دونوں سے ذیادہ جہداد کے ان سے ذیادہ تازی پڑھیں ان سے ذیادہ حدمات و رکوۃ دیے۔ لوگوں نے کہا ، یا امرالومنین آپ نے ہے فربایا مہارے ذیارہ مدالی میں جونوگ ہیں ان کے اعمالی میا کے عہد نی کے ذیارے کوگوں سے ذیادہ ہیں جونوگ ہیں ان کے اعمالی میا کے عہد نی کے ذیارے کوگوں سے ذیادہ ہیں دونوں کا توادن میں ہوسکتا۔

مامون نے کہا اچھا ذرا آپ اپنے ان انکہ کو دکھیں جن سے آپ نے دین حاصل کیا کہ انتخول نے حفرت علی کے فضائل میں کتی روایات نقل کی ہیں اور کھی میٹرہ میں سے معرض میں میں اگر عشرہ میٹرہ میں سے معرض میں میں اگر عشرہ میٹرہ میں ہوجائیں سب کے فضائل کے برابر جی ہوجائیں توہیں آپ حفرات کی بات تہ ہے۔ اور اگران انکہ نے میٹرہ میٹرہ کے فضائل سے زیادہ حفرات کی بات تہ ہے۔ اور اگران انکہ نے میٹرہ میٹرہ کے فضائل سے زیادہ حفرات میرے وقف کو تھیں ہوگئے ۔

ما مون نے کہا ہے است ہے ۔ کیوں خاموش ہوگئے ؟ انفول نے کہا بس اس سلے یں ہیں جرکچر میٹی کرنا مقا پیٹی کرھیے ۔ مزید ہم کچ کہنا بنیں چاہتے۔

مامون کے محدثین سے سوالات سوال : پہل بات توبہ بتائیں کہ بعثت ان اکرم صلی الٹرعلیہ والہ دستم کے وقت کون ساعل مب سے افعنل مقا ؟ جواب : اسلام کی طرب سبقت کرنا۔ اس میے کہ انتراتان کا ادشادے ۔ " وَالسَّالِقُونَ السَّا يِعُونَ الدليك الْمُقَمَّ بُونَ . رسمه والعراية ا مأمون وكيآب كيمعلوم ب كرهفرت على عليركست بأم سي بيك ك اور في يمى اسلام كي الموت سبقت کی تی ؟ جواب : نہیں۔ سب سے پہلے حفریت علی علیمت اس مام لائے۔ گروہ امی نابالغ شخصے اور نابالنے کا امسال معترمنہیں۔ اور حفریت ابو مکرمدیق بڑھائے ہیں امسال لا سے ان کا اسلام معتبرے۔ ما مون : خير! محرية وبنائي كر حقرت على عليكست لام كيون السلام لات و كياآب كوالميام بوا مَمَّاكُمْمُ المسلام لاؤ - يا يركه دمول عبول شنه آب كودعومت المسلام دى متى اگرآپ يكبين كرامنين بزرلية الهام حكم ملائقا، توي آپ دسول متول سيمي العل بدئ ۔ إلى كے كم الخفرت كوالهام منبي بوامنا بلك مفرت جربلي الترتعا لے كى طرحت سے نازل ہوشے اور ایمنوں نے آمخعرت کودعوت دی اور بتایا: اور اگر آپ برکہیں کہ دسول متبول کے حفرت علی کودعوت دی تھی تو مجریہ بتا ہی کہ جناب رسول معتبول کے آپ کو یہ رعوت اپی طریب سے دی یا خدا کے حکم سے دی ؟ اگرآپ لوگ پر کھنے ہیں کہ اپی طروت سے دعوت دی تو یہ آپڑ آئی کے خلاف ہے۔ تران مبدس تويه ب كم" وَعَالَانَا مِنَ الْمُتَكَلِّفِينَ ." وسُورهُ مِنَ آيت ١٨) اوردوسري مِكرادشادست". وَمَا يَنْظِقُ عَنِ الْهَوْى إِنْ هُوَ إِلاَّوْتِي يَوْجِىٰ وسورة النجرة يت) رسول متبول ابني مرضى سي كيدن بي كيت جبتك كم اں کے پاس الٹرکی طروت سے وحی نراآ جا سے ۔ اس كامطلب تويه بواكه الشرف لين رسول كوحكم دياك بخول ميں سے على كو دعوت المسلام ويبجير للزاآ تخفرت كى دعوت السلام اورمعزت على كااسلام لاأ دونول لائق وتوق اودمعتري - اورسيس پرايك سوالت اورميدا بوتاسي كركيا فارا مكيم كے بيے يہ رواہے كروہ ائى كى ممئون كواليے كام كامكم دے جواش مخلوق كے

طاقت اوربساطست بابرمو؟ اگرآب كاجواب اثبات مىسى توركفرسى اوداگر آپ کا جاب فی می ہے تو مجریہ کیے روا ہواکہ الٹراپنے دسول کا کومکم دے کہ تم ایے شخص كودعوت المسلام ووجرايين كپين الني كمسنى ابى نا بالغيتت كي وجه يعدويت قبول كرف كے قابل نہيں۔ دوسواس الت يسب كركياآب مفرات ني كبي ديجاب كأنخفر نے بخیل میں سے معمی کسی اور نیکے کو دعومت امسالم دی ہے تاکہ اسی دستور کے حالی آنمغرث نے حفرت مل کومی دعوت دی۔ اگر حفرت مل کے مواہمی کمی بچے کوآپ نے دعوت المسالام نہیں دی " توبرحفرت علیٰ کی مخصوص فضیلت ہے بمتسام دنیا اس کے بعد مامون نے کہا۔ اچھا، یہ بتائیں کہ سابن الایمان ہونے کے سوال: لبدسب سے افغل اور برتر عل كياس ؟ چوارپ : اعفول نے کہا ۔جہاد فی سبیل الٹر۔ سوال: یہ بنائے۔ کیاآپ وکل نے مشرہ مبشرہ بی سے کسی ایک کے لیے می اُن کے جہاد سے کا رناموں کی اتنی حدیثیں روایت کی میں جتنی غروات دمول کے مسلسلے میں حفرت علیٰ سے بےنقل کی ہیں ؟ مثال کے طور پرآپ دیکھیں سے عزوہ میرسے کرحس میں مشركين مي سے ساتھ سے كيرزائد قتل ہوئے جن بي سے حفرت على نے بين سے بچھ زائد آدمی فتل کیے اور جب کہ ساں سے سلم مجامین سنے مل کر چالین قتل کیے۔ بيك كرايك محدث في كها: ا بك محدِّث : مُرْحفرت الدِبكر توغروه بدرِّي دسول كه ساخوع سنة (ميان) پرنينج بديم جهاد كاانتظام كررس عقي والمون و يه تواب في ميب بات أبي ب راجها وباني كركيا دونتي ك عسلاده كونى اورانتظام كررس متع يا نجلك انتظام مي شريك ستع يا ايركم انحفرت كيف انتظام مين حفرت الومكركي رائد ادرمشورسه كمعتاج مقع ؟ آب حفرات اِن مینوں باتوں میں سے کوئی ایک بات سلیم *کری* ۔ ووسرامخدست : خوار كريد اگريم يمين كران كا انتظام ني سه الگ منا يا ده انتظام ين ني کے شریکے ستنے ۔ یا نبی کواٹن کے مشودسے کی احتیارہ متی ۔

مأمول: : بيرمفرت الديم كوجهاد زجنگ كاميدان) جود كرع يت يريين دسن مي كيا

مضيلت عاميل موكى اور اكريى مضيلت ب توجير ولوك ونك كاميدان رجهاد بالتيعت) چودگرينيم گئے اک مجابرين سے انفل تسيم كم نا برسے كارمالا كم الشرتعافى كاارشادى : " لَا يَسْتَوِى الْقَاعِلُ وْنَ مِنَ الْمُؤْمِنِيْنَ غَيْرُ ا ولِي الطَّيْرِيرِةِ النُجَاهِدُ وْنَ فِي سَبِيلِ اللهِ بِأَمْوَالِهِ فَرِوَانْفُيهِ فَوْ فَضَلَ الله المنه المنه المواله مرد آننس في على الطعياني درج ا دَكُلُا ذَعَلَ اللَّهُ الْحُسْنَى ﴿ وَنَصْلَ اللَّهُ النَّهُ النَّهُ عِلَى إِنْ عَلَى الْقُعِينِ يُن أَجُرًا عَظِينًا ٥ (سورة النارآية ٥٠) ترجرا يت ومعذورون كم سواجهاد سعم مع جعيا كريم في الاور مذاك راه يم البين مال وجان سے جہاد کرنے والے مرکز برابر بہیں ہوسکتے ۔ بلکہ لینے مال وجان سے جہاد کرنے والوں کو گھوٹی سیطنے والوں پرخدا نے درجہ کے اعتبارسے بڑی فقیلت دی ہے اكمي فدافيان والول سع خواه جهادكري يانهكري بعلاق كا وعده كربياب گر فازایل کوخارہ نشینوں پرعظیم تواب کے اعتبا دسے خدانے بڑی فقیلت دی ہے سورهٔ دهرکی تلاویت: اسحاق بن حّاو بن زمد کا بیان ہے کہ پیر ما دون نے مجھے سے کہا ، ذوا سوری هل ای علے الانسان کی تلاوت تو کرو ۔ میں نے تلاوت شروع کی اور جب إس آيت يربيونها و كيطيمون الطّعام على حبه منكناة يَتِيًّا وَّ ٱسِيرًا الداس ك بعد و كَانَ سَعَيْكُوْمَ شَكُوْرًاه تك تلامت كرتا بها بهري اقد المون ف در إنت كيا ، بنا ذير آيس ك ي الذال بون بي ؟ ميں نے کہا كريرب معزت على كے بے نازل برق بي : مامون نے كہا۔ ا بنا و تعادے یاس کوئی الیس دوا مت مپونی ہے جس میں اس کا ذکر موک جب حفرت مل ن مكين اينيم ادراميركوكعانا كملايا توان سيكها يوكه إنستا نطع مست مر يؤجه الله لا نُرِيْدُ مِنْكُ مُ جَزَّاءٌ وَلا شَكْورُاه يعن ہم تمیں اسٹری فوشودی کے بیے کھانا کھلارہے ہی تم سے داس کی جزاج استے ہی اورداس كاشكري" رجياكة رآن بى خكورسها، ميں نے كيا ابي : مامون ا کہا تواس کامطلب یہ ہے کہ انشرتعالیٰ ان کے دلی مجنیداوران کی نیست کو دیکھتے the said and the said of the s

كرالترتعالى نے اِس سورہ يى جنت كى توريث كے بيے جوالغا ظرامستعالى كيے س ووسی اوریشے کے ہے می استعال کے میں ۔ رقوار میرمت فضت ، یں میں نے کہا ! بہیں : ما مون نے کہا بھر بے دوسری فضیلت ہوتی ۔ محرمعلوم رہے كرجانرى كالمشيث كيها بوناب میں نے کہا : نہیں : مامون نے کہا ، اس کامطلب یہ ہے کہ وہ چاندی کی طرح سغید اودمشینے کی طرح لبطیعت کم اندرک چیز دابرسے نظرائے۔ جیباکہ آنخفرت صلی انٹرملیہ وآلہ دستم نے فرمایا۔ میں ابوطلمہ کے کھوڑے پرمواد ہوا تواسے ایسا پایا جیسے سمندرکی موج ہو۔ لینی اپنی تیزرنتاری میں سمندر کی موج کے مانند مخاریا۔ جيے قرآن ميرس الترتعالى فروايا: وَكَانِيَبُهِ الْمُوْمِثُ مِنْ كُلِّيّ مَكَانٍ وَّمَا مُوَبِمَيِّتٍ ۗ وَمِنْ وَيُرَاشِهِ عَنْ ابُ غَلِيْظُ وَ الرورةُ اللهِم آيت ١١) ترجيه آيت: " اور اسے موت بي موت برطرون سے آئى بوئى دکھائى وي ہے۔ حالانكم وہ مارسنے سے بھی مہمرسکے گا اور بھراس کے بیجے تیمیے سخت عذاب ہوگا۔" مأمول : العاسماق إكيام ان لوگول بن سعنهي بوجواس امرك كوائى ديت بن كه عشرهٔ مبشر وجنت میں ؟ اسحاق: بي إل مامون : اجها، منماری کیا دائے ہے استخص کے بیے ج یہ کیے کریتر بہیں یہ حدث میں بھی ہے یا نہیں ۔ توکیا اس کہنے وہ کافر ہد جائے گا ؟ و جى نيس ايسل كنف سه كافرنيس بوسكار اسحاق ما مون : احیا ، اب اس شخص کے متعلق متماری کیادائے ہے جویہ کے کریترنہیں کریے مورة دمر فرآن مي ہے جى يا نہيں لوگياوہ اس طرح كيفسے كافر ہوجلسنے كا؟ اسحاق : جي إن وه كافريد جائے كا۔ ما مون : اس طرح تومیری رائے میں حضرت علیٰ کی فضیلت اور زیارہ محکم ادر توکد بولی بمحد مدسية طير كمتعلق ما مون ول اساق البهاؤ مديث طركمتعلى معاد اكيا خال ب كيابعا

و جي إن سيحسب اسحاق مأهون : مجرتو فدا كاتم متمارا على سي تبغض وعناد ظاهر يوكيا. إس يا يكد يا تو « حفرت على ايس مقصص كى دعا رسول معول في فرمان عنى يا وه اليسي نديم بچرالٹرتعالی کومعلوم مقا کرمخلوقات میں سب سے افضل کون ہے ۔ گراس کے باوجود غیرافضل المٹرنعالی کے نزدیک سب سے زیادہ محبوب ولہندیدہ منا - يام برتهاً إخيال شايديرب كالتريقالي كوخودمعلوم مرتفاكه افضل کون ہے اور غیرافضل کون ہے ؟ اس سے اپنی لاعلی کی وجہ سے غیرانفل اس كے نزدیک زیادہ لبسندیدہ ہوگیا۔ بتاؤ۔ ان تمام شكلوں میں سے كوئن مى شكل تم اختيار كريم ؟ (يعنى حديث طيركومي تسليم كرف كے با وجود حفرت على ك افضليت الكادكردينا بغض على كا فبوت ب " داوی کہاہے کہ اسحاق کا بیان ہے کہ ریس کرسٹی تھوٹری دیر تو خاموش رما مجر بولار آبيت غار (سورة كوبه) اسحاق يا امير المؤنين! الترتعاني مضرت الومجرصدين في متعلق ارشاد فرماتا م تَّارِيْ اشْنَيْنِ إِذْ هُمَا فِي الْغَامِ إِذْ يَقَوْلُ يِصَاحِبِ لَا يَحْزَنُ إِنَّ اللَّهُ مَعَنَا (سورة توبه آيت ٢٠) ترجب آبیت : دو آدمیوں بی سے دومرے (لینی دسول) نے ، جبکہ وہ دولول غارمی تھے لين سائتى سے كہا، حزن ومالل مذكرو الشريقينًا ہمادے ساتھ ہے " توالبرنغائي نے اس آیت ہیں ابریج کومحبت ومصاحبت کونئ سے مسوب ما مون : لغت اوركتاب الله كاعلم وإقعام كوبهت كم معلوم بوتاب كيا ايكا ایک دومن کامصاحب بنہیں ہوسکتا۔ قواس مصاحبت سے اس کا قریب کیا فضیلت آگئ ۔ کیاتم نے قرآن مجیدیں برآیت بہیں پڑمی قَالَ لِهُ صَاحِبُهُ وَهُوَ يُجَاوِمُ لَا ٱكْفَرُتَ بِالَّذِي خَلَقَكُ مِنْ تَرَابِ شُمَّ مِنْ لَكُفَةٍ شِمَّ سَوْمِكَ رَجُلَاد سُوا كُن الله ترجم آست : " اس کاسائق (معاجب جوانس سے ماتو کر دامتا کینز (گاکر) آوائی معلکار

كامنكيب حس في مجمع ببيامي سه بيداكيا " بعرابطف " بعرجم بالسكل تفیک تفاک مرد (آدی) بنایا ۔" تواس آیت بس اللرتعالیٰ نے ایک کافرکوایک مؤن کامراحی اورمقاب کہاہے۔ نیرع کے شعرا منے توائی مواری کے محود ہے اور کدمے کومی این سامتى ا درمصاحب كهاب، يجر أكرحفرت الديك كوريول عبول كأسائتى ادر معاحب كبربا تواس من كون سى فضيلت آگئ ـ اورسورة لوب كى اسى آميت مين الترتعاليٰ كايرارشار (إنَّ اللَّهُ مَعَمَّا) بینک فدا بهادے ساتھے۔ تویمی کوئی فضیلت کی بات نہیں۔ السّرتو برمکوکار اوربدكاد كه ساعقيه كيام فرآن جيدس الديعال كايرادشادنبي فيما ؟ مَا يَكُونَ مِن جُوى ثَلَاثَةٍ إِلَّا هُوْ مَا الِعُهُ وُ لَالْحَمْدِ وَلَا خَمْسَةٍ إِلَّا مُوسَادِسُهُمْ وَلا آدُن مِن ذَالِكَ وَلا أَكُنْ اللَّهُ وَلا أَكُنْ اللَّهُ مُو مَعَدَمُ أَيْنَ مَا كَانُوا وسورة المحادل آيت ،) ترجراتيت : "جب بين آدميول كاخيرمشوره موتاب تو ده (الله) عزورات كا چوتماسهاود جب بای آدمیول کامشوره موتاب توده داشد یان کاچمنا وداس سے کم بول یا زیادہ اورچاہے کہیں بھی بول وہ داش ان کے ساتھ مزدرہوتاہے۔" بعراشي آيت بي لا تتخرين كالغطب يعنى معرت الديم سے كماكياكم مُزن و عم ذكرور توبہ تما ميے كرحفرت الديجرے حُزن كواس موقع پركياسمجها جائے۔ ا ماعت الني سجهاجاك يامعميت اللي ؟ الراب اس مُزن كوا طاعت اللي سمجیس کے تواس کا مطلب یہ ہوگا کہ دسول متبول نے مفرت ابو بمرکوا طاعت الی سے روکار اور یہ ایک صاحب حکمت نی سے بہت بعیدہے کہ وہ کسی کوا لماعت الی سے روکے۔ اوراگراک کا برخزن معصیت اللی ہے تو پی ایک معصیت کار کے لیے کیاف خیلت رہ جاتی ہے۔ اچھا کے برمیں اس آیت بی پر نفره می ہے کہ فانول الله مَسَكِينَتَهُ عَكَيْدٍ وسِ الشريقال في إنام كينداك يرنا ذل كيار ويبائي كرمسكيدكس يرنازل بواع اسحاق : حفرت البربخ بريونك بي اكرم مل الدمليه والهوسم توسكيز ميمتغن بي -اک کواس کی حروبہت متمی ر

ما مول : ایم ایسا ہے تو تھراس آیت کے متعلق آپ کا تیا خیال ہے : " رَيُوْمَ خُنَيْنِ إِذْ ٱلْحُبَنَكُمُ كَثَرُكُكُمُ فَكَوْفَكُونَا عَنْكُمُ ثَيْنًا وَّ صَافَتُ عَلَيْكُ كُوالْاَرُضُ بِمَا مَ حَبَتْ ثُمَّ وَلَيْتُهُ وَكُيْتُهُ وَكُيْتُهُ وَكُيْرِيْنَ ثُمَّ ٱنْزَلَ اللَّهُ سَكِيُنَةَ عُلِأَمَ سُؤلِهِ وَعَلَى الْمُثُومِنِينَ • رسورهٔ توید آیت ۱۷-۲۹) ترم، آیت : ر جنگ کنین کے دن جب تمیں اپن کٹرت تعداد نے مغرود کردیا تھا بھروہ کٹرت تمارسه کچه کام مرای اور زمین ما وج د وسعت سے تم پرتنگ بوگئی بھیم چھی مجر کھر بماگ نکلے ، تب الدّے اینے دیول پر اورمونین پر اپنی طرف سے کین نازل فرائی " متين معلوم ہے كم الله لغالى نے اس حكم موسين سے كن اوكوں كو مراداتيا اسحاق: مجيم سوم نهير. ما همون: مجمع سے منو المسلمانوں نے غرور وسین سٹ کست کھائی اورسب فرار مو گئے۔ بیغبراک ام کے ساتھ بن المشم میں مصے صرب سات ادمی رہ گئے۔ ایک حفر على جوتلوار على دسي عقد دومرے حضرت عباس جوآ محفرت كي كوريا كى ر المام مقاے ہو ئے متع اوران کے علاوہ یا کی اُدی دسول اکریم کو لینے حلتے ہیں يه بري مع معن إس ون سع كم كفّار آي كوكزندم بهوي اسكى و ننب النديغا لينسف ليبين دسول كونتع وكامرانى عطافرمانى وإس توقع برمومنين سينتفر على اورى المشم كے حيواشخاص كومرادايا واب بتائيں كمافضل كون سے وو كرج رسول كرساخة دما اورسكينه أس يرنا زل بوا ، يا وه كرج رسول اكرم كرسائة بستريسوك برشب بسري ليه اسحاق ابمهم انعان سے کہوکون افضل ہے ؟ آیا وہ افضل ہے جھیمیر

جاز بچ ہے گ ؟ "مخفرت نے فرمیا کہ ہاں۔ حفرت نتی ہے کہ مجروی ر دل دجالنسے سوجا دُل گا، يہ كہ آپ آنخفرت كى خوالىكا دى بېونىخ اور آیکی جاورا ودمورسے۔ چنامچرمشرکین شب کی تاریخی میں آئے اور جاروں جا نب ہے آپ كا مماحره كرابا . ان كوليتين تما كرمبتر مرسيز مورسه بي. ان توكف خدمنع في طود بربر لي كرايا تفاكة فريش كي خاندان كالبرفرد الك ساعد الخفرت يرتلوا على "اكداك كاخون ممام قرليش مي تسبيم بوجامے اور بن إمشىم سارسے فاندان فرلي سے اُن کے بون کا مبلہ مذیبے کمیں ۔ مفرية عنى كى جب المنحك تواك كى ابهط سى اورسجه لياكه آج مي صدورج خطرے بیں ہوں ۔ اس کے باوجود آپ نے صرب وعدہ انتہائی مبرد تحتل سے کام نیا۔ (جبکہ معزت الربجر فارس میول کے ساتھ سے اورصربہ کرسے اوررونا مشروع كرديار) اس كے بعد الشريعالی نے حفرت علی كى حفاظت كے نیے فرشتوں کو بھیا۔ حب مبح ہوئی توحفرت ملی ہترسے اُسطے میٹرکین نے جب آپ کو ديجعا توحيران سخه . برجين لك كرمخ كهال بن ؟ حفرت على في جواب ديا كبياتم فأنغين ميرست ميروكيا كالمعول في كماكهم في بين دات معرد موكة یں مکھا۔ اس کے بعد حضرت علی بھی مدینہ جاکر سبنیراکرم سے ملاتی ہوسے چونکرحفرت علی نے شرورہ بی سے ایسے ایسے کارناسے انجام دیے۔ اِس لیے وہ ہیشہ ی سے افضل رہے اور بھراس کے بعدان کے کارنا مول بس اوراضا فہ

مِرْتَاكِيا اوروه انفل ترين بوسكة يهانك كرحب آپ اس دنياس اسط او

مربيث ولايت

محود ومغفوراً سمعً .

ما هون و اعدات المائم مديث ولايت كاروايت بهي كرية ؟ اسحاق : جي بان كتابون -ما هون و اجها تربيان كرو-

اسحاق عضيرا من كنت مولا وفعذ إعلى مولا ي

و حميا بم مهين دينيك كرجه فرت الويجر" و حفرت عمر" مرحه فرت على كالحقّ ولايت داحب ہے۔ گرحفرت علیٰ ہران دولوں کاکوئی من واجب بہیں ہے۔ ؟ اسحاق : محمر لوگ تویہ کہتے ہیں کہ آنح هرت سنے حضرت علی کے لیے جو بات کہی وہ زمیر بن مارتنہ کے مبیب سے کہی ۔ مامیون : به بنافر الخفرت نه به صیت مس مقام بر فرمانی ؟ : غديرهم برحجة الوداع سے واليى ميں ۔ اسحاق : اورز درس حارث فتل کپ بوشے ستے ؟ مامون اسماق : جنگ موتہ میں قتل ہوئے ہے ۔ : توكياب ايسانهي سب كرزيري حارثه غدير في كواتعي بهيق ل بويك هي مأمون اسحاق : جی بان ایسابی ہے۔ ما مون : ميرتوتم برانسوس ب كمتم لوگون نيدد دنسارى كى طرح اين علمار دنقياد كواياً دب بنالياسي - جيساكة واكن مجيدي ارشاد سي كم: " اِنْجَانُ وُا آخْبَارُهُ مُرَى مُبَانَعُ مُراَثُ مُرَابًا بُامِينُ دُونِ اللّه (سورهٔ براکت دنیه، آیت ۱۱) ترحمہ آبیت :۔" ان میپود ونسعاری نے انٹرکوچپوڈ کرئیٹے احیار و رحیان زملماء دفیرہ کو ا بنا رب بنا د کھلے یہ اور یہ معلوم ہے کہ یہ میرود و نقباری لیے احیاد و رُھان کی عبادت نہیں کرنے تصلیحیٰ ندان کے لیے روزہ رکھتے ، ندنماز پڑھتے بلکہ حجودہ حکم دیتے یہ لوگ ان کی اطاعت کرتے۔ میں حال تم لوگوں کا مجی ہے مرج متعادس فقهار نے کہائم نے اکن کی الما عدت کی مدسي منزلت ما مول : اجها ، به بنا دُركيام اس مديث كي دوايت كرت مهد : حفرت دسول أكم من الله عليه والروسم في حفرت على على السيالم كم معلى فرمايا : * أَنْتَ مِنِيْ بِمَنْزِلِةِ مَارُونَ مِنْ مُوسِى ترجر مدرث : دُك على مم كوجوس وي مزات ما مل ب جوم دون كوموشى سيمتى " اسحاق : جي بان اسس کي مي معايت کتابيل ـ

الموان ومما بمتعدينه معدم بالأن حوزة مركلي محققهما لأراك البيان لكالمآليا

و جي بان دولان حقيقي مبائي تي اسحاق ما هون و كما على مجي الله بي رسول كريمباني يتح ؟ اسماق : نهي اليه نهي سق بكريما ذاد معانى سقے. ما مول : ممر إرون تونى سقے اور حضرت على نبي نبي سنے ـ بير وجب مذير مزارت نه وه منزلت ، تو اب تبيري منزلت سواك خلافت ونيابت كراوركياباتي رہ جاتی ہے ؟ جیسا کھمنا فقین بھی اس مدیث سے ان کا رمنہیں کرتے ، بلکہ كبيتة بمي كه أنحفرت سن الشرعليه والروسم حفرت على كوابك بوجه مجد كرجود سگے سنتے بمبراک کی دلجوئی کے لیے یہ کہد دیا اور مرصیت ایں آمیت آسرآل سيم لما بن سب حب بي الدُرِّعالي نے بيان فرايا سب كرمع وسرت موسى عليستام ف معرت باردن مليست امست فرمايا : ر معرت دردن میرسیده مست فرمایا: « وَاحْلَفَنِی فِی قَوْمِی وَاصُلِح وَلَاتَرَبِع سَرِبُیلَ « وَاحْلَفَنِی فِی قَوْمِی وَاصُلِح وَلَاتَرَبِع سَرِبُیلَ المُفْسِينِ بين و رسورة الإعراب آب ١٨١١) مترجه آیت : " اورمیری قوم می ممبری نیابت اور جانسینی کرد آی اصلاح کرنا اور معتدوں کی پیردی دکرا۔" : بى بال معفرت بوشى نے معفرت بارون كوائي قوم مى اپنا جاكستين ائي زندگى اسحاق میں بنایا تقا اور مجرمیفات رب کی طرف (کوہ طور میر) تشریف سے محتے ۔اور ٱتخفرت منى التُرغِنيَدُوالروستم نے مجی حقرت علیٰ کواپنی ذندگ بین اپنا جاکشین بتایا حب آب جنگ کے ہے تشریعت سے جا رہے تھے۔ (لیعیٰ برجالسین وقتی بھی آپ کی وفات کے بعد کے لیے ربھی۔) **مأمون : احيا، به بناؤكر حفريت موسى عليرست للم حب ومت حفرت إدونُ كواينا خليعًا** اورجانشین بناکرمیدهات ربّ عزّ وجل کی طریت دوانه بویسے تواک کے امما یں ہنے کوئی حمفرت الدون کے پاس مقار؟ اسماق -U C: ما مون و توكيا حفرت وسي عليست الم نداك كواك سب برايا خليد نبي بنايا تما؟ اسحاق : جي بان سب برخليد بنايامقار ما مول : بس اس طرح معرب على كوي آ معرب نے مبت پرجاتے وقت اور موں و عورتوں اور کوں مراینا نائپ اورخلیفر سنا دیا حقاراس لیے کرقوم کی اکثریت توجعز

على كے پاس روئني ملى۔ (سب جنگ برنبي كئے سف) اگرج آپ نے إدى قوم ماکُن کواینا خلیفہ بنا دیا مقا۔ اب رہ گئ اِس امرکی دلسی کر آپ نے اُن کو ایی دندگی س اورایی و فات کے تعدیکے لیے می بنایا تفاؤ تواس کی دسی تو خودىي مديث به عَلَيُ مِنْ أَمْ فِي أَمِنْ أَمْ فِي أَلِيهُ مُؤلِّلَةٍ هَا أُرُونَ مِنُ مَّ وُسَى ٱلاَّ ٱنَّهُ لاَ سَبِينَ بَعُدِينٌ * ترجہ صریث:۔ علی کو مجھ سے وہی منزلت حاصل ہے جو ہا ڈون کوموسی سے حاصل تحقی مکر میکرمیرے بعد کوئی نبی مذہوگا یا (البته خلیفہ ہوگا) اوراس مدست کے مطابق حفرت علی آیے کے وزیر می تابت موستے ہیں۔ کیونکہ جفرت موئی نے اللہ تعالی سے دعام کی تقی کم : ۔ وَالْجِعَلْ لِيْ وَزِيْرٌ امِّنْ اَهْ لِيُ هَادُونَ آخِي الشُكُدُ بِهَ أَزْرِي وَ أَنْ يُرِكُ هُ فِي أَمُرِي " رسورة طه بتاس ٢٥٠) ترحد آیت: پروردگارا!"میرے اہل میں سے میرے مجانی مارون کومیرا ودر قراد دے اسسے میری پشت کومضیوط کردے اور اس کومیرے کا موں میں میراشریک بنا دے۔" اورحب كمفرت على على سيسل مع حفرت رسول معبول الترعليد والمرتم کے لیے بمنزلۃ بارون کے ہی تو تھے ہیں آئے کے اس طرح وزیر ہوسے میں طرح حفرت ارون حفرت ہوئی کے وزیرسے ۔ نیزیہ بھی آی کے ای طرح خليغه بوشيحس طرح حضرت بإروك حفرت موسى علاليت لأم كي ليغيظ متكابن سركفتكو اس کے بعد مامون الرشیدمناظری ومتکلین کے کموہ کی طرف متوج ہوا ادربولا؛ بتاؤ ميس تم سے بجد لوچوں ياتم لوگ مجھ سے پوجھناً چاہتے ہو الن اوكول نے كہا " مهم آپ سے برجھيں گئے۔ امون نے كہا لوجھيے ۔ : یہ بتا ہے کہ کیا حضرت علی کی اماست بھی الٹرکی جانب سے اسی طرح فرض بنين بي سيحب طرح طهرك چاردكعات بناريا دوسودرم بريائ درم ذكوة يا محقی خانه کعبر کا ج ؟ ز مامون نے کہا باں بال) مشکم نے اپی بات

چاہی سکھتے ہوئے کہا کہ آخریہ تمام فرائف بی دمول الندم ہی نے تعسیم

فرمائے ہیں اور حضرت علی کی امامت بھی دسول اللہ کی تعلیم کردہ ہے کہ
اللہ کی طرف سے فرص ہے۔ تو بھی کیا بات ہے کہ اُترت نے ان بھت ام فرائض میں توکوئی اختلات مہیں کیا 'اور اختلاف کیا تومرف حضرت علی ' کی امامت میں ۔؟ میں لیک خلاف میں جدیما من خدید اور مذابی دان والی مذابی وزائی امترادہ دیگر

ما مون : اِس کیے کہ خلافت میں جوجابِ منفعت اور دِ نیاوی فائدہ نظر آرہا تھا وہ دیگر دائشہ میں میتا

فراكن يس مة مقار

ا رسی کواس سے کیوں انکاریہ کہ آنخفرت چونکہ اپی اُمت برانتہائی مہان اورشنیق سے اِس لیے آپ نے سوچا کہ اگرمیں اپنے خلید اور جائشین کاخود انتخاب کروں اور امت اُس کی نافر مانی کرے تو وہ معذب ہوگی اِس لیے آپ نے اُمت کوئی مکم دے دیا کہتم جس کوچا ہو میرا خلید اور جائشین منت کرئی مائی سری

منتخب کرلوتاکه نافر مانی سے بچو۔ مامون: بہیں الکاراللری وجرسے اس لیے کہ اللرتعالیٰ توا مخفرت سے کہیں

و یں اردار استری رویہ سے میں استعنی سے مرکزی کی استری ہے ابنیاء زیادہ اسپنے بندول پر مہر بان اور تعنیق ہے مگر اس کے باوجود اس نے ابنیاء میں مدار بعیر در سائنہ میں مرموں کے میں در در مرموں کے مدانہ ا

ا دردمول بھیے ، یہ جانتے ہوئے بھی کہ میرے بندیے میرسے منتخب شدہ انبیار اوردشل کی نا فرمان کرمیں سکے ۔ اور با وجود مجربے سکے انبیا م اور دشل کے بیجے

كالمسله جارى ركعاء اوراس سے باز مر رہا۔

اس کے علاوہ و دومری بات یہ کہ اگر آپ نے اکست کوظلین منتخب

کرنے کا اختیار دیا بھی ہے توسوال بہہ کرساری اُمت کواختیار دیاہے، یا اُمت بس سے صرف چند لوگوں کو ؟ اگرساری اُمت کواس کاحق دیاہے تو

بتاؤده كون ساخليد بي جرتمام أمت كامنتنب كيا بولس راودا گرامت يسب

مرت چندکوآپ نے یہ اختیار دیاہے تواکن کاسٹناخت اورمہجان می بت ای موتی ۔ اگریم کیوکہ امت کے فقیا رکواختیار دیاہے تواکن کامی محدید مہجان ال

مشاخت کی مرورت می .

بات کوتمام سنمان نا پسنداود مراجعیس وه النرکے نزدیک بجی نالپسندیده مرب

اورفرىسے .

ما مون : يدام بحي وضاحت طلب سب كه اس سعم أدتمام مونيين بِلا إمستنتاء فردٍ واحدين يالعص موسين ؟ اگرتام موسين بلاامستشار مرادي، تواس كارجودى نہیں۔ اِس لیے کرتمام مومنین کا بلا اُستشنارا یک فرد پرمجتع بہونا ہی نامکن اور محال ہے ۔ ا *دراگربعض پومنین مرادسہ تو یہ* اور نبایرہ شکل ہے ۔ اِس کیے کم بعن مومنین ایک فرد کولی نذکرمی سکے اولیعن دومرسے کو پیٹائی شیعہ ایکے ح كولهيندكريت بهرا ورحشوبه دومس فردكولهاندكرت بهراتون خلافت بخفعود ے وہاں کہاں ثابت بوسمتی ہے۔ تبسيامتنكم : اس كامطلب تويهب كريسمينا كرامياب مخرسے خطابوتى بكيا يرجازي ؟ ما مون : بم يكون مجين كرامحاب مخدن خطاى جبكروه خلافت كور فرص محصيق بنسنت. إس يه كمتما واتويى خيال سي كه ا مامت وخلافت مذالتركى طرب سے فرص ہے اورہ میول الدم کاستت ہے . تووہ جیز ج متعادے ندیک ر فرص ہے رسنت اتواس کے بیے خطاکا کیا سوال ہے ؟ چوتھامتگا هم و احبها واكرآب كا دعوى مي كرح خرب على علايست إم مي حفدار خلافت بي ائپ کے علاوہ کوئی دوسرامنیں ، تولینے اس دعورے کی دیل بیٹی کیجیے ما مون : يدعوى ميراتونبي، ميس تواقرار كرف والا مون اور اقرار كرف واسع بربازيوت بنیں۔ دعویٰ تواک کاسے اور باینبوت آن برہے جویہ سمجھے میں کہ امغیں خلیف مقرر کرنے اورمعزول کرنے کا اختیار ہے مگر میام بھی خالی از دلجیسپی نہیں کہ كواى ادر نبوت مي كس كومين كيا جائے گا كيا ال كومن كا خود اس بي ما عقيد ؟ وه توخود ایک فرنق اور مرعاعلیدیں۔ تواکن کوای کے کیامعنی یا غیرول کویش كيا جائے۔ توغير وبال كوئى تقابى ميں المذاكوا بى الدموت اكركوئى بيش بحت كرے كاتو كيے اوركس طرح ؟ ا چهاجناب به برتاشی که بعدوفات دسول محفرت علی کاکیا فرلیف تفا ؟ ماميون : ثم بناؤ كمياز كيينه متعا؟ • مياحفرت على بريرواحب من عفاكم لوكول كويد بتات كمين غليف والمام بول ؟ متكا ما مول : وه امام خورنبين بن سكة متح كرسب كوستلات معرت كرمين امام بن كيامون الم مذ لوكول في الن كو امام منايا مما يامنتخب كميا مما يا الميس ترجيح دى مى وغيره غير بكيدا مام بنانا توالثر كاكام سب حبيبا كرقران مجيدين حفزت ابراميم عليكت لام

كے كيے ارت دہے۔ " إلى جَاعِلْكَ لِلنَّاسِ إِمَا مَّاهِ (سورة البغرة آيت ١٢١٢) اورحفرت داؤد ملكستام كے كے استاد رب العرب ب " يَا كُاوْدُ إِنَّا جَعَلْنَالَ خَلِيْفَنَ أَنِي الْارْضِ (سَ مَ آيَدً) اورحفريت آدم عليمست الم ك ي الترتعالي في ما كك س يرادشاد فراياكم: " إِنْ جَاعِلُ فِي الْأَسْ صِيخَلِيْفَةٌ رسورة البقرة آيت ٣٠) إن مينول آيات كى دوشى بى ديكي تويّر جلتاس كدام ابتدائ خلفت بى سے الٹرکا بنایا مہوا ہوتاہے۔ وہ اپنے نسب میں شرلین ونجیب ہوتاہے وہ يدالنى فابربروناب ووسميته بميشه كيام مناياجا تاب أكرامام بن ما ناحفرت على ملكيست إم كادات نعل موتاليني اين كسي نعل ك وجرس وہ ستی اما مت ہوستے اور حبب اس کے خلاف کام کہتے تومعزول ہوجائے ' تب كما جامسكتا مفاكدا مامت أن كا ذاتى نغل ب . مرحب ان كاينعل م ہی بنیں تو پیران پراس طرح کا فرص بھی کوئی منہیں۔ و بركيا خرورى سب كررسول متبول مستى الله عليه والرحم كے بعد صفرت على بى ا مام میول ؟ مامون : يداس بيد فرورى بي كرحفرت على عليست ام جين بي سے صاحبيان ستقے۔ بالکل اسی طرح جیسے نئ اگرم سستی الدعلیہ وا کرکستم بچین ہی سسے صاحب الانستفے۔ اور آب مجی اپنی قوم کی صلالت وگراہی سے کمارہ کش درس شفراددكفروشرك وبرعات سه اجتناب كرت دسب متع جس المرح أنخفرت ابني أمست كى گمرابهول اودكغروشرك سند مجتنب رسب متع كيزكم شرك تعول قرآن طلم عظيم اورسب سے براگناه سے اورسنص قسران بد لاَيْنَالُ عَهْدِي الظَّالِيدِينَ - لِعِي كُولَى ظالم المعت كاعبره نبي پاسکتار اور شب نے بنت برستی کی ہو، وہ معلاکس طرح اس عبدہ تک بیریخ مسكتاب. اس بي كرس في شرك كيااس كاشادا للرك وكشعول من بوكا اورب وہنیعلہ سے کہ جس پرسیاری اُمکت کا اجاماے ہے جبتک کہ اِس فیصلے کے خلاف امت کا کوئی دوسرا اجماع ند بروجائے۔ 必 و احماره بنائس كرحمذت على نه حفرت الوكر وحفرت عمر أورحفرت عثمان سے

جنگ کیوں مہیں کی احبسس طرح اسمفوں نے حفرت معادیہ سے جنگ کی تھی ؟ ما مون: متمادا يسوال بى غلطب يمسى كام ك كرف كاسبب برتاب د كرف كا کوئی سبب نہیں ہوتا۔ اس کے علاوہ معفرت علی علاہستے الم کے معاسمے میں لازما يه ويجهنا يوسي كاكر آب الترك بنات موس امام تع ياكسى دوسر کے بنائے ہوئے۔ اگرالند کے بنائے ہوئے تنے تو پھر جو کچھ ایٹ نے کیااس میں مذاتوشک وشبر کی گنجائش اور مذجون وحراکی۔ اور اگر کوئی بہ كتاب تواس بركفر كافتوى لاذم ب إس في كم المترتعال كالرشادس، " فَلَا وَمَ بِكَ لَا يُؤُمِنُونَ حَتَى يُكَكِّمُوكَ فِيمَا شَجَرً بَيْنَهُمُ ثُمَّ لَا يَجِلُ وَا فِي أَنفُسِهِ مُحَرِّجًا مِسْمًا قَضَيْتَ وَكُسِكَهُ وَالسَّلِيُ السَّلِيكُ السَّارِآتِ ١٥٠) ترجه آبیت: الله بس بنین متعارسے بروردگاری تسم نہیں ، یہ لوگ اُس وقت یک مومن بن ہی مہیں سکتے جبتک بہ لوگ آئیں کے اختلافات میں تم كو حكم نديناتين اورمع رجب تم اس كافيصل كردو توبراس كے ماننے میں ہرگزیس وبیش مذکریں اوراس فیصلے کواس طرح تسیم كرلىي جيمالتسيم كمين كاحق ہے ۔ ا اِس بیے کہمی فاعل کا فعل اس کے اصل کا کا گیج ہے۔ اگرایٹ لیجلئے نے اُن کوامام بنا یلہے پھران کے ہرکام کوبھی انٹری طرف سے بھنا جاہیے اود لوگوں کا فرص ہے کہ اکن کے کام پر راحتی رہیں اور اسے ہیم کریں۔ اودي پريمي توديجهوكه يوم حديثة بهمشركين نيدة تخفرت كا مناسك ج بجاللنے سے روک دیامقا۔اس وقت آئیسنے جنگ بہیں کی، مگر جبات کے اعوان والصار کی تعدادیں اضافہ ہوگیا اور آپ کی ظاہری قرت وطاقت برمونی قوجنگ سے گریزمی بہیں کیا۔ حدیبتہ کے موقع پر السّے اپنے رسول کومکم دیا فَاصْفَحِ الصَّفْحُ الْجَبِيلُ وسورة الحِرات ٥٨) ترحمه آیت " ایک اچھے اندازسے اس موقع کوٹال دوجنگ نہ کروپے مرحب دیجه بیاکه مهارے دمول کی ظاہری طاقت برمدگی تو اس کا حکم آمپونی فَا تَنْتُلُوا الْمُشْرِكِ مِنْ حَيْثَ وَجَهِلُ تَمُوْهُمْ وَخُلُوفُوْ وَاجْهُمُ مِنْهُ وَيَوْ مِنْ اللّهِ مِنْ اللّهِ مُنْكُلَّا مَنْ مِنْ اللّهِ مُنْكُلًّا مَنْ مِنْ اللّهِ اللّهِ

ترحبه ایت ؛ به هم نوف ان مسرون توجهان بی یاد مسن کرد ۱۰ مسین جروز کردسار کرواور ہر طرف ان کے لیے پہرے بھادور" هم: حب آپ کایدخیال بے کرحفرت علیٰ کوعبرہ امامت الدک طرف سعطا موا مقا اورلوگوں براک کی اطاعت فرض می تدیم انموں نے انبیار کی طرح لوگوں كواپی طرف دعوت كيول نه دی اوريه بيغام بندول تک كيول نه پهرخپ يا حفرت على كے يہ يسے جائز تھا كراوكوں كوائي طرف دعوت دينے اورائي ا لما عت برخا *بوش ربي -* ؟ ما مون : میں اس سے بہتے می کرجیا بول کرمرا بدعوی نہیں ہے کرحفرت علی کو تبلیع اورمیغیام رسانی کا حکم تفاراس کے کہ آت رسول نہیں تنے ملکہ آپ المداوس ک مخلوق کے درمیان ایک علم اور ایک نشآن بنا کے کئے سے حین نے آپ ک بروی کی اس کوملین کہا جائے گا اور س نے آپ کی مخالعنت کی وہ عامی ا ورگنه کا رکبلات کا۔ اورجب آب کواعوان وانعارے اورقوت جہاد یائی توجها دكيا اورجب اعوان وانعا رسترد آبء توجها دن كرسف كاالزام آبث بر ہنیں بلکہ اُن لوگوں پریہ جغوں نے آپ کی اطاعت اورمدد ولفرت ہے اعرامن كياراس مي كرلوكول كوهكم دس ديا كيا مقاكدوه ببرحال حفرت على كى بروی کریں ۔ حفرت علی کوتوبیکم نہیں دیا گیا تھا کہ وہ لغیرا عوان وانصاری قوت کے جہاد کریں ۔ اس کے علا وہ حفرت علی ملیستسلام کی شال بالکل خانڈ کعیمبیں ہے ۔ وگوں کا فرص سے کہ وہ خانہ کعبہ کے باس جائیں ، خانہ کعبہ برفرص منہیں کہ وہ لوگوں کے پاس جائے۔ اگرلوک خانہ کعبہ تک بہوری کومناسک نیج آدا کرتے ہیں تووہ اپنا فرص بورا كرست بي اوراكروه نبي ميو يخت لو قابل ملامت بي وي لوگ جووبال بنیں بہویجے ، مذکہ خانہ کعبر رکوئی دسمداری عامدی جائے۔ یہ بتائیے کہ اگر کمی امام برخفتر من السقاعة سونا واجب والذم ہی ہے توم کیا مرودی ہے کہ حفرت علی بی امام بوں ان کے علاوہ کوئی دومرا نہ ہو۔ ما الون : الشرى طرف سے كوئى ايسا فريقيد عائد منبي كيا جاسكتا جو مجيول بوالدالوك اس سے نا واقعت اورلاعلم مول اور میمی لیفینی ہے کہ جب الشریف ایک زلعیز عامد کیا۔ سرتواس کا دجو دیمی لیفننی مرحمایہ وہ ممتنع العلی نہیں رم کا در زلمانہ پر مرکد

مجبول منتنع العمل بوتاب. اس بي خروري تحاكه رسول اس فرض ك نشائدي كردي، تأكرانشرا وراس كے بندول كے درمیان كوئى عذر ماتى نر رہے. متمالی اس می کیارائے ہے کراگرالشرف ایک جینے کے رونے فرض کیے ہوتے اور لوگوں کومعلوم نہ میز ناکہ وہ کون سامہینہ ہے اور مذالعرف اس جسنے كانام بتايا برتا اور لوگوں برواجب كرديا بوتاكروہ بغيرسي نبي يا امام سے دریا فت کے ہوئے خود ہی انی عقلوں سے سوچ کردنی صلہ کریں کہ الشرائے کس مہینے کے روزے فرض کیے ہیں۔ کیایہ درست مجتا۔ ؟ وسوال متكلم : يركهان سے نابت ہے كم وقت رسول عبول كارت و آلم وقت در و اسلام دا كان دى توحفرت على بالغسنق اس كے كه لوگوں كا توخيال يرسيكم المس وقبت حفرت على سن طفوليت مي سقع . بلوغيت كى حرّلك نهي بهويخ تظ إس كياك كالمسلام معترية كقار ما مون : بدامر دوحال سے خال منہ یک ۔ یا توجھ رت علی علی سے اس وقت ال لوگوں بي سے بحے جن کی طرف نبی اکرم کی النر علیہ والہ وہم مبعوث ہوسے مع تاکه اُنھیں دعویت ایمان دیں۔ اگر اُک میں سے متعے تومکلّف ہتے اورائنی قوّت ر کھتے ہے کہ فرائف کوا واکرمٹیس ا وراگرائیٹ اک میں سے سنے جن کی طریب ہی مبعوث نببس موسئ عق لوتع ببالزام خودنى اكرم مسلى الترعليه وأله كالم یراً ناسب که آب نے قرآن مجید کے اس حکم کے خلاب کیا: د وَلِوْتَ عُوَّلِ عَلَيْنَا بَعُضَ الْاَفْتَادِيْكِ لِلْحَدُ لَا مَامُهُ بِالْيُدِيْنِ ثُمَّ لَقَطَعُنَا مِنْ مُ الْوَ رِينَى أَهُرُ وَالْمَاتُهُ آيِنَ كُنُّ الْوَالِينَ أَهُرُ وَالْمَاتُهُ آيِنَ كُنُّ اللَّهِ وَيَنَّى أَهُرُ وَالْمَاتُهُ آيَنَ كُنَّ ال ترجه آبیت : د " اگر دسول مهاری نسبت کوئ جوسط بات بنا لاتے توہم اُن کا دامها المتعد مكرالية من بهريم خروران كى شهرك كات دية ." یعنی آت ہے اللہ کی طرف ان مبدول کوٹسکلیعت دی جوامجی مسکلّف نہ ہے ایک وه غير كلّف عقرا ورنجه للَّ البّر عليه وآله وتم كى ذات والاصفات سب يرا مر نامکن اورمحال ہے اورا بکے حکیم ایساحکم کمبی نہ دےگا' اورنہ النزکا دسول پر كام كريسكا - النداس سي كين بالا ترب كروه كسى امر محال كاحكم دس اورائ كا ومول اس سے بالاترہے کہ وہ الیے امرکا حکم دسے جو فدائے حکیم کی حکمت کے خلات بوید مامون کے بہوایات سن کرسا بسے فقیاد خابیش بوگئے ۔ اور مزمری

نے کوئی سوال مذکیا ما مون نے کہا کہ تم سب اپنے لینے سوالات کریکے اور مجد مراعترا منا كريتيك اب الركب تومين مي تم سے چدسوالات كروں ؟ سب نے كہاجى ال بهجيمية آب كما لوحينا جاست بن ؟ می تنین مشکلین سے مامون کے سوالات سوال : بتاؤ كياسارى أمت نه بالاجاع يدروايت بني كسب كني أكم في الت عد والرحة من بدارشا وفر ما ياكه بوضع عداكوني جعوف بات ميري طرف منسوب كريب كاوه اوند مصمنع مبتم بي جائے گا؟ جواب جيان يه مريث يرح ہے۔ و اوربیمی لولوگوں نے روایت کی ہے کہ انخفرت نے ارشاد فرمایا کہ جوشخص سوال كوفي كنا وصغيره ياكبيره كرياه ورميراس كناه كواينا دين بنلاف اوراكس امراركري ، تووه سميند سميند مينه كم تجلي طبقول بي رسيكا -و جی ہاں ، بیٹک یہ می روایت درست ہے۔ جواب و احياً اب يه بنا وكدا مكتفى كوعوام ف منتخب كيا الداكس اينا طليغ بنايا سوال توكيا يرحائزب كررسول الشرم كاخليف كهاجائ يا بركروه الشركى طرونست خلیغہ ہے۔ حالانکہ نہ اس کو دسول انٹرمنے خلیغہ بنایا ' اورنہ النّدِلْعَالَیٰ نے ؟ اگریم کهوکه بال جائزے تو مجرید مکابرہ اور بلاوجہ کی بات ہوگ ۔ اوراگرکہو گے کہ نہیں تو یہ لازمی بات ہے کہ حضرت ابو پکڑٹا نظیفۂ دمول تھے اور نہ الٹرکی طرف وہ خلیفہ بنا کے گئے تھے اور تم لوگ اُن کوخلیفہ دسول کہ کردمول تعبول مسلّ الله عليه والروتم برحوث انتهام لكات بواوروه كام كرت مهجس كے مرتكب بدنے پرآنحفرٹ نے جبم کامستی مفہرا یا ہے۔ ا حیا یہ بنا ڈکران دولوں با تول میں سے کون می ایک بات سے سے ؟ يكريسول مقبول سف استقال فرمايا الركسي خص كوابنا خليعة نهيس بنايا - يايي كم : حفي البركو كوخليف الرسول الشركب كرم فالمب كرنا ؟ الركيد سك كردونون بايس يج بي الزيرنا مكن سب - إس الي كاروولا أبس س ايك دوسرے كى صديق واكران دو اول بن سے ايك بات عام

تودوسري لاز ما جبوث ہے۔ المذائم لوك الترسي فرروا ورايي ول يس ويو، دوسرون كى تقليد مت كرو اودشك وشبع ميں مرفروا خداكى تىم المترتعانی اينے بندوں سے مريت أسى عمل كوقبول فرما تاسي حس كوره سودج سمهم حيح انجام ديتابه اوداس کام بیں بانھوڈالٹاسے جس کووہ سمجناہے کہ رین ہے ۔ اودسنو!شک وسٹیہ اوراس كانشىسل كغربا للدب اورايساشخص حبيم مي جاسيكا. بناؤ اكيايه درست سيكمم سي سيكوني المحف ايك غلام خربيرا الد وہ غلام مالک وآ قابن جائے اور مالک وآ قاغلام بن مائے ۔ ؟ نين ايه برگزيني بوركا-جواب سوال : مجريد كيب درست بوگياكم منه اين حرص وبوائي فاطراك فرد پ اجماع كركے خليعة بنايا ، لهذا وه تم يوگوں برخليف اورحاكم بوكيا -حالانكريم بى ن اس کواینا والی اورخلید بنایا تقا اوراس کے خلید موسف جہلے تم لوگ اس بروالی اور حاکم متعے اور اب وہ تم برحاکم ہوگیا۔ تم لوگ اس کوخلیف رسول اسے نام مع بادكر في الكي حبب تم اس من الامن بويت تواسع مسل بعي كرديا . جيهاكرحفرت مثان كے ساخوريا وُكياكيا۔ • بات برب كرامام در حقيقت مسلمانون كاكسل بوتلي جبتكم ممان أس سے راحنی رہیے ، امس کو اینا والی اور امام بنائے دکھا اور حبب ناداحل ہوئے تواس كومعزول كرديا-إس مين بران كيلب .؟ : بربتاؤک، برسادسے سلمان، برسادے بندسے اور برسادا ملک کس کاہے؟ سوال و الشرنعالي كار جواب • تومیراندتعالی کمی اورسے زمایرہ حق دار وسزادارسے کہ وہ اپنے بندوں اور سوال لینے ملک پروکیل سنے ۔کیونکہ ساری اُمست کا اس امریراجاع ہے کہ اگرکوئی سختی كسى غيرى ملكيت مين كونى امرحادث كرس تووه اس كاذم دارس واس كوكوفت حق نہیں کرسی غیری ملکیت میں کوئی امرحادث وصادر کرے ، اگر کریے کا تو وہ كنبكا رموكا اوراست ناوان دينا برسكار اودبهمي بثاؤكر حفرت دسول تعبول كالشرعليد وآلهوتم حبب ونياست وست بوسن للك توآب نے كسى كواپنا جائشين ا ورخليغه بنايا تھا يا تہيں ؟

جواب و منی اس کو اینا جانشین نهیں بنایا۔ سوال تحفرت نے اپی اُمت کومدایت پر جھوٹرا مقانیا ، گراہی پر ۔؟ **جواب :** ہوایت پہ ۔ موال : توسير لوگوں دائمت، برلازم مقاكه اسى مدايت برقائم سينة جس برريول مقاله جور کر گئے سے ، گرای بن مبتلا نہ موتے۔ جواب : أمّت في ايما بي توكيا -سوال : ميراكست فليذكيون بنايا ، جكدد يول اس كام كوترك كرك كت سق. اورعب کام کورسول نے ترک کردیا مقائس کام کوکرنا توگراہی ہے (جب کہ رسول کا ایک کام کو ترک کرنا عین مرابت میر) اس برابت کے خلاف کرنا مجسے برات ہی ہد۔ یہ نامکن اورمحال ہے۔ اب بتا ڈکرجب نی اکرم سی الشرعلی آلیم نے کسی کو ملید نہیں برایا تھا توحفرت الدیکر سے حقرت عرا کو خلیف کمیوں بنایا ؟ اور حفرت عربے بیسے پہلے خلیف کی سیرت کے خلات استخلات کے کام کوشوری کے ولي كيون كردياع تماري خيال كي برحب سي أرمس تى الدعليه والروسم في الوسم خليفه نهي بنايا بمحرح عزت الوكر شفطيغ بنايا - اورحفرت عرضي استخلات كو نهي جور العالا تكمتهارے خيال كے بموجب الخفرت في استخلات كو ترك كرديا تقا اوراس طرح بھی فلیغنہیں بنایا حس طرح حفرت الومکر شنے بنایا تھا بلکہ اس کے یے ایکتبیری صورت اختیاد کی ۔ بتا کو ال تمینول صور تول میں سے کونسی صورت ور^{ست} ہے ؟ اگر متھاری رائے میں وہ صورت درست ہے جرنی اکرم سے اختیاری ۔ یا ۔ یہ صورت ودست ہے ۔ اس کا مطلب یہ ہے کہ تم اوگوں نے بہت کم کھیا کہ حفرية الوبكر خطا كيمرتكب بهوك راوراس طرح وه دمكر بالول مي بجى خطاكار ٹا*میت ہو*ئے۔ بناؤ مقارے خیال کے بموجب رسول اکم نے استخلاف کو ترک کیا تو أنحفرت كاينعل انفل ب ياان لوكول كالمستغلاث كرنا انفل ب ؟ ا وریمی بتازگراک کام کورسول کا ترک کرنا بایت ہے اوداسی کام کو دومراکسے تو وہ بھی برایت ہوتو اس کا مطلب یہ بواکہ برایت کی صندیمی مرایستے اورمیمی بتا ڈکروفات سرور کاکنات کے وقت سے لیکرآجنگ کیا کوئی

شخص تام صحابه كاانتخاب كياميوا ول اورخليفه بواسه ؟ الرحم كهوستيركم بين تواس کامطلب یہ ہوگا کہ تم نے سیم کرلیا کہ بعدی اکرم سب ہوگا کہ تم ایک پرعل کیا۔اوداگر کہوگئے کہ ہاں ، تواس کامطلب نیہوگاکہ تم ساری اُمت کو جحومًا بنأ ربيب مبور اوريمي بتا ذُكه الترتعالي كايرقل" قُلْ لِمَنْ مَا فِي الشَّمُوٰ اسْ وَالْأَمْضِ ﴿ قُلُ لِلَّهِ " (سورة الانعام آيت) ترجبة يت : "كبدو " آسمانول اورزين كے اندرجو كچھ ہے وہ كس كاسب "كبدوكم الشركا". سوال : بولواسی ہے یا جوٹ ؟ جواب : سي ہے۔ : توكيا اليامبي ب كمائل كم سواجتى جزي بي وه الشرك بي اس لي كأسى موال ان سب كوبيداكياب، اوروى ان سب كا مالك ب -جواب : جي ال سوال و میرتویمهادا داجب الاها مت خلیفه متخب کرنا ، اس کوخلیفته دسول کے نام سے بادكرنا وأس سے نا داخل ہونا واكر دو متمارى ممنى كے خلاف على كرسے توائس كو معزول كردينا اوداكروه معزول مون كوقبول مذكرات توقتل كردينا اليسب كا مىب ياطل سے ـ ما مون في يحركها والتربيوم برئم الشربير جوث الهام تويد دكو، وريد حب تم كل قيا کے دن اندک بارگاہ میں بیش ہوسکے اور دسول مقبول سی اندملیہ والہوسم مرجمہ را جوٹ بول کرائن کے مباہنے جا وُگے تواس کی سخت سزا یا وُگے ۔ایس لیے کہ مخفر نے فرما یا ہے جوشخص مجھ برعمدًا جعوث منسوب کرے گا وہ اوندسے منع حبیم میں جاگا إس كے بعد مامون نے قبلہ كی طرحت مُرخ كيا النے دونوں ما تھوا مخاسے اور م کہا۔ بروردگادا! میں ان لوگول کولوری تقییمت کرچکا ، بروردگادا! میں ان لوگول ک پوری پوری مرابت کی کوشش کردیا میں نے اپنا فرض پوا کرویا "اورای گردن سے ذمتہ داری کا كالجهدأ ناديكا ريرورد كادا تومانتاسي كمس خودسى شك وسنبدس مبتلاره كران لوكل كوحق ک دعوت نہیں دے رہا ہوں۔ بروردگار ا! میں حفرت علی علایست مام کولعدنی اکرم تمام خلوق ہ سب سے افعنل مان کرترات خرب چاہتا ہوں جیسا کہ تیریے دیول می الندعلیہ والہ وہم نے ہیں کھم فرایا رادى كاميلاند سركة بموتمام علما وكالمجيع منتبثه بيوكيا ا دراس كے بعد انساكو في احب أع

حفرت مل علی می اور البیت رسول فی مدیست اور البیت رسول فی مرح می امون نے جونا در اور پر معدن حقائق بیش کیے ہی اس کا ذکر مسکور سنے اپنی تاریخ " ندیم الغرید " میں کیا ہے اور اس بی ایک خطائق بیش کیے ہی باشم نے مامون کو تسریر کیا تقا اور اس سے اس خطاکا جواب طلب کیا تقا مامون سنے اس خطاکا جواب طلب کیا تقا مامون سنے اس خطاکا جواب طلب کیا تقا مامون سنے اس خطاج اب مندرم زول الفاظ میں دیا ۔

بہنم اللہ الرحمٰنِ الرَّحِمْ ، برطرح کی حرسزا وارہے اُس اللہ کے ہے جا ایس کا پروردگا دسے اور وروز مج محمد وآل ِ محمد مرا تاک دکڑتے ہوئے اُن لوکوں کی جواس درود کو

نالپسند*کرتے ہی* ۔

ا مالعد- ما مون مخصا دسے خطرے مندرجات سے طلع ہوا۔ متعادے اُمود محادی تدابیرا ود مخصاری اصلی نیت سے آگاہ مہرکیا۔ اسے بہی معلوم ہوگیا کہ مخصا دے ہر حجیہ نے بڑے امیر غریب کے دلوں میں کیا ہے ۔ وہ مخصادے اس خطرے آنے سے پہلے ہی جا نتا محاکہ تم سب جن کو اس کی جگہ سے مہماکہ باطل کی شادابی و سرمیزی چاہتے ہو۔ تم لوگوں نے کتابِ خدا ' احادیث و سولٌ المکہ مہراس جیز کوچورسولی معادت وا میں متی الشیعلیہ والہوتم اس کرا ہے سعے 'جوڈ جیٹے ہوا دران سسابق اُمنوں کی منیل پر مہری کا گئے ہوجو زمین شق ہونے ' عرق ہوئے ' آندھی طوفال آنے ' مجل کرنے اور

اس سے پیمربرسنے کی وجہ سے بلاک ہوگئی تعین ۔ میں ہم ہوگ قسسران مجید برخور وفکر نہیں کرتے یا تمعا دسے دلوں ہر تالے بڑے

ہوتے ہیں واس ذات کی قسم جو مامون کی تصفہ رکٹ گردن سے میں زیادہ قرمیب ہے کہ اگراس کا خیال

مربروتاكه كبنه والميكه بمبير كميركم والمون سيءاس خطاكا جواب بن مربايا توميس متعارى براخلا قبول موتاه اندلیشیوں ممعقبیوں اور رامے کی سخافتوں کو دیکھتے ہوئے سرگز جواب مدریتا ، مگراپ سُنے ولیے مسنیں اور برشن کر دوسروں تک بھی بہونچا دیں ۔ امّالعِد - اللّه يعًا لى نے محترضتی الله علیہ والرحتم کواس وقت دمول ببن کر تبجيحا حبب كمه صدليوں سے كوئى دسول نه آيا متعاله زمانهٔ فترت متعا اوراس فرمصے ميں قبيلهٔ قرليش اس منسة ل يرتبيون عج يحاتفاكه وه اپئ ذات اور لمين مال ودولت كے سامنے سى كوفا طريس ندالت ستنے۔ ہادے بن این مستی الدیسے آلہ وہم قریش کے ایک متوسط گھرلے سے تا دیکھتے تھے جس كو دولت مندمنين سمجا جا تا تقا - إعلان نبوّت كے بعد حفرت خدىج بنت فو ميدان براميسان لائي اورلين مال سے آپ كى مردكى رى حضرت امير المؤسين على ابن ابي طالب عن كاميسن امی سات سال کا تھا آ تخفرت پر ایمان لائے اوٹریٹ تے زدن کے بیاے بھی مجی مشرک ندیسے نہمی کسی بُت کوسیرہ کیا نہمی سود کھایا' نہیمی ایام جاہلیّت سے عرادی کی جہالیت میں اُسے کے شريك دسب وحالاتكه الخفرت كمي جياك بين سي مجتمسكم تق ممركم ودينقي بمجع كا فريقے جو آپ کے سخت دستن سقے سوائے حفرت جمزہ کے کہ جنیں ندامسلام سے کوئی دوک سکا اور ندانسسنام کوان کے قبول کرنے سے کوئی بازد کھھر کا۔ ا دراٹھوں نے اسی طرح لینے دیب کھے سرایت برفائم استے ہوئے عدم کی راہ لی۔ ليكنآب حجاة ل مي مرت الوطالب تقييمول في الخفرت كي كفالت اوراک کی بردرش کی۔ وہ ہمیشہ آپ کی حفاظت اور دستمنوں سے آپ کا دفاع کرتے رہے گر جب خضرت الوطالب كانجى انتقال ہوگیا توسیاری قوم اِس بات برآ مادہ اور منفق ہوگئی كرآ تخفرت کوفٹل کردیا حالت ۔ یہ دمیکھ کرآ مخفرت سے ترکب وطن اودایجرت اختیارک اوراک نوگول سے پاس (مدینہ) چلے گئے جواس سے پہلے اسس م تبول کرچکے تھے ۔ کفادِمکہ کے ظلم سے تنگ آكرد ان كے ياس بجرت كركے جامّان برلوگ أس كے ساتھ مجتت سے بيش آتے اور اُن كو كھيدينا اورمدد كرنا النهركال مركزرا ، بكراينارس كام بلته والى عرورتول كوترك كرسك أن كى مدد كرية اورحقيقت يهب كرحس نے اپنے تفس كو تبل سے بجايا وي فال يافتہ ہے مگرمها جرین پی سے کوئی بھی دسول مقبول صل الندعلیہ واکم وسلم کی مددسکے لیے اِس طرح کھوانہ ہواحی طرح حفرت علی علام سے اس کا مرے مہدے۔ اُنھوں نے آپ کی اکسٹ ذَتْ واربال سنبعال بس و جان ک بازی لنگاکرات کا دفاع کیا ۔ شب ہجرت آپ کے لیستریر سوئے ۔اس کے بعد شنع کرنے کے لیے مختلف قلعوں کے گردیم کردیگاتے رہے ، مرسے پڑے

پہنوالوں ا درمبادروں کے سرفلم کرتے رہے کسی مرمقابل سے سیجے نہیں ہے ، اگرمق ابدر ومشنن كابودالشكرمى بوتا تب بمى مغديز وليق وجيدات بنے فود فرمایا مقاكمیں نے بجین اواري کمسنی کے باوچود عرب کے مبہا دروں کے مگھٹے زمین برٹیکوا دیے ہتے ہے آپ اپنی ساری فوج کے مسسردادا ودا مربهست برائ پركونى مسددار داميرم بوتا مشركين كى صغول كوبامال كرف میں سیسے پڑوکرصوبشکن الٹرکی داہ میں سیسے بڑے مجابر وین البی سے سیسے برسے عالم محتاب خواسے مسب سے بڑے قاری ' حلال وحرام کومرسسے زیادہ جانے والے مستنانياده عيادت گذار متعيول كام مومول كامير مقام فديرس رسول اكرانے آب بى كى ولايت كااعلان كيا م آب بى كمتعلى رسول الدمي ارشاد فرماياكه: . آنت منى بىمنزلىة هاروين من موسى الا اندلانتي بعدي مقام طالعت يسآية عجوى برتنها عمل كرف والديست علاوه اس آيت يرعمل كوفى مزكركا الشدادراش کے دسول کے نزدیک متمام مخلوقات میں سب سے زیادہ مجوب ، مسجد دمیول یں سب کے دروازے بندم ہے سین آپ کا دروازہ کھلار ہا منتے خبرے دن دسول سے مسلم پانے والے۔ جنگ خندق میں عمروی عبدودکومیل کرنے والے ، مواخات کے موقع پردسول اللہ نے آپ ہی کو دنیا وآخرت میں اپنا معالی بنایا تھا۔ آپ بڑے صاحب قوت وطاقت وکرامت سکھے۔سورہ دحرکی آیت میں آپ ك شان بن نازل بولُ " (وَ يُطُعِمُونِ الطَّعَامُ عَلَا حُبِّهِ مِسْعِينًا قَرَيْتِكُا قَ أسِيهُ إلى ") آب بى حفرت خاتون جنت سيدة الشاء العالمين فاطمه زمرام ك شوہرِ نا ماداور حفرت خدیج علیہا استام سے وا ما دستھ۔ آپ حفرت دیول مقول ملی الرحلی الرحلم کے وہ حقیقی چیا زاد بھائی تتھے جن کی ترمیت اورکغالت خود دیمول مقبول سنے اسنے ذیتے کی تھی آپ ہی حفرت ابوطالب کے وہ فرزند مقے جوجہاد اور نسفرت دسول میں بالکل کینے بدر بزرگوار کے لفتی قدم پرستے . آپ بی مبا بلے موقع پرتنس رسول قرار بائے ۔ آپ وہ بی کہ من کے مشورے کے بغیر حفرت الو بجر الو بجر الو محرت محرکونی حکم یا فتوی نا فذنه کرتے . آپ وہ ہیں کہ حفرت عمر کے بن ہاسم میں سے مجلس سوری کے کیے اپنی کومنتخب کیا۔ ا درمیں اپن جان کی قیم کھا کرکہا ہوں کرمیں طرح آنحفرت کے چیا حفرت عباس نے حفرت علیٰ کی طرحت و فاغ کیا 'اگر حفرت علی سے اورا معاب میں قدرت ہوتی تووہ بمی صغرت علیٰ کا یقیناً دفاع کرتے اورسا تع دستے۔ اب ممّ ادگوں کا یہ کہنا کہ حفرت عباس جورشتے میں چجاستے دہ حفرت کی سے مثل

تواس کے متعلق توقرآن مجید کی کب<u>س</u> موج دست یہ نبیصلہ قرآن مجیر بنے اس طرح کردیا ہے کہ آجَعَلَتُمْ سِقَابِةَ الْجَآجَ وَعِمَا رَبَّ الْمُسْجِدِ الْحُرَامِ كُمَّنْ المَّنَ بِاللهِ وَالْيَوْمِ الْأُخِرِ وَجَاهَ لَ فِي سَبِيْلِ اللهِ الْأَيْنَةُونَ عِثْلُ اللَّهِ فَم ﴿ وَسُورَةُ النَّوْبُ آبِيتَ ١٩) ترحيرآيت: "كيائم لوگوں نے حاجيوں كے پانى پلانے اورمسجد حرام كى تعيركواس شخص كے عل کے برابسمجہ نیاہے جوا بمان لایا اسٹرمیا در دیم آخرت رقیامت) براوراس نے راہ ضرامیں جہاد کیا ؟ یہ التُدے نزدمک سرگرمارمنبی نے " ا ورخدای تسم قرآن مجیدی امپرالمومنین کے جس قدرمنیا قب وفضیاکل کا تذکرہ الَ مِن سِے اَکْرکونَ ایک فیفیدلت بھی تخصارے مردوں بیں سے سی ایک کو ماکسی غیرکومل جاتی تو بقين كروكه وه حرب أسى ايك فنفيلت برخِلافت كاحقداربن جامًا اودتمام صحابه بي اس كاحتسب سب سے مقدم سمجیا جاتا ۔ (مگرمفریت علیٰ کواس حق سے محروم رکھاگیا ؛ میرانمورخ لافت مسلسل آ کے بڑھتے گئے بہانتک کہ حفرت علی علی سے الم خلیفۃ المسلمین قرار بائے اورآپ نے حفرت عبدالشرابن عباس كوابنا يرشنه وإراورقابل ونوق سمعة بويث انتفامى امورخلافت مس شاس كليا اکن کے عالما وہ بنی ہاشم میں سے مسی میں مددمہیں لی ۔ انشرایی ان معرب عبدالشراین عباس کی مغوت فرمائے، اُمغوں نے جوانود انجام دیہے وہ سب کومعلوم ہیں۔ پھرہم بنی عباس ا وروہ بنی آل محدّ یک دل ہوکرسے ہے ، جیساکرتم لوگوں نے بھی تحسد درکریا ہے۔ بہا نٹک کرحکومیت بی عباس کوا میٹر نے عطاکی اور حکومت پاتے ہی ہم بی عباس نے آلِ محدّی اہمیّت کو گھٹا نا ایمنیں تنگ کرنا ا ورامخیں قتل كمنا شروع كرديا. اوريم نے دورين أمير سے بھی زيادہ آل فحمر كوفتل كيا. ہم پر وائے ہو، کیوں نہیں سمجتے کہ بی اُمیّہ نے تو آ کی محدّیں سے صرف اسی کوسل کیاجس نے ان کے مقابلے میں تلوار مینچی۔ اور ہم گردہ بی عباس نے توسیمی کوفتل کرنا شروع کردیا۔ ا ورقیا مست کے دن ہم بنی عباس سے بیقیناً پہوال ہوگا کہ بن باشم ہی سے فلاں فلاں کوکس تُرم ين قبل كياكيا ـ فلال فلال كوس جُرم بي وحله وفرات كى لبرون سك حوالے كياگيا ، فلال فلال تعوّل كولغِدُاداوركونه بين حرم بين زيزه دفن كياكيا . افسوس - فران مجير كا يه كفلا موافيصل به كه جوشخص ذرّه برابرسیک کرے گا اُس کو اُس سے کی جزامے گی اور چخص ذرّه برابر بری کرے گا اُس کوانس بُری کی منزاطے گی ۔ تمنے لینے خطیس مخلوع الخلافت این اوراس کی حکومت کی تعرفیت کی سے اوداس كى خلع خلافت ميں استنتبا ، ظاہر كمايے . توسنو ! كم اس سے خلع خلافت ميں تم نوگوں كے

سوا ا در کسی کو بھی استنباہ منہیں ہے۔ اس سے کراس نے لوری طرح برعبدی کی اور فترادی سے کام دیا گرمتم نوگوں نے اُس کی اِس غداری کی تعربیت کی اوراٹس سے کہا کہ اُمیرنہاں کہ تھا دسے مجائی (ما دون) کی حکومت قائم ہو۔ اِس سیے کہ وہ وادالحکومت سے دورسے اورجال وطن ہے . اس کے پاس خزار بھی ہے اور فوج بھی ہم فوج بھیجیں گے جوائے بگرلائے گی ۔ یہتم نے غلط کہا ا وربلا وجر دھکی دی ہم اللہ تعالیٰ کے اس فول کو بھول کے کہ: كُنَّةً لُغِي عَلَيْكِ لِيَنْصُرَتُهُ ﴿ رَسُورَةً الْحُجُ آيت ١٠) ترور المرات و حس شخص برزمادتی کی جاسے گی ہم اس کی ضرور مدد کریں گئے " حفریت ابوالحسن رهناکی ولیعہدی کوچ تمہنے مامون کی ہے بھیرتی پرمحمول کیا ے توابسا نہیں ہے ، بلکہ مامون نے پیسیسلہ خوب سونٹاسبجے کراودیہ جان کرکیاہے کردیے ذہین پران سے پڑھ کرنہ کوئی صاحبِ خطل ہے اور نہ صاحبِ عقیت۔ نہ ان سے پڑھ کرکوئی صاحبِ درع ہے نہ صاحب ذُہد ۔ مذاکن سے پڑھ کرکوئی نفسا نیست سے آ زاد اود راضی برمضا سے الہٰی ہ ىذ اڭ سے زيا دہ كوئى الٹرسے معلىلے ہيں سحنت ۔ خواہ وہ عوام ہول يا خواص ۔ اُن كى بعيث ليع مدى رمنائے رب کے مطابق ہوتی ہے ۔ میں نے اِس کے لیے بڑی کوشش کی اور الترکے معلطیں سمسی طلاست کرنے ولیے کی پروانہیں کی ۔ اورمیں اپن جان کی سم کھاکرکہتا ہوں کہ اگرے ولیعیدی میری طرف سے کوئی عطیہ ہوتی تومیرے ول کوسب سے ذیادہ لیسندا ورمیری لنطریس سب زیادہ اہمیت خودمیرے فرزندعیاس ا ورمیری دومری اولادی بھی لیکن میری لپندکھیاور النّد کی لیسند کھیے اور میں اپنی لیسند کو النٹر کی لیسند می ترجیح مذ دے سکا۔ تم لوگوں نے یہ بھی لکھلپ کہ میرے دورِحکومت میں تم بربڑے منظالم موسے تومیں اپنی جان کی قسم کھا کرکہتا ہوں کہ یہ جو کچھ ہوا وہ خود متھاری وجہ سے ہوا۔ اس کو رائین کو) فتحیا*ب کرانے کی کوشش ا* ورائس کاساتھ دیسنے کی وجہ سے ہوا۔ ا ورجب وہ میرے ہاتھوں قبل ہوگیا تو ہم لوگ گروموں میں برط سکنے۔ ہم نے میں ابن ابی خالدک اتباع کی ہمی اعرابی کی بیروی ک بہری ابن شکار کے بیچیے جل پڑے ۔ غرض جس نے بہارے خلاف تلواد انتظافی تم لوگ اسی کے انتقا ہولیے۔ بادر کھو اکر اگرمیری عادمت درگذری زموتی اور طبیعت ین طلم وزیادتی ہوتی تومیں روسے ذبین پریم میں سے سی ایک کو بھی رجیو الم تا ، اِسس بے کہم سب کا خوان حلال اور تم سب ہی مستحقی قتل ہو۔ نيزتمعادى يرامستدعا دكمين حفرت ابوالحسن دمثاكى وليعيدى كزخم كمسكه لينت ینے عیاس کودلیعبدینا لوگ ، تو کیا تم سب ایک بهتر فرد کوایک کمتر فردست بدل لینا چاہتے ہو؟

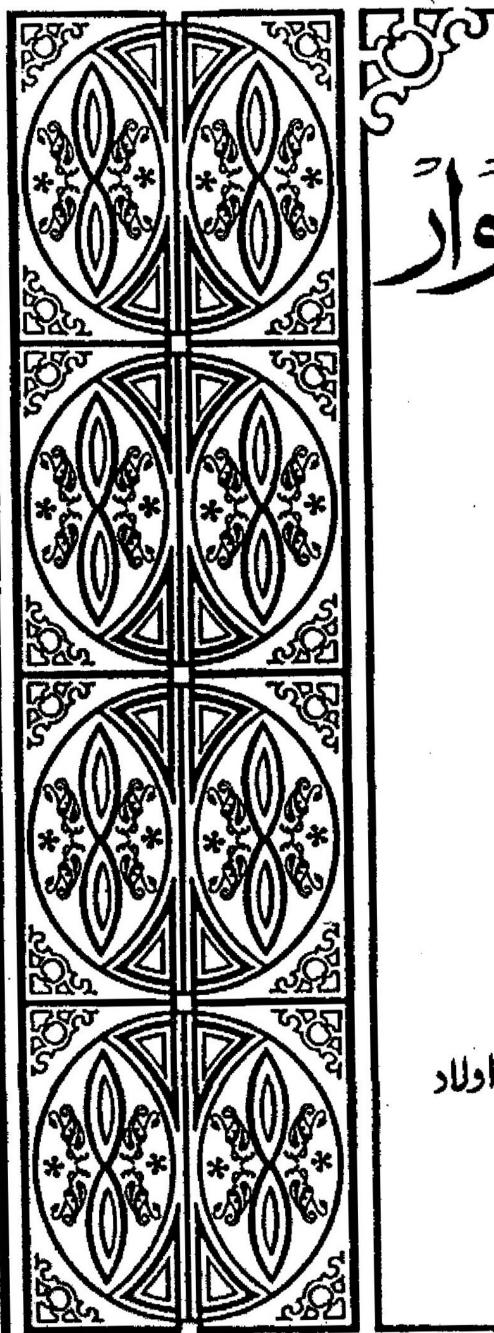
وائے ہوئم سب پر ، عبامس امی بچر اورسن سے مامس کو تنہا ہیں جیورا جاسکناکیونکه نامجربه کارے ، عورتوں کی ترمیت یں راہے کنزوں کی گودوں میں بلا برمعاہے بعريدكرابعى دين تعسليم عبى حاصل بنين كريب رحزم وحلال كى بيجان بى بنين راوداً كرمي مانتا مبی ہے تورعایا کونہیں سنبعال سکتا۔ نہ ان پرجہت قائم کر کے انعین طبئ کررکتا ہے۔اد بالفرمس وه اكسس لائن بمي بوتا اليعني أسير تجريه مي بوتا الدين معلومات بمي بوتي المروت قوى اوردينا سے کے دخی بھی ہوتی ، بلکہ یوں کہوں کہ وہ ایک عادل حکراں مبی ہوتا ، توخلافت کے بیے جسس کی حیثیت میرے نزدیک قبیلا عک وحیر کے کسی آدمی کے برابری ہونی العنی نا قابلِ علافت) المبذا إس سیسے میں میری زبان رہ کھلوا ؤ ، ورمہ میں البی البی میٹین گوٹیاں اورخبری بیان کرد دں گا کہ التد ایک نہ ایک دن آئی بات پوری کر کے ' جوسطے کرایا ہے اس کوظا ہرکر کے دہیں گا ؛ تولوگ میری بالول كوسنبى اور مذاق سجيس كے۔ اوراگرىم ان بالول سے پروہ جاك كرائے بغيرية مالو كے تو يميسنو! م رون الرسشيد لي أباد كے سلا سے يه دوايت مجھ سے بان كى اوركاب حكومت مين أس نے يہمى يا ياكہ بنى عبالس كى ساتوں پشت پرنوال آسے گاراس كے بجد ینی عباس کی حکومت خم ہوجائے گی ایس اس کی زندگی تک یہ حکومت مسے گی۔ اِد حروہ وہ موا اودا دُمور بحکومت می رخصت بوی ر لهذا خبردار احبب میں دنیاسے رخصت بوماؤل توئم لوگ لیے کیے جائے پناہ تلاش کرلینا۔ اِفسوس اُس وقت تم سب تہر تینع ہوگے۔ ایک حسنی شخص تم سے انتقام سے بے آسے گا ، وہسی کی رعایت نہ کرے گا اور متعیں اتنا کا ہے گا جتنا وه كالشيكي باسفياني آئے كا جومتھيں ذليل وخوار كرسے كا۔ اور قائم مبدى آسے كا جوتهما لاناحق خون بہنے سے بچائے گا۔ میں بت قل کمیں نے علی ابن مینی رصا کودلیجد کیوں بنایا ؟ اول تو وہ فى نفسراس كي متى دومرس بم فى جوال كوولىيىدى كى كى منتخب كيا تواكس ك كم متمارا خون بهني ي بياول اوراپي اوراكي محمرك درميان رئت و مورّت كومسل باق مفکر رائس آنے والے وقت پر) تم ہوگؤں کا تحقیظ کرجاؤں ۔ یہی وجہ ہے کہ میں اَلیّ ابی طالبٌ کا اكزم كرمًا مِول الدمالِ غنيمت ميس مسيحيد دست كراك كيسا تدمواسات اورسي مسنوك سيميي آ ماہوں۔ اگر متعادا یہ خیال ہے کمیں نے عافیت اورمنفعت ان نوکس کے دالے کرنے کاادادہ مرلیاب توابسا ہیں ہے۔ میں تھاری مبہود اور تغنع رسانی کی تدبریں ہوں۔ میری تظریم ہ متعارى اولاد ا درآئنده نسلول پرب كرخمادے بعدائن كا مشركيا بوكا ؟ تم لوك توانب مكو يجف لرمورم برموع أمور لوري من رهينتها موع عنوا بدر كرمه بريدي بلير بالمريد و15 وم دم

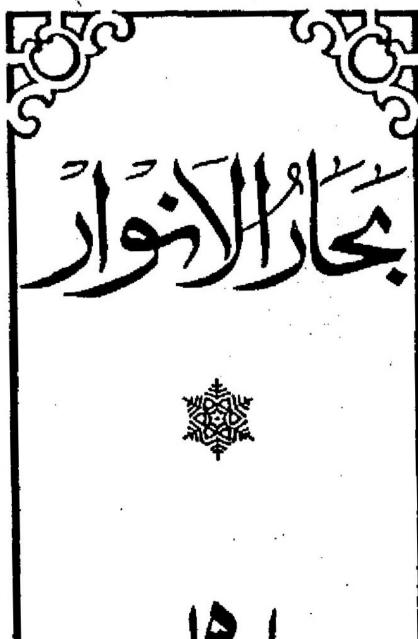
موایس بھٹکے ہوسے بررہ ہو بھیں بین ایک بمقالیب ساتھ کیا بوسنے والاہ اود کون سا عذاب بخادسے سروں پرمزڈلا رہاہے۔ یعیش وعشریت، یرمغمت ودولت میب سلب ہونے والى ب متم يسس براكي يه چا بتاب كرشام كوسوادي برسواد بوسيروتغري بن وقت گزاری اورمنے کو محتور اور انشے میں چور آکھیں ۔ تم گنا ہوں کا ارتکاب کرکے ایک دوسرے برقي كرسته بواود بهبت خوش بوست بو- برليط متمادا خدا بن گياست بمتعا دست اندرنسوانيت اورزنام بن رئ لس كياب بم س كونى اليراسوي بجار اورغور وفكركرنوالا بحى منبي جوابي معیشت کی اصلاح و دارستی کے سابے اور الٹرکی دی ہوئی نعتوں کی حفاظت اور ابغائے ہے کوشش کرسے ۔ ذحصول کمامت و مشرون کی فکر' نہ کارنجیرا دراعمال حسنہ ایجام دینے کا اداده حسسے اس دن زقیامت کے روز) سرفرازی اور ابندی نصیب مواور کردن آمٹاکر چل سيس احي دن مال اوراولادكونى كام نرآف كا تم لوگوں نے تماز ترک کرکئی ہے ، شہوات وجوامشات کی بیروی میں سکتے ہوے ہو۔ نغات ولڈات پرمند کے بل گرے پڑرسیے ہوا ورگر اسی میں مبتلا ہونے والے ہور خدا كي قسم مين اكثر متعادے مالات بر فوركر تا بون اورديكمتا مول كرسابق آمتوں میںسے جو آمست میں مورد عذاب اللی موتی وہ اپنی ہی برکرداری وبداعالی کی وج سے ا ورمتمادے اندربہت سی برکرداریاں موجود ہیں اوروہ الیسی کرمیر اتوخیال ہے کہ شاید ابلیس کویمی شرم آہے ۔ قوم مالے کے متعلق قرآن مجیریں ہے کہ اُن پس نوگروہ سمتے جوزین پرونساد بعيلارسيسنغ اوداملاح قبول نبين كردسه يمقع يكرتم بس سيكون ايساسب كرجس كصامة ننا بوسے مغسدین مربول ہم ہوگوں نے معاد اورآ خرت کا آستخفاف اور غراق اُرانا ایناشعار اورد ستوربنالیاہے۔ حساب وکتاب پرلیقین نہ ہونے کے برابرہے۔ سوچ ! کرئم میں کوئی ایک بھی ایسا صاحب داشے نہیں ہے کہ جس کی ہرویا ک جلئے یا اس کے کردارسے استفادہ کیا جائے ؟ تم لوگوں کی شکلوں پر عینکار محاسے چہوں يرخاك ركدم كطفك جارست بور متم لوگوں نے یہ بھی تحسدریکیا ہے کہ حضرت الوالحسن علیمست لام نورالٹروجہ کی ولیمبری کامعامل غلط دیا۔ تومیں اپی جان کی قسم کھاکرکہتا ہوں کے میرے نزویک یہ وہ بھرن اقدام ہے کہ میں کے ذریعے سے مجھے امیں ہے کہیں صراط سے آسا فی کے سامھ گذرمکوں گا۔ ا ورقیامت کے مولناک دن مجے خوبت سے امن ومجانت ہے گی میراتوخیال ہے کمیں نے ای زندگی بین کو فی کامراس سرمیته انجام بنیین دیاده به تن مانجام در میسکه ن محل اوراکه کمجی

مسلوب کا کووہ اسی کے سل کوئی دوسرا کام ہو کا محر بھی میرے کے کہاں مکن ہے اور تم یہ سعادت بھلاکیسے حاصل کرسکے ہور تحارا يكبناكمس ني يه قدم انحفاكر تحارب بزركون اور محارب آبارواجاً کو بے عقل اور کیے دائے ثابت کردیا ہے ۔ یہی تومشرکین قرمیش بھی کہا کرتے تھے کہم نے اپنے آبار واجداد کوشی مسلک پریا یاہے ہم می اسی مسلک پر پاپس سے اورا نہی کی پیروی کی سے ومُيل بِومَ بر، دين بيشه سے مرف انبياؤ كرام بى كے ذريع سے بياجا با ربلسب رسوج اورسجو! مگر مجھے اُمید منہیں کرتم سجھ سرکھے۔ متعيى اس كى بمى شكايت ب كدميرابرتاؤمتمارسه سائد مجسيوں جيسك تومیراخیال ہے کہ اگرمیں متعارے ساعقربندروں اورخنزیروں جیباسلوک کروں تہے بھی متعادی اکٹینیں جاسے گی جوتم امراہوئین کودکھا رہے بہو رمیں اپی جان کی قسم کھاکر کہتا ہوں کھیں طرح ہمارہے ماں باب اسلام لائے اس طرح یہ مجسی بھی اسلام لائے سکے تووہ مجری بیار تواب مين سنمان بين مخرتم مسلمان بوكرم تدبوسكة - اوروه مجوسى جومسلمان بوسكة والمسس مسلمان سے بہترہیں جومرتدموگیا ہے ۔ وہ بیجا دے گنا ہو*ں سے پرمبز کرتے ہی نمب*ک کا حكم ديتے ہيں۔ اجھائيوں كے قريب اور مُرائيوں سے دور سہتے ہي ميسلمانوں كى عرّت وحرمت ک حفاظت کرتے ہیں۔ وہ شرکب واہل شرکب کی ٹرائیوں سے پاک ہوکریوش ہیں ۔ اسلام نے جو خوبال دی ہیں اُن کو سینے سے رنگامے ہوئے ہیں۔ اُن میں سیعبض تو اپنی مدت حیات پوری کرکے جاچکے اور جس اس کا انتظار کررہے ہی اسخوں نے اپنے اِس عنوان زندگی میں اورايك تم بوكرتم بينسه ايك بهى السامني جولهو ولعب بي مبتلا مزمود أس ك عقل وتدبير ما وُف مر موحلي بورتم بي سن كونى يا تو كويا وكلف والا) بوكا باطبلي يا بانسرى بجلنے والا۔ خداک قسم وہ بنی امیہ جن کوئم نے کل تہہ ہے کیا ہے کہ وہ پھرسے زندہ کیے آئی ادراً نست کہاجا سے کہم قدر رُائیاں تم کرسکتے ہو کرگذرد ۔ تووہ بی اس سے زیادہ نہیں کرسکیں سے جتنی بُرائیوں کوئم لوگوں نے اپنا سٹھار و کردار بنا رکھا ہے۔ مم كي مرايك كي في طرت به كرجب برهالي ين مبتلا بوا توفيخة لكا-اور جیے ہی خوشمالی آئی بھرکسی کی بات بھی مُنتا گوادا نہیں کرتا۔ اورجب تک ڈرایا نہ جائے، نہ توده بإزآتاب اورم پرمبرگارمنتاس - ادر کیسے بازآے کلوہ شخص حس کی رات مرکوب (موامی پرمیردنغریج میں) لبسر ہوتی ہے اور حیب صبح کو (تمام دات میش وطرب کی لڈت و تموکلاز کر بعد) انجینا تولینے گنا ہوں پر نازاں اور فرحاں۔ ایسامعلوم ہوتاہیے کہ اُس نے کوئی بہت ہی تا بلیے تعرفین کام کیاہے۔ اُس کی زندگی کامقصار کی پروری یا شہوت دائی ہے۔ اوراگراس کو اپنی شہوت کی تسکین کے بیے ایک ہزار نبی پینبریا، ملک مقرب کو بھی قتل کرنا پر سے تووہ اسس کی بھی پروانہیں کرے گا۔

اس کے نزویک سب نیادہ لیسندیدہ خص وہ ہے جواس کومعصیت پرانہاںسے اور فواحش بیں اس کی مدد کرے ۔ مگر اب وہ زمانہ نہیں رہا ۔ اگریم لوگ اب ہی پرائیوں اور برکادلوںسے بازنہ آئے توجھیں اختیارہے ۔ میرسے پاس جوبھی قرست کوہ الٹرکی دی ہوئی ہے اورمیں اُسی پرمجروں کرتا ہوں اوروہی مبرے لیے کافی ہے ۔

Jen









آپ کی ازواج واولاد

ابی ابی جدون سنے ایسنے باپ سے دوایت کی ہیے مثلاہ پر جی زیدین موسی (معفرت امام مضیا علىالسسلام محيهانى) سنديقروين خزدي كيا اورعبالسيول محكون كونذراتسش كردياجس كى بناتير البين ۔ پدائشین کیا جانے دگافتا رجیب پرگزفتا دکرسے مامون کے ساحتے لاستے گئے تو مامون نے ان سے کہا ۔ لمے زید اگرتمہیں آگ نگائی پی تعی توہم ہوگوں سے دست من بنوامیہ۔ وتفیعت دفنی و باصل اور ال زیا و بیں ال میگھروں سے متروع كيابهوتا ريدكياكم تمن البين توجهورا اوراسيت يجاكى اولادون كرهون كازخ كرديا وزيدمى بهبت يُرْمِزا نَا وَى تصانعوں سنديرست بواب ديا۔ يا اميرا لمونين غلق بروگئ اب جب آگ لگاؤں گا تو پيلے انہی نوگوں سے گھروں سے مشدورہ کروں گا ۔ ما مون پرمشن کر مینسنے نگا۔ مجدانہیں ان سکے بھا ئی مفرنت الولنس المضا سمه پاس بھیج دیا اورکہلایا کرزید کے جرم کا ہیں سنے آ ہے۔ کوا ختیبار دیار جب ہوک ان کوسلے کرایام کی خدم منت یں آئے تھا کیے سے انہیں مبی*ت جوا کا اور ایم دیا مگری علف ک*ر دیا کہیں تا بڑان سنے بات شروں گا۔ ا بوالخیرایی بی احرنسا برت اچنے مشائخ سے دواہت کی سنے کہ معرنت ڈیڈ بی موی علیہ اسلام منرتع کے تديمهما وب تعادر برسين وسن گفتار تعديد زيديه نيالات كه ما مل تقداد ين نبر كرفايا برقيام كيا كرسته تنصريبي وه زيد بي بوالوسسرايا ك دوريس كوفه كے اندر تقے اورا سس نے ان كوكوف كا دالى بنا دیا تھا المربعيد الإسسراياتن بوكيا توطابين منتشر بوسكة كجه بغداد جاكرجيب رسيد كجيكوفه الدكجه مدينه وابس جط سكت اورانبی دو پیش بهوسف وا لوب پس زیدین بوشی می سقے یعس بی مهل سندان کو الماسٹس کرسنے کامکم دیا جہب ال سكة قرانهين حسن بن مهل كساست پيش كياگيا اس سة ان كوقيد كا حكم دسد وبا چندون بعدا نهيس كردن زونى سكه لمنة بنيش كيامجيا مبلا دسنه ان سك هل سكه للثة تلواد كيبين لى رجهب قريب بهنجيا تواضول سف ليكام كركيارالهاالامراكرآب منامس يجيين تومير حقق بي اتن جلدى ذيميس بمهرجانين رفيرة بسيرايك باست كهی برے بخسسى بن بہل نے مي ديا جالا دسنے توار دوك لی ريوسسى بن سہل سے قريب پہوپنے اوراس دفت ولوں بچاج بن فینٹریمی موبود تھا۔ انھوں سے کہا ایہاالا میرید بواپ سے میرے قتل کا ادا دہ کیاہے توکیا اس کے متعلق امرا لمومنین کاکوئی حکم آپ سے پاس آیا ہے جھسس بر بہلسنے کہا۔ نہیں۔ زید بن موسی نے کہا توجر آپ امرالومنين كيج إزاديجا في كويغيران كي اجازت بغيران كيمكم الدينيران كي داسته سلط بوست كيون عمل كيب ہیں۔ بی میرانموں نے ابوی دالٹرین افطسس کا واقد بیان کیاکہ ادون دستسیدسندان کوجمغ بن کی سے پاس قيدين دال ديا تفارم كريستيد ك حكم كربغير جنرف ان كوتمثل كرديا . اور نوروترك ندارون اور بليون سك ما تت ال کامیجی دهید کے یا س بھیجا متعار مگر حبب بادوں دمنشید تے مسرود کیرکہ جعز بن کی سکے قتل کرنے کا حكم ديا تويدكها كالمخصفرتم سنصير يوجي كرجع كسرجم كى پادائنس پش قتل كيا جار بيرست توكير د يناكر توسف

مرس جيازا د معان كان اقطس كوبني ميرسه صح سك مل كيا تعنا اس كه برساني الحيق كردايون و يرس كرجاج بن فينته خص بن مهل سنے كها ايها الاميركيا أب كوليلا اطينان سبنے وكبيں ايسا نہ ہو کہ کیس آپ کے اورام المومنین کے درمیان کوئی تلی بیدا ہواور آپ یمی اس مخص کوبنیرا جازت کے قتل كريجة بول اورود أيب كے ملف و بى بهانه بيش كرے ورشد سن جعفرين بيل كے قبل كے سات بيش كيا تھا ۔ يولى ك من بن بهل نے جاج سے کہا اللہ تمہیں اسس کی اچی جزا دے تم نے ہیں تعلم وسے بچایا۔ بچرا پر کے قتل سے کا کووائیں سے لیا اورانہیں بخیدیں والیسس کردیا مچرپہسٹسل قیدیس رہسے پہاں تک کرا براہیم بن مہدی کا دوراً یا اورا بل بندا دسفیصارت مرسکے حسس بن مہل کوبندا دستے شکال دیا چگرنسیداسی طرح قید پیم پڑسے ربيدبالأنوانهيرمامون سكرياس بمبيح ويأكيا را ورمامون سفران كوالت ميميمائ امام بفيا سكيماس بمبيحاما ا ما م مضاعلیدالسلام نے انہیں رہا کر دیار زید بن موسی خلافت متوکل کے آخر دوریک زندن دسید بالا توممس داگا يم ان كا انتقال بوكيا_ (ييون اخبار الرضا جلر اصوال المساع) يا مركابيان سبنه كه حضرت امام رضا عليالرسدام كے بعائی زيادی موسی ف مدینہ ہیں خروج كيا ہ گوں سے گھرجاناستے اور انہیں قتل کیا اور اس بنا ہران کوزیدالنارکہا جاسٹے گا۔ مامون نے ان کگرفتاری سے لئے اُدی تھیں اور حیب انہیں گرف ارکر کے مامون سے سامنے پیش کیا گیا تو مامون نے حکم دیا انہیں حزت الدالحس عليالسسام كمياس ساجاؤر بإمركة اسبع كرجب يرمنفرت امام ابوالحسسن عليالسلام سحياس بيوسنج توآب سف ان سعه كها - است ذيدتم في بست فطرت ابل كوف كاس قول سعده وكاكماياك ومعفرت فاطرز براسلام التعطيمها يونكرصا حب عصرت وعفت بيراس كن الشيفان كى ذريت پريهنم كرام كرديا سبيء حال كري باست عرف امام حسسن ا ودامام حيين عيسيا اسلام سكه لنظ منصوص سبعد المرتبها لا يرينيا ل سبن كرتم الشرتعالي كما فياني كروك بهربى بينت مي جاؤ محداوروس بن جعز الذكى اطاعت كريس محدادر جنت بي جائيل محدادم الله ك نزديك موسى بن بصغرسة م بى اليص عرب رسس لو خداكي مال كيم الشركيان و كي بديد وه بغيراس كا الماحت ك حاصل نهيں بوسكدا و تمها دا خيال بن كرخم الله كى معيدت مركد است حاصل كريوسكد توييم إن العلامين زیدند کہا یں آ ہے کا بھائی اور آ ہے ہا ہے کا فرنند ہوں مصفرت امام ابوا کحس ایدائسان سنة فربایا تمیک سینتم میرسد بعانی اس وقت تک بهوجب تک التاکی اطاعت کرسته دیموسطیعخرت نوح على السلام كاوا تعديا وكروبي قراك مجيد ش خركورست كرصنرت نوح في كما رس ميت إن البيني وسن آخساني وَإِنَّ وَعَندَكَ الْمَعَنَّ وُأَنْسَتَ ٱسْتَكَ أَحْسَكُمُ الْمُعَاكِبِينَ

يدورد فارميرايد فرز تدميرسه ابل بن سينسب اور شياد مده مجاب توحاكم الحاكمين سيند- توالتدتعاني سنة بواب دياريًا مُوْسَحُ إِنَّنَهُ لَيْنَ مِن أَهْلِكُ ۚ إِنَّهُ مُلَ فَيُرْضَا لِمِ إِس بردصا ١٧١-١٥٥) ا عدوى يد تهادسدابل پر سے نہیں سید اس سے کا سس کاعل غیرصالے ہیں۔ (یہ نا فرمال ہیں) ترديجها تهست كالتلسة نوح سربيت كواس كامععيست اورنا فرانى كى وجهست مغرت نوح سكابل سعفارج مر دیار (میمون انبادالرضامبلد۲ صس<u>ستت ۲</u> _ اولاد فاطمهٔ اور نارجهنم حسن بن موسی وشاً بندا دی کا بیان سے کہ بمی نتواسسان سے اندیصفرت ا مام مضاعلیالسلام كى عبس بين موجود تضا ان ومل ب زيربن مرسى جى سقے وہ اہلے عبس سسے بخا لحب سقے اوران پرفز كردسے تعے اور کہدے سے کہم دہ لوگ میں اور ہم لوگ وہ بیں اوراً دحرمون امام رضا کچے دورے لوگوں سے باتين كردبين تنقد زيدى بأثين كشنين تواك كى طرف متوجه بهيستة اوركها واستذيدكيا تمكوا بل كوف كفاقليم روابيت سكه اس قول سنه دحوسے بي ممتلاكر دياكة بعفرت فاطر زبراصلوه النّروسسلام عليها يونكصا وبعيمت ه عقت ہیں اس سلت الشیت ان کی ذریت پرجہتم کوئزام کر دیا ہتے ہے خدا کی قسم پیموائے ایام حس اورطی فاظمہ سعے بچہ بریدا ہوئے اورکسی سے سلے نہیں سیے۔ لیکن اگریہ ہوکہ موی بن جمع الندکی اطاعت کر یہے ہیں ۔ دوج روزه دکه دست بین دات میروبادت کر دست بین اورتم الندکی معصیت اوراس کی ما فرمانی کردست بویم دونون قيامت ين پنيس اوردونوں برابر بروجائيں تواس كامطلب تويہ بوگاكتم الشرك ترديك نيا دہ معزز بور معضرت على ابن المسسيرة لمدالسسام تويه فرما يا كرست تعرب بمثل بؤنيكو كاربي ان كود بهرا تواب سط كا اور بي خطاكاربي ان كودبرا عناب دياجات كار صى وفثا كابيان ہے كريچراً بيك ميرى طرف متوجہ ہوئے اور فرما يا اسے مسسى بناؤ تم اوک اس اُ بيت كرم لمري يرصة بوريانة أينه ليسك من آهيك إنشه عَسَمَلُ عَسَيْرُصَا لِيع ين في والما يك المرانه عمل غيرصالح برهد الله واله عمل غيرصا الح پڑھے ہیں وہ مزید نوح کے باب ہونے ہی سے الکادکرت ہیں۔ تو آٹ نے خرایا بنیں نہیں وہ صفرت توجیکا بى ييثا مّا مگرويكاسسة الذي نا مسرماني كماس ك النّسة اس كومغرت نوح كايثا بوسة سالكاد ا مردیاریس اس طرح برم پرسندمی پوشنس الندی اطاعت نهیں مرتبا وہ برمی سعی نبیں ہیں اورتم اگرالند کی ا لها مست مرست بوتوتم إلى بيت بين سند بعد عوق انجا والرضاجلد اصلاً ٢ يمنا فيالا خيار يمين قرص است

س_ اصل سٹنے تقویٰ ہے

المستن بن جہنم مسيدوا برت مين اس كا بيان سي كيرن امام رصا عليدانسلام ي خدمت بيل حافر مواقفا اوروكال ان سيربعا في زيرين موسى مجى موج وسقے اور معزمت امام رضاً زيدسے كہ رسبے ستے كرائے ذير تعوى اورةوت خلاا ختياد كرواسس سك كربم لوك جس مرتبدا ودمنزلت بربيني بي وه تعوى اونفون خدا سے پہنچے ہیں۔ پیس میس میں تعزی اور توحت خدانہیں وہ نہم میں سے ہے اور نہ ہم اس میں سے ہیں لمعالیہ ہمادسے شیعوں میں سے تم جس سے ملواس کی توہین نرکیا کرو ورثرتم سے نورا یالت دخصستہ ہومائے گار لمدے نرید تمهير معلوم سبے كہبادسے نتيعوں سے توكس بغض وعدا وت دکھتے ہیں ران كا نون بہا نا ، ان كا مال كوٹ لینا لوگ ملال اورجائز شیجے ہیں محض اس سلنے کہ وہ بیجارے ہم سسے محبت کرتے ہیں ہماری ولا بہت وا ما مست کا اعتقاد دکھتے ہیں لہٰڈااگرتم نے ان پیچاروں سے پرسنوکی کی توخود اپنے اوپڑھلم کروسے اوراپیٹے بی سسے حسسن بین پہنم کا بیان ہے کہ زید کو ہدایت کرتے ہے بعد آئٹ میری طرحت متوجہ ہوستے اور فرمایا اسے ابن جہم ہوشمن میں دیں ملاکا منا لعن سیدیں اس سے برائت اورلاتعلق کا اظہار کرتا ہول ہوا ہو كوثئ بوادر كم تديير كابور اوريخفص الذكا دستسمن بواس سند دوستى ندر كمونوا ، وه كوئى بوادر كسى تبييله كا بوريس نيوش كيا فرن ديول خدا كادشن كون سنة ؟ أب خفرما يا بواس كامع جيبت اورنا فرما في كرسا . (ييون الانبارمير۲صس۳۲) سلين بن تنجف يزنعى يسعدوا ببت بين وه كبتاسيت كدمي معزمت امام رضاعليه السلام كى خدمت بين ماحرفضارا ود اکنژ کہاکرتا کہ میں ان سے بعثی ایوجھ سے باتیں اخذکیاکرتا ہوں توایک دن بیں نے ان سے پوچھا آ ہے ک ساتھ آپ کے چاؤں میں سے کس کاسسلوک سب سے زیادہ اچھا ہے توا تھوں نے جواب دیا ہو بین کا توآب كروالدسف فرمايا كما تصول سفريج كها خلاكى قنم وه واقعاً ان كريك مسيست بهتراود مسبست زياده ا چیاسلوک کرتے میں۔ الشان سب برا بنی دھتیں نازل فراستے۔ قرب الاسنا دصس<u>۳۲۳</u> عيرين بريدست روايت سينداس كابيان سنت كديس ايكسم تند محفرت امام رضاعليالسلام كى تدمت بن ما حر مقا كه وال عربي جوكا تذكره جيراكيا رتواب نے فرما ياكد بن تو لين متعلق ير ط ار بداست کریم اورده دونوں کیم ایک گھرٹس ایک چست کے بیجے جمع نہ ہوں گے۔ دادی کا بیان ہے ک ليرسف ايستدل پرکها کديه بين توحسس سوک اوراعز آسک ما تعد اچھ برتا وکاحکم ديستاي اوراغ د



کے ایک دوسے سے کو دیکے اور سِنت کے سام رضا علی اسلام نے فرایا حکونقریب تم ان کو دیکی ہے کہ رہ مہریت دولتم تداور صاحب سمتم و فرم ہیں گئے ہے کہ اس ارشاد کواجی چند ہی جیلئے گذرسے تھے کہ وہ مدینہ کے مام بین ہے کے اور فوخی ان ان کی اوراسس کے بعد جیسے جارہ ہی جارہ سر ساحنے سے گذرہ تے تو درجے وفلام کے ساتھ گذرتے ۔

کے ساتھ گذرہ تے ۔

ذکورہ بچو کا سلسلہ تسب یہ جیسے جو زبن جی بین عمرین الحسس بن عربی علی بن الحمیدی ابن علی ابن ابی ابی طالب علیہ ماسلام ۔ (بیمون ا خوار الرضا مبلد ۲ صوائع)

طالب علیہ ماسلام ۔ (بیمون ا خوار الرضا مبلد ۲ صوائع)

و کے سرت تعقیم و کو کہم کی اور والی میں اس کے اس نے ان کی بہت تعظیم و کو کہم کی اور والی میں ادا میں من ماری بہت تعظیم و کو کہم کی اور والی میں ادام میں مناطقہ میں میں جو مامون کے باس سے اس کے اس نے ان کی بہت تعظیم و کو کہم کی اور والی میں ادام میں مناطقہ میں میں در بھو نہ ہے ذات میں درائی تو اس نے ان کی بہت تعظیم و کو کہم کی اور والی میں اس

رست ته الوس المساحة الوس المساحة الوس المساحة الله كا بهت تعظیم و كوره كا و و تا كام و المام رضاعل مرتبرز پرموس بن بعغ وامول كرياس سكة الاس نه الله كا بهت تعظیم و كوره كا و و تا كام و المام رضاعل مي بهت ديار توزيد خابه چرس اله مي ايد المام رضاعل مي موجود تقے زيد نه الله ي المام كا بجائی اور اب مير ساسلام كا بجائی اور اب مير ساسلام كا بجائی ديارت فرمانی كی تو بها رست الله كا فرمانی كی تو بها رست الله كا فران كی تو بها رست تم الله كا فاعت كرو اور جد تهد و الله كا فرمانی كی تو بها رست تم الله كا درميال كوئ برادری نه بی رست الله كا فاعت كرو اور جد تهد و الله كا فرمانی كی تو بها رست تم الله كا درميال كوئ برادری نه بی رست الله كا فاعت كرو اور جد تهد و الله كا الم مساح الله كا درميال كوئ برادری نه بی رست و مساح الله كا درميال كوئ برادری نه بی رست و مساح الله كا درميال كوئ برادری نه بی رست و مساح الله كا درميال كوئ برادری نه بی رست و مساح الله كا درميال كوئ برادری نه بی رست و مساح الله كا درميال كوئ برادری نه بی رست و مساح الله كا درميال كوئ برادری نه بی رست و مساح الله كا درميال كوئ برادری نه بی رست و مساح الله كا درميال كوئ برادری نه بی مساح کا مساح کا درميال كوئ برادری نه بی مساح کا درميال كوئ برادری نه برادری نه بی مساح کا درميال كوئ برادری نه برادری نه براد کا درميال كوئ برادری نه برادری نماند کا درميال كوئ برادری کوئی برادری کوئی برادری نماند کا درميال كوئ برادری کوئی برادری کوئی برادری کوئی کو

میں بن طلی کا بیان ہے کہ آپ کی چھاولادی تھیں جن میں پانچ لڑکے اندایک لڑکی تھی سان کے نام پر میں میرانقانع پیمسن میرمیز رابراہیم پیمسین معانظہ میں میرانقانع پیمسن میرمیز رابراہیم پیمسین معانظہ

قال می العابع برسسان می جعفر - ابرانهیم برسیدن عالظه ادرموبدالعزیز انحفرکا بیان بسے کہ آپ سے پانچ کوسکے اورایک نوکی سام عمدتی سا اوجی شن ابوجی شن ابرانهیم برسیدین - عائد شند -

ا بَنَ خَشَابِ کا بیان ہے کہ آپ کے یا نے لڑکے اور ایک لڑکی ہی کے نام مندرہے ڈیل ہیں۔ ایا کم تحدیّق را پوجونوٹا نی را آیو تحدالحسسی رجھ آر ا براہیم پیمسین اورعا تشہ رڈٹولٹا فجاؤلرہ ایلاہ صکال منا قب ابی طالب جلری صفائل پر درج ہے کہ صفرت ایم رضاعلیہ السلام کے مرت ایک ہشد زند معفرت ابیج بغرجہ بی علی الجواد تھے اورکوئی دوموانہ تھارکیا ب النّدیش مرقوم ہے کہ جب صفرت ایم رضاعلیہ السلام



وبن اوراس مقام کولی سر دین گلیس اور الم تصول سے سی کرنے گلیس ۔

سیمان کا بیان جی کاس کے دیں جو جی ہے کہ بین کا مذکرہ کیا تو اضوں نے بھی ام سلم کی منظم کا بیان جی کا بیان جی کاس کے دی جی جی بین علی بن عبید اللہ کے پاس گیا تواضوں نے بھی ام سلم کی عقیدت کو بیان کیا بیان جی کاس کے دی جی بیا بیان گلاطاد اسلمان کا تذکرہ کیا تو آپ نے فرطیا اسلمان کا گلاطاد اسلمان کا خدارہ کیا تو آپ نے فرطیا اسلمان کا گلاطاد اسلمان کی حقی معوضت عطائر و سے تو وہ جو عام کوگوں کی طرح نہیں دہ جائے ۔

(رجال کشی صدف ہے اسلمان کی معرضت عطائر و سے تو وہ جو عام کوگوں کی طرح نہیں دہ جائے ۔

(رجال کشی صدف ہے اسلمان بین جو کھی ہے اس کا بیان ہے کہ جب معرض الموا براہیم (موسی بن جو فری کا لائے اسلمان کی سے کہ جب معرض الموا براہیم (موسی بن جو فری کا جو سے دورت براہم بن جو بری جو رہ می جو بری جو

اور میں ان نوگوں کو اس امر کا بھی نشا ہر سناتا ہوں کریہ نتود میرے باتھ کا مکھا ہوا و میت نام ہہے۔ میں نے اس میں اپنے چدا میرا لموننین علی ابن ابی طالب اور ترکز بن علی اور حیقر ابن محد کے دصایا کو ترف ہروت شامل کیا ہے۔ میں سے ترایہ ناومی بنا ماعلی کو اور بھو اگر یہ جاہیں اور محسوس کریں کے میری دیگر اولادی معد ورمیشہ

یں سے اپناومی بنایا علی کوا وربچراگر بہ چاہیں اوربحس کریں کہ میری دیگراولادیں میں روٹرشید ہیں تو اپسٹے ساخصہ لے نبیں یہ ان کواختیا رہے اوراگر نابسسند کرمیں اورخارے کر دیناچاہیں تو یہ بھی ان کی

المرسى بهر بين اوراس امريس ممري باتى اولا دكوكوني اختيار تهين به وصينت ليس في الناكو (ليعني على كو) ليف صدقات (کارنیم) اموال - غلاموں - بچوں (بومیرسد ہیما تدمکا لنا ڈیں) اورا پٹی اولاد ابراہیم ،عباس ، قاسم ، اسماعیل ، احداورام احدثك مكسلنة كى سبت ميرى ازواج كعمعاطات كااختيا دحرون على كوسع ميرى اولاديش سيمسى دوس كونهين سهد ميرس متروكات في سعدا يكتبهانى صدقد اور كارفيرك سلتهد اور دوتها فى ده بعيد چا ہیں استعال کریں ساسس پرانہیں وہی تق سیے جوایک صاحب مال کو اچنے مال ہر ہو تاہیے۔ اگروہ چاہی تواسے فروخت کردیں ،کسی کوئش دیں بھی سے لئے چھوٹر دیں یا ہم نے جن لوگوں کا نام لیا ہے یا ان نوگوں کے علادہ حبس پرچاہی حرف کریں یہ ان کوا ختیار ہے۔ وہ میری وحیّت کی رو سے میرے مال میرسدابل دیبال ادرمیری اولاد پر دبی اختیار رکھتے ہیں جی جھے ان پر تضا اگروہ منا سب مجسید توہم نے اس تحریر یں جن بی سے نام لئے ہیں انہیں اسس وحیت میں برقرار دھیں اور اگرنہ چاہی توانہیں جی ہے کہ وہ بے روک توک ان اوگوں کوخارج کردیں۔ اگروہ عموس کریس پر اوگ جیسا ہیں ان کوچھوڈ کرجا رام ہوں اس میں فرق ارام ہے تی (اگرچاہیں تھا پتی وال میت اور سرپھتی ہیں سے ہیں یہ ان کواختیارہے سا وراگران عیں سے کوئی مرویہ چاہیے کہ اپنی بہن کا نکاح کس سے کردے تو اسے برق نہیں کہ بغیران کی اجازت اور بغیران سے حکم کے ایسا کرے۔ اس لے كريد بيترمانظ بي كرقوم برسناكت ك قابل كون بصاور كون نبير. اود کسی صاحب اقتداریاکسی اور تنعم کویا ان اوگول کوچن کا ذکریس نے اسس تحریریں کیا ہے۔ ان کو کوئی بن نہیں کدان کو (یعنی علی ک) ان تمام باتوں سے بازر کھے یا درمیان شک مال ہوجن کا ذکر پر خواس تحریر پی کر دیا ہے۔ اورا گرکسی تے ایساکیا تو وہ انٹرا وراکسس کے دمول سے بری ہے الٹرا وراس کا دمول اس سے بری ہے ۔ اس پرالڈ کی لعنیت اورامسس کاعضیب نازل ہوگا۔ اورطا ٹیکٹمقرین ، انبیا ڈمرملین ٹیرجاءے مختین اس پرمدا نسنت کرست دیں سے برسلاطیں وصیاحیاں افتزادیں سے کسی کوئی نہیں کا نہیں اس سے بازر کھے۔ ا درج کچه اکن سے پاس سے دواب میرانبیں خوا واس کا نفع ہو نوا واس کا نقصان اور ندمیری کسی اولاد کا میرسد پاس بومال ہے وہ مرب ان کاسبے اور وقعت ہے اس میں نشا مل ہے جس کا میں ذکر کرمیے کا بول، اگر کم ہے توانسس کاجی ان کوعلمبت اورزیادہ تواس سے متعلق بھی وہ سے ہی کہیں سے اور میں نے ان سے نام سے ساتھ میواور لوگوں کے نام لیے ہیں تو حریت اس سلے کدان توگوں کی عربّت افوائی ہوان کونٹری حاصل ہو۔ میری وه کنیزیں کرچن سے بطین سے میراکوتی لڑکا ہے (امہات اولاد) توان میں سے بوایت گھٹی اقامت مرے اورجاد دیوادی میں رہے تومیری زندگی میں بواسس کوملیا تھا جا دی رہے کا بشرطیکہ وہ (علی) اس کومنا، سجمیں۔ اوران میں سیسے ہوا پین گھرسین نکل کر دومرائٹو ہر کرسے توجہ اسے کوئی بی تنہیں کہ ہما دے گھروں کی طرف رج رع كريسه الايركم على اسس كومة اسب بيمال كريس ا ورانس طرح ميرى ريثيا ل جى _ اور ميرى لؤكيول كا تكاح كي الت كا ہم بعلن معبالً ریاملطان وحاكم یا چیا ہم بغیرعل كمشودسے اوردا ئے كے نہیں كرسكمًا افركس ندايساكيا تو

ا مویا اس سنه النداوراس مستدمول می مخالفت اوران منصر حناب می راس ملط که و ماتوب ماسته این که قرم میں سے کون کون مناکست سے لائن بہے رہ سب علی کی مرضی پر ہے اگروہ تکا حکر دینا چا ہیں توکردیں اورایتی والی خرک کرناچا ہیں تونزک کردیں ساس ومیست نامہیں ہو کچہ میں نے کھاہیے اس کی مثل میں سنے اپنی مورتوں ، کھنروں وليروكوني وهينت كى سع اوراس بيرالندكوملىكو ، اوما مام احدكواه بناياب وہ لوگ کرمن کا ذکر یا بھن کا نام میں سفارٹی تحریرتاں کیا ہے، ان میں سے کسی سکے سلے پرجا کزنہیں اس وصیت نامر کویفروں پرظام کرے اور اس کونظر کرسے رہو بدی کرسے گااس کواسس کی مزاملے کی اور پونٹی کو كااس كواس كى بزاسلى تمهادارب است بندوں بربرگرظام كرسف والانهيں سعدا ورائدا پئ وشين نازل كرسه عماودان کی اکربر ۔ اورکسی معطان وصاحب افترار وییرہ کے سلے اس کی اجازت نہیں کہ وہ اس ومیرت نامم سكانزى معقد كوسيصه بمدكر سمه بم خابئ بهرثبت كردى اس بهركون تورّسد نود إداسا كرسد كا اس پرالندكی لعدت الشكاغضب اور المائيك مغربين وكروه مرسلين ومسلين اور لعنت كرسفوالون كى لعنت بيوميرسد اس وحيت نامه كى بېرتوژىد - اس وحيرت نام كونكعاا وراسس پرمېرنگائى ابوابرابىم اودگوا بى ىسىندا لىدتعالى درود نازلى محريراوران کي کل پر ـ يزيد بن سسسليط كابيان بسع كهاس وقت مديز ك قاضى الوغران على مقصر بيه يهوكا انتقال بوگيا توا مام رصاعليه السلام سحدسب بصائى قاضي سكرياس پېنيجاودي اسس بن موسى خاكها النّذاّب كو مولامت دركھے اور مجدلا کرسے اس وصیست نامہ سے آخریں کسی خزانے اور ہج ا ہرات کا پہتے معلم ہوتا ہے خالباکیے والديريا بنقرته تحق ومبم منع پوسشيره رسع اندبها دست علاوه كونی اور يخص اسس ستعندفا نمده اشعار ميرس والدالندان يردح كرسدانعولسف توبع وكول كوعلى كاعتاج بناكرهج والساوديين تتكديست بنا تكفريس يصفيط کے بوتے ہوں درمہ کچے باتیں تم کوسی سے سامنے بڑا تا ۔ يرش كرا برابيم بى عمدان كی طرحت بینے اور برلے رضرا كی قسماس كامطلب پرسینے كراپ جماليى با تيم کینے واسلہ بوکر چہمین قبول نہیں۔ا ورز ہم اس کی تصدیق کریں سکتے یا ورمیرتم ہمارسد نزدیک قابل ملامنت و نغرت بن جا دُسگ اور مِم آدتمہیں بہلے ہی سنے جاسنتے ہیں کرتم ہر باست چیوٹی اور بڑی جموٹ ہی کہتے ہو۔ اور تمهارے والدتوتم كويم سے زيادہ مواستے تھے اگرتمهارے اندر ذرا جي بجلائی بوتی نواہ ظاہر يا باطن میں تووہ اس سے واقعت ہوستہ توکم ازم دلوعدہ کھی دیں ہی تمہادسے سپردکر کے جاستے بيعوان سحرجيا اسحاق بن يجعزان كى طرحت يرشيص توعياس سفال كاگريسيان تعام يها اور برلةم بوالميص معقبہ اوراحمق ہو۔ پیرکام تم کل سیکے تھے وہی آئ می کررہے ہو۔ میہ سفہ بی بچاوکیا ۔ اس کے بعدقاضی اوگای الم من من ارضا علی اسلام سے کہا یا ابا الحسن بیں آپ۔ سکے پدر بزدگوادگی بعنت کا مستق ہوں آپ اوگوں مے معا بابٹی پڑکر ہے ہوا وہی میرسے سے کان ہے راب تشریعت سے جا پٹی راپ سے والدستے تو وُداپ کو برحريا كا المياد دسه دياسهد (مزيد ييسك في حرورت بي بين) اورخدا في سم ياب ايد سيف ييك مي متعلق مريك دیاده جا نتاست که وه کیسا بده واله بهاری نظری قایب که پدربزدگوارد کم عقل تصاور دیمست دائد می اس سے بعدیمیاس نے قاضی سے کہا نواتم الا میما کرسے اس میرکوتوتو کر دیجھوکاس ہیں کیا مکھا ہوا ہے كاخى ابوعم إن سة كهانيين ش بركزير مبرز توندون كا - آج جماً بد ك والدسة بمدير لعنت بعيج وي بدويي ميريد لك کانی ہے۔ عباس نے کہا اچھا آ ہے بنہیں توڑتے تویں توڑتا ہوں۔ قاضی نے کہا اہل تم کوانتیا دہے عباس نے مہر توثرى ثواص بيس مكعابوا تشاكه ال مسب كوتوليت اودوميا يست سصفارج كر دياجاستة اويضغربت ملى اين موى بفياتها متولی اوروصی رہیں۔ اور ان سب کوان کی ولا بہت اور سر پرسستی ہیں دسے دیا جاسے ہوا ہے ہوگ اسے بسندگریں یا د کریس اوران توگول کو دقعت و بیره تولیت اور کلیت سے خارج کردیا مباست. وحیرت نامے سکداس معقلے کا كمعلنا ان يؤكون سكسلفة بلا ومعيدست اوردموا في وذكت كاسبسب بنا اودوعغرت على ابن موسى دهشا سكسلفة ببهري بي بیتری دبی-اوروهیدشنامه کے اس دومرے تصفے پریس کی مہرکوبہاس نے توڑا نشا اس پر ان توگوں گاگواہیاں تشبيرسابهم بن عمدواسماق بن جعزونبعزين صالح اورمعيدين عمران _ اوران لوگوں سنے حدید کر دی کہ قاحتی کے درباریں اُم احد کا پہرہ کسلوایا۔اس لیے کہان لوگوں سنے یہ دعوی کیا برقعہ میں آم احدیثہیں سہے کوئی دوسری مورت سبے اس سلتے نقاب بسٹا کراسس کا بچہرہ دیکھا گیا اور ميجانا كيداوراس دقت أم احمد فيها خدائ تسم ميرات قائد يح كها تعاكرتم كوعنقريب جريد مجلسول مين كوكم بالأيا مباست كاريس كراسحاق بن جعفرے كہا فاموطس دہ كم عقل توریت ر اورخالیا تنجال ہے كرامسس سے تامیحے بيب يرمسب كجد بوينيا تواً ب بعرت ا مام رضاعليرانسلام عباسس كى طرف متوجر بهوسته الافرمايايي جانما بوں کہ یہ یا تیں ہوتم سے کی بیں کرم کونصیارہ ہواہے اورتم پرقرض ہوگیا ہے۔ اچھا میعیدجا وُ اودمعلی کروکدان پیر ممس کس کا کفتاکتنا قرض سے اس کوادا کرد واوران سب سے فارخ اکنعلی (ادائیگی کی دمسید) کھوالاڈ۔اوپمنو چپ پکسپیں زندہ ہوں ادراسس زہین پرمل بچردا ہوں تہادستما تنہ موا قات اورحنی سلوک سعدخدا کی تشم بازندا وكالمانواه وكسمير متعلق كجد كبيتارين ر عیاس نے کیا۔ یہ توا ب حرف اصل مرایہ کی ا مدتی میں سے دسے رہے ہیں۔ جارا سی توا ہے کہ یاس اس سے میں زیادہ بنتا ہے۔ ا مام رضاعلیانسام نے فرایا تم ہوجا ہے کہویے کچسپے دہ تم ہوں کے مساحضہے ماکریگی كروسك الشرعداس ك جزايا وتحداكر ابدئ كروسكا للدنغور وريم سيدتم يرجى جاسنة كاوكوميرسداب تك كوتى اولادنيي تمبار سيموا مياكونى وارت بين الرتمهار سيضال كدمنايق يرسفي ي اركماس يا جي كردكماس ا وہ مسیدتم ہی توگوں مکے سعتہے اورقم ہی توگوں تک پلٹ کرجائے گارعلاک قیم جب سے پدر بزرگوار کا انتقال ہوا تم فكان خاديجها كشي خامسيعمون كرديار ب معدیت تود ب رو د مرد م روس م روس به مدعه به دار من و م روس دو به ہم پراپنی کوئی راشتہ تھوپیں ۔ باش پرسے کہ ہما رے باہد ہی نے ہما دسدمیا تقریم رسے کام لیاا ورج وہست ان کی تقى وبى بست أپ كى سے حالا كد اللہ تعالى نے اُن كويا اُ ب كواسس كائن نہيں دیا ہے۔ اور آ ہد جا شتے ہيں كھی کونہ کے اس پارچیر فرمسٹس صغوان بن بجلی کونٹوب بہما نتا ہوں میں یہ چیز اس کے تکلے تیں بھی اٹکا دوں کا اور آپ جی اس کے زویل آین گے۔ معزست امام بضاعليالسلام لفزمايا لاحسول ولاتنوة الابالله العلى العظيم ميريماتك الشّما التابيك كين م يوكول كي وشفالي اور شادماني كافوابم شبند بول ـ پروددگاد اگرتیرسے علم میں سیے کریں ان کی مجلائی چا ہنتا ہوں ، ان سے سلنے دیکی کرتا ہوں ان مجدما تھے تحسن سلوک سے پیش آنا ہوں۔ ان کے ما تھ نری سے پیش آ کا ہوں۔ اور دن داشد ان کے اموریں ان کی مدد

کرتا بهوں تو نجھاس کی اچی جزا دسے۔ اوراگریں ایسانہیں کرتا توتینلام الینویب چھے اس کی وہ بڑا دسیمیں کا یں اہل دمستی ہوں ۔اگریراتی کی ہے تو بری پڑا دے اوراگرنیکی کی ہے تو بیک جزا دے۔ پرورد کارتوان کی اصلاح کران سکے حالات کو درسست کر ہے اور ان کوئٹر مشیبطان ستے دور دکھ ان کواپنی ا طابویت بیں مدد وسے اور بدایت کی توفیق عطا فرا یُ

ادرسسنواسدمیرے جاتی یقین کروکہیں تمہاری نوشیا ہی اورشا دمانی چا بہتا ہوں تمہارسعمالات کی

درستی کی کوششش کرد ایروں اور یہ بچے کہدرا بوں اس پر الند شا برہے عباس خدواب دیاربس بس زیاده یا تین نربناسیته اب آب کے بیچے کے لئے میرے یاس کون کولئی نهیں (آپکاچلنہیں پطامی) بس اس گفتنگیکے بعدمب لوگہمتعزق ومنتقر بو محصے درودبری و آل فقہ م ليجون انجادالرضاجل اصسيس-۳۳ را ليكا في طرر ا ص<u>الاس</u>-۳۱۲)

على بن عبدالله اوران كى زوج يتنتى بي ا ولاد ابل چنت یں سے ہی ۔

) _____ بخشرت موسی بن بحفر کی و قامت پس اخترات علی بن اسساط سے دوا بہت ہے اس کا بیان ہے کہ ہیں نے معفرت امام دضاعلیہ السلام سے عوض کیا کہا کیے متفعل کوآپ کے مبیاتی ا براہیم سذ بتا یا کہ آپ کے پدر بزدگوا دبید جیانت ہیں مگواس سے

سخرت امام دمنیا ملیدانسلام پرطنن وکمشنیع کی ۔ حسنو وسط – صدوق علیدانرم فرماتے ہیں کرمغیان بن عینیہ سق صخرت ا مام جعفرصا دق الجالیم ا سعوالی قامت کی میں اور کی سیسے دواریت مجمی کی سہے ۔اود معفرست ا مام دمنیا علیہ انسلام کے دورہ تکسب لزندہ دسیسے ۔

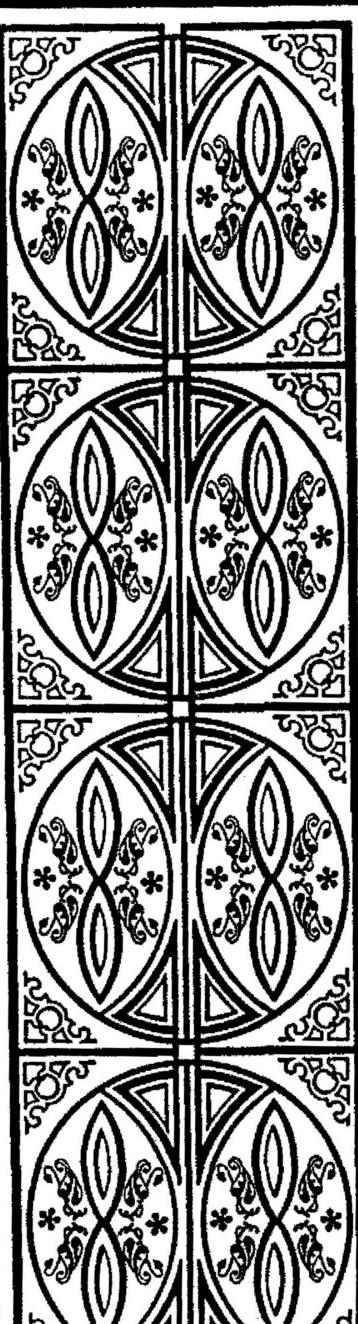
بحباس بن المستن ي فصاحبت وبلاغرب شده باس ابن الحسن ام بالمونين عليه السلام كى نسل برسسے ايك بزرگ تنصيحن كا نام عباس بن الحسن ین العباس بن امپرالمومنین علیدالسلام تھا رجن کا ذکر صطیب نے تا دیخ بغداد بیس کیا ہے۔ اور ، بهرون دستسيد سے عہديں بندا د تشريف لاستدا وراس كى محبست پين تشامل دسبے دستسيد م کیا کرتا تھا ۔ پھراس کی وفات کے بعد مامون سے اصحاب میں داخل بسبے اور بیر ند حرف ایک لاع وفصيح تتحص تتصر بلك علوى خاندان توان كوال ابي طالب بمي مهب سير برانشاع سمجت تصاب لیب کا بیان ہے کہ ایک دن آپ مامون سے پاسس آسے اور اس سے مہبت فصیح وہمینے گفتگوگی۔ باكهاً ب بولتے ہیں اور نوب بولتے ہیں۔ ہماری مجلس میں اُستے ہیں تو فیلس کی زیزت بن جاتے ہیں بین توکیمی اعتما و کوشیس نہیں نگاستے۔ لیب کا پدھی بیان ہیں کہ ایک دن آ یہ مامون کی ڈیوڑھی پراکسٹے توحا جیب سنے نگاہ اٹھا کر د کیماا ورگردن حیکالی یعیاس بن حسس نے کہاراگر دما مون) اجا زمت دیں گئے تو ہم نلاماتی طنة كا عذرة بنتش كريس كم توسم قيول كرليس سكه اگروه واپس كرديس محقووابيس بهوجا يمن سكه پهريه ى نىگا دىرگردن كاجبكا تاكيا ہے۔ جاجب يرسن كرشرمنده بوگيا۔ توايب في يرشع پرتطاسنو۔ مرجبه ، كوتى شخص كسص يرموار بوتا قبول نهين مرتا مكريو بيجاره بديدل چل رماً بيدان ائے وہی قیول سے۔







وليعبدى اورشعرار كانذرانه عقيدت



ا = سے متعراء کی خدمت امام میں صاحتری اسے سنواء کی خدمت امام میں صاحتری امام میں امام میں صاحتری امام دیجہ میں ہے۔ امام میں اسلام ولیعہ میں ایشے احترین اسماعیل بن تعقید بسید دوایت ہے کہ جب حضنت دامام درخیل بن علی (بید ونوں بھی ایک وسرے سے حیوا نہیں ہوتے تھے) ادر گئے توابرا ہیم بن عیاس ہور وقیل بن علی (بید ونوں بھی ایک وسرے سے حیوا نہیں ہوتے تھے) ادر

سے وہ برہ ہے۔ من میں میں وروس بن می ربیرووس بی ایسٹ و سرسے سے میں ہیں ہوسے سے ہی در دعی ہے ہی ہوتے ہے ہی ۔ دعیل کے جھائی زرین بن علی بہ تنینوں آپ کی خدیمت میں روانہ ہوستے ۔ منگر داستہ ہی جس ڈاکووں تے اس کا مسب کچھے لوط لیا ران لوگوں نے بڑی انجا کی توآخر ڈاکووں نے انہیں اگلی منزل تک کے لئے پہنے اس کا مسب کچھے لوط لیا ران لوگوں نے بڑی ان اوخا شاک لا وسے جائے ہے تھے۔ اسے دیے دیتیے میں برخی روخا شاک لا وسے جائے ہے تھے۔

(عيون الاخبا دمير۲ صاحب)

﴿ ۔۔۔۔۔ ہارون بن عبرالمدّمہلی کی دوایت ہے کہ جیب ابراہیم بن عباس اور عبل بن علی مصنت ایا ہیم بن عباس اور عبل بن علی مصنت ایا ہیم بن عباس اور عبل بن علی مصنت ایا م مصاعبدالسدن کی خدمت میں پہنچھے تو آپ کی ولیعہدی بیعیت ہوج کی متی ۔ وعبل نے مصرت کی درح میں اپنا یہ شہود قصیدہ بیرھا۔

مدادس ایات خدلت من تلاوی و منزل و حی مفقرالعرصات پیمابرا میم بن عباس سفاینا مندرجر فریل تقییره پیش کیار

ازال عزاء القلب بعد المنجل مصارع اولادالذبی محدد توصّت امام رصنا عیراسلام نیان دونون کوبیس مزار دریم ایسے دینیے جن پر آبکام گڑی منقوش تھا اور بیسے مامون نے اس وقت ڈھلوا یا فضا۔

داوی کابیان سبے کہ دعبل اپنا محدثہ س ہزار درہم سلے کرتم گیا اور وہاں اس پی سے ہڑرہم کو دس درہم وں سے عوض فروخت کر دیا اس طرح اسے ایک لاکھ ورہم مل گئے بیکن ابرا ہم ہے اپنا سحد لبنے پاس رکھا اور اس میں سے کچھ ورہم لوگوں کو تحفیدٌ دینے کچھ لہنے اعزا وا قادب ابنا سحد لبنے پاس رکھا اور اس میں سے کچھ ورہم لوگوں کو تحفیدٌ دینے کچھ لہنے اعزا وا قادب میں نقشیع کئے بھید اسفے باس رکھے اور حبب و فات بانی تو یہی ڈوٹھین میں کام آئی۔ میں نقشیع کئے بھید البنے باس رکھے اور حبب و فات بانی تو یہی ڈوٹھین میں کام آئی۔

سے علی بن محد بن بیان کی روایت ہے کہ حبیب ما مون نے صفرت امارضا علی لیسلام کو اپنا ولیعہدم تقرر کیا توابونواس کے سواتمام شعراع ما مون کے در ہاد ہیں پہنچے اور ہرا کیہ نے مام کی مدرح اور مامون کے اس اقدام کی تعریف کر کے بہت کافی انعامات حاصل کھتے۔ ابو نواس تہ حاضر در بار ہوا اور نداس نے مدرج ہیں کوئی قصیدہ کہا ۔ پھر جبب وہ ما مون کے پاس آیا تو مامون نے در بار ہوا اور نداس نے مدرج ہیں کوئی قصیدہ کہا ۔ پھر جبب وہ ما مون کے پاس آیا تو مامون نے

اس سے بوجھا اسے ابونواس ہمیں معنوم ہے کہ کا ابن دسیٰ رضا کا بہتے رز دیک کیامقام ہے۔ اور پس نے ان کوکس عہدہ پر فائز کیا ہے۔ اس سے با وجود تم نے ان کی مدح جس کوئی قعید نہیں پین کیا حالانک تم شاع بخصر مرتاج متعرائے دھرجو۔ تو ابونواس نے بقطع پین کیا ہیں کا ترجہ بیہ۔

ا۔ چھرسے کہا گیا کہ تم مختلف اصناف من میں جع آزمائی کرنے والے شعراع میں فردجو۔
۲- تم لینے نادراور بدئیے کلام سے ابسے ایسے جوابرات بیش کرتے ہوجی کے بننے والے افکاد نوبالات کے موتی چنتے ہیں۔
کے موتی چنتے ہیں۔
۳- مگر حضت عسی ابن ہو کی الرصابیں اتنے فضائل کے یا وجود تم نے ان کی حدح کیوں نہ کی ۔
۲- توہی نے کہا کہ میری کیا تا ہ و مجال جوابسے امام کی مدح ہیں ہے کشائی کروں کہ جہ ہے۔ بلیا ہیں

۳-مگرده تشریحسی این بوش الرصای انتے فضائل کے باویج دیم نے ان کی مدح کیوں نہ کی ۔ ۲۷- توپس نے کہاکہ میری کیا تا ب ومجال جوابیسے ا مام کی مدح پی لب کشائی کروں کہ جسب رہا ہی ا ملیل القدرا بائی اورخا ندا نی خادم ہوما مون نے کہا۔ واہ واہ ۔ چھرتمام شعراع کوچس قدرانعام دینے مقتے اتناہی بلک اسے زیادہ اس کوچی دیا۔ (عیون اخیاد لرضا جلد مستشکل)

(۲) مو بی سے دوایت ہے کہ میں نے ابوالعباس محد بن پزیدم تردکوکیتے ہوئے مشاکہ کیک دل ابوداس اپنے گھرسے دکلا تو دیکھا کہ ایک سواد اس کے مساحف سے گذرا مگراس کا جہرہ نہ دیکے مسکا تو اوگوں سے پوچھا کہ یہ کون تھا بہ توگوں نے کہا یہ صفرت علی ابن یومٹی الرصّاعبہ اسدام تھے تو اس نے دوشع پرطیعے حس کا خلاصہ یہ ہے کہ

کاش قرم بجھے اپناامام بنکستے ہوتی تو تیری قیادت میں یہ اسلام کا مدارا قافلہ ہوایت پاجا تا۔ (عیون اخبارالرضا جدد مسایمی)

ابونواسس کے چیارشعر

محدان کیئی فارسی کی دوایت ہے۔ اس کا بیان ہے کہ ایک بین صفرت علی ابن کوسی دھنا لینے فبلہ پرسوار ہوکرنیکل رہے تھے کہ ابو نواس کی آپ پرنظر بڑی فوراً قربیب گیاا ورسول کیا اورعوض کیا فرز نیردسول میں نے آپ کی درح میں چندشعر کہے ہیں چاہتا ہوں کہ آپ ہیری زبان سے ان کون لیس آپ نے فرا یا سے ان کوس سے اس نے چاراشعا دسنا کے جن کا ترجہ مندرجہ ذیل ہے۔ اس آپ نے فرا یا سے ناوکوں سے فل ہروم طہر پریا کئے گئے ہیں۔ ان کا فہاس جی پاک صعافت اورط بیب وطا ہر ہے ۔ ان وکول کا جہاں بھی نی کر ہوتا ہے درودا ورصلوق کا یک پرسلسلہ جادی معدم جدم بات ہو جا تھے۔ ان دکول کا جہاں بھی نی کر ہوتا ہے درودا ورصلوق کا یک پرسلسلہ جادی معدم جدم بات ہو جات کی برسلسلہ جادی میں معدم بات ہو جات کہ برسلسلہ جادی میں معدم بیر معدم برسلے۔ مدرودا ورصلوق کا یک پرسلسلہ جادی میں معدم برسے در دودا ورصلوق کا یک پرسلسلہ جادی معدم برسے۔

۷۔ حسب ونسب کی گفتگویں اگرکوئی تخص علوی النسب نرنیکے توہیجے ہوکہ اس کا ابتائی اولائی مسئلہ نسب کوئی ڈابل فخر نہیں ہے۔ ۷ ۔ اے قبل ایمی اکت اکت ایکنٹسٹر ہوئٹ کے تھے مصالی ہوگور اللہ تعالیٰ نے جب سے عنوقات کو پدیداکیا اور ان کی خلفت کو استوار کیا اسی وقت سے تم توگوں کو مخیا اور متحب کیا ہے۔

ہ مہیں لوگ یا سے ندکان قاب فوسین اور ملاء اسی ہو مہیں لوگوں کے یا مرآن اور اس کے تمام سورون بیں جومغاہیم ومطانسیہ بی ان سب کا مسیلے۔ ابونواس سحيان انتعادكومش كرحضنت رأيام مضاعيرالسدام خدفرايا واقتى تم سفه اليسعاشعا دمثات كرتم سنے پہلے ایسے امتعادلی حقینہیں سناستے تھے بھرآ وازدی اسے غلام ہما دسے اخراجات کی رقم یں سے تیرسے یاس کچھ ہے ؟ اس نے عرض کیاجی بال تین سودنیا دہیں فرمایا ۔ یہ ابونواس کو دسے دو مجرفرما باشابداس سحدياكس سوارى بهيس سيداس علام اسيسوادى سحد لتتريد بغله محى شدد ﴿ ﴿ ﴿ ﴿ ﴿ الْمَاعِدُ بِهِمِي كَامِالُ آيا تَوَاسِحُنْ بِن مُوسِى بِن عِيسَىٰ بِن مُوسِىٰ وَكُول كَيمِ مِا تَقْ جج کے سلنے گیاا وروپاں لوگوں کو ما مون کی خلافت اور چھٹرت امام رجنا علیہ انسلام کی ولیعہری کی ڈکوٹ وی اس کے بعد حمد بیابن علی بن علین بن ما بان اسکے فرسھے تو اسفی سفے سبیاہ دیاس منگوایا تا کہ انہیں پنها باجليخ منحروه ندملا توايک علم کاسسياه پېربه لينے کراسپنے ہم پر ځال ليا بير بيسار ايهاالناس بې پ بوحكم دیا گیافتھا وہی ہم نے بیتی یا ہے۔ ہم امیرالمومنین مامون اورفعنل بن مہل کے علاوہ اورکسی کو نہیں جانتے پر کہ کروہ مہرسے اتر آئے۔ ایک سید ایک می میداندین مطرف بن ما بان ما مون کے پاس آیا دیاں مصرت علی بن مولی دنسان السالی بمحى موجود تقطر مامون في كماكرا بل بريت كميمتعلق تم كيا كيتيم بو ۽ عبدالشرف جواب ديا راس طينت سے متعنی میرسے قول کی کیا حقیقت جواب رسالت سے گوندی اور خمیری تئی ہر میروی کے پانی مصل از کھی گئی ہوتو بدایت کی مشک اورتعویٰ کے میزی وشبو کے موااس سے میں کوئی اورخ شبی آسکتی سینے ، را وی کا بیان ہے کہ (مامون کواس کے یہ فغرات استے ہے۔ تراشے کہ) اس نے بواہرات کا صندو فجے منگوایا اور بعدا لٹرین مطرف كرمز كوموتغون سير عجرويا - عيون اخبارالرمنا جلدا مسالا مسلام ﴿ حبل كے دوالهك الما المعار ہری سے دوایت سے اس کا بیان سے کہ پس نے دعبل این علی خزاعی کو کہتے ہوتے سنا کہ پس نے

ليضولاوآ قامضست على ابن موسى دهناعليه لسيلام كواپناوه قصيده سستايا جس كاپېلاشعريبسير مدارس ايات خلت من تلاوة ومنزل وحى مفقر العرصات

ا ورجب پی تصیره سستاسته بهوست اچنے ان امتعاد بربہونچا ا- ہمیں بھین واثن ہیں کہ ہمادسے امام ہروہ عیب سے لازگا برآ پر ہوں تھے۔ اورا لٹرکا نام اور اس کی لعرت و درکت کتے ہوسے انتیس کے۔

۷-ممادسے عق اور باطل کوج داجہ اکر دیں گے بھرا ہل بی کو انعام ا ور اہلِ باطل کوسسنرا ئیں

ربن ه بین سید در بین مرسی مهم مرسا مید سست این بهت دور وست بیرین مرف موجه این الدخره این است گویا بهوا سے دمگر اور فرهایا است خزاعی بیرتیرسے دونوں امنعاد الهامی بیں وج القدس تیری زبان سے گویا بهوا ہے دمگر مجھے معلق ہے کہ وہ امام کون ہے اور کب استے گا بھی نے عرمن کیا آتا مجھے نہیں معلوم میں نے آتا ہے ایک مندوند اسے ایک امام ظهور فرما تیں سے موزین کوفت وفسا دسے ماک

،ی حنست راسے سناہے کہ آپ ہیں سے ہی ایک امام ظہر دفرہائیں تھے جو زین کوفتہ وفساندسے پاک کرسکے اسسے تمسط عدل کے بھرد ہر تھے۔ آپ نے فرمایا لیے دعیل میسے بعدا مام میرافرز در محمد ہے۔ مرسے اسے تمسط عدل کے بھرد ہر تھے۔ آپ نے فرمایا لیے دعیل میسے بعدا مام میرافرز در محمد ہے۔

مرسے استے متعاد عدن سے جمرد ہے۔ اپ سے فرمایا نسے دمیل میں عالم میرافرز ہر تھر ہے۔ محد سے ابعدان کا فرزند علی ہوگا ۔ اور علی کے لید ان کا فرزند جوامام ہو گا اس کا نام حسن سہے بعن کے در داد کا فرزن جریت زور دیگر در اس کرفی ہے جہ رہ سے خار مرد بین مردد میں موجد ہو۔

بعدان کا فرز پر بھیت قاتم ہوگا۔ اوراس کی غیبہت ہیں اس کے ظہور کا انتظاد کیا جائے گا۔ ظہودیکے بعدسب کو اس کی اطاعیت کرتی پڑے گئے ساورا گردنیا کی مدت سکے ختم چوسے ہیں ایک درجی یا تی دہ جائے گا تو

خداورا نہوں نے لینے اباء میے اورا نہوں نے صنعت علی عیدالمسدام سے روایت کی ہے کہ ایک مرتبہ مصنت ردمول ِ عبول میں الشرعیہ دس مسے دریافت کیا گیا کہ بارمول الدّ آپ کی ذرّیت میں سے ہم قائم کپ ظہود کمریس گئے ہ تو آپ نے فرما یا کہ ان کے ظہود کا وقت یمی تیا مت کے وقت سے ما ندرہے

امی کا وقت بھی تنیبی نہیں کیاجا سکتا کیونکہ اس کا تعین آسانوں اور ڈمینوں برگراں گزیسے گا۔ وہ نیسب میک بغیرسی ما بھرا علان سے فہود کرسے گا۔

عيون اخباد المصناجلدم صليط اوراً يت متعلق دوايت سويره اعراف المع<u>ه ا</u> كنف الغرج لدم صليط را كمال الدين جلدم صلام سام

وعبل كے قسير ميں امام كى طرف وانتعاركا اضافہ

مہروی سے دوایت سے کہ دعیل بن کی خزاعی مرد پی حضرت امام درضاعیہ السیلم کی خدمت پیس حاضر ہوستے اود عوصٰ کی فرزند درسول ہیں ہے آپ کی مدح ہیں ایک تعبیدہ کہا سہے اورتسم کھائی ہے کہ آپ سکے مسسندنے سے پہلے ہیں کسی کوئرناؤں گا۔ آپ نے فرما یاسناؤ کیا تقبیدہ سہے ہ تو دعیل نے اپنا وہ مشہود تقبیدہ سنا نا منزوع کیا۔

مدادس آیات خلت من تلاوی ومنزل وحی مفقراست العرصات اورجب وعبل لینے اس شعر پر پیونچاجس کا ترجر پر پرکہ

ا- میں دیجیتیا بوں کہ ان ہوگوں کا مال تواغیادیں تعتیم ہور باہے اوریہ ہوگ ہے چاہے بالکل

خالی اود تنگدسست ہیں ۔ یہسن کرچھتریت ا مام رصّاعلیہ السلام رونے نگےاور فرما یا اسے خزاعی توسنے بالكل سيح كيار ، اس کے بعدال محد کے مصائب کا ذکر کرتے کرتے جب دعیل اپنے اس شعر پرہیونی شرجعه: (ان بےچاروں کو توقیریں بھی ایک جا نہیں میں چنا پنے) ایک قبرلغدادیں ہے جونفس ذکیہ کی ہے۔الٹران کوغرقہائے جنت یں جگردہے۔ توصّ شراً مام رصّا علیہ اسلام سف فرما یا کیوں نہ پس بہاں پردوشعروں کا اصّا فہ کردوں ہے تاکہ تہا داتھیں۔ مکل جوجائے۔ دعیل نے عرض کیا ہاں ہاں فرز ہردسول اس سے بڑھ کرمیسے رسٹے اور کیا سعا دت ہوگی آب نے فرمایا احصالکولور ترجعه د اودایک قرطوس پرهی بوگی ا فسوس پرمصائب ایسے ہیں کہ اس کے غم کی آگ حشرتک دیوں پی بھرکتی دیسے گی میہاں تک کامام فائم کوائڈ بھیجے گاجو ہمادے مسادسے غم واندوہ دعبل نے عرض کمیان پیول پرطوس ٹنکس کی قبر ہوگی ج امام سفے فرما یا ہیمیری قبر ہوگ اور کچھے زیادہ مدت نہ گزرسے کی کہ طوس میں بھاد سے شیعوں اور زوادوں کی آمدورفست مشروع ہوجائے گی۔ یاد دیکھوجو طوس میں آکر مجھے غربیب و آوارہ وطن کی زبا برت کرے گا، وہ قیامت کے دن میسے رورجے میں ہوگا۔ الشاسخين دسكار دعبل كحداس تصيبسك كوآخرتك بنيغ يكے لبدي حضيت أمام رصناعيدا بسدام اعظےا ودا ندرتشريين سن كنة اوردعبل كويحكم ديا بنتيجه ربهنااعبى حاثانهي ر ذراد برسكه بعدايك خادم كهربس سعے برآ مربوا اورايك سود بيادر صنويه ى تيلى دعيل كودست كربولاة قلقه فرمايا بيم كديد دقم تهادست اخراجات سمے لئے ہے۔ دعبل نے کہا خداکی قسم بیں اس ملتے تو نہیں آیا عقا اورمذ اس لا مجے بیں یہ تصبیرہ کہا تھاک اس سے صلے میں مجھے محیصے کھ اور ہے کہ کراس نے دہ تھیلی واپس کردی اورکہا کہ اگربولا وآ قاسے لباسوں يس سيد ايك لياس مجع ل حامًّا توير بطور تبرك اينے ياس دكھتا اور اسے اپنے لئے باعدش منزف مجعتا۔ امام دضا علیدالسلام نےاپناایک بخرکا ثجبۃ اور اس کے سما تھے دیتاروں کی وہ تھیلی میں بھی اورکہ لایا پر پھیلی والیس مذکرواس کی تہیں صرورت پڑسے گی ۔ دعبل نيروه ججبرا ودوه هيلى سيرنى اب وابسى كاالاده كياا ودتم وسير ليكب قا فله يحدما تقر وإزجوا حبب نزامان ببونجا توواكه بيكيا -اورواكووں خدمادسرابلِ قافله کوپکره پکڑان کی شکیں یا ہرمدیں اور پہل كم می شکیر با ندے دی تختی تقبیں۔اب واکوؤں نے قافل کے مسالیسے مال پر قیعڈ کریےے اسے آپس پی تعسیم كرف لكك كمانيس يس سے ايک ڈاكوسفے دعبل كا يہ شعربط ورش بڑھا۔

خرجهه ؛ یس دبیحت پرول کربیے میادوں کا مال ومثاع تواغیادیں تقسیم ہوریاسے اوراب لن قریوں محده تقريس كمحصنبين رما -جب دعبل نے اپنایہ شعرایک ڈاکوکوٹھتے ہوسے مشت تو بوسے ۔ بیمثعرکس کا ہے۔ اس واكوسف كها . قبيل خرا عر كميما يك شاع كاجس كا نام دعبل بن على سبت : دعبل سفكها بير ہى تووہ دعب ل بودجس نعريقسيره كهسب كيمس كاايك شعيمتهد بيمن كروه فحاكود وطابهوا ابين مرداد يمري بهينجا جواً پک همیلے پرغاز پی*ن شغو*ل تھاا ورشیعوں ہیں ستے تھا ۔ا وراس کو اس کی اطلاع دی ۔وہ مردارخود آکر دَعِل سَے مناصفے کھٹڑا ہوگیا اور بولا کیا تم دعبل ہو؟ دعبل نے کہا ہاں مروارنے کہا اچھا اگرتم دَعَیل مہوتو اینا پودانقبیره سنافر دعیل سنے پودا تعبیرہ منایا تو سردادسنے دعیل کی شکیس کھول دیں اور تھے مسالے ابل قافله كى شكيس كھول دى كېنب اوردعيل سے اعزازيس سادست فافلے كا مال ومشاع ہو كچھ لوطا تھا : وه مىپ وائيس كرويا. ظَمَاكُووٌں سے پیشکارا پاکردعیل تم پس پہوسنچے ۔اہِلِ تم نے ان سے قصیدہ سے نے کی فرمائنش کی تو انهول سنے کہا اچھاسب اوگ جا مع مسجدیں عمع ہوجائیں ۔ جب مب لوگنے ع ہوگئے تو دعبل م_{نہ مری}سکتے اددا پنا قعبیده سدنایا اودنوگوں نے ان کوبہت کچھ مال ومتاع اورخلعت وبی شاک ان کی نذرکیا پھر حبىب لوگول كوپترچلاكدا لم نے ان كو ايك جَرِّجي ديا ہے توان سے گذارش كى كہ وہ جَرِّدان لوگوں سمے واعقد لیک ہزارے بناد ہیں فروسنت کردیں ممکرجدی عیل اس میر داحتی نہ ہوئے تو ہو ہے اچھا اس جتر کا کھیجھا ہی ایک ہزار دینار برخروخت کرد ویمگردعیل اس بچھی ساھنی نہ چوسٹے اورقم سے روانہ ہوگئے۔ متحرمتهم كمحرب وبوار كمے تصبات سعيوں ہى آسكے بڑھے عرب كے نوجوا نوں كا ايک گروہ آپيونيا اوراس سفدان سعے وہ مجبہ چھین لیا ۔اب ہے چاں ہے دعبل قم میچروایس آئے اور حجبہ کی والیس کی درخوامدت کی گرفرہ انوں نے دینے سے انکارکیا اورا پنے بزرگوں کی بات می نہیں مانی ا وربیر ہے جناب اب پیجہ بڑ قوات کوملمانہیں -آپ اس کی تیمت ایک بڑاد دینا داگرچا ہیں توسے ہیں ۔ دعبل نے تیمت لینے سے ٹکاد كميسب مكريبب ديكعب كهجبهس كالخيته واغترنيس تاتوكها احجاان يرسيركوني فتحطابى وسعدو نوجوافرل نصكباطال بينتظودسي عجراس جتبركا يكسحعداودبا قى معدى قيمت ايك مزار دبزار وسعدى اب دعیل وباں سے پیلٹے تودیکھاکہ گھرکاسا دائا نہ چوہ ہے گئے تودعبل نے حصرت امام بصا کے معلاکروں ویناروں پی مصرا یک سود بنار نی دینارایک سودرہم بربوگوں سے باعد فروخت کر دیا ۔ اس طرح انكودس مزارود بم نا فقد آسكت اب انبيس بادة يا ك يحضرت المام رصنا عليه السلام نے فرمايا عقا کہ یہ دینادواہیں شکرو۔ اس کی تہیں صرورت بیٹ آسے گی۔ (عيون اخباد الرجنا مبلدعظ صهبيع) كشف انغرج لدس ح<u>يمة به</u> ، مرسواه عنها يربي دوا

بچامنافے کے ساعة تحریہ ہے۔ رجال المکنی مانومیم پراسی شکی دوایت درج ہے۔

دعبل خزاعي كيعياتي كي فرزندعلى بن على كيتمين كدمه العين مجه سع ميرسدة قاحضت الوالحسن على ابن يوسلى على السدام خدمقام طوس بير بيان فرمايلدا وداسى سندير بهم كوچ كريم ليعويم داستدائب كى خدمت بى حاصر ہوستے متھے اوراسى سفريس عبدالرحن بن مہرى سيے ہم سلے جان نوں بیاد تنصے۔ ہم نے چندون ان سمے وہال قبیام کیااسی اثنا میں عبدالرطن کا انتقال ہوگیا ۔ہم سعیدان سکے جناذسے بیں منز کیے ہوئے۔ نمازِ جنا زہ اسلیل بن تعیفرنے بچھائی ۔ اس کے بعد سم الدہما دسے بجعانی دعبل دونوں استے آقاکی خدمست میں روا نہ ہوستے ا دران سمے باس سنتک سے آ گھنٹک قبیام کیا بھرمصنت رامام دصناعلیالسدام نے پیسے بھیائی دعبل کوخزی ہرے دنگ کی ایک متین ، ایک

التحقى بريخين كالكيزي الديجه دراجم يضوب عطا فراست اودكها المشيش كوهاظت سيرركهناء اس کے اندیس نے ایک ہزار داتوں میں ایک ہزار دکھتیں نمازی پڑھی ہیں اور اسی کوہیں کریس نے کیک مزادم تربرة وآن مجيدهجي عنم كياب نيز مزمايا كدتم جليعاؤتمها سيصل ليص مفيدر بيسكار بجربم اوكرتم الناج يكت

الونواس كورسول كى شفاعت بريجروس محدبن ابرا بميم بن كتيرسے روايت سے اس كا بيان سيے كہ ابونواس حسن بن بانى م خل لموت بي

مبتلاعقهم ان كى عيادت كيسكن كي توعيسى بن يوسى يانتمى نے كہائے ابوعلى غالبًا يرتمہا و دنيا كا تنغری دن اور آنخرت کا پیهلا دن سیراور تمهارسد اورانشریمے درمیان تهرای کچھے کمرور باں ہیں۔ بہترہے ك توبكر بوا ورائش سيعدمعا تى چاه لوربيش كرابونواس نے كہا مجھے تيركاسها لالگاؤ۔ وہ تيركاسها لالگا كر بيعظاوركهاكيوں تم مجھے المترسے ڈوانتے ہو؟ سنومجھ سے حما دبن لمد فيراودان سے تابہت بتائي نے ا ودان شیرانس بن مالک نے روابیت کمان کا بیان سیے کچھنسٹ رسولی خداصلی الڈعلبہوسلم تےامشا و

فرلمیا کرہربنی کوشغا عت کاحق دیاگیا۔ہے مگر ہیں سنے اپنی شفاعست فیامست کے ون اپنی امست کے گنا بال كبيره كريف والول كميركين جيميا ركھى سے توبتها راكيا خيال سيركيا بير كان ابل كبائز ميں سے نہوں گا ؟

على بن دعيل بن على خزائى كا بيان سبے كہ جب بميرسے والدكا وقست و فاست قريب آيا توان كارنگ

بدل گیا۔ زبان بیٹوگئی۔ چپروسیاہ پڑگیا مان کا ہمال دیکھ کر قریب بھاکہ یں ان سے مذہب ہی کھھوڈ دوں۔ گران سے انقال سے تین دن سے بعدیں نے انہیں نواب میں دیکھاکہ وہ صفیہ ٹوپی پہنے ہوئے ہیں۔ یں نے پوچھا با با یہ بتا نیے کہا لٹر تعالیٰ نے آپ سے مساتھ کیا سنوک کیا ؟ انہوں نے بواب دیا۔ بیٹے وہ ہوتم نے دیکھا عقا کہ میراچپرہ سیاہ ہوگیا عقا اور زبان بیٹھ گئی تھی تو یہ وار دنیا میں میری تڑاب نوشی کی وجہ سے ہوا تھا اور میں بیان آکرائیدا ہی رہا کہ است میں صفرت دسول مقبول صلی الٹرعیہ وہم کا سامنا ہو گیا وہ سفید لباس اور سفید ٹوپی پہنے ہوئے تھے دیچھا دیا تھ دعیل ہو ج میں ہو جو میں نے ہوں یارمول الڈ آپ نے فرایا میری اولا دکی مدح میں ہوتم نے اشعار کہے ہیں وہ سناؤ تو ہیں نے ہے دو منعرسے ناتے۔

خترجهه ؛ جس دن آل احدم بظلم بود یا بو وه سیرچادست خطاوم بود اور دنیا کھٹوی بنس دہی بوتوالڈ ان کے بیرسے کی بنسی کوسلاپ کردہے گا۔

ی غرمیدا پنے گھروں سے ذہروسی نکال دینے گئے جیسے علی ہوتا ہے کہ انہوں نے کوئی ایدا بھرا ہوں ہے کہ انہوں نے کوئی ایدا بھرا ہوں کے ارشا و فروا یا ۔۔۔ ہوٹ کو کی ایدا بھرا ہوں کے ارشا و فروا یا ۔۔۔ ماشا والٹ دہرست خوب کہا ۔ بھرا ہے۔ الٹرسے میری نشفا عست فرادی ا ورا ہے ہے اپنا لباس مجھے مسے دیا اور یہ وہی ہے واب میسے جسم ہر ہے۔

(عيون اخادالرضا جلد ۲ صسيس)

المنافق ا

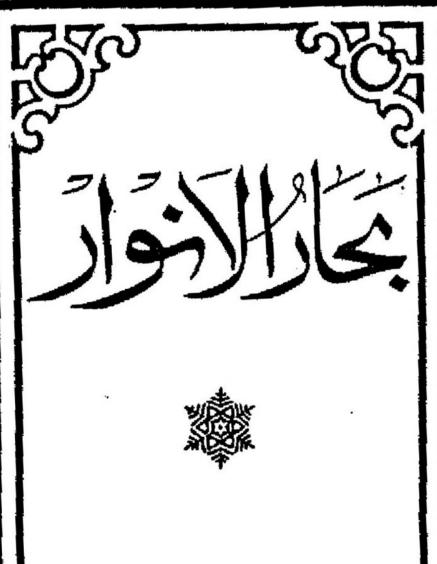
ا پون*ھ مجد بن من کوچی کا تب کا بی*ان سے کہ پس نے دعیل بن علی خزاعی کی لوح قبر م_یمندرج ذیل نین متعرکی ڈوکٹے ہوئے دیکھیے ۔

ا۔ دعبل نے انڈرسے ملاقات کے دن کے سکے (کلم توجید) کا اللہ الّا اللّٰہ کا سا مان فراہم کردکھا ہے ۔

۷- وه یه کلمه بهت اورصدق دل سعے پیره هانفاج دسکتا ہے کہ اس کلمہ کے صدقہ میں النگر قیامنت سے دن اس بردحم فرمائے -

سار دعبل المشركوا پذا مولا مچرد سول كوا پذا مولا اوران وو نول كے بعد وصى رسول (مفاق على) كوا پذا مولاجا نشاختا ر مجون اخباد الرصا عبد با صنعت سا

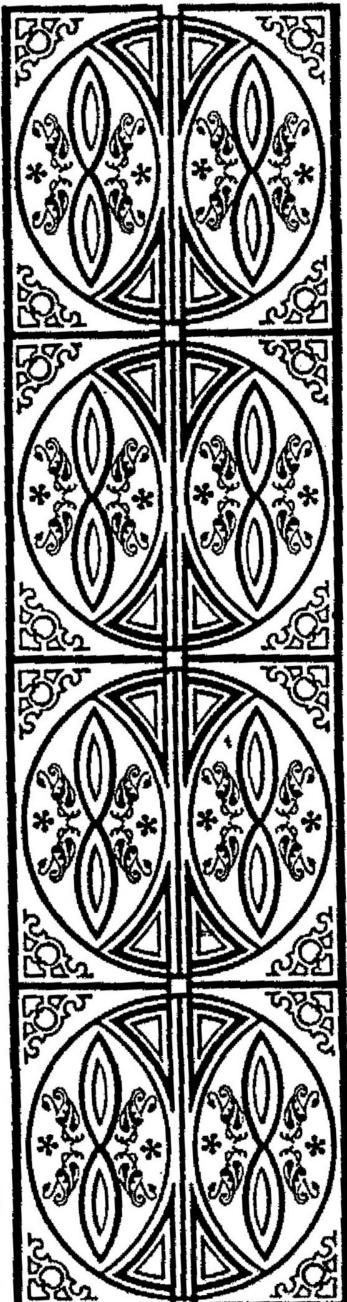
دعبل خدید اینا نعبد ایک کپڑسے پرتخریرکیا اوداسی کپڑسے میں وہ احوٰم با ندیصاکریّا تھا اوروم تیت کی کہ ميركيرًا اس محكفن مي استعال كمياج سنة رعبل كى زبان بميتة مِبْخطربى ، اس كى بجوسية خلفاظ تقفيد این مدبرکا بیان سے کہ ایک م تبہیں دعیل سے مل اوراس سے کہاکہ تم ہبہت بٹر اورج آئمنٹ ر انسان ہورتم نے مامون کے لئے بداشخار کیے۔ شرجمه: ۱ - بیراس قوم سے ہوں کہ جن کی تواروں نے تیرے بھائی کوقت کریے کچھے تخت خلافت يريخضايا ٧- توايك عرصه سے گمنامی كے گوسٹے پس پڑا ہوا تھا میری قوم نے تیرسے مرتب كوبلندكيا اور سی کی کمیستی سے بلندی پرہپونجا دیا ۔ وعبل خصبحاب ومااسعه الواسلحق ميم ايناتخة وارتوجا ليس سال سير ابيني كاندهم براعه اسطهرا ہوں کوئی ایسانہیں ملتا جو مجھے اس تختہ دار مرجوعا وسے ۔ (الاغانى جلد ٢٠ صليم- ٣٠







آپ کے اصماب ومعاصرین



ا ____ حضرت على سے احمد بن عنبل كى مخالفت كاسبىي عبدالرجن بن محداين محود كابيان بهدكمين في ابراجيم بن محرين مفيان كوكت المامي کر حضرت علی ابن ابی طالب علیه اگسسدام مست احمد ابنِ حنبل کی مخالفت کی بنیاد بیریختی که احمد ابنِ منابع صنبل كاجداعلى ذوالتربيس عظيجن كوحضرت على سن يوم نهروان فمل كميا مقاير شوارج كامردارها ابوسعیدکا بیان سبے کہ انھوں تے بھی یہ باست بعینہ ابرا ہیم بن فرد بن مقیان سیستی سبے ۔ عمدبن عورک ہروی کا بیان سہے کہیں نے علی بن حتزم کو بیان کرستے ہوستے سٹنا کہ میں احدین منبل کی محبس میں بیچھا ہوا تھا کہ اس میں مصنوت علی ابن ابی طا لسب علیہ السسالام کا وکر چھو گیا تواحد من صنبل شعبے کہا ، ۔ لامكون المرحيل مستسيّا حستى يبسغض علمياً قليدان ايماكوني تتخص بنبي بوسكتا بوكرعلى سيصحفوظ المنفش يزركه تابو-على بن حترم كابيان بيدكمين في فورًا ال كي بواب مي كها .. لاميكون المسوجبل مسنديًا حسلى يحعيب علىيًا كمنش برواركونُ شخف سنى نہیں ہوسکتا جسب تک کہ وہ معفرت علی سے بہرت زیادہ محبست ہرکرتا ہو۔ اورمبی حکایت دومهسع مقام مربعی سیسے جس میں ملی بن حشرم کا بیان بہہے کمیرسے اس کہنے ہے مجھے لوگوں سف مار بہیٹ کرمحنیس سے باببرنکال دیا۔ ابن تقطین کے غلام یونس کی جسارت محدين فنيل بصرى كابريان سبي كمه ايكب مرتبه متنب كوحضرت ابوالحسن امام رحنا عليه السلام بعره تشريب لاستفدا ودمعزب كى نماز آئب سفي عيدت برادا فرواتي اس كے بعد سجا المسكار كيا كتے توفرايا اللهده العن الفاسق ابعث الغاسق برودد كارتو فامق ابن قامق بيعنست كرس جب آپ نما زسسے فارخ ہو چکے تو میں سنے یون کیا۔ النّداکپ کومسلاممت دیکھے یہ کون سہر جس يراكب سجدست مي لعنت كررسي مطة - آب نے فرمایا ، - بر ابن تقطین كا غلام وس سے میں

جب آپ نما ذسسے فائری ہوچکے تو میں سنے ہوئی۔ النّدائپ کومیلاممت دیکھے ہے کون سہے جس برآئپ بجدسے میں نعنت کررسہے منطقے ۔ آئپ سنے فرطایا ۱۰ بر ابن تقیطین کا غلام ہوتش ہے۔ میں سے ہوئن کیا درمست سہے اس نے آئپ سے بہست سسے ماسننے وا اوں کو گھراہ کر دکھا ہے اورائپ سے آبلے کرام کی طرف مشہوب کرسکے لوگوں کوفنوسسے دیا کرتا ہے۔

(٣) --- آپ کے اصحاب وروا ۃ آب کا دربان محدین دانشدتها آپ سکه نقروا ة میں – احمد بن فحد بن ابی نصر بزنطی - محد بن فضل کو تی ازدی عصب داندی جذرب بجئی ۔امماعیل بن سعدا سوص استعری ۔ اوراحد بن محدان تعری سے ۔ ادراً ب سے اصحاب میں ۔ حسن بن علی خزا زا لمعروب بردشاء ۔ محد بن لیمان دملی ۔ علی بن حکم انباری یعبدالند ابن مبارک نها وندی محاد بن عنمان ناسب ـ سعدبن معد یصن بن سعسید

ام وازی - عمرین منسل رخی خلعت بسری محدین مسسنان - برین محدازدی - ابرا بهیم بن محدمهراتی -محد بن احمد بن قسير بن عبلان اوراسحاق بن معا ويجعيسى عقير.

﴿ سے حضرت معرفت کرخی اور فدمت امام رضاً

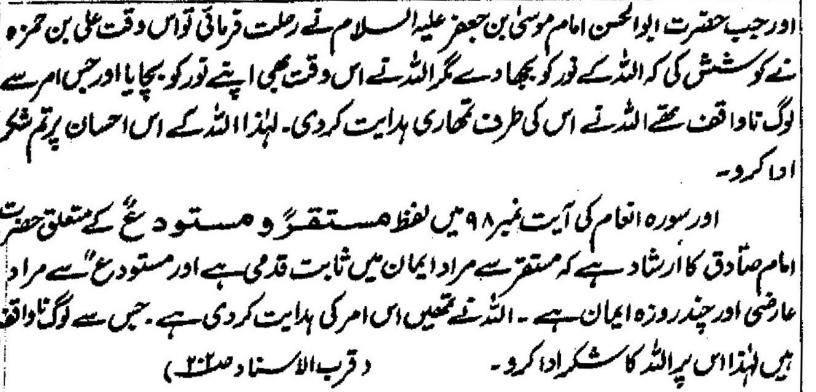
ابن شهرادری سنے مناقب الابراد بخریر کیاسہے کہ حضرت معروف کرخی حصرت علی ابن ہوکا رصّاعلیہ السسلام کے دومترارا ورخادموں میں سے تھے ان سکے والدین نصرانی سکھے۔ انھوں سنے بيهن مي ان كوايم معلم محرم دكياس ندكها كركهوتين سے تيسرا - اوروه كيت رسيد كم نہيں بكروه ايك مين علم في ان ى نوب بيائى كى رير بياك كر معنوت امام موسى دمنا عليه السيدلام

كى خدمت ميں بيہنچ المپ سك ما مقول بياسلام لاستد- بچراسينے گھر بہنيچاور دروازہ كھنكھايا۔ آپ نے پچھاکون جامغوں شد کہامعرومت ۔ پچھاکس دین پرمو بہ کہا دین منیعت دامیلام ، برٍ۔ بھر ان سیدباب معی محضرت امام رصاکی برکست سیداملام لاستند

حصنرت معووجت كرخى كابريان سبست كدنهومي ايك يوصه تكم محصيست كى زندگى بسركرياريا بالآخرونياكا مباداكا روما رهيوژ كرصرون اسينشا آقا حصريت امام دهنا عليه السسلام كي خدمست میں نگ گیا ۔

نور فلاکوم و ومی مجھلنے کی کوسٹسٹ کی گئی

بزنعى سعددوا يمت سبعداك كابرإن سبعص رست امام دم مانے مم سعے ايک دشيب مسجدوارمعاويرم تشريف لامع كاوعده والاعقاده تشريف لاستداورملام كرسع بعدكها كم حصرت ديول مقدول ملى النُد عليه والإوسلم كى وفاست كع بعدى سعدوك الم كوست شي تك بموستقسطة كرالترسك لدكوجها دمي ميكن الترسف اسين لايركوا قام تك ببنجاست يبزيس جودلا



ا --- حرمت غنا کی ایک دلیل

ريان بن صلعت كايبان سنب كرمي سنية مشرت امام رضاعليه لسسلام سعيع من كمياكم ہشام بن ابراہیم عباسی نے مجھے بتایا کہ آپ سنے گا نا سننے کی اجازمت دسسے دی سہے ہے آپ نے فرماً یا وہ زندین اورسیے دین جھوٹ ہوتا سہے۔ ایسا نہیں سہے بلکہ اس نے گا تا سننے سمے متعلق مجهست وديافت كما تدييس شعب كهب السنعنس يرتباك حبب الشرتعالى ابل حق اور ابل باطل کو ایک میدان میں جمع فرماستے گا توا بل غناکس گروہ میں ہوں سکے۔ اس شد کہا اہل باطل کے گروہ میں۔ میں سے کہا تقابس ہی کا فی سبے توسنے توسنے وفیدسلہ کر دیا تو بیبی بات میں نے عباسى سے يم كمى تھى۔ وقرب الامنادسشك دعون اخبار الرضا مبلد ۲ مسكك

بهشام بن ابراہیم عیاسی زندیق

رماین بن صلمت کا بران سے کہ ایک دن میں ہشام بن ابراہیم عباسی سے باس گیا تو اس نے فوراً ووات اور کا غذمنگوا یا ، پرسنے بچھپا اس کی کیا صرورت بہاٹی آگئی ہے کہسس نے جواب دیا میں سفے امام رضا سے چند باتیں کسٹی ہیں جا ہتا ہوں کہ لکھ لوں ورز کہیں معبول نہ عادُ ل ال سكے بعداس شدے كي ولكھا اور بروا تعدمقام مروكا سبے اور دو بہر كے وقت منا زِ جعر سك بعداس كمدىميرس بأسس أسف سے بہلے كاست بجب وہ بعد نماز جعمرس باس أوتوس في پر چھا کہاں سے اُستے ہو ہے ہواب دیا اس سے پاسے۔ میں نے پر چھا مامون سے پاس سے ہے بولا بہیں اس کے باسسے میں ند کہافضل بن مہیل سے باس سے اس ند کہا نہیں۔ اسس کے پاک سنے میں نے کہا جھا واس کے پاک سنے کون مرادسہے عباسی نے کہا علی بن موسطے إلى شيدكها بحد ميرواست مومعامله كما سبعه ال شيركها ال باست كوهيورُو. ان سيرًا و احرب دا د ولی دېری کی بعیت سکه لیے کب کرسیوں پر بیٹھا کرستے تھتے جیدا کہ اعنوں سے کمیاسہے۔ میں سے کہا تبرا الشربُ اكرست الشرست ترب وامستغفا دكر- اك ند كها بميرى فلال كنيز ال ست زياده علم دكمتى ہے۔ اس سے بعد بولاکراکٹر میں کہوں کو میرسے مرک فتم یہ با سے توسنے کہیں گئے کہ نہیں ہمارے سرك فتم يه باستنهي سبعد ميں سے كها تقص خبرتبين لشيعوں كا يرعمة ره سبے كه امام عب وقت ج اقدام كرتا بيدده اطاعيت المئي مي موتاسب بچر تختقت اوقات میں حنشرت امام رمنا علیالسسالام کا ذکراً تا رہا - ایک دن میں حضرت امام رضاکی ضرمت میں ما صربہوا اور حوض کمیا کرعباسی مجھ سے آہے کے بارسے میں طرح طرح کی باتین کرتا ہے۔ وہ اکتر ہمارے پاس سوتا اور قبلول کرتا ہے اگر آپ کی رائے ہوتو میں اسک گرون بچڑ کردبا دوں وہ مرجائے اور متور کردول کہ وہ ناگہائی طور برم کیا۔ ہے۔ تو آپ سے اپنے دونون بالحقول كى أنظيال تين مارج شخاتي ادركها - منهي اسرمان - بنهي الدرمان - منهي اسد دماین - میں نے دعومن کیا اچھا فننل بن مہیل مجھے اسپنے ایک کام سکے لیٹے دواق مجیجے رہا ہیے اورعباسی بجى ميرس جائد كرين دن بدعواق كولف ننطف والاسب الكاسب كى دائد بوتوس ماكنان قم ہواکپ سکے دومتزار ہیں ان سے کہ دول کہ ان میں سے ہیں تمیں آ دمی رہزوں یا گذاگروں کے مجبیں میں شکلیں اورجسیہ اس کا سامنا ہو تراس کا کام تمام کردیں اور اوگ کہیں سکے کہ اُسسے گداگروں نے قتل کردیا۔ برسسن کراکپ فا موش رسنے نہ یاں کہا نہیں کہا۔ الغرمن بريعواق كمصيلن جلاا ومقام وآن برسبجا تواكيب سواركو ذكريابن آدم سك بإس بعبيا الداست خطائكا كرمجه باتي البي بي ونعط مي تخريبي كي ما مكتي اكرمنا سب بهو توفلال دوزمقام مشكواة برآجاؤه بإل انشار الترميرى تقارى طلاقاست بهوكى - اسبعوس مشكؤة پېنجا تووه پېلے بی سے وہاں آستے ہوستے بیتے ۔ پی شےانفیں تمام قعتہ سبنایا اور کہا کہ وہ دعباسى ، يهال فلال فلال دن يهني كا - انفول شك كها الجيا مجه حيوري ال شخص كو ويكه لول كا میں شے انھیں دخصست کیا اور نود و ہاں سے اسکے روانہ ہو ۔ زکر یا بن آدم فتم وائس سکتے ۔ وہاں ان کی معرسے ملاقا ست ہوتی انفوں نے ان ستے ہما ری باست کے تندی منٹورہ کیا ۔معرفے کہا کمعلوم بنیں کرامام کا سکوست امرسے یا بنی -امام نے اس کا کوئی حکم تودیا بنیں ابذا مناسب بنیں کہ ال سے کوتی تعرض کیا جاستے۔ میں ذکر یا اس انسدام سے یا زرسیسے اورعباسی مسلامتی سکے مَا عَدَّانِ لامستهط *كريكيا* -

- برتعلی سے خطوط اور اس کے جوایات بربطى كابيان سبيركه مي سقي حضربت امام رضا عليه اسساؤم كوخط وكما كمي كوفه كالبعية والاا كيستخف مهول مريرا كمنبردين اللي كا يا بندا وراكب حصارت كا اطاعت گذارسهد مي اكب کی خدمت میں حاصر بہوتا میا ہت ہوں تاکہ کیجہ دینی مساکل معلوم کروں اوران یا توں سے متعسساتی وريا فمت كروں جولوگ آمپ سكے متعلق مجدِ سسے كہتے ہیں۔ اور آب سكے خلاف ميرست مسسا حينے ولميلين بيني كرسقة بي كرافعول في سين البرسين بالين دريا ونت كين تواكب في البين الأوا فراك جواب سے خلاف بچ اب دیا - بچرآپ نے اپی ذا*ت کے لئے تقیہ کی نفی کر*دی سہے۔ بجرصعوان شراكب سيرملاقات كى اوران لوگولسند پوسوا لاست آكب سيسك كك كلتے ان سنطمتنان آب سعد دربا فست كما توآب شداس كا افراد فرما يا-اب بسانكارمي نبس كما - اوران موالات کے پچابات ان لوگوں کو کچھ اور دسیئے مقے اورصفوان کو کچھ اور دسیتے۔ میں اسی لئے حاصرِ خدمت بهزنا مِيا بهمّا بهول تاكرمعلوم توكرو*ن كروه كرامبسيسسين. الب*سيصعوان كوسج بوابات دسیتےوہ ان وگوں کومنیں دسیتے۔ بات یہ ہے کہ اس میںمیری اورساری قوم کی زندگی كاموالسب- التُرتِّعَا لَىٰ وَا مَاسِبِهِ وَصَنْ اسَحْدَيَاهَا فَكَا كَشَّمَا اسْحَسَيَا السنَّ اسْس جنبيشگا وسي ته اس كوزنده كياس نه كويامارسه وگول كوزنده كيار دمىورة ما ئەھ مىسىسىپ حضرت المام دصًا علية لستسال مستداس خط كابواب ال الفاظ مي ديا -بسم الثلائره كن الرجسيسم - تمارا خطام وصول بوكم كالتفت بما فيه مهوا - تم مجد سيس ملما بهاسبت بهوا وداوگوں سفہ مجھے میرسے متعلق کہا ہے اور جن با توں کو یہ نوگ میرسے خلاف دمیل بنا کریخادسے سامنے بیش کرہے نیز یہ کم میں نے اسپنے آبار کی دوا یا ست واحا دیرے کے خلاف ان سكركسى مسلركا بواب دياسيے ان ميب سكمتناق تم مجدسے بالمث فرنعتگولاڑی سمجتے ہو۔ توسجعابى بان كامتم مواست الدسك ذكسى ببرست كاكونى مسسنا مكتسبيدا وردكسى اندسع كو كوفئ والمستز وكحفا مكتباسيس قران مجدي سے فلمن شيريدوالله ان يهاريه يشكرخ صدر للإشسيلام وكمن شيردان يتضيلة ينجعن مستدرة ضييقا محسرك حِيًّا نَسْمَا يُصْعَدُ فِي السَّسَمَآءِ كَذَا لِكَ يَبْجَعَلُ اللهُ الْسِرْجِسَ عَلَى الكذين كذبيؤهسنوك الأتانابس كالإيت كالاده كرتاسها ككسين كالن

سے سے کھول دیماسہ اورس کو گراہی میں حجود دسینے کا ادادہ کر تاسب اس سے میلنے کو تنک كردية الميان الماكر كوما أسمان براه ماست كاراد الثرتعالى اسطرح ايمان بذلاست والوں سے اوپر رحب و بلیدگی کو باتی رہنے دیتا ہے۔ دسورہ الانعام صلالے دوسرى عكسه إنك لاتهديئ مكن أشحببت وكلن الله كيه وي مَنْ يَسْسُاءُ وَهُدُواَ عَلْسَهُ مِالْمُهْمَتَ وَيْنَ اسدرسولُ تم يجع برايت ديا ما برو ہیں دسے سکتے ہیں الشریھے جاہے ہوایت دیا ہے اوروہ ما نتا ہے کہ ہم ایریث یا سے کے ناتن کون لوگ ہیں۔ وسوره تصنص عليه) نيز معنرت ابوجعفراه محدبا قرطيه السسلام في زمايا بهد اكرلوكول ك احتيار و المتقاعدت مي بوتا تومسب كيمسب بمادك مستسيع بن جاستے تخوالند تعالی نے جس دن ا بنيآ سيريهدوميثاق ليامقا اسى دلن بمارسيرتييول سيمجى شيعه موسيركا يجدوميثاق لياعقا ـ متضرت ابوجعفرعليالسسكامه فمقرطايا بما وامتيعه وه سبير يجهادى اتهاع كرسي بماری مخالفت ً ذکرسے بیما را مشیعہ وہ سیسے کم جسسے ہم ڈریں وہ ڈرسیے اورجس سے ہم ن درس وهمى د درسه درحقيقت وه سبهمارا تنيعه _ اددالتُّدَّمَا لَىٰ كَادرشا وسبِهِ - حَسَاشسُكُوْا اكْشِسُكُ السِّدِكْسِرِ إِنْ كُسَسْسَتُمَرُ كِرْتُعْكُمُ وْنَار دسوره تخل احتے سوره الانبیاءا منے) نيزادالا دِبارى تعالى سب، . وَهِمَا حَصَانَ الْمُؤْمِسِنُونَ لِمِينَ هَيْ نِعَيْدِ مِرْوَا حَكَافَةً فَلَوُلا نَفَكَرُمِن حُلِّ فِندِقَةٍ مِّنْهِكُمُ طَالِفِكَةً لِيَتَفَقَّهُ هُوْا فِي السِّرِيْنِ وَ لِيَسْنَذِرُ وْقَنَوْمَسَهُ مُوْا فِذَارَ جَعُوْالِكِيْدِ إِ دسوره تو به آمیت ۱۲۲) لَعُكَنَّ هُ مُرْيَحُ خَرُونَ _ ان آیات سے بموجب تم برسوال کرنا اور جومعلوم مزم ہو اس سے متعلق ہم سے ^{دریات} كرنافرض سيص كريم برتحالي برسوال كابواب فرض بنبس سيد-الترتعابي كاارش وسيص فَالِنْ لَكُ هِ يَسْتَجِنْ بُولَكِ فَا عَلَ عَلَ عَلَ كَا يَنْشِعُونَ الْفَسَوَاءُ حسَبَ وَمُسَنْ اَطَنُدُلُ مِسْتُنُوْ ا تَبْعَ هَسَوْلَ لَهُ بِعَثَنَيْ مِعْسَدًى مَيْنَ اللّهِ وَ ال سے مراورہ لوگ ہیں جوائمہ مہری میں سے کسی امام سے بغیروینی مسائل میں اپنی دلستے بڑعل کرستے ہیں۔ يزنعى كابيان حبيرك ميرسن حضرمت امام دمنا علية لمسسلام كومجرخط مكحاكراكب

سے بدربزرکو ارکے معلق یہ و کی جوروا بات بان مسلے ہیں اس بی وجہ سے میرسے دل میں تواكب في بواب من تخرير فرما يا كه حصرت امام فحد با فتسدد الوجعفر ، عليه السيام سندارشا دکیاست که الندا ورای سے رَسول َ برکوئی شخص ا تنا زیادہ حجوسے بہیں با ندھتا حینا ہم ا پل ببیت کی طرف هوسط با ست منسوب کی مبائی سبے یا ہمیں ہمٹلا یا جا تا ہیں۔ اس کتے کہ جو شخص ہماری تکزیمیب کرتاسہے یا ہما ری طرفت جھوٹ منسوب کرتا سہے تو گؤیا کہ اس سنے الٹر ا در اس سے دسول کی تکزیب کی کیو بکہ ہم ہم تھ کچھ کہتے ہیں وہ النڈ کی یا اس سے دسول کی کہی ہوتی ر ا يك سخف يحترمت ا بوجعقر عليالسسالهم كى قدمت ميں حاصر بهوا اور اس نيے كہا آپ حصارت ابل مبیت دهمت بی آپ کوالله سند اپنی دهمت کے لئے محصوص فرما لسیا ہے تواکب نے فرمایا باں ہم ایسے ہی ہیں خدا کا سنٹ کرسے کہ ہم اہل بہیت ہیں۔ سے کوئی ایک شخف معی معی نظرابی میں واخل موا اور نه بایت سے قامع موا - اور یہ دنیااس وقت کے خم نہیں بوسكتي جب تك كريم ابل بيت مي سعدا يك فردكا ب خدا پرعل مذكراست اور برائيول كو بزنعى كهتاستهد كذير سفيصنرت امام رضا عبيالسسال مى فدمست بير مجرع بعيز لكفاكر میں آپ بر قربان سچ مگران لوگوں کی روایاست کی وجہ سے میرسے دل میں ایک انجھن سی متی اک لئے میں آپ سکے پرربزرگوار کی وفات پردسم تعزیبت معبی اوا د کرسکا۔ اور اس مجھ بیتن اگیاکه وا قناً اکپ سکے پیر مزرگوا رہنے وفاست بائی میری طرمن سے تعزیبت قبول فرماستے۔ النداس عظیم صیبت میں مبر کرنے ہے آپ کو اجرو ٹواب عطا فرمائتے۔ میں گؤاہی ویٹا ہوں کہ الند كسي سواكونى الشد تنبي اور حمداس ك بندسدا وراس ك رسول بي - بزنعى كمبتاسيد عجر اس سکے بعد ہیں سنے مسلسل ایک سکے بعد دوسرسے امام کی امامست کی گواہی ویٹا ہوا مھنرت امام رمنا علیالسسدلام کی امامت کی گواہی دی۔ بزنعى كابران سب كرحص ومناعليالسدلام سقىم يرسيداس خط سكه بواسب م*یں تحر میر حز*مایا کہ د۔ حفرت ابوجعفرامام محدبا وتسركا ادنثا وسبه كركسى بنده كاايمان اس وقت تكب تمل بنبي بوسكتا جب تك حبت واطاعت وحرام وملال كصلساري اس امركا اعتقاد د ہوکہ کڑیں سے جومنولت پہلے کی ہے وہی اُنٹری میں۔ مسب ایک منعے سے ہیں اصرت

ان مي دويخفيتين حنرت دمولِ خداصلى التُدعليه والإكسسلم اود حضرت اميرالمؤمنين على ابنِ طالب عليالسلام النسب مي افضل جي -اور حصنرت رسول خدا صلى التدعليه والإوكس لم ف ارتثاد فرما بالبوتتخص مرماسته ادر اس کا کوتی ابیاا مام دیم و حوزنره بهوا در است وه بیجا نتا بود تو اس کی موست مبا بلیبیت کی موست م يبرحصنرت ابوجعفرعلية تسسدلام فيداراتا وفرايا كالمعلوق برالتزكي حجست اس وقست تك قائم بنبي بهوسكتى جب تك كركوني ابيه العام يز بهوسيسے لوگ بنهجانتے مهوں اور معفرت ابوجعفر عليه المسلام سف يهي فراليا كريوشخص برجا بتناسب كراس كمه الانسك ورميان كوني مچەدە وحجاسى نەپوتاڭرىد النەكودى<u>تىكىسىكے اورائٹراس كو دىچە مىكے تواكىسے جا بېن</u>ے كەآلى فخۇسىے مجست كرسيداودان سكد دلتمنول سيريرانت كاأطها دكرسيدا ودآل فحاد مي سيعمى امام سك وامن ستصمشک بهو-جب السام و گا توالنداس کو دیچه گا اوروه الندکو دیچه گا- اورا کرایدا پر موتا تومعنرت ا يومع عرعليا لسسال ميه برگزنز فر لمستے كه ٥-ہا رسے متنبعوں کے متعنق کوئی داستے قائم کرسنے میں میلدی ذکرواس لیٹے کہ اگران سکے ا کیس فدم میں بعنوسٹس اسٹے گی تو دو مسرے قدم پرسنجل جا بیس سکے ۔نیز اگریر بر فرملتے کر جو تمقالاسب وه مقالست تمام عمانيول كاسب توابن الي حمزه اوراين مراح اورامعاب ابن الماج كم متعلق بم مي ابنِ مراح نے ہوگوں سے ہما ری مخالفست کی اورہمارسے ملقہ ا تباع سے سکھنے کی دعوت دی - اس سف معشرست ابوالحسن موسی بن معفر علیه السیسلام سمے مال بیعظیم و مرست ورازی کی - اود معترمت ابوالحسن کی حیاست ہی ہیں اس بہرقابین ہوگیا اور ہم سے مکا برہ کمیا اس کی والہی ہسے المكا ركيار حالانك تمام سلمانوں كايہ اجتماعی فيصله بخاكم تمام است يارم پرسے ميروكم دی جائيں فكرحصنريت الوالنحسن موسى بن معفرى رحلست سيصيح بانتي بيدامهونتي - ان كو د تنجيستے موستے على بن ا بی حمزه کی علیمدگی میرسسسند منیمست دمی اور اسپ اس میں کوئی خرا بی بہیں سوائے اس کے كدوه مال مراب كر گيا ـ اوراً بن ابي حمزه وه تخف بهد كرحى فيهاها ديث كي غلط ما وبليركس جكه اسس كو ال كا علم ي بنيس ديا كيا تقا - بجيراس سفران تا ديليول كولوگوں كدساھنے بيش كيا اور اس بر نبدكر كيا- افداحا ويبث بي ابني تا ويلاست كى غلطيول كدا قرار كمدلئة تيار د بوا- اس سف موجا كالكرمعنوست يوسئ بن جعفر سكمتعنق ما بنزائر طاهرين بكدا قوال كويم بسح بنيس سجعت وّمع

ان مي دويخفيتين حنرت دمولِ خداصلى التُدعليه والإكسسلم اود حضرت اميرالمؤمنين على ابنِ طالب عليالسلام النسب مي افضل جي -اور حصنرت رسول خدا صلى التدعليه والإوكس لم ف ارتثاد فرما بالبوتتخص مرماسته ادر اس کا کوتی ابیاا مام دیم و حوزنره بهوا در است وه بیجا نتا بود تو اس کی موست مبا بلیبیت کی موست م يبرحصنرت ابوجعفرعلية تسسدلام فيداراتا وفرايا كالمعلوق برالتزكي حجست اس وقست تك قائم بنبي بهوسكتى جب تك كركوني ابيه العام يز بهوسيسے لوگ بنهجانتے مهوں اور معفرت ابوجعفر عليه المسلام سف يهي فراليا كريوشخص برجا بتناسب كراس كمه الانسك ورميان كوني مچەدە وحجاسى نەپوتاڭرىد النەكودى<u>تىكىسىكے اورائٹراس كو دىچە مىكے تواكىسے جا بېن</u>ے كەآلى فخۇسىے مجست كرسيداودان سكد دلتمنول سيريرانت كاأطها دكرسيدا ودآل فحاد مي سيعمى امام سك وامن ستصمشک بهو-جب السام و گا توالنداس کو دیچه گا اوروه الندکو دیچه گا- اورا کرایدا پر موتا تومعنرت ا يومع عرعليا لسسال ميه برگزنز فر لمستے كه ٥-ہا رسے متنبعوں کے متعنق کوئی داستے قائم کرسنے میں میلدی ذکرواس لیٹے کہ اگران سکے ا کیس فدم میں بعنوسٹس آسٹ گی تو دو مسرے قدم پرسنجل جا بیس سکے ۔نیز اگریر بر فرملتے کر جو تمقالاسب وه مقالست تمام عمانيول كاسب توابن الي حمزه اوراين مراح اورامعاب ابن الماج كم متعلق بم مي ابنِ مراح نے ہوگوں سے ہما ری مخالفست کی اورہمارسے ملقہ ا تباع سے سکھنے کی دعوت دی - اس سف معشرست ابوالحسن موسی بن معفر علیه السیسلام سمے مال بیعظیم و مرست ورازی کی - اود معترمت ابوالحسن کی حیاست ہی ہیں اس بہرقابین ہوگیا اور ہم سے مکا برہ کمیا اس کی والہی ہسے المكا ركيار حالانك تمام سلمانوں كايہ اجتماعی فيصله بخاكم تمام است يارم پرسے ميروكم دی جائيں فكرحصنريت الوالنحسن موسى بن معفرى رحلست سيصيح بانتي بيدامهونتي - ان كو د تنجيستے موستے على بن ا بی حمزه کی علیمدگی میرسسسند منیمست دمی اور اسپ اس میں کوئی خرا بی بہیں سوائے اس کے كدوه مال مراب كر گيا ـ اوراً بن ابي حمزه وه تخف بهد كرحى فيهاها ديث كي غلط ما وبليركس جكه اسس كو ال كا علم ي بنيس ديا كيا تقا - بجيراس سفران تا ديليول كولوگوں كدساھنے بيش كيا اور اس بر نبدكر كيا- افداحا ويبث بي ابني تا ويلاست كى غلطيول كدا قرار كمدلئة تيار د بوا- اس سف موجا كالكرمعنوست يوسئ بن جعفر سكمتعنق ما بنزائر طاهرين بكدا قوال كويم بسح بنيس سجعت وّمع

معنیا ٹی دیمیرہ سکے متعلق ان کی میشیدنیکو نیوں کولوگ کیسے تکے مجمعیں سکتے۔ اس کھنے لوگوں سیے کہنے نگا-امام دحنا سکے آباء کرام سکے اقوال ناقابلِ تردید ہیں ۔ اوروا قعاً ہما سسے آباسٹے کرام سکے اقوال نا قا پل تردید بیں میکن وہ اسپنے علم کی تمی کی وجہ سیسے ان اقوال کے مقاصدا ورحقا تی تک ر بهنے مسکا اور فتنہ ومنلالست میں گرفرا رہوگیا اوروہ جس احرست گریزاں تھا ای پی مینس کردہ گیا۔ حضرت الإجعفر عليه لسسسلام نعبريمبى قرطاك اكركوتى متخفس بيمجست سبيدكه الثرتعالى تمام امورسے فارخ موكر بين حيكا بيت ويه علط اور حيوس بيكيو كم معلوقات مي الله كي مشيبت اسبعبى كارفز اسبعد وه مبا تناسبت بدياكر تاسبت اوربوكام مباست كرتاسه اود اس ند کهاست در مسیق بعضهامن بعین رسل اور دربیت کی تمام فردیی ایک دوسرد بمراوبوبي أخركا تعلق اقل سندسيد اوراقل كاتعلق أخسد من المذا الحركمى ا کیپ فزدسکے سلے پرخبردی مباستے کہ اس سکے منتئق یہ چوسفے والاسیے گھروہ ماست بعینہ اس فرو میں رونما دہم دیکہ اسی نسل اور ذربیت کی دوسری وزدمیں رونما مہوجا سٹے قرسمحت جا ہے کے کوفرینے والول نے پھٹیک خبردی بھی ۔ کیا ان لوگوں سکے باسسس حصنرت ا مام حبع وصادق علیہ السسال م کی بر صریت موسی دہنیں ہے۔ سے بید بیر بیر بیری میں ہے۔ اسپ سنے ارشا دفزہ ایک اگر کسی تنفق سے متعلق کوئی ایاست کہی مباسئے مگروہ باست اس میں رونما نہ ہو بلکرا*س سے بعداس کی اولاد میں دونما ہو توسسیھے لوکریہ* باست اس میں رونما وقرب الاكسيثا وصيبتيت ٢٠٣) مهوتی اود کہنے والے نے میچ کہا مقا۔ و سسويس جب كامطلب عجد بن عبیئی کا برا ن سبے کہ میں اور ہوٹس بن عسیب دا دخمن دونوں حصرت ا مام دمنسا منیالسسلام سے درِ دواست برما صربوستے گریم سے پہلے کچھالوگ باریابی کی درخواسٹ کو سے ا ذن سکے منسقا سعتے۔ ہماری درخوامست ان سکے بعدگی تھی ہیں اذن دیسنے والا برآ ہرہوا اور کہا ا ندراها وُ- حُراس نے یونس اور اس کے سابھ اسے والے اکتفاین کو پیچیے کر دیا ۔ مسب ہوگ اندرواخل بوستصرحت بمم باقى ره مسكنے بحقورى دىركىدىددە بابىرىكلى توبىس واخلىكى اجادت ملى بم داخل بهوستُداور ان كوسسلام كما أكب سف جواب مدلام ديا اوركها بييره مباري - اس كدبيا ونس في ميد موالات كه أكب سف ال كريج اب وسيت -يەس نے دریا دست کیا مولا و آقا۔ آپ سے حجا زید سنے بھرہ سے خروج کیاہے۔ اور انخول في مجع طلب كياسهد . تكرمي ا پينے متعلق الن كى المرون سے عملت بنيں بول المذا ميرسي

اسليمة أسب كي كما رئست بهد بجره جاؤل ياكود ميلاجاؤل وأسب في وما ياكود ما وا « پس جب» توبعره میلے جانا ردادی کا بیان ہے کہ اس کے بعدیم و بال سے تکلے گرمیں آپ كه يس جب "كيف كامطلب مجرس بنيس آيا رجب م قادمسيد بهني تو ديجاكه لوك بس يا بوكرمطه كرسيدي والومرايا كولتكسع بوهي سب اورم رفته مي داخل موميكاسه اورآل ابي فالب كالك كروه قادمسيدس بمست طاجوها زجارا عقاء تولينس فيصيص كها وتحيوا قال و« پس جبب » کہا مخا اس کا برطلب سہے۔ اس بم کوفرجائے کے بجائے ہیں میلے عجے الدہر -25-E; aux: 5 وقرب الاسسنا ومسلنك ا سے فخر کی کیابات ہے تواضع ہماراشیوہ ہے ابن عيىئى ئىنە بزنىلى سىے دوايرت كىسبىداس كا بىيان سىپ ايكسەر تىبىى نىلىس دەنس عيالسدادم نه اين سوادي ميبي مي اس برسوادم وكرمقام صريا بهبنجا- دات كووبي قيام كما. ببب راست کے کھانے سے فاریخ ہوستے تو حکم دیا کہ برنعلی سے سے بسترنگا دو۔ تعمیل حکم میں ایک طبرستاني تكيه خوشبوس بسام واحشب باستى كالباس، قياصرى جا درا ورمرد كا تياركياً مهوالممسل لاياكيا وجديس لاست ككاف في سعد فارخ بوا تو مجدست فرمايا كيا تم سونا بنيس جاسمت و مي ندكها جي بإن سونا جا مهول مي آپ برقر بان - تو آپ ندها در يا تمبل اژها ديا - اوروز ما يا انٹ بخیر اور سم مکان کی مجیست پرسکتے۔ بحب معترت امام رضا عليه الرسالام عيست سعدا ترسد تومي ني اسيند جي ميں كها۔ انغوں سفہ تومیری اتنی توافع کی کہ اتنی کسی سکے سلئے مذکی ہوگی۔ ایمبی میرسے ول میں یہ خیال آہی رہا تھا کہ ناگاہ ایک اواز دسینے ولسے سند اُواز دی اسے احد ۔ یں نے اس کی اُواز بہیں بہجاتی گر أب كا يك علام أيا اور است كها كم مولا أب كوبلات بي - مين جيست سندا ترسف نكا تودكيما كم مولا خود تشريعت لارسيعه بي كسقة بى آب سف و مايا ١٠ بنا بائة مره حادث مي سف يا مع مره حا يا لآأب سندميرا كاعقابينت باعقس سيروبا بااددمنسدها باايب مرتبركاوا قوسب كرصشرت امیرا کموامنین ملیہ اسسالیم صعصع بن صوحان کی عیا دست سکے سلط تشتر لیھٹ سلے نگئے اور جسب وال معداكة كرجلسف لك توفر مايا - يرج مي تحارى عبادت كمديد آيا بهول اس برم ركز فروناز ذكرنا _ بكه ابنى ذابت يرننور كهذا السيسط كرتع يبيا تمعا را معامله تم يك بهبنجاسي بيا ستاسيد . دمكيو البدي تمين غا فل مذكروي - اسب مي تمين النوسك مبروكر تا جول - تم برببهت ببهت سلام -دقرب الامسنا ومستكتب

ابن وليدسك هنعا رسط وراهول كابن سيني كمين ميد بني روايت ل يهيد عيوك انتيادا دمنا جلد۲ مستللا ایک قیدی کے خط کا جواب تتمن بن بشار کا بیان سیسے کہ میں نے حصریت امام رصنا علیہ اسسال م کا وہ خط مربطا ہو أسيسف واوُد بن كمترر في سكة خط سك مواس مي تحرير فرما يا عقاوه قيد مي عقا اور آب سه دعا كي درخوامست كى تحق - آىپىنى يەلكھا تقاء-بسم الندائرهمان الرحسيس، ولندتعالى ابني مهرماني سيديمين اورتمين دونون كو دنسيا و النوت مي خروعا فيت سے رکھے - بي تحيين فكر حيكا مول كر مم وكول سے باس جو معين بي وه الشرى عطا كرده بي ال كالتكولواكة إلى كاكوني مشريك بنيس رتها ما يفط مجعه ملا- اسيد الوسليمان إ س بنی جان کی تم کماکرکہا ہوں کو بی تھائے کام کیلئے کوئی کمبرزا تھا دکھول کا ،اگرتم ہیاں موجود ہوستے تو ہو سكمآ بسيركوتا بي كرتا- الميزادس خداست على وعظيم بري ومركرو حس بريجرومد كما جا آسيد. ولا ا وقرب الاستا ومسلِّليٌّ ، حول ولافتوة الامالكسه -ا سے مجونوں کے لئے تسوار محربن عبدالنُّدبن طامبركی دوا برت سبے۔دادی کا بیان سپے کہ میں اپینے والد کے مامنے

كهطا بموا تقاء اوران كيرباس ابصلت مروى استحاق بن رام ويه اورا تدبن محد بن موين سيعظ ہوسئے سکتے۔ میرسے والڈسنے ان لوگوں سے کہا کہ آبیٹے ہم لوگوں میں ہرا کیسٹنخص ایکسے حدیث

بیان کرسے۔ توالوصلیت مروی سنے یہ صرمیث دلچاہتے امنا دیے سابھے بہت کی کہ ،۔ مجه سعے بیان فرمایا متحضرت علی ابنِ موسی رضا علیهٔ اسسلام نے دا وروا قعاً وہ رصابی تھے

جیباان کا نام مقا، اوران سیر بیان فرمایاان سکے با سیحضرمت موسی بن حیفرسنے اوران سے بیان فروايا ال سكه بالبي حفريت جعفر بن محدسق اوران سعه بيان فرما يا ان سكه مابسي حسنرت محدين على

نے اوران سے بیان کیا ان سے ماہپ حصرت علی ابن العمن سنے اور ان سے بیان کیا ان سکے باپ معنرت على ابن ابى طالسب عليه لسسسلام سف الذكابيان بيع عنرت دمول فلامنى التُدعليه والم وسلم شيركرايان قول وعمل كانام سبصد

ع وفى جديد محبس برخا مست بوئى قراحد بن صنيل سف ميرسد والدست كها يركيا، منادعيس ہج الوصلىت مروى نے اس مدميث كے سامخ بيش كيں توميرسے والد ند يواب ميں كها، پتر بنيں

يرعجنون الاديوا نول سمك ناكسين يرطعاسف كالشوارسيد اكركسى مجنول كى ناكب بيريرهم الري دعیون اخیارالرضا مبلد اصشیس جلستة تواس كاجنون دورم وجاسئه-الله دورمتوکل احمدين فحدين فسسدات اورحمين بنعلى باقطاني دونون كابهان سب كدابرا بيم بن على س اوراسحاق بن ابراہم مرحی زیدان کا تب المعروف زمن کے درمیان بڑی دوستی متی ۔ نوا سان ست والبی کے وقت اس نے حفریت امام رصا علیہ السسلام کی مدح میں اپنا ایک متع اسیف یا تق سعد اخی زیدان کی ڈائری میں نکھ دیا اور اس سکے علاوہ بھی اس نے اپینے باعقہ سیسے اس ڈائری میں ببهت كجد لكما تحاوه دائرى اخى زيدان سك بإس محفوظ محق - اتفاق سيد ابرابهيم بن عبامس متوكل عیاسی کی طرحت سیسے اس کی ما نیداد کا والی مقررم و گیا - اوراب اس سک اوراخی زیدان سکے مابین کھے دورى سى الحلى عتى عيرتسى وببرست ابرام سيسس بن عباس نداخى زيدان كواس جا نيدا دكى نتخراني متعصع ول مردياجس بروه اب تكسم ترتقار ادراس كى پيداوار كا مثدست كدمها عذمون ابدكيا وّاسحاق اخی زیدان نے اسیف ایک معترضنی شد کم اکرا براہیم بن عباس سے پاس ما وُ۔اوراسے با دو که امام رصنا طیه اسسال می مدح می تحارست با فقه کا وه نکهام وامتعراب تک میرست مایس موبج دسب اكر تم اسبط ال مما بدست بازنه أسئه توس و متوكل كدس است بيش كردول كا الغرض ده تعض گيا اوران في ابرام يم بن عباس كواخى زيدان كابيغام بهنجا ديايدسنية بى اس كدماسة ونها تنگ بوتکی وه وراً است مطالبه سے باز آیا ، مجرانس می صلفید معالمه مواد اوراس فیلین تمام ستحے ہوستے انتما راخی زیدا ن سیے وائیں سے لیئے۔ صولی کی روابہت سیسے کہ مجھ سے بچیئی بن علی تھے نے بیان کیا کران وہ نول سکے درمدیان میں سفیر بنا ہوا مقا اور وہ تما م استّحادا خی زیدان سے والیں لئے اور ابراہیم بن عباسس نے مرید در میں در اور میں ا ميرسے مسلمتے الن امتحا دكوجلا يا -صوبی کہتاسہے کہ مجھ سے احربن المحال سفے بران کیا کہ ابراہیم بن عباسس کے دوار مکے سفقرا یکب کا نام حن بخا ودبرسے کا نام حمین ۔ ایکب کی کمنیست ابوجی ختی اور دوبرسے کی ابو عبداللد کرجب مخکل عباسی ملیغرموا تو مارسسے خوشہ سکے اس نے اسپنے برجسے دولرکے کا نام برل كرامحاق مكه ديا اوركنيت ابوحمرسي دسين دى- اورهپوست كا نام بدل كرعباسس د كه ديا اوركنيت ابوعبرا للرسك ببسله ابوالعنس كمردى ر صولى كايميى بيان سبيركم مجرست احمدبن اسماعيل بن خنيسب سنے بيان كياك ابراہم

بن عباس اورموسی بن عبدالملک سے میں متراب بنہیں ہی تھی گر حبب متوکل خلیفہ مہوا تو ان دونوں نے نثراب بمپنی نشرط کردی بلکه به دو نول تمینوں اور تختینوں کوعمداً جمع کرسکے ان سکے مرابع وی میں تین بار نتراب بیا کرستے تاکہ ان کی متراب نوشی کی خبرستہور ہوجا۔ شے اور ان سے متعکن اس طرح كم بهبت سے اقعات بي حرك وكريبال مناسب بني سبعد دعیون اخبارا درصا مبلد۲ صل ۱۲۸–۱۲۸۸) = ادائیگی قرض کے لئے مکان کے فروخت کی ممانعت ابن ولسيب دستے علی سے اور انھوں سنے اپنتے باب سے روا بہت کی سہے کہ ابن اہی تمیر الك مرد برزاز عقااس كالك تخفس بروس مرار دريم قرض عقاد اس كاسارا مال حا ماروه فالي ما عقر بهوگیا نگرخرهن کی ا دائیگی سکے لئے اس شخص کو اینا ریا کششی مکان دس میزار درمیم میں و وخصت کم ديا اور رقم سے كرابن ابى عمير كے باس بہنجا - دروازه كھ شكھٹا يا - ابن ابى عميريا برشكے تو اس ستے النَّسے كہا يہ آپ سے قرصٰ كى مقم ہے ہے ہيئے -ابن ابى عميرنے كہا يہ مقم مقا دسے پاس كہا ں سے آئی۔ به کوئ مرکیاجس کی ورا شت ملی جو اسے کہا بہیں۔ بوجیا مچریسی کاعطیہ ہے برکہا ہیں ميكرمي سف اينامكان فروضت كرديا تاكة وص ادا كردول رتوابن ابي عمير ندكها بمسنور وريح محاربی سنے حصرت امام جعفرصا دق علیہ اسٹ لام سے دوا بہت کی سیے کہ ایپ نے فرما یاکوئی لینے قرص كى ادائيگى كى الى الى الى الى الى الى وراكنى مكان سن بىلى كا . يردةم واكن الى الدما د مجعه ال دفع كى صنرودست منهي اكرحير خداكى متم مي معي الى دفت ايك ايك دمهم كو محتاج بهول . تكرمي المحارى ال رقم من وايك ورجم عبى زاول كام وعلا التشرائع ملد، مدالا، الانعقام مساند (۱۵) --- السيم السيخوست محد بن جعفر مود سب کا بدیان سب که صفوان بن تحییل عبس کی کمنیت ابو محد بمتی اور سجرا یک سابری بارسپر فر*وسشس کا غلام مق*اوه اصحا سب صریبش می*ں سسب سیسے* زیادہ موثق اور ان ب*رہی*ب سے زیادہ معیا دست گذار بھا اس کا حال یہ مقا کہ ہرروز ایک مومچیاسس رکعتیں نما زی ادا کمہ تا۔ سال تعبر میں تین ما ہ روزہ رکھتا۔اورسال میں تین بار مال کی ذکو ۃ نسکا لیا تھا۔اور اس کا سبب پہ مقاكه اس قدع دالله بن جندب اورعی بن مغان سے سساتھ فا نرکعید میں جا کہ برمعابدہ کیا تھا ک اگریم میںسے کوئی ایکس مرحیاسے توجویاتی سبے گا وہ اس کی طرف سے اس کی خا ز می شعر کا اس کاروزه دیکے گااس کی طرف سے چے کرسے گا ود جیب تک زندہ دسیے اس کی طرف سے

دد نوں کی طرفت جج اوا کرتا ا ورحبی بھی کوئی خیروخیرات کرتا ان لوگوں کی طرف سے بھی کرتا ا كيد مرتبه اس كيمسى بروسى سفرج كوفر كارسين والانتما كم مي صعوان سعدكها ميرسيدي ودویارابیف ما مخدلینے مباسیے میرسے گھردیجے گا۔ تواعول نے کہا ابت یہ سہیمیں کرا یہ کی موادى بها یا بهوں اب س اس سے متنابع استے مجال سے متورہ کمراول تو بختایں ہج اسب دول گا دالانتقراص مسششب ال _ کسی کی طرفت بدگمانی میں عجلت بنکرو محدبن على قمى كابريان سب كرميرسد مايسس حسنرست ابوجعفرسند ايك آدمى كے باقدايك خطىمبيجاجس مين محماعفا كمتم ميرسد بإس آحاؤ المذامي مدينه ببينجا اورآب وارخان بزيع ميمقتم مطقر اكب كى خدمت بيں حاصر جوا سلام كيا۔ اكب خدمسفواك ا ور اين سسنان كے متعلق بہت سی یا تیں سی مقیں اس کا تذکرہ کیا۔ تونس نے اپنے دل میں کہا کہ میں زکر بابن آدم کی طوف سے صفائی پیریشس کھیوں تاکہ وہ ان الزامات سے زیح جاسٹے ہوا درون سکے متعلق ہیں ۔ گرمع رول نے کہا کہ میں اس معاملہ میں کیوں وخل دوں بہنخود بہنرجانستے ہیں کرکیا کیا جا سئے۔ بمپراکپ سنے فزیا یا اے اوملی او پی میسے وگوں سے متلق آئی عجاست بہیں کر فی جائے جب کرمیرسے پرر بزاگوار سے سائقاس کی فدمات ہیں۔ احربن عمرملال سعددوا يرتسسه اس كابريان سبے كرس خدمنا كرا بخرسس كمرّ سكے اندر معنوت المام رصنا مييالسسلام ك برگوئيان كرتا بيرتا نقا توجي كم مبرخيا اورا كيره جُرا مخريدا اوراسے دیجیا تو کہا خدا کی متم جوں ہی بیمسی سے شکلامی اس کوفتل کردوں گا۔ اور اس اراوہ سے وہیں باہر کھوا ہوگیا کہ استضامیں حضرت امام رضا علیہ السسالام کا ایک رفتہ مجھے ملاحی میں كه كدلائق مساتش امحاب مي سعدا يك يمبالند بن جندب بجتى يم عقر يرحضرت

زكزة اداكرسيد كاراتفاق يركه اس سك دونون سسائمتى مرسكة معفوان تنها ياتى ره كياتو وه الن وكول

سيسكة بوستهموا بده كوبي راكياكرتا بخقاران وونول كى طريث سيس نما نرس پرهمتنار ذكوٰة ويبا اور ان



ا (19) --- عقود درگذر صغوان سعددوا برت سبے کہ اس سقی حشرت امام مصنا علیہ اسسی میں میں خودین خا لد کھے ماحترض مست ہوسنے کی اجازت ہی اورع ص کیا کہ اس ستے یہ باست بہیں کمی عتی بگرامی سے کہا سہے کرخدا کی فتم میری ملاقات کامقعدصرت یہ سہے کہ باست حمّ ہوجا ہے۔ آپ نے فرمایا۔ اچھا لیے بلاله - وه حاصر بهوا اوراس نديومن كيامي آب برقربان ليتسب باميرى كو تا بى اورتق سيري مي سند يحداسيف اوبرظلم كيا-اوريران وكول مي شمارم وتا مقاجن سكمتنت برنكما ن مقاكم يرحف رست ا مام دمنا علیہ مسسلام کی برگوٹیاں کرتے ہیں ۔ اس سے کہا ہو کچھ مجھ سے سرزد ہوا میں اس سے سلخة الترسعة وبالمستغفا دكرتا بول اورجا بتناجول آب ميرى معذدت قبول فرايش ميرى خطاش مواحث کریں ۔ آپ شے فرمایا۔ بال میں سفے بیٹری معذرت قبول کی ، اگر بز قبول کروں تو پراودان کے دما مختیوں کی باست خلط ثا بست ہوجاسٹے گی اوریہ کہرکرا ہے ستے میری طریب اشارہ فرمایا کہ متعامسے مخامغین کی تقدیق ہوجاستے گا۔ اورالٹدتعالیٰ بھی اینے ٹبی سے کہتاہیے ویک سکا مكفعتية مسكا للولينت كمهتثرج وكنوكنت فيظا غلينط القلب كزكف خنوا مِنْ حَمَدُلِكَ فَاعْفَ عَسَهُ عَمَدُوَا مُسْتَغَفِّرُ لَكُهُ مُرْوَمَسُا وِدُهِ مُسْتَبَعْ في الخديمشير دموره آل عمران مثصل، اس كدبداك من اس كرياب كم متعلق دريا فست كما قواس ندكها كوان كا توانقال موگیا تو اکب نے اس سے باپ سے کیے کیے معفرت کی دعاکی ۔ س سیاسس حکمان الى سفه الى كآب الترالد الدر مي يدوا تعديم مركياسى كرخوامان مي كيم صوفياست كرام متحثرت امام دحنا علیۂ لسسیلام کی خدمست ہیں صاحتر ہوستے اور کہا کہ امیرا لمؤمنین مامون نے نظر دوڑان کردیجیس الشرسنداپنی طرفت سے اولیالا مرکن لوگول کو نبایا سنے تو اس کی تفارآب بریمٹیری قرال نے آپ کوسب سے اولی بایا۔ ابٰذا اس نے ولی عہدی آپ سے میروکردی۔ مگروم کوتوالیے فرد کی منرودست سے چوموٹا بھوٹا کھاسٹے اورموٹا جھوٹا بیسنے ۔ گذسے پرمیواری کرسے ۔ نوگوں کی عما دست کوجا یا کرسے ۔ را وی کا بریا ن سبے کہ بیسسٹن کرچھنرت امام رصا علیہ السسالام تکیہ لنگلستے

شختے اب مبیدسے ہوکر پیچھ گئے۔ اور فرما یا تھیں معلوم ہونا جاہیئے کرحصارت یومسے علیہ السسال م نبی شختے اور وہ رمینم و دیباج کی امیبی قبائیں پہننے شخصیس پرسوسٹ کی تا روں کا کام کیا ہوا ہوتا۔ اور

اک فرعون سے بخت اود مسند تم سیمنیتے سکھے اور حکومت تمریسے سکھے۔ ابذا امام سے فتسط وعدل کی وقع رهنى چاپنيك وه اين قول كاسچا مو- جب كوئ ويصله كرسدة عدل ك سامخ كرسدجي كوئ وعده كرسعة واسع بوراكرسد النرتان في في الصيل ادرا جيد كمانون كوسوام وبنبي كراسي چنانچے وہ خود سورہ اعراف میں ارمثنا دفر ما ماہیے۔ غُود موره اعراف می ارتبا و قرما ماسید -قُلُ مَکنْ حَسَرُّم زِنْدِنَهُ اللّهِ الّٰذِي الْحَسْدَ بَحَ لِعِسَا هِ ﴿ وَالنَّظِيْدِ السِّرِينَ مِسِنَ المسودق - سوره الاعراف ۲۲ دنترالدر (۱) سهرح محد بن سستان میںسنسان لوگوں کوسسٹا بو عمدین سنان کی برگوئی اوران پرطعترزتی کریتے ہیں سیکن شا بدوه ال برطعنه زن بى كرنا جانسته بى . اس كەمماسىن اور باكىزگى نعنس كونېس جانستە چنانچرشیخ معنیدعلیدا درجمه سفیدایی کمآب کمال شهردمعنا ن پس تخریر فزما یاسیسے کم آنمه طا ہر این علیہم السسلام سے اس شخص کی تعربیت میں بہت سی روا یاست مشہور ہیں ۔ مثلاثعيدالتذنبن الصلبت حصرواميت حبيركم حصربت الاحجفرعليالسسللم تدوايا النوعمرا بن مشاك كوجز استصغيرد سنصوه بما لاوفا وارعقا على بن حبين بن واوُدكى روايست كم معنرت ايوحجف عليالسسيلام سف فحدين مسنان كوبا وكيا اورفرما يابهم الاسعد دامنى بي المثر اس سے دامنی ہواس نے ذکیمی میری مخا نعشت کی اور نہیمی میرسے بید پرتواری مخالعنت کی۔ بجراس كى جلالت قدرا ورعلوشان سكه سلي يهى كانى بهدك اس في بمارس ائم عليه السسلام سيستين المامول سيملاقات كى اوران يسدروا ياست ليس بعين معنرست المام موسى بن حبعرٌ ورحص وسه امام الوالعسن على الرصّاعلي السيلام اورحص ويتعفرت الإصبع فحدين على عليه لسلام ـ منيزان كه ذراية حفترت الوجعفر عليالسلام كامعجزه فلا مرزموا - اوروه يه كه حسب رواميت محد بن صين بن ابى خطاب - بيجارسي محدين سنان نابينا معقد حصرت ابو حبفر ثان علیالسسلام سندانیا دمست مبارک پر مسیح کیا اوران کی بینا فی بلیدائی۔ حسین بن احدما می کابریا ن ہے کہ ہیں نے احدین ملیک کرخی سے وجیا کہ محدین سٹان كم متعلق لوگ كہتے ہيں كه غالى سبحداب كا كيا خيال سبے۔ توانفوں نے كہا خدا كى بنا ہ ايسى باش بہي انفول ند تو مجھے ماہب طہارت کی تعلیم دی ۔ وہ ایک مروم تا من ا ورعبا دمت گذار عصے ۔

س شاتطِشابی نوکری

حن بن صبین انبادی کا بران سہے کہ میں نے حضرت امام ابلحن علیہ اسسالام کوخوا مکھا اوران سے شاہی توکری کی اجازت جاہی نیز خط سکے آخر میں یعبی مکھا کہ تھے اپنی گردن زدتی کا مجی خطرہ سہے اس لئے کہ با درشاہ کہا سہے تو دائعتی ہے اور اس میں شک معبی بنہیں کہ میں سفے دفش می کی وجر سے شاہی توکری حجودی ۔

بی می وجدسے منا ہی وحرق چوری۔ معلد بھی وجدسے امام ابوالحسن علیہ اسسال مسنے جاب میں تخریر فرما یا ۔ میں نے تھا است خط کا مطلب تھی لیا سہے اور بھی معلوم ہموا ہے کہ تھیں اپنی جان کا خطرہ ہے۔ اگر تھیں یہ معلوم ہے کہ اس شاہی نوکری میں تم ہو کا م کر وسکے وہ حکم خذا ا ورحکم رسول کے مطابق ہوگا اور بھے تھا اسے ماتحد ہے کہ میں تھا دسے اہل میت ہوں گئے اگر کوئی بات ہوئی تو تم ان عزیب مومنین کے ساتھ ہمدروی کروسکے نواہ عملہ میں دیک ہی مومن کیوں نہ ہواگر ایسا سہے تو تھیک سہے ۔ اگر ایسا مہیں تہ جر بہیں۔

(۲۲ ---- اصحاب تفته

ابراحد عمد بن ابی عمیر- اود ابرعمیرکا نام زیاد نقایدا زد سکے غلاموں میں سنے عقے۔ عام اورخاصہ دو نوں سکے نزد یکس سب سے زیا وہ موثق سسب سے زیادہ عبا دست گذادسب سے زیادہ پرہمزگا رتسلیم کئے گئے ہیں یہ کیآ ستے زمانہ سکھے۔ انھوں سفے حضرت موسی بن جعفر کا زمانہ مجی بایا منگران سے کوئی روابہت ذکر سکے رصرف محضرت امام رصاعلیا لسسلام سے روا بہت کرشے کا انھیں موقع ملا۔

(١٢) ____ الوتوبر

زکریابن آدم کا بیان سب که ایک دن میں اقبل شدیده مام رضاکی فدمت میں معلی خرمت میں معلی خرمت میں معلی خرمت میں ما معربی خوا اور اسی زمانہ میں اوج بر دحمہ النّد کا انتقال ہوجیکا مقا، تواکب سنے ان سیے متعلق ہوجیا مجہ ان سیے سلنے دحمہ سے اور مہم ان سیے مسلسل باتیں کرتھے دیں ہیں اور مہم ان سیے مسلسل باتیں کرتھے دیں ہیں کرتھے دیں ہیں کرتھے دیں ہیں کرتھے دیں ہیں کہ فجر طابع ہوگئی بھراک ہسنے انقاد کھی محمد میں مارپھی میں دوالاحقام مسلند، میں اور میں مسلند،

(م) ____ گھرچھورنے کی ممانعت

ترکرباین آدم کا بیان سبے کہ ایک دن بی سنے حضرت امام رضا علیہ السیادم سیع مق کیا کہ بیں چا ہتا ہول کرا پینے خاندان اور کمنبہ کو حجودا کرکہ بیں اور جلا جا ڈس۔ اس لیٹے کہ ان بی برد قوؤں کی کنڑت ہو کی سبے۔ آپ سنے قرما یا ایسانہ کرو اس لیئے کو تھاری ہی وجہ سسے اہل قم ان کی حمامیت کرتے ہیں جس طرح ابوالحسن علیہ السسالام کی وجر سیے اہل بغدا دکا دفاع ہو تا سبے ۔ د الاختصاص صدی ک

الى ___ دىنى مسائل كى دريافت

علی بن مسیب کا بریان سے کہ ایک بار ہیں نے بحقرت امام روندا علیہ السری ہے۔ کیا کرمیرا گھردور سے ہیں ہروفت آپ سے پاکسس نہیں بہنچ سکتا۔ اس لئے قرمائیں کہیں وہاں دینی معلومات کس سے حاصل کروں۔ آپ نے فرمایا زکریا بن آ دم سے اس لئے کہ اس کا دیں اور اس کی دنیا دونوں محفوظ ہیں ۔ ابنِ مسیب کا بیان سے جب ہیں وہاں سے والبی ہوا تو زکریا بن آدم ہے باس گیا اور ان سے اپنی صرورت کے مسائل دریا فت سکتے۔ دالان حقدا می صفہ

المعقوان اور عمر بن سنان كاكردار

ابن عیسی کابیان سبے کہ حضرت او جعفر علیالسسلام سفہ اپنے ایک آومی کواپنا خط دسے کرمیرسے پاس بھیجا - اوراس بیں مجھے ماضر فدمست ہونے کا حکم دیا عقا۔ اس وقت آپ مدیز میں وارخان بزیع سکے اندرمقیم سکتے ۔ میں وہاں بہنجا اندر داخل ہوا اسلام کیا۔ آپ نے صفوان اور عمد بن سسنان کا ذکر فرمایا اوران سکے متعلق ہومت عدد خبر سی می تھیں اسسے بیان کیا ۔ تو میں سنے

ا پینے ول میں کہا کہمیں زکر با بن اُ دم کی صفائی پیش کر دوں تاکہ وہ ان الزامات سے پیچے جا ئیں ہج ان مرحائیریں ۔ نگریجے ول میں کہا کہ مجھے کیامطلسپ کہ اس معاملہ میں دخل دوں ۔ جبکہ مولا ان لوگول سے

منكوك بير-امام ببترمانية بي كرده كياكري-

تواکب نے فرمایا الے ابوعلی منو۔ او پیچی الیے شخص کے لئے دائے قائم کرنے میں تعبیل ہنبی کرنی میا اسے بدم پر سے نز دکیا۔ بہنبی کرنی میا ہنبی کرنی میا ہے میں ہے۔ بدم پر سے بزر بزرگوار سکے ما عقران کی خدمات ہیں ان کے بعدم پر سے نز دکیا۔ اس کی ممز لست ہے میر میرا مال ہوا ان کے باس سے اس کی محیوم رود مت ہے میں نے مومن کیا میں اسے موق اگر میا جب تم اس سے موق اگر میا جب تم اس سے موق ا

جاؤ است دست دواود کموک وه میرست پاس مال میسی دست میں آپ کا خطر اے کر ذکر باین آدم كه باس كما ادروه مال الدكراك كه باس كلية - والانحقاص مستشد، 🗥 ---- امامت وخلافت برنجت الوندبل سعديدوا فغنقل كياكمياست اس كابريان سب كرس مقام دقربهنجا ومحدس بایان کیا گیا کردیردکی میں ایک مجنول تعنیں سہے گرباتیں اچی کر تا ہے یہ من کرمیں بھی اس سے بإس كليا توديجاكم ايك بورُها يُوش منظرتغف كليه مكاست بيها ورابيت مراور دارْحي كمنتكى نمرد باسب - س سف ملام كيا اس خرواب ملام ديا اوربي عالم كس مكريه وليله موج میں شے کہا ہیں اہلِ عواق کا بھوں۔ ہولا بہست توسیعواق ولسے تو برشسے ظریعیت اورصا حدیب ا د س موسته بي-اس نه بجروه عياع اق مي كها ل سي تعلق سب و مي ند كها بعره كارست و الا مول. كها بعره واسد و برسيس تجرب كار اودا بل علم بها كرست بي - پوچيا نگران بركس طبعة سيس بو ۽ ابو بذيل شك كهام يراتعلق طبعة متنكلم ين سيسسه - يرسينية بى وه بوڑھا اسپنے تكيہ سيے بهٹا اور مجھے التي عِكْرِهِ ال بهراده كابتي كرسف كعداس في بوهيا - امامت كمتنى تها داكي خيال سهيمي نے کہا کپ کی مراد امامت سے کیا ہے ، بولا - بہی کہ تم بعر نبی کس کومقدم سمجھتے ہو ، میں نے کب اسى كوسيسے دمول النّدصلی النّدعلیہ والہ وسلم سفیم عرّم کیا مقا۔ بولا۔ وہ كون ؟ میں نبے كہا حصر ست ابو كميريز - اس شدكها استدابو مذيل بنا وان كوكس بنيا د مرمعتدم كيا به ميں شدكها اس سلط كرنبي مسل الشمليه والهوكلم سندفرط يانتفاكرتم احيض سيصيح مسب سيسبهترا ودانغنل مجواس كومقدم كرنا ـ ا ودمسب نوگ ان سکے مقدم کرسنے اور خلیع بناسنے بردامنی م وسکے ہے۔ اس بوٹسطے نے کہالیے ابو ہزیل ہیں ترقم میخنی کھاسکتے کیا تم سنے یہ امی اہمی نہیں کہا کہ تبخصلى الشرمليدوا لهوسلم سند فرما يا مختاكراسينت سير بهتركومقدم كرنا اوراسينت سيسداففنل كو والى امر بنانا۔ اور میں تم کواٹ کا تبوت دوں گا کہ حصنرت ابو کرائز بعد مبعیت جب منر مریکئے تو ہو لے تم وكون سف مجعے اپنا ولی تو بنا لیا نگرس تم وگوں سے بہتر نہیں ہوں۔ یہ بات دومال سے خالی مہیں یا فروا قعاً وہ مسب سے بہتر من معتے گر ہوگوں نے ال کووالی بنالیا ۔ الیبی صورت میں ال ہوگوں نے مكم ني كى مخالفىت كى يا معنرت الإمكر السقى غلط كها كرس تم لوگۇں سىر بېترىنېيں بول . اب بخارا یرکهنا کرمیب نوگسان کی خلا حنت برداحتی بهوسگفت توبیمبی خلط- اکترانعیاد

یہ بٹادد کہ مال بچر کاسبے وہ میمون اورمسا فرسکے اختلافاست کی وجہ سے دکا سے اورمیرا خط سے

شفها تفاكهسنا احسايروصست كمعراصديواي اميرهم مي سيعهواوداي اميرتم مي سے ہو۔اب دہ مگئے مہا جرین توان میں سے مصرت زبیرین العوام سنے توصاحت کہہ و یا کہ ہم علی ہے مواکسی کی بعیست نرکریں گئے۔ توان کی تلوار توالوی گئی بچرحفرت ابرسفیان بن حریب نے معفرت علی سے چکر کہا اگراکب جا ہیں تو میں اتھی اس مدینہ کوسوا رول اور بیدیوں سے مجردوں۔ حصرت سلما ن شکے تووہ بوسے کہ ذکر د ندو تکروند ان ہوگوں نے بہت کیا بریمچیمی نہ کیا۔ ان ہوگوں کو تو د منهي معلوم كرهم شنص كمياكيا ودكلج يخضرت مغذا واودحضرت ابوذريدسيعي توآخرمها بجرين بى أب تهی بتا وُ اساد مزیل که حضرت ابو کراز نے مبزم پھوٹے ہو کمرکہا کہ میرا ایک سندیوان سه جراكتر ميرس سراكها ماسب المذابعب تم مجع عفيدناك ديجيوتون كررم وكبس اليها مرم كم مم کال ا دهیروی سرمرایک بال مدرسندی اوديهمى بثا وُسلسدا بومذل كرايب مرتبع صرمت عمرُ منرم كموسست توفر ما ياكد كائل مي ابو بكر انسك سينه كا ايكب بال موتا . مجروبى جب دورس جمعه كوم نه يركه طب بوت مي آفريل تديل كم معنرت الديمر في مبعيت توبا مكل اتفا قيدا ورناكها في طور بريج كلى - الترسير أس سمي تترسيدس كومحفوظ دكاراب اكرانبى كمثل كسى اوركى ببيست كى جلست تواس كوقتل كردو-ليدا وبذبي استعدكما كهوسك كرنعيش توكول كدكما ن كيرمطابق دمول فداصلي الترعليد واله دسلم نشكمسى كوخليع بنهي ببايا كرحصنرت الوكبرسف حصرت عمركوا بنا خليف بنايا اورمصنرت عمر نے بنودکسی کوخلیف ہنہیں بٹایا - بلکہ انعوں سفے بچھ آ دمیوں میشمٹل ایکس مشوری کمیٹی بنائی اور پسمجھ کرکر پرسب سکے دسے جنیتی ہیں ۔ نگرحکم ہے ویا کہ اگر پراوگ کسی ایک پرمتعنق نہ ہوں م جاری را ہے ا کیسیموا ورودکی راستے ان حیاروں سکے مخا ہے۔ توان دو نول کو تمثل کر دد ۔ ا ورتین ایک رائے بہوں اور تین دومسرسے اس کیے مخالفت توجس گروہ میں عیدا لرحلٰ بن عوفت مذہوں اس کو تمثل اوديجر لمصابو بنزيل است كما كهوسك كرجب مصنرت عمره ككائل موسنے توعيرا لادن عابى ان کود پھینے کیے اور ان کا بیان سبے کہ میں نے حضرت عمر کو جزئے فرع کر ستے دیکھا۔ میں سے عرض کیا یا امیرالمؤمنین برجزع فزع بر بلسف واستے کسیی به امغوں سفے فرمایا لیے ابن عبامسس بہ مميرى بلسنه واستصنؤدا حيث للت منهي سبب بلكريه بلسق واسقدام خلافست محصه للتفسيص كم ميريب بعد کون ملا فنت سکے لائن سبسے۔ این عباس کا بیان سبے کہ میں شد کہا اس میں بردیثا تی کی کما بابت سبے اب طلحہ بن عبیدالنّد کو خلیعہ بنا جا بئی رمعنرت عرب سے کہا تعدی معلی سے کا دبیت گرم مراج

أي الارد مول الند مني أن توجا ست هي - الاركرم مزاع أدى سلمانون كا عليمة مهين موسكا . میں نے کہا میرز بیری العوام کوخلیعۃ بنا دیں مصرت عربہ نے اب دیا یہ بہت بخیل انسان ہیں یہ اپنی زوجہ سے وصاسکے کا آگیب ایک کئر سچاستے ہیں۔ تھیر معبلا بخیل عفق مبلانوں کا فليفركيب مومكرةسن -میں سنے کہا اچھا بھے رسندین ابی وقاص کومہی تو بعسلے کہ وہ تو محصن گھوڈ سواری اور تیراندازی كرليس وه ميدان خلا دنت كميشهسوارنهي -میں سنے کہا خیرعبدالرحمٰن بن عومث کوخلافت میردکردی جاسٹے۔ محترت عمرہ ہوسے ہے تتخعس تزابيندابل دعيال كالمعي نهبي لتنحال سكتا توخلافست كياسيمه البركار یں سنے کہا مسیب کوچروٹسیے عبدالنڈین بخر کھتواہے یہ خلافست کر دیجئے۔ یہ مش کریھزت بچ سيديع بع بين اوربيار اس ابن عامس علاكي تسماس كاتويس في كبي اداده بي نبين كيا-كيا ايسه كومليعة بنا دوں بورسيد سے سعدا پنی زوج كوطلاق بھی نہ د سيسيح پرسند کما اچاعثان بن عفان بی انہیں بنا دیجئے۔ توپواب دیا عداکی شم اگریں ہیں خليف بنا دوب تووه سادست آل الي معيط كومسلمانول كي كردنول برد مضادير سكر اوميرا حيال سيسكم حمريس ان كوخليع بناجاؤل تو(ي ايسے كام كريں گے كر) قتل كر دستيے جائيں محے اوريہ بات انخوں سے تین مربرہ کپی ر بالأخريس چىپ بوگيا بھے چىپ دىكى كمرانھوں سے نود ہى چى طا اندكہاكدان صاحب کا نام کیوں نہیں میلتے ؟ میں سنے کہا اچھا تو پھر مصرست علی کو خلیفہ بنا دیں متفرت عمرسف بحاب ديا خداكى قتماسى كانؤ بجصائح دوناسير كرصا تبال بنق سيعدال كا ین سے لیا گیا ۔ خدا کی قسم *اگر ہیں علی کوخلیا* جنا جاؤں تو یہ ساری است کوچھے راہ ہرجیلاسنے کی کوشش کمیں سگے اور اگر احمدت سے ان کی اطاعیت کی تومیدسصے بینت میں جائے گی ۔ اسے الوصنہ بل کہاں توحفرت عمرامیرالمومنین علی ابن ابی طالب سیمتعلق یہ کہتے ہیں اور بعداً دمیول کا متودی قائم کر دیستے ہیں۔ یہ توبرسد انسوسس کی بات ہے ابوصديل كابيان سعكدا بعى وه بم سي كفتگوكريى دسيد تصركداسى ا ثناً يس ان كى مقل يعرجا تى دبى : بهرمال پس نے يہ قعربيب ما مون دستيں سسے بيان كيا اور درمخيفت اسس بچادست کا سادا قعدیه تنفاکراسس کامبارا مال سادی جا پُیلا د دغا بازی اورغداری کی بنا پر إجيكى تمى بيمروه كيون ندايوان بمعاتارتو مامون سفرادى بيسج كراست بلوايا راسس كاعلاج كرايا بعمر اس کا مبادا بال درمادی جائیر براد اس کووایس دانی اور است اپنا مصاحب اور ندیم بنالیا۔ مامون اسی طرح تشیع کا اظہار کیا کرتا تعاراور النزکی حمد ہرمال میں۔ (نزکرة الخاص برط ابن جوزی صدیم) (کتاب عقلا الحیا ہیں)

جدين كامل بهويت كامطلب

ا ہوعلی محمودی سفراپسٹ با ہیں سے روایت کی ہیں۔ ان کا بیان ہیے کہ ہم سے ایک مرتبدالوصديل علامنست كماكرين أب سكياس چندباتيں پويھنے كسلنة آيا ہول ۔ ا معوں نے کہا پوچیو۔ النہ مجھے اسس کے بواب کی توفیق دے اور علطی سے بچاستے ۔ راوی کا بیان ہے کہ میرے والد نے پوچھاکیا آپ کے دین میں پہنیں ہے کہ الٹرکی طرف سے عصرت اور توفق انسان کواسی وقت ملتی سیے جب وہ اپینے عمل سیے اسس کامستحق بن جاسٹے۔ابوصذیل نے كما مإل ميرس والدف كما بيرأب كى اس دعاك كيامنى وعلى يجف اوريجي الوصريل في كما ا جیا بتاد تمها را موال کیا ہے۔ والدے کہا میرے بزرگ محصر آن کی اسس آیت کامطلب مجائیں۔ اَلْيُوكُمُ اَكْتُكُنْتُ كَكُمُ وْيُسْتَكِكُوْ سُورِهِ مَا كَدُهُ ايت ٣ " ابوحذيل نے كہام طلب صاف يعنى یہ کہ النڈسنے ہم لوگوں سے سلتے دین کوکا مل کر دیا ہے۔ وا لدسنے کہا میرسے بزرگ اگریش کاپ ست ایک مسئلدایسا پوچوں کیمیس کاحل ندآ پ کوفراً ن پی سطہ ندسنت رسول میں ، ند قول صحابہ میں اور نه نقبًا كه اجتباد اور حيله بين توجيم آپ كياكرين محد ؟ انصول سنه كما بتا دُتو وه مسكركيا سند والد نے کہا میرسے بزرگ! وہ مسئلہ یہ سے کہ دسنلس نام دول سے ایک تورت سے ایک ہی طہوں زنا کیا مگران کی نوعیتیں مختلف تھیں ریسی نے تصعنہ صریک اپنی ما برست پوری کی اورکسی سنے تا بحالیکان مقاد برت کی رکیا دنیا میں اسس وقت کوئی ایسی بسستی ہے ہویہ جا نٹا ہوکران دسنلب تامردوں میں سے ہرایک کواس سکما دتکاب جرم سکے مطابق کتنی کسٹ رعی مزاطنی چاہیئے تاکہ دنیا ہیں اسس پر مد جاری کردی جاستے اوروہ اُ خرست کی سسنراسے ڈکا سکے اوراب ہم دیکھتے ہیں اپ کیا کہتے بیں کیا دین بھارے سے کامل ہوگیا۔ ابوصنہ لم سے کہا ا نسوس را ب معلوم ہوا کہ اسس کیست کا اخری

مصتدا مامت کے متعلق ہے ۔

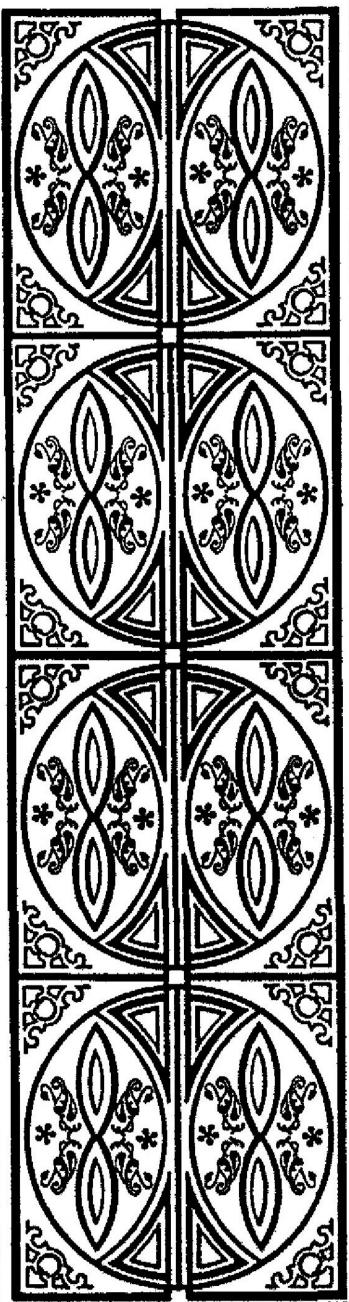
(دجال کنٹی صسیم نمبر ۲۲)



باب



تنهادت كے متعلق بیشینگوئیاں



- سنیطان سی نبی یاامام می شکل مین بین آمکا -حصرت امام الوالحسن على الن يوسى دهناعليه المسلام سير وايرت بي كدابل خراسال بي سير ایکنتخش آب کی قدمت بیں آیا اورع ض کیا فرز بررسول بیں تے پی ایستی دیجھا کہ جیسے معتربت دسولي غبول صلى الشرعليروسلم فرما دسي بين كداس وقت تمها داكيا حال بوكا جب براليك لخت جكر تهادی سردین میں دن کیا حاسے گا۔ بیری امانت تمہادیسے میروپوگی ا ودمیرا ایک متنادہ عنہاری خاك بي عزوب بوجائے كا ۽ محضرت امام دحذا عليدالسسلام سنسفرما ياصنور بس تبهادى سرزيين ميں وفن جول گارميں تمهادير نبی کا لخنت مگریوں اس اماست اور اس ستارہ مصر مراد میں ہوں ۔ اور اگاہ رہ وکہ چھنعس ہما ہے اس مق کوپیچانستر بورنے والٹرکی طرف سے واجب ہے اور میری اطاعت کادم عمرتے ہوتے میری قبری زمادرت کو آسے گا تو قیامت کے دان ہم اور ہمادسے آبائے کوام اس کے تنبیع ہوں گے اورجس كمديم نوكت فيع بول وه نجات بإجارت كانواه اص برگنا بول كا يوجدوعالم محرح وأن کے بوچھ کے برابرگیوں نہ ہو۔اورسنومیرے پرربزدگواریے میرسے پردسے اورانہوں نے اپنے پد بزدگوارسے روایت ی ہے کہ صنعت رسول مقبول می انڈیمیہ وا ہروسلم نے ارشا وفرما یا کہ ا حسن تخص نے اپنے نواب پی مجھے دیکھا۔ اس نے وا قعامجے ہی کودیکھا اس لیے کہ شیطال مجھے ہی صورت بیں یامیرسے اومیباک کی صورت میں یا میرسے سی شیعہ صورت میں تمثل فیشکل نہیں ہوسکت مجاخواب ببوت کےمنزحصوں یں سے ایک حصر ہے۔ (عِيون اخي دالرضا ميلاد احتصر) (امامي تشنخ صعرفق صهي) اس سرامام قتل بروگا ياستهسيد

بهروی سے دوایت سے کہ پی سفے صفرت امام رصاعیدالسلام کوفرماتے ہوئے مناکہ ہم (آئمہ) میں سے بہرایک مقتول ہوگا یا شہید، توعض کیا گیا کہ فرزند دمتول آپ کوکون قست کر سے گا ؟ آپ سفے فرمایا میستے زمانے کا ہدترہ تعفی جھے زم رسے فتل کہ سے گا اور سجھے دائر سے گا ؟ آپ سفے فرمایا میستے زمانے کا ہدترہ تعفی جھے دام رسے فتی میں دفن کر وسے گا ۔ آگا ہ ہوکہ جوشفی بری عزیب اولیتی دارمین فریت کے عالم بیں دفن کر وسے گا ۔ آگا ہ ہوکہ جوشفی بری عزیب اولیتی میں میری قبر کی زبایدت کو آسٹے گا ۔ الٹرنعا کی اس کے نامراعانی ہیں ایک لاکھ مشہید ول ۔ ایک

لا كمدم ربقين -ايك لا كمدما بيول ا ورعم و كريت والول ا ورا يك لا كمد مجا بدين كا تُواْب بخريك. وسے گا۔ اوروہ ہمادسے گروہ پی بھنٹورہوگا۔ اورائٹرتعائی اسے جنت کے بلترورجات میں ہما را (امانی منتخ صدفق علیالرجه برصلا) رقیق بنا دسے گار (عيون اخادالرضاح بلدم صيفي)

 تواب زیارت روضهٔ رضوبی يحنرت امام جعفرصا وق على المسسل مهنے اسپنے آیا سے کرام سے دھا بہت کی ہے کہ حضریت دسول مقيول مسل الشرعليدوس لمسنص فزما ياكدع غتريب بميرا ايك لخشت جكر مرزين خراصال بيس وفن بوكا بوجى بنده مومن اس كى قبركى زيارت كومباست كا الترتعانى اس يرجبنت كوواجب اوراس كيحبم برجبتم مزام كريست كاله (عيون اخبارا لرمنه احباره علقة المالي تنتخ مدوق عليرا لرحم يستك

ا اللہ کے بارے میں بین گوئی

بحن بن بہنم کی دوامیت سیے کہ پس ما موان سمے در با رہیں ایک دن پہنچا تووہاں حضرت علی این ہی بصابحى تستريفت فزما تخصرا وروبال فقها كلين كالمجيع تقا اورعيراس سيسطريس لأوى نيرامام رصنسا علىإنسلام سيروكوں سكے اورمامون سكے سوالات اودامام كى حرفتے ان مسب سكر جوا يات كا ذكركيا ہي سكه بعدكها جب حضنت لمام رصناعلي السلم در بارسے اعظے ميں ہمى آپ كے پیچھے ہوليا آپ اپنے وليے بروائیں بیو پچے اور یں بھی وہیں بہونچا اورعوض کیا فرز بررسوّل خداکا شکریہے اس نے آپ کے متعلق امیرالمومنین کی چھی راستے قائم کڑی میں دیکھتا ہوں کہ وہ آپ کا بیے صراحترام کرتا ہے۔ ال آپ کی بات ما نداہے۔ آپ نے فرط یا اسے ابن جہنم تم نے جواس کومیرا اکرام کریا ہوا اورمیری باست منتاج وادبيحاب اسسيره وكدنكمانا ربعفتريب مجه كوز هرمص تنهيد كريد كايريرا قاتل م میرسدا با میزام تے میسے متعلق جوہین گوئیاں کی ہیں وہ اس سے خوب وا فعن ہے گرویکھو حبب تکب میں زنرہ ہوں یہ باستیسی سے شکہنا۔

سمسن بن جبنم کا بریان سیسد که بیمی شفیرید باشت کسبی سند نر بتائی بهای تکسیرعشرا امام دچناعلیالسلام طوس می زمرسے مشہد سے تھے۔ اور قعطبروں می سے گھر میں اس فرسے نیجے جہاں یا رون رمشیری قبرہے آب دفن كر دسيّ ميختير. (عيون اخبار الرضاجلد و صيّن ٢) (۵) ____ بردی سے ایک طویل وایت سیرجس پی معنوت امام رمناعیر السلام نے

ان ہوگوں سے قول کو باحل کیا حوشہا دشیقسیں سے انکاد کرتے ہیں اور کینتے ہیں کہوہ نہیں بلکہ

ا سے حضت رام معفرصادق کی بیش گوئی

حین بن زید سے دوایت۔ ہے انہوں نے کہاکہ پرسنے حترت امام جعفرصا دق عیرا لمسلام کو فرط تے ہوئے سنا ہے کہ بیرسنے حقرت امام جعفرصا دق عیرا لمسلام کو فرط تے ہوئے سنا ہے کہ بیرے فرزن موسی بن حیفری اولاد پرست ایک فرد جس کا نام امرا لمومنین علی ابن ابی طالب علیا نسسام کے نام پر مہوگا وہ بہاں سے شکل کرطوس یعنی خواساں جا سے گا جہاں وہ زہر ہے تاس کی سے منہ پر دگا ورو پر عالم مسا فرت بی دن ہرگا رجوشخص اس کے حق کو بہانے ہوئے اس کی قبر کی زبارت کوجائے کا انڈو تھا گی اس محفوں کو قبل فتح محد دا ہے مال خرج کی کرنے والے اور جہاد قبر کی زبارت کوجائے کے دار ارجر دے گا ۔

کرنے والے کے درا درا جر دے گا .

(یون انجاد الرضا جلد ۲ صفحاء)

· صفت امالمومنین کی پیش گوتی

معمان بن معدکا بیان ہے کہ حضرت امیالمومنین علی ابن ابی طالعب علیہ السسلام سفادش اور فرایاکہ میری اولاد میں سے ایک خص مرز بین خواساں میں زہرسے شہید ہوگاجس کا نام میرا نام اور جس سے باپ کا نام موسی بن عمران کا نام ہوگا ہے گاہ رہو ہو پیشخص اس کی عزیت میں جا کراس کی فہر کی نوادت کرے گا انڈا س سے سادیے اسکے بچھیلے گناہ معاف کرنے گا بخواہ وہ تعداد میں مشارف سے برابرہ یا بادش سے نظروں سے برابر یا درخدوں سے میں ہوں ۔

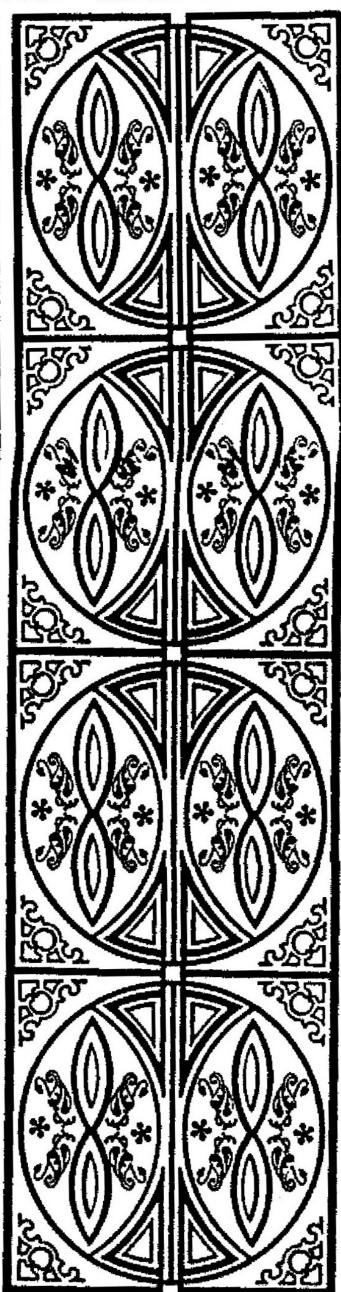




بإل



اسباب شهرادت



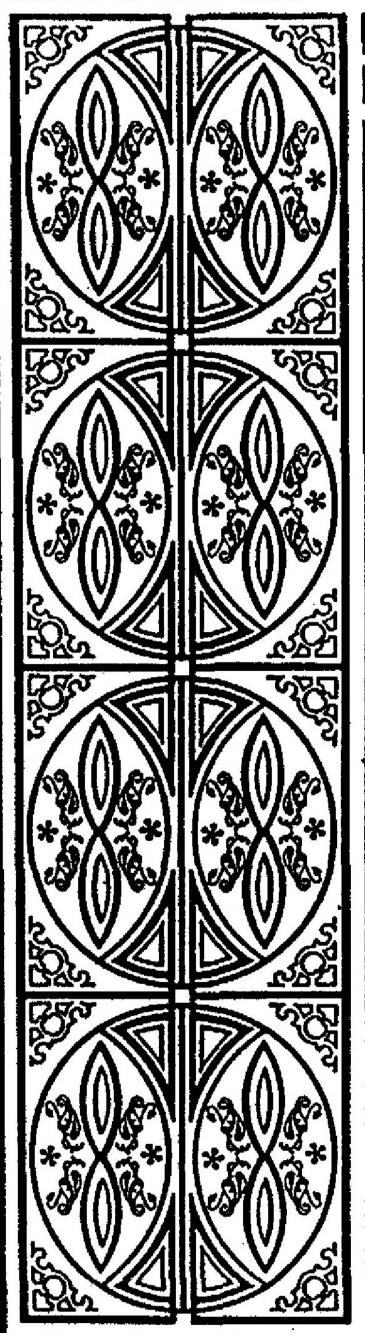
ANSAN

أيك صوفي فيحكانيت محدين سنان سعددوا يهت سيركريس احينرآ فاحضرت المام دمشاعلي لسسالم سحرياس فخاميان مين عقاا ورمامون حبب دوشنداور پيخشند كود دبادعام لگا تا تو آپ كولهينے دا بينے جا نب مسند مي بهضًا مَا عَفَا مِعَامُون كُواطِ لِمَا يَحْرَى كَمُ مُعُونِيول مِي سِيما يكتفِض فيرج دى كرہے عكم دياكه اس صوفي كوماحرد دباركياحاست بجبب وه صوفى مباشنے لایا گیا تو مامون نے دیچھا كہ اس كالياس ڈا پرانہ اور پیشانی برسجدے کانشان سے۔ تو بولارتہ الرابیعلیداور اس پریکرتومت ، دیکھنے میں تاراز داس سجده كانشان اور چودى كاالزام ۽ صوفی ہے كہا ہاں بہجرم مجھ ستے سرزد ہوا مگرمجبوداً -اختيالاً تہیں اس لنے کہ ہماراحق مالِ جس اور مالِ غینمت آب نے روک رکھاہے۔ ما مون خيركها خسس اورمال (في) غييمست مي تمها داحق كيسا ۽ صوفي خيرا ب وياكرال تعليظ بنے حمس کوچھ حصوں پرتفسیم کیلہ ہے ۔اس کا ارشادم وَ اعْلَمْ قَا اَ نَمَّا غَیْرَمْ تَتَعُرِیْنَ شَیْ فَاقَ الله ختمسة وَلِلرَّسُ وُلِ وَلِذِالْقُرُ إِنْ وَالْبِيَالِمِي وَالْبَسَاطِي وَالْمَسَارِكِينِ وَابْنِ السَّبِيُلِ إِن حَصُنُتُ وَالْمَنُ ثُكُوبِ اللَّهِ وَمَااكَثُرُكُنَا عَلَى عَبَرُ لِزَا بِهُومَ الْفَيْرُفَانِ بِهُومَ الْتَقَى الْبَحَمُ عَانِ " سورة الانفال آيت علا ا ور اسی طرح المترسنے مال نی کوجی چھے حصوں بہتھسیم کیا جنیا پنے ارشا دسیے۔ مَا اَ كُا مُ اللَّهُ عَلَى رَسْسَ وَلِهِ مِنَ اَهْلِ النَّحْرَى فَ لِللَّهِ وَلِلرَّسُولِ وَلِذِ الْقُرُفِي وَالْبَيَّنَا لَى وَالْمَسَاحِكَيْنِ وَالْمِنِ السِّيبُ لِكَنَّ لَا يَكُونَ دَوُلَةُ سِتَينَ الْأَغُينِ كَيَاجُ مِسْكُمُو مُسْكِمُ مُورَةً الْحِيرُ الْمَاعِينَ عِك قربتائیں کہ آئیں سے میرسے حقوق جوانٹر کی طرف سے ماجیب ہیں کیوں نہیں وسینے حکمہ میں مس فردا بنسپیل) بچی ہواں اورمسکین وخالی ؛ عقیمی ہوں پسلمان واہل فرآن هجی ہول ر مامون نے کہا چھا ٹوکیا تہاری ان دلیوں سے ہیں چورسے متعلق جوالٹرنے حکم دیاسہے اودمزا کیے نے کی سے استعطل کردوں ہ صوفی نے جواب یا اگرابساہے توبیبلے تم اس مزاکواپی فیات سے تربی كردييل خودكوباك كربوال كے لير دوسرے كوباك كروييلے خود اپیٹے برحدجاری كرا بھردوس يرص جارى كرو-برسن كرياسون محنرسته امام دصنا عليالسسلام كى طرف منوجه بهوا وربولا. بتلبيخ آب كميا فرماستے ہيں ۽

المام دضاعليدا بسلام ننے فرمايا - بركہتا ہے كہ يم نے بچرى كى ہير بچرى توچورى سہداكسوس الجين کی کیابات ہے۔ ما مون خصد میں آیا وداس نےصوفی سے کہا خواکی قسم میں منزایس تیرے یا تھے کا توں گا .صوبی نے کہا کیا تومیرسے ؛ تھ کا کھے گاجکہ تومیراغلام سبے (غلام کوحق نہیں کہ مالک کا ماتھ کا کھے) مامول نے كها تيراستيا ناس مبسئة كمبخست إمي نيراغلام كيسير برگيا جمونى سفيكها والبطرح كرتيرى مام لمانول كيرمال سيسيخر يبرى تمتى عتى للزامنزق ومغرب بيرجس قدرمسلمان جير ال ميركا توخلام سير برب تكريركم يرسب بخف كوازاد ندكوس فوا وتمسى سف تجهد آزادكيا بويان كيا بويس تر تو يجهدا زاريس كيابي بهي اس كمه علاوه تم مال حمس مجى نكل سكِّيرًا ورندتم سنه آلِ دسول كاحق ويا اورتديم جيبيت تحقين كاسى ويا-دومری بات برکہ چرخود بھی ہوگاوہ دومرے کو پاک نہیں کرسکتا، باں طا بروومرے کوطا ہرکر مكتاب اودجن تخفس برحد ترعی خود ما نرجووه و ومرے برحد نزعی جاری ہیں كرسكتا يمياتم نے الشركاب ادشادنهي مسنايع آنتآ مستوفي التنابس ببالبيرة تنسسوك كفش كموقرة آئنت فم مَنْصُلُونَ الْكِنْتُ وَ اَحْتَلَا تَعْقِلُونَ ٥ البقره آيت ١٣٢ يسن كروا مون سفير يجر محضرت امام رصنا عيد إنسسام كى طرف دخ كيبا اود بولا -استخفس سكيمعا مايي آپ کی کیاداستے ہے ? آپ نے فرمایاکہ اللہ تعالیٰ نے مصرمت محد صطفے مسلی اللہ علیہ وآ لہ وسلم سے ادنشا دفرا يلب " وسَوَلِكُ فِي الْهِجِيَّةُ الْبَالِعَدَةُ » سوره الاتعام آييت عليه ا وديرجة بالغروه ہے کہ برحبسبابل باوجوداپنی بہالت کے اس تک بہونے گیا جیسے ایک عالم اسپنے کم سے ذریعہ پیونچتاسے اورآ خریت کا مرکام جمۃ ہی پرقائم ہے۔ اس جا بل نے چحدت ودلیل بیش کرری ر ينتن كرامون سنے اس صوفی كوتور فاكر ہينے كا حكم وسے دیا مگر و دبارستے اعثر كریجلا گیا ۔اوڈھٹر ا مام دصّا علیہالسلام کی طرف سے اس سے دل میں السی کد درت بھرگئی کہ باکا تقراس نے آپ کو زم ہر دسب كرشهبيركرديا-اوراس سيربيب وهنس بنهل اورشيعوں كى ايک خاصى تعداد كوشل كريكا ها۔ مینخ صدوق عیدالرحرفرماتے ہیں کہ ہیں نے ریستکا بیت سخریہ توکر دی سیسے تکریس اس کی معست کا احمدين على انصادى كابيان سيمكرا يكسم تنبري سنيا بوصلت ببروى مبير وديانت كماكر يه بْنَاتَيْنِ كَدمامون باوجود يجير حشرت امام رضاعل إلسام كايرا اكرام كرناا وران سنصحبت كمرِّيا عق بكر اس سندان كوا پذا جانشین ا ورونی عهریجی بنا دیا تقا بچراس كانفس كیسے امام مضاعید السدلام ترقیق

مِرْآماده جوگمیار ابوصلت فيرجواب دياء مامون آپ سيرحبت اوداكپ كاكرام توآب كےفنس ويثرف كيوج سے كرتا عقاا ورآشينے بعد کے لئے ان کو وليعبداس لئے بنايا تاکہ دنيا د کھے ليے کہ يہ دنيا کی طرف کمس قدر ما تل جیں اور لوگوں سے دلوں بیں ان کی کوئی منزلت ندرہ عباسے مگر ہوگوں سے دلوں بر اس کا کوئی ا نژ نه بهوا بگردوگوں ی نگابهوں پیں ا ن کی منزلدت اوربط حکتی تواس نے تنہرستہ کے تکلین کوبلا بلا كمرآب مسيميلين كراشة كريرتنابهس سيتسكسيت كمعاجاتيب اورعلماءى نتكاه ميب النكا وفالطأآ دسبے اوران کا نقص عوام پین عنہور ہوجائے۔ مگرآپ سسے جوجھی مجعت کرنے سکے سلیے آیا خوا ہ وہ ہوں به وانصرانی ، عجوسی جو یاصابنی ، برجمین ہو یا ملحد، درن والابہویا ہے دین یا اسلام سے کسی ہی فرقہ سے تعلق رکھتے والا ہو۔ آپ نے اسے لاجواب کردیا اوراپنی دلیل اس سے منوالی ۔ا ہ ہوگ یہ کھنے لیے کھا کی تسم مامون سے زیادہ توخلافت کے بیتھ داری اور مامون سے خبرد سال بیخبریں مامون تکے۔ بہونچاہتے رہے۔ اس لینے وہ ان سے حسرورشک کی آگ ہیں چلنے لگا ۔ حالانک حضرت ا مام ع بالسلم تمجعى لينضحق كمصر لنتة اس سيعتبى نه بوست بلك كثر مواقع براس سے تعاون بى كريتے دہے۔ مگر اس کے با وجود وہ ان سے دل ہیں دیٹمنی رکھنے لگا۔ اودموقع کی تکاشش ہیں رہا جب ہوقع مل گیبا توزم رسے ان کوشہ پرکٹریا ۔ مجبول اخیادالرصنا علیر ۲ صفوس ا براهبهم بن عیاس کابیبان قاسم بن اسماعیل کا بیان سے کہ ہیں خدا براہیم ابن عباس کو کہتے ہوستے سنا کہ جبب مامون نے ہوگوں سیسے حضریت ا مام رصاعیر اسدام ک وہیں ہری سے لئے بیعیت لی توحفرت ا مام دحتاعیالیہ آم نے اس سے کہا، یا امیرالمومثین آپ کونصیعہ سے کوناہم پر واجب ہے اورکسی مومن سمے لیے یعنامیب تہیں کسی کودصوکہ میں رکھے۔صاف بات بہسے کہ آپ سے جو کچھے کیا ہے عوام اس کولیسٹ زنہیں کریتے اور آب نےھنل بن سہل کے ساتھ جوکیا (وزارت د سے دی ر) اس کونواص لپیندنہیں کرتے۔ میری داستے تویہ سے کہ آپہیں اورخنل دونوں کو جٹا دیں تاکہ ہوگ آپ کی حکومت کولپیند کرسے نگیں اورامورسلطنىت درمىست چوجاتیں ـ ا براہیم کا بران سیے کہ خواکی قسم آپ کا ہی مشورہ آپ کی تنہادت کامبیب بن گیا۔ خدوست : مبرط ابن جوزی نے اپنی کم آیت نذکرہ میں مخریر فرما پاسپے کہ مودخین کا بیان ہے کہجب مامون ننعضرت امام دضاکی ولیعبری کی بعیت لی توبنی عباس اس سکے اس قسمه مخالفت بوستشركداس سيضلع خلا فنست كمرسكما برابهيم بن دبدى كوخليفرينا ليا- ماميين الم

دقت مردی تھا اور بنی عماس کے مادسے مانتے والے مامون سے جبوا ہونگئے۔ تو اسی وقت حضرت مام رضا عیر السلام لے مامون سے کہا کہ اسلام کے میں وقت حضرت مام رضا عیر السلام لے مامون سے کہا کہ اسلام المؤنین مجھ پر واج ب ہے کہ بیں آپ کو میں کو دھوکہ میں پڑا دہشے و میں کو دھوکہ میں پڑا دہشے دے میچی مات یہ ہے کہ میر ہے ساتھ آپ نے جوید کیا اسے آپ کے عوام لپن ڈبیں کرتے اور فضل سے ساتھ جو آپ نے کیا اسے آپ کے نواص لپن ذہیں کرتے الہٰ وائم والوں کی حکوم ت مفہوط اور مستقلم ہو۔







باب



شېرادت اورتجېپ نه ونکفین کی تفصیب ل

<u> ۱۱ سے روایات دریارہ سیادت</u> معفرت المام رضاعلية السلام نے ما وصغر سنت ميں بمقام طوسس دفات بيائی اس وقت آب کا مِس بِحِيْنِ سال كانتها . آب كى والده ام ولدختيں جن كوام النبين تام سے لچا داجا تا ۔ اپنے پدر بزرگوار سے الارشا دص ٢٨٥ بعدائب كي خلافت واما مست كا دوريين سال رايد محدین سنان سے روایت ہے کہ معزت امام دھا علیہ السلام نے انچائش ممال پین ساہ کی عم يس سن سين من وفات يانى اپستے پدر بزرگوار كے بعد أب دويا يمن ماه كم بيس سال زنده رسيے۔ ادكافي طدا صيوس ایک دوایت میں سبے کہ آپ کی وفات ۱۱ صفر بروز مسیمٹ نیپرسٹ کلے معرفی مامون سے آپ كوانكورين نهر بيوستة كرك كميلاديا تفاراس وقت أبكاس اكيا وكن سال كاتفا-دومری دوایت پیر سے کرآپ کی وفات بروزجمو ماہ دمضان سنن سے پرون اس وقست آسپ کا سنسن چیپی مال کا تھا۔ آپ کی مدّت امامیت وخلاقرین پیس مرال دیمی ر تيسرى روايت بيس بسعكدا ب كى وفات مقام طوسس بي متلنك مده سكماندر يونى پیوتھی دوابیت بیں سیسے کرصفریت ابولحسن امام علی ابن موسی رضا علیہ اسلام کی دفات ۲۲ردی لفتید كوبونى الاكتاب مواليدا تمين مسندوفات ٢٠٢ حجرى خريرس رالاكتاب مناقب يلى يوم جمعه ۲۲ دمضان ستنظری تحریرسیت ان پرحی کها گیا ہے کہ سند وفاحت ۲۰۱۳ حجری سیصر اور کمای الدیں مارس وفات بروز جوريم ما درمضان مستند معرق مسيد. اودكتاب الذهيره ليرجي بهدي ملامطيرى عليدالره تقرير قرمات بين كراب ك دفات أخصع مست ميم بوئ اوريعي كماكيا سهد كراب كي وفات روز دوست نبهم، صغر سلنك رحي دور ما مون بي التحديث الدرزيم بيوس عن كرسك ويسط سيدمقام طرسس بيں ہوئی . س جائے دفن محفرت امام دضاعليالسلام سف يجين سال كاعمريس ما هصغر ستنظيم عي طوسس سك أيك

قریرسنا یاد سے اندروفات پانی اور وہیں دفن ہوستے۔ مامون دمشید آپ کو برینہ سے شکال کر

ملاحست بقره وفارسس مقام مرويين لايا أورجب وهمروسي تود مكل كريغدا دجاراتواب ومي ساتھ لیااور بنداد پینجینے سے پہلے سنابادیس کپ نے وفات پائی۔ (الكافي جلدا صسيسه) ایکسدوایت میں ہے کہ آپ طوسس سے ایک قریدسنابا دیے اندر حمیدین قحطیہ کے مکان یں دفن ہوسنے اوراسی ہیں ہارون ریشیدگی بھی قبرسیے اسس وقدت آ ہے کی عمریجی سال کی تھی اور بعض کہتے ہیں انچامس سال چار ماہ ۔ بعض کا تول بے کہ آٹھ دن کم انچاس سال تھی۔ آپ نے اپنے يبدبزگوارسكے ساتھ ٢٩ سال چند ما ہ بسركتے اوران كى وفات سے بعد چند ماہ كم بائيس سال زندہ ر سبے اوربعض کہتے ہیں کہ بیس سال زندہ رسیے ر ٣ --- بهرقمه كوبدايات امام برائي تخبير وكفين بهرتمرين اعين سنعددوا يربت سيعامسس كابيان سبن كدايك مثبب ييس مامون سكهاس تفاجب رات کی چارساعات گذرگین تو مجھے گھروا بیسسی کی اجازت کی جب بیں گھروابیس آیا آ نصعت شب کے قریب کسی سنے دروازہ کھٹکھٹایا میرا ایک علام دروازے پرمینی آئے والے نے کہا كرجاكرب تمرسه كهدد وكرتمها رسداً قاتم كويا دكرت بيريد بيغام شن كريس فوراً انتفاك وسيهين اورتيزي کے ما تھ ایسنے آقا صفرت امام رضا علیہ اسسیام سے یاس دھانہ ہوا۔ آپ کا فرسستادہ غلام کا محے آگے تھا۔ وه پہلے اندر داخل ہوا اور اسس سے پہلے ہیں گھر کے اندر کیا تودیکھا کہ میرے تنا ایسے گھر کے میں تغریب أب في على ويكف بى قربايا اسد برتم يس ف عض كيا بديك فرمايا بير جاوّ بين بيره كيافرايا سنوا ودفورسهس نواوراجه طرح يآ دركھوكہ و قرت آبہنجاسیے کہ ہمں دھلست کرسکہ ایسے ابا واجدا دہسے المحق بهوجا وّل ركاتب تقدير كالكعا بورا بوگاراس سسركش (مامون)سقه ارا ده كرييا سين كه تجھے انگور اور اناديش زيرييوست كريك كعلاسة را تكوريش زبراس طرح بيوست كرس كاكرزبرة او د وحاصح كواس یں سے گذار دے گا۔ اورانا ہیں یہ ترکیب کرے گاکہ ایسے کسی غلام سے باقعوں ہیں زہرطوا ہے گا اوراس كانبى زبرآ لودع تقسيعه وه اسس اناركونرواسته كا تاكدزبرتام دانوں بيں بيوريت بيا اوراب ده آئینده دن (کل) تجھے بلائے گااورمیرسے سلفنے وہ انگوراورا نا مینیش کرسے گا ماور تحصيعه اس كے كھاسنے پرام داركرسے كا اوز تھے كھا نا پڑسے كا۔ بھرميرى مدّست بيات بختم ہوجاستے كى اورقضا آيهيني گى رجب پى انتقال كرجا دُل گا توده كھے گاكديں ايست اقتصرست ان كوفسل دول كا بجب وه يهكي توتم اسس ست كميتاكتم درميان سيسهدش جا دُّا مى لين كيمعوت مام يفاعليدالمسلام

تيهب للتؤويا مكت بي كه توبيه يعتسل ولعن اوردين سيب دودره اودي تحديد نظارا فركوست ايساكيا توده عذاب بوآخرت پرٹال دیاگیا ہے وہ ایمی تھے پر نازل ہوجا سنے گا اور چھے فورا کا سنے کھٹے کی مزائل جائے۔ برقمه كابيان سنے كم يرسنے كمام رسنے ولادا قابهتر إيسابى كروں كارة ب فرمايا كه وه يُرسُن كر ميرسيفسل مين دخل مذ دسيرهما اوريدكام تيرست مؤاسك كردستر كالمنكرا بيسنة مسكان كى بلن دمجست بربيته جا شرگا تاکہ دیکے سے کوٹسل کون دسے دیاہتے اور یکسے دسے رہا ہسے ر انداست برئمة تم يمى ميرس عسل بين ما تقدن مكانااس كن كرتمودى بى دير بي تم تودد كيمو كم ك میرسد مکان سے ایک گونٹریش ایک نیمرپنود بخودتھیپ ہوگیا رجیب تم یہ دیکھوتومیری میں تشکومی لیاس وی_{نرہ}ے فيمريسك ا تدربهنچا دينا پيمرتم با برن كل كمرفيص كريجي كموشب بهوما نا اورد دوگ تبالت ساتھ مرست ا شانے ولسے موں انہیں بھی سٹالینا۔کوئی طمنص نیسے سے اندرجیا تک کرچی نہ دیکھے کرکیا ہور ارسے۔ اس سلے کرچوانلا بجبا ت*ک کردیکے گخا*وہ ہلاک بہوجا سنڈگا۔ ہبہ حال اسس کے بعدوہ نؤد آگر کھے سنے کہے گار ہے ہر ٹرکریاتم لوگوں کا یہ اعتقاد نہیں ہے کہ امام کوا مام بی غسل دیتا ہے دوسرانہیں دیتا ا ب بتاة كرابوالحسب على أبى ميى بضاكوكس سنغسل دياران كسينيط خرتو مدينديس بيس يو لمك يجازيس واقع ہے اور ہم لوگ اسس وقدے طوسس میں ہیں ہ یب ده به کهے کتم اس کوچواب دینا کہ ہم تو پر کہتے ہیں کرسی امام سے سلے پرواجی نہیں کہ جب اس کا انتقال ہوتو اسس کوکوئی امام ہی عشل دے (ورندمینت پڑی رہے) اب گرز بردستی کوئی دوسے راضف اس کونسل دیتا ہے تو اس سے امام کی ا مامست با المل نہیں ہوتی اور نداس ا مام کی اما مدن یا طلی ہوگی ہواسس کے بعدامام ہوگا تھن اس بنا پرکداسس سے باپ کوسی دوسے نے فسل دیدیا۔ اس اگر بیصرت ابوالحس علی ابن موسی رضا مدینہ بیں چھوڑ دیتے جا تے اور وہال آب کا اتفال ہمتا تو دیکھ لیتے ککھل کررسپ سے ما منٹ ان سے فرزند فھر ہی ان کوٹسل دیستے لیکن ا سب أنهول نے عشل دیا مگر در پروہ دیا رعوض اب جب تم خیر کا پروہ اٹھاؤسے تود تھو گے کرمیری بیتت كوفسل دے كركفن وغيرورب بہنا ديا گيا ہے۔ اب تم ميرى ميت كوا شاكر تابوت ميں ركھنا اور دفن كسلت يانار بب ميرى قبر كه وسن كاموتع بوكا توه جا سن كاكه است بايد بايدن دستيدكى قبركو میری قبر کا قبلہ بنائے مگرید اسسے تا بدمکن نہیں ہوگا جیب بھی کو دال چلے گی زیری سے اُچے شاہگی اور درا بھی زیبن مدکھود سے گی بک ناخن برابریمی بنیس ترستنے گی۔ جب فیرکھود نے والے اپنی پوری كوسشن كميس الدييريي ان سيدمكن نه بوتوتم ان سيدكهناكة بوك دورم تورميرسد دولاسف تجعيم ديا ہے کرتماس سے باپ ارون دست پرکی قبرے قبل کی جانب ایک کلال چلاتا رجب ایسا کرو سے تونوراً ایک قیر با مکل کعدی بوتی تیارظا ہرہوگی ۔

الدهجي برس السب وقيت تك را بارنا جي تك يه نه دير كوكراس فير في طرح سي صاحت و شغاف وسعید تراق یا نی اُبلاسے اور بیری قبر پانی سے عرکی اوریا نی زبین کی سطح تک آگیا ہے اوراس یا نی پیرایک جھیل طول قبریس تر سی رہے۔ اسس وقت تک تھے ہے۔ رہنا ا درجیب یہ دیکے لینا کہ مجیل فائب بوگئي سب اورياني يمي زئين مِدَب كركئ توميري ميست كو قبريس اكارنا اوهرس ميس دكعد دينار اور يرى قر پر نوگوں كومنى نە ۋالىنے دينا اسس سل*ينكرميرى قبرنو ديخودمنى سنت تېرېج* جاسست*اگى ۔* داوی کا بیان ہے کہ بی نے دوس کیا میرے مولاوا قامبرایسا ہی کرول گا۔ آپ سفرلیامری باتوں كونوب يا دركھنا ، بعول نها تا اسس پرعمل كرنا اور زنهار اس سے خلات ذكرنا ميں سف موض کیا چی ایسا ہی ہوگا۔خدائی پنا ہ مجلایں ایسنے آقاسے پھے سے قلامت کرمکتا ہوں ہمیری کیا جال۔ برخمد كهتاب كرميرين أب كى باركاه سعدوتا بهوا نكلا اواس طرح ترب ربا تفاجيع جلت بوست توف برجھلی رامس وقت میرسد دل کاکیاحال تھا اس کومواست خلاکےکوئی بہیں جانتا ۔ ہرتمہ کتا ہے کہ دوسے دن صبح کونے مامون نے بلایا میں گیا اورانسس سے یاس قلم نک دہا۔ دوہیر کے بعد مامون نے بھرسے کہا اسے برخمدابوا لحسسن بن موخی رضا سمییاس جاق میراً سلام کواورمیری طرف سے یہ کہوکہ آپ میرے یاس آئیں سے یا میں ہی آپ سے یاس آجا وی اورجب وه كهيں كرين أول كا توكهناكه بيم تشريف لايك ر برخركهتاب كريس امام كى فارمت يس حا حربوا اوريوب بى ساعته بنيا آب فرايا است ہرتمہیں نے جتی ہاتیں کہی ہیں وہ سب یا دہیں ہ ہیں نے کہا جی اِں۔ آپ تے فرایا میری تعلین لاؤ ہے معلوم سے کہ تمہیں مامون نے کیوں ہیںجا ہے ہیں نے پڑھ کر آپ کی تعلین آپ سے ساستے پیش کی اور آپ مامون سکے پامسس تنٹریف ہے گئے رہیں آ یہ اس کی عجلس میں پہنچے تو مامون کعموا برگھیا جڑھ کم معانقرکیا پیشانی بردہر۔ دیااوراپیٹے تخت پراپیٹے پہلومی بھیایا اور تقریباً ایک ساعت آپ سے لختلعت بآبین کرتار آب اس سے بعداس سے ایسنے کسی غلام سے کہاکہ انگور اورا تا راہ کا ۔ برتمركا بيان بين كدوب بين خے انگورواناركانام سسناتو جھے سے برواشت شہوسكا الد میرا بیراجسم کا پینے لگا اور پیں ہے مناسب ناسمجھا کہ میرسے جم کی کیکیا ہوے کسی پرنظا ہر ہواس سنتے میں بابرنکل آیا۔ اوروہی ایک گوشریں جاکرگریڈارجب زوال کا وقت آیا تویں سے عمل کا کومیرے اً قا نامون کے پاس سے ٹیکے اور ا پینے کھرواہس سنچے رہیم بیں نے دیکھاکہ مامون نے حکم دیا کہ ا لمیا اور معالجين كوبلاك يرسق مون سع بوجياكرير اطبا اورمعالين كيابهون محده اس في كماكرالوالحسس يك بيك بهاربوسكة بين بوتهي ما نتاتها اسعدتواس بين شك نشا مكربي بكه فيعمعلوم تشاكام لمعالم كيلهب الاشط يجع يتين تغار

جب رات بون الدراس مع مین صفول می سے دو سفت گذر کئے اور شیع تمودار سوئ سی ما مون سے گھرسے ایک شود ہلت بہوا ۔ اور ہوں کے ساتھ میں ہی دوڑا ہوا بہنجا تو دیکھا کہ مامون مربر ہزنے كريبان چاك كوا بوا باست داست كردا بست اوردو دابست. مجاكل ادي كوست شعبي بي ابس كيساته كمرابوكيار فمندى سانسي بمردانا الغرض جب بالكل صع بوكى تومامون تغريت يلف ك سلت بیشدگیا ۔ پیرتعوشی دیرسے بعدا ٹھابہاں میرسدا قاکی بیست بھی وہاں پہنچا اورکہا مبلستے فسل تیار کرو ۔ ما به ابرا بول که میں بی واپنے ابھول سے انہیں منسل دول جب میں نے پرسنا تو قریب گیا اور ہو کھے آقائے غسل الديكفين وتدنين كد ليت كما نتنا وه كبديا - ما موان سفجوا ب ديا الجيا أكران كى دميّنت سبع كرتم خسل کاابہ تنام کرویچھا ہے احتراض نہیں جا و تمہیں استام کرو۔ ہر تمرکا بیان کہیں مسلسل کھڑا رہ بہاں تک کہ ہیں نے دیکھا کہ ایک نشا میا نہ نود بخود نعدب بوگيا رئيں جا كمامس نناميا نركي ابركھوا ہوگيا اورسارے گھروالے ميرے پيچے كھوسے تھے ہيں تن راخاكه شاسيان كاندرست كبيرة بليل وتسييح كأوازي اوربرتنون ك كعوكه واس اوريا في كرين ك مسلسل صرابس اربی تغییں ۔ اورا تدرستے ایسی پی سشبواً رہی تھی کہیں نے آیسی پی سنے پی مونکھی بی بنهمی اسی اشناکین مامون سند ایست گھرکی چمت سے گردن اطانی اور بھے آواز دی اسے ہرخمہ تم توگون کا تدیدا متنقا دست کرامام کومواست ا مام سکے کوئی اور فسل نہیں درتیا بتنا ہڈا ن سکے فرزن دحمد بس على كهاں ہيں ؟ وہ تومدينديں ہيں اور ابولمسس كى ميتت يهاں طوسس بيں ہديونواسان سكاندسيد برفمس نبواب يب كها! امرالمونين بم تويدكية بي كدا مام كسلة يرواجب نبيس سبيراس كواسى جيساا مام غسل دسر الحركوتى زبر دستى ا ورّتعتى سيركام بركرا مام كوهسل ويثابير تو زیردستی کمسنے وائے کی زیردستے کی ویہستے امام کی اماست بیس کوئی فرق نہیں کا اور نداسس امام کی اما مست ہی باطل ہوتی سیسے ہواس سے بعدامام ہونے والاسے چھٹی اس بنائیرکداسس نے اپینے باپیکو غسل بنيس ديار إل أكر صفرت ابوالحسب على ابن موسى رضا كو مريزيس چيواز ديا گيا به زا ا وروه و بال انتقال فرلمستة تولازم تفاا ن سكه فرژندجمدان كخِشل ظا بربطا بردسينت مگراب ظا بربنظا برنبيب توغا تباره مهى ـ میراید دیوائیسسن کر مامون خاموسشس ہوگیا ۔ الغرض اس سے بعد بھر کا ہردہ اٹھا تویں نے دیکھا کہ آقائی میت کفن ہیں لیٹی ہوتی ہے۔ ہیں سنے بڑھ کرآ ہے کی میتند کوتابونند ہیں دکھا اور آہیہ کا جنا زوسلے چلے۔ مامون اورتمام حاحزین سفآ ہے کی نا زمیست پڑمی اسس سے بعدیم ہوگ جنا زسے کوسائٹ ہوست مقام قبرتک آئے تو دیکھا کہ ہوگ اپنے کدال سے بوست بادون کی قبر کے پیچے قبر کھود رہے ہیں تاکہ ارون کی قبرامام کی قبر سے قبلہ میں ہو چھ كدال چلاسند ولد تمك كريود بوركمة اورزين ذره برابر مبى نه كمدسى ـ توامون سنه جر سے كهر اسے برقمرتم سے دیکھا کہ زمین بھی ا ن کی قبر کوفیول کرسف کے سے تیاد نہیں سے رمیں سنے کہا یا امرا کھیں معفرت الجالحش سے مجھے سیے قرایا تھا کہ آ ہی سے والد بارون دستید سے قبل کی جا تب صروت ایک کدال ما راجاستة البذايس ايك كدال ما دول كارما مون في وجيا اكرتم في وال ايك كدال ما دا توكيا بوگاي في كها- انهوں نے بنا يا تھاكدان كى قبركے قبلہ ميں اردن رشيدكى قبرنهيں بونى چاہنے اوراكري ليك کدال بارون کی قبر سے قبلہ کی جا تیب مارول محا تو کھری کھوائی ایک قبرنمودار بوگی اور اس سے دیمیان ضریح ہوگی۔مامون سنے کہا یسسبحا ان النڈ کنٹی تعجب کی باشہ سے منگراہوالحسین سے معاملہ ہیں یہ كونى تعبيب كى باست بحى نهين سبعدا جها است برقمد دال كدال ماروييس بمى توديكيون كدواقعى يد برخمه کاریان سے کہ بیرسنے کدال ہیا اور ہارون درشیدگی قبر سے قبل سے جانب ایک مرتبہ کدال مارا اور فوراً کیک کھدی ہوئی قبر۔ معودار ہو تن اوراس قبر کے درمیان خرت بنی ہوئی تھی اورادگ سے دیچھ دسیسے تھے۔ مامون نے کہا اچھاا یہ ان کی میرست قریس ا کاردو۔ ہیں خيكها يا ا برالمونيين ميرسداً قاست فربايا فغاكر انتظاد كرناجيب تهريكدا ثدرسيعياً في بجورط شكطاده اور لیرری قبر بان سے بالب بروجائے اسس پس ایک مجھل مودار برومیوردہ مجھیلی غائب بروجائے اور سارا یانی زین میں وایسس چلایا شے تید ان کی میرت کو قبریس اتاروں۔ مامون نے کہا ایصابیساا نعوں نے کہا تھا وبیساہی کرور ہر تمرکا بیان سے کہ پیرمیں تے یاتی اُسلنے او تھیلی ظاہر ہوئے کا انتظار کیا۔ لوگوں سنے دیکھاکہ یانی اُبلااُس میں مھیلی طاہر ہوکرغائب ہوگئی۔ یانی بھی اندر زمین میں بیٹھ کیا توہیں سنے آب ى ميت كوقبر كيميلوين ركها إوراسس براور قبر برايك مفيد جا در والدى رميت بغيريب ما تق نگاسته یاکسی دوسدسد سے باتھ نگاست قبری*س اترکئی ۔* مامون سف نوگو*ں سے کہا ک*راً وَ اب قبر پرمٹی ڈالو پیں سے کہا یا امیرالمونین ایسا نہریں باموں نے کہا پھرکیا قبرایسی کمی رہیں گی مرکیسے بهو کی ۔ میں نے کہامولا سنے فرمایا تھا کہ میری قیر پرکوئی مٹی نہ ڈالے۔ بلکہ قیر بی و د بخو د مٹی سے *بیریج ک*و پچکورا ور زبن شربرابر بروجاست گی ر تو مامون سے توگوں سے کہا اچھا توجیمٹی نہ ڈالوراورلوگوں سقربوایسند لم تقول میں مبی اٹھائی ہوئی تھی پھینک دی۔ قبرنود پخ دمٹی سے قربر کمئی اور زبین کی سطے سے برابر مہوکر بچکوں ہوگئ را ب ما موان جی دفن سے بعدوایس ہوا ا وربیس جی راسس سکے بعدمامون سف شجے منہائی میں بلایا ا در کہا ا سے ہرخمہ خداسے سنے بتاکہ یو کچے ہیں سنے معفرت ابوالحسن قدس التدوير كمتعلق سي تجديد مسام المسلكيايه باتيس سيج بي اوروا تعاً المعول سنتي يم رب بتایا تھا بیں نے کہا یا امیرالمونین بی نے اپنی طرف کھونہیں کہا بس وہی کہا ہوا تھوں

ف بتایا ها ما مون سفر کهامیرامطلب پرسید بھیجے توسے بھے بتایا سیداسس سے علادہ اور تو سیھے نہیں کہا تھا ہ میں نے کہا یا امپرالمونین آ ہے کیا پوچسنا چا ہتے ہیں ؟ مامون سے کہا یعنی پرکہوئی آن رِازی باست تونہیں بتا گئے ہیں۔نے کہاجی ہاں بتا گئے ہیں۔مامون نے کہا وہ کیا بی ہیں۔نے کہا وہ انگود اوراً نار وائی باست ریس پیرسنندی، مامون کا دیمس کمیسی زردبوجا تاکیسی مشسرخ اورکیسی بالکلهیاه ا در بالانترونشسنس کھا کے حریرا ا دراسی منٹی سے عالم میں وہ بڑیڑا۔ سے لگا۔ مامون پرالٹری نغرین ما مون پردسول النزکی نفریمن رمامون برعلی کی نفرین - ما مون پرفاطر زبراکی نفوین رمامون پرحس دهیمین کی نوین - مامون پرعلی ا بن الحسسین کی نفرین راسس پرچرین علی کی نفرین راس پرهیموین محدکی نغرین اس پرموسی بن جعفری نفرین راسس پرعلی این موسی دخداکی نفرین رخدا می تشم بر کمصلام وا صاف صاف غساره ادرگھاڻا ہما۔ اورسي فعراست وہ باد بار دہرلسنے لگا ۔ برقم كم المست كرجيد مين ف اس كايرهال ديكها تواسس ك ياس سعدا تله كرايك كذاك جأكر بيشركيا ومحرته والمرسك بعدودنش سيعا تمدييثعاا وراس فيضيع بلايا اوراسس كماحالت ابی تمی بھیے کوئی نیٹے ہیں پڑد کھڑا ہو ۔ اور لولا ۔ یا در کھوٹہادی اہمیّیت میرسے نزدیک نران ستے زیادہ سے مذد نیا کی کسی اور چیزسے زیادہ سیے اگریں نے مشن لیا کہ جو کچے تم نے مجے سے کہا ہے یا تم سنے بچرکچے دیکھا ہے کسی اورسے بھی کہا ہے تو پیں سجھے مارڈ الول گا ۔ بمرسته كهايا اميرالمومنين مين كسىست مذكهون كا اعداكر ثنا بت بهوجاسته كهيرسفه ان مير سے کوئ باست کسی سے کہددی ہے تومیرانوں آپ پرحال ہے ۔ مامون نے کہانہیں تم تجے سے اس کا پخت بجد کروکاسس را زکوچھیائے رکھوسے اور کسی سے نہو تھے۔اس سے بعداس نے بھھ سصے یخت عبدلیا اوراس کی بوری تا کید کردی۔ ہرخمہ کہتا ہے کہ جب میں اسس کے پاس سعے بلٹا تواسس سنے تالی بھائی اورقرآن کی یہ آيبت برمي ريّنتَ يَخْفُونَ مِنَ النَّاسِ وَلاَيَسَ خَفُونَ مِنَ اللّهِ وَهُوَمَعَ بِهِ مُسْتُمْ إِذْ يُبَيِّيتُونَ مَالَامَيَرْضِي مِنَ الْقُولِ كَكَانَ الله كِيمَايَعْمَلُونَ مُحِيْطًا ورواسَاتِ امام محدیقی علی السلام کامدینه سے آنا یا سرخا دم کابیان سے کہ ابھی ہمارے اور طوسس سے درمیان سات منزلیں باقی رہ کمیں تحدين كه وبين سين صفرت امام رضاعليه السلام كي طبيعت كيد ناساز بوكئي منظر معز جارى ديا أوراسي حالت يں طوس يہنچے پھر بيمارى اورت ديدېوكئ اس لئے ہم لوگ جند دنوں سے لئے طوس بس عمر سكے اور ما مون رونبات ون پس دومرتبراب ک مزاع پرسی کوایا کرتار آخری دن جس پس ایپ کی وفات بوتی

کروں کا بہت آگئی تھی۔ نماز ظہرا دا کرنے سے بعد آ ب نے تھے سے فرطیا۔ اسے یا مراوک کھانے سے قارع برمیں ج بی نے کہا مولا آب کا تو یہ حال ہے لیسے بی کھا تا کون کھاستے گا ؟ يرشن كراً بِ بين المرفرايا الجهاد مترنوان بجيادٌ الداب من ابين ايك الذم الدر غلام كوتلاسش كراسك دمتروان بربتهايارا ودحب سادس مردكها بيك توفرمايا استاورتون بيس كمعانا بهنيا ويورتون يركعانا كيا اوروه مسيحي كهان سن نارع بخيب تواب يم ضعف اور بريوكيا اور نختنی طاری مردکتی رید در پیم کرسب میں موسے کی آ واز بلند مہوئی بیصے مسن کرمامون کی کنیزیں ا وربور میں مویا برمینه دوڑی بوئی اکیں اور لورسے طوسس میں ایک تئور وغل مربا ہوگیا۔ا ود نود مامون مروبا برمینه مردینتا دارهی بحراتا افتوس كرتا روتا اورا نسوبها تا سحرت امام رضا سے پاس آيا اوراس وقت آپ كوش سے ا فاقد بروا تھا اور اگر کہنے لگا کہ اسے میرسے سیدین ہیں سمجھ سکتا کر دوم معینتوں میں سے میرسے التے کونسی معیبت سب سے بڑی سے ما ہے۔ آ ہے۔ کی حالی اورونسداق یا لوگوں کی تہرت کریں نے مسی عظے سے آپ کوفٹل کردیا۔ پیر*شس کرآپ نے مامون کی طمسے مت نظرا ٹھا*ئی اورفرایا یا امیرالمونین آپ ا ابر بيم التعرب التعرب المست كام ليهيم كاكيونكا كيونكاب كاعم الدان كاعمراس طرح سهدا وريدكم كراب نے اپنی دونوں انگشت سبایہ الاکر دکھایا۔ يا مركابيان ہے اس بٹيب كوامس كا ايك معترجا ئے جاستے آ بدسے انتقال فرمايا ہوپ صبح ہوتی توسادے لوگ جمع ہو گھٹے۔ ا درہرطرت جسے بیر آ وا زبلند ہوسنے تکی کداسی نے (ایمنی مامون نے) ان کوسی چلے سے قبل کیا ہے ۔افسوس خرز ندرمول کوقش کردیا ا ورطرح طرح کی بہت ہی باتیں ہونے کمیں اس وقدت فحدبن بجعربن محمد، مامون سندا ما ن طلب كرسف فواسان آسنة تقدير مقرسته مام بضاعليه سلام سے چا تھے۔ مامون نے ان سے کہا اسے ابوجو تم جا کوٹھع سسے کہد دوکہ آج ابوالحسسین برآ مدنہ بہوں گے، مامون کوڈرمٹنا کہیں جنازہ برآ مرموا اورانقلاب بریا ہوجائے۔ بہرمال جرین جعفرنے نکل کرجمعے سے کہا كر لوكو والبسس جاؤات ابوالحسس كاجنانيه نبيس بآمداكا فبميغ متعرق بوكيا اورارات بهى رات ابولحسب علياسلا كوغسل دے كردفن كر ديا گيا۔ وسے تروی کر دیا ہے۔ علی بی اہراصیم کا بیان ہے کہ یا سرسفے تھے سے چندایسی باتیں کیس کرجن کا ذکر پیں اس کتا ہے سیے نہیں سجستا۔ سیے نہیں سجستا۔ می*ں مناسب نہیں بھیتا۔* (۵) ---- الوصلت كى روايت الوصلست بردى كابيان سيسكديم ايك مرترين هزيت امام الوالحسسن على ابن مهى بضا المالسلة كرساحة كحوا تفاكداً ب خ فريايا اسرا يوصلت اسس تبرسك اندرجا ؤجبس بثل إروان ديشيدكى

میرسید اور آن می فیرسے میرجہار جانب کی امل امل معوری معوری منی لا دستی اندر کیا اور جا رواع ارت كى منى لايا -آب سنے دروانسے سے سلسن والی من سے سلنے فرایا پرمٹی دینا۔ میں سنے وہ مٹی پیش كى تو اکتیے اسے تسونگھا اور پھینک دیا اور کہا میری قبریہاں بمی کھودنے کی کوسٹسٹ ہوگی منگر بہاں اپسی چٹان سيع كواكر فزاسان سك سادست كملال ميلاسف واسليمى ل كركدال بيلانش توبعى اس كونهيس كعود سكتة بجرياؤن کی اور مرکی طرون کی مٹی سے ساتے بھی آپ نے ہیں فرمایا ماس سے بعدار نشا دیہوا ایب وہ پڑے تصطرون کی مٹی دو وہی میری قبری مٹی ہیے۔ پھراکپ سے فرمایا لوگ میری فترمیاں کھودیں سکے توان سے کہد دینا کہ میاست زبینے تک پنچے کھروں وال ایک طریح تیارسطے کی اوراگروہ لوگ نی کمکود ناچا ہیں توکہہ دیٹا کہ لی کودول تھ ایک بانشت بیوری بنای النّرتعالى اسس كومبس قدريا سي كا وسيع كروسه كا .اورجب ده ايسا كريس سيحه توتم بين مرب مركي طرف يكه نی اورتری نظراًسندگی و بال مع پڑھ کردم کرنا ہے ہیں تمہیں بتاؤں گا۔ وہاں یا ٹی کا ایک پیتر سیدرو دیتر بيموسة كااودمادى لحديا نىست جرماستە گى اسس پرتهيں چوئى چيلياں نظراً بيش كى يى تېرين دو تي دد س گاتم اس روٹی کے جیوٹے چھوٹ محروے بنا کراس میں ڈال دینا وہ مجیلیا س کو کھائیں گی اور چىپ وەسارىسە رونى كە كىرىسىد كھاكرىتى كىرلىس كى توايك بىرى كىلى نمودار بىرى كى جواك تھام چىو ئى چىرنى جىليول المونكل جائے كى -اس كے بعدوہ غائب موجائے كى - جب وہ بڑى جبلى غائب بموجائے تو پھرتم ياتى پر القے د که کرده چیز دم کرنا بحدیم تمہیں بتاؤں گا۔اورسارایا ٹی زمین سکے اندر دایس چلاجا سے کما اوپر کھیے نہ رہیے کا اوریہ ساماکام تم مامون کی تنظروں سے ساحتے کرنا ۔ بيمراًب نے فرطايا- اسعابوصلىت يەمرد فاجركل نچے كواپىنے پاس بلاستے كا - اگريس اس سے ياس سعے اس طرح نکلوں ک*یم کھلاہوا ہو تھے آوجھ سے نخا* طیب ہونایس ہوا ہد دو*ں گا*۔ اور اگریس اسس طرح نکلوں کہ مردصكا بوا بوتو يجرجيست بات ندمرنا _ ابوصلت كابيان سع كرجب دومرسد دن سع بوئ تواكيس خا پنالباسس پهنا اواپنی عمرا ب عبادت پس پیشکراشظاد کرنے تھوڑی دیریں ما دن کا غلام کیا ا دراس نے کہا کہ امیرا لمومنین آپ کو یا د كرسة بي ريكن كراكب سفاينى نعلين ياؤن يى بينى اورددا دوستس پرداى اوركورس بوگفت اوردوان بوسنة بس بى آپ سكىيىچى پچھے بوليا آپ مامون سكەپاس بېنىچەاس سےسامىغ ايك طبق ركھا بوا تغايس لیں انگورتھے اوراس سے ساتھ کچے اورہی طبق تھے تن میں مختلف جیل تھے اور مامون سے ہاتھ ہیں انگورکا ایک کچھا تھا بھیسں پرسے وہ بعض دانوں کو توڑ کر کھا اپنتا مقااور بعض دانوں کوچھوڑ دیتا تھا۔ جب مامون سف صفرت ا مام رضا عليالسلام كواّسة ديكما تواً تمدكم الإمركم كلانگايا. پيتنانی كو بوسر دیا اوراپسنے ساتھ بمٹھالیا ۔ اوربولا فرزنددِ بول پسسنے اس سے بہتراجگور آج تک نہیں دیجھا تھا

آب سندفرمایا باب بعض انگورایسے اچھے ہوتے ہیں کہ ولیسے شا پر حتت ہی ہیں ہوں ۔ ماموں نے کہا یہجے آپ میں نوسٹ فرائی۔ آپ نے فرایا نہیں چھے معان کرو ساموب نے کہا نہیں یہ تواکپ کو کھا تا ہی پرٹیسیگا آپ اس سلتے پر ہیز کر رہے ہیں کدا ہے کومیری طرفت سے بد کما نی ہے اور پر کہر کراس سے وہ اگورکا کچا یا اوداس پس سے چند دائے بخد کھائے اور ہاتی کچھیں اب وہ دائے دہ گئے جن ہیں زہر پیومت تھے وہ معفرت ا مام رضاعلِبالسلام كى طرف برِّيعايا - آپسسة اسس بين سيدم وف حين واسته كفاسته بقيريجينك وسيِّفه الدائم كمرَّا بورث مامون سنہ پوچھا آپ کہاں جا دہسے ہیں۔ آپ سنے فرما یا جہاں توجھے بھے راہسے اور یہ فرما کرآ سنے ایست مرکوڈ حانب لیا ۔ ابوالعدے کہتاہے کرجہ میں سنے پھورت دیمیں تومیرکوئی باسے ندکی آپ میدسے لینے محم ہیں داخل ہوگئے اور تھےست فرمایاکہ وروازہ بن کررد واور آپ ا چنے بستر پر لیٹ رہے اور ہیں گھر مے جی میں البهوم ومفوم بينهوكيا . ادرابى يجع ينيض بوستة بخفودى ديربونى تتى كرا يكرسسين وحيل نوبجال ريريج وخم زلينين كلهمورت يس محزت امام رضاك بالكرمشا بهرمكان كاندرداخل بهوابين نوراً اس كى طرون برها اوركها دروازه تو بندسیے تم کدھرسے اُ گئے ۔ ۽ اسسن جواب دیا بج ذائت بچے مدینہ سے اس وقت پہاں لائی ہے اسی سنے تجھے گھر کے اندر واخل کرویا وروا زہ پندسے تو ہوا کرے۔ ہی سے پوچھا کون ہوتم ہے کہا ابوا تصدیت ہیں تم پیر جحت خلاموں میرانام محربن علی ہے۔ یہ کم کر آپ ایسے والدکی طریت یڑھے اندر واتل ہوستے اور چھے جی اندر داخل ہونے کی اجازت دی۔ جب امام رضا سے ان کو دیکھا نوراً تھے۔سے نگایا ریپھنے سے نگایا پیشا ٹی پر بوسر دیا اورانہیں اسپے بستر پرلٹا ہیا میرصفرت ٹھرین علی ان پرچھک مھنے ان سے بوسے لئے ا*ندراز دادا ن* اندازست أيس يس كجه إثين مرسف تكرص كويم شيس مجعار ا ودبیرسنے دیجھا کرمھ رست امام رضا علیہ لسسلام سے بہاستے مبادک پربرت سکے انن کوئی معیّد می شنته تنمى جيسے معترفت ابوجع عليالسلام اچسے وہن اقديسس ہيں رکھ ليا بچرمفرت امام عليالسلام ہے۔ ا پرنا دمستِ مبارک ایسے لیامسس اور سیسنے سکے درمیان ڈالا اوراس میں کوئی شنئے بھی عصفور (روٹریا) سے شاہر تھی 'نکالا اور *حضرمت الوجععز علیدالسلام ہے اسے بھی ا*ہینے دیمن مبادک پیں دکھ لیا ۔ اس سکے بندر حز ست ا لم م دضا علیالسلام سنے دملت فرمانی توحفرت الوجعفرعلیالسلام سنے فرمایا اسے ابوالعبلہت انتھو ۔ ا ور توشّه خانه سنے قسل کا برتن اور پائی تکال لاؤ۔ میں نے عرض کیا توشّہ خانہ پس منسل کا برتن اور پائی تو نہیں ہے۔ آیے سفرمایا میں کہنا ہوں تم جاوتو مہی آپ سے فرملسند پر میں گیا تودیکھا کہ تونٹہ فانہ بین عشل کا برتن ا وریاتی دکھا بواسے ہیں اسے نکال لایا ۔ اس سے بعد ہیں نے اسیف لباس سمیلے تاكه عسل دسينة بس أب كالم تحد برا وُل رتواً ب سفغرايا اسدابوالصلت تم برث جا كالغسل فيضيل میری مرد کرسته والاموج دسیے میں برے گیا اور آ پ سے مقسل دیا ۔

اس كردد فرطايا اسد الوالصلت توخرخان بي جاؤ والال ايك لوكرى بي جس يل كفن اور من وارتعام الما المعالية الماندركياتوديكا كرواقه ايك ومرى كم بوقب يعيد على نے اس ترظر خانہ میں کمیں نہیں دیکھا تھا ہیں اٹھالایا ۔ آپ نے بحد ایسے انتھوں سے کفن بہنایا اورنماز جنازہ پڑھی پھچھے ستے دیایا تابوت لاؤ۔ پی نے عرض کیابہ ٹریں امی کسی نجار (پڑھن) سے پاس جاکر پنوالاتا بہوں آپ نے فرمایا انھواسس توٹشہ نما زمیں تابوت بجی دکھا ہواسے ہیں توٹٹہ خانہ پس گیا تو دیجھاکا س یں ایک تابوت میں دکھا ہوا۔ سے بھے ہیں نے وال کہی نہیں دیکھا تھا بہرمال ہیں اسے بھی اٹھا لایا ۔ آپ سند نمازجنازہ بڑھنے کے سنے برست کو تا بوت میں دکھ دیا اور میست سے یا ڈن وغیرہ برا بر کر ہستے پچر دورکدست نما زیژمی اورنما زسنے فارخ بھی نہیں ہوئے سقے کہ وہ تا بوست نود پخ دیلند ہوا ۔ چھسٹ مگافڑ بمونی اور وه تابوت روانه وکیا ۔ یں خے دوش کیا فرزند دمول ابھی ابھی ما مون آسٹے گا ا ورجھ سے معفرت ا مام دصاکی میںشہ کامطالب كىيە گاتەپىن كيا يواپ دول گا ؟ آپ سەخرا يا خا مۇسىش دېورتا بوت انجى واپس <u>آسىنى گارلىغا ب</u>ولىمىنت اگرکوئی نبی مشرق میں دفات پاستدا وراسس کا وصی مغرب میں دفات پاستے توالٹران سے *اجسا دواروا*ح کولاز ما جمع کردیتا ہیں۔ (یہ مدینہ میں دوخت رسول برما خری سے لئے گیا ہے) امیمی پر گفتگی نوم نہیں ہوتی تعی کرچیت دوباده ثنق بوثی اورتابوت ا تزکراً گیا - پیمراً پ اُسطے اورپیفرت الم مرضاکی میرت کوتابوت سے نکالاما وران کے بہتر پر اسس طرح لٹا دیا جیسے ٹنسل وکنن کچے نہیں دیاگیا ہے۔ اس كے بعدا ہے نے فرط يا اچھا اسے الوالصلت اب درواز ه كھول دو ميں سف دروازه كھولا توبا موان ابینے غلاموں سے ساتھ گریدا ان بیاک دو تا سسسر بیٹٹا ا ندر داخل ہوا۔ اور وہ یہ کہرداج تنعا فرزند دمون تهارب مرية كالجصة بحدا فسوس سعد بحرأ كرميت بي مربالين بينوگيا اوديم دياكر تجبيز وتكفين كما سامان کیا جائے اور فیرکمودی جائے۔ بھراس کی بتائی ہوئ جگہ فیرکمودی گئی توصورت امام رصا کے ارشاد سے پمویٹ قبرنہ کھارسکی یجیوراً امسس نے کہا کہ جا نب قبل کھود ۔ ابوانصلست کا بیان ہے کہ ہیں سنے کہا کہ ا ای رضا نے مجہ سے فربایا تھاکہ سانٹ ڈینر نیجے تک کھودی جائے توایک خری کرآ پر ہم گی ۔ امون سفکونے والول سنه كها الوصلية جس طرح كهذا سنه اس طرع كمود ومتحرفز كح تكرنبي بلك اس بيس بغلى لحد بنا وور جب نی کھودی گئی تر مامون سنے اسس پس ٹی یانی کاچٹر پھواس پس مجھلیاں وینے و میب دیکھیں تو بولا پھوٹ امام دھناعلیالسلام اپنی زندگی ہیں توعجا نبات دکھائے ہی قصے مربے سے بدرجی وہی عجائبا سے وكعارب بيررتواس ك ايك وزيرسف اس سه كها معلوم بد ان جمليون وغيره سع معفرت المم مضاً أب كرميا بتاناجا بعة بي ؟ مامول سن كما نبيل رأس سنكما وه أب كور بتارس بي كل يزعباس تم ادی ملعنت با وجود تم ادی کنرت اورطول مرت کے ان چھلیوں سے ما نندسہے جیب اس کا وقت پودا

م وجائے گا اور تمہا دی سلطنیت ختم ہونے والی موگی توالنڈ تعالی ہم ایلبیت پیںستے ایک فرد کوتم لوگوں پر مستطا كردے كا اور وہ تم لوگوں ميں سے ايك كويى باتى نہيں چروسے كا۔ (جس طرح بڑى جميلى نے ساسى نچسلیوں کوئٹم کردیاہیے) امون نے کہا سیج کہتے ہودا قعا اس کامطلب ہی سے۔ ام کے بعدیامون نے کہا کہ ابوانصلت مجھے وہ تمام باتیں بتا ڈبھ تم سے مورت امام رضاً نے کہی ہمی میں نے کہا خدا کی قسم میں تووہ تمام باتیں محمول گیا اور واقعاً میں نے سیج کہا بھی متعار مامون نے حکم دیا كراس كوسے جا د قيديں وال دوراس كے بعداس في سخطرت امام رضا كودن كيا اور يس ايك مال تك قيديش برا را دجب بي قيد ست تنك أكياتو ايك دات كوجاك كر اور عمرواً ل عمر كا واسطه وسد كر ابنى رمل فی کے لئے الدست دعا مانگی ۔ امجى ميرى دعا نتم بھى دہو ئى تقى كرديجيا كەمعرىت ايوجعقر تھرون كلى كليدلىسلام قەرىنجا نەپىي تىتريعت لاستُد. اورفرایا ابوملست ہم واقعاً اس قیدسے تنگ آ چکے ہم بی سفوض کیا جی ماک خداکی قسم۔ آب نے فرمایا ، اچھا توبھراکھواور آ ہیں نے متعکم ہوں اور بیڑلیاں پرا پنا دمست مبادک جمیرا اور وہ مب حدا ہو گئیں چرمیرا ماتھ بچڑا اور بھے قیدسے نکال لے سکتے یہی گھر کےصدر دروازے سے نکلا سارے بہرب داراور علام دیکھتے رہ گئے جھے سے کچھ نہ کہد سکے اس کے بعد آب نے مجے سے کہا جاؤ یں نے تمہیں مداسے میردکیااب وہ تاایدتم کو گرفتارنہیں کرسکتارینا بچراج تک اس کی گرفت سے اُہروں (ييون اخياد الرضاجلد٢ صص٢٠٠٢) (١) ____ كياموت سبب مرض اسهمال تصاج على بن الحيين كاتنب بقاً الكبيركابيان سب كرحفرت امام رضاعليالسلام كو. يخا لأكيا توايب سف فعد کھیواسنے کا ارادہ کیا۔ پرنچرمامون کولی تواسس نے اپسنے غلام سے کہا کہ میں مٹی کی برقی میں سسے لیک شنتے نکال کردیتا ہوں تم اسسے چین سے برتن میں اپنی انگلیوں سے ٹوب پورکرو رہیر بغیرا تھے دھوکے بهوست میرسدسا تندا وان وزوں معزیت ا مام رضا علیالسلام سے پاس آسٹا ور اسینے ما منے آپ کی ففد كملادى - اور عبيد التركابيان سي كراس في تصدكوتولتوي كرديا اور است علام سي كها جا و امام رضا کے یا تین باغ یں بوانار کا درضت سے اس سے انارتوڑ لاؤ۔ وہ توڑ لایا توکیا اس کو توڑواس نے اس كوايك يبيا ليهي تواكهاكهام كوابيس فانصست وحولاة رجب يدمب به ي كاتوامام رضاعليدانسلام سع كمها کریکھتے یہ آپ ہی سکے دمضت سکے اٹارسکے دانے ہیں اسے ٹوشش کریں راکپ سنے فرمایا اچھار کھے ویلے جب آید بیط ما کیم سے توکھا ہوں گار ما مون سنے کہا نہیں است آید میرسے مساحفہ کھا ہیں اوراگراس كا وْرِدْ بُوتاكُهُ مِرامِده مُطوب بُوجِلسنة كا توش مِي أب سے ما تعرکھا تا۔ توآب سے بِن جمجے اس بیں



خمدین عبدالندین الحسسن الاقطس کا بیالت بست که ایک دن پیس مامون سکیهاس نشا و ایل عبس مشارب حمی به وی تعمی اوروه بجه چپوژ کر ایپ نتر تام مصاحبین کوشراب انڈیل انڈیل کر دست دالج تھا پھراس کی کنیزوں نے نکل کرکا نا بجانا شروع کیا تواسس نے کمی کنیز سعد فرمائش کی کہ ساکن موس واللع ٹرپر بناؤ۔ کنیزسندمریدسوع کیا۔

"المدّ طوس کوا ورعترست مسطف پی سے اس حزد کوا پئی رحمتوں سے میراب کرسے چربہاں آگر ہمیتر سکے سے ساکن ہوگیا اور ہم کوگوں کورنی وغم ٹیں بمثل کر گیا۔ دینی ا میدگاہ خلق صغرت الولحسن علیالسلام جن کی موت پرخم منا نا ہرختنس کا فرض سیسے یہ

عربن عدالله كابيان سے كراسے كا مون روسف لكا اور مم يى دوسف لك - يعربوالانوس استحاثم السيدا وربها دسدابل خا ندان بمين حربث اس باستدير تراكيت بين كديم سق معزت ابوالحسس كواپنا وليعبر بنايا . خلالى تسم الحريديا قى رە جاست تريقين كروكهيں كومت وخلافت سے دمست بردار ہوکر انہیں اپنی چگہ بعضادیتا رمگرکیا بٹاؤں کرموت نے جلدی کردی رالٹرتعالی عبیرالٹر بی حسی اور حمرَه بن حسن پرلعنت كرسدان دونولسندان كوفتل كرديا ربير بولار است عمدين بيرالشربي اليرين تم ستعابك عجيب واقعه بيان كرتا بول مگراسه لازيس ركهنا رميس نه كها اسهام برالمومنين وه كيا واقعه بيان فرايش ما مون نه كها كدجب ميرى كنيز زا بريد حاطه بوئى تويس معفرت ابوا لحسس كى خدمت ييمينيا ا در کها میں آپ پرفریان میں نے سنا ہے کہ مصرت الوالحسن موسی بن جعفر وجیغر بن جمد و محدیق علی وعلی ابن الحسين اورحسين طيهم السلام رد بلاواسيب كے ليئ تعويد فيتے تقي حرتير كبر دف مرتا تھا۔ آپ ان کے دسی ہیںا وروہی علم آپ کے پاس بھی سے جوان لوگوں سے پاس تصار زاہر پرمیری ایسی میسند بدہ کنیز سے کہ بیں اس پراہی کس کیز کو تریخ بہیں دیتا۔ وہ کئی بار عا طر بہوئی مگراسقاط برگیا کیا آب کے یاس بھی کوثی ایسی سٹنے سیے جس سے فائکھا تھایا جائے۔ آپ نے فرمایا اسقاط سے نہ ڈروحل سلامہت ہے۔ كا وراس ك الركابيدا بوكايوا ينى مال سن كل دمورت بي ببت مشاببه بوكا والندف اس ك ظعتت یں اضافہ کردیا ہے۔ یعن اس سے دا ہے اتھ ہیں ایک زا کرچینگلیا اور داہستے پاؤں ہیں بھی ایک نائد جھنگلیا ہوگی ۔ نمیں نے دیسنے دل ہیں کہا یہ اچھا موقع الماگران کی بات سے نہوئی تواسی پہا نے ہیں ان کوولیعہدی سے بٹا دول کا بھریشکسل کس وقت کا انتظار کرتارہ بہاں تک کرزا ہریہ کو دروزہ عارض ہوا۔ ہیں نے دایہ ل بچہ بیدا کرانے والی) سے کہاجب بچہ بیدا موجائے تومیرے پاس لانا خواہ لڑکا بوخواہ لڑکی محمدی دیریں وہ دايرا كالداراً في اوراً بيدك كهن مطابق واقعاً اس كما تداوريا وسيرايك ايد زائد الكي تفى اورشکل دمیورت سےمعلی ہوتا تھا کہ کوکپ کڑی ہے۔ یہ دیچوکریں نے اسی دن ارا دہ کیاکہ ہمی خلافت و حكومت سے دستروارم وجا وُں اور اپسنے قبعتہ میں ہو کھیے ہے وہ مدید ان سے یوالہ کردوں مگر محرم پرا نعنس اس پررامتی نه بوا رابزایس سندا بتی تمهان سرواله کردی اورکهد دیا که آب جرح رحیتا ہیں حکومت جلاکیں مجعے کوئی عذر نہ ہوگا۔ آپ کا حکم سب پر بالا ہوگا اور ضالی تسم آکر وہ ایسا کرنے تو بچھے جی کوئی عذر نہ ہوتا۔ (فيفترانشي صيف ٥٠٠) (كتاب الجلاد والشفا) (كتاب المقاقب جلائ مست٢٧) (نوسٹ) پرروایست با بہم عجزات پیں عیون اخبا دالرضا کے ثوالہ سے نقل کی جام کی ہے ۔

(): --- زبردینے کے اسباب منظرت امام رضاعليه لسلام اكثرتنهائي يمن مامون كونسيعتين كياكرت اورنوب نعدا ولاياكرسة تحص ا در برب مجمی اسس سے شریع سے خلاف کوئی ام مرزد ہوتا تو آ یب اسے ٹوک دیا کرتے ا دریامون بناا ہم تواسيتسيم كرينتا كه بالتعلى بوتى مگرامس بين بُرا مسوس كرتا تصارينا يخدايك ولصطرت امام دفحا مايون كياس كية توديكماكه ده بيشا وضوكررا بداوراس كاغلام اس كماتهون برياني وال رابهد تو آپ نے فرایا یا امرالمومنین ایسے رہ کی عبادت میں کسی اورکوسٹ ریک نہ کیا نیمجھے ۔ مامون سے اس وتستغلم كوتوبهثا ديا اورخود اسس سف إدرا وهوكيا نمراس ٹوكنے پرا ورجل ميمن كيا ۔ تیزمامون سے جب فعنل بن مہل اور سسن بن مہل کا ذکراً تا تراً پ ماموک فرما سے کران دونوں کی باتوں میں ندآ یا کریں ان میں پر بہنوا بیاں ہیں۔ پیٹا نیران دونوں کوبھی اس کی جرہوگئ توان دونوں سنے بھی اُ ہب سکے خلاف جھوٹ سیج کہنا تٹروع کردیا اورائیں باتیں کہنے سکے حسیس سے مامون محفر سے امام رضاعلیالسلام سعے دوری اختیاد کرسلے اس کوڈرلنے سلے کہیں کسی دن یہ آپ سےخلات تو کول کونذابعادیں ۔ ایسامسلسل کھنے کی وجہسے مامون سنے آپ سے متعلق اپنی راستے بدل دی احدبالا نخر اس من حفرت امام رضا کوتش ہی کروا دیا ۔ اوراً تغاق کی بات پرہے کہ ایک ون مفرت امام رضاعلیہ انسلام اور مامون دونوں سے ایکب سانخه کمهانا کمهایا مِصفرت ایام رضاً تو کمهاسته بی بیما ر پوسکت اور با مون بچهوی بری دبیا دبن گیای دالمدین بشركابيا لن بسعك مامون سف جھ سے كما كه اسين ناخ برصا و تمركسى يرظا برند ہور ميں سے نافن برصا سلتے تواس نے شجعے بلایا اورا ملی (ترمہندی) کی طرح کی ایک پیر نجھے دی اورکہا اسے اپنے اِتھوں سے نؤب الوادرگونرمویں سے ایسا ہی کیا چھرامون امام رضا عیدالسلام سے یا س گیا ا وربوچھا آپ کاکیا حال ہے۔ آب سف فرمایا روبصمست بهوب سامون نے کما ش بھی پھرالڈ آج نؤ دکوپیج محسوسس کردما بہوں اچھاآ بے معالجین یں سے کوئی آپ سے پاس آیا مضارہ آپ سے فرما یا نہیں۔ مامون سفے عضتہ کا اظہاد کیا اور ایسے غلاموں پر يكروا اوركها كرآب انارتيار كرواس وقنت ان كوامس كي حرورت بند يعر عجف بلايا اوركها جاوً ايك انادلاؤجه يسل لايا توجد سے كمااس كواست التى سے بوڑوا دريوق نكال جدين وركال بيكا تو ما موان سق وه بخ ق انا راسین ایخو سیسے معزت امام رصا کوپلایا اور پیم آپ کی موت کا میب بنا۔ دو بی دن کے بعد آپ کا انتقال بوگیا ر ا پومىلىت مروى كا بيان ہے كەيىپ مامون آپ كوعرف انا دىپل*ا كرچيا گيا توپيں منطرت* امام رضا كى خدمت بين ما عربه واكوآب سفر مايا اسد الوالعلت لوك كام كريكة واسس كه بدراً بالاتمادين

ندبان *پرجابی کرسے لگے* ا در چمدین جہنم کہتا ہے کہ حفر^{تا ہ}م رضا علیہ السلام کو انگور سیے حد بسیند تھے تومامون سے آپ سے کنے کچھانگورسائٹے اوراسس کی بڑوں میں زہراکو دسوئیاں کئی دن تک ہوہمت دکھیں اس سے بعدان ہوٹیوں كونكال كروه انگوراً ب سحياس لايا راك بيمار توسقه بى جيساك پيل بتايا جاچكا بين آب نياس پي سے پہندد اسنے کھاست اور اسی سنے ان کی جان سے لی کہاجا تا ہے کہ وہوٹیاں کسی تطبیعت زم پر پھی کا کھیں۔ اور چیب سے رستا مام رضا علیرالسلام کا انتقال ہوا تو مامون سنے آپ کی موت کو ایک دن ا ورایک اِت چھیا ہے دکھا بھرخی بی بھوزے یاس اورجاعت طالبین میں سے بولوگ اس کے ہمرکا ب حقے آدمی بھیجا جب وہ لوگ آست توانہیں آ ہے کی موت کی اطلاع دی اور دکھا وسے کے لیئے دوستے اوخ کا اظہارکرنے نگااوران نوگوں کوا بری میت کاجیم دکھانے نگاکہ دیجہ لیں یہ بانکل صحیح اور درست حالمت نیں ہے اور پوزیخ کریکنے نگا اسے برا درخوز تمہیں اس حالمت ہیں دیکھ کرنھے ہی دصد مرسیتے ، چھے تو یہ آمیدتھی کم ين تم سند يبيد مرول كالمراليزكويي منظور تعا-بعراس فيجبير وكفين كالمحم دياراوراب كيونان يسكرما تداس مقام تكراياجهال أيداس وقت دفن بن راس فأب كودن كيااوروه عركميد بن قعطيه كالكرب بوقريرسنا باديس واتعب اور ىمىنا يا دطوس ميں سيے روبيں بادون دمشيدكى قبر*سك*قيلہ كى جا نسب صفرت ابوا لحسسن عليہ انسلام دفن ہيں . ا ورجهال تک بہیں علم سیے صفرت امام رضا علیہ انسلام سف مواست امام محد تقی سے اور کوئی فرز دنہ ہوجھوا۔ ا ما م بحرتفی علیدالسلام کا سس ا بیسند والدکی وفاست کے وقت صریت ساست سال ا وربیشد ماه کا نتھا ۔ (ارشادشیخ مفیدص<u>ت ۲۹ ۲</u>۲۹۲) ن اسے مامون کی تشوییشس ابوانصلت بروى سنددول سنطح ان كابيان سندكرجيب مامون متفرسته مام يضا عليه لسلام كي ميادت کے سلتے آیا اور دیجے کہ آپ عالم جانکتی ہیں ہیں توروسے نگا اور بولا اسے برادر موزیز پرامر مجد پربہت گراں ہے کہ آج آپ کواسس حالت میں دیکھنے کے لئے ہیں زیرہ ہوں کیونکہ اجی توید آپ کے مرمنے کے نہیں جینے کے دن مقے ، اور اس سے زیادہ گرال اور تمکیعت دہ میرسد سائیر امر سے کہ لوگ پرکہیں مے كرمي سن آپ كوز بريل پاست اورالندگواه سبت كم ميرااسس ست كوئ تعلق بهيں ريبادت مرسك مامون وابیس بروا اورحفرت امام رضاعلیهالسلام خانتقال فربا یارا در آپ کی تیرکھود نے سے پہلے ما مون بعرآیا ان حکم دیاکرمیرسد والدسے پہلویں آپ کی قبر کھودی جاستے۔ پیمریم لوگوں سے خاطب بوا ان كها مفرين المام دضاسة عجدست بمى بيان كيا تفاكرجيدان كى قبركمودى جاستركى تواسس بي سندياتى الا نچلی نبطے گی۔ قبر کمودو ہم بھی دیجھیں۔ لوگوں سے قبر کھودنا نٹروع کیا جب کی ٹیک پہنچے تواس میں سے یائی اور پچپی نمودار ہم تی بچریہ دونوں چیزیں لی دیس دھنس گئیں ۔ اس کے بعد آپ کی تدفیلی عملیں آئی ۔ (مقاتل الطالبین صدیعے سے اسامی)

ال مسلم میری میں منقول ہے کہ تعرف کا بانج از تقوانسان بہنی نا دلائل جمیری میں منقول ہے کہ تعرف امام ابر جعفر (خرتقی) علیائس لام سنے معربی خلادسے (بریزیس) کہا اسے معرابی موادی سے نواورمیرے ساتھ جلو۔ ہیں سنے کہا کہاں جلول ؟ قربایا بھہاں تم سے کہا جاسے والی جلوریں ابنی موادی پر مواد بوکر میلا جب ایک وادی یا ایک نشیب ہیں بہنچار توجھ سے فربایا تم بہیں

وبرن پورین ایمی آنا ہوں یہ کرکروہ ایک بڑھ مجھے۔ ایک وادی یا ایک صیب ہی پہچار توجے سے برطا میں ہیں۔ خمبرو پیں ایمی آنا ہوں یہ کرکروہ اسٹے بڑھ تھتے۔ جب واپس اسٹے توشی سنے پوچھا بیں آپ پرفر بان کہا کہ تشریعت سے گئے تہتے ہے فرما یا کہ میں اعجی ایسے پدر بنزگواد کوفراسان میں دفن کرسے اراج مہوں ۔ زکشعت الغرجارا صلاع) (الحزاج والجواع صدید)

المن خاندان كوكريدوماتم كاحكم

ائمیتر بن علی کا بیان سے کہ ہمیں مدینہ ہیں محفرت ابوجھ (امام محدیق) کے پاس برابر آیا جا پا کمرتا مضار اور محفرت امام رضاعلی السلام اسس وقت خواسان ہیں تصے اور محفرت ابوجھ فوا کے پاس ان کے اہل خاندان ، ان سکے والد سے جیا ویزہ برابرائے رہتے اور ان کوسلام کرتے رہتے تھے ۔ ایک دن حفرت ابوجھ نے ایک کنیز کو بلایا اور کہا ۔ ان لوگوں سے کہہ دے کوسف ماتم کھاسٹ کا انتظام کریں لوگ جب واپس ہوئے تواپس میں کہنے ملکے ہم سنے یہ تو ہوجھ ہی کہمس کی صعف ماتم ؟ جب دوسرا

اوگ جب واپس بوست تواگیس بین کجند نگے ہم سندیہ توپوچھاہی نہیں کہمس کی صعند ماتم ؟ جب دومرا ون ہوا تواگپ سندچھوھنے ماتم ہے سنتے کہا توگوں نے پوچھا اکٹریکس کی موستہ پرصعتے ماتم ہے۔ تاہپ سنے فرایا اس کی صعنے ماتم جدوست زیرں پرمہ سے بہتر تھا۔ بھرچند دنوں سے بعد یہ نجرا تی کہ صفرت امام پھٹا کا اسی روزانٹھال ہوا تھا۔

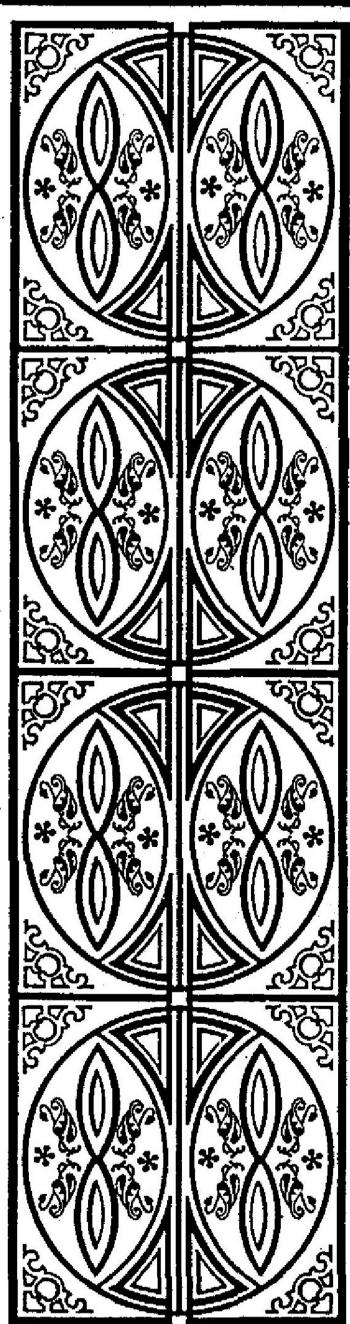




بالك



شهادتِ امام پرشعرار کی مرشیر نگاری



الوفراس اوردسس خزاعی

ابوفرانسس نے آپ کی شہادت پر چیداشعار کیے۔ حصھ: ان اوگوں نے معیت ولیعیدی کے کمیلودان کو قبل

مترجمه ان لوگول نے بعیت ولیع بدی کے بعد ان کو تنل کر دیا۔ انسوس یہ لوگ صبیح راست

دیکھنے کے بعد پھرا ندسے ہوگئے ۔ یہ ایک گروہ ہے جوسعید ہونے کے بعد بھرشقی ہوگیا۔ یہ ایک جا عدت سیے جوسلامتی بانے کے بعد پھر ولاک مہوکتی ۔ انسوس آ ل محد کا خون بہانے

سے ان لوگوں کونہ بعیت ولیعہ ہی نے روکا نہ عہرو بیان نے اور نہ خا تدانی دیر تہ و قرابست نے

دعبل خزاعی سفرآب کی شہادت پرست زیادہ مرشیے کہے جومختلف زمینوں میں ہیں۔

خوتنيه نمسكبر كاليكس تثعر

متوجعه: على ابنِ بوسم بن معفربن محسسبدى موت پر بار بارقاق بهو تاسبے اور**ا م**نسوب*ي كرفتے كا*

تام ہی نہیں پیتے۔ حرثیبہ نمس برکا ایک منتعر

متوجینه : علی ابن موسی رصاکی موست کی بنا برا المترتعالی ان بوگوں سے مخست نا دامش ہے۔

موثيبه تستليل كدميندانشعاد

حتوجہ ہے: ان آپھیوں کوکمیا ہوگیا ہے کہ آنسویہا رہی ہیں ۔ اگریہ اپنی تمام آنسوؤں کی رگوں کونچوٹر دیں تنہیجی آنسوکم پڑھائیں گے۔

اس فدات پردونا آسان نہیں جس پرزین دوئی۔اودیس کی موت کی خبرس کویلیت۔ پہاڑوں کی چ بیوں نے' اِنگالِٹ و اِنگالِٹ و کا جنوبی کا جعنی کا کہا ودرنرکوں ہوگئیں۔ ان کی جدائی پرآسمان در دیا ہے۔ مشا دسے نوعشاتم کر دسے ہیں ۔ان کی دوشنی دھم

بر می میں میں ان بریہت زیادہ روناجا ہمینے۔ اس کے کہ بیمعیبیت ہمارے کے ایکے ظیم معیبیت ہے۔

مرشيه نمكبر كالكرشعر

خترجه السندوه قبر حمایک غریب ومسافری سبے اور یوطوس میں واقع ہے۔ بچے پر گذرہ تے بھستے بادل آ نسوبرساکرگذرجائے ہیں۔ ابن سی مرقی اورعلی این ای عدالله بوانی این ای عدالله بوانی این بیست کیست این بیشت مرقی اورعلی این این عدالله بوانی این مرتب کیست کیست مرقی وضی الدی عدرت امام دونا عدالله وفات پائی و واقعی ان جمیدا میدو مشرحه مدن است وه خطر زمین جس می میرسے سیدوآ قاسفے وفات پائی واقعی ان جمیدا میرود و تعمد الله خوانی مرفر پول مشروع مردار قوبوری عالم انسانیت میں نہیں ہے ۔ علی بن ابی عبدالله خوانی مرفر پول مشروع کی سے بیات ہیں ۔

مدر جمعه : اسے طوس الدر محقے اپنے آب دیمت سے میراب کوسے تو نے کیا کیا خیرات مرکات اینے دائن میں جھیا گئے ۔

وعبل خزاعی کا ایک طویل مرثبیه

دعبل کابیان ہے کہ جب حضرت امام رصا عید اسسلام کی خبروفات آئی تو پس اس وقت تم بیں تقاا و روہیں ہیں نے پیم نہ کہا اس مرنبہ سے چندا شعاد ہ ستہ جھسہ: اگر بنی امید نے آل محد کونسل کیا توان سے پاس ایک طرح کا تحدر بھی سہے کہ ان کے اسلاف ان کے ماعقوں قبل ہوئے تھے لیکن بنی عباس سے پاس توان کے فعل کا کا قال کے فعل کا کا دی۔

عدرنظرمہیں آیا۔ اس مرتنبہ بیں آسکے بڑھ کھریکھتے ہیں ۔

سوجعه: طوس پس دوقبریں بیں ایک قبرہ جزئن طاق کی ہے اور دو دری قبر بہترین طاق کی ہے اور بیانہائی عبرست کا مقام ہے ۔ مگرا یک نا ہاکسسی پاک کی قریتِ قبرسے کوئی فائرہ نہیں اعقاسکتا اور نہ ایک پاکسے طاہرکوا یک نایاک کی قربتِ قبرسے کوئی ضردہ ہونچے سکتا ہے۔

ابومحدرزیدی اورمحدبن صبیب ضبی

ابومحدیز پری کہتاہیے۔ طوس کوکیا ہوگیاہے خدا اس کا پراکرے۔ بیہ آسے دن کسی نرکسی بڑی ہستی کوسے لیہاہے۔ اس نے پیلے دشیر کولیا وراب علی ابن موسی دھنا کولیا۔ علی ابن موسی دھنا فضل وٹٹروٹ پی ویگر عام آ کرسکے مانٹ دنہ تھے ان کی وفات سے زمانے کی سعادت منحوست سے بدل گئی۔ محدین حبیب ضبی کی کمآب میں ایک طویل مرتبہ مرقوم سیے چندامتعاد کا ترجہ ہ طوس بیں ایک ترسیے جس بی امام مونواب بیں اس کی زیادت سے ملے جمع ہونا حتی اوروزوری ہے ہے وہ قرسیے کرجس کی دوشنی سے ان معول میں بھی بیائی آجاتی ہے یہ وہ قربیے حیس کی دوشنی سے ان معول کی آنکھول میں بھی بیائی آجاتی ہے یہ وہ قربیے حیس کی خاک سے تمام امتام وامراض دفع ہوجا تے ہیں - یہ وہ قربیے کہ ہے حس کو دیجہ کرمجر اوران سے وصی کی تصویر آنکھول میں بھرجاتی ہے ہے ۔ یہ وہ قربیے کہ اس کی زیادت کیلئے لگر جی ق درجی آتے ہیں اورجب واپس جلنے مگتے ہیں توان کے تمام گناہ وصلے ہوئے ہوئے ہیں توان کے تمام گناہ وصلے ہوئے ہیں ہوئے ہیں ۔

اور المغريس كهالبع-

اسال محدوکوں کوتہاری محبت ندریع تعییم حاصل ہوئی اور تجعیم ہوگوں کی مجست بزریع چال ہوئی ہے۔

روایت سے کہ دعیل خزاعی ایک مرتبہ مامون سمے پاس آئے ۔ مامون سنے کھا۔ قرا وہ اپناطویل مرتبہ توسنا وسج تم نے حضرت ا مام رصنا کے متعلق کہاہے۔ دعیل نے کہاکیسامرتبیایس تو اسسے حیا نتائجی نہیں ۔ مامون نے کہانہیں فردونہیں تمہیں ہوارح کی امان سے۔

دعبل نے تقیدہ منانا متروع کیا اورجب استعربہ بہنچے کہ

اگرینی امیر نے آل محدکو قتل کیاتو ان سے پاس ایک طرح کاعذریجی سیے گرینی عباس سے پاس توکوئی عذریجی نظرنہیں آتا یہ من کرامون نے اپناعامہ مرسے زمین بہر کمیک دیا اورکہا دعیل تم نے بیج کہا واقعاکوئی عذرتہ بہ ہے۔

الوالعبياء 🚤 الوالعبياء

اپ حصرات بھاری تعربیت و وصیفت سے بالا تربی ، ہم اپ ی تعربیت این کی تعربیت این کی تعربیت این کی تعربیت این کی تعربیت کی ۔ کی تعربیت کے ۔ کی تعربیت کی تعربیت کی تعربیت کی تعربیت کی تعربیت کے ۔ کی تعربیت کے ۔ کی تعربیت کی تعربیت کے ۔ کی تعربیت
عبدالشربن اليوب خيريتي

معنرت المام رمنا عليدانسلام كى وفات سے بعد عبداً نشرين ايوب خيريتى شاعر نے آپ كے فرزند

حفرت! یو پیمغرطیا اسده م کوخطاب کرتے ہوئے ہے مرٹیہ کہا۔
اے و بیچ سے فرن ہواہے اس شجرہ طیب کے فرز برجس کی جڑا ورشاخیں وونوں طیب طاہر
ہیں ۔ اسے افضل الرسل یعنی حضرت محمد صطفاصلی الشرطیر و آ کہ وسلم کے وصی سے فرز ند۔
لے ان آٹھ آ نمہ طاہرین کے فرز ند جو دنیا کو روسش کر کے غروب ہو گئے اور لے ان آئی
آئمہ کے بدرعالی مقداد ہو آئنرہ طلوع ہوں گے ۔
ان ممتر کے بدرعالی مقداد ہو آئنرہ طلوع ہوں گے ۔
در حقیقت مشارق ومغارب سے مراد آ ہے ہی اور خود وستہ آن اس کی
تھدین کرتا ہیں ۔

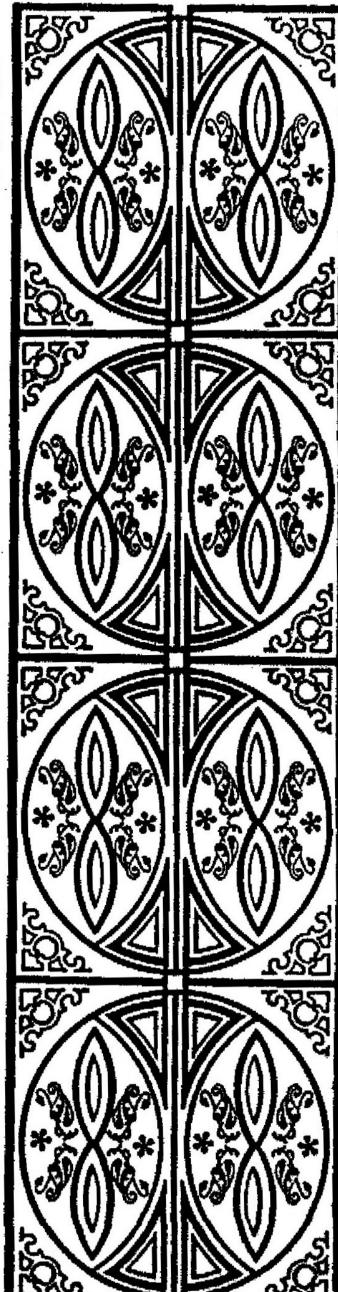




بالب



معجزات وكرامات درروطنهُ حضرت امام رضا علالت معرت امام رضا علالت



روضر افرس سے نور ملز درواز کا کھلنا

کو تبا یا اوراس کولے کواس بالا خانہ پر آیا جہاں سے مجھے وہ نود بلند ہوتا ہوا نظر آیا تھا ہے دکھے کراسے بے حدثیجت ہوا وہ الحدالڈ کی تبیح پڑھنے کی رحالانکہ وہ بھی میری طرح آن ہرا ہما ک بہیں رکھتی تھی رہبرحال میں اُسی وقت دوٹرا ہوا مشہد پہرنجا تود کھے کہ دومنہ کا دروازہ بند سب میں نے اپنے ول میں کہا پروردگا داگرونون امام رضا علیست کلام کی ا مامیت وا تعامی ہے۔

تومیرے لیے اس رومنہ کا دروازہ کھول دے یہ کہہ کرمیں نے اسنے ہاتھ سے درواز سے کود کا ویا تو درمازہ کھل گیا میں نے اپنے دل یں کہامعلوم ہوتا ہے کہ چی طرح سے بند کہیں تھااس کے کھل گیا ہے یہ سوپ کرمیں نے دروا زے کوٹوب الچی طرح بند کردیا اور لودا اطمینان کر لیا کراب یہ لیجرکنی سے بہیں کھل سکتا راس سے لیومیں نے مجرکھا کہ پرود دم کا درا کر حفرت امام دمنا

ملیست ام امامت می امامت می اور برے لئے اس دروازے کو کمول دے یہ کہ کریں سنے دروازے کو کمول دے یہ کہ کریں سنے دروازے کو کمول دیا ہے اس کے دروازہ کمل گیا میں اندر گیا زیارت کی دروازہ کمل گیا میں اندر گیا زیارت کی دروازہ کمل گیا میں اندر گیا زیارت کی دروازہ کمل گیا دروازہ کم کی دروازہ کم کی دروازہ کم کی دروازہ کا کائل ہوگیا راس کے بعداب کم کی دروازہ کا کی دروازہ کا کائل ہوگیا راس کے بعداب کم کی دروازہ کم کی دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کی دروازہ کی کی دروازہ کی دروازہ کی کی دروا

برج حرکونوقان سے شہدمقدس زیارت کے لئے آتا ہوں ا ور وہاں نماز پڑھتا ہوں۔ دعیون اضار الرضا ملدامشہ

() _____ روضهُ اقدس پراستجابت وُعا ابوطالب الحبین بن عبدالٹربن نبان طائی سے روایت سیے کہ ابومنعو و بن عدالدّا ق نے حاکم طوس بیوردی سے دریا فت کیا کرکیا تہا رے کوئی لوا کا ہے واس نے کہا ہیں ۔ ابومنفود کے کہا بھرتم شہدمقدس رومندا مام رمنا ملیک للم پرجاکرالٹرسے كيوں دعامين كرتے كراللہ تعالى الاكا منابت كرے وميں نے تواب كے رومنہ پرجود ما ما نکی وه قبول جونی. ما کم طوس کا بیان ہے کہ ابومنعود کے مشورہ پرمیں رومندا قدس حفزت امام رضا علیک للم پرماخرہوا ا ورالٹرسے دُعا ما کِی کہ مجھے لوا کا عطا کرسے توخدانے مجھے فرزند عطا فرمایا مجرمیں ابرمنعور بن عبدالرزاق کے پاس کیا اور اس سے تبایا کرمیں نے رومنہ ا قدس پرجا كردُ عا ما ننگى تنى ميرى دُ ما فبول بوقى الند في كرم كياا ور مجع فرزندعنايت كيار صدوق عليه الرحمه فرمات بين كرميس نے اميرسعيد دكن الا وله سے زيارت مشہد مقدّس حفرت امام رمنا علیک للم کی اجازت چاہی اورامس نے مجھے ماہ رجب المسلم میں ا جازت دی ا ورجب میں اس سے ا جا زت کے ربیا تواس نے مجھے میروالیں بلایا او کیا۔ پربہت با برکت روضہ ہے میں نے بھی دہاں کی زیا رست کی ہے ا درالٹرسے جودعا ماکی وہ تعول ہوتی ہے لہذا آپ وہاں مبار ہے ہیں تومیرے لئے دعا ا ورمیری طریت سے زیارت میں کو تا ہی ند کیجے محا اس لیے کہ وہاں جو دُعا ما نکی جاتی ہے وہ نبول ہوتی ہے۔ میں نے ان سے وعدہ کیا اور دعدہ کو پورا کیا میرجب میں مشہد سے بلٹ کرآیا توامیر سعیدرکن الاولہ کے پاس گیا ۔اس نے پوچھا کیا آپ نے میرے لئے وہاں پر دعا ک می اود میری طرف سے زیادت پڑمی تھی ؟ میں نے کہا ہی ہاں اس نے کہا آپ نے جو پراحسان فرمایا ا در میرے لئے اس امرکی تعدیق ہوگئی کہ واقعًا اس رومنہ اقدس میں دُعا قبول ہوتی ہے۔ (عيون اخبارالفا علد ٢ مهيس) و نشاندینی مقام دفن امانت

بجدے ابونعراح دین صین نبی نے بیان کیا اور یہ وہ مخص ہے کہ اس سے بڑا فارجی اور دشمن ا بلبیت آج کک مجعے نہیں ملا ۔اس کی فارجیت کا یہ حال نخا کہ وہ درود میں مریت اکٹری صلی علی محت مثک کہتا تھا دَعلیٰ آلے نہیں کہتا تھا۔ بہرمال اس کا بیان ہے کہ مجہ سے ابوبکر حامی الغرار نے سکہ حرب نیشا ہور

نے اپنی ایک ا مانت میرے میروکی میں نے اسے زمین میں وفن کر دیا۔ ا ور اب مجول کیا کہ کہاں دفن کی ہے جب ایک مدت گذرگئ تو وہ شخص آیا ا در اس نے اپنی ا ما نت والیس مانگی مرميس دفن كي عجر معول گياتها اس تخير بهت بريشان تماا وروه بجد پر بدديانتي كا الزام لكاريا تنعاراس پرلیشانی میں میں مغوم ورنجیرہ اپنے گھرسے نکلاد کیماکدایک قافلہ روندا مام دمنا مليسكام كى زبارت كے لئے مشہدجارہ ہے ميں بى اس كے ساتھ مشہد كے لئے روا در كا وبال بہونی کرزیارت کی اورائٹرسے دُعاکی کراس شخص کی اما نت سے دفن کی عبر کاکسی طرح وات كوميں نے خواب میں و ميكماكرا يك شخص ميرے پاس آيا اور اس نے كہا كرتم نے وہ ا مانت فلاں مقام پر دفن كي ہے بہرحال جب زيادتِ سے وآپس آ يا تو میں کے صاحب ا مانت سے خواب میں جو کچھ دیکھا تھا بیان کردیا ۔ مگرخود مجعے اپنے خوارب پراِ عتبار ند تھا (اس لئے میں تو وہاں گیا ہیں) صاحب امانت خودگیا اور اس نے اس جگہ کو کمبودا تواکس کی امانت مہرشدہ اس مقام ہر مدفون ملکتی ۔اس کے بعدہ ہ صحی اپنے ال وا فعد كوسب سے بيان كياكرتا ا ورمشبد مقدس كى زيارت كا لوگوں كوشوق ولا ياكرتا تھا۔ (عیون اخبیاد الرضا جلد۲ صن<u>۲۲۹-۲۲۹</u>) ويوار برمعجزانه تحرير ابوجعفر محدبن ابی القاسم بن محد بن فضل تمیی بروی سے روایت سے کہ میں نے ابوالحس علی بن الحسن قبستانی سے شیا ۔ ان کابیان سے کمیں مرد الرود میں تعامیم ایک جزونا می معری شخص اد حرسے گذا اس نے تبایا کمیں موسے حفرت ا مام رضاعالی است الم رومنہ اقدس کی زبارت کے لیے طوس آیا ہوں ۔ جب روضہ اقدس پر پہونچا تو آفتاب غرب سکے قریب تھا اس نے زیارت کی اور نماز پر می آنفاق کی بات تنی کر اس ون اس معری کے سوا اور کوئی زا ترمنیں آیا تھا۔غرص جب رات ہو گئی توخادم قبر رومند کا در وازہ بندکرنے کے لئے آیاتوں معری نے اس سے درخوامت کی کہ وہ اس کو روضہ کے انڈرہی چھوڈ کردر وازہ بندکرسے بہدوخ ميں نگاز دغيره يرمتار ہے كا۔ اس لئے كہ يرايك وور درازمقام سے آيا ہے اس كو با برنسكنے ک مرودت بیں۔خادم نے اس کورومنرس جود کر دروازہ بذکردیا۔ وہ تہااس بی نماز يطعقاربا جب تعك كيا توا يناسر كمطنغ يرد كموكر بيموهي تاكر ذرادم لينتع يميرجب أس

میں بیروا قعد میان کیا دامس کا تماریمی اصحاب حدیث میں ہوتا تھا ، وہ کہتا تھا کہ ایک شخص

نے محصے سے سرامٹھایا تو اس سے چہرے کے سامنے دیوار پر ایک دقعہ چہاں تعاص پر ب دولنوتحريه تمع حوشخس ما ہتا ہے کہ الیسی قبر کو دیکھے کہ صب کی زیادت کرنے والے کی الشرتعالى تمام پريشانياں ووركردتيا ہے تواس پر لازم ہے كه ده اس قبر کی زیارت کرے حس میں الدّتعالیٰ نے خاندان دسالت کی ایک منتخب پہستی محوماکن کردیا ہے۔ اس معرى كابيان بے كەيرىل موكرىي بواغفا اورمى كك نمازى برمعتار بامىر ا بنامر کمشنون پررکه کرمیندگیا به مهرمرا معایا اتواب دیدار بر کمیدنها مالانکه ده تحریر تا زه می کان معنوم ہوں تھی _ جیسے کسی نے اہمی اہمی مکمی ہو معری کا بیان سے کہ جب مسح ممودار ہون تودرون کملا ا درسی روف سے نکلا۔ (حیون اخبار الرضا جلد ۲ مند۲۰۱۱) حاكم فزامان نے كتاب مقتفی تى تموديكيا ہے كەمیں نے ایک مرتب فواب ہیں د كميماكمين روضهُ اقدين صعرت ا مام رضاعليمستيلم بين بهون كراست بين ايك فرشند آسمان سے نازل ہوا جومبر بہاس پہنے ہوئے تھا ۔ اس نے لوح قبر ہے و واشعار لکم و بیتے جوشخص پرچا ہتا ہے کہ کسی الیسی قبری زیارت کرسے جس کی زیاد ت ترجمه :-کے بعداس کتام پرنیٹانیاں دور ہوجایش تووہ اس قرکی زیارت كرے ۔ الدُّلْعَائی نے اس میں آل رمول کی ایک منتخب میستی کوساکن کردیا ہے۔ احترام اسم امام " ا ہوالحس علی بین اجرین الحافعری معدل کا بداین ہے کہ صالحیین میں سے ایک شخص کے جناب رسول مقبول صلى التدمليردة لهوملم كوخواب بيس ديكما ا در عوض كيا يا رسول التدمين آب كى اولادیں سے کس کی زیارت کروں ؟ آپ نے فرمایا میری اولا دمیں سے اُن لوگوں کی قبر کے زیارت کروجوز ہر سے شہیر ہوکر میرے پاس آئے ہیں ا ورمیری اولادسی سے اُن کی قبر ک ذبارت کروجوتشل ہوکرمیرے پاس آئے ہیں۔اس مروصائع نے کہا کیا رسول الند مگران کی قبرتو مخلعت مقامات پرہیں اُن میں سے کس قبرک زیارت کردں ؟ فرمایا اُس کی قبرک زیارت كروجوتم سے قریب واقع ہوا ور عالم غربت میں مدنون ہو ۔اُس مرد مبالح نے كہا يا رسطناللہ

کیا آپ فی مراد حفرت امام رمنا سے ہے ۔ و آپ نے فرمایا دار ہے خال نام لے لیا) ان کے نام كے ساتھ صلی النّدملیہ وآلم كہومى النّدعلیہ وآلم كہومى النّدعلیہ وآلم كہو۔ یہ آپ نے بّین مرّبہ (عیون اخیاد الرضا جلد۲مس<u>۱۸۲</u>) · بازگشتِ تلاوت ا ہوعمرہ محیربن عبدالنَّد حکمی حاکم نوقان کا بیان سیے کہ میرے پاس ڈوخعی امیرنفربن احد بخاری کے نام کسی باوشاہ کا خط لے کرا کے ان میں سے ایک مقام دے کا باشندہ تھا اور ایک فم کا رسینے والا تھا۔ فمی شخص فم کے قدیمی مذہب خارجیت سے منسلک تحقا ا ور رے والا لینی را زمی مشیعیت سے متعلق تھا ۔جب دو نوں نیشا پورمپہریجے تورازی نے می سے کہا ایسا نرکریں کہ میلے ہم حفرت امام رضا علیات کم ک زیادت کرلیں اس کے بعد بخارا چلیں ؟ فی نے کہا بادشاہ نے ہیں خطامے کر بخارا بھیجا ہے جب بک ہم اس کام سے فارغ منهولیں جا تزینیں کہ دوسراکوئ کام کریں ۔الغرض دولوں بغیرزیارت نخارا روازہو کے اور بادشاہ کا خطا پہری کروالیں ہوئے اورجب طوس کے قریب پہرنے تو مرددازی نے اس می سے کہا ہم امام رضا علیات لام کی زیادت ندکرلیں ؟ اس نے جواب دیا ہم دے سے چلے تھے تومرحبر مذہب پر تھے اب وہاں را فعی بن کرتونہ لیکس گے۔ بہرحال اس مرد را ذی نے اس شخص فی کواپنا ما دامیا مان ا ورسواری میرد كردى ا ورايك گدستے پرسوار ہوكر دوخہ ا مام رضا حلیلسنگام کی زیارت كوآ یا۔ا ودفرام دومنہ سے کہا آج کی شب میرے لیے روضہ کا دروازہ کھول دوا وراس کی کنجی مجھے و سے دور خدّام نے الیسا ہی کیا۔ مردِ را ذی کا بیان ہے کمیں رومنہ اقدس میں وا خل ہوا اندرسے دروازہ بندكرايا ا ودحفرت امام رمنا عليكسيلام كى زيارت پرصى مجر قبر كے سرماليس كموسے بهوكر كازيں پر معیں اس کے بعد قرآن کی ابتدا سے تلاوت شروع کی۔ توحیں طرح میں پڑھ رہا تھا اِسی طرح قرآن پڑھنے کی کوئی اور آ وا زمجی مُسّالی و بینے تھی۔ اب میں نے قرات روک وی اور دو سے چاروں طرف مچرکر دیکھا توکوئی نرنغا لہذا مچواپنی جگہ والپس آگی ا در قرآن کی قرات ہمودع ک تومیراسی طرح قرات کی آ واز آ نے لگی تومیس تھوڑا خاموش ہوکرخوب غور سے سننے نظامعلوم ہواکریہ اواز قبر کے ابدر سے آرہی ہے بھرس اس طرح قرات کرتارہا اور اس کے ساتھ then the same of the same to the total of the same

يهونها كر ، . يُؤمِّر نَحُنُرُ المُتَقِينَ إلى الرَّحْسِ وَفِينًا أَهُ وَلِيونِ الْمُجْرِفِينَ الْمُحَرِّفِ الْمُ (موره مريم آيت ٨٨٠ ه.) تو قبريك أواز أن يُؤمّ يَخْتُرُ المتنّغُونَ إلى الرَّحْمُن وَفَيْلًا هُ وَيُنَا تُ الْمُجُرِمُونَ إلى حِنَاتَمُ ورُدُاه الغرمن مين في قرآن كالاوت حتم ك ا ورا د موسے میں تلاوت ختم ہوگئی۔ جب مبع ہوئی تومیں نوقان والی آیا تو دہاں کے قاربانِ قرآن سے اس قرآت كمينعلق دريا فت كيا توامنوں نے كہا يہ قرأت لفظاً ا ورمعناً تو درست سب مرجين نبي معلوم کرمات قاربان قرآنِ میں سے سی ایک کی مبی یہ قرأت ہو۔ دادی کا بیان ہے کہ مجرمیں نیشاہور آیاا ور دہاں کے قادیوں سے اس قرآت کے متعلق دریا فٹ کیا کہ اس آیٹ کو یوم پھشی المتقلون الى الرّحنن وفداه وساق المجرون الىجهتم ورذاه سات متبورقاريون یں سے سے بڑھلیے۔ وہاں کے قاربوں نے پرچیاتم پرکہاں سے ہے کہ دسے ہو جمیں نے کہا ایک بات ہے اس سے معلوم کرنا چا جیا ہوں کہ یکس کی قرآت ہے ۔ توانہوں سنے جواب یہ دیا کہ دوایات ا بلبیت کی بنا ہر دسول النّدکی قرآت سے ۔ اس کے بعدا کنہوں نے پوچھا آ فروا قعدکیا ہے کہ مس کی وجہ سے تم اس قرآت کو پوچھ دھپے ہو۔ تومیں نے ما راقعہ بیان کیا ا در بهاری قرارت میچیج بوکئی۔ (عیون اخبار الرضا جلد ۲ مسمیر) اسی مثل کی ایک روایت کشید الغمر جلد س مالات و پرمجی مذکور ہے۔ غلام کی دعا کی فوری قبولتیت ابوائحن محدبن شبدالتربروی سے دوایت ہے کہ بلخ کا ایک شخص مشہد مقدّس حفرت ا مام رضا مليست لأم كى زيارت كو آيا اس كے ساتھ اس كا غلام بھى تھا۔ دولوں نے حفزت ا مام دفیا علیت لام کی زیارت بڑھی مہر مالک قبر کے سربالیں کھوا ابو کرنما زیجہ معنے رنگا ورغلام با وُں کی طرف مشغولِ نمازہوا۔جب دونوں نما زسے فارغ ہوئے تو دیر تک سجاہ میں رہے بچھ سے پہلے مالک نے سجد سے سے سراکھایا اورغلام کوا واز دی توغلام نے فوڈا سجدے سے مرام ممایا آور کہا" بیک یا مولای" سرکار ماحز۔ بوچھا آزا دی چا سے ہو؟ خلام نے کہا جی ہاں۔ مالک نے کہا اچھا جا و تم راہِ خلامیں آزاد ہوا ورمیری فلاں کنیز جو بلخ ہیں ہے امي كوبمي ميں نے آزادكيا اور اس كا لكائ تم سے اسے مہر بركيا اور تبهادى وف سے مبر كم

ا دائیگی میں کروں کا اورمیری فلاں جا تربرا دہے اسے میں نے تمہاری ا ولا دیے لئے بلکہ اولا دور ا ولاد سے لئے وقع نرک ما دوراس مرمی اس امام کوگراہ مثابًا ہوں برش کرخلام ما دسے خوشی کے زار وقطا در وسنے لگا اورالڈکی ا ورامام ڈخاکی قسم کھاکر کہنے لگا کہ امبی امبی میں سنے سجدہ میں بہی دُعاکی تعی اور اتنی جلدا لنڈ نے میری یہ دعا تیل کرلی ۔ کرلی ۔

كالدَالاً للهُ كالمت

ا ہونعرموڈن نیشا پوری کا بیان ہے کہ ایک مرتبہ میں ایسا مشدید بھارہوا کہ اس کے اٹرسے میری زبان بند ہوگئی میں بالکل بات نہیں کرسکتا تھا۔میرے جی بیں آیا کہ چل کر حفرت ا مام رضا علیات لام کی زیارت کروں ا وروہیں آپ کے روضہ برا لنڈسے و عاکروں ا ورآپ کواپا وسیله نبا وُل تاکه النّد ججع صحت و سے ا ورمیری زبان کھل جائے۔ یہ سوچ کو میں سواری پرسوار ہوا اورمشہد مہونچا ا مام رضای زیادت کی مچر قبر کے سربالیں کھولیے ہوکھ دو دکست نمازپڑھی بچوسجدہ بیں گیا اور معاقب قبرکا واسطہ دے کرمیں نے الٹرسے انتہائی تفرّع کے ماتھ دعا مانگی کہ اے الکہ تو مجھے مسحت دے اور میری بند زبان کھول و ہے ۔ محومیں وہیں سوگیا ۔ توخواب دیکھاکہ جیسے قرشگا فتہ ہوتی ا وراس میں سے ایک بزرگ گندی رنگ کے نیکے اور مجھ سے کہا اے ابونو کہ کا انہ الا الله عمیں نے اشارے سے جواب دیا کیسے کہوں میری زبان کومپلتی ہی بہیں بالکل بندہے۔ ان بزرگ نے ججہ سے ڈا سط کرکہا کیا توقدرت خدا کامنکریسے کہدلا الہ الااللہ ۔ را دی کابیان ہے کہ فوڈا میری زبان چل پڑی میں نے لا الد الا الله كہا۔ اور يا باره اپنى قيام كاه پر آيا را سے مجرلا الد الا الله كہنا را ا ودمیری زبان چلتی دبی اس سے بعد تہمی بند نہوئی ۔ (عیون امبادا ارضاحلہ ۲ مسلم)

المسيلاب اور وفيرا قدس

یری ابونوموڈن ہی کا بیان سے کہ ایک مرتبہ منا باد پیں بہت ذہرہ مسنت سیدہ ہے۔ آیا۔ وہاں کی واوی روضہ اقدس سے بلندنتی ا دریانی روضہ اقدس سے قریب تک پہونچ گیا توالٹر کے مکم سے روضہ اقدس اس وادی سے میں بلند ہوگیا ا ورروضہ اقدس بیل میداب کاکوئ اٹرز ہوا۔ مبی بہیں چلا ۔ امیر ایو نفر کا ایک خلام جس کا نام ضطلخ تاش نما وہ بھی اُس وقت وہاں موجود تھا جب بہیں چلا ۔ امیر ایو نفر کا ایک خلام جس کا نام ضطلخ تاش نما وہ بھی اس سے پرچھا سب نے بہی جواب دیا کہ بہی بہیں معلوم بلکہ وہ نوگ مجھے جھٹلانے ملکے اور کہنے گئے کہ تم نے تھیلی یہاں دکھی ہی بہیں تھی میں ان نوگوں کے حسد و نبیعن کو جا نتا تھا بجھ گیا ان نوگوں نے چالی ہے کہ بہی بہیں نئی میں نے مناسب بہیں سجھا کوا میر اپو نفر سے اس کا تذکرہ کروں اس فیال سے کہیں وہ مجھ پرہی الزام نلکا دے مگرمیں بہت جیرت اود فکرمند تھا کہ آخروہ تھیل کون لے گیا اور میرے والد کا یہ کہتور تھا کہ انہیں جب کوئی پریشانی لاحتی ہوتی توفوراً رومنہ حوزت اور میں میا کہ تھی ہوتی توفوراً رومنہ حوزت امام دھنا علی ہوتی توفوراً رومنہ حوزت اور اللہ سے وعاکرتے آپ کی پریشانی دور میں جب کوئی پریشانی دور الکہ سے وعاکرتے آپ کی پریشانی دور اللہ سے والدی تھی دور اللہ میں دور اللہ سے والدی تھی دور اللہ دور اللہ سے وی بھور ان کی دور اللہ دور الل

یہ جال آتے ہی میں امیراد لفر کے پاس دوسرے دن گیا اور کہا ایہاالامر مجھ طوس جانے کی اجازت مرحمت فرما ہتے میراوہاں ایک کام ہے اس نے پوچھا کیا کام ہے ؟ میں نے جواب دیا کہ میرا ایک طوسی خلام تھا وہ بھاگ گیا اور وہ تھیلی خاشب ہا ورمیرا فیاں ہے کہ وہی ہے گیا ہے ۔ امیر نے کہا دیکھ لوکہیں ایسا نہ ہوکہ تم ہجارے سامنے اپنے احتہا دکھی بیٹھو۔ میں نے کہا خدا کی پارہ بھلا کہیں ایسا ہوسکتا ہے ۔ امیرابولفونے کہا اچھا اگرتہا دے آئے ہی تا فیرہوئی تومیری مقیل کافسامین کون ہے ؟ میں نے کہا آگر میں چاہیں دن مے بعد نہ آگ میں تومیری سادی طکیت میرامکان سب آپ کے سامنے ہے آپ الحامی خواجی کو مکھ دیں کہ وہ طوس میں میرے سادے اٹنا نے برقبفہ کرنے ۔ پرسٹکو اس نے مجھے امس نے مجھے فرزندعطاکیا مگرویب وہ اواکا ہائے ہوا کو متل کردیا گیا میں دوبارہ اس دونہ ہیں اس خام پراً یاجہاں میں نے دُعا ما بھی تھی ۔ یہاں کھوے ہوکرمیں نے بھر و ما ما بھی کہ پرودنگار اس مقام پراً یاجہاں میں نے دُعا ما بھی کہ پرودنگار فیصے ایک فرزندعطاکیا ۔ اوداس دوفہ فیص اور برکت جواس نیس جب بھی کوئی دعا ما بھی الشرنے میری وہ دعا قبول کرئی ۔ تو یہ ہے وہ فیعن اور برکت جواس روفہ اقدس سے مجھے حاصل ہوئی ۔

روفہ اقدس سے مجھے حاصل ہوئی ۔

(عیون افہا دا لوفا جلد ۲ مسلم اس میں اس میں اس کے معمومات کیلئے وہ اس کے مسروا دہشکر فراسان محد دیا گیا ۔

ابوطیب محمومی کی حراسان کی حکومت کیلئے وہ عالی میں اس میں اس میں زید پر آیا گاکہ ان سروار وں کے مکان کو دیکھے جواس کے ما تھ ون نیشا پورس میدان حسیس ہی زید پر آیا گاکہ ان سروار وں کے مکان کو دیکھے جواس کے ما تھ اب عقیل پر تھے اور جس کی تعیر کا اس نے حکم دیا تھا اور دیمی مکم دیا تھا کہ وہاں ایک بھارشان میں دیا تھا کہ وہاں ایک بھارشان

دن نیشا پورس میدان حسیس بمن زید پرآیا تاکہ ان مرداد دن کے مکان کو دیکھے جواس کے ماتھ ا باب عقیل پر تھے اور جس کی تعیر کا اس نے حکم دیا تھا اور یہ می مکم دیا تھا کہ دہاں ایک بہارشان رشغا خا نہ) تعیر کیا جائے ۔ الغرض وہ گھوم بھرکر دیکھ ہی رہا تھا کہ اس کے ساھنے سے ایکشخس گذرا ۔ حمویہ نے اپنے خلام سے کہا جا و اس شخص کو لے کرمیرے گھو پہر نچو میں تعوش کی دیر میں آتا ہوں ۔

الغرض جب حوبہ اپنے گھروالہیں آیاا در اپنے ساتھ کے مرواران کے ماتھ دسترخوان پر بیٹھا تو غلام سے پرچھا دہ شخص کہاں ہے ۔ غلام نے کہا وہ دروا ذہبے ہے۔ حکم دیا اس کو بھی اندر بلا لو۔ جب وہ اندر آیا تو کہا اس کے ہاتھ و صلا ڈ ا ورمیرے ساتھ اسے بھی دسترخوان پر بٹھا ڈ ۔ جب سب لوگ کھانے سے فارغ ہو چکے توحمویہ نے اس

شخص سے پوچھاکیا تہارہ پاس سواری کے لئے گردھا ہے ؟ اس نے کہا تہیں ۔ اس نے کم دیا کہا سے ایک گردھا ویرو ۔ بمچر لوچھاکیا تہارہ پاس خرچ ا خراجات سے لئے کچونقدر قم مجھی ہے ؟ اس نے کہا تہیں جکم دیا کہ اس کوایک ہزار درہم ا ور دو مدد خوزستانی توکرے اورایک سفرہ اور فلاں فلاں آلات دے دو۔ وہ سب لاکواس کودے دیا گیا۔

امی کے لبدحویہ اپنے مروادوں کی طرف متوجہ ہوا اورکہا جانے ہوٹیمی کون ہے ؟ لوگوں نے کہا کہیں اس نے کہا اچھاسنو ۔ جب میں جوان تھا توحوت امام دمنیا علیاستیام کی زیارت کوگیا چرہے جسم ہر بیحہ بوسیدہ اور پھٹے ہوائے کچوسے تھے ۔ وہاں میں نے اس تخص کو د بچھا میں قرکے پاس کھوا اہوا دعا ما تک رہا تھا کہ ہووردگا رتو جھے فواسان کی مکومت مطاکر دے ا درمیں نے مناکہ بہتھیں اُن چیزوں کے لئے دُما ما تک رہا تھا جو

ابھی میں نے دسینے کا حکم دیلہ ہے۔ جب میں نے یہ دیکھاکہ النسنے میری دعا اس معفد اقدین کی برکت سے قبول کی تولمیں نے چا ہا کہ اس کی دعا میں میرے ہاتھوں التّرقبول کرے ۔ مگر إس سخص كے ذرته ميرا ايك قعاص ہے ۔ لوگوں نے پوچھا تعیاص كيسا ؟ حويہ نے كہا اسس شخس نے جب مجھے پھٹے ہوائے کڑا وں میں مکومت وا سان کے لئے دکھا مانگے سنا تو مجھے لفرت سے دیکھا اور ایک لات ماری اور کہا اپنی مالت ا ورحیثیت بہیں دیکھتا ا ورمیلا ہے مکومت فزاسان ا ورمرداری فوج کی دعا کا شکنے رسرداروں نے کہا ایہاالامپر مگراب آب اسے معاف کردیں اور بے میارے کوچوڈ دیں تاکر اس کے ساتھ آب کا صین سلوک مکمل ہوجائے رحویہ نے کہا اچھایس نے اسے اپنا فقیاص معا ب کیا۔ اس کے لیدحویہ مرابر اس روضہ ا قدسس کی زیارت کرتا رہا۔ اس نے اپنی لولمی کا عقد زیدبن محدبن زیرعلوی سے جرجاں میں اِن سکے دالدیکے قتل کے لیعد کر دیا۔اود اكن كواپنے قعر بین منتقل كراييا به اوراك كے مبرد بهت كچونعمت و دولت كى را در به مسب اس روصہ اقدس کی برکات کو دیکھتے ہوئے کیا۔ نبزجب ابوالحدين محدبن زباد ملوى رحمة الترسف فروج كياد ورنيشا بودس بیس بزارا فراد نے ان کی بیست کرلی توخلیغہ نے ان کو گرفتا دکر سے بخارا بھیجدیا جموبہ وہاں بپہونچا ا درانہیں قیدسے آ زادکرانے کی کوشنش کی ا ورا میرخراسا ن سے کہا کہ یہ نوگ اطلا رسول ہیں ا وربھوکے ہیں منارب یہ ہے کہ ان کے اخراجات پورے کئے جایش ٹاکہ طلب معاش سے بے نیا زہومایس راس کے بعد ہرماہ ان کا وظیفہ مؤر ہوگیا وہ جھوٹ و سے گئے ا دراینبی نیشا پور والیس بمیبیدیا گیا (سا دات بخارا کوجو دفلیفه ملتا تھا وہ اسی بنا پر تھا) اور یرسب کچوکس مدخداقدس کی برکت کیوجہ سے ہوا۔ (عیوی اجمامالوہا جلدم مسلم) ___ کم شده فرزندکی بازیابی ابوالعالس احِربن جمد بن احمد بن الحسيس مأكم كى دوايت سيے كميں سنے ا بوعلی عا مربن عبدالنرمیرودی ماکم مرد رودکوبیان کرنے مشنا ا ود بربھی اصحاب مدمیث میں سے تھے کرمیں نے طوس میں حوزت ا مام رضا حلیات کام کے دوخدا قدنسس پرحافری دی تودیکیا که ایک مرد ترکی داخل قبرا قدس بهوا ا ودمریانین قبر کموطهد بهوکررونے نگا اوردگا ماسکیے نشککم روددگارآگرمرالوکا زندہ ہے توجھے اس سے ملاد ہے اور آگروہ مرگیا ہے توجھے اس کا پیچے علم توہدمائے کہ واقعی وہ مرکبیا ہے۔ را دی کا بیان ہے کہ میں ترکی زبان سے نا واقف تھا

يس سلسل روق ہے ميں اس كے لئے بہاں وكا مانگ دا ہوں اس لئے كرمنا ہے كراس ر دمنہ میں و عامشجاب ہوتی ہے۔ دا وی کابیان ہے کہ پیشن کر تجھے اس بیچا دسے پر ترس آیا ا ودمیں نے اس کا با تھ پچڑا تاکہ اسے ہے جاکراس دن اُس کی خیبا فت ا درمہانی کروں چونہی ہم دوخہ اقدمس سے لیکے ایک طویل اتعامت شخص گرری پوش نفل آیا۔جب اس مردتمک نے اس کو دیکھا لوفوا اس كى طرفت برهما است محلے لگایا اور د و نے لگا۔انہوں نے ایک وومرے کومیجان بیا ۔ یہ اس كا وبى لط كا تفاجس كے لئے يرتركى روضه اقدس امام رضا علاسته م ميں وما ما كگ رما تعا۔ میں نے اس اوا کے سے پوتھاتم بہاں تک کیسے پہدیجے تواس نے بیان کیا کمیں جنگ اسحاق آباد کے بعد طبرتنان پہوٹی گیا وہاں میری پر ورش ایک مبنشی دیلمی نے کی جب ہاں برا ہوا توا ہے باپ ا درماں کی تلاش میں نکلا اس لئے کہ مجھے ان دونوں کاکوئی پتہ نہتھا ۔میں وہاں ڈاکوں ا ور مہزنوں کے گردہ ہیں شامل تھا۔ ا ور امہنیں کے ساتھ یہاں پہونچا۔ اس مروتر کی نے کہا اس روضہ اقدس کی برکانت وکرامت میا مت فلاہم ہوگئیں۔ میں عربی ایموں کہ جب تک ذنوہ رہوں گا اس روضہ کے درکو نہ جوڑوں گا۔ دعیون ا*حیا دالفا* جلد۲ ص<u>۲۸۸-۲۸۲</u>) (۱۱) ____

میں کے اس سے کو تھا مہارا کیا معاملہ ہے ؟ اس نے کہا میرا ایک لا کا تھا جومنگ ماں

آبادس كم بوكيا تقاآئ تك مجعاس كى فرنيس كى كدوه مركبا يا زنده سبع اس كى مان مدا ئ

مرو کے معنا فات میں ایک مسجد ہے جومسجد ذرد کے نام سے موسوم ہے ہاں جس مغام ہے موسوم ہے ہاں جس مغام پر حفرت امام رضا علیات کام ہے نماز پڑھی تھی توگوں نے وہاں ایک مسجد کی لغمیرکولی سجر وہیں حفرت امام رضا علیات کام ہے ایک مما جزا دے مدفون ہوئے وہاں کی بھی بہت می کولمات مشہودیں۔
کولمات مشہودیں۔

Some